प्रतियोगिता दर्पण

अक्टूबर 2019 मूल्य ₹ 95.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

9770974639001

अंकित रस्तोगी
उ.प्र. न्यायिक सेवा, 2018

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यूएई व बहरीन के सर्वोच्च नागरिक सम्मान
- राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (2019)
- 66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (2019)
- धारा 370 की समाप्तिः जम्मू-कश्मीर व लद्दाख अब केन्द्र शासित क्षेत्र
- सातवीं आर्थिक गणना (2019) प्रारम्भ
- आर.बी.आई. द्वारा रिकॉर्ड लाभांश का सरकार को हस्तांतरण
- 2018-19 में कृषिगत उत्पादन : चौथे अग्रिम अनुमान
- भारतीय अर्थव्यवस्था 2018 में सातवीं बड़ी अर्थव्यवस्था
- 2019-20 की तीसरी द्वैमासिक मौद्रिक नीति : रेपो दर में चौथी बार कटौती

हल प्रश्न-पत्र

- हरियाणा लोक सेवा प्रा., 17
- राष्ट्रीय रक्षा एवं नौसेना अकादमी, 19
- उ.प्र. सब-इंस्पेक्टर पुलिस, 17
- एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय, 18
- छत्तीसगढ़ डी.एल.एड. प्रवेश, 19
- यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 19
- उ.प्र. प्रवक्ता भर्ती, 16
- उ.प्र. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती, 16
- सेबी (SEBI) असिस्टेंट मैनेजर, 18
- ई.एस.आई.सी. सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, 18
- आई.बी.पी.एस. बैंक विशेषज्ञ अधिकारी, 18

बी.पी.एस.सी.
प्रा. परीक्षा पर विशेष
उपयोगी सामग्री

परीक्षा विशेषांक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

- **सम्पादक**
महेन्द्र जैन
- **प्रधान सलाहकार**
डॉ. रवि कान्त
- **रजिस्टर्ड ऑफिस**
2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002
- **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–4053333, 2531101, 2530966
फैक्स–(0562) 4053330
ईमेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर : care@pdgroup.in
- **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002
फोन–011-23251844, 43259035
- **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड (आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036 (तेलंगाना) फोन–040-24557283
मो.–09391487283
- **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना–800 004
फोन–0612-2303340
मो.–09334137572
- **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर, कोलकाता–700 003 (W.B.)
फोन–033-25551510
- **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया, लखनऊ–226 004
फोन–0522-4109080
मो.–09760181118
- **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी, सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने, नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
मो.–09370877776
- **इन्दौर ऑफिस**
30-31, जिन्सी हाट मैदान, बाबा रामदेव मन्दिर के निकट, मल्हारगंज, इन्दौर–452 002 (म.प्र.)
फोन–9203908088
- **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) मो.–07060421008

के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका '**प्रतियोगिता दर्पण**' का अक्टूबर 2019 अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं—संसद की स्थायी और तदर्थ/अस्थायी समितियाँ, डिजिटल माध्यमों के द्वारा विज्ञान संचार, शिक्षा का यथार्थ, भारत में मृत्युदण्ड होना चाहिए या नहीं, भारत में सहकारी संघवाद : सिद्धान्त से यथार्थ तक, एंटीबायोटिक दवाओं का घटता असर और उनके विकल्प, भारत में भ्रष्टाचार : कारण एवं निवारण, भारत में पशुधन का महत्व : एक अवलोकन. बी.पी.एस.सी. प्रा. परीक्षा के प्रतियोगियों के लिए भी विशेष उपयोगी सामग्री का समावेश किया गया है.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन—हरियाणा लोक सेवा आयोग प्रारम्भिक परीक्षा, 2017. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा, 2019. उत्तर प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस [(नागरिक पुलिस, प्लाटून कमाण्डर (पी.ए.सी.)] अग्निशमन द्वितीय अधिकारी परीक्षा, 2017.

ऐच्छिक विषय—इतिहास-यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019. समाजशास्त्र—उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती परीक्षा, 2016.

तर्कशक्ति—सेबी (असिस्टेंट मैनेजर) परीक्षा, 2018.

संख्यात्मक अभियोग्यता—आई.बी.पी.एस. बैंक विशेषज्ञ अधिकारी (मुख्य) परीक्षा, 2018.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

494 वाँ
सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 42
तृतीय अंक
अक्टूबर 2019

इस अंक में...

11 आपका पुरुषार्थ और कर्म ही आपके भाग्य का निर्माता है
12 राष्ट्रीय घटनाक्रम
20 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
27 आर्थिक-वाणिज्यिक परिदृश्य
35 नवीनतम सामान्य ज्ञान
42 खेलकूद
45 रोजगार समाचार
46 बिहार समसामयिक तथ्य–बी.पी.एस.सी. प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष सामग्री
52 युवा प्रतिभाएं

फोकस

57 (1) संसाधन दक्षता : वर्तमान स्थिति एवं भविष्य
59 (2) भारत में खाद्य सुरक्षा के विविध आयाम
62 (3) डिजिटल इण्डिया : सशक्तिकरण हेतु शक्ति
64 स्मरणीय तथ्य
67 भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व
70 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं
73 विश्व परिदृश्य
77 भारतीय अर्थव्यवस्था : एक दृष्टि में

लेख

83 भौगोलिक-आर्थिक लेख-राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन : क्यों और कैसे ?
87 संसदीय कार्य सम्बन्धी विधायी लेख–संसद की स्थायी और तदर्थ/अस्थायी समितियाँ
90 प्रौद्योगिकी लेख–डिजिटल माध्यमों के द्वारा विज्ञान संचार
91 शैक्षिक लेख–शिक्षा का यथार्थ
93 संवैधानिक लेख–भारत में मृत्युदण्ड होना चाहिए या नहीं ?
95 न्यायिक लेख–सामाजिक न्याय की अवधारणा एवं इसके क्रियान्वयन में संविधान की भूमिका
98 राज्य-पद्धति लेख–भारत में सहकारी संघवाद : सिद्धान्त से यथार्थ तक
100 चिकित्सीय लेख–एंटीबायोटिक दवाओं का घटता असर और उनके विकल्प
102 पारिस्थितिकी तन्त्र लेख–संकटग्रस्त जैव-विविधता एवं मानव प्रजाति
104 राष्ट्रीय नैतिकता लेख–भारत में भ्रष्टाचार : कारण एवं निवारण
109 पर्यावरणीय लेख–ग्रामीण परिवेश में पर्यावरणीय समस्याएँ
110 कृषि लेख–हाइड्रोपोनिक्स प्रौद्योगिकी प्रणाली : बिना मिट्टी के फसल उगाने की वैकल्पिक तकनीक
112 पशुपालन लेख–भारत में पशुधन का महत्व : एक अवलोकन
114 सार संग्रह

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन

118 (i) हरियाणा लोक सेवा आयोग प्रारम्भिक परीक्षा, 2017
128 (ii) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा, 2019
135 (iii) उत्तर प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस [नागरिक पुलिस, प्लाटून कमाण्डर (पी.ए.सी.)] अग्निशमन द्वितीय अधिकारी परीक्षा, 2017
149 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2018
156 छत्तीसगढ़ डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा, 2019
163 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
165 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
167 ऐच्छिक विषय (i) इतिहास–यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
175 (ii) समाजशास्त्र–उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती परीक्षा, 2016
181 (iii) वाणिज्य–उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा, 2016
187 तर्कशक्ति परीक्षा (i) सेबी (असिस्टेंट मैनेजर) परीक्षा, 2018
191 (ii) ईएसआईसी सामाजिक सुरक्षा अधिकारी परीक्षा, 2018
194 संख्यात्मक अभियोग्यता–आई.बी.पी.एस. बैंक विशेषज्ञ अधिकारी (मुख्य) परीक्षा, 2018
201 क्या आप जानते हैं ?
202 अपना ज्ञान बढ़ाइए
203 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध–क्षमा वीरस्य भूषणम
205 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–483 का परिणाम
206 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–193
209 राज्य समाचार

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2019

सितम्बर—रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी संवर्ग (NTPC) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019
सितम्बर—भारतीय नौसेना नाविक (आर्टिफिसर अप्रेन्टिस) एवं नाविक (सीनियर सेकण्डरी रिक्रूट–SSR) भर्ती परीक्षा
सितम्बर—भारतीय नौसेना नाविक मैट्रिक रिक्रूट (MR) परीक्षा
21 से 24 सितम्बर—भारतीय वायुसेना वायु सैनिक ग्रुप 'X' एवं ग्रुप 'Y' परीक्षा
23–27 सितम्बर—एस.एस.सी. जूनियर इंजीनियर (सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (पेपर–I)
24 सितम्बर—इग्नू बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2019
30 सितम्बर—उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन) प्रा. परीक्षा, 2019
सितम्बर-अक्टूबर—रेलवे रिक्रूटमेंट सैल ग्रुप 'डी' (लेवल–1) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019
अक्टूबर-नवम्बर—हरियाणा एस.एस.सी. पी.जी.टी. भर्ती परीक्षा
9-10 अक्टूबर—एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेंस लि. असिस्टेंट, एसोसिएट्स एवं असिस्टेंट मैनेजर भर्ती परीक्षा (ऑनलाइन)
12, 13, 19 एवं 20 अक्टूबर— आई.बी.पी.एस. बैंक पी.ओ./एम.टी. प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
13 अक्टूबर—उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल सिविल न्यायालय ग्रुप 'डी' भर्ती परीक्षा, 2019
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 19 सितम्बर, 2019)
3 नवम्बर—राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE), 2019-20 (कक्षा X)
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 14 सितम्बर, 2019)
3 नवम्बर—राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (NNMSE), 2019-20 (कक्षा VIII)
6 नवम्बर—उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा I & II, 2019.
17 नवम्बर—एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019 (द्वितीय चरण-वर्णनात्मक)
17 नवम्बर—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (II), 2019
26 नवम्बर—एस.एस.सी. जूनियर हिन्दी ट्रांसलेटर, जूनियर ट्रांसलेटर, सीनियर हिन्दी ट्रांसलेटर एवं हिन्दी प्राध्यापक परीक्षा, 2019 (पेपर-I)
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 26 सितम्बर, 2019)
30 नवम्बर—आई.बी.पी.एस. बैंक पी.ओ./एम.टी. मुख्य परीक्षा, 2019
दिसम्बर—उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग कृषि अधिकारी वर्ग-3 (समूह 'ग') सीधी भर्ती परीक्षा
2-6 दिसम्बर—यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर, 2019
8 दिसम्बर—केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) दिसम्बर, 2019
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 18 सितम्बर, 2019)

2020

5 जनवरी—अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा—2020 (कक्षा VI व IX)
11 जनवरी—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2019 (कक्षा–VI)
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 15 सितम्बर, 2019)

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि-लेय"
अन्तिम तिथि—28 अक्टूबर, 2019.
शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 1500, ₹ 1000 व ₹ 500 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	80.00	80.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	725·00	720·00
रजिस्टर्ड डाक से	945.00	940·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1350·00	1345·00
रजिस्टर्ड डाक से	1790·00	1785·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति मूल्य	₹ 35.00
वार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 315.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 530.00
द्विवार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 580.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1020.00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website : www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट '**प्रतियोगिता दर्पण**' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/ सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/ द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम ____________

पता ____________

____

____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मो. नं. ....

मैं ₹.........मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक ________ प्रेषक के हस्ताक्षर ________

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा**—282 002
फोन : 4053333, 2530966, 2531101
फैक्स : (0562) 4053330, 4031570
Website : www.pdgroup.in
E-mail : care@pdgroup.in

आपका पुरुषार्थ और कर्म ही आपके भाग्य का निर्माता है

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

भाग्य के दरवाजे पर सर पीटने से बेहतर है कर्मों का तूफान पैदा करें, सारे दरवाजे खुल जाएंगे.

मनुष्य अभी की घटनाओं को देख करके जिन्दगी में निष्कर्ष निकालने की कोशिश करता है. वह किसी बात के लिए निष्कर्ष निकालना चाहता है, सिद्धान्त बना लेना चाहता है. जैसेकि एक आदमी बहुत मेहनत करे. दिन-रात और फिर भी उसको ठीक समय पर वेतन न मिले, उसको उतना व्यापार में लाभ न मिले जो अपनी गृहस्थी को चला सके, तो लोग क्या कहते हैं कि पैसा, धन, सम्पदा किस्मत से मिलती है परिश्रम से नहीं मिलती. अगर परिश्रम से मिलती होती तो ये बेचारा कितनी मेहनत करता है, कितना श्रम करता है. इसके पास अभी तक समृद्धि नहीं है. सच ही कहा किसी ने कि—

लक्ष्मी मिलती भाग्य से, भागे से क्या होए।
कुत्ता भागे रात दिन, फिर भी भूखा सोए॥

देखो न ये लोग, दूसरी तरफ ये सेठ व्यापारी लोग एकाध हस्ताक्षर करते हैं और दिनभर में हजारों रुपए कमा लेते हैं. एकाध ऑर्डर देते हैं और लाखों का लाभ ले लेते हैं. ये कुछ मेहनत नहीं करते, तब भी इनके पास में सब कुछ है. यानी किस्मत भी काम करती है, पुरुषार्थ काम नहीं करता. जल्दी से निष्कर्ष निकाल लिया गया, लेकिन क्या ये निष्कर्ष सही है. नहीं अब हम इसकी गहराई में जाएं, तो पता लगेगा कि जो आज किस्मत वाले कहला रहे हैं. उनकी किस्मत के रचयिता भी वे इंसान स्वयं हैं और उन इंसानों ने अपनी किस्मत की रचना अपनी श्रेष्ठ भावनाओं के आधार पर की है. अनेक लोग हैं, जो श्रेष्ठ भावनाएँ रखते हैं. खुद कम खाकर दूसरों को खिलाते हैं. अपने हिस्से की चीजों का स्वेच्छा से प्रसन्नता से त्याग और दान कर दिया करते हैं. ऐसे लोग ही अपनी उस किस्मत की रचना करते हैं कि अब दूसरे लोग उनको आ करके लाभ दे करके जाते हैं. ये वे लोग हैं जो कल इनसे लाभान्वित हुए थे और आज वे सभी लोग मेहनत करके उनको लाभ पहुँचा रहे हैं.

प्रकृति बड़ी संतुलित है यहाँ पर. कहीं कुछ अन्याय नहीं होता. जो व्यक्ति मन ही मन चोरी-चकारी की भावना रखता है. षड्यंत्र रचता है. झूठ की रचना करता है. किसी भाँति दूसरों के लाभ को छीनना चाहता है, आसानी से धनोपार्जन करना चाहता है, झूठ बोल करके चाहता है, कपट करके चाहता है, दूसरे को धोखा पहुँचा करके धन इकट्ठा करता है. कदाचित् आज वो पैसा पा भी लो तब भी आने वाले समय में उसे इस अवस्था में आना पड़ता है कि वह दिन-रात मेहनत करता है. तब भी गुजारा नहीं कर पाता क्यों? क्योंकि उसने पहले बहुतों का पैसा खाया, छीना, झपटा अब आज वो बहुत मेहनत करेगा तब भी उसे थोड़ा ही मिल पायेगा, या मिल भी नहीं पायेगा, या वो इतना कुछ करेगा तब अन्ततः उसके हाथ का निवाला कोई और खाकर चला जाएगा. यानी कि उसका लाभ कोई और हड़प लेगा, क्योंकि पहले उसने किए हैं, तो जो आदमी जैसा कर्म करता है. वैसा ही लौट करके आता है.

समृद्धि हो या गरीबी इसके जिम्मेदार कोई अन्य नहीं है और जिसको आप कहते हो कि किस्मत है या भाग्य है और किस्मत या भाग्य भी आपके ही भावों से बनी है और हमारे भावों में जैसा संकल्प रहा, जैसा सोच रहा, जैसा अर्थ रहा, हमारे भावों में जैसा अर्थ रहा, जैसा भाव रहा वही हमारा पुरुषार्थ था. पुरुषार्थ का अर्थ परिश्रम करना, दिन-रात भागदौड़ करना नहीं है. पुरुषार्थ का अर्थ है हमारे भावों में रहा हुआ अर्थ. पुरुष का अर्थ हमारे भावों का भाव क्या था इरादा, क्या था व्यवसाय, क्या था कल्प. सब सुखी तो मैं सुखी, अगर ये कल्प रहा तो निश्चित तौर से आपने बहुत तनाव की रचना की है, क्योंकि आपको सबका सुख भाया आपको भी सुख मिलेगा. और इसके विपरीत आपको ये लगा मैं सुखी तो ठीक है. दूसरा सुखी हो न हो मुझे क्या अब आपकी भावनाएँ बिगड़ी हैं, तो अब आप स्वार्थी हो गए, इसीलिए कितने ही लोग आपको अब सद्भाव नहीं दे पाएंगे. स्वार्थी व्यक्ति को सबके सद्भाव प्राप्त नहीं हो पाते हैं.

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

परिश्रम करने से, उद्योग करने से, पुरुषार्थ करने से शेर को भी अपना शिकार मिलता है. पुरुष को लक्ष्मी मिलती है. देवता देगा ऐसी बातें कायर लोग करते हैं. अगर सब कुछ भाग्य से ही होता है और परिश्रम से कुछ नहीं होता ऐसा सोचकर मनुष्य कुछ पुरुषार्थ करे ही न, तो ध्यान दो कि तिलों में तेल है, लेकिन वो तेल मिलेगा तो तभी जब प्रयत्न किया जायेगा, तिलों की पेराई की जाएगी, बिना पेराई तेल कैसे निकलेगा. कहने का तात्पर्य यह है कि कर्म और भाग्य दोनों साथ-साथ गति करते हैं. आप कर्म करते हैं, तो उससे भाग्य की रचना होती है और फिर जैसा भाग्य होता है वैसा कर्म करने की प्रेरणाएँ भी मिलती हैं. परन्तु निःसंदेह कर्म और भाग्य इनमें से अगर किसी एक की बात करनी होगी, तो आपको ध्यान देना होगा कि मूल कारण क्या है और इसका परिणाम क्या है ? जो कारण है वह महत्वपूर्ण है. परिणाम उस महत्व को परिलक्षित करता है. कारण है कर्म, भाग्य, भाग्य नहीं पुरुषार्थ आपका पुरुषार्थ ही भाग्य की रचना करता है. इसीलिए पुरुषार्थ मुख्य है आपका गर्व मुख्य है. आपका पुरुषार्थ और कर्म ही आपके भाग्य की रचना करता है. आज जो आप भोग रहे हो वो आपका कल का पुरुषार्थ रहा होगा, परन्तु आज का पुरुषार्थ आपके अगले क्षण की भाग्य की रचना कर रहा है. इसलिए प्रतिपल पुरुषार्थमय यानी अपने भावों के अर्थ में सजगता रखो सावधानी बरतो, आपके भाव जैसे हैं. वैसा ही आपका भाग्य बनेगा, भावों से भाग्य की रचना होती है और भावों को ही पुरुषार्थ कहा जाता है. इसीलिए इस जिन्दगी की रचना मनुष्य अपने भावों से स्वयं करता है. अपने पुरुषार्थ से रचता है और पुरुषार्थ ही तो है, जो चट्टानों को तोड़ करके रास्ता निकाल देता है और पुरुषार्थ तो है, जो पंछियों को देख करके हवाओं में उड़ने की कला सीख लेता है. वो पुरुषार्थ ही तो है, जो जल के नीचे भी बड़े-बड़े अपने भवन बना देता है, वो पुरुषार्थ ही तो है, जो चन्द्रयान तक पहुँचा देता है, वो पुरुषार्थ ही है, जो मनुष्य को इतनी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी करवा देता है. ये सब पुरुषार्थ की रचना है. पूरा जगत् पूरी सृष्टि, सारी घटनाएँ आदमी और प्राणियों के पुरुषार्थ से बनती हैं. पुरुषार्थ ही भाग्य की रचना करता है. इसीलिए पुरुषार्थ ही श्रेष्ठ है, किन्तु इस समय जो आप भोग रहे हो वो आपका बीते समय का पुरुषार्थ है. जिसको आज भाग्य कहते हैं. और इस क्षण का पुरुषार्थ यानी आपका भावार्थ भावों की उदारता या संकीर्णता आपके भावों में रही विराटता या निम्नता आपका भविष्य रचेगी. इसीलिए भावों को विराट करो, उदार करो, पुरुषार्थ को, जगाओ, अभ्युदत बनो. देखो आपका भाग्य आपके साथ-साथ बनता चला जायेगा.

●●●

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- अयोध्या मामले में सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई प्रारम्भ
- सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की कुल संख्या अब 34 हो सकेगी : संशोधन विधेयक पारित
- ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में जुर्माना राशियों में भारी वृद्धियाँ (नया मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 पारित)
- चिकित्सकीय शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग विधेयक पारित

  (एमसीआई के स्थान पर नेशनल मेडिकल कमीशन का गठन होगा)
- पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह छठी बार राज्य सभा हेतु निर्वाचित
- जम्मू-कश्मीर में नए युग का प्रारम्भ : अनुच्छेद 370 समाप्त

  (मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम)
- स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति के सन्देश में सरकार की उपलब्धियों के उल्लेख
- अगले पाँच वर्षों में अर्थव्यवस्था को पाँच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का स्वतन्त्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम सम्बोधन में प्रधानमंत्री श्री मोदी का आह्वान
- स्वदेश निर्मित क्यूआरएसएएम मिसाइल का परीक्षण
- नए लागू किए गए UAPA अधिनियम के तहत् आतंकवाद के विरुद्ध कार्यवाही हेतु एनआईए की शक्तियों में भारी वृद्धि
- कर्नाटक में येदियुरप्पा द्वारा सरकार गठन के तीन सप्ताह पश्चात् मंत्रिपरिषद् का पहला विस्तार : 3 मंत्रियों को उपमुख्यमंत्री का दर्जा
- असम में फाइनल नागरिकता रजिस्टर जारी : 19·06 लाख लोगों के नाम अभी भी सूची से बाहर
- पाँच अन्य राज्यों में नए राज्यपाल

अयोध्या मामले में सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई प्रारम्भ

दशकों पुराने अयोध्या मामले का समाधान मध्यस्थता के जरिए कराने का सर्वोच्च न्यायालय का प्रयास विफल रहने पर इस मामले में नियमित सुनवाई अब शीर्ष अदालत में 6 अगस्त, 2019 से प्रारम्भ हुई है. सर्वोच्च न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एस.ए. बोबड़े, न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण व न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर की पाँच सदस्यीय संविधान पीठ में यह सुनवाई अब प्रति सप्ताह मंगलवार, बुधवार व बृहस्पतिवार को होगी. इससे इस मामले में शीर्ष अदालत का फैसला शीघ्र ही आने की सम्भावना है. सर्वोच्च न्यायालय में यह फैसला 2010 से लम्बित है.

पृष्ठभूमि

इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला सितम्बर 2010 को सुनाया था, जिसमें राम जन्मभूमि को तीन बराबर हिस्सों में बाँटने का आदेश दिया गया था. इनमें से एक हिस्सा भगवान रामलला विराजमान को, दूसरा निर्मोही अखाड़े को तथा तीसरा हिस्सा सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को दिए जाने का आदेश था. इस फैसले से असन्तुष्ट तीनों पक्षों ने इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी. ऐसी 14 अपीलें सर्वोच्च न्यायालय में 2010 से ही लम्बित हैं. इन पर कोई फैसला आने तक 2·27 एकड़ के विवादित क्षेत्र में यथास्थिति, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से कायम है.

मध्यस्थता पैनल का गठन

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई करते हुए, मन्दिर व मस्जिद पक्ष से मिले सुझावों के आधार पर इसे मध्यस्थता के जरिए सुलझाने का प्रयास भी किया. इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इब्राहिम कलीफुल्ला की अध्यक्षता में तीन मध्यस्थों का पैनल सर्वोच्च न्यायालय ने 8 मार्च, 2019 को गठित किया जिसमें शामिल किए गए दो अन्य मध्यस्थ आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर व वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीराम पंचु थे. इस पैनल ने अपनी रिपोर्ट 1 अगस्त, 2019 को ही सर्वोच्च न्यायालय को सौंपी थी, जिसमें मध्यस्थता के प्रयास नाकाम रहने की बात कही गई थी.

मध्यस्थता के प्रयास नाकाम रहने पर इस मामले में अब पुनः सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय ने 6 अगस्त, 2019 से शुरू की है.

सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की कुल संख्या अब 34 हो सकेगी : संशोधन विधेयक पारित

संसद द्वारा पारित एक संशोधन के चलते सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या अब 34 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो सकेगी. अभी तक सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 31 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो सकती थी. मुख्य न्यायाधीश की सलाह पर न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि के लिए सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक-2019 [Supreme Court (Number of Judges) Amendment Bill, 2019] को संसद ने अगस्त 2019 में पारित किया है. लोक सभा ने 5 अगस्त को तथा राज्य सभा ने 7 अगस्त, 2019 को इसे पारित किया है. राष्ट्रपति का अनुमोदन भी इसे 10 अगस्त को प्राप्त हो गया है. **इससे सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 34 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो सकेगी.**

- *लम्बित न्यायिक मामलों को निपटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या (मुख्य न्यायाधीश सहित) 31 करने का प्रावधान दिसम्बर 2009 में किया गया था.*
- *सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 8 रखने का ही प्रावधान संविधान में मूलतः किया गया था. बाद में काम के बढ़ते हुए दबाव को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम में संशोधन कर यह संख्या बढ़ाकर 1956 में 11 की गई, तदुपरान्त 1960 में यह संख्या पुनः बढ़ा कर 14, 1977 में 18, 1986 में 26 तथा 2009 में 31 की गई थी.*

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में जुर्माना राशियों में भारी वृद्धियाँ [नया मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 पारित]

सड़क सुरक्षा में सुधार तथा ग्रामीण एवं सार्वजनिक परिवहन की मजबूती के लिए 1988 के मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन हेतु मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक 2019 को संसद के दोनों सदनों ने जुलाई-अगस्त 2019 में पारित किया है तथा राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् नए कानून का रूप इसने ले लिया है. लोक

सभा ने मूलतः 23 जुलाई, 2019 को इसे पारित किया था, किन्तु राज्य सभा ने तीन सरकारी संशोधनों के साथ 1 अगस्त, 2019 को पारित किया. इन संशोधनों के कारण लोक सभा में 5 अगस्त, 2019 को इसे पुनः पारित कराया गया. **मोटर वाहन अधिनियम में जो प्रमुख संशोधन संशोधित अधिनियम के जरिए किए गए हैं, उनमें ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में जुर्माना राशियों में वृद्धियाँ शामिल हैं.** कुछेक मामलों में नई जुर्माना राशियाँ आगे तालिका में दर्शाई गई हैं. इसके अतिरिक्त वाहनों के लिए स्वचालित दुरुस्ती (fitness) वाहन वापस बुलाने (recall of vehicles), सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन, मोटर वाहन दुर्घटना निधि (Motor Vehicle Accident Fund) के गठन, तृतीय पक्ष बीमा राहत राशि में वृद्धि, दुर्घटना के पश्चात् नाजुक समय के दौरान नकदीरहित (Cashless) उपचार तथा दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने वाले लोगों के संरक्षण आदि के प्रावधान संशोधित अधिनियम में किए गए हैं. राष्ट्रपति के अनुमोदन के बावजूद संशोधित कानून के सभी प्रावधान अभी लागू नहीं किए गए हैं. जुर्मानों के नए प्रावधान फिलहाल 1 सितम्बर, 2019 से लागू कर दिए गए हैं. अन्य प्रावधानों के सम्बन्ध में समय-समय पर अलग से अधिसूचनाएं जारी की जाएंगी.

चिकित्सकीय शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग विधेयक पारित (एमसीआई के स्थान पर नेशनल मेडिकल कमीशन का गठन होगा)

चिकित्सकीय शिक्षा (Medical education) व्यवस्था में सुधारों के लिए एक नया राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (National Medical Commission–NMC) विधेयक संसद के दोनों सदनों ने जुलाई-अगस्त 2019 में पारित किया है जिसे राष्ट्रपति का अनुमोदन भी अगस्त 2019 में ही प्राप्त हो गया है. चिकित्सकीय शिक्षा, व्यवसाय एवं संस्थानों के सभी पहलुओं के विकास एवं नियमन के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद् (Medical Council of India–MCI) के स्थान पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के गठन का प्रावधान नए पारित किए गए विधेयक में किया गया है. गजट अधिसूचना के पश्चात् 1956 के इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट का स्थान यह लेगा.

- *भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम (MCI Act) 1956 का स्थान लेने वाले इस विधेयक को मूलतः दिसम्बर 2017 में संसद में पेश किया गया था, किन्तु 16वीं लोक सभा भंग हो जाने पर यह निष्प्रभावी हो गया था. बाद में 17वीं लोक सभा के गठन के पश्चात् लोक सभा ने 29 जुलाई, 2019 को तथा राज्य सभा ने 1 अगस्त, 2019 को इसे मंजूरी प्रदान की है तथा राष्ट्रपति का अनुमोदन भी इसे 8 अगस्त, 2019 को प्राप्त हो गया है.*

गजट अधिसूचना के पश्चात् नए नियमों के साथ नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) का गठन किया जाएगा, जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (MCI) का स्थान लेगा. *एमसीआई को भ्रष्टाचार के अनेक आरोपों से घिरा माना जाता रहा है. एनएमसी विधेयक पारित होने को देश में चिकित्सकीय शिक्षा के क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा सुधार सरकार द्वारा बताया गया है.*

- *चिकित्सकीय शिक्षा के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश एवं मरीजों के इलाज के लिए लाइसेंस हासिल करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक **नेशनल एक्जिट टेस्ट** (National Exit Test–NEXT) का प्रावधान नए विधेयक में किया गया है. विदेशी मेडिकल स्नातकों के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट का काम भी यह परीक्षा करेगी.*

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में जुर्माना राशियाँ

धारा	अपराध	जुर्माना राशि (रुपए)	
		पहले की जुर्माना राशि	नया प्रावधान (न्यूनतम जुर्माना)
177	सामान्य	100	500
177A	सड़क नियम उल्लंघन	100	500
178	बिना टिकट यात्रा	200	500
179	अधिकारियों के आदेश की अवहेलना	500	2000
180	बिना लाइसेंस के वाहन का अनाधिकृत उपयोग	1000	5000
183	ओवर स्पीडिंग	400	1000 (LMV के लिए) 2000 (Medium Passenger Vehicles के मामलों में)
184	खतरनाक तरीके से गाड़ी चालन	1000	5000 तक
185	शराब पीकर वाहन चालन	2000	10000
189	स्पीडिंग/रेसिंग	500	5000
194A	ओवर लोडिंग ऑफ पैसेंजर		1000 रुपए प्रति अतिरिक्त यात्री
194B	सीट बैल्ट	100	1000
194D	हैलमेट	100	1000 (साथ में तीन माह हेतु लाइसेंस निलम्बन)
194E	आपात् वाहनों को रास्ता न देना		10,000
196	बिना बीमा वाहन चालन	1000	2000
199	किशोरों द्वारा अपराध		अभिभावक/स्वामी को ₹ 25000 जुर्माना व 3 वर्ष का कारावास

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह छठी बार राज्य सभा हेतु निर्वाचित

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह एक बार पुनः राज्य सभा के सदस्य 19 अगस्त, 2019 को निर्वाचित हुए हैं. उच्च सदन में छठे कार्यकाल के लिए कांग्रेसी उम्मीदवार के रूप में वह राजस्थान से निर्विरोध ही निर्वाचित हुए हैं. इससे पूर्व तीन दशक तक असम से वह पाँच बार राज्य सभा के सदस्य रहे थे तथा उनका यह पाँचवाँ कार्यकाल 14 जून, 2019 को पूरा हो गया था.

डॉ. मनमोहन सिंह

मई 2004 से मई 2014 तक 10 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह यह कार्यभार सँभालने से पूर्व 1991-1996 के दौरान पी.वी. नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेसी सरकार में वित्त मंत्री रहे थे. उसी दौरान असम से राज्य सभा के सदस्य वह पहली बार 1991 में निर्वाचित हुए थे. 1998 से 2004 के दौरान 6 वर्षों तक राज्य सभा में विपक्ष के नेता वह रहे थे.

राजनीति में आने से पूर्व डॉ. मनमोहन सिंह 1972-1976 के दौरान भारत सरकार के प्रधान आर्थिक सलाहकार (Chief Economic Advisor), 1982-1985 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर तथा 1985-1987 के दौरान तत्कालीन योजना आयोग के उपाध्यक्ष रह चुके थे. वर्ष 1991 में तीन माह तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के अध्यक्ष भी रहे थे. 1987 में

उन्हें देश के दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था.

5 वर्ष से भी कम रहेगा डॉ. मनमोहन सिंह का राज्य सभा में यह कार्यकाल

राज्य सभा के लिए डॉ. मनमोहन सिंह का यह निर्वाचन श्री मदनलाल सैनी के निधन के कारण रिक्त हुई सीट के लिए हुए उपचुनाव में हुआ है. भाजपा के श्री सैनी 4 अप्रैल, 2018 से राज्य सभा के सदस्य थे तथा सदन में उनका कार्यकाल 3 अप्रैल, 2024 तक था. इससे इस सीट पर निर्वाचित डॉ. मनमोहन सिंह का राज्य सभा में यह कार्यकाल 3 अप्रैल, 2024 तक ही रहेगा.

नीरज शेखर का राज्य सभा हेतु पुनर्निर्वाचन

उत्तर प्रदेश से ही सपा प्रत्याशी के रूप में नवम्बर 2014 में निर्वाचित श्री नीरज शेखर भी अगस्त 2019 में उच्च सदन के लिए निर्विरोध ही निर्वाचित हुए हैं. पूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर के पुत्र श्री नीरज शेखर ने जुलाई 2019 में सपा का दामन छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही राज्य सभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था. उनके त्यागपत्र के परिणामस्वरूप रिक्त हुई सीट पर ही उपचुनाव अगस्त 2019 में कराया गया था जिस पर भाजपा उम्मीदवार के रूप में वह निर्वाचित हुए हैं.

जम्मू-कश्मीर में नए युग का प्रारम्भ : अनुच्छेद 370 समाप्त (मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम)

अगस्त 2019 का महीना भारत के लिए एक बार पुनः ऐतिहासिक साबित हुआ है. मोदी सरकार ने एक दृढ़, साहसी एवं दूरदर्शितापूर्ण कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर को स्वायत्तता जैसा विशेष दर्जा दिलाने वाले अनुच्छेद 370 को न केवल समाप्त कर दिया, बल्कि जम्मू-कश्मीर को--जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख नाम के दो अलग-अलग केन्द्र-शासित क्षेत्रों में विभाजित भी कर दिया. इनमें जम्मू-कश्मीर विधान सभा वाला केन्द्र-शासित क्षेत्र रहेगा, जबकि लद्दाख विधान सभा रहित केन्द्रशासित क्षेत्र बनाया गया है. अन्य केन्द्रशासित क्षेत्रों की तरह इन दोनों के लिए भी उपराज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी.

इन परिवर्तनों के लिए दो संकल्प गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा लोक सभा में 5 अगस्त, 2019 को प्रस्तुत किए, जो जहाँ अनुच्छेद 370 के सम्बन्ध में 1954 के आदेश को निरस्त करने से सम्बन्धित थे. इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर (पुनर्गठन) विधेयक 2019 भी उन्होंने सदन में प्रस्तुत

क्या बदलेगा जम्मू-कश्मीर में

जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को रद्द कर दिया गया है. प्रावधान राज्य को रक्षा, संचार और विदेशी मामलों को छोड़कर बाकी सभी फैसले खुद लेने तथा अलग संविधान रखने का अधिकार देते थे

राज्य दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित होगा

जम्मू और कश्मीर

क्षेत्र: **42,241 वर्ग किलोमीटर**

जनसंख्या: **1,22,58,433**

(2011 की जनगणना)

इस केंद्र शासित प्रदेश में दिल्ली और पुदुचेरी जैसी विधायिका होगी

लद्दाख

क्षेत्र: **59,146 वर्ग किलोमीटर**

जनसंख्या: **2,90,492**

(2011 की जनगणना)

चंडीगढ़ की भांति बगैर विधायिका वाला केंद्र शासित प्रदेश होगा

रिप्रेसेंटेशनल स्केच, पैमाने पर नहीं

- अन्य राज्यों के भारतीय नागरिक नए बने केंद्र शासित प्रदेशों में संपत्ति/मकान खरीदकर वहां रह सकते हैं
- कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन हो सकती है
- कोई अलग संविधान नहीं; सीधे केंद्र का कानून लागू होगा
- अलग झंडा नहीं; दोहरी नागरिकता भी समाप्त
- अनुच्छेद 360 के तहत केंद्र को वित्तीय आपातकाल घोषित करने का अधिकार

KBK Infographics

UPSC
PCS
SSC
PO
CDS
JUDICIARY

Batch Starts Every Month

ENGLISH
by Mrs.Annie
Incomparable in English Language Teaching

ASCENT STUDY CIRCLE PVT. LTD.
202, A-40/41, Ansal Building (Near UCO Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9
Contact us: 011-27654594

किया, जिसमें जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन कर दो नए केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर तथा

अमित शाह (गृह मंत्री) नरेन्द्र मोदी (प्रधानमंत्री)

लद्दाख का प्रावधान किया गया है. एक अन्य जम्मू-कश्मीर आरक्षण (द्वितीय संशोधन) विधेयक 2019 अनुच्छेद 35A की समाप्ति के लिए भी गृह मंत्री ने सदन में प्रस्तुत किया जिसे यह मानते हुए वापस ले लिया गया कि अनुच्छेद 370 समाप्त होते ही इसके प्रावधान स्वतः ही समाप्त हो जाएंगे. विपक्ष के विरोध के बीच राज्य सभा व लोक सभा ने इन प्रस्तावों को एवं पुनर्गठन विधेयक को 5 व 6 अगस्त को ही पारित कर दिया तथा 9 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही इन्होंने संसद द्वारा विधिवत् पारित कानून का रूप ले लिया. इसके साथ ही कश्मीर अब भारत का अभिन्न अंग हो गया है तथा उसके लिए अलग से नागरिकता निर्धारित करने वाला अनुच्छेद-35A भी निष्प्रभावी हो गया है. गृह मंत्री श्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य होते ही उसे पुनः पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा.

- *अनुच्छेद 370 के प्रथम भाग (I) को छोड़कर अन्य सभी भाग समाप्त कर दिए हैं.*
- *अनुच्छेद 370 समाप्त हो जाने से जम्मू-कश्मीर में दोहरी नागरिकता का प्रावधान तथा उसके अलग संविधान एवं ध्वज का प्रावधान अब समाप्त हो गया है.*
- *जम्मू-कश्मीर के अपने संविधान के तहत् वहाँ विधान सभा का कार्यकाल 6 वर्ष निर्धारित था. यह प्रावधान अब समाप्त हो गया है तथा भारतीय संविधान के अनुरूप ही सभी व्यवस्थाएं वहाँ रहेंगी.*
- *प्रदेश से बाहर के लोगों को वहाँ जमीन खरीदने, सरकारी नौकरी पाने व संस्थानों में प्रवेश लेने का अधिकार अभी तक नहीं था, यह असमानता अब समाप्त हो गई है.*
- *भारत की संसद जम्मू-कश्मीर के मामले में सीमित कानून ही बना सकती थी तथा संसद द्वारा पारित किसी कानून को वहाँ लागू करने के लिए वहाँ की सरकार की अनुमति आवश्यक होती थी, यह भेदभाव अब समाप्त हो गया है.*
- *भारत के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले जम्मू-कश्मीर में मान्य नहीं होते थे, यह भेदभाव भी अब समाप्त हुआ है. अनुच्छेद 370 के रहते इसी प्रकार के अन्य अनेक भारतीय प्रावधान जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं थे. यह सभी भेदभाव अनुच्छेद 370 के हटते ही अब समाप्त हो गए हैं तथा जम्मू-कश्मीर सही मायने में भारत का अभिन्न अंग हो गया है.*

जम्मू-कश्मीर के सम्बन्ध में उपर्युक्त साहसिक कदम उठाने से पूर्व भारी सावधानियाँ केन्द्र द्वारा बरती गई थीं. प्रदेश में इंटरनेट व संचार सेवा बन्द रखते हुए कर्फ्यू लगा दिया गया था. पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती व नेशनल कांफ्रेस के नेता उमर अब्दुल्ला को पहले नजरबन्द रखा गया था, बाद में उन्हें गिरफ्तार रखा गया है. जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय दलों–पीडीपी व नेशनल कान्फ्रेंस आदि ने अनुच्छेद 370 की समाप्ति को भारतीय लोकतन्त्र के इतिहास में सबसे काला दिन बताते हुए इसका प्रबल विरोध जहाँ किया है वहीं पूरे भारत ने इसे कश्मीर के लिए सही मायनों में पूर्ण आजादी का दिन करार दिया है. अनुच्छेद 370 की समाप्ति में जिन दलों के विरोध का सामना सरकार को करना पड़ा उनमें पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस के अतिरिक्त कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा, जनता दल (यू), एनसीपी व वामदल आदि जहाँ शामिल थे, वहीं शिव सेना, बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस, तेलुगूदेशम, अन्नाद्रमुक, बसपा, टीआरएस व बीएसएफ (असम) आदि का समर्थन इसे प्राप्त हुआ.

स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति के सन्देश में सरकार की उपलब्धियों के उल्लेख

14 अगस्त, 2019 को देश के 73वें स्वतन्त्रता दिवस (स्वतन्त्रता की 72वीं वर्षगाँठ) की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने सम्बोधन में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने उन असंख्य स्वतन्त्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों को कृतज्ञता के साथ स्मरण किया जिन्होंने हमें आजादी दिलाने के लिए संघर्ष, त्याग और बलिदान के महान आदर्श प्रस्तुत किए. स्वतन्त्रता के बाद 72 वर्षों की इस यात्रा को इस दृष्टि से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण उन्होंने बताया कि इस वर्ष महात्मा गांधी की 150वीं जयंती हम मनाने जा रहे हैं तथा यह वर्ष गुरुनानक देव जी का 550वाँ जयन्ती वर्ष भी है.

राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति का सन्देश

73वें स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को आजादी की सालगिरह की

भारतीय तीरंदाजी संघ पर वर्ल्ड आर्चरी का प्रतिबन्ध

*तीरंदाजी (Archery) की वैश्विक संचालक संस्था **वर्ल्ड आर्चरी** ने गुटबाजी से ग्रस्त भारतीय तीरंदाजी संघ (Archery Association of India–AAI) को अगस्त 2019 में निलम्बित कर दिया है. इससे अगस्त 2019 के पश्चात् होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिताओं में भारतीय तीरंदाजों की भागीदारी पर प्रश्न-चिह्न लग गया है. इनमें ओलम्पिक व पैराओलम्पिक खेलों के लिए होने वाली क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं शामिल हैं. भारतीय तीरंदाजों को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोका जा सकता है या फिर देश के ध्वज तले उन्हें इनमें भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी.*

भारतीय तीरंदाजी संघ के नए चुनाव सम्पन्न कराने के लिए 31 जुलाई, 2019 की समय सीमा वर्ल्ड आर्चरी द्वारा निर्धारित की गई थी. ऐसा नहीं हो पाने के कारण संघ पर प्रतिबन्ध वर्ल्ड आर्चरी द्वारा आरोपित किए गए हैं. इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा किए जा रहे हैं.

वाडा ने नेशनल डोप टेस्ट लैबोरेटरी की मान्यता 6 माह के लिए निलम्बित की

राष्ट्रीय डोप टेस्ट लैबोरेटरी (National Dope Testing Laboratory–NDTL) द्वारा खिलाड़ियों के डोप परीक्षणों में अनियमितताओं के चलते तथा इन परीक्षणों के लिए अनुमोदित मानकों का अनुपालन न करने के आरोपों पर विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (World Anti-Doping Agency–WADA) ने एनडीटीएल की मान्यता 6 माह के लिए निलम्बित कर दी है. वाडा का यह निर्णय 20 अगस्त, 2019 से प्रभावी हुआ है. टोकियो ओलम्पिक्स से 11 माह पूर्व आरोपित इस प्रतिबन्ध से देश के एण्टी-डोपिंग कार्यक्रम पर संकट उत्पन्न हो गया है. प्रतिबन्ध की अवधि में देश के खिलाड़ियों की एण्टी-डोपिंग जाँच के लिए सैम्पल राष्ट्रीय लैबोरेटरी द्वारा एकत्र किए जा सकेंगे, किन्तु इनका परीक्षण देश के बाहर स्थित किसी मान्यता प्राप्त लैबोरेटरी से कराना होगा. एनडीटीएल द्वारा 6 माह की अवधि में 'वाडा' द्वारा निर्धारित मानक प्राप्त कर लिए जाने पर इसकी मान्यता बहाल हो सकेगी, अन्यथा वाडा के प्रतिबन्ध को और आगे बढ़ा दिया जाएगा.

एनडीटीएल में विभिन्न मानकों की जाँच के लिए 'वाडा' की टीम ने सितम्बर 2018 में दौरा किया था. इसमें पाई गई कमियों को दूर करने के लिए 6 माह का समय एनडीटीएल को 'वाडा' द्वारा दिया गया था. इस वर्ष मई 2019 में की गई जाँच में भी खामियों के बरकरार रहने पर वाडा ने एनडीटीएल की मान्यता निलम्बित करने का निर्णय अगस्त 2019 में किया है.

बधाई देते हुए जम्मू-कश्मीर के सम्बन्ध में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के सरकार के कदम की सराहना राष्ट्रपति ने की तथा बताया कि इससे जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के व्यक्ति लाभान्वित होंगे. तीन-तलाक के विरुद्ध बनाए गए कानून का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इस अभिशाप के समाप्त हो जाने से हमारी बेटियों को न्याय मिलेगा और उन्हें भयमुक्त जीवन जीने का अवसर प्राप्त होगा.

> *राष्ट्र के नाम अपने इस सन्देश में राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के लिए हाल ही में किए गए बदलावों से वहाँ के निवासी बहुत लाभान्वित होंगे तथा वे अब उन सभी अधिकारों व सुविधाओं का लाभ उठा पाएंगे, जो देश के दूसरे क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को मिलती हैं. वे भी अब समानता को बढ़ावा देने वाले प्रगतिशील कानूनों और प्रावधानों का उपयोग कर सकेंगे, शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने से सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी. सूचना का अधिकार मिल जाने से अब यहाँ के लोग जनहित से जुड़ी जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे, पारम्परिक रूप से वंचित रह रहे लोगों को शिक्षा, व नौकरी में आरक्षण व अन्य सुविधाएं मिल सकेंगी.*

राष्ट्रपति ने अपने इस सन्देश में कहा कि मतदाताओं व जनप्रतिनिधियों के बीच सरकारों व नागरिकों के बीच तथा सिविल सोसायटी व प्रशासन के बीच आदर्श साझेदारी से ही राष्ट्रनिर्माण का हमारा अभियान और मजबूत होगा. उन्होंने कहा कि इस साझेदारी में सरकार की भूमिका लोगों की सहायता करने व उन्हें समर्थ बनाने की है. इसके लिए हमारी संस्थाओं व नीति-निर्माताओं को चाहिए कि नागरिकों से उन्हें जो भी संकेत मिलते हैं, उन पर वह पूरा ध्यान दें तथा देशवासियों की इच्छाओं का सम्मान करें.

संसद के हाल ही के मानसून सत्र में दोनों सदनों में हुए रिकॉर्ड काम की भी राष्ट्रपति ने प्रशंसा की और बताया कि राजनीतिक दलों के बीच परस्पर सहयोग के जरिए कई महत्वपूर्ण विधेयक इस सत्र में पारित किए गए हैं. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले पाँच वर्षों के दौरान इसी तरह से उपलब्धियाँ हासिल होती रहेंगी तथा राज्यों की विधान सभाएं भी इस प्रभावी कार्य संस्कृति को अपनाएंगी. राष्ट्रपति ने बताया कि देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए बिजली, पानी, शौचालयों, सिंचाई व अन्य सुविधाओं का विकास कर विभिन्न बुनियादी सुविधाएँ जहाँ सरकार प्रदान कर रही है वहीं रेलयात्रा को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाया जा रहा है. मेट्रो रेल का विस्तार अनेक शहरों में किया जा रहा है तथा छोटे शहरों को हवाई यात्रा से जोड़ा जा रहा है और नए बन्दरगाह बनाए जा रहे हैं.

डिजिटल इंडिया एवं बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि सामान्य व्यक्ति के हित में बैंकिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाया गया है. उद्यमियों के लिए कर व्यवस्था एवं पूँजी की उपलब्धता आसान बनाई गई है. महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार ने कानून एवं न्यायपालिका में अनेक सुधार किए हैं तथा देशवासियों का जीवन आसान बनाने के लिए अनुपयोगी कानूनों को निरस्त किया गया है. इनके साथ ही राष्ट्रपति ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि सरकार के इन प्रयासों का लाभ उठाने के लिए सभी नागरिकों को जागरूक एवं सक्रिय रहना होगा. सरकार के हित में और हम सभी नागरिकों के हित में यह जरूरी है कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई बुनियादी सेवाओं का हम इस्तेमाल करें. ग्रामीण सड़कों एवं बेहतर कनेक्टिविटी का पूरा लाभ हमें तभी मिलेगा जब हमारे किसान भाई-बहन उनका उपयोग करके मंडियों तक पहुँचेंगे

तथा अपनी उपज का पूरा मूल्य प्राप्त कर सकेंगे. इसी प्रकार सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सभी सुविधाओं का लाभ सभी तक पहुँचे, ऐसे प्रयास हमें करने हैं. समाज एवं राष्ट्र के लिए बनाए गए इंफ्रास्ट्रक्चर का सदुपयोग करने तथा उसकी रक्षा करने को हर भारतवासी का कर्तव्य राष्ट्रपति ने बताया. राष्ट्रीय सम्पत्ति की रक्षा को भी स्वाधीनता से जुड़ी रक्षा उन्होंने बताया.

अगले पाँच वर्षों में अर्थव्यवस्था को पाँच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का स्वतन्त्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम सम्बोधन में प्रधानमंत्री श्री मोदी का आह्वान

15 अगस्त, 2019 को देश के 73वें स्वतन्त्रता दिवस (स्वतन्त्रता की 72वीं वर्षगाँठ) के अवसर पर दिल्ली के लाल किले पर ध्वजारोहण एवं गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात् राष्ट्र के नाम अपने संदेश में सर्वप्रथम देशवासियों को रक्षाबन्धन की

लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी.

शुभकामनाएं दीं. आजादी के लिए जीवन दान देने वालों व त्याग करने वालों को आदरपूर्वक नमन करने के साथ-साथ उन्हें भी नमन किया जिन्होंने आजादी के पश्चात् विगत वर्षों में देश की शान्ति, सुरक्षा व समृद्धि के लिए अपना योगदान दिया है.

अपने इस सम्बोधन में सर्वप्रथम कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने, दूसरी बार शपथ ग्रहण करने के 10 सप्ताह के भीतर तीन तलाक कानून बनाने, आतंक से जुड़े कानूनों में संशोधन कर उन्हें मजबूत बनाने, किसानों तथा छोटे व्यापारियों के लिए पेंशन योजना शुरू करने तथा पृथक् से जल-शक्ति मंत्रालय की स्थापना करने जैसे मुद्दों का उल्लेख प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया.

- *हाल ही के लोकसभाई चुनावों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में बताया कि लोकतन्त्र का सही स्वरूप इस चुनाव में नजर आ रहा था. उन्होंने बताया कि इस चुनाव में न कोई राजनेता, न कोई राजनीतिक दल, न कोई मोदी तथा न ही कोई मोदी का साथी चुनाव मैदान में था. वस्तुतः देश का आम आदमी, देश की जनता जनार्दन, देश के 130 करोड़ वासियों ने यह चुनाव अपने सपनों के भारत के लिए लड़ा था.*
- *इसके साथ ही देशवासियों का आह्वान उन्होंने किया कि देश को नई ऊँचाइयों को पार करना है, देश को विश्व में अपना स्थान प्रतिस्थापित करना है, भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमें गरीबी से मुक्त होना ही होगा.* ***गरीबों के पास शौचालय न होना, घर में बिजली न होना, रहने के लिए घर न होना, पानी की सुविधा न होना, बैंक में खाता न होना, कर्ज लेने के लिए साहूकारों के घर जाकर एक प्रकार से सब कुछ गिरवी रखना आदि स्थितियों से निपटने के लिए, गरीबों के आत्म सम्मान, आत्म विश्वास व उनके स्वाभिमान को आगे बढ़ाने के लिए सामर्थ्य प्रदान करने के प्रयास करने का आह्वान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में किया.***

यह छठा अवसर था जब स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम सम्बोधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया. स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को सम्बोधित करने वाले वह 13वें (सातवें गैर-कांग्रेसी) प्रधानमंत्री हैं. लाल किले की प्राचीर से सबसे अधिक 17 बार राष्ट्र को सम्बोधित करने का श्रेय पं. जवाहरलाल नेहरू को प्राप्त है. उनकी पुत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को 16 बार यह अवसर प्राप्त हुआ था. डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 बार तथा भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी ने 6 बार लाल किले पर तिरंगा स्वतंत्रता दिवस पर फहराया है, नरेन्द्र मोदी ने जहाँ 6 बार स्वतन्त्रता दिवस पर लाल किले पर तिरंगा अभी तक फहराया है. कांग्रेस के पी.वी. नरसिंह राव व राजीव गांधी को 5–5 बार यह अवसर मिल सका था. लाल बहादुर शास्त्री व मोरारजी देसाई 2–2 बार तथा इन्द कुमार गुजराल, एच. डी. देवगौड़ा, विश्वनाथ प्रताप सिंह व चौधरी चरण सिंह ने 1–1 बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर ध्वजारोहण किया है. प्रधानमंत्रियों में चन्द्रशेखर व दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे. गुलजारी लाल नंदा ही ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं, जिन्होंने एक बार भी किसी स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर राष्ट्र को सम्बोधित नहीं किया, क्योंकि उनके प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल में अगस्त माह शामिल नहीं था.

किस प्रधानमंत्री ने कितनी बार किया स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर ध्वजारोहण

जवाहरलाल नेहरू	17
इंदिरा गांधी	16
मनमोहन सिंह	10
अटल बिहारी वाजपेयी	6
नरेन्द्र मोदी	6
राजीव गांधी	5
पी.वी. नरसिंह राव	5
लाल बहादुर शास्त्री	2
मोरारजी देसाई	2
चौधरी चरण सिंह	1
विश्वनाथ प्रताप सिंह	1
एच. डी. देवगौड़ा	1
इन्द्र कुमार गुजराल	1
चन्द्रशेखर	0
गुलजारी लाल नंदा (दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे)	0

अपने इस सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने बताया कि जीएसटी के माध्यम से One Nation One Tax के सपने को तथा ऊर्जा के क्षेत्र में One Nation, One Grid के सपने को साकार किया गया है, उसी प्रकार One Nation, One Mobility कार्ड की व्यवस्था को भी विकसित किया गया है, इसी प्रकार अब हर हिन्दुस्तानी One Nation-One Constitution की बात को गर्व से कह सकता है. इसी के साथ अब One Nation, One Election पर भी चर्चा चल रही है.

- *जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए* ***जल-जीवन मिशन पर विशेष बल*** *प्रधानमंत्री ने अपने इस सम्बोधन में दिया. देश में हो रहे बेतहाशा जनसंख्या विस्फोट पर भी विशेष चिन्ता प्रधानमंत्री ने अपने इस सम्बोधन में व्यक्त की. इसे आने वाली पीढ़ी के लिए अनेक नए संकट पैदा करने वाला बताते हुए* ***परिवार को छोटा रखने को भी देशभक्ति की अभिव्यक्ति ही उन्होंने बताया.*** *छोटा परिवार रखने वालों को सम्मान एवं आदर के अधिकारी उन्होंने बताया. आबादी के शिक्षित, सामर्थ्यवान, स्किल्ड होने तथा अपनी इच्छाओं व आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए संसाधन उपलब्ध होने पर भी बल उन्होंने अपने इस सम्बोधन में दिया.* ***'ईज ऑफ डुइंग बिजनेस'*** *के मामले में उपलब्धियों के पश्चात् अब* ***ईज़ ऑफ लिविंग*** *की दिशा में आगे बढ़ने की बात प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में कही.*
- *इन सबके साथ-साथ किसानों की आय दोगुना करने के सरकार के संकल्प, ब्ल्यू इकोनॉमी के सशक्तिकरण, मजबूत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, स्ट्रॉंग इंफ्रास्ट्रक्चर आदि ऐसी अनेक आवश्यकताओं पर बल प्रधानमंत्री ने दिया जो भारतीय अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए एक नई शक्ति देश को दे सकते हैं.*
- *श्री मोदी ने बताया कि आजादी के पश्चात् 70 वर्षों की विकास यात्रा के पश्चात् दो ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी पर पहुँचे थे, किन्तु 2014 से 2019 के पाँच वर्ष के भीतर एक ट्रिलियन डॉलर हमने इसमें जोड़ दिया तथा दो ट्रिलियन डॉलर से तीन ट्रिलियन डॉलर पर हम पहुँच गए. अगर पाँच वर्षों में इतना बड़ा जम्प लगा है तो अगले पाँच वर्षों में पाँच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी हम बन सकते हैं. ऐसा सपना हर हिन्दुस्तानी का हो, ऐसा आह्वान प्रधानमंत्री ने अपने इस सम्बोधन में किया.*

देश में रक्षा की मजबूती के लिए, तीनों सेनाओं को शीर्ष स्तर पर प्रभावी नेतृत्व प्रदान करने के लिए तीनों सेनाओं के एक चीफ ऑफ डिफेंस (Chief of Defence–CDS) की व्यवस्था की घोषणा प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम अपने इस सम्बोधन में की.

- *देश को ओपन डिफेक्शन फ्री (ODF–खुले में शौच से मुक्त करने के पश्चात् अब 'सिंगल यूज प्लास्टिक' से मुक्ति दिलाने का आह्वान प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में किया. इसके लिए 2 अक्टूबर, 2019 से राष्ट्रव्यापी अभियान चलाने का आह्वान उन्होंने किया. इसी के साथ-साथ धरती माँ की रक्षा के लिए कैमिकल्स, कैमिकल फर्टिलाइजर्स व पेस्टीसाइड्स के इस्तेमाल को कम करने का आह्वान भी उन्होंने किया.*
- *शान्ति और सुरक्षा को विकास के अनिवार्य पहलू बताते हुए विश्व शान्ति में भारत की आवश्यक भूमिका का आह्वान भी श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में किया. उन्होंने बताया कि भारत के अतिरिक्त पड़ोसी देशों को भी आतंकवाद ने तबाह किया हुआ है. इस सन्दर्भ में श्रीलंका, अफगानिस्तान व बांग्लादेश की घटनाओं का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने भारत की मजबूत भूमिका का आह्वान किया.*

भारत के समक्ष लक्ष्य हिमालय जितने ऊँचे तथा सपने अनगिनत असंख्य तारों से भी ज्यादा बताते हुए अपने हौसलों की उड़ान के लिए आसमान को भी कुछ नहीं श्री मोदी ने बताया. अपनी सामर्थ्य को हिन्द महासागर जैसी अथाह, कोशिशों को गंगा की धारा जैसी पवित्र एवं निरन्तर तथा कठोर परिश्रम को प्रेरणा बताते हुए मिलकर देश को आगे बढ़ाने का आह्वान प्रधानमंत्री ने अपने इस सम्बोधन में किया.

स्वदेश निर्मित क्यूआरएसएएम मिसाइल का परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेश में ही निर्मित क्यूआरएसएएम (QRSAM–Quick Reaction Surface to Air Missile) मिसाइल का एक सफल परीक्षण ओडिशा में बालासोर के तट के निकट 4 अगस्त, 2019 को किया. सतह से आकाश में 30 किमी की दूरी तक मार करने में सक्षम इस मिसाइल को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. की मदद से डीआरडीओ द्वारा भारतीय सेना के लिए विकसित किया गया है. इस मिसाइल के पहले दो परीक्षण क्रमशः 4 जून व 3 जुलाई, 2017 को किए गए थे तथा इसका पिछला पाँचवाँ परीक्षण 26 फरवरी, 2019 को किया गया था.

नए लागू किए गए UAPA अधिनियम के तहत् आतंकवाद के विरुद्ध कार्यवाही हेतु एनआईए की शक्तियों में भारी वृद्धि

आतंकवाद के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के लिए गैर कानूनी गतिविधि निवारण (संशोधन) विधेयक [Unlawful Activities (Prevention) Amendment Bill] 2019 को संसद के दोनों सदनों ने जुलाई-अगस्त 2019 में पारित किया है. लोक सभा में 24 जुलाई, 2019 को पारित इस विधेयक को राज्य सभा ने 2 अगस्त को पारित किया था तथा 8 अगस्त के राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् 14 अगस्त, 2019 से इस कानून को लागू कर दिया गया है. इसके चलते आतंकी गतिविधियों में लिप्त व्यक्ति को सबूत उपलब्ध न होने पर भी शक के आधार पर ही आतंकवादी घोषित किया जा सकेगा.

- *इस अधिनियम में राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) को असीमित अधिकार दिए गए हैं. ऐसी सम्पत्तियों जिनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में होता है, को जब्त कर उनकी कुर्की के अधिकार एनआईए को इसके तहत् दिए गए हैं.*
- *किसी राज्य में आतंकी गतिविधियों की जाँच के लिए वहाँ की पुलिस की अनुमति के बिना ही प्रवेश के अधिकार इस संशोधित अधिनियम के तहत् एनआईए को दिए गए हैं.*

इसके लिए लाए गए विधेयक पर चर्चा के दौरान गृहमंत्री श्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि नया कानून देश में आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए लाया जा रहा है तथा किसी भी स्थिति में इसका गलत इस्तेमाल नहीं होगा.

कर्नाटक में येदियुरप्पा द्वारा सरकार गठन के तीन सप्ताह पश्चात् मंत्रिपरिषद् का पहला विस्तार : 3 मंत्रियों को उपमुख्यमंत्री का दर्जा

कर्नाटक में भाजपा के बी.एस. येदियुरप्पा ने नई सरकार का गठन 26 जुलाई, 2019 को किया था तथा उस दिन अकेले ही शपथ ग्रहण करने के पश्चात् विधानसभा में अपना बहुमत 29 जुलाई को उन्होंने सिद्ध किया था. 25 दिन तक एक सदस्यीय कैबिनेट बनी रहने के पश्चात् अपनी मंत्रिपरिषद् का पहला विस्तार श्री येदियुरप्पा ने 20 अगस्त, 2019 को किया है. इसके तहत् 17 मंत्रियों को अपनी मंत्रिपरिषद् में उन्होंने शामिल किया है. मंत्रिपरिषद् में विभिन्न वर्गों का सन्तुलन बनाए रखने के लिए तीन मंत्रियों को उपमुख्यमंत्री उन्होंने बनाया है.

यह पहला अवसर है, जब कर्नाटक में तीन उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं. इससे पूर्व आन्ध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस के एस. जगमोहन रेड्डी ने 7 जून, 2019 को अपनी मंत्रिपरिषद् का गठन करते हुए 5 मंत्रियों को उपमुख्यमंत्री उन्होंने बनाया था.

असम में फाइनल नागरिकता रजिस्टर जारी : 19·06 लाख लोगों के नाम अभी भी सूची से बाहर

राज्य में अवैध तरीके से रह रहे विदेशियों एवं घुसपैठियों की पहचान के लिए असम में तैयार किए गए राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (National Register of Citizens—NRC) की फाइनल सूची 31 अगस्त, 2019 को जारी की गई. इसमें कुल 3,11,21,004 नाम देश के नागरिक के रूप में दर्शाए गए हैं (जिन्हें भारत का नागरिक स्वीकार किया गया है), जबकि 3,30,27,661 लोगों ने इसके लिए आवेदन किया था. इस प्रकार 19,06,657 लोगों के नाम इस फाइनल सूची में नहीं हैं. इससे पूर्व जुलाई 2018 में जारी मसौदे में 40,07,707 लोगों को नागरिकता रजिस्टर से बाहर रखा गया था, जिसके चलते भारी असंतोष इन लोगों में व्याप्त था. **एनआरसी के राज्य संयोजक के अनुसार ऐसे लोगों को नागरिकता रजिस्टर (NRC) से बाहर रखा गया है, जिन्होंने अपनी नागरिकता साबित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए या फिर जिन्होंने इसके लिए आवेदन ही नहीं किया.**

किसे नागरिक माना गया है ?

1985 के असम समझौते में तय किए गए फॉर्मूले के तहत् असम में रह रहे लोगों में केवल उन्हीं व्यक्तियों को भारतीय नागरिक माना गया है, जो स्वयं था, जिनके पूर्वज 25 मार्च, 1971 से पहले असम में रह रहे थे. इस दिन के पश्चात् 26 मार्च, 1971 को पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया था.

31 अगस्त, 2019 को जारी फाइनल नागरिकता रजिस्टर में जिन लोगों के नाम नहीं हैं, वे 120 दिन के भीतर विदेशी न्यायाधिकरण (Foreigners Tribunals—FTs) में अपील कर सकते हैं. इसके लिए 100 विदेशी न्यायाधिकरण पहले से ही वहाँ स्थापित हैं, जबकि 1 सितम्बर, 2019 से 200 और ऐसे न्यायाधिकरण स्थापित करने की बात कही गई है. न्यायाधिकरण में हारने पर उच्च न्यायालय में अपील की जा सकेगी.

- *असम में राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर तैयार करने का कार्य सर्वोच्च न्यायालय के वर्ष 2013 के एक आदेश के तहत् शुरू*

शेष पृष्ठ 164 पर

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- अमरीका व रूस के बीच तीन दशक पुरानी आईएनएफ संधि समाप्त
- राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की तीन पश्चिमी अफ्रीकी देशों–बेनिन, गाम्बिया व गिनी की यात्रा
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भूटान यात्रा
- भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की पाँचवीं बैठक काठमांडू में सम्पन्न : नेपाल को ₹ 466 करोड़ की मदद भारत ने उपलब्ध कराई
- इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से स्थानान्तरित करने की सरकार की योजना
- वेनेजुएला की मादुरो सरकार पर अमरीका के नए प्रतिबन्ध
- प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन यात्रा
- श्री मोदी को यूएई का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायेद
- जी-7 का 45वाँ शिखर सम्मेलन बियारित्ज (फ्रांस) में : विशेष आमंत्रित के रूप में श्री मोदी ने भी भाग लिया
- जाम्बिया के राष्ट्रपति एडगर छगवा लुंगु की भारत यात्रा

अमरीका व रूस के बीच तीन दशक पुरानी आईएनएफ संधि समाप्त

परमाणु हथियारों के नियंत्रण के लिए अमरीका व तत्कालीन सोवियत संघ के बीच तीन दशक पूर्व हुई ऐतिहासिक संधि–मध्यम दूरी परमाणु शक्ति संधि (Intermediate-Range Nuclear Forces Treaty—INF Treaty) का औपचारिक अंत 2 अगस्त, 2019 को हो गया.

- रूस पर संधि के उल्लंघन के आरोप लगाते हुए अमरीका इससे हटने की घोषणा पिछले वर्ष अक्टूबर 2018 में ही कर चुका था तथा संधि को निलम्बित करने की घोषणा अमरीका ने 1 फरवरी, 2019 को कर दी थी, जिसके पश्चात् रूस ने भी संधि को निलम्बित कर दिया था. संधि से अमरीका के हटने की औपचारिक घोषणा अमरीकी विदेश मंत्री माइक पॉंपियो ने 2 अगस्त, 2019 को बैंकॉक में एक सम्मेलन में की, जिसके पश्चात् रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर संधि के समापन की घोषणा कर दी.
- इस संधि पर 8 दिसम्बर, 1987 को तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन (Ronald Reagan) व तत्कालीन सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव (Mikhail Gorbachev) ने वाशिंगटन में हस्ताक्षर किए थे तथा यह 1 जून, 1988 से प्रभावी हुई थी.
- इस संधि के तहत् मध्यम दूरी अर्थात् 5500 किमी की दूरी तक जमीन से मार करने वाली मिसाइलों के उत्पादन को प्रतिबन्धित किया गया था तथा संधि के तहत् 1991 तक लगभग 2700 ऐसी मिसाइलों को नष्ट किया गया था.
- संधि के समापन के लिए अमरीका ने रूस को जिम्मेदार ठहराया है. अमरीका का कहना है कि रूस कई वर्षों से ऐसे हथियार विकसित कर रहा है, जो इस संधि का उल्लंघन है तथा जिनसे अमरीका व उसके सहयोगी देशों, विशेषतः यूरोप को खतरा पैदा हो रहा है.
- अमरीकी आरोपों को नकारते हुए रूस ने कहा है कि नई मिसाइलों के विकास के लिए अमरीका संधि से हटने का बहाना बना रहा था.

तीन दशक पुरानी इस संधि के समापन से विश्व में नए परमाणु हथियारों के विकास की होड़ शुरू हो गई है. सन्धि से हटने के दो सप्ताह के भीतर अमरीका ने एक मीडियम रेंज क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है. यह परीक्षण अमरीकी नौसेना द्वारा नियंत्रित सैन निकोलस (San Nicolas) द्वीप से 18 अगस्त, 2019 को किया गया.

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की तीन पश्चिमी अफ्रीकी देशों–बेनिन, गाम्बिया व गिनी की यात्रा

द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने बेनिन (Benin), गाम्बिया (Gambia) व गिनी (Guinea) की यात्रा 28 जुलाई–3 अगस्त 2019 को की. यह पहला अवसर था जब पश्चिमी अफ्रीका के इन देशों की यात्रा भारत के किसी राष्ट्रपति ने की. इस यात्रा पर उनके साथ गए शिष्टमंडल में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम (MSME) मंत्री श्री प्रताप चन्द्र सारंगी व एक सांसद भी शामिल थे.

एक सप्ताह की इस यात्रा के पहले चरण में राष्ट्रपति 28 जुलाई को सबसे पहले बेनिन के शहर कोटोनोउ (Cotonou) पहुँचे, जहाँ कार्डिनल बर्नाडिन डि कोटोनोउ (Cardinal Bernadine de Cotonou) अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी वहाँ के विदेश मंत्री ने की. मेजबान राष्ट्रपति पैट्रिस टालोन (Patrice Talon) के साथ द्विपक्षीय व आपसी महत्व के अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनकी प्रतिनिधिमण्डल स्तरीय वार्ता अगले दिन 29 जुलाई को हुई. द्विपक्षीय वार्ता में भारत व बेनिन के बीच घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को हवाला देते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि भारत बेनिन के साथ आर्थिक भागीदारी मजबूत करने का इच्छुक है. दोनों देशों के बीच 800 मिलियन डॉलर से अधिक के द्विपक्षीय वार्षिक व्यापार के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा कि भारत बेनिन के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा है.

द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने में बेनिन के सहयोग की अपेक्षा भारतीय राष्ट्रपति ने की. बेनिन में लगभग 100 भारतीय या भारतीय स्वामित्व वाली कम्पनियाँ काम कर रही हैं. उन्होंने कहा कि वे विशेष रूप से खनन में कारोबार के लिए बेनिन के बाजार में प्रवेश की इच्छुक हैं. बेनिन के 103 गाँवों में जलापूर्ति योजनाओं के उन्नयन का काम भारत के सहयोग से पहले ही संचालित है. बेनिन की विकासात्मक परियोजनाओं के लिए 100 मिलियन डॉलर की नई लाइन ऑफ

क्रेडिट की घोषणा भारतीय राष्ट्रपति ने की. भारत-बेनिन व्यापार सम्बन्धों को बढ़ावा देने के लिए बेनिन के लिए ई-वीज़ा सुविधा की घोषणा भी उन्होंने की. बेनिन को उसकी समुद्री डकैती रोकथाम क्षमता का विस्तार करने में प्रशिक्षण सहायता देने का प्रस्ताव भी उन्होंने किया. बेनिन के छात्रों एवं डॉक्टरों को निःशुल्क टेली एज्यूकेशन की घोषणा भी राष्ट्रपति ने की. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति ने बेनिन के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया. द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् चार विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर दोनों राष्ट्रपतियों की उपस्थिति में हुए. 2019-23 के लिए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, निर्यात ऋण एवं निवेश बीमा के क्षेत्र में सहयोग तथा राजनयिकों/अधिकारियों के लिए वीज़ा के मामले में छूट के समझौते इनमें शामिल हैं.

कोटोनोउ में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते हुए राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद साथ में है बेनिन के राष्ट्रपति पैट्रिस टालोन.

अगले दिन 31 जुलाई को राजधानी पोर्टो-नोवो (Porto Nova) में बेनिन की राष्ट्रीय असेम्बली को राष्ट्रपति कोविंद ने सम्बोधित किया. भारतीय समुदाय के एक समागम को भी उन्होंने सम्बोधित किया.

30 जुलाई को श्री कोविंद गाम्बिया पहुँचे जहाँ बांजुल (Banjul) हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी मेजबान राष्ट्रपति एडमा बैरो

बांजुल में गाम्बिया के राष्ट्रपति एडमा बैरो के साथ राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद.

(Adama Barrow) ने स्वयं की. दिसम्बर 2016 के चुनावों में राष्ट्रपति बैरो की विजय को गाम्बिया में लोकतंत्र की बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण पल बताते हुए इसके लिए मेजबान राष्ट्रपति को उन्होंने बधाई दी. दोनों राष्ट्रपतियों के बीच शिष्टमण्डल स्तरीय वार्ता में राष्ट्रपति कोविंद ने गाम्बिया की प्रगति एवं समृद्धि में उसका साझेदार बनने के लिए हर्ष व्यक्त किया. गाम्बिया में कौशल विकास व कुटीर उद्योग परियोजना के लिए 5 लाख डॉलर के अनुदान की पेशकश राष्ट्रपति ने की. भारत के नेतृत्व वाले अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की सदस्यता हेतु गाम्बिया के औपचारिक अनुमोदन के दस्तावेज मेजबान राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति कोविंद को सौंपे. गाम्बिया के चुनींदा गाँवों में सौर परियोजनाओं की स्थापना की दिशा में भारत पहले से ही सहयोग प्रदान कर रहा है तथा गाम्बिया की राष्ट्रीय असेम्बली के नए भवन की स्थापना भारत के सहयोग से की गई है. गाम्बिया की प्रगति एवं समृद्धि में भारतीय समुदाय द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना. गाम्बिया के राष्ट्रपति बैरो ने द्विपक्षीय वार्ता में की. दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 200 प्रतिशत कीवृद्धि विगत दो वर्षों में हुई है. जिससे 2018-19 में यह 200 मिलियन डॉलर से अधिक का हो गया था. दोनों देशों के बीच औषधि एवं होम्योपैथी की पारम्परिक प्रणालियों के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् किए गए. बाद में उसी शाम गाम्बिया की संसद को राष्ट्रपति कोविंद ने सम्बोधित किया.

तीन देशों की इस यात्रा के अंतिम चरण में 1 अगस्त को राष्ट्रपति श्री कोविंद कॉनक्री (Conakry) पहुँचे, जहाँ हवाई अड्डे पर ही उनकी अगवानी मेजबान राष्ट्रपति प्रो. अल्फा कॉनडे (Prof. Alpha Conde) ने स्वयं की. अगले दिन मेजबान राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों पर उनकी शिष्टमंडल

कॉनक्री में राष्ट्रपति श्री कोविंद को गिनी के सर्वोच्च सम्मान नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित करते गिनी के राष्ट्रपति अल्फा कॉनडे.

स्तरीय वार्ता हुई. वार्ता में श्री कोविंद ने कहा कि भारत गिनी के साथ अपने राजनीतिक व आर्थिक सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने को उत्सुक है. गिनी के साथ सम्बन्ध बढ़ाने की अहमियत को ध्यान में रखते हुए इसी वर्ष जनवरी में कॉनक्री में भारतीय दूतावास खोला है. चिकित्सा, ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं परिवहन क्षेत्रों में गिनी में अनेक परियोजनाओं का विकास भारत की मदद से किया जा रहा है. इसी सन्दर्भ में कॉनक्री जलापूर्ति परियोजना के लिए 170 मिलियन डॉलर की नई लाइन ऑफ क्रेडिट की पेशकश राष्ट्रपति कोविंद ने की.

पश्चिम अफ्रीकी देशों में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता के मुद्दों से निपटने सहित अफ्रीकी संघ के मामलों में गिनी की अग्रणी भूमिका की सराहना श्री कोविंद ने द्विपक्षीय वार्ता में की. आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे गम्भीर खतरों में से एक बताते हुए इस बुराई के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान उन्होंने किया. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् को और अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण जवाबदेह, पारदर्शी, समावेशी व प्रभावी बनाने के लिए व्यापक सुधारों के लिए प्रतिबद्धता गिनी के राष्ट्रपति ने वार्ता में व्यक्त की. 2021-22 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की अस्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन गिनी के राष्ट्रपति ने किया. पारस्परिक सहयोग के तीन विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए. दवाओं की पारम्परिक प्रणालियों व होम्योपैथी तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के समझौते इनमें शामिल हैं. इसी शाम मेजबान राष्ट्रपति द्वारा उनके सम्मान में आयोजित भोज में उन्हें गिनी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान **नेशनल ऑर्डर ऑफ मोरट** से सम्मानित किया गया. 3 अगस्त को तीन देशों की राष्ट्रपति कोविंद की इस यात्रा का अंतिम दिन था. उसी दिन स्वदेश रवाना होने से पूर्व भारतीय समुदाय के लोगों के एक समागम को उन्होंने सम्बोधित किया.

- राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की बेनिन, गाम्बिया व गिनी की यह यात्रा इस वर्ष (2019 में) उनकी दूसरी विदेश यात्रा थी.
- वर्ष 2019 में इससे पूर्व क्रोएशिया, बोलीविया व चिली की यात्रा उन्होंने मार्च-अप्रैल 2019 में की थी.
- बेनिन, गाम्बिया व गिनी की श्री कोविंद की यह यात्रा राष्ट्रपति के रूप में अफ्रीकी देशों की उनकी चौथी यात्रा थी.

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की भूटान यात्रा

भूटान के प्रधानमन्त्री डॉ. लोटे शेरिंग (Lotay Tshering) के निमन्त्रण पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस पड़ोसी देश की यात्रा 17-18 अगस्त, 2019 को की. प्रधानमन्त्री के रूप में भूटान की उनकी यह दूसरी यात्रा उनके दूसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही सम्पन्न की गई, जो भारत सरकार की पड़ोस प्रथम (neighbours first) की नीति पर जोर दिए जाने को दर्शाती है. 17 अगस्त को राजधानी थिम्पू के पारो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनकी आगवानी मेजबान प्रधानमन्त्री लोटे शेरिंग ने स्वयं की. गार्ड ऑफ ऑनर के साथ-साथ पारम्परिक तरीके से उनका भव्य स्वागत थिम्पू में किया गया. दो दिन की इस यात्रा के दौरान मेजबान प्रधानमन्त्री लोटे शेरिंग के अतिरिक्त भूटान नरेश महामहिम जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक (H.E. Jigme Khesar Namgyel Wangchuk) व उनके पिता (चौथे नरेश) महामहिम जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (H.E. Jigme Singye Wangchuck) के साथ वार्ताओं के श्री मोदी के कार्यक्रम थे. (63 वर्षीय जिग्मे सिंग्ये वांगचुक जुलाई 1972 में भूटान के नरेश बने थे तथा 9 दिसम्बर, 2006 को अपने पुत्र जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक को नरेश का पदभार उन्होंने सौंप दिया था) द्विपक्षीय सम्बन्धों के सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा इन वार्ताओं में की गई. जल विद्युत परियोजनाओं, जो भारत

थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक के साथ प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी.

व भूटान के आपसी सहयोग के क्षेत्रों में मुख्य आधार है, के अतिरिक्त स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि के क्षेत्रों में सहयोग के मुद्दे इनमें शामिल थे. जल विद्युत क्षेत्र की 750 मेगावाट की मांगदेछु परियोजना (Mangdechhu Hydro electric Power Project) का उद्घाटन 17 अगस्त को दोनों प्रधानमन्त्रियों ने मिलकर किया. दोनों देशों के सहयोग से भूटान में हाइड्रो पॉवर उत्पादन क्षमता 2000 मेगावाट के बिन्दु को पार कर गई है.

- *भारत द्वारा अंतरिक्ष में स्थापित साउथ एशिया सैटेलाइट से आँकड़ों की प्राप्ति में सुगमता के लिए थिम्पू में भारत के सहयोग से स्थापित ग्राउंड अर्थ स्टेशन का उद्घाटन भी दोनों प्रधानमन्त्रियों ने 17 अगस्त को संयुक्त रूप से किया. इससे भूटान में संचार एवं अन्य सार्वजनिक ब्रॉडकास्टिंग के क्षेत्रों में मजबूती आएगी. तथा भारत के नेशनल नॉलेज नेटवर्क के तहत् भूटानी विद्यार्थियों के सम्पर्क में भी वृद्धि इससे हो सकेगी.*
- *भूटान में रुपे (Rupay) कार्ड को दोनों प्रधानमन्त्रियों ने मिलकर लाँच किया. इससे डिजिटल भुगतानों के साथ-साथ व्यापार एवं पर्यटन के क्षेत्रों में दोनों देशों के सम्बन्धों का विस्तार होगा.*
- *भूटान सरकार के अनुरोध पर भूटान हेतु सब्सिडी युक्त एलपीजी की आपूर्ति 700 मीट्रिक टन प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 मीट्रिक टन प्रति माह करने की घोषणा प्रधानमन्त्री श्री मोदी ने की.*
- *थिम्पू में भूटान के रॉयल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों व अन्य प्रबुद्धजनों के बीच एक सम्बोधन में श्री मोदी ने भारत-भूटान सम्बन्धों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में दोनों देशों के युवाओं के महत्व पर बल दिया तथा जीडीपी के स्थान पर हैप्पिनैस का भूटान नरेश की अवधारणा की विशेष प्रशंसा की.*
- *भारत व भूटान के बीच जल विद्युत क्षेत्र में सहयोग के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष स्मारक डाक टिकटों का सैट दोनों प्रधानमन्त्रियों ने मिलकर 17 अगस्त को जारी किया.*
- *शिक्षा, संचार, जल-विद्युत, एवं विधि आदि क्षेत्रों में सहयोग के 9 समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर द्विपक्षीय वार्ताओं के पश्चात् किए गए.*
- *थिम्पू प्रवास के दूसरे दिन भूटान के विपक्ष के नेता पेमा ग्यामत्शो (Pema Gyamtsho) ने भारतीय प्रधानमन्त्री से भेंट की. उसी दिन नेपाल नरेश के साथ दोपहर भोज के पश्चात् श्री मोदी की स्वदेश वापसी 18 अगस्त को हुई.*

भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की पाँचवीं बैठक काठमांडू में सम्पन्न : नेपाल को ₹ 466 करोड़ की मदद भारत ने उपलब्ध कराई

अपनी पूर्व घोषणाओं के अनुरूप भारत ने नेपाल की विभिन्न परियोजनाओं के लिए ₹ 466 करोड़ की सहायता राशि उसे 21 अगस्त, 2019 को दोनों देशों के संयुक्त आयोग (Nepal-India Joint Commission) की बैठक के दौरान उपलब्ध कराई है. 1987 में गठित इस संयुक्त आयोग की यह पाँचवीं बैठक काठमांडू में 21-22 अगस्त को सम्पन्न हुई, जिसमें भाग लेने के लिए भारतीय विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने दो दिन की नेपाल यात्रा 21-22 अगस्त, 2019 को की थी. मंत्रिस्तरीय इस संयुक्त आयोग की पिछली चौथी बैठक अक्टूबर 2016 में नई दिल्ली में हुई थी.

काठमांडू में भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की बैठक.

संयुक्त आयोग की 21-22 अगस्त, 2019 की पाँचवीं बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर व उनके नेपाली समकक्ष प्रदीप ग्यावली ने की. दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी, कनेक्टिविटी, व्यापार, विद्युत्, जल संसाधन, शिक्षा एवं संस्कृति आदि के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सम्बन्धों की मौजूदा स्थिति पर चर्चा इस बैठक में हुई. आपसी सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान भी वार्ता में की गई. खाद्य सुरक्षा एवं मानकों पर दोनों देशों की सम्बन्धित एजेंसियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी इस अवसर पर सम्पन्न हुए.

- *भारत की ओर से कुल ₹ 466 करोड़ की सहायता राशि नेपाल को इस बैठक में उपलब्ध कराई गई. जिसमें से ₹ 233 करोड़ विभिन्न आधारिक संरचना परियोजनाओं के लिए दिए गए सड़क परियोजनाओं के अतिरिक्त 2015 में भूकम्प से नष्ट हुए घरों के पुनर्निर्माण हेतु राशि इसमें शामिल है. इस भूकम्प में लगभग 9 हजार लोगों की मृत्यु हो गई थी. नुवाकोट व गोरखा जिलों में आवास पुनर्निर्माण हेतु ₹ 153 करोड़ तथा तराई क्षेत्र में सड़क संरचना की मजबूती के लिए ₹ 80·71 करोड़ उसे उपलब्ध कराए गए. यह राशि इस क्षेत्र में सड़कों की मजबूती के लिए भारत द्वारा पूर्व घोषित ₹ 500 करोड़ की सहायता प्रतिबद्धता का ही एक भाग है.*

काठमांडू प्रवास के दौरान विदेश मंत्री श्री जयशंकर ने नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के साथ शिष्टाचार भेंट भी 21 अगस्त को की.

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से स्थानान्तरित करने की सरकार की योजना

इण्डोनेशिया की राजधानी जकार्ता से स्थानान्तरित कर बोर्नियो (Borneo) द्वीप में स्थानान्तरित की जाएगी. इस आशय की औपचारिक घोषणा राष्ट्रपति जोको विडोडो (Joko Widodo) ने 27 अगस्त, 2019 को की है. यह मुद्दा काफी समय से सरकार के विचाराधीन था. बोर्नियो विश्व का तीसरा तथा एशिया का सबसे विशाल द्वीप है, जिसका 73 प्रतिशत भाग इण्डोनेशियाई क्षेत्र है. इसके शेष भाग में ब्रूनेई व मलेशिया के क्षेत्र हैं. बोर्नियो के कालीमंतन (Kalimantan) प्रान्त में, जहाँ नई राजधानी बनाने की घोषणा राष्ट्रपति विडोडो ने की है, फिलहाल घने वन क्षेत्र हैं. जकार्ता से प्रशासकीय कार्य ही कालीमंतन स्थानांतरित किए जाएंगे, इंडोनेशिया का वाणिज्यिक एवं वित्तीय केन्द्र जकार्ता ही बना रहेगा. नई राजधानी की स्थापना का कार्य 2024 तक पूर्ण होने की सम्भावना है तथा इस पर लगभग 33 अरब डॉलर का व्यय अनुमानित किया गया है.

जकार्ता में जनसंख्या व ट्रैफिक के बढ़ते दबाव, आवश्यक चीजों की कमी के साथ-साथ पर्यावरणीय समस्याएं राजधानी के प्रस्तावित स्थानान्तरण के प्रमुख कारण हैं. जकार्ता का काफी बड़ा भाग समुद्र में डूबने की स्थिति में है. भूमिगत जल के भारी विदोहन के चलते इसका 40 प्रतिशत भाग समुद्र तल से भी नीचा हो चुका है. ऐसे में 2050 तक यह शहर समुद्र में समा सकता है. ऐसी आशंका पर्यावरणविदों ने व्यक्त की है.

वेनेजुएला की मादुरो सरकार पर अमरीका के नए प्रतिबन्ध

वेनेजुएला की निकोलस मादुरो (Nicolas Maduro) के नेतृत्व वाली सरकार जिसे अमरीका सहित 50 से अधिक देशों ने मान्यता प्रदान नहीं की हुई है, के विरुद्ध कुछ और नए प्रतिबन्ध अमरीका के ट्रंप प्रशासन ने अगस्त 2019 में आरोपित किए हैं. इनके तहत् वेनेजुएला सरकार की अमरीका में मौजूदा सभी सम्पत्तियों को फ्रीज किया गया है. इसके अतिरिक्त अमरीका स्थित किसी भी सम्पत्ति में वेनेजुएला के हितों को भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 6 अगस्त को हस्ताक्षरित आदेश के तहत् फ्रीज किया गया है. मादुरो द्वारा सत्ता पर अवैध कब्जा किए जाने से वहाँ हो रहे मानवाधिकार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के हनन के परिप्रेक्ष्य में उन्हें सत्ता से हटने के लिए दबाव बनाने के लिए अमरीका द्वारा यह ताजा कदम अगस्त 2019 में उठाए गए हैं.

ज्ञातव्य है कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के लिए पिछले चुनाव मई 2018 में सम्पन्न हुए थे, जिसमें निवर्तमान राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ही भारी बहुमत से 6 वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु निर्वाचित घोषित किए गए थे. इस चुनाव को महज एक दिखावा बताते हुए अमरीका सहित अनेक देशों ने इसे अवैध करार दिया था, जबकि चीन, रूस, द. अफ्रीका, क्यूबा, ईरान, मिस्र, टर्की व सीरिया आदि देशों ने इसे मान्यता प्रदान की थी.

- *निकोलस मादुरो के चुनाव को अवैध बताते हुए विपक्षी नेता जुआन गुइदो (Juan Guaido) ने जनवरी 2019 में स्वयं को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित करते हुए राष्ट्रपति पद की शपथ भी 23 जनवरी, 2019 को ग्रहण कर ली थी. अमरीका व उसके समर्थक अनेक देशों ने इसका जहाँ समर्थन किया था वहीं सेना तथा रूस, चीन व क्यूबा आदि की मदद से निकोलस मादुरो ने राष्ट्रपति पद पर अपना कब्जा बरकरार रखा था. मादुरो पर पद छोड़ने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से ही अमरीका द्वारा वेनेजुएला के विरुद्ध प्रतिबन्ध आरोपित किए गए हैं.*

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन यात्रा

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन देशों–संयुक्त अरब अमीरात (UAE), बहरीन व फ्रांस की यात्रा 22–26 अगस्त, 2019 को की. इनमें फ्रांस की 22-23 अगस्त, संयुक्त अरब अमीरात की 23-24 अगस्त तथा बहरीन की 24-25 अगस्त की राजकीय यात्राएं शामिल थीं. इस दौरे पर फ्रांस की यात्रा उन्होंने दो बार की.

फ्रांस में बियारित्ज (Biarritz) में 25-26 अगस्त, 2019 को सम्पन्न जी-7 शिखर सम्मेलन में बायोडायवर्सिटी, ओशंस व क्लाइमेट सत्र में भागीदारी के लिए भी श्री मोदी को फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रॉं ने आमंत्रित किया था. इसके लिए श्री मोदी 25 अगस्त को बहरीन से दोबारा फ्रांस पहुँचे थे.

दो दिन की फ्रांस की राजकीय यात्रा के लिए श्री मोदी 22 अगस्त को पेरिस पहुँचे थे जहाँ हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी विदेशी मामलों के मन्त्री जीन-यवेस ली ड्रिएन (Jean-Yves Le Drian) ने की. पेरिस में मेजबान राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रॉं (Emmanuel Macron) व प्रधानमन्त्री एडुअंड फिलिप (Edouard Phillippe) के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं के अतिरिक्त भारतीय मूल के समुदाय को सम्बोधन के उनके कार्यक्रम थे. फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रॉं के साथ 22 अगस्त को द्विपक्षीय एवं पारस्परिक महत्व के अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर श्री मोदी की विस्तृत वार्ता

चैट्यू डि चैंटिली में संयुक्त पत्रकार वार्ता में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रॉं के साथ प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी

हुई. पेरिस से 50 किमी दूर ऐतिहासिक चैट्यू डि चैंटिली (Chateau de Chantilly) में सम्पन्न इस वार्ता में 1998 में स्थापित रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने

के लिए सहमति दोनों शासन प्रमुखों में रही. मई 2018 की राष्ट्रपति मैक्राँ की भारत यात्रा के दौरान अनुमोदित संयुक्त विजन के अनुरूप अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में रुचि दोनों पक्षों ने व्यक्त की. उन भारतीय अन्तरिक्ष यात्रियों के लिए सहायक चिकित्साकर्मियों को प्रशिक्षित करने को सहमति फ्रांस ने दी, जो 2022 तक भारत के मानवयुक्त अन्तरिक्ष मिशन का हिस्सा बनेंगे. दोनों देशों ने स्टार्ट अप परिवेश को एक-दूसरे के निकट लाने के लिए एक साइबर सुरक्षा व डिजिटल प्रौद्योगिकी रोडमैप को दोनों देशों ने स्वीकार किया. रक्षा एवं परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में चल रहे सहयोग को मजबूत बनाने तथा इसे और आगे बढ़ाने के लिए सहमति दोनों पक्षों में रही. रक्षा के क्षेत्र में सहयोग को दोनों देशों की सामरिक साझेदारी का मुख्य आधार स्वीकार करते हुए इस वर्ष से लड़ाकू विमान राफेल की डिलीवरी की दिशा में हुई प्रगति पर सन्तोष दोनों पक्षों ने व्यक्त किया. जैतपुर (महाराष्ट्र) में 6 परमाणु रिएक्टरों की स्थापना के लिए 2018 के औद्योगिक आगे की राह समझौता (Industrial Way Forward Agreement) के बाद हुई प्रगति पर भी दोनों पक्षों ने सन्तोष व्यक्त किया. इस दिशा में वार्ता आगे जारी रखने को सहमति दोनों पक्षों में हुई **पारस्परिक सहयोग के चार विभिन्न समझौतों समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए. यह समझौते कौशल विकास एवं वैकल्पिक ऊर्जा, उन्नत कम्प्यूटिंग आदि उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग से सम्बन्धित हैं.** इनमें 'इसरो' व फ्रांस के सीएनईएस के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता संयुक्त समुद्री क्षेत्र जागरूकता के सम्बन्ध में व्यवस्था कार्यान्वयन से सम्बन्धित है.

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्राँ के साथ श्री मोदी की वार्ता के पश्चात् जारी साझा बयान में सभी तरह के आतंकवाद की पुरजोर निंदा दोनों पक्षों ने की है तथा जैश ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा व हिजबुल मुजाहिदीन आदि आतंकी गुटों की सीमा पर हो रही गतिविधियों को पूरी तरह रोकने का आह्वान किया गया है. वार्ता के पश्चात् संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में पत्रकारों से वार्ता के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कश्मीर को भारत व पाकिस्तान के बीच का द्विपक्षीय मामला बताते हुए कहा कि किसी भी तीसरे देश को इसमें हस्तक्षेप और हिंसा बढ़ाने जैसा कार्य नहीं करना चाहिए. अनुच्छेद 370 समाप्त करने के फैसले को भारत का आंतरिक मामला फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने पत्रकार वार्ता में बताया.

मेजबान प्रधानमन्त्री एडवर्ड फिलिप के साथ श्री मोदी की वार्ता बाद में अगले दिन 23 अगस्त को पेरिस में ही हुई.

श्री मोदी को यूएई का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायेद

संयुक्त अरब अमीरात की इस यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी को उस देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायेद (Order of Zayed) से सम्मानित किया गया. उनके लिए इस सम्मान की घोषणा संयुक्त अरब अमीरात द्वारा अप्रैल 2019 में ही की गई थी तथा उन्हें यह अब उनकी इस यात्रा के दौरान प्रदान किया गया है. आबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान ने राष्ट्रपति भवन में 24 अगस्त, 2019 को श्री मोदी को यह सम्मान प्रदान किया. यूएई का यह पुरस्कार जिन वैश्विक नेताओं को इससे पूर्व दिया जा चुका है, उनमें ब्रिटेन की महारानी एजिलाबेथ-II रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग आदि शामिल हैं.

भारतीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी को यूएई के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करते हुए आबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान.

23 अगस्त को पेरिस में श्री मोदी का एक कार्यक्रम भारतीय समुदाय को सम्बोधन का था. यूनेस्को मुख्यालय में इस कार्यक्रम में उनका भव्य स्वागत एवं उत्साहवर्द्धन किया गया. इस सम्बोधन में श्री मोदी ने कहा कि भारत व फ्रांस के सम्बन्ध सैकड़ों वर्ष पुराने हैं तथा यह दोस्ती किसी स्वार्थ पर नहीं, बल्कि लिबर्टी, ईक्वैलिटी एवं फ्रैटरनिटी के ठोस आदर्शों पर टिकी है. अपनी सरकार की विगत पाँच वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि 130 करोड़ देशवासियों के प्रयासों से भारत तेज गति से विकास की यात्रा पर निकल चुका है. ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस तथा ईज़ ऑफ लिविंग सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में किया और कहा कि भारत अब रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की राह पर चल पड़ा है और शीघ्र ही अपनी मंजिल को प्राप्त करेगा. पेरिस में 1950 व 1960 के दशक की एयर इंडिया की दो दुर्घटनाओं की याद में बने एक स्मारक का उद्घाटन भी श्री मोदी ने किया.

संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा

फ्रांस में व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात् 23 अगस्त को ही आगे की यात्रा के लिए श्री मोदी संयुक्त अरब अमीरात (UAE) पहुँचे, जहाँ आबू धाबी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी आबू धाबी एक्जीक्यूटिव अफेयर्स अथोरिटी के चेयरमैन ने की. प्रधानमन्त्री के रूप में श्री मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की यह तीसरी राजकीय यात्रा थी. इससे पूर्व अगस्त 2015 में तथा फरवरी 2018 में यूएई की यात्रा उन्होंने की थी. फरवरी 2018 में दुबई में सम्पन्न 'वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट' में की–नोट स्पीकर रूप में वह आमंत्रित थे.

ताजा तीसरी यात्रा के दौरान आबू धाबी के क्राउन प्रिंस तथा यूएई के सैन्य बलों के सुप्रीम कमांडर शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान (Sheikh Mohamed Bin Zayed Al Nahyan) के साथ श्री मोदी की द्विपक्षीय वार्ता 24 अगस्त को आबू धाबी में ही हुई. दोनों देशों के आपसी कारोबार में वृद्धि तथा सांस्कृतिक सम्बन्ध प्रगाढ़ बनाने के लिए उपायों पर चर्चा वार्ता में की गई. अनुच्छेद 370 की समाप्ति की बात करते हुए श्री मोदी ने क्राउन प्रिंस को बताया कि इस अनुच्छेद के चलते जम्मू-कश्मीर अलग-थलग पड़ा था तथा इसके चलते वहाँ के युवा भटक कर कट्टरपंथी बने और हिंसा तथा आतंकवाद की राह पर चल पड़े. इस स्थिति को समाप्त करने के लिए ही विशेष दर्जा हटाया गया है. यह भारत का आन्तरिक फैसला था, जो पूरी तरह से लोकतान्त्रिक, पारदर्शी और सांविधानिक तरीके से लिया गया. ज्ञातव्य है कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद भारत में यूएई के राजदूत अहमद अल बन्ना ने इसे भारत का आंतरिक मसला बताया था.

महात्मा गांधी पर विशेष स्मारक टिकट

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट आबू धाबी में 24 अगस्त, 2019 को जारी किया गया. आबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायदाद अल नाहयान व भारतीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिलकर इसे जारी किया.

यूएई में रूपे कार्ड जारी

प्रधानमन्त्री मोदी ने मास्टर कार्ड एवं वीसा (Visa) कार्ड के तुल्य भारत के रूपे (RuPay) कार्ड को यूएई में 24 अगस्त को जारी किया. इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर एमिरेट पैलेस में 24 अगस्त, 2019 को किए गए. इससे पूर्व सिंगापुर व भूटान में रूपे कार्ड लाँच किया जा चुका है.

बहरीन में भी देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान श्री मोदी को दिया गया

दो दिन के यूएई प्रवास के दौरान 24 अगस्त को श्री मोदी खाड़ी क्षेत्र के ही द्विपीय देश बहरीन (Baharain) पहुँचे जहाँ बहरीन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी मेजबान प्रधानमन्त्री प्रिंस खलीफा बिन सलमान अल खलीफा ने की.

बहरीन के किंग हमाद बिन ईसा बिन सलमान अल खलीफा श्री मोदी को बहरीन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान करते हुए.

बहरीन की राजकीय यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय प्रधानमन्त्री हैं. 24 अगस्त को बहरीन की राजधानी मनामा में प्रधान-मन्त्री प्रिंस खलीफा बिन सलमान अल खलीफा के अतिरिक्त बहरीन के किंग हमाद बिन ईसा बिन सलमान अल खलीफा के साथ वार्ताओं के अतिरिक्त भारतीय समुदाय को सम्बोधन के श्री मोदी के कार्यक्रम थे. गुड़िया बिया पैलेस में औपचारिक स्वागत के पश्चात् बहरीन के इन शासकों से श्री मोदी की अलग-अलग वार्ताएं हुईं. आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय व बहुपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान वार्ताओं में किया गया. द्विपक्षीय सम्बन्धों की वर्तमान स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान, रक्षा, उच्च शिक्षा, व्यापार एवं आर्थिक सम्बन्धों के साथ लोगों के आपसी जुड़ाव को बढ़ाने के महत्व को दोनों पक्षों ने रेखांकित किया व्यापारिक सम्बन्धों व सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के साथ-साथ आपसी मित्रता को मजबूत करने पर विशेष बल वार्ता में दिया गया. किसी भी देश को अन्य देशों के विरुद्ध आतंकवाद के इस्तेमाल से रोकने के लिए सभी से आह्वान बातचीत के बाद जारी साझा बयान में किया गया. आतंकवाद के बुनियादी ढाँचे को नष्ट करने तथा आतंकवादियों के वित्त पोषकों को बेनकाब करने का संकल्प भी साझा बयान में व्यक्त किया गया तथा ऐसे देशों पर नजर रखने की अपील संयुक्त राष्ट्र संघ से भी की गई. वार्ता के पश्चात् विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के चार समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर सम्पन्न किए गए. भारत एवं बहरीन के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान व अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के समझौते इनमें शामिल हैं. बहरीन में रूपे (RuPay) कार्ड के शुभारम्भ के लिए बहरीन के (BenEFiT) व भारत के NPCL के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी इनमें शामिल हैं.

बहरीन के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों को मजबूत करने में भारतीय प्रधानमन्त्री श्री मोदी के प्रयासों को मान्यता प्रदान करते हुए उन्हें अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान **किंग हमाद ऑर्डर ऑफ रिनाइसांस** (King Hamad Order of Renaissance) से किंग हमाद बिन ईसा बिन सलमान अल खलीफा ने 24 अगस्त को गुड़िया बिया पैलेस में ही सम्मानित किया.

बहरीन में मनामा में श्रीनाथ जी मन्दिर में पूजा अर्चना करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी.

मनामा प्रवास के अगले दिन फ्रांस रवाना होने से पूर्व वहाँ स्थित 200 वर्ष पुराने श्रीनाथ (भगवान श्री कृष्ण) मन्दिर में पूजा अर्चना श्री मोदी ने 25 अगस्त को की. इस मन्दिर के पुनर्निर्माण के लिए 42 लाख डॉलर की परियोजना की शुरूआत श्री मोदी ने की. बाद में उसी दिन फ्रांस में बियारित्ज में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में विशेष सत्र में भागीदारी के लिए श्री मोदी फ्रांस रवाना हो गए.

जी-7 का 45वाँ शिखर सम्मेलन बियारित्ज (फ्रांस) में : विशेष आमंत्रित के रूप में श्री मोदी ने भी भाग लिया

G7 FRANCE BIARRITZ 2019

औद्योगिक दृष्टि से विकसित सात देशों के समूह जी-7 का 45वाँ शिखर सम्मेलन फ्रांस के बियारित्ज (Biarritz) शहर में 24-26 अगस्त, 2019 को सम्पन्न हुआ. सात विकसित देशों के इस समूह में अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान व कनाडा ही सदस्य हैं तथा यूरोपीय संघ को भी इसकी गतिविधियों में शामिल किया जाता है.

उपर्युक्त देशों की सदस्यता के चलते फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रॉं (Emmanuel Macron) की मेजबानी में सम्पन्न इस सम्मेलन में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प (Donald Trump), जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल (Angela Merkel), इटली के प्रधानमन्त्री गुइसेप कोंटे (Giuseppe Conte), जापान के प्रधानमन्त्री शिंजो एबे (Shinzo Abe), कनाडा के प्रधानमन्त्री जस्टिन ट्रूडो (Justin Trudeau) व ब्रिटेन के प्रधानमन्त्री बोरिस जॉन्सन (Boris Johnson) के अतिरिक्त यूरोपीय परिषद् (EC) के अध्यक्ष डोनाल्ड टस्क इस सम्मेलन में भागीदारी के लिए उपस्थित थे.

- रूस को भी 2014 तक इस समूह में शामिल किया जाता था तथा तब यह जी-8 के नाम से जाना जाता था.
- भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, तथापि मेजबान फ्रांस ने इस वर्ष के शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी को भी विशेष आमन्त्रित के रूप में आमन्त्रित किया था. जिन अन्य शासन प्रमुखों/हस्तियों को विशेष आमन्त्रित के रूप में बियारित्ज शिखर सम्मेलन में आमन्त्रित किया गया था, उनमें आस्ट्रेलिया के प्रधानमन्त्री स्कॉट मॉरिसन (Scott Morrison) द. अफ्रीका के राष्ट्रपति साइरिल रामाफोसा (Cyril Ramaphosa) स्पेन के प्रधानमन्त्री पेड्रो सांचेज (Pedro Sanchez) बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोश मार्क क्रिस्टियन (Roch Marc Christian), चिली के राष्ट्रपति सेबास्टियन पिरीरा, मिस्र के राष्ट्रपति अल फतह एलसीसी, रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कगामे (Paul Kagame) तथा सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी साल (Macky Sall) शामिल थे.

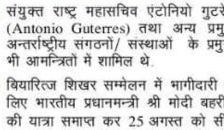

जी-7 शिखर सम्मेलन में उपस्थित नेताओं का ग्रुप फोटो.

- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटरेस (Antonio Guterres) तथा अन्य प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों/ संस्थाओं के प्रमुख भी आमन्त्रितों में शामिल थे.
- बियारित्ज शिखर सम्मेलन में भागीदारी के लिए भारतीय प्रधानमन्त्री श्री मोदी बहरीन की यात्रा समाप्त कर 25 अगस्त को सीधे ही बियारित्ज पहुँचे थे. (इससे तीन दिन पूर्व ही फ्रांस की 22-23 अगस्त की यात्रा करके संयुक्त अरब अमीरात होते हुए बहरीन वह

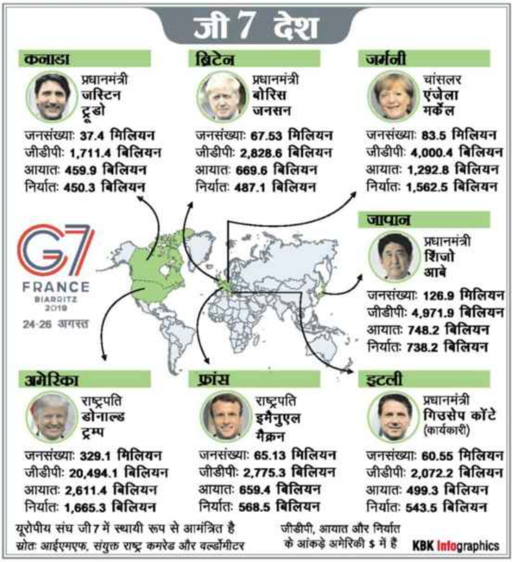

24 अगस्त को पहुँचे थे) बियारित्ज में जी-7 शिखर सम्मेलन में भागीदारी से इतर विश्व के अनेक प्रमुख नेताओं से श्री मोदी की अनौपचारिक वार्ताएं 25 व 26 अगस्त, 2019 को हुईं. इनमें मेजबान राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रॉं के अतिरिक्त अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, ब्रिटिश प्रधानमन्त्री बोरिस जॉनसन, सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी साल व अन्य शासन प्रमुख भी शामिल थे.

बियारित्ज में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ श्री मोदी की अनौपचारिक बैठक.

- **विशेष आमन्त्रितों को शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्रों में ही भाग लेने की अनुमति थी, भारतीय प्रधानमन्त्री श्री मोदी को इस शिखर सम्मेलन के (Biodiversity, Oceans, Climate Session** में भागीदारी हेतु आमंत्रित किया गया था. यह सत्र 26 अगस्त, 2019 को सम्पन्न हुआ था.
- जी-7 का आगामी 46वाँ शिखर सम्मेलन अगले वर्ष 2020 में अमरीका में होना है. इसके लिए तिथियाँ अभी निर्धारित नहीं हैं. अगले शिखर सम्मेलन तक अमरीका G-7 का अध्यक्ष रहेगा.

- *बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के संरक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, लीबिया में अशांति, यूक्रेन में रूसी सैन्य हस्तक्षेप तथा हांगकांग में चल रहे प्रदर्शन आदि के मुद्दों पर विशेष चर्चा जी-7 के बियारित्ज सम्मेलन में हुई. जी-7 सदस्यों का मत था कि ईरान की किसी भी स्थिति में परमाणु हथियारों तक पहुँच नहीं होनी चाहिए. हांगकांग की स्थिति पर भी 1984 के चीन-ब्रिटिश समझौते को सदस्य देशों ने स्वीकार किया. लीबिया में दीर्घकालिक युद्धविराम के पक्ष में जी-7 नेता रहे.*
- जी-7 एक अनौपचारिक समूह है. इसका न तो कोई मुख्यालय है तथा न ही कोई चार्टर या सचिवालय.

जाम्बिया के राष्ट्रपति एडगर छगवा लुंगु की भारत यात्रा

द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में जाम्बिया के राष्ट्रपति एडगर छगवा लुंगु (Edgar Chagwa Lungu) ने अपने वरिष्ठ मन्त्रिमण्डलीय सहयोगियों के साथ तीन दिन की भारत यात्रा 20-22 अगस्त, 2019 को की. विदेशी मामलों के मन्त्री व वाणिज्य मन्त्री सहित उनकी कैबिनेट के कई वरिष्ठ सदस्य भारत की इस पहली यात्रा पर उनके साथ आए उच्च स्तरीय शिष्टमण्डल में शामिल थे. उनकी इस यात्रा से एक वर्ष पूर्व भारतीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने अफ्रीका के इस देश की राजकीय यात्रा अप्रैल 2018 में की थी.

तीन दिन की यात्रा के लिए 20 अगस्त के प्रातः नई दिल्ली पहुँचे राष्ट्रपति लुंगु की पालम हवाई अड्डे पर अगवानी केन्द्रीय विदेश राज्यमन्त्री श्री वी. मुरली धरम ने की.

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में जाम्बिया के राष्ट्रपति एडगर छगवा लुंगु का स्वागत करते हुए भारतीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद व प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी.

राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत 21 अगस्त को हुआ जिसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि उन्होंने अर्पित की. उसी दिन भारतीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता से पूर्व विदेश राज्यमन्त्री श्री मुरलीधरन ने उनसे होटल ताज पैलेस में वार्ता की. बाद में द्विपक्षीय एवं पारस्परिक महत्व के अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रधानमन्त्री श्री मोदी के साथ मेहमान राष्ट्रपति की वार्ता हैदराबाद हाउस में सम्पन्न हुई. अप्रैल 2018 की राष्ट्रपति श्री कोविंद की जाम्बिया यात्रा के समय दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित समझौतों और लिए गए निर्णयों की स्थिति की समीक्षा वार्ता में की गई. सुरक्षा रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, आधारिक संरचना व क्षमता निर्माण के मुद्दे इनमें विशेषतः शामिल थे. इन क्षेत्रों में भारत के हर सम्भव सहयोग की पेशकश भारतीय प्रधानमन्त्री ने की. जाम्बिया में कृषि के प्रोन्नयन हेतु 100 सोलर सिंचाई पम्प उसे प्रदान करने की घोषणा श्री मादी ने की. इसके अतिरिक्त 100 टन मिल्क पॉउडर तथा 1000 टन चावल भी उसे प्रदान करने की घोषणा उन्होंने की. जाम्बिया के सैन्य बलों को प्रशिक्षण प्रदान करने में भारत का योगदान पहले ही चलता रहा है इसके लिए भारत की थल एवं वायु सैनिकों की प्रशिक्षण टीम जाम्बिया में तैनात करने की पेशकश श्री मोदी ने की. जलवायु परिवर्तन, शान्ति, सुरक्षा व सतत् विकास जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने में सहमति भी दोनों पक्षों में हुई.

शेष पृष्ठ 44 पर

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

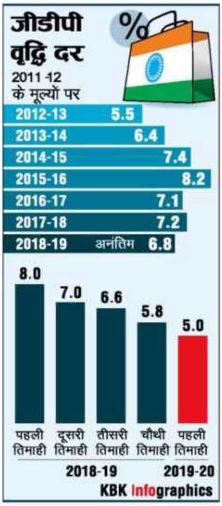

- **2019-20 की पहली तिमाही में जीडीपी में वृद्धि केवल 5·0 प्रतिशत : विगत 6 वर्षों में सबसे नीची वृद्धि (सीएसओ के अनंतिम आँकड़े)**
- **आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट (2018-19) जारी**
- **सातवीं आर्थिक गणना का कार्य त्रिपुरा से प्रारम्भ**
- **2019-20 की तीसरी द्वैमासिक मौद्रिक नीति में रेपो दर सहित प्रमुख बैंकिंग दरों में 0·35-0·35 प्रतिशत बिन्दु की पुनः कटौतियाँ**
- **राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर सितम्बर 2020 तक तैयार करने का सरकार का इरादा**
- **इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का स्मॉल फाइनेंस बैंक के रूप में रूपातंरण का डाक विभाग का इरादा**
- **भारतीय अर्थव्यवस्था 2018 में विश्व की सातवीं बड़ी अर्थव्यवस्था (विनिमय दर आधारित गणना में 2017 में छठा स्थान भारत का था)**
- **नए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ता हितों का बेहतर संरक्षण**
- **2018-19 में बागवानी उपजों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान**
- **2018-19 में देश में कृषिगत उत्पादन : चौथे अग्रिम अनुमान**
- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में व्यापक विलय का सरकार का इरादा**
- **2018-19 के लिए रिकॉर्ड ₹ 1·76 लाख करोड़ सरकार को हस्तांतरित करने का रिजर्व बैंक का फैसला**

2019-20 की पहली तिमाही में जीडीपी में वृद्धि केवल 5·0 प्रतिशत : विगत 6 वर्षों में सबसे नीची वृद्धि (सीएसओ के अनंतिम आँकड़े)

रेपो दर में लगातार चार बार कटौती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि विगत छह वर्षों में न्यूनतम स्तर पर आ गई है. **चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2019) में जीडीपी में वृद्धि केवल 5 प्रतिशत ही रही है, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि अप्रैल-जून 2018 में यह वृद्धि 8 प्रतिशत थी.**

2018-19 की पहली तिमाही (Q_1) में 8 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त करने के पश्चात्

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि (2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर)

(प्रतिशत में)

	(अप्रैल-जून)	
	2018-19	2019-20 (30 अगस्त, 2019 के अनंतिम अनुमान)
मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices), जिसमें	**7·7**	**4·9**
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी (Agriculture, Forestry and Fishing)	5·1	2·0
2. खनन व उत्खनन (Mining and Quarrying)	0·4	2·7
3. विनिर्माणी (Manufacturing)	12·1	0·6
4. विद्युत्, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं (Electricity, Gas, Water Supply and Other Utility Services)	6·7	8·6
5. निर्माण (Construction)	9·6	5·7
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं (Trade, Hotels, Transport, Communications and Services related to Broad casting)	7·8	7·1
7. वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं (Financial, Real, Estate and Professional Services)	6·5	5·9
8. सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएं (Public Administration, Diffence and Other Services)	7·5	8··5

हाल ही की तिमाहियों में जीडीपी में वृद्धि

तिमाही	2011-12 के स्थिर मूल्यों पर
2018-19	
पहली (अप्रैल-जून 2018) Q_1	8·0
दूसरी (जुलाई-सितम्बर 2018) Q_2	7·0
तीसरी (अक्टूबर-दिसम्बर 2018) Q_3	6·6
चौथी (जनवरी-मार्च 2019) Q_4	5·8
2019-20	
पहली (अप्रैल-जून 2019) Q_1	**5·0**

जीडीपी वृद्धि में गिरावट का सिलसिला लगातार बना हुआ है. इस क्रम में 2018-19 की दूसरी तिमाही (Q_2 जुलाई-सितम्बर 2018) में यह वृद्धि 7·0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही (Q_3 अक्टूबर-दिसम्बर 2018) में 6·6 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही (Q_4 जनवरी-मार्च 2019) में यह वृद्धि 5·8 प्रतिशत रही थी. इस प्रकार यह लगातार पाँचवीं तिमाही (अप्रैल-जून 2019) है, जब जीडीपी में वृद्धि घटी है और केवल 5·0 प्रतिशत ही यह रही है. जीडीपी में वृद्धि की यह दर विगत 6 वर्षों में (25 तिमाहियों में) सबसे कम है. इससे कम जीडीपी वृद्धि (4·3 प्रतिशत) जनवरी-मार्च 2013 में रही थी. जीडीपी में 5 प्रतिशत की नीची वृद्धि के साथ-साथ सकल मूल्य संवर्द्धन (Gross Value Addition–GVA) में वृद्धि भी स्थिर मूल्यों पर (2011-12 के मूल्यों पर) 4·9 प्रतिशत ही इस तिमाही में प्राप्त की गई है. पिछले वित्तीय वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में जीवीए में वृद्धि 7·7 प्रतिशत रही थी.

चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही में देश में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) सम्बन्धी अनंतिम आँकड़े केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO—Central Statistical Office) द्वारा 30 अगस्त, 2019 को जारी किए गए. इन आँकड़ों के अनुसार सन्दर्भित तिमाही (अप्रैल-जून 2019) में 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर जीडीपी ₹ 35·85 लाख करोड़ रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में ₹ 34·14 लाख करोड़ था. इस प्रकार स्थिर मूल्यों पर जीडीपी में 5·0 प्रतिशत की वृद्धि में दर्ज की गई है. प्रचलित मूल्यों पर (at current prices) इस अवधि में जीडीपी वृद्धि 8·0 प्रतिशत आकलित की गई है. 2019-20 की पहली तिमाही में प्रचलित मूल्यों पर जीडीपी ₹ 48·33 लाख करोड़ इन आँकड़ों में आकलित किया गया है.

सीएसओ के इन आँकड़ों में 2019-20 की पहली तिमाही में स्थिर मूल्यों पर देश में सकल मूल्यवर्द्धन (Gross Value Addition–GVA) जीवीए ₹ 33·48 लाख करोड़ आकलित किया गया है, जो पिछले वर्ष समान अवधि (अप्रैल-जून 2018) में ₹ 31·90 लाख करोड़ था. सीएसओ के 30 अगस्त, 2019 के अनंतिम अनुमानों (Provisional estimates) में 2019-20 की पहली तिमाही देश में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि 2·0 प्रतिशत ही अनुमानित की गई है, जबकि 2018-19 की समान अवधि में यह वृद्धि 5·1 प्रतिशत रही थी. विनिर्माणी (Manufacturing) क्षेत्र में 2018-19 की पहली तिमाही में जीवीए में वृद्धि 12·1 प्रतिशत रही थी, जबकि 2019-20 की समान अवधि में यह वृद्धि 0·6 प्रतिशत ही अनुमानित की गई है. अर्थव्यवस्था के विभिन्न उपक्षेत्रों में 2018-19 व 2019-20 में पहली तिमाहियों में जीवीए में वृद्धि के आँकड़े दिए गए बॉक्स में दर्शाए गए हैं.

आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट (2018-19) जारी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने लेखा वर्ष 2018-19 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट 29 अगस्त, 2019 को जारी की. अर्थव्यवस्था की स्थिति के साथ-साथ मुद्रा एवं बैंकिंग से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं का लेखा-जोखा इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है. रिजर्व बैंक के अपने वित्तीय निष्पादन का ब्योरा भी इसमें दर्शाया गया है.

आरबीआई की आय

रिपोर्ट में बताया गया है कि पूर्व वर्ष की तुलना में 2018-19 में रिजर्व बैंक की आय दोगुना से भी अधिक हुई, जिसके चलते लाभांश के रूप में ₹ 1·23 लाख करोड़ का सरकार को हस्तांतरण सम्भव हो सका. रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 (अप्रैल-मार्च) में रिजर्व बैंक की कुल आय ₹ 1·93 करोड़ रही, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 146·5 प्रतिशत अधिक थी. इसके विपरीत कुल व्यय ₹ 28,277 करोड़ से घटकर ₹ 17,045 करोड़ रहा. विभिन्न प्रावधानों में कटौती को व्यय में कमी के कारणों में मुख्य बताया गया है. नोट छपाई के व्यय में भी 2 प्रतिशत कमी आने से 2018-19 में यह व्यय ₹ 4811 करोड़ रिपोर्ट में बताया गया है.

- ***रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 में बैंक की ₹ 1·93 लाख करोड़ की कुल आय में ₹ 1·06 लाख करोड़ ब्याज आय (पूर्व वर्ष की तुलना में 44·62 प्रतिशत अधिक) तथा ₹ 86,199 करोड़ अन्य आय है. पूर्व वर्ष 2017-18 में यह अन्य आय ₹ 4410 करोड़ ही थी.***
- *विदेशी मुद्राओं से लाभ 2018-19 में ₹ 28,998 करोड़ रहा, जो पूर्व वर्ष में ₹ – 4067 करोड़ (हानि) था.*

आरबीआई की परिसम्पत्तियों की संरचना

रिजर्व बैंक रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2019 के अन्त में बैंक की कुल परिसम्पत्तियों में भारतीय परिसम्पत्तियों का भाग 28·03 प्रतिशत जहाँ था, वहीं 71·97 प्रतिशत भाग विदेशी मुद्राओं एवं स्वर्ण का था. एक वर्ष पूर्व इन दोनों घटकों के यह भाग क्रमशः 23·18 प्रतिशत व 76·82 प्रतिशत थे.

- *रिपोर्ट के अनुसार जून 2019 के अन्त में रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण भण्डार 618·16 मीट्रिक टन था, जो एक वर्ष पूर्व जून 2018 के अन्त में 566·23 मीट्रिक टन था.*

चलन में नकदी की मात्रा में वृद्धि

अर्थव्यवस्था को कैश लैस बनाना 8 नवम्बर, 2016 की नोटबंदी के उद्देश्यों में शामिल था. डिजिटल ट्रांजेक्शनों को बढ़ावा देने के अनेक प्रयासों के बावजूद देश में चलन में नकदी की मात्रा में वृद्धि नोटबंदी के पश्चात् विगत दो वर्षों में हुई है. रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च 2017 के अन्त देश में चलन में नकदी की कुल मात्रा ₹ 13 लाख करोड़ से कुछ अधिक थी, जो बढ़कर मार्च 2018 के अन्त में ₹ 18·03 लाख करोड़ तथा मार्च 2019 के अन्त में ₹ 21·1 लाख करोड़ हो गई थी. इस प्रकार नोटबंदी के तत्काल पश्चात् चलन में नकदी की मात्रा में कमी आई, किन्तु बाद में इसमें तेजी से वृद्धि हुई है. मार्च 2017 से मार्च 2019 के बीच चलन में नकदी की मात्रा में 61 प्रतिशत की वृद्धि दो वर्षों की अवधि में हुई है.

करेंसी नोटो में ₹ 2000 के नोटों का भाग घटा

रिजर्व बैंक रिपोर्ट के अनुसार ₹ 2000 के नोटों की छपाई में की जा रही कमी के चलते 2017-18 की तुलना में 2018-19 में चलन में रही करेंसी में ₹ 2000 के नोटों का भाग घटा है. मार्च 2018 के अन्त में देश में चलन में रहे करेंसी नोटों में ₹ 2000 के नोटों का भाग 37·3 प्रतिशत था, जो घटकर मार्च 2019 के अन्त में 31·2 प्रतिशत रह गया था. इसी अवधि में ₹ 500 के नोटों का भाग 42·9 प्रतिशत से बढ़कर 51·0 प्रतिशत हो गया था.

चलन में करेंसी नोटों में विभिन्न मूल्य के नोटों का भाग

(मार्च अन्त की स्थिति, मूल्यानुसार)

(प्रतिशत में)

नोट मूल्य	2018	2019
2000	37·3	31·2
1000	0·4	—
500	42·9	51·0
200	2·1	3·8
100	12·3	9·5
50	2·0	2·0

संख्या की दृष्टि से ₹ 10 व ₹ 100 के नोटों का चलन सर्वाधिक

मूल्य की दृष्टि से देश में सर्वाधिक (51 प्रतिशत) चलन जहाँ ₹ 500 के नोटों का है, वहीं संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक चलन ₹ 10 व ₹ 100 मूल्य के नोटों का है. रिजर्व बैंक की 2018-19 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार संख्या की दृष्टि से मार्च 2019 के अन्त में चलन में रहे कुल करेंसी नोटों में 42·7 प्रतिशत भाग ₹ 10 व ₹ 100 मूल्य के नोटों का था.

13857927

नकली नोट

रिजर्व बैंक रिपोर्ट के अनुसार 2017-18 की तुलना में 2018-19 में पकड़ में आए नकली नोटों की संख्या में वृद्धि हुई. 2017-18 (अप्रैल-मार्च) के दौरान पकड़ में आए नकली नोटों की कुल संख्या जहाँ 5,22,783 थी, वहीं 2018-19 में यह संख्या 3,17,384 रही. इसी अवधि में ₹ 2000 के नकली नोटों की संख्या 17,929 से बढ़कर 21,847 नोट रही.

बैंक घोटालों में वृद्धि

रिजर्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2017-18 की तुलना में 2018-19 में बैंक घोटालों के मामलों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि जहाँ हुई, वहीं घोटालों की राशि में वृद्धि 73·8 प्रतिशत रही. रिपोर्ट में बताया गया है कि 2018-19 में ₹ 71,542·93 करोड़ के घोटाले के कुल 6801 मामले दर्ज किए, जबकि 2017-18 में कुल 5916 घोटालों में शामिल राशि ₹ 41,167·04 करोड़ थी. घोटालों की संख्या एवं उनमें शामिल राशि के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ही आगे रहे, जिसके पश्चात् क्रमशः निजी तथा विदेशी बैंकों का स्थान रहा.

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश : स्रोत एवं क्षेत्र

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) के सम्बन्ध में रिजर्व बैंक की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2018-19 के दौरान देश में इसका अन्तर्प्रवाह 38·7 अरब डॉलर (अनंतिम) रहा, जो हाल ही के वर्षों में सर्वोच्च है. पूर्व वर्ष 2017-18 में यह 37·4 अरब डॉलर व 2016-17 में यह 36·3 अरब डॉलर था.

2016-17 व 2017-18 में देश में एफडीआई का सबसे प्रमुख स्रोत मॉरिशस रहा था, जबकि सिंगापुर का दूसरा स्थान था आरबीआई की ताजा रिपोर्ट में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 2018-19 में मॉरिशस को पीछे छोड़ते हुए सिंगापुर देश में एफडीआई का प्रमुख स्रोत बना है. रिपोर्ट के अनुसार हाल ही के वर्षों में एफडीआई के स्रोत के आँकड़े निम्नलिखित रहे हैं–

स्रोत (देश)	एफडीआई का अन्तर्प्रवाह (अरब डॉलर में)		
	2016-17	2017-18	2018-19
सिंगापुर	6·53	9·27	14·63
मॉरिशस	13·38	13·42	6·57
अमरीका	2·14	1·97	2·82
जापान	4·24	1·31	2·75
नीदरलैण्ड्स	3·23	2·68	2·52
यू.के.	1·30	0·72	1·21
......	......	......	......
......	......	......	......
योग	36·32	37·37	38·74

रिजर्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 में देश में एफडीआई का सर्वाधिक 7·9 अरब डॉलर का अन्तर्प्रवाह विनिर्माणी (Manufacturing) क्षेत्र में रहा, जिसके पश्चात् क्रमशः वित्तीय सेवा क्षेत्र (6·4 अरब डॉलर) तथा संचार सेवा क्षेत्र (5·4 अरब डॉलर) के स्थान रहे. एफडीआई आकर्षित करने वाले अन्य प्रमुख क्षेत्र क्रमशः रिटेल एवं होलसेल ट्रेड, कम्प्यूटर सेवाएं, वाणिज्यिक सेवाएं, विद्युत्, निर्माण, परिवहन तथा रेस्टोरेंट एवं होटल आदि रहे.

क्षेत्र	प्रमुख क्षेत्रों में एफडीआई का अन्तर्प्रवाह (अरब डॉलर में)		
	2016-17	2017-18	2018-19
विनिर्माणी	12·0	7·1	7·9
वित्तीय सेवाएं	3·7	4·1	6·4
संचार सेवाएं	5·9	8·8	5·4
रिटेल एवं होलसेल ट्रेड	2·8	4·5	4·3
कम्प्यूटर सेवाएं	1·9	3·2	3·5
वाणिज्यिक सेवाएं	2·7	3·0	2·6
......	......	......	......
......	......	......	......
योग	29	30·7	30·1

उपर्युक्त के अतिरिक्त मुद्रास्फीति, बैंक जमाओं, साख व बैंकिंग निष्पादन आदि क्षेत्रों का लेखा-जोखा भी आरबीआई की इस रिपोर्ट में दिया गया है.

सातवीं आर्थिक गणना का कार्य त्रिपुरा से प्रारम्भ

देश में कार्यरत समस्त आर्थिक इकाइयों (कृषि के अतिरिक्त) की संख्या व उनके सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से सातवीं आर्थिक गणना (7th Economic Census) का कार्य 29 जुलाई, 2019 से शुरू किया गया है. सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मन्त्रालय (Ministry of Statistics and Programme Implimentation–MoSPI) के तत्वावधान में इस वृहद् कार्य की शुरूआत त्रिपुरा से की गई है. जिसके पश्चात् पुदुचेरी में यह कार्य सम्पादित किया जाएगा. इसके लिए तकनीकी फील्ड वर्क का दायित्व इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय से सम्बद्ध सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज़ इंडिया लि. (CSC e–Governance Services India Ltd.) को सौंपा गया है. आईटी आधारित होने के कारण सातवीं आर्थिक गणना के परिणाम अपेक्षाकृत शीघ्रता से प्राप्त किए जा सकेंगे. इससे पूर्व जनवरी 2013 में शुरू की गई छठी आर्थिक गणना के फाइनल परिणाम प्राप्त होने में तीन वर्ष 6 माह का समय लगा था. **देश में इससे पूर्व 6 आर्थिक गणनाएं क्रमशः 1977, 1980, 1990, 1998, 2005 व 2013 में सम्पन्न की गई थीं.**

आर्थिक गणना के तहत् देश में कार्यरत सभी आर्थिक इकाइयों/प्रतिष्ठानों, यहाँ तक कि रेहड़ी, पटरी पर होने वाले छोटे-मोटे कारोबारों सहित सभी व्यावसायिक इकाइयों / प्रतिष्ठानों की गिनती की जाती है. यहाँ तक कि घरेलू स्तर पर होने वाली आर्थिक गतिविधियों का लेखा-जोखा भी तैयार किया जाता है.

2019-20 की तीसरी द्वैमासिक मौद्रिक नीति में रेपो दर सहित प्रमुख बैंकिंग दरों में 0·35-0·35 प्रतिशत बिन्दु की पुनः कटौतियाँ

आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करने को प्राथमिकता प्रदान करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने नीतिगत रेपो दर (Repo Rate) में 0·35 प्रतिशत बिन्दु की पुनः कटौती 2019-20 की तीसरी द्वैमासिक मौद्रिक नीति के तहत् 7 अगस्त, 2019 को की है, जिससे यह दर 5·75 प्रतिशत से घटकर 5·40 प्रतिशत अब हो गई है. **इसके साथ ही 0·35-0·35 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ रिवर्स रेपो दर, बैंक दर व सीमांत स्थायी सुविधा (Marginal Standing Facility—MSF) दर में भी की गई हैं, जिससे रिवर्स रेपो दर 5·50 प्रतिशत से घटकर 5·15 प्रतिशत तथा बैंक दर व सीमांत स्थायी सुविधा दर 6·0-6·0**

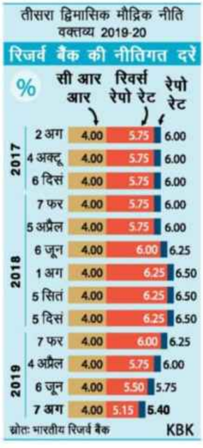

प्रतिशत से घटकर **5·65-5·65 प्रतिशत अब रह गई हैं.** इससे पूर्व इन चारों दरों में 0·25-0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ 7 फरवरी, 2019 को 4 अप्रैल, 2019 को व 6 जून, 2019 को की गई थी. इस प्रकार 6 माह के भीतर लगातार चार बार इन बैंकिंग दरों में कटौतियाँ रिजर्व बैंक ने की हैं, जिससे 6 माह में कुल मिलाकर 1·10-1·10 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ इन दरों में हुई हैं. इससे बाजार में ब्याज दरों में कमी आएगी तथा अर्थव्यवस्था में तरलता के प्रवाह में वृद्धि होगी.

बैंकों के लिए नकद आरक्षण अनुपात (CRR) व सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) में कोई परिवर्तन इस तीसरी द्वैमासिक नीति के तहत् भी नहीं किया गया है. जिससे यह दरें 4·0 प्रतिशत व 18·75 प्रतिशत पर बरकरार हैं. रेपो दर सहित अन्य तीनों बैंकिंग दरों में 0·35-0·35 प्रतिशत बिन्दु की कटौती का ताजा निर्णय बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में सर्वसम्मति से हुआ. 6 सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति के सभी छह सदस्य इसके समर्थन में थे.

प्रमुख बैंकिंग दरें

(7 अगस्त, 2019 के बाद की स्थिति)

रेपो दर	5·40 प्रतिशत
रिवर्स रेपो दर	5·15 प्रतिशत
बैंक दर	5·65 प्रतिशत
सीमान्त स्थायी सुविधा दर (MSF Rate)	5·65 प्रतिशत
नकद आरक्षण अनुपात (CRR)	4·00 प्रतिशत
सांविधिक तरलता अनुपात (SLR)	18·75 प्रतिशत

- *डिजिटल लेन-देनों को बढ़ावा देने के लिए दिसम्बर 2019 से रिटेल भुगतानों के लिए **नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (NEFT)** की सुविधा अब 24 घण्टे उपलब्ध कराने की घोषणा आरबीआई ने ताजा तीसरी द्वैमासिक नीति के तहत् की है. वर्तमान में यह सुविधा प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक ही उपलब्ध है. **इस सुविधा के तहत् ₹ 2 लाख तक की राशि का भुगतान एक समय में किया जा सकता है.***
- ***चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 में देश में आर्थिक वृद्धि 7·4 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान आरबीआई ने 7 फरवरी, 2019 को 2018-19 की छठी अंतिम द्वैमासिक नीति में व्यक्त किया था जिसे घटाकर 7·2 प्रतिशत 4 अप्रैल, 2019 को इस वित्तीय वर्ष (2019-20) की पहली द्वैमासिक नीति में तथा 7·0 प्रतिशत 6 जून, 2019 की दूसरी द्वैमासिक नीति में किया था. अपने इस पूर्वानुमान में एक बार पुनः कटौती आरबीआई ने 7 अगस्त, 2019 को की है तथा 2019-20 में जीडीपी में वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को ओर घटाते हुए अब 6·9 प्रतिशत ही कर दिया है.***
- *उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 2019-20 की दूसरी तिमाही में 3·1 प्रतिशत रहने तथा दूसरी छमाही में यह 3·5 से 3·7 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान रिजर्व बैंक ने व्यक्त किया है.*
- ***2019-20 के लिए आगामी (चौथी) द्वैमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा आरबीआई द्वारा 4 अक्टूबर, 2019 को की जाएगी जिसके पश्चात् पाँचवीं व छठी द्वैमासिक नीतियाँ क्रमशः 5 दिसम्बर, 2019 व 6 फरवरी, 2020 को घोषित होंगी.***

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर सितम्बर 2020 तक तैयार करने का सरकार का इरादा

देश में रहने वाले हर सामान्य निवासी की पहचान का व्यापक डाटाबेस तैयार करने के उद्देश्य से **राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर** (National Population Register–NPR) सितम्बर 2020 तक तैयार करने का निर्णय सरकार ने किया है. इस डाटाबेस में जनांकिकीय के साथ-साथ बायोमैट्रिक जानकारियाँ भी संग्रहीत की जाएंगी. देश के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त (Registrar General of Citizen Registration and Census Commissioner) विवेक जोशी की ओर से जारी एक अधिसूचना के अनुसार इसके लिए फील्ड वर्क 1 अप्रैल, 2020 से शुरू किया जाएगा. इसके तहत् **असम को छोड़कर देशभर में घर-घर जाकर सभी लोगों की जानकारियाँ एकत्र की जाएंगी. असम को इस कार्य में शामिल न किए जाने का कारण यह है कि वहाँ नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस (NRC) तैयार करने की प्रक्रिया पहले ही चल रही थी तथा** वहाँ यह एनआरसी बाद में 31 अगस्त, 2019 को जारी किया गया है. यह लेखा वहाँ जुलाई 2018 में ही जारी किया गया था, जो 40·7 लाख लोगों को बाहर किए जाने के कारण विवादित हो गया था. इसका संशोधित प्रकाशन 31 अगस्त, 2019 को हुआ है.

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तैयार हो जाने के पश्चात् यह राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने का आधार बनेगा. 17वीं लोक सभा के गठन के पश्चात् 17 जून, 2019 को संसद में अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने सरकार की प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए कहा था सरकार ने घुसपैठ प्रभावित इलाकों में प्राथमिकता के आधार पर एनआरसी की प्रक्रिया को लागू करने का फैसला किया है.

- ***राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर में नामांकन हेतु ऐसे व्यक्ति को सामान्य निवासी माना जाएगा, जो उस स्थानीय क्षेत्र में विगत 6 माह या अधिक समय से रह रहा हो या जिसका उस क्षेत्र में अगले 6 माह या अधिक समय तक रहने का इरादा हो.***

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का स्मॉल फाइनेंस बैंक के रूप में रूपातंरण का डाक विभाग का इरादा

भारतीय डाक विभाग का इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक लि. एक पेमेंट बैंक के रूप में सितम्बर 2018 से कार्यरत् है. राष्ट्रव्यापी स्तर पर इसकी औपचारिक लांचिंग प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 सितम्बर, 2018 को की थी. पेमेंट्स बैंक के रूप में बैंक की स्थापना के लिए डाक विभाग को भारतीय रिजर्व बैंक से लाइसेंस अगस्त 2015 में प्राप्त हुआ था तथा बैंक की स्थापना के लिए कम्पनी के रूप में इसका पंजीकरण अगस्त 2016 में कराया गया था. पायलट परियोजना के रूप में बैंक की शुरूआत जनवरी 2017 में हुई थी तथा राष्ट्रव्यापी स्तर पर इसका औपचारिक उद्घाटन 1 सितम्बर, 2018 को हुआ था. **पेमेंट बैंक के रूप में कार्य करते हुए इसे अभी एक वर्ष ही पूरा हुआ है कि अब इसे एक स्मॉल फाइनेंस बैंक के रूप में रूपान्तरित करने का डाक विभाग का इरादा है. इससे यह बैंक अपने ग्राहकों को छोटे-छोटे ऋण भी उपलब्ध करा सकेगा.** इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक को स्माल फाइनेंस

देश में कार्यरत् पेमेंट्स बैंक व स्मॉल फाइनेंस बैंक (अगस्त 2019 की स्थिति)

पेमेंट्स बैंक

1. एयरटेल पेमेंट्स बैंक लि.
2. इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक लि.
3. फिनो पेमेंट्स बैंक लि.
4. पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि.
5. आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक लि.
6. जियो पेमेंट्स बैंक लि.
7. एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक लि.

स्मॉल फाइनेंस बैंक

1. एयू (AU) स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
2. कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
3. फिन केयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
4. ईक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
5. ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
6. सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
7. उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
8. उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
9. नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.
10. जन स्मॉल फाइनेंस बैंक लि.

बैंक में रूपान्तरित करने का निर्णय डाक विभाग के विभिन्न मण्डलों के प्रमुखों की जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर में 29-31 जुलाई, 2019 को सम्पन्न बैठक में लिया गया. बैंक के इस रूपान्तरण के लिए रिज़र्व बैंक की अनुमति डाक विभाग को लेनी होगी.

भारतीय अर्थव्यवस्था 2018 में विश्व की सातवीं बड़ी अर्थव्यवस्था (विनिमय दर आधारित गणना में 2017 में छठा स्थान भारत का था)

विनिमय दर आधारित आँकड़ों के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था 2017 में रही थी, जो बीते वर्ष 2018 में एक पायदान फिसल कर सातवें स्थान पर रही है. विश्व बैंक के ताजा आकलन के अनुसार फ्रांस ने भारत को थोड़ा पीछे छोड़ते हुए जीडीपी रैंकिंग में छठा स्थान 2018 में प्राप्त किया है. विश्व बैंक द्वारा अगस्त 2019 में जारी जीडीपी रैंकिंग में पहला स्थान अमरीका का व दूसरा चीन का है. इनकी जीडीपी 2018 में क्रमशः 20,494 अरब डॉलर (20·5 ट्रिलियन डॉलर) व 13608 अरब डॉलर (13·6 ट्रिलियन डॉलर) रही हैं. 5·0 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ जापान इस मामले में तीसरे तथा 4·0 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ जर्मनी चौथे स्थान पर है. 2·8-2·8 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ ब्रिटेन व फ्रांस क्रमशः पाँचवें व छठे स्थान पर तथा 2·7 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ भारत सातवें स्थान पर है. विश्व बैंक की इस जीडीपी रैंकिंग में पहले 20 स्थान निम्नलिखित हैं—

जीडीपी रैंकिंग में पहले 20 स्थान

क्रमांक	देश	जीडीपी बिलियन/अरब डॉलर
1.	संयुक्त राज्य अमरीका	20494
2.	चीन	13608
3.	जापान	4971
4.	जर्मनी	3997
5.	यूके	2825
6.	फ्रांस	2778
7.	**भारत**	**2726**
8.	इटली	2074
9.	ब्राजील	1869
10.	कनाडा	1709
11.	रूस	1658
12.	दक्षिण कोरिया	1619
13.	आस्ट्रेलिया	1432
14.	स्पेन	1426
15.	मेक्सिको	1224
16.	इंडोनेशिया	1042
17.	नीदरलैण्ड्स	913
18.	सऊदी अरब	782
19.	टर्की	767
20.	स्विट्जरलैण्ड	706

डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की विनिमय दर में गिरावट जीडीपी रैंकिंग में भारत के एक पायदान नीचे आने के कारणों में सबसे प्रमुख है. वर्ष 2017 में डॉलर के परिप्रेक्ष्य में भारतीय रुपए की विनिमय दर में 3 प्रतिशत सुधार हुआ था, जबकि 2018 में रुपए का लगभग 5 प्रतिशत मूल्यह्रास हुआ है. रुपए के मूल्य में इस गिरावट को भारत की रैंकिंग में एक पायदान की गिरावट का मुख्य कारण अर्थशास्त्रियों ने बताया है.

नए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ता हितों का बेहतर संरक्षण

उपभोक्ता अधिकारों के बेहतर संरक्षण के लिए नया उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2019 संसद ने अगस्त 2019 में पारित किया है. लोक सभा द्वारा 30 जुलाई, 2019 को पारित इस विधेयक को राज्य सभा ने 6 अगस्त को पारित किया है तथा 9 अगस्त को राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् नए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को प्रतिस्थापित किया है. नया अधिनियम न केवल 1986 के अधिनियम की तुलना में अधिक व्यापक है, बल्कि उपभोक्ता अधिकारों का बेहतर संरक्षण भी इससे हो सकेगा.

- *उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण हेतु शीर्ष स्तर पर किसी नियामक का प्रावधान अभी तक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में नहीं था. नए 2019 के अधिनियम में केन्द्रीय स्तर पर एक* ***सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी*** *(CCPA) के गठन का प्रावधान किया गया है.*
- *नए अधिनियम के तहत् उपभोक्ता उसे माना गया है, जो अपने इस्तेमाल के लिए किसी वस्तु अथवा सेवा को मूल्य देकर प्राप्त किया करता है. आगे बिक्री के लिए खरीदने वाला उपभोक्ता के दायरे में शामिल नहीं है.*
- *ई-कॉमर्स को पहली बार उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत् लाया गया है. यह पिछले कानून के दायरे में नहीं था.*
- *उपभोक्ता विवादों के निपटान हेतु जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता अदालतें पहले से ही विद्यमान हैं. इन्हें नए नाम (जिला फोरम को जिला उपभोक्ता आयोग आदि) देते हुए इनके अधिकार क्षेत्रों में वृद्धि की गई है.*
- *जिला स्तरीय उपभोक्ता अदालत में ₹ 20 लाख तक के तथा राज्य स्तरीय अदालत में ₹ 20 लाख से अधिक, किन्तु ₹ 1 करोड़ तक के मामले ही अभी तक दर्ज कराए जा सकते थे तथा ₹ 1 करोड़ से अधिक के विवाद ही राष्ट्रीय स्तर के न्यायालय में दर्ज होते थे. नए अधिनियम से अब ₹ 1 करोड़ के मामले जिला आयोग में दर्ज किए जा सकेंगे, जबकि ₹ 1 करोड़ से अधिक किन्तु ₹ 10 करोड़ तक विवाद राज्यस्तरीय आयोग में दर्ज किए जाएंगे. राष्ट्रीय आयोग में ₹ 10 करोड़ से अधिक मूल्य वाले विवादों की सुनवाई होगी.*
- *किसी उत्पादक/विक्रेता के विरुद्ध शिकायत अभी तक उसके क्षेत्र में ही दर्ज कराई जा सकती थी. नए अधिनियम के तहत् उपभोक्ता के आवास एवं कार्यक्षेत्र से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी.*
- ***प्रोडक्ट लायबिलिटी'*** *(Product Liability) अर्थात् किसी प्रोडक्ट के इस्तेमाल से हुई हानि के लिए मुआवजे का कोई प्रावधान पहले के उपभोक्ता संरक्षण कानून में नहीं था तथा ऐसे किसी मुआवजे के लिए अलग से सिविल अदालत में मामला दर्ज कराना होता था. नए कानून में अब* ***प्रोडक्ट लायबिलिटी*** *का प्रावधान भी किया गया है. अर्थात् उपभोक्ता अदालत में ही इसका दावा किया जा सकेगा.*
- *मध्यस्थता के (Mediation) के जरिए मामलों के निपटान का कोई प्रावधान पहले के कानून में नहीं था, जो अब नए कानून में किया गया है.*
- *भ्रामक विज्ञापनों के मामलों में सजा के कड़े प्रावधान नए कानून में किए गए हैं. भ्रामक विज्ञापनों के मामले में सेलेब्रिटीज़ को भी जवाबदेह अब माना गया है. उन पर भी ₹ 10 लाख तक का जुर्माना आरोपित किया जा सकेगा. पुनरावृत्ति के मामलों में यह जुर्माना ₹ 50 लाख तक हो सकेगा. ऐसे मामलों में मीडिया के विरुद्ध कोई आरोप नहीं बनेगा.*

2018-19 में बागवानी उपजों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमान

फसल वर्ष 2018-19 में देश में बागवानी फसलों (Horticulture Crops) के अधीन क्षेत्र तथा कुल बागवानी उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान (Third Advanced Estimates) कृषि मंत्रालय द्वारा 29 अगस्त, 2019 को जारी किए गए. (2018-19 में इन उपजों के पहले अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा 30 जनवरी, 2019 को तथा दूसरे अग्रिम अनुमान 31 मई, 2019 को जारी किए गए थे.) **29 अगस्त, 2019 के ताजा आँकड़ों के अनुसार 2018-19 में कुल बागवानी उत्पादन 313·85 मिलियन टन रहा है, जो पूर्व वर्ष 2017-18 में 311·71 मिलियन टन था.** (30 जनवरी, 2019 के पहले अग्रिम आकलन में 2018-19 में बागवानी उत्पादन 314·5 मिलियन टन तथा 31 मई, 2019 को दूसरे अग्रिम अनुमानों में यह 314·87 मिलियन टन अनुमानित किया गया था) इस प्रकार बागवानी उत्पादन में 0·69 प्रतिशत की मामूली वृद्धि 2018-19 में दर्ज की गई है. 2017-18 में बागवानी उपजों के अधीन कुल बुआई क्षेत्र 25·43 मिलियन हेक्टेयर था, जो 2018-19 में 25·49 मिलियन हेक्टेयर रहा है.

बागवानी उत्पादों में फलों, सब्जियों, मसालों व फूलों का उत्पादन शामिल किया जाता है भारत में बागवानी फसलों के अधीन क्षेत्र व उत्पादन

वर्ष	क्षेत्र (मिलियन हेक्टेयर में)	कुल उत्पादन (मिलियन टन में)
2017-18	25·43	311·71
2018-19*	25·49	313·85
	—	(0·69)

नोट : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पूर्व वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दर्शा रहे हैं.

* तीसरे अग्रिम अनुमान.

देश में 2018-19 में बागवानी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमानों में निम्नलिखित तथ्य कृषि मंत्रालय ने उजागर किए हैं–

- *वर्ष 2018-19 के दौरान देश में **बागवानी फसलों का कुल उत्पादन** 313·85 मिलियन टन अनुमानित है, जो पूर्व वर्ष 2017-18 के 311·71 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 0·69 प्रतिशत अधिक है.*
- *बागवानी फसलों के तहत् बुआई क्षेत्र 2017-18 में 25·43 मिलियन हेक्टेयर था, जो 2018-19 में 25·43 मिलियन हेक्टेयर रहा है. इस प्रकार इनके अधीन क्षेत्र में वृद्धि नगण्य ही रही है.*

कृषि मंत्रालय के ताजा आँकड़ों के अनुसार बागवानी उपजों में फलों, सब्जियों, मसालों, फूलों व शहद का उत्पादन 2017-18 की तुलना में 2018-19 में बढ़ा है जबकि बागानी उपजों तथा सुगन्धित एवं औषधीय जड़ी बूटियों का उत्पादन 2017-18 की तुलना में कुछ कम रहा है.

- *2018-19 के दौरान देश में **फलों** का कुल उत्पादन 98·57 मिलियन टन होने का अनुमान है. जोकि 2017-18 में 97·36 मिलियन टन रहा था.*
- ***सब्जियों** का उत्पादन वर्ष 2018-19 में 185·88 मिलियन टन अनुमानित है, जोकि 2017-18 में प्राप्त किए गए उत्पादन (184·4 मिलियन टन) की तुलना में 0·81 प्रतिशत अधिक है.*
- *देश में वर्ष 2018-19 के दौरान **प्याज** का अनुमानित उत्पादन 23·48 मिलियन टन है, जोकि पिछले वर्ष के 23·26 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 0·95 प्रतिशत अधिक है.*
- *2018-19 के दौरान देश में आलू का उत्पादन 51·31 मिलियन टन से बढ़कर 53·03 मिलियन टन हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 3·3 प्रतिशत अधिक है.*
- ***टमाटर** का उत्पादन 2018-19 के दौरान 19·39 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि 2017-18 के दौरान प्राप्त किए गए 19·76 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1·8 प्रतिशत कम है.*
- *देश में **फूलों** का उत्पादन 2018-19 के दौरान लगभग 2·9 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पिछले वर्ष 2017-18 में 2·8 मिलियन टन था.*

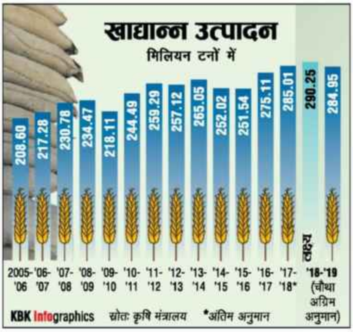

- ***सुगंधित एवं औषधीय जड़ी-बूटियों** का उत्पादन 2017-18 के दौरान लगभग 0·87 मिलियन टन रहा था. 2018-19 में यह उत्पादन कुछ कम 0·82 मिलियन टन अनुमानित है.*
- *2018-19 के दौरान **बागानी फसलों** का उत्पादन लगभग 16·37 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पूर्व वर्ष 2017-18 में प्राप्त किए गए 18·1 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में कम है.*
- *वर्ष 2018-19 के दौरान **मसालों** की फसलों का उत्पादन लगभग 9·22 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पूर्व वर्ष 2017-18 में प्राप्त किए गए 8·1 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 13·55 प्रतिशत अधिक है.*

बागवानी उपजों में प्रत्येक उपज (प्रत्येक फल प्रत्येक सब्जी, प्रत्येक मसाले व सभी तरह के फूलों) के 2018-19 के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान प्रतियोगिता दर्पण के जुलाई 2019 अंक में विस्तृत तालिका में प्रकाशित किए गए थे. आँकड़ों में मामूली अन्तर ही रहने के कारण इन्हें अब पुनः प्रकाशित नहीं किया जा रहा है.

2018-19 में देश में कृषिगत उत्पादन : चौथे अग्रिम अनुमान

2018-19 के दौरान देश में कृषिगत उत्पादन के चौथे अग्रिम अनुमान कृषि मन्त्रालय द्वारा 19 अगस्त, 2019 को जारी किए गए. इस वर्ष के कृषिगत उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान 26 सितम्बर, 2018 को, दूसरे अग्रिम अनुमान 28 फरवरी, 2019 को तथा तीसरे अग्रिम अनुमान 2 जून, 2019 को कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए थे. **पहले अग्रिम अनुमान सितम्बर 2018 में ऐसे समय में जारी किए गए थे जब केवल खरीफ उत्पादन के अनुमान ही उपलब्ध थे, जबकि दूसरे अग्रिम अनुमान ऐसे समय में जारी किए गए थे जबकि रबी की फसल पूरी तरह से तैयार नहीं थी.** 3 जून, 2019 के तीसरे अनुमानों में संशोधन कृषि मंत्रालय ने अगस्त 2019 में चौथे अग्रिम अनुमानों में किए हैं.

- ***2018-19 में कुल 284·95 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन में***

भारत में प्रमुख कृषिगत उत्पादन

खाद्यान्न उत्पादन (मिलियन टन में)

उपज	फसल सत्र	2016-17	2017-18	2018-19 लक्ष्य	2018-19 चौथे अग्रिम अनुमान
चावल	खरीफ	96·30	97·14	99·00	102·13
	रबी	13·40	15·62	15·00	14·29
	कुल	**109·70**	**112·76**	**114·00**	**116·42**
गेहूँ	रबी	98·51	99·87	102·20	102·19
ज्वार	खरीफ	1·96	2·27	2·10	1·74
	रबी	2·60	2·53	2·80	2·02
	कुल	**4·57**	**4·80**	**4·90**	**3·76**
बाजरा	खरीफ	9·73	9·21	9·50	8·61
रागी	खरीफ	1·39	1·99	2·30	1·22
छोटे मिलेट	खरीफ	0·44	0·44	0·60	0·37
पौष्टिक अनाज	खरीफ	13·52	13·91	14·50	11·95
	रबी	2·60	2·53	2·80	2·02
	कुल	**16·12**	**16·44**	**17·30**	**13·97**
मक्का	खरीफ	18·92	20·12	21·20	19·04
	रबी	6·98	8·63	7·50	8·18
	कुल	**25·90**	**28·75**	**28·70**	**27·23**
जौ	रबी	1·75	1·78	2·10	1·75
पौष्टिक मोटे अनाज	खरीफ	32·44	34·03	35·70	30·99
	रबी	11·33	12·94	12·40	11·96
	कुल	**43·77**	**46·97**	**48·10**	**42·95**
कुल अनाज	खरीफ	128·74	131·16	134·70	133·12
	रबी	123·24	128·44	129·60	128·43
	कुल	**251·98**	**259·60**	**264·30**	**261·55**
तूर	खरीफ	4·87	4·29	4·50	3·59
चना	रबी	9·38	11·38	11·50	10·13
उड़द	खरीफ	2·18	2·75	2·80	2·56
	रबी	0·66	0·74	0·80	0·70
	कुल	**2·83**	**3·49**	**3·60**	**3·26**
मूँग	खरीफ	1·64	1·43	1·55	1·84
	रबी	0·52	0·59	0·70	0·51
	कुल	**2·17**	**2·02**	**2·25**	**2·35**
मसूर	रबी	1·22	1·62	—	1·56
अन्य खरीफ दालें	खरीफ	0·89	0·83	1·00	0·61
अन्य रबी दालें	रबी	1·77	1·78	3·10	1·90
कुल दालें	खरीफ	9·58	9·31	9·85	8·59
	रबी	13·55	16·11	16·10	14·80
	कुल	**23·13**	**25·42**	**25·95**	**23·40**
कुल खाद्यान्न	खरीफ	138·33	140·47	144·55	141·71
	रबी	135·78	144·55	145·70	143·24
	कुल	**275·11**	**285·02**	**290·25**	**284·95**

तिलहनों व अन्य उपजों के उत्पादन

(लाख टन में)

मूँगफली	खरीफ	60·48	75·95	75·40	53·63
	रबी	14·14	16·57	15·28	13·31
	कुल	**74·62**	**92·53**	**90·68**	**66·95**
अरंडी बीज	खरीफ	13·76	15·68	18·31	12·15
तिल	खरीफ	7·47	7·55	10·07	7·55
राम तिल	खरीफ	0·85	0·70	2·01	0·65
सोयाबीन	खरीफ	131·59	109·33	148·20	137·86
सूरजमुखी	खरीफ	1·11	0·85	1·01	0·93
	रबी	1·41	1·37	2·01	1·26
	कुल	**2·51**	**2·22**	**3·02**	**2·19**
रेपसीड और सरसों	रबी	79·17	84·30	84·86	93·39
अलसी	रबी	1·84	1·74	2·01	1·59
सैफ्लोवर	रबी	0·94	0·55	0·83	0·24
कुल नौ तिलहन	खरीफ	215·26	210·06	255·00	212·78
	रबी	97·50	104·53	104·99	109·79
	कुल	**312·76**	**314·59**	**359·99**	**322·57**
गन्ना	कुल	3060·69	3799·05	3850·00	4001·57
कपास #	कुल	325·77	328·05	355·00	287·08
जूट #	कुल	104·32	95·91	105·00	93·49
मेस्ता ##	कुल	5·30	4·42	7·00	4·19
जूट और मेस्ता ##	कुल	109·62	100·33	112·00	97·68

170 किग्रा प्रत्येक गाँठ ## 180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ

141·71 मिलियन टन उत्पादन खरीफ खाद्यान्नों का तथा 143·24 मिलियन टन उत्पादन रबी खाद्यान्नों का है.

ताजा चौथे अग्रिम अनुमानों में 2018-19 में देश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 284·95 मिलियन टन आकलित किया गया है, *जो 3 जून, 2019 के तीसरे अग्रिम अनुमानों में 283·37 मिलियन टन अनुमानित था. 2018-19 में यह खाद्यान्न उत्पादन पूर्व वर्ष 2017-18 में प्राप्त किए गए रिकॉर्ड 285·02 मिलियन टन उत्पादन के साथ-साथ इस वर्ष (2018-19) के लिए निर्धारित लक्ष्य (290·25 मिलियन टन) से कम है, किन्तु विगत पाँच वर्षों (2013-14 से 2017-18 के दौरान) में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में यह 19·20 मिलियन टन अधिक है.*

- ***खाद्यान्नों के प्रमुख घटकों–चावल एवं गेहूँ का उत्पादन 2018-19 में रिकॉर्ड स्तर पर रहने का अनुमान लगाया गया है. इसमें चावल का उत्पादन 116·42 मिलियन टन (रिकॉर्ड) व गेहूँ का 102·19 मिलियन टन (रिकॉर्ड) अनुमानित है. अन्य खाद्यान्नों में दालों का 23·40 मिलियन टन तथा मोटे अनाजों का उत्पादन 42·95 मिलियन टन अनुमानित है. यह दोनों उत्पादन पूर्व वर्ष की तुलना में घटे हैं.***
- *मोटे अनाजों में ज्वार, बाजरा व मक्का का उत्पादन 2017-18 में प्राप्त किए गए उत्पादन से कम ही रहा है. ज्वार का उत्पादन 3·76 मिलियन टन, बाजरा का 8·61 मिलियन टन तथा मक्का का 27·23 मिलियन टन चौथे अग्रिम अनुमानों में अनुमानित किया गया है. यह तीनों ही पूर्व वर्ष 2017-18 में प्राप्त किए गए उत्पादन के साथ-साथ 2018-19 में इनके लिए निर्धारित लक्ष्य से कम है.*
- *2017-18 में दालों का कुल उत्पादन 25·42 मिलियन टन रहा था, जो 2018-19 में 23·40 मिलियन टन ही अनुमानित किया गया है. इसमें 14·80 मिलियन टन रबी दालों का व 8·59 मिलियन टन उत्पादन खरीफ दालों का है.*

अन्य प्रमुख उपजों में 2018-19 में तिलहनों का उत्पादन 32·26 मिलियन टन व गन्ना का उत्पादन 400·16 मिलियन टन आकलित किया गया है. 2017-18 में कपास का उत्पादन 32·80 मिलियन गाँठ तथा जूट एवं मेस्ता का उत्पादन 10·03 मिलियन गाँठ रहा था, जो अब 2018-19 में घटकर क्रमशः 28·71 मिलियन गाँठ व 9·77 मिलियन गाँठ आकलित किया गया है. 2018-19 में कृषिगत उत्पादन के यह आँकड़े दिए गए बॉक्स में दर्शाए गए हैं. विभिन्न उपजों के कुल उत्पादन में रबी व खरीफ के तहत् प्राप्त किए गए उत्पादन भी दर्शाए गए हैं.

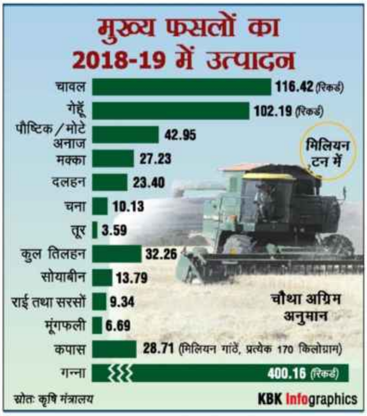

भारत में प्रमुख फसलों का उत्पादन

(मिलियन टन में)

उपज	2017-18	2018-19: 28 फरवरी 2019 के दूसरे अग्रिम अनुमान	2018-19: 3 जून 2019 के तीसरे अग्रिम अनुमान	2018-19: 19 अगस्त, 2019 के चौथे अग्रिम अनुमान
कुल खाद्यान्न	**285·02**	281·37	283·37	284·95
जिसमें–				
चावल	112·76	115·60	115·63	116·42(R)
गेहूँ	98·51		101·20	102·19(R)
पौष्टिक/मोटे अनाज	46·97	42·64	43·33	42·95
जिनमें–				
मक्का	28·75	27·80	27·82	27·23
दालें	25·42	24·02	**23·22**	**23·40**
जिसमें–				
चना	11·38	10·32	10·09	10·13
तूर	4·29	3·68	3·50	3·59
उड़द	3·49			3·26
मूँग	2·02			2·35
तिलहन	**314·6**	**31·50**	**31·42**	**32·26**
जिसमें–				
सोयाबीन	10·93	13·69	13·74	13·79
राई (रेपसीड) एवं सरसों	8·43	8·40	8·78	9·34
मूँगफली	7·6	6·97	6·50	6·69
अरंडी बीज (Castrol Seed)				
कपास (मिलियन गाँठें)*	32·80	30·09	27·59	28·71
जूट एवं मेस्ता (मि. गाँठ)	9·59	10·07		97·68
गन्ना	379·1	380·83	400·37	400·16

* प्रत्येक गाँठ 170 किग्रा. @ प्रत्येक गाँठ 180 किग्रा, (R) रिकॉर्ड उत्पादन

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में व्यापक विलय का सरकार का इरादा

बैंकिंग क्षेत्र में मजबूती लाकर अर्थ-व्यवस्था को गति प्रदान करने के उद्देश्य से बैंकों के लिए एक बड़ी विलय योजना की घोषणा केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 31 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में की. **इसके तहत् 10 सरकारी बैंकों का विलय कर इन्हें चार बड़े बैंकों में रूपान्तरित किया जाएगा. इसमें देश में सरकारी बैंकों की संख्या 18 से घटकर 12 रह जाएगी.**

- *घोषित योजना के तहत् ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (OBC) व यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया का विलय पंजाब नेशनल बैंक में किया जाएगा. इस विलय के पश्चात् पंजाब नेशनल बैंक देश में भारतीय स्टेट बैंक के पश्चात् दूसरा बड़ा बैंक होगा. इस विलय के पश्चात् पंजाब नेशनल बैंक की कुल परिसम्पत्तियाँ ₹12 लाख करोड़ व शाखाओं की कुल संख्या 11,437 हो जाएगी.*
- *सिंडीकेट बैंक का विलय कनारा बैंक में प्रस्तावित है. इससे कनारा बैंक की कुल परिसम्पत्तियाँ ₹10 लाख करोड़ व शाखाओं की कुल संख्या 10,342 हो जाएगी.*
- *कॉर्पोरेशन बैंक व आन्ध्र बैंक का विलय यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया में प्रस्तावित है. विलय के पश्चात् इसकी कुल परिसम्पत्तियाँ ₹9·6 लाख करोड़ होगी तथा बैंक शाखाओं की कुल संख्या 9,609 हो जाएगी.*

विलय के पश्चात् सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक

क्र.	बैंक
1.	भारतीय स्टेट बैंक
2.	पंजाब नेशनल बैंक + ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स + यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया
3.	कनारा बैंक + सिंडीकेट बैंक
4.	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया + कॉर्पोरेशन बैंक + आन्ध्र बैंक
5.	इण्डियन बैंक + इलाहाबाद बैंक
6.	बैंक ऑफ बड़ौदा
7.	बैंक ऑफ इण्डिया
8.	सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया
9.	इण्डियन ओवरसीज बैंक
10.	यूको बैंक
11.	बैंक ऑफ महाराष्ट्र
12.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक

शेष पृष्ठ 210 पर

नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

सीओआरएएस (कोरस)–कमांडोस् फॉर रेलवे सिक्युरिटी

CORAS—Commandos for Railway Security.

व्याख्या–भारतीय रेलवे ने अपने यात्रियों एवं उनके सामानों की सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए **कोरस** नाम के इस नए कमांडो फोर्स की पहली बटालियन को 14 अगस्त, 2019 से लाँच किया है. यह रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) की कमांडो फोर्स के तौर पर रेलवे में आतंकी, नक्सली व अन्य हमलों से निपटने में सहायक होगा.

सीसीपीए–सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी

CCPA—Central Consumer Protection Authority

व्याख्या–उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण के लिए केन्द्रीय स्तर पर इस नियामक निकाय के गठन का प्रावधान अगस्त 2019 में पारित किए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में किया गया है.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

नियमित अध्यक्ष के चुनाव तक श्रीमती सोनिया गांधी कांग्रेस की अन्तरिम अध्यक्ष

लोक सभा चुनाव में पार्टी की भारी पराजय के पश्चात् कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी ने पार्टी अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था. उन्हें इस पद पर बने रहने के पार्टी नेताओं के सभी प्रयास निष्फल रहने पर पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी को ही फिलहाल अन्तरिम अध्यक्ष पार्टी की कार्यसमिति (CWC) की नई दिल्ली में 11 अगस्त, 2019 को सम्पन्न बैठक में चुना गया है. **कांग्रेस अधिवेशन में नियमित अध्यक्ष के चुनाव तक वह ही पार्टी की बागडोर सँभालेंगी.**

सोनिया गांधी

72 वर्षीया श्रीमती सोनिया गांधी 1998 से 2017 तक 19 वर्षों तक कांग्रेस अध्यक्ष रही थीं तथा उनके पुत्र श्री राहुल गांधी ने 16 दिसम्बर, 2017 से पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार सँभाला था. श्रीमती सोनिया गांधी के पति श्री राजीव गांधी ने 1985-1991 के दौरान इस पार्टी का नेतृत्व किया था, जबकि श्रीमती इंदिरा गांधी 1978-1984 के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष रही थीं.

कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी संसद की लोक लेखा समिति के नए चेयरमैन

लोक सभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को संसद की लोक लेखा समिति (Public Accounts Committee–PAC) का चेयरमैन लोक सभाध्यक्ष श्री ओम बिड़ला ने जुलाई 2019 में नियुक्त किया है. लोक सभा के पिछले सत्र में यह पद कांग्रेस के ही नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के पास रहा था.

- *लोक लेखा समिति का गठन सर्वप्रथम 1921 में किया गया था. तब से 1950 तक वित्त मंत्री ही इस समिति के अध्यक्ष रहते थे. समिति के अध्यक्ष का पद विपक्ष के किसी नेता को पहली बार 1967-68 में दिया गया था. तब से विपक्ष के ही किसी नेता को यह पद सौंपे जाने की परम्परा बनी रही है.*
- ***लोक लेखा समिति (Public Accounts Committee) में कुल 22 सदस्य होते हैं, जिसमें से 15 सदस्य लोक सभा से तथा 7 सदस्य राज्य सभा से निर्वाचित होते हैं. राज्य सभा से निर्वाचित सदस्य, सह-सदस्य के रूप में होते हैं तथा इन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं होता. यह समिति भारत सरकार के लोक लेखे तथा नियंत्रक एवं महालेखाकार के प्रतिवेदन का निरीक्षण करती है तथा साथ ही यह सुनिश्चित करती है कि लोकधन संसद के निर्णयों के अनुसार ही विभिन्न मदों में खर्च किया जाए तथा व्यर्थ अथवा अपव्यय को रोका जाए. इस समिति के अध्यक्ष को कैबिनेट मंत्री स्तर का दर्जा प्राप्त होता है.***
- *इस समिति का पुनर्गठन प्रतिवर्ष किया जाता है. सरकार का कोई मंत्री इस समिति का सदस्य नहीं हो सकता. समिति के किसी सदस्य को बाद में मंत्री पद सौंपे जाने की स्थिति में लोक लेखा समिति में उनकी सदस्यता स्वतः ही समाप्त हो जाती है. पूर्व वर्षों में सर्वश्री अटल बिहारी वाजपेयी, ज्योतिर्मय बसु, पी. वी. नरसिंह राव व आर. वेंकटरमन आदि इस महत्वपूर्ण समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं.*

अधीर रंजन चौधरी

राजीव गॉबा भारत के नए कैबिनेट सचिव

भारतीय प्रशासनिक सेवा के झारखण्ड कैडर के 1982 बैच के अधिकारी श्री राजीव गॉबा (Rajiv Gauba) देश के नए कैबिनेट सेक्रेटरी 31 अगस्त, 2019 से बनाए गए हैं. इस नियुक्ति से पूर्व अगस्त 2017 से वह देश के गृह सचिव थे.

कैबिनेट सचिव पद पर श्री प्रदीप कुमार सिन्हा, जो जून 2015 से इस पद पर थे, का स्थान श्री गॉबा ने 1 सितम्बर, 2019 से लिया है.

- *कैबिनेट सचिव का पद भारत में सर्वोच्च प्रशासनिक पद होता है.*
- *उत्तर प्रदेश कैडर के श्री प्रदीप कुमार सिन्हा जून 2015 में 2 वर्ष के कार्यकाल हेतु कैबिनेट सचिव नियुक्त किए गए थे. इस पद पर उन्हें 1-1 वर्ष का सेवा विस्तार जून 2017 व 2018 में दिया गया था. जून 2019 में उनके कार्यकाल में पुनः वृद्धि की गई थी.*

अजय कुमार भारत के नए रक्षा सचिव

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1985 बैच के श्री अजय कुमार देश के नए रक्षा सचिव (Defence Secretary) अगस्त 2019 में बनाए गए हैं. इस पद पर संजय मित्रा, जो अगस्त 2019 में सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान श्री अजय कुमार ने लिया है.

सीबीडीटी के चेयरमैन प्रमोद चन्द्र मोदी के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि

केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) के चेयरमैन श्री प्रमोद चन्द्र मोदी के इस पद पर कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि अगस्त 2019 में की है. भारतीय राजस्व सेवा के 1982 बैच के प्रमोद चन्द्र मोदी ने फरवरी 2019 में श्री सुशील चन्द्र के स्थान पर ही यह कार्यभार सँभाला था तथा इस पद पर उनका कार्यकाल 31 अगस्त, 2019 तक था. सरकार के 29 अगस्त, 2019 के निर्णय के चलते अब वह एक वर्ष तक और इस पद पर रहेंगे.

मायावती

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष सुश्री मायावती को पुनः इस पार्टी का अध्यक्ष सर्वसम्मति से अगस्त 2019 में चुना गया है. उनका यह चुनाव पार्टी कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की लखनऊ में 28 अगस्त, 2019 को सम्पन्न विशेष बैठक में हुआ. सुश्री मायावती सितम्बर 2003 से ही इस पार्टी की अध्यक्ष हैं.

मायावती

त्यागपत्र/पदच्युति
(Resignation/Dismissal)

नृपेन्द्र मिश्रा ने प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव का पद छोड़ा

भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री नृपेन्द्र मिश्रा, जो मई 2014 से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव (Principal Secretary to the Prime Minister) के रूप में कार्यरत् थे, ने स्वेच्छा से अपना यह पद अगस्त 2019 के अन्त में त्याग दिया है. प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव रहने से पूर्व वह दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) के प्रमुख 2006-2009 के दौरान रहे थे. प्रधानमंत्री कार्यालय में उनके पाँच वर्षों के कार्य की प्रशंसा प्रधानमंत्री श्री मोदी ने की है. **उनके पद त्याग के पश्चात् कैबिनेट सचिव रहे पी.के. सिन्हा को प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष अधिकारी (OSD) 30 अगस्त, 2019 से बनाया गया है.**

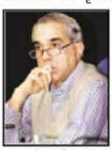

नृपेन्द्र मिश्रा

सुन वीडोंग

वरिष्ठ चीनी राजनयिक सुन वीडोंग (Sun Weidong) भारत में चीन के नए राजदूत हैं. इस पद सम्बन्धी परिचय-पत्र (Credentials) भारतीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद को 28 अगस्त, 2019 को प्रस्तुत किए हैं. दक्षिण एशियाई मामलों के विशेषज्ञ वीडोंग पाकिस्तान में चीन के राजदूत रह चुकें हैं.

जोएल सिबुसिसो न्डेबेले

जोएल सिबुसिसो न्डेबेले (Juel Sibusiso Ndebele) भारत में द. अफ्रीका के नए उच्चायुक्त (High Commissioner) हैं. अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिबुसिसो ने उच्चायुक्त पद सम्बन्धी अपने परिचय पत्र 28 अगस्त, 2019 को भारतीय राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन में प्रस्तुत किए हैं.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

वीर चक्र, कीर्ति चक्र व शौर्य चक्र

बहादुरी के लिए सैन्य एवं अर्द्धसैन्य बलों के कुल मिलाकर 132 जवानों को वीरता पदक व अन्य अलंकरण प्रदान करने की घोषणा राष्ट्रपति भवन से 73वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जारी विज्ञप्ति में की गई है. **इनमें एक वीर चक्र, 2 शौर्य चक्र, 14 कीर्ति चक्र व अन्य विभिन्न सेना मेडल शामिल हैं.**

बालाकोट में फरवरी 2019 के एयर स्ट्राइक के पश्चात् पाक अधिकृत कश्मीर में पाकिस्तान के एफ-16 विमान को अपने मिग-21 विमान के जरिए मार गिराने वाले विंग कमाण्डर अभिनन्दन वर्धमान को **वीर चक्र** से सम्मानित करने की घोषणा 73वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति भवन से जारी विज्ञप्ति में की गई है. इस पराक्रमी अभियान के तहत् विंग कमाण्डर अभिनन्दन का मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर पाक अधिकृत कश्मीर की सीमा में ही ज गिरा था. भारत के राजनयिक दबाव के चलते पाकिस्तान ने विंग कमाण्डर अभिनन्दन को 1 मार्च, 2019 को भारत को सौंप दिया था.

दो अन्य जवानों को कीर्ति चक्र से तथा 14 जवानों को शौर्य चक्र से सम्मानित करने की घोषणा राष्ट्रपति भवन की उपर्युक्त विज्ञप्ति में की गई है. कीर्ति चक्र से सम्मानित किए जाने वालों में राष्ट्रीय राइफल्स (महार) के सैपर (तकनीकी) प्रकाश जाधव, जिनकी मृत्यु जम्मू-कश्मीर में एक ऑपरेशन के तहत् हो गई थी तथा सीआरपीएफ के एक डिप्टी कमाण्डेट हर्षपाल सिंह शामिल हैं.

वीर चक्र, परमवीर चक्र व महावीर चक्र के पश्चात् युद्ध काल में दिया जाने वाला भारत का तीसरा सर्वोच्च वीरता सम्मान है. शांति काल में वीरता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार अशोक चक्र है. उसके पश्चात् क्रमशः कीर्ति चक्र व शौर्य चक्र के स्थान हैं. इस स्वतंत्रता दिवस पर अशोक चक्र किसी को भी नहीं दिया गया है.

महर्षि बद्रायन पुरस्कार (2019)

संस्कृत के 15, प्राकृत व पाली के 1-1, अरबी व फारसी (Persian) के 3-3, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु, शास्त्रीय मलयालयम व शास्त्रीय ओड़िया के 1-1 विद्वान् सहित कुल 27 विद्वानों को वर्ष 2019 के महर्षि बद्रायन पुरस्कार से 15 अगस्त, 2019 को 73वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने सम्मानित किया. संस्कृत के 5, पाली, प्राकृत, अरबी व फारसी के एक-एक तथा शास्त्रीय कन्नड़ व शास्त्रीय तेलुगु के 3-3, शास्त्रीय मलयालयम के 2 व शास्त्रीय ओड़िया के एक विद्वान् सहित 18 अन्य विद्वानों को राष्ट्रपति के सम्मान-पत्र (Certificate of Honour) इस समारोह में प्रदान किए गए.

राष्ट्रपति का सम्मान-पत्र जहाँ 60 वर्ष से अधिक उम्र के विद्वानों को प्रदान किया जाता है, वहीं महर्षि बद्रायन व्यास पुरस्कार 30–40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को दिया जाता है. यह पुरस्कार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित है.

प्रेम भाटिया पुरस्कार (2019)

इंडिया टुडे टीवी के वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई को सर्वश्रेष्ठ पॉलिटिकल रिपोर्टिंग के लिए तथा डाउन टु अर्थ के इशान कुकरेति व स्वतंत्र पत्रकार शारदा बाल सुब्रमण्यम, को एन्वायरमेंटल रिपोर्टिंग के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र के प्रेम भाटिया पुरस्कार 11 अगस्त, 2019 को दिल्ली में एक समारोह में प्रदान किए गए. वरिष्ठ पत्रकार प्रेम भाटिया की स्मृति में उनके स्मारक ट्रस्ट द्वारा स्थापित इस पुरस्कार के तहत् क्रमशः ₹ 2 लाख व ₹ 1·5 लाख की राशि प्रदान की जाती है. इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस समारोह में (24वाँ) प्रेम भाटिया स्मारक व्याख्यान पूर्व नौसेनाध्यक्ष एडमिरल अरुण प्रकाश ने दिया.

भारत के वरिष्ठ पत्रकार रवीश कुमार को मैग्सेसे पुरस्कार (2019)

प्रभावशाली पत्रकार व एनडीटीवी के मैनेजिंग एडिटर रवीश कुमार (Ravish Kumar) उन पाँच एशियाई समाजसेवियों में शामिल हैं, जिन्हें वर्ष 2019 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (Ramon Magsaysay) पुरस्कार से 31 अगस्त, 2019 को सम्मानित किया गया है. फिलीपींस के दिवंगत राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे की स्मृति में स्थापित यह पुरस्कार प्रतिवर्ष उनकी पुण्य तिथि (31 अगस्त) पर दिया जाता है.

रवीश कुमार के अतिरिक्त जिन अन्य चार हस्तियों को समाज सेवा के लिए वर्ष 2019 का यह पुरस्कार दिया गया है, उनमें म्यांमार के पत्रकार को स्वे विन (Ko Swe Win), थाइलैण्ड की मानवाधिकार कार्यकर्ता अंगखाना नीलापैजीत (Angkhana Neelapaijit)., फिलीपींस के संगीतकार रेमुंडो पुजांते कैयाबयाब (Raymundo Pujante Cayabyab) व द. कोरिया के सामाजिक कार्यकर्ता किम जोंग-की (Kim Jong-Ki) शामिल हैं.

भारत के कुल 52 सामाजिक व मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, एमर्जेंट लीडर्स, समाजसेवियों व जनसेवियों को अब तक एशिया का नोबेल पुरस्कार कहा जाने वाला यह पुरस्कार प्राप्त हो चुका है. इनमें विनोबा भावे, मदर टेरेसा, वर्घीस कुरियन, जयप्रकाश नारायण, सत्यजीत राय, एम.एस. स्वामीनाथन, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, अरुण शौरी, बाबा आमटे, महाश्वेता देवी व अरविंद केजरीवाल आदि शामिल हैं.

यह पुरस्कार पहले 6 विभिन्न श्रेणियों में दिया जाता था, किन्तु 2009 से इन श्रेणियों में पुरस्कार देने की परम्परा रेमन मैगसेसे पुरस्कार फाउण्डेशन ने समाप्त कर दी हैं.

66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार : गुजराती फिल्म हेल्लारो वर्ष 2018 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म

वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए (66वें) राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा 9 अगस्त, 2019 को की गई. इन पुरस्कारों का वितरण राष्ट्रपति के हाथों बाद में किसी विशेष समारोह में किया जाएगा. **वर्ष 2018-19 के इन पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार गुजराती भाषा की फिल्म हेल्लारो (Hellaro), जिसका निर्देशन अभिषेक शाह ने किया है, को दिया गया है. इस फिल्म के निर्माता व निर्देशक को ₹ 2·50-2·50 लाख की राशियाँ स्वर्ण कमल के साथ दी जाएंगी.**

प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित हैं–

सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म–हेल्लारो (गुजराती), निर्देशक–अभिषेक शाह

किसी निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फिल्म हेतु इंदिरा गांधी पुरस्कार–नाल (NAAL), (मराठी), निर्देशक–सुधाकर रेड्डी यकांति

सम्पूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म–बधाई हो (हिन्दी), निर्देशक–अमित शर्मा

राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार–ओंडाला इराडल्ला (Ondalla Eradalla) (कन्नड़), निर्देशक– सत्य प्रकाश डी

सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म–पैडमैन (हिन्दी), निर्देशक–आर. बाल्की

पर्यावरण संरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म–पानी (मराठी), निर्देशक आदिनाथ कोठारे

सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म–सरकारी हिरिया प्रथमिका शाले कसार गोडू (कन्नड़), निर्देशक–रिषभ शेट्टी

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन–उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक (हिन्दी), निर्देशक–आदित्य धर

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–अंधाधुन (हिन्दी) में भूमिका हेतु आयुष्मान खुराना तथा उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक में भूमिका हेतु विकी कौशल

विकी कौशल, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

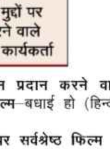

कीर्ति सुरेश, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–महांती (तेलुगू) में भूमिका हेतु कीर्ति सुरेश

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता– चुंबक (मराठी) में भूमिका हेतु स्वानंद किरकिरे

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री–बधाई हो (हिन्दी) में भूमिका हेतु सुरेखा सिकरी

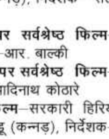

सुरेखा सीकरी, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक–पद्मावत (हिन्दी) में बिनते दिल मिसरियाँ …… हेतु अरिजीत सिंह

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका–नाथीचरामी (कन्नड़) में मायावी मनावे …… हेतु बिंधु मालिनी

सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी–ओलु (मलयालम)

सर्वश्रेष्ठ पटकथा–चि अर्जुन ला सो (तेलुगू)

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन–(i) **गीत**–पद्मावत (हिन्दी) : संजय लीला भंसाली, (ii) **बैकग्राउंड म्यूजिक**–उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक : शाश्वत सचदेव

सर्वश्रेष्ठ गीत–नाथीचरामी (कन्नड़), गीतकार : मंजूनाथ एस.

ज्यूरी का विशेष पुरस्कार–हेल्लारो (गुजराती)

सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी–पद्मावत (हिन्दी), कृति महेश माद्या व ज्योति तोमर, गीत : घूमर

प्रमुख भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ फिल्में

गुजराती–रेवा, निर्देशक–राहुल सुरेन्द्र भान भोले व विनीत कुमार

पंजाबी–हरजीता, निर्देशक–विजय अरोरा

असमी–बुलबुल कैन सिंग, निर्देशक–रीमा दास

कोंकणी–अमोरी, निर्देशक–दिनेश जी. भोंसले

कन्नड़–नाथिचरामी, निर्देशक–मंजुनाथ एस.

तेलुगू–महांति, निर्देशक–नाग अश्विन

मलयालम–सूडानी फ्रॉम नाइजीरिया, निर्देशक–जकारिया

बंगाली–एक जे छिलो राजा, निर्देशक–श्रीजित मुखर्जी

उर्दू–हामिद, निर्देशक–ऐजाज खान

हिन्दी–अंधाधुन, निर्देशक–श्रीराम राघवन

तमिल–बाराम, निर्देशक–प्रिया कृष्णा-स्वामी

मराठी–भोंगा, निर्देशक–शिवाजी लोटन पाटिल

राजस्थानी–टर्टल, निर्देशक–दिनेश एस. यादव

गैर-फीचर फिल्म श्रेणी

सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म–सनराइज, निर्देशक–विभा बख्शी व द सीक्रेट लाइफ ऑफ फ्रॉग्स, निर्देशक–अजय बेदी, विजय बेदी (स्वर्ण कमल)

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन श्रेणी

पुस्तक–1. मोना प्रार्थनापोले (Mouna Prathanapole), लेखक–मलयालम– जयचंद्रन नायर

2. In a Cult of their Own : Bollywood Beyond Box Office (अंग्रेजी), लेखक–अम्बॉरिश रॉय चौधरी

सर्वाधिक फिल्म मित्र राज्य (Most Film Friendly State)–उत्तराखण्ड

तमिलनाडु शासन का डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार (2019)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'इसरो' के चेयरमैन डॉ. के. सिवन को तमिलनाडु शासन का वर्ष 2019 का डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार अगस्त 2019 में प्रदान किया गया

है. राज्य के मुख्यमंत्री के. पलानीसामी ने 22 अगस्त, 2019 को चेन्नई में एक समारोह में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया. इस पुरस्कार के तहत् स्वर्ण पदक के साथ ₹ 5 लाख की राशि तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रदान की जाती है.

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (2019)

(राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, तेनजिंग नॉर्गे एडवेंचर पुरस्कार, मौलाना अबुल कलाम ट्रॉफी तथा खेल प्रोत्साहन पुरस्कार)

खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के वर्ष 2019 के राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, तेनजिंग राष्ट्रीय एडवेंचर पुरस्कार व मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी (2018-19) का वितरण राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा 29 अगस्त, 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में किया गया. यह पुरस्कार निम्नलिखित खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों को दिए गए—

राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार (2019)

देश का यह सर्वोच्च खेल पुरस्कार दो खिलाड़ियों को संयुक्त रूप से दिया गया है. इनमें पहलवान बजरंग पूनिया (कुश्ती) व पैरा एथलीट दीपा मलिक शामिल हैं. 48 वर्षीय दीपा मलिक यह पुरस्कार पाने वाली पहली पैरा एथलीट होने के साथ-साथ सर्वाधिक उम्रदराज खिलाड़ी भी हैं. अभ्यास की प्रतिबद्धताओं के चलते बजरंग पूनिया 29 अगस्त को यह पुरस्कार ग्रहण करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके तथा दीपा मलिक ने अकेले ही यह पुरस्कार राष्ट्रपति के हाथों ग्रहण किया.

राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार किसी खेल में खिलाड़ी के चार वर्षों से अधिक शानदार एवं असाधारण प्रदर्शन के लिए दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत् पदक के साथ ₹ 7·50 लाख की राशि पुरस्कृत खिलाड़ी को प्रदान की जाती है.

पैराएथलीट दीपा मलिक को खेलरत्न पुरस्कार प्रदान करते हुए राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद.

इस पुरस्कार से अब तक सम्मानित सभी खिलाड़ियों की सूची बॉक्स में प्रदर्शित है.

राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार से अब तक सम्मानित सभी खिलाड़ियों की सूची

वर्ष	पुरस्कृत खिलाड़ी
1992	विश्वनाथन आनंद (शतरंज)
1993	गीत सेठी (बिलियर्डस्)
1994	(किसी को नहीं दिया गया)
1995	होमी डी मोतीवाला व पी.के. गर्ग (याचिंग)
1996	कर्णम मल्लेश्वरी (भारोत्तोलन)
1997	एन. कुंजारानी (भारोत्तोलन) व लिएंडर पेस (टेनिस)
1998	सचिन तेंदुलकर (क्रिकेट)
1999	ज्योतिर्मयी सिकदर (एथलेटिक्स)
2000	धनराज पिल्लै (हॉकी)
2001	पुलेला गोपीचंद (बैडमिंटन)
2002	अभिनव बिन्द्रा (निशानेबाजी)
2003	अंजलि भागवत (निशानेबाजी) व के.एम. बीनामोल (एथलेटिक्स)
2004	अंजू बॉबी जॉर्ज (एथलेटिक्स)
2005	ले. कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौर (निशानेबाजी)
2006	पंकज आडवाणी (बिलियर्डस् एवं स्नूकर)
2007	मानवजीत सिंह संधू (निशानेबाजी)
2008	महेन्द्र सिंह धोनी (क्रिकेट)
2009	मैरीकॉम (मुक्केबाजी), विजेंदर सिंह (मुक्केबाजी) व सुशील कुमार (कुश्ती)
2010	साइना नेहवाल (बैडमिंटन)
2011	गगन नारंग (निशानेबाजी)
2012	विजय कुमार (निशानेबाजी) व योगेश्वर दत्त (कुश्ती)
2013	रोंजन सोढी (निशानेबाजी)
2014	(किसी को नहीं)
2015	सानिया मिर्जा (टेनिस)
2016	पी.वी. सिंधु, साक्षी मलिक, दीपा कर्माकर व जीतू राय
2017	देवेन्द्र झांझरिया (पैराएथलीट) व सरदार सिंह (हॉकी)
2018	एस. मीराबाई चानू (भारोत्तोलन) व विराट कोहली (क्रिकेट)
2019	बजरंग पूनिया (कुश्ती) व दीपा मलिक (पैराएथलीट)

अर्जुन पुरस्कार (2019)

विभिन्न खेलों में विगत लगातार चार वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 19 खिलाड़ियों को वर्ष 2019 का अर्जुन पुरस्कार दिया गया है. इनमें 5 महिलाएं हैं. **इस पुरस्कार के तहत् पुरस्कृत खिलाड़ियों को ₹ 5-5 लाख की राशि प्रशस्ति-पत्र व अर्जुन की प्रतिमा के साथ प्रदान की जाती है.** इस वर्ष पुरस्कृत 19 खिलाड़ियों के नाम निम्नलिखित हैं—

क्र.	पुरस्कृत का नाम	खेल	क्र.	पुरस्कृत का नाम	खेल
1.	तेजिंदर पाल सिंह तूर	एथलेटिक्स	11.	बी साई प्रणीत	बैडमिंटन
2.	मोहम्मन अनस	एथलेटिक्स	12.	सिमरन सिंह शेरगिल	पोलो
3.	सुश्री स्वप्ना बर्मन	एथलेटिक्स	13.	सुश्री अंजुम मुदगिल	निशानेबाजी
4.	एस. भास्करन	बॉडी बिल्डिंग	14.	गौरव सिंह गिल	मोटर स्पोर्ट्स
5.	सुश्री सोनिया लाठेर	मुक्केबाजी	15.	हरमीत राजुल देसाई	टेबल टेनिस
6.	रविंद्र जडेजा	क्रिकेट	16.	सुश्री पूजा टांडा	कुश्ती
7.	सुश्री पूनम यादव	क्रिकेट	17.	फुआर मिर्जा	घुड़सवारी
8.	चिंगलेनसना सिंह कांगुजाम	हॉकी	18.	प्रमोद भगत	पैराबैडमिंटन
9.	अजय ठाकुर	कबड्डी	19.	सुरेन्द्र सिंह गुर्जर	पैराएथलेटिक्स
10.	गुरप्रीत सिंह संधू	फुटबाल			

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करते हुए बैडमिंटन खिलाड़ी बी. साई प्रणीत, क्रिकेटर पूनम यादव, फुटबालर गुरप्रीत सिंह संधू.

द्रोणाचार्य पुरस्कार (2019)

1985 में स्थापित यह पुरस्कार खेल प्रशिक्षकों को दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत् द्रोणाचार्य की प्रतिमा व प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 5-5 लाख की राशि पुरस्कृत प्रशिक्षकों को प्रदान की जाती है. वर्ष 2019 में निम्नलिखित 6 प्रशिक्षकों को यह पुरस्कार दिया गया है–

क्र.	पुरस्कृत का नाम	खेल
1.	मर्जबान पटेल	हॉकी (लाइफ-टाइम)
2.	रामवीर सिंह खोखर	कबड्डी (लाइफटाइम)
3.	संजय भारद्वाज	क्रिकेट (लाइफटाइम)
4.	विमल कुमार	बैडमिंटन
5.	संदीप गुप्ता	टेबल टेनिस
6.	मोहिंदर सिंह ढिल्लन	एथलेटिक्स

ध्यानचंद पुरस्कार (2019)

2002 में स्थापित यह पुरस्कार खेलों में जीवनपर्यन्त उपलब्धियों के लिए दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत् भी ₹ 5-5 लाख की राशि पुरस्कृत खिलाड़ी को प्रदान की जाती है. इस वर्ष इस पुरस्कार से सम्मानित 5 खिलाड़ियों के नाम निम्नलिखित हैं–

क्र.	पुरस्कृत का नाम	खेल
1.	मनोज कुमार	कुश्ती
2.	नितिन कीर्तने	टेनिस
3.	सी. लालरेमसांगा	तीरंदाजी
4.	मैन्युएल फेड्रिक्स	हॉकी
5.	अरूप बसाक	टेबल टेनिस

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहसिक कार्य पुरस्कार (2018)

यह पुरस्कार रोमांच, युवाओं में सहनशक्ति की भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहन देने, जोखिम उठाने, टीमवर्क में सहयोग देने और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में त्वरित, एकदम तैयार और प्रभावी प्रतिक्रिया और साहसिक गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए युवा लोगों को प्रोत्साहन उपलब्ध कराने जैसे क्षेत्रों में अर्जित उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष दिए जाते हैं.

यह पुरस्कार चार श्रेणियों—भू साहसिक कार्य, जल साहसिक कार्य, वायु, रोमांच और जीवनपर्यन्त उपलब्धि के क्षेत्र में दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत् भी ₹ 5-5 लाख की राशि पुरस्कृतों को प्रदान की जाती है. **इस वर्ष 2018 के यह पुरस्कार अग्रलिखित 6 खिलाड़ियों को दिया गया है–**

क्र.	पुरस्कृत का नाम	श्रेणियाँ
1.	सुश्री अपर्णा कुमार	भू साहसिक कार्य (Land Adventure)
2.	स्वर्गीय श्री दीपांकर घोष	भू साहसिक कार्य
3.	श्री मणिकंदन के.	भू साहसिक कार्य
4.	श्री प्रभात राजू कोली	जल साहसिक कार्य (Water Adventure)
5.	श्री रामेश्वर जांगड़ा	वायु साहसिक कार्य (Air Adventure)
6.	श्री वांगचुक शेरपा	जीवन पर्यन्त उपलब्धि

मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी (MAKA Trophy), 2019

पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़

खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के लिए 1956-57 में स्थापित इस पुरस्कार के तहत् ट्रॉफी के साथ ₹ 15 लाख की राशि विजेता विश्वविद्यालय को प्रदान की जाती है. 2019 के लिए यह ट्रॉफी गुरु पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ को प्रदान की गई है.

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (2019)

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार कॉर्पोरेट संस्थाओं (निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र) और व्यक्तिगत स्तर पर उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने खेलों के संवर्द्धन एवं विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो. 2009 में शुरू किए गए इस पुरस्कार के तहत् प्रशस्ति-पत्र के साथ ट्रॉफी पुरस्कृत संस्था को प्रदान की जाती है. वर्ष 2019 के लिए यह पुरस्कार निम्नलिखित संस्थाओं को प्रदान किया गया है–

क्र.	वर्ग	कम्पनी का नाम
1.	**उदीयमान और युवा प्रतिभा पहचान और प्रोत्साहन**	(i) गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउण्डेशन
2.	**कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से खेल प्रोत्साहन**	(ii) गो स्पोर्ट्स फाउण्डेशन
3.	**खिलाड़ियों के लिए रोजगार व अन्य कल्याणकारी कदम**	—
4.	**विकास के लिए खेल**	रॉयल सीमा डेवलपमेंट ट्रस्ट

इस वर्ष खेल पुरस्कारों हेतु पात्र खिलाड़ियों के चयन हेतु सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुकंदम शर्मा की अध्यक्षता में चयन समिति का गठन सरकार ने किया था.

निधन (Death)

विद्या सिन्हा

बॉलीवुड की बीते वर्षों की प्रसिद्ध अभिनेत्री विद्या सिन्हा का 71 वर्ष की आयु में 15 अगस्त, 2019 को मुम्बई के एक अस्पताल में निधन हो गया. फिल्म 'पति, पत्नी और वो' छोटी सी बात, स्वयंवर तथा रजनीगंधा जैसी सुपर-हिट फिल्मों में प्रभावी भूमिकाओं से अपनी विशेष पहचान उन्होंने बॉलीवुड में बनाई थी. हाल ही के दिनों में काव्यांजलि, कुबूल है तथा कुल्फी कुमार बाजेवाला आदि टी.वी. सीरियल्स में भी भूमिकाएं उन्होंने निभाई थी.

विद्या सिन्हा

डॉ. जगन्नाथ मिश्र

तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे डॉ. जगन्नाथ मिश्र का 82 वर्ष की आयु में 19 अगस्त, 2019 को दिल्ली में निधन हो गया. वह 1975-77, 1980-83 व 1989-90 के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री रहे थे. बिहार विश्वविद्यालय में अर्थ-शास्त्र के लेक्चरर के रूप में कॅरियर शुरू कर अधिकांश समय तक कांग्रेस में वह रहे थे तथा बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में तथा जनता दल (यू) में भी वह रहे. 1990 के बहुचर्चित चारा घोटाले के सिलसिले में चाईबासा ट्रेजरी से धन की अवैध निकासी के मामले में श्री लालू प्रसाद यादव के साथ-साथ उन्हें भी पाँच वर्ष के कारावास की सजा सीबीआई की विशेष अदालत ने जनवरी 2018 में सुनाई थी. उनके निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक बिहार में घोषित किया गया.

डॉ. जगन्नाथ मिश्र

बाबूलाल गौर

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बाबूलाल गौर का 90 वर्ष की आयु में 21 अगस्त, 2019 को भोपाल में निधन हो गया. बचपन से ही आरएसएस से सम्बद्ध रहे श्री गौर भोपाल की गोविंदपुरा सीट से लगातार 8 बार विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे. 2004-05 के दौरान वह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे. मुख्यमंत्री रहने के बाद

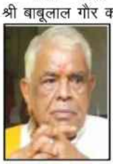

बाबूलाल गौर

श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री भी वह रहे. उनके निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक मध्य प्रदेश में घोषित किया गया.

सुषमा स्वराज

पूर्व केन्द्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज का 67 वर्ष की आयु में 6 अगस्त, 2019 को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में निधन हो गया. हृदयाघात की शिकायत के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. भाजपा के अग्रणी नेताओं में गिनी जाने वाली श्रीमती सुषमा स्वराज 2000–03 के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री रहने के पश्चात् 2003-04 के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री व संसदीय मामलों की मंत्री भी रही थीं. वर्ष 2004 के लिए उत्कृष्ट सांसद का सम्मान उन्हें प्रदान किया गया था. बाद में 2009–14 के दौरान कांग्रेस सरकार के दौरान वह संसद में विपक्ष की नेता रहीं तथा 2014–19 में मोदी सरकार में विदेश मंत्री का दायित्व उन्होंने सँभाला हुआ था.

सुषमा स्वराज

1977 में केवल 25 वर्ष की आयु में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने का श्रेय उन्हें प्राप्त था. 1998 में कुछ समय के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री भी वह रही थीं तथा दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनने का श्रेय उन्हें प्राप्त हुआ था. वह चार बार लोक सभा के लिए निर्वाचित हुई थी तथा अस्वस्थता के कारण 2019 में लोक सभा चुनाव उन्होंने नहीं लड़ा था.

श्रीमती सुषमा स्वराज के पति श्री स्वराज कौशल वरिष्ठ अधिवक्ता हैं तथा वह देश के एडवोकेट जनरल तथा मिजोरम के राज्यपाल रह चुके हैं. भाजपा से अगल-थलग रहे श्री स्वराज कौशल केवल 37 वर्ष की उम्र में मिजोरम के राज्यपाल बनाए गए थे.

अरुण जेटली

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अरुण जेटली का 66 वर्ष की आयु में 24 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में निधन हो गया. वह काफी समय से अस्वस्थ थे तथा पिछले वर्ष मई 2018 में नई दिल्ली स्थित 'एम्स' में ही उनकी किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी.

दिल्ली में ही 1952 में जन्में श्री अरुण जेटली 1974 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए थे. 1975 में

अरुण जेटली

28 दिसंबर 1952–24 अगस्त 2019

पत्नी:
- संगीता जेटली

बच्चे:
- सोनाली जेटली
- रोहन जेटली

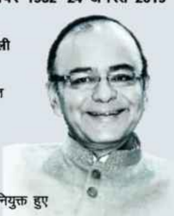

गौरवशाली जीवन

1974: एबीवीपी उम्मीदवार के रूप में डूसू के अध्यक्ष निर्वाचित
1975: आपातकाल के दौरान गिरफ्तार हुए और 19 महीने जेल में बिताए
1977: वकालत शुरू की
1980: भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए
1990: सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किए गए और 37 वर्ष की आयु में भारत के अतिरिक्त सलिसिटर जनरल नियुक्त हुए
1991: बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल

राज्य सभा सदस्य चुने गए:
वर्ष 2000, 2006, 2012 और 2018

राज्य सभा में विपक्ष के नेता:
जून 2009 से मई 2014

मंत्रालयों का प्रभार

1999 से 2004:
- सूचना एवं प्रसारण
- विनिवेश विभाग
- विधि एवं न्याय और कंपनी मामले
- शिपिंग
- वाणिज्य एवं उद्योग

2014 से 2019:
- वित्त
- रक्षा
- कारपोरेट कार्य
- सूचना एवं प्रसारण

नरेंद्र मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल:
स्वास्थ्य कारणों से केंद्रीय मंत्रिमंडल से बाहर रहने का निर्णय

KBK Infographics

आपातकाल में हिरासत में भी वह रहे थे. पेशे से वकील श्री जेटली 1989 में श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में भारत के एडीशनल सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किए गए थे.1999 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहे श्री जेटली को 2000 में कानून, न्याय एवं कम्पनी मामलों का कैबिनेट मंत्री बनाया गया था. 2014 में मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वित्त एवं कम्पनी मामलों के मंत्री के साथ-साथ रक्षा मंत्री भी वह रहे. इसी दौरान अस्वस्थ हुए श्री जेटली ने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कोई पद नहीं लिया था.

अप्रैल 2000 से राज्य सभा के सदस्य रहे श्री अरुण जेटली 2009-14 के दौरान राज्य सभा में विपक्ष के नेता रहे थे. उनके निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री व अन्य भाजपा नेताओं के अतिरिक्त विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने भी शोक व्यक्त किया है.

खय्याम

खय्याम के नाम से प्रसिद्ध संगीतकार मोहम्मद ज़हूर खय्याम का 19 अगस्त, 2019 को मुम्बई के एक अस्पताल में निधन हो गया. 92 वर्षीय खय्याम काफी समय से बीमार थे. कभी-कभी, हीर-रांझा, उमराव जान, नूरी, त्रिशूल व आखिरी खत जैसी सुपरहिट फिल्मों में संगीत देकर विशेष ख्याति उन्होंने प्राप्त की थी. फिल्म उमराव जान के संगीत के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार 1982 में प्राप्त हुआ था. इसके अतिरिक्त फिल्म फेयर पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ संगीतकार (उमराव जान, कभी-कभी) के अतिरिक्त लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार (2010), हृदयनाथ मंगेशकर पुरस्कार (2018), संगीत नाटक एकेडमी पुरस्कार (2007) आदि उन्हें प्रदान किए गए थे. संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने 2011 में पद्म भूषण से उन्हें सम्मानित किया था.

खय्याम

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

अगस्त 2019

1–7 अगस्त—विश्व स्तनपान सप्ताह.

2 अगस्त—दादरा एवं नगर हवेली को मुक्त कराए जाने की वर्षगाँठ.

(2 अगस्त, 2019 को इस केन्द्रशासित क्षेत्र का 66वाँ लिबरेशन डे मनाया गया)

4 अगस्त—मैत्री दिवस (Friendship Day) **भारत** (अगस्त का पहला रविवार).

6 अगस्त—हिरोशिमा दिवस.

7 अगस्त—राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (National Handloom Day)

[7 अगस्त, 1905 को कोलकाता के टाउनहॉल में एक महाजन सभा में स्वदेशी आन्दोलन की औपचारिक शुरूआत की गई थी. इसकी स्मृति में ही इस दिन को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में 29 जुलाई, 2015 को भारत सरकार ने अधिसूचित किया था तथा ऐसा पहला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 7 अगस्त, 2015 को मनाया गया था]

9 अगस्त—नागासाकी दिवस.

9 अगस्त—अगस्त क्रान्ति दिवस.

9 अगस्त—विश्व आदिवासी दिवस.

(9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस [(International Day of World's Indigenous People) के रूप में मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 23 दिसम्बर, 1994 को पारित किया था]

10 अगस्त—विश्व जैव ईंधन दिवस.

10 अगस्त—राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस.

12 अगस्त—अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस.

(12 अगस्त को विश्व युवा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासभा दिसम्बर 1999 में प्रस्ताव पारित करके किया गया था)

12 अगस्त—विश्व गज दिवस.

14 अगस्त—पाकिस्तान का स्वतन्त्रता दिवस.

15 अगस्त—स्वतन्त्रता दिवस (भारत)

भारत के अतिरिक्त द. कोरिया, कांगो गणराज्य व बहरीन का भी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त है. इनके अतिरिक्त यूरोपीय राष्ट्र लिक्टेंस्टीन में भी 15 अगस्त को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है.

(दक्षिण कोरिया को जापान से 15 अगस्त, 1945 को स्वतंत्रता मिली थी, जबकि कांगो गणराज्य को फ्रांस से 15 अगस्त, 1960 को तथा बहरीन को ब्रिटेन से 15 अगस्त, 1971 को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी. लिक्टेंस्टीन में तत्कालीन प्रिंस फ्रांस जोसेफ-II का जन्म दिवस 16 अगस्त है. इसके उपलक्ष्य में 15 अगस्त को 1940 से राष्ट्रीय दिवस के रूप में वहाँ मनाया जाता है)

15 अगस्त—बांग्लादेश का राष्ट्रीय शोक दिवस

(बांग्लादेश के राष्ट्रपति शेख मुजीब-उर-रहमान की हत्या सन् 1975 में 15 अगस्त को हुई थी. उन्हीं की स्मृति में 15 अगस्त को वहाँ राष्ट्रीय शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

17 अगस्त—इण्डोनेशिया का स्वतन्त्रता दिवस

(17 अगस्त, 1945 को स्वतन्त्र हुए इण्डोनेशिया का 74वाँ स्वतन्त्रता दिवस 17 अगस्त, 2019 को मनाया गया).

17 अगस्त—विश्व मधुमक्खी दिवस (World Honey Bee Day) अगस्त का तीसरा शनिवार

19 अगस्त—अफगानिस्तान का स्वतन्त्रता दिवस

19 अगस्त—विश्व फोटोग्राफी दिवस

29 अगस्त—राष्ट्रीय खेल दिवस (हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द का जन्म दिवस).

पुस्तकें (Books)

सावरकर : ईकोज फ्रॉम ए फॉरग्रॉटन पास्ट Savarkar : Echoes from a Forgotten Past. —विक्रम सम्पत

(8 अगस्त, 2019 को प्रकाशित)

द फ्री वॉइस : ओन डेमोक्रेसी, कल्चर एण्ड द नेशन (The Free Voice : On Democracy, Culture and the Nation —रवीश कुमार

(संशोधित संस्करण, 27 अगस्त, 2019 को प्रकाशित)

द प्रॉमिस ऑफ इंडिया : हाउ प्राइम मिनिस्टर्स नेहरू टू मोदी शेप्ड द नेशन (1947-2019) (The Promise of India : How Prime Ministers Nehru to Modi Shaped the Nation (1947-2019) —जैमिनी भगवती

महोत्सव (Festival)

आदि महोत्सव

जनजातीय कला, संस्कृति एवं उत्पादों के 9 दिवसीय आदि महोत्सव का आयोजन लेह-लद्दाख के पोलो ग्राउण्ड में 17-25 अगस्त, 2019 को हुआ. जनजातीय कार्य मंत्रालय व 'ट्राइफेड' TRIFED—Tribal Co-operative Marketing Development Federation of India) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक ने किया. **जनजातीय कला, संस्कृति एवं वाणिज्य की भावना का उत्सव** (A Celeberation of the Spirit Tribal Craft, Culture and Commerce) 9 दिन तक चले इस महोत्सव का थीम था.

विविध (Miscellaneous)

अमरीकी बोइंग कम्पनी से भारतीय वायुसेना को 11वाँ सी-17 ग्लोबमास्टर विमान प्राप्त हुआ

अमरीकी एरोस्पेस कम्पनी बोइंग ने भारतीय वायुसेना को 11वाँ सी-17 ग्लोबमास्टर-3 परिवहन विमान 26 अगस्त, 2019 को सौंप दिया. इन विमानों के मिलने से वायुसेना की सामरिक क्षमताओं में भारी वृद्धि होगी. सी-17 ग्लोबमास्टर-3 प्रीमियर परिवहन विमान है. विशालकाय, मजबूत और लम्बी दूरी तक उड़ान भर सकने वाला यह विमान सभी तरह के मौसम में बड़े युद्धक उपकरण और सैनिकों को ले जाने में सक्षम है. यह विमान भारतीय वायुसेना की सामरिक और युद्धक क्षमताओं का अहम् हिस्सा बना है. भारतीय वायुसेना को ऐसा पहला विमान जून 2013 में बोइंग से प्राप्त हुआ था.

देश में 75 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हेतु सरकार की मंजूरी

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सीटों की कमी को देखते हुए देश में 75 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हेतु मंजूरी आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 28 अगस्त, 2019 को सम्पन्न बैठक में दी गई है. यह महाविद्यालय 200 बिस्तर वाले मौजूदा जिला/रेफरल अस्पतालों से सम्बद्ध किए जाएंगे तथा इनसे देश भर में एमबीबीएस की कम-से-कम 15700 सीटें बढ़ेंगी. ●●●

उपकार
नवीन प्रस्तुति
बिहार वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान
विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तक
लेखक : राजेश कुमार राय
कोड नं. 2303
मूल्य : ₹ 99/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

UPKAR'S Objective COMPUTER SCIENCE & APPLICATIONS
Useful for UGC & Other Higher Competitive Exams.
By : Dr. Parashar & Prof. Arora
Code No. 3025 ₹ 199/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

खेलकूद

क्रिकेट

आईसीसी की पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का शुभारम्भ

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) के तत्वावधान में पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का आयोजन 2019–21 के दौरान होना है. इस चैम्पियनशिप का पहला मैच आस्ट्रेलिया व इंगलैण्ड के बीच बर्मिंघम में 1-5 अगस्त, 2019 को खेला गया. आस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में 251 रनों से विजयी रही. इस चैम्पियनशिप के पहले पाँच मैच इंगलैण्ड व आस्ट्रेलियाई की एशेज़ शृंखला के रूप में भी खेले जाने हैं. एशेज़ शृंखला का समापन 12-16 सितम्बर, 2019 के पाँचवें मैच के साथ होगा, जबकि आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप का अंतिम फाइनल मैच जून 2021 में इंगलैण्ड में खेला जाएगा. टेस्ट मैच खेलने वाले 12 देशों में से शीर्ष 9 टीमें टेस्ट चैम्पियनशिप में भागीदार हैं. इनमें आस्ट्रेलिया व इंगलैण्ड के अतिरिक्त बांग्लादेश, भारत, न्यूजीलैण्ड, पाकिस्तान, श्रीलंका, द. अफ्रीका व वेस्ट इंडीज शामिल हैं.

भारत-वेस्टइंडीज शृंखला (2019)

भारत एवं वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट, 3 एकदिवसीय व 3 ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखलाएं अगस्त-सितम्बर 2019 में खेली गई.

- *ट्वेंटी-20 शृंखला के पहले दोनों मैच अमरीका में फ्लोरिडा में खेले गए, जबकि तीसरा मैच* ***गुयाना*** *में खेला गया. यह शृंखला भारत ने 3-0 से जीती. भारत के क्रुणाल पांड्या को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया.*
- *एकदिवसीय मैचों की शृंखला का पहला मैच वर्षा से बाधित रहकर अनिर्णीत रहा, जबकि बाद के दोनों मैच भारत ने जीते, जिससे यह शृंखला 2-0 से भारत ने जीती. बाद के दोनों मैचों में शतकीय पारियाँ क्रमशः 120 रन व 114 रन* भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने खेलीं,* ***जिससे एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शतकों की कुल संख्या 43 हो गई. उन्हें ही ओडीआई शृंखला के लिए प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया.***
- *दो टेस्ट मैचों की शृंखला पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (2019–21) के तहत् ही खेली गई थी. इस शृंखला का पहला मैच एंटीगुआ में भारत ने 318 रनों से जीता, जबकि 30 अगस्त-3 सितम्बर को किंग्सटन टेस्ट का परिणाम यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हुआ था.*
- *उपर्युक्त तीनों शृंखलाओं में भारतीय टीम का नेतृत्व विराट कोहली ने किया.*

श्रीलंका-न्यूजीलैण्ड टेस्ट शृंखला (2019)

श्रीलंका के दौरे पर न्यूजीलैण्ड की क्रिकेट टीम ने दो टेस्ट मैचों की शृंखला अगस्त 2019 में खेली. आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (2019-21) के तहत् खेली गई इस इस शृंखला का 14-18 अगस्त को गाले में खेला गया पहला मैच श्रीलंका ने तथा 22-26 अगस्त को कोलम्बो में खेला गया दूसरा मैच न्यूजीलैण्ड ने जीता. इससे यह शृंखला 1-1 से बराबर रही.

रवि शास्त्री भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पुनर्नियुक्त

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने निवर्तमान कोच रवि शास्त्री को ही दो वर्ष के एक और कार्यकाल के लिए भारत की पुरुषों की क्रिकेट टीम का मुख्य कोच अगस्त 2019 में नियुक्त किया है. कपिल देव की अगुवाई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (CAC) की संस्तुति पर उनकी यह नियुक्ति 2021 में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप तक के लिए की गई है. तीन सदस्यीय इस समिति में पूर्व कोच अंशुमान गायकवाड़ व महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी भी शामिल थे.

रवि शास्त्री : भारतीय टीम के मुख्य कोच

- *1981-1992 के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम में रहते हुए 80 टेस्ट तथा 150 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच रवि शास्त्री ने खेले थे.*
- *2017-2019 के दौरान भी दो वर्ष तक रवि शास्त्री भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रहे थे. उससे पूर्व 2007 में बांग्लादेश के दौरे पर भारतीय टीम के मैनेजर तथा 2014–16 के दौरान भारतीय टीम के टीम निदेशक वह रहे थे.*

बैडमिन्टन

हैदराबाद ओपन (2019) : भारत के सौरभ वर्मा विजेता

भारत के राष्ट्रीय चैम्पियन सौरभ वर्मा हैदराबाद में 6-11 अगस्त, 2019 को सम्पन्न हैदराबाद ओपन बैडमिंटन (2019) में पुरुषों के एकल खिताब के विजेता रहे. इस खिताब के लिए सिंगापुर के लोह कीन यियु (Loh Kean Yew) को फाइनल में उन्होंने पराजित किया. 75000 डॉलर की इनामी राशि के इस टूर्नामेंट का महिलाओं का एकल सिंगापुर की यिओ जिया मिन (Yeo Jia Min) ने फाइनल में द. कोरिया की आन से-यूंग को हराकर जीता.

बीडब्ल्यूएफ के सुपर 100 स्तर के इस टूर्नामेंट का पुरुषों का युगल खिताब मोहम्मद शोएबुल फिक्री व बागास मौलाना की इण्डोनेशियाई जोड़ी ने फाइनल में ना सुंग सियुंग व वांग चान की द. कोरिया की जोड़ी को हराकर जहाँ जीता, वहीं महिलाओं का युगल बाइक हा-ना व ज्युंग क्युंग उन की द. कोरियाई जोड़ी ने अश्विनी पोनप्पा व एन. सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता. इस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल खिताब ह पांग रॉन व चीया यी सी की मलेशियाई जोड़ी ने अदनान मौलाना व मिशेल क्रिस्टीन बडांसो की इण्डोनेशियाई जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता.

सौरभ वर्मा : हैदराबाद ओपन बैडमिंटन का एकल खिताब.

थाइलैण्ड ओपन : भारत के सात्विक साइराज रेंकी रेड्डी व चिराग शेट्टी का युगल खिताब

भारत के सात्विक साइराज रेंकी रेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी अगस्त 2019 में बैंकॉक में थाइलैण्ड ओपन बैडमिंटन

खिताब विजेता भारतीय जोड़ी

चैम्पियनशिप में ली जुन हुई व लियु यू चेन की चीनी जोड़ी को फाइनल में हरा कर पुरुषों के युगल खिताब की विजेता रही. **विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) के सुपर 500 श्रेणी के किसी टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी है.** इससे पूर्व 2018 में हैदराबाद ओपन (सुपर 100) में युगल खिताब इस जोड़ी ने जीता था. इस टूर्नामेंट का पुरुषों का एकल खिताब चोऊ तिएन-चेन (चीनी ताइपै) ने तथा महिलाओं का एकल चीन की चेन यूफेई ने जीता.

पी. वी. सिंधु विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली शटलर

भारत की स्टार शटलर (बैडमिंटन खिलाड़ी) पी.वी. सिंधु ने एक बड़ी उपलब्धि अगस्त 2019 में प्राप्त की जब विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप का खिताब उन्होंने अपने नाम किया. **विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में खिताब हासिल करने वाली वह भारत की पहली खिलाड़ी हैं. इससे पूर्व विगत दो वर्षों में इस खिताब की उपविजेता वह रही थी.**

पी. वी. सिंधु : विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक

- *विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) के तत्वावधान में 25वीं विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आयोजन स्विट्ज़रलैण्ड में बासेल में 19–25 अगस्त, 2019 को हुआ. भारत की पी. वी. सिंधु ने इसमें महिलाओं की एकल स्पर्द्धा के खिताब के लिए जापान की नोजोमी ओकुहारा (Nozomi Okuhara) को फाइनल में पराजित किया. हैदराबाद की पी. वी. सिंधु पिछले लगातार दोनों वर्षों (2017 व 2018) में इस टूर्नामेन्ट में उपविजेता रही थीं. इससे पूर्व 2013 व 2014 में कांस्य पदक उन्होंने इस टूर्नामेन्ट में जीता था.*
- *इस प्रकार विश्व चैम्पियनशिप में पी. वी. सिंधु का यह पाँचवाँ पदक है.*
- *इस टूर्नामेन्ट का पुरुषों का एकल खिताब गत विजेता जापान के केंटो मोमोटा ने फाइनल में डेन्मार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराकर जीता. भारत के बी. साईनाथ प्रणीत पुरुषों की एकल स्पर्द्धा में कांस्य पदक जीतने में सफल रहे. इस प्रकार* ***विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2019) में भारत ने कुल दो पदक (एक स्वर्ण व एक कांस्य) जीते.***

बी. साई. प्रणीत : कांस्य पदक

इस टूर्नामेन्ट के सभी वैयक्तिक खिताब विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं–

विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2019)
[19–25 अगस्त, 2019, बासेल (स्विट्ज़रलैण्ड)]
विजेता एवं उपविजेता

पुरुष एकल*	**विजेता**	केंटो मोमोटा (जापान)
	उपविजेता	एंडर्स एंटोनसेन (डेन्मार्क)
महिला एकल	**विजेता**	पी.वी. सिंधु (भारत)
	उपविजेता	नोजोमी ओकुहारा (जापान)
पुरुष युगल	**विजेता**	मोहम्मद अहसान व हेंद्रा सेतियावान (दोनों इंडोनेशिया)
	उपविजेता	ताकुरो होकी व युगो कोबायाशी (दोनों जापान)
महिला युगल	**विजेता**	मायु मात्सुमोतो व वकाना नागाहारा (दोनों जापान)
	उपविजेता	युकी फुकुशिमा व सयाका हिरोता (दोनों जापान)
मिश्रित युगल	**विजेता**	झेंग सीवी व हुआंग याकियोंग (दोनों चीन)
	उपविजेता	देचापॉल पुआवारा नुकरोह व सैपसिरी तायराताना चाइ (दोनों थाइलैण्ड)

* इस स्पर्द्धा का कांस्य पदक भारत के बी. साई. प्रणीत को

- *विश्व बैडमिंटन संघ (BWF) के तत्वावधान में पिछली 24वीं विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप अगस्त 2018 में चीन में नानजिंग में सम्पन्न हुई थी, जिसमें भारत की पी. वी. सिंधु ने महिलाओं की एकल स्पर्द्धा में रजत पदक जीता था.*
- *इस आयोजन में तीसरे स्थान के लिए कोई मैच नहीं खेला जाता तथा सेमी फाइनल में पराजित दोनों खिलाड़ियों को कांस्य पदक प्राप्त होता है.*

विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भारत के कुल 6 खिलाड़ी कोई न कोई पदक जीतने में अब तक सफल रहे हैं. इनके नाम व पदक निम्नलिखित हैं–

विश्व बैडमिंटन में भारत के पदक विजेता

खिलाड़ी	पदक
प्रकाश पादुकोन	1983 में पुरुष एकल में कांस्य पदक
ज्वाला गुट्टा व अश्विनी पोनप्पा	2011 में महिला युगल में कांस्य पदक
पी.वी. सिंधु	2013 व 2014 में महिला एकल में कांस्य, 2017 व 2018 में महिला एकल में ही रजत पदक तथा **2019 में इसी स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक**
साइना नेहवाल	2015 में महिला एकल में रजत तथा 2017 में महिला एकल में कांस्य पदक
बी. साई. प्रणीत	**2019 में पुरुष एकल में कांस्य पदक**

विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2019) में स्वर्ण पदक जीतने वली पी. वी. सिंधु को ₹ 20 लाख तथा कांस्य पदक जीतने वाले बी. साई. प्रणीत को ₹ 5 लाख पुरस्कार स्वरूप प्रदान करने की घोषणा भारतीय बैडमिंटन संघ ने की है.

टेनिस

कनाडा ओपन (रोगर्स कप)

मॉन्ट्रियल में 5-11 अगस्त, 2019 को सम्पन्न कनाडा ओपन (रोगर्स कप) मास्टर्स टेनिस का पुरुषों का एकल स्पेन के राफेल नडाल ने फाइनल में रूस के डेनिल मेदवेदेव को हराकर अपने पास बरकरार रखा. **कनाडा मास्टर्स में उनका यह पाँचवाँ खिताब है.** इस टूर्नामेन्ट का पुरुषों का युगल खिताब स्पेन के मार्सेल ग्रैनोलर्स व अर्जेन्टीना के होरासियो ज़ेबालोस की जोड़ी ने जीता.

इस टूर्नामेंट के महिलाओं के खेल उपर्युक्त तिथियों में ही टोरंटो में खेले गए, जिसमें अमरीका की सेरेना विलियम्स फाइनल में रिटायर्ड हर्ट हुईं, जिससे इसका खिताब कनाडा की बिनाका एंड्रीस्क्यू (Andreescu) ने जीता. महिलाओं का युगल खिताब बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटेरिना सिनियाकोवा की चैक गणराज्य की जोड़ी के नाम रहा.

वेस्टर्न एण्ड सदर्न ओपन (सिनसिनाटी मास्टर्स) (2019)

अमरीका में सिनसिनाटी प्रांत में मैसन (Mason) में 12-18 अगस्त, 2019 को

उपकार कैरियर डेवलपमेंट सीरीज
महान व्यक्तित्व
महान व्यक्तियों के जीवन पर प्रेरणादायक सामग्री
Code 226 ₹ 140.00
उपकार प्रकाशन, आगरा-2
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

merabook.com
Buy Online
Free Delivery
सभी प्रतियोगिता परीक्षा सम्बंधी किताबें एवं मासिक करेंट अफेयर मैग्जीन हमारे वेबसाइट पर उपलब्ध है।
www.merabook.com

सम्पन्न वेस्टर्न एण्ड सदर्न ओपन (पुराना नाम सिनसिनाटी मास्टर्स) टेनिस टूर्नामेन्ट में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः डेनिल मेदवेदेव (Daniil Medvedev) व अमरीका की मेडिसोन कीज़ (Madison Keys) ने जीते. रूस के डेनिल मेदवेदेव ने 18 अगस्त को फाइनल मुकाबले में बेल्जियम के डेविड गोफिन को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता, वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए अमरीका की मेडिसोन कीज़ ने फाइनल में रूस की स्वेतलाना कुज़नेत्सोवा को हराया. पुरुषों का युगल खिताब क्रोएशिया के इवान डोडिग व स्लोवाकिया के फिलिप पोलासेक की जोड़ी ने तथा महिलाओं का युगल खिताब लूसी हराडेका (चैक गणराज्य) व अंद्रेजा क्लेपाक (स्लोवेनिया) की जोड़ी ने जीता.

- *यह मास्टर्स टूर्नामेन्ट विश्व के सबसे पुराने टूर्नामेन्ट्स में से एक है. इस वर्ष उसका यह आयोजन पुरुषों के लिए 118वाँ व महिलाओं के लिए 91वाँ आयोजन था.*
- *स्विट्जरलैण्ड के रोजर फेडरर रिकॉर्ड 7 बार इसके एकल खिताब के विजेता रहे हैं.*

फुटबाल

डूरंड कप (2019)

24 अगस्त, 2019 को कोलकाता में मोहन बगान को फाइनल में हराकर **गोकुलम केरला** टीम डूरंड कप (129वें) टूर्नामेन्ट की विजेता रही.

- *एशिया के इस सबसे प्राचीन व विश्व में तीसरे सबसे पुराने इस टूर्नामेन्ट का आयोजन तीन वर्ष के अंतराल के पश्चात् हुआ. इसका पिछला (128वाँ) आयोजन अगस्त-सितम्बर 2016 में नई दिल्ली में हुआ था, जिसमें आर्मी ग्रीन टीम विजेता रही थी.*
- *गोकुलम केरला टीम ने पहली बार ही यह टूर्नामेन्ट जीता है, जबकि मोहन बगान टीम रिकॉर्ड 16 बार इसकी विजेता रही है.*
- *यह पहला अवसर था जब इस टूर्नामेन्ट का आयोजन दिल्ली से बाहर किसी शहर में (कोलकाता में) हुआ. 16 टीमें इस वर्ष 2–24 अगस्त, 2019 को सम्पन्न टूर्नामेन्ट में शामिल थीं.*
- *₹ 70 इनामी राशि के इस टूर्नामेन्ट में ₹ 40 लाख लाख विजेता व ₹ 20 लाख उपविजेता टीम को पुरस्कार में प्रदान किए गए. ₹ 5-5 लाख सेमीफाइनल में स्थान पाने वाली दोनों अन्य टीमों को मिले.*

अंडर-15 सैफ टूर्नामेन्ट

21–31 अगस्त, 2019 को भारत में कल्याणी में सम्पन्न छठे अंडर-15 सैफ फुटबाल टूर्नामेन्ट का खिताब भारत ने फाइनल में नेपाल को 7–0 से हराकर जीता. भारत ने तीसरी बार यह टूर्नामेन्ट जीतने में सफलता प्राप्त की है. पिछले वर्ष (2018 में) नेपाल में आयोजित ऐसे पाँचवें टूर्नामेन्ट का खिताब पाकिस्तान को फाइनल में हराकर बांग्लादेश ने जीता था.

- *इस वर्ष भारत व नेपाल के अतिरिक्त बांग्लादेश, भूटान व श्रीलंका की टीमें इस टूर्नामेन्ट में शामिल थीं. पाकिस्तान ने शुरू में इसके लिए पंजीकरण कराया था, किन्तु अंतिम समय में उसने अपना नाम वापस ले लिया था.*

फॉर्मूला-1 रेस

हंगेरियन फॉर्मूला-1 रेस, लुइस हैमिल्टन विजेता

बुडापेस्ट में 4 अगस्त, 2019 को सम्पन्न हंगेरियन फॉर्मूला-1 रेस मर्सिडीज टीम के लुइस हैमिल्टन ने जीती. रैडबुल टीम के मैक्स वर्स्टपिन इसमें उपविजेता रहे.

●●●

पृष्ठ 26 का शेष

मेहमान राष्ट्रपति के स्वागत में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज के अवसर पर राष्ट्रपति श्री कोविंद ने कहा कि विकास सहयोग भारत व जाम्बिया की साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तम्भ है तथा दक्षिण-दक्षिण सहयोग (South-South Cooperation) ढाँचे के तहत् भारत जाम्बिया के साथ सहयोग हेतु प्रतिबद्ध है. मेहमान राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित दोपहर भोज में भारतीय राष्ट्रपति ने कहा कि भारत व जाम्बिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश गठजोड़ काफी प्रभावी हैं तथा दोनों देश मिलकर काफी कुछ कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि जाम्बिया में भारत के निवेश ने जाम्बिया की तरक्की एवं विकास में योगदान दिया है तथा भारतीय कम्पनियाँ जाम्बिया में खनन, स्वास्थ्य, आधारभूत ढाँचे व ऊर्जा आदि क्षेत्रों में निवेश की इच्छुक हैं. उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत की टेली शिक्षा व टेली मेडिसिन में विशेषज्ञता जाम्बिया के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न कर सकती है.

दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के 6 विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् किए गए. खनन रक्षा, कला एवं संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग संवर्द्धन के अतिरिक्त ईवीबीएबी नेटवर्क परियोजना पर सहयोग के समझौते इनमें शामिल हैं. अगले दिन 22 अगस्त को जाम्बियाई वाणिज्यिक प्रतिनिधिमण्डल के साथ वार्ता का मेहमान राष्ट्रपति की स्वदेश वापसी हुई.

- *जाम्बिया के राष्ट्रपति एडवर्ड छगवा लुंगु की भारत की इस यात्रा से पूर्व भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने अप्रैल 2018 में जाम्बिया की यात्रा की थी, जो 29 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् भारत के किसी राष्ट्रपति की जाम्बिया की यात्रा थी. उनसे पूर्व 1989 में तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन ने इस देश की राजकीय यात्रा की थी. उनसे पूर्व वी. वी. गिरि 1974 में तथा एन. संजीव रेड्डी ने 1981 में राष्ट्रपति रहते हुए जाम्बिया की यात्रा पर गए थे. प्रधानमंत्री के रूप में श्रीमती इन्दिरा गांधी ने तीन बार (1970, 1976 व 1980 में) तथा श्री राजीव गांधी ने एक बार (1989 में) जाम्बिया की यात्रा की थी. जाम्बिया के पहले राष्ट्रपति डॉ. केनेथ कॉडा (Kenneth Konda) ने जाम्बिया के स्वतन्त्रता संघर्ष के दौरान व बाद में इसके पहले राष्ट्रपति रहते हुए कम-से-कम 10 बार भारत की यात्राएं की थीं.*
- *जाम्बिया दक्षिण मध्य अफ्रीका में एक 'लैण्ड-लॉक्ड कंट्री' है तथा इसकी सीमाएं कांगो, तंजानिया, मलावी, मोजाम्बिक, जिम्बाब्वे व बोत्सवाना से मिलती हैं. 7·53 लाख वर्ग किमी के क्षेत्रफल वाले इस देश की कुल जनसंख्या 1·66 करोड़ व प्रति व्यक्ति जीडीपी 3982 डॉलर (पीपीपी आधारित, 2017 की स्थिति) वहाँ रह रहे भारतीयों/भारतीय मूल के व्यक्तियों की संख्या लगभग 13 हजार है.*
- *जाम्बिया विश्व में ताँबे (Copper) का दूसरा बड़ा उत्पादक देश है तथा भारत के ताँबा आयात का मुख्य आपूर्तिकर्ता देश यह है.*
- *भारत व जाम्बिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2016-17 में एक अरब डॉलर तक पहुँच गया था, जो 2018-19 में 830 मिलियन डॉलर का रहा. भारी मात्रा में ताँबे के आयात के कारण भारत-जाम्बिया व्यापार शेष जाम्बिया के ही पक्ष में रहता रहा है. जाम्बिया को भारत के 'All Weather Friend' के रूप में जाना जाता है तथा विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत के पक्ष का सदा ही समर्थन इसने प्रदान किया है. विस्तृत सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के दावे सहित अन्य विभिन्न मुद्दों पर भी जाम्बिया का समर्थन भारत को विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर प्राप्त होता रहा है.*
- *जाम्बिया की वायुसेना को प्रशिक्षण प्रदान करने में भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण रही है.*

●●●

रोजगार समाचार

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) दिसम्बर 2019

कक्षा एक से आठवीं कक्षा तक पढ़ाने के लिए शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्रता प्रदान करने वाली केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) दिल्ली द्वारा 8 दिसम्बर, 2019 को किया जाएगा. इसमें शामिल होने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं.

ऑनलाइन आवेदन परीक्षा से सम्बन्धित वेबसाइट www.ctet.nic.in पर 19 अगस्त, 2019 से किए जा सकते हैं तथा इसके लिए अंतिम तिथि 18 सितम्बर, 2019 है. परीक्षा शुल्क भुगतान हेतु अंतिम तिथि 23 सितम्बर, 2019 है.

इस परीक्षा के तहत् पहला प्रश्न-पत्र उन उम्मीदवारों के लिए है, जो कक्षा एक से कक्षा पाँच तक के शिक्षक के रूप में पात्रता हासिल करना चाहते हैं, जबकि दूसरा प्रश्न-पत्र कक्षा 6 से 8 तक की कक्षाओं के लिए शिक्षक की पात्रता के लिए है. उम्मीदवार किसी एक परीक्षा में या दोनों में शामिल हो सकते हैं. आवश्यक शैक्षणिक योग्यता धारक इस परीक्षा में शामिल होने के पात्र हैं. प्राथमिक स्तर (I-V) के लिए CTET की परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित इस परीक्षा में बाल विकास तथा शिक्षक विज्ञान (चाइल्ड डेवलपमेंट एण्ड पैडोगॉजी), भाषा प्रथम व भाषा द्वितीय, गणित व पर्यावरण अध्ययन के 30-30 बहुविकल्पीय प्रश्न (कुल 150 प्रश्न) होंगे. 150 अंकों की इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न 1-1 अंक का होगा. CTET द्वितीय प्रश्न-पत्र के लिए प्रश्न-पत्र में बाल विकास एवं पैडोगॉजी भाषा प्रथम, भाषा द्वितीय के 30-30 अंकों के 30-30 प्रश्नों के साथ 60 अंकों का गणित एवं विज्ञान खण्ड (गणित/विज्ञान के शिक्षक के लिए) सामाजिक अध्ययन का खण्ड (सामाजिक अध्ययन के शिक्षकों के लिए) शामिल होगा. इस परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

जूनियर/सीनियर हिन्दी ट्रांसलेटरों तथा सेंट्रल हिन्दी ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट में प्राध्यापकों की भर्ती हेतु अखिल भारतीय प्रतियोगिता परीक्षा–2019

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में जूनियर/सीनियर हिन्दी ट्रांसलेटर्स व सेंट्रल हिन्दी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में हिन्दी प्राध्यापक के पदों पर नियुक्ति हेतु अखिल भारतीय स्तर पर कम्प्यूटर बेस्ड प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 नवम्बर, 2019 को किया जाएगा. दूसरे चरण की परीक्षा परम्परागत किस्म की होगी. इसके लिए तिथि अभी निर्धारित नहीं है. इस परीक्षा के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल संख्या भी अभी निर्धारित नहीं है. रिक्तियों की भर्ती के लिए विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आरक्षण उपलब्ध है. इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यताओं की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें.

आयु सीमा–1 जनवरी, 2020 को अधिकतम 30 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा में 2-2 घण्टे के 200-200 अंकों के दो प्रश्न-पत्र होंगे. पहले चरण की कम्प्यूटर बेस्ड वस्तुनिष्ठ किस्म के पहले प्रश्न-पत्र में 100-100 अंकों की सामान्य हिन्दी व सामान्य अंग्रेजी की परीक्षा होगी. परम्परागत किस्म का दूसरा प्रश्न-पत्र ट्रांसलेशन व निबन्ध का होगा.

इस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाने की अंतिम तिथि 26 सितम्बर, 2019 है. ऑनलाइन परीक्षा शुल्क भुगतान हेतु अंतिम तिथि 28 सितम्बर, 2019 है. परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन के लिए कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट www.ssc.nic.in देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन, आगरा** द्वारा प्रकाशित पुस्तक **'Upkar Senior/ Junior Hindi Translators Examination'** का अध्ययन करें.

बिहार पुलिस में अवर निरीक्षकों, प्रारक्ष अवर निरीक्षकों व सहायक अधीक्षक कारा. आदि की रिक्तियाँ

बिहार में गृह विभाग के अधीन पुलिस अवर निरीक्षक (Police Sub-Inspector) के 2064, प्रारक्ष अवर निरीक्षकों (Sergeants) के 215 तथा सहायक अधीक्षक कारा. के 125 तथा सहायक अधीक्षक कारा. (भूतपूर्व सैनिकों के लिए) के 42 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा दो चरणों में किया जाएगा. पहले चरण में 200 अंकों की प्रारम्भिक परीक्षा में सामान्य ज्ञान व समसामयिक मुद्दों से सम्बन्धित प्रश्न होंगे. इसमें प्राप्त अंकों के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को दूसरे चरण की मुख्य लिखित परीक्षा में अभ्यर्थियों को शामिल किया जाएगा. मुख्य परीक्षा में दो पत्र होंगे. पहला प्रश्न-पत्र सामान्य हिन्दी (200 अंक) का होगा, जबकि दूसरे प्रश्न-पत्र में सामान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान, नागरिकशास्त्र, भारतीय इतिहास, भारतीय भूगोल, गणित एवं मानसिक योग्यता जाँच से सम्बन्धित प्रश्न होंगे. पहले प्रश्न-पत्र में प्राप्त अंक मेधा सूची में नहीं जोड़े जाएंगे.

इन नियुक्तियों के लिए पात्र एवं योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि 22 अगस्त, 2019 है, जबकि अंतिम तिथि 25 सितम्बर, 2019 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा (1 जनवरी, 2019 को)–20–37 वर्ष (सामान्य कोटे के अभ्यर्थियों के लिए). विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन हेतु आयोग की वेबसाइट www.bpssc.bih.nic.in देखें.

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा, 2020

देश के विभिन्न विभागों में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों में सत्र 2020-21 में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 11 जनवरी, 2020 को तथा कुछ राज्यों में 11 अप्रैल, 2020 को किया जाएगा. दो घण्टे की इस चयन परीक्षा में 50 अंकों की मानसिक योग्यता परीक्षा तथा 25-25 अंकों की अंकगणित व भाषा परीक्षा शामिल होगी. चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी को नवोदय विद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजी-करण कराना होगा. इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट www.navodaya.gov.in व www.nvsadmissionclassvi.in देखें. प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी का जन्म 1 मई, 2007 से पूर्व तथा 30 अप्रैल, 2011 के बाद का नहीं होना चाहिए.

इस प्रवेश परीक्षा के लिए अन्य विस्तृत जानकारी के लिए नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट देखें. प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाने की अन्तिम तिथि 15 सितम्बर, 2019 है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित उपकार जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा 6 के लिए) से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन अत्यन्त लाभकारी सिद्ध होगा. पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध हैं.

●●●

बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष सामग्री

बिहार समसामयिक तथ्य

बिहार की अर्थव्यवस्था

- सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुमानों की नई श्रृंखला के अनुसार, 2017-18 में बिहार की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर एक वर्ष पूर्व के 9·9 प्रतिशत से बढ़कर 11·3 प्रतिशत हो गई. दोनों ही वर्षों में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की विकास दर लगभग –7 प्रतिशत रही है.
- वर्तमान मूल्य पर 2017-18 में बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद ₹ 4,87,628 करोड़ था. वर्ष 2011-12 के स्थिर मूल्य पर यह आँकड़ा ₹ 3,61,504 करोड़ था. फलतः 2017-18 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद वर्तमान मूल्य पर ₹ 42,242 तथा स्थिर मूल्य पर ₹ 31,316 था.
- वर्ष 2016-17 में सर्वाधिक 12·8 प्रतिशत विकास दर तृतीयक क्षेत्र में दर्ज की गई थी और उसके बाद 9·8 प्रतिशत प्राथमिक क्षेत्र तथा 4·2 प्रतिशत द्वितीयक क्षेत्र में. मध्यम अवधि के लिहाज से देखें, तो तेज दर से बढ़ने और बिहार की समग्र अर्थव्यवस्था में सर्वाधिक योगदान करने वाले क्षेत्र हैं–खनन एवं उत्खनन (60·0 प्रतिशत), विनिर्माण (17·5 प्रतिशत) तथा परिवहन, भण्डारण, संचार एवं प्रसारण सम्बन्धी सेवाएं (11·4 प्रतिशत). इन सारे क्षेत्रों में दो अंकों में विकास दर दर्ज हुई है. उप-क्षेत्रों में वायु परिवहन में सर्वाधिक 35·2 प्रतिशत की काफी ऊँची विकास दर दिखी है.
- बिहार में जिलों के लिए प्रति व्यक्ति आय का सबसे हाल का अनुमान 2011-12 से सम्बन्धित है. इन अनुमानों के आधार पर बिहार के तीन सर्वाधिक उन्नत जिले पटना, मुंगेर और बेगूसराय हैं. वहीं, आर्थिक रूप से सबसे प्रतिकूल स्थिति वाले जिले मधेपुरा, सुपौल और शिवहर हैं.

राजकीय वित्तव्यवस्था

- राजस्व अधिशेष 2013-14 के ₹ 6,441 करोड़ से बढ़कर 2017-18 में ₹ 14,823 करोड़ हो गया, जो अभी तक का सर्वोच्च स्तर है. वर्ष 2018-19 के बजट अनुमान में राजस्व अधिशेष और भी बढ़कर ₹ 21,312 करोड़ हो जाना अनुमानित है. वर्ष 2017-18 में राजस्व शेष गत वर्ष (2016-17) से लगभग ₹ 4,000 करोड़ बढ़ा.
- राज्य सरकार का प्राथमिक घाटा 2016-17 के ₹ 8,289 करोड़ से घटकर 2017-18 में ₹ 5,251 करोड़ रह गया. प्राथमिक घाटे में कमी के कारण 2017-18 में सकल राजकोषीय घाटा भी 2016-17 के ₹ 16,480 करोड़ से घटकर 2017-18 में ₹ 14,305 करोड़ रह गया, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2·9 प्रतिशत था और एफआरबीएम (राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबन्धन) अधिनियम द्वारा विहित सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 3 प्रतिशत की सीमा से नीचे था.
- वर्ष 2013-14 से 2017-18 के बीच राज्य का अपना कर राजस्व ₹ 19,961 करोड़ से बढ़कर ₹ 23,742 करोड़ और करेतर राजस्व ₹ 1,545 करोड़ से ₹ 3,507 करोड़ हो गया. वहीं, इस अवधि में केन्द्रीय करों में हिस्सा ₹ 34,829 करोड़ से ₹ 68,083 करोड़ और सहायता अनुदान ₹ 12,584 करोड़ से ₹ 25,720 करोड़ हो गया. राज्य सरकार का कुल राजस्व 2013-14 के ₹ 68,919 करोड़ से बढ़कर ₹ 1,17,447 करोड़ हो गया, जो 4 वर्षों के दौरान 70·4 प्रतिशत की वृद्धि है.
- वर्ष 2017-18 में राजस्व व्यय ₹ 7,859 करोड़ और पूँजीगत व्यय ₹ 2,266 करोड़ बढ़ा, जबकि पूँजीगत ऋणग्रहण में ₹ 8,409 करोड़ की अच्छी-खासी कमी आई. राजस्व व्यय में हुई ₹ 7,859 करोड़ की वृद्धि में विकासमूलक व्यय की वृद्धि का योगदान ₹ 5,091 करोड़ था, जिसका वृद्धि में 64 प्रतिशत हिस्सा था. वर्ष 2013-14 और 2017-18 के बीच विकासमूलक राजस्व व्यय 80 प्रतिशत बढ़कर ₹ 65,456 करोड़ से ₹ 98,152 करोड़ हो गया. वहीं विकासेतर राजस्व व्यय इस अवधि में 48 प्रतिशत की अपेक्षाकृत कम दर से बढ़ा और ₹ 25,945 करोड़ से ₹ 38,271 करोड़ हो गया. वर्ष 2017-18 में कुल व्यय का लगभग 72 प्रतिशत हिस्सा विकास मूलक प्रकृति का था और 28 प्रतिशत विकासेतर प्रकृति का.
- वर्ष 2017-18 में कुल उधार मात्र ₹ 13,169 करोड़ था, जो एक वर्ष पूर्व के ₹ 21,577 करोड़ से कम है. वहीं, ब्याज भुगतान ₹ 9,054 करोड़ था, जो 2016-17 से ₹ 863 करोड़ अधिक है. बकाया ऋण के स्तर में 2017-18 में थोड़ी गिरावट आई, जो गत वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद के 32·6 प्रतिशत से 32·2 प्रतिशत रह गया.
- वर्ष 2017-18 के कुल पूँजीगत परिव्यय ₹ 28,907 करोड़ में से ₹ 21,884 करोड़ (76 प्रतिशत) का व्यय आर्थिक सेवाओं पर किया गया–सड़कों एवं पुलों की परिवहन अधिसंरचना के निर्माण पर ₹ 5,402 करोड़ (19 प्रतिशत), विद्युत् परियोजनाओं पर ₹ 6,931 करोड़ (24 प्रतिशत), सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण पर ₹ 2,665 करोड़ (9 प्रतिशत) तथा शेष अन्य क्षेत्रों में. सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय ₹ 4,258 करोड़ था. इसमें से 13 प्रतिशत हिस्सा (₹ 565 करोड़) राज्य में स्वास्थ्य अधिसंरचनाओं में सुधार पर, 41 प्रतिशत (₹ 1,763 करोड़) जलापूर्ति एवं स्वच्छता में सुधार पर और 36 प्रतिशत (₹ 1,519 करोड़) शैक्षिक अधिसंरचना में सुधार पर खर्च हुआ.
- सामाजिक और आर्थिक सेवाओं पर व्यय 15 प्रतिशत से अभी अधिक की उच्च वार्षिक दर से बढ़ता रहा है, जबकि सामान्य सेवाओं पर व्यय लगभग 11 प्रतिशत की अपेक्षाकृत निम्न दर से बढ़ा है. कुल मिलाकर राज्य सरकार का कुल व्यय 15·5 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है. वर्ष 2017-18 में राज्य सरकार के कुल व्यय में वेतन एवं पेंशन व्यय का संयुक्त हिस्सा 30 प्रतिशत था, जो उसके पिछले वर्ष 32 प्रतिशत और पाँच वर्ष पहले 37·6 प्रतिशत था. वर्ष 2013-14 से 2017-18 के बीच प्रति व्यक्ति व्यय सामाजिक सेवाओं पर ₹ 2,596 से बढ़कर ₹ 4,199 और आर्थिक सेवाओं पर ₹ 2,286 से ₹ 3,807 हो गया. वहीं, इस अवधि में प्रति व्यक्ति पूँजीगत परिव्यय ₹ 1,287 से बढ़कर ₹ 2,426 हो गया.

कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्र

- भारत के पूर्वी भाग में अवस्थित बिहार का क्षेत्रफल 93·6 लाख हेक्टेयर है, जिसका देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में लगभग 3 प्रतिशत हिस्सा है. यहाँ की जलवायु मुख्यतः उपोष्ण है, जिसमें गर्मी के मौसम में मार्च से मई के दौरान सर्वोच्च तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुँच जाता है, जबकि जाड़े के मौसम में दिसम्बर-जनवरी में औसत तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक आ जाता है.
- वर्ष 2018 में दक्षिण-पश्चिमी मानसून के कारण 689·6 मिमी ही बारिश हुई, जो औसत वर्षा (848·2 मिमी) से लगभग 20 प्रतिशत कम है.
- पिछले कुछ वर्षों के दौरान भूमि उपयोग का पैटर्न लगभग अपरिवर्तित रहा है. राज्य में फसल सघनता 2012-13 के 1·44 से थोड़ी बढ़कर 2016-17 में 1·45 हो गई. बिहार में 2016-17 में कुल मिलाकर 56·55 प्रतिशत जमीन पर खेती हुई.
- बिहार की कृषि अर्थव्यवस्था मुख्यतः अनाज उपजाने वाली अर्थव्यवस्था है, जहाँ 85 प्रतिशत से अधिक जमीन पर अनाज वाली फसलें उपजाई जाती हैं. इस तथ्य पर गौर करते हुए कि बिहार खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया है, धान उपजाने के बाद खाली हुए खेतों में दलहनों और तिलहनों की खेती के लिए पूर्वी भारत में चलने वाली 'परती धनहर क्षेत्रों का लक्ष्यीकरण' (टीआरएफए) योजना राज्य में भी चलायी गई है.

- मुख्य अनाजों के उत्पादन में लगातार बढ़त का रुझान मक्का और चावल, दोनों में देखा जा सकता है, जिनकी वृद्धि दरें पिछले पाँच वर्षों के दौरान क्रमशः 6·0 प्रतिशत और 4·0 प्रतिशत रही हैं. वर्ष 2017-18 में मोटे अनाजों का कुल उत्पादन 3·15 लाख टन था, जो 2013-14 से 2017-18 के बीच 6·0 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.
- वर्ष 2013-14 से 2017-18 के बीच अनाजों की उत्पादकता 2,595 किग्रा से बढ़कर 2,839 किग्रा प्रति हेक्टेयर हो गई.
- बिहार में हुए प्रौद्योगिकी के विकास ने राज्य को अपनाकर बागवानी वाली फसलों की दिशा में खेती के विविधीकरण के लिए सक्षम बनाया है. राज्य में सब्जियों का कुल उत्पादन 2015-16 के 142·42 लाख टन से बढ़कर 2017-18 में 148·12 लाख टन हो गया. वर्ष 2017-18 में राज्य में 3·09 लाख हेक्टेयर पर फलों की खेती हुई थी और कुल 42·29 लाख टन फलों का उत्पादन हुआ था.
- वर्ष 2017-18 में बिहार में उर्वरकों की कुल खपत 49·95 लाख टन थी, जो 2015-16 के 51·95 लाख से थोड़ा कम थी. वर्ष 2017-18 में बिहार में उर्वरकों की कुल खपत में यूरिया की खपत का 40·8 प्रतिशत हिस्सा था. इसके अलावा, यह भी देखा गया कि बिहार में उर्वरकों की लगभग 60 प्रतिशत खपत रबी मौसम के दौरान होती है.
- जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए पटना, नालंदा, भागलपुर, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया और मुंगेर जिलों में गंगा नदी के किनारे के गाँवों के किसानों को चिह्नित किया गया है.
- वर्ष 2017-18 में पूरे बिहार में कुल 44·67 लाख पशुओं का इलाज किया गया था, जिनकी संख्या 2016-17 के 41·03 लाख से अधिक है. इसके साथ-साथ राज्य में 2017-18 में 526·72 लाख पशुओं का प्रतिरक्षण भी किया गया और 28·23 लाख पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान कराया गया.
- मात्रा के लिहाज से देखें, तो बिहार में दूध का उत्पादन 2013-14 के 71·97 लाख टन से बढ़कर 2017-18 में 92·41 लाख टन हो गया. राज्य में गाएं दूध उत्पादन की मुख्य स्रोत हैं, जिनका कुल दूध उत्पादन में 58·6 प्रतिशत हिस्सा है. इसके बाद भैंसों का 39·2 प्रतिशत और बकरियों का 2·2 प्रतिशत हिस्सा है.
- अण्डों के उत्पादन में भी काफी वृद्धि हुई, जो हाल के वर्षों में 6·84 प्रतिशत वृद्धि से स्पष्ट है. बिहार में 2017-18 में 121·85 करोड़ अण्डों का उत्पादन हुआ. इसी प्रकार, राज्य में माँस उत्पादन 2013-14 के 2·92 लाख टन से बढ़कर 2017-18 में 3·43 लाख टन हो गया.
- राज्य में मौजूद प्रचुर ताजा जल संसाधन मछलीपालन क्षेत्र के विकास के लिए आवेग प्रदान करते हैं. राज्य में मछली का उत्पादन लगातार बढ़ते हुए 2013-14 के 4·32 लाख टन से 2017-18 में 5·87 लाख टन हो गया, जो 7·0 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है.

उद्यमिता क्षेत्र

- विगत तीन वर्षों में सकल राजकीय मूल्यवर्धन (जीएसवीए) में औद्योगिक क्षेत्र का लगभग 20 प्रतिशत योगदान था.
- बिहार में कृषि आधारित उद्योगों की 19·2 प्रतिशत विकास दर देश के सभी राज्यों द्वारा हासिल 3·2 प्रतिशत विकास दर की लगभग पाँच गुनी थी. कृषितर उद्योगों के मामले में भी बिहार की 6·9 प्रतिशत विकास दर सम्पूर्ण भारत के स्तर पर हासिल 4·4 प्रतिशत विकास दर से अधिक थी.
- बिहार में अनिगमित कृषितर उद्यमों की कुल संख्या 34·48 लाख थी, जो पूरे देश के ऐसे उद्यमों का लगभग 5·4 प्रतिशत है. देश के सभी उद्यमों में बिहार का 5·4 प्रतिशत हिस्सा देश की आबादी में 8·6 प्रतिशत हिस्से से कम है. इनमें लगभग 53·07 लाख श्रमिकों के काम करने का अनुमान है.
- अनिगमित कृषितर उद्यमों का सकल मूल्यवर्धन ₹ 51·6 हजार करोड़ था. भारत के सकल मूल्यवर्धन में बिहार के ग्रामीण उद्यमों का 7·7 प्रतिशत योगदान था, जो ग्रामीण उद्यमों के राज्य के आनुपातिक हिस्से अधिक था. ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति श्रमिक सकल मूल्यवर्धन की बात करें, तो बिहार में यह ₹ 80·5 हजार था, जो सम्पूर्ण भारत स्तर के ₹ 69·2 हजार से काफी अधिक है.
- अभी राज्य में निजी क्षेत्र में 11 चीनी मिल चल रहे हैं जिनमें से 9 निजी क्षेत्र में हैं और 2 सार्वजनिक क्षेत्र में. वर्ष 2017-18 के पेराई के मौसम में बिहार में 747·89 लाख क्विंटल ईख की पेराई हुई जो गत वर्ष से 176·75 लाख क्विंटल अधिक है. वर्ष 2017-18 में चीनी प्राप्ति की दर 9·57 प्रतिशत थी जो 2016-17 के 9·17 प्रतिशत से अधिक है.
- कॉम्फेड के अन्तर्गत अभी 9 दुग्ध उत्पादन सहकारी समितियाँ काम कर रही हैं और 2017-18 तक 21·0 हजार दुग्ध सहकारी समितियाँ गठित की जा चुकी थीं. चालू सहकारी समितियों की संख्या 2016-17 के 14·8 हजार से 2·8 प्रतिशत बढ़कर 2017-18 में 15·2 हजार हो गई. दूध, दही, घी, लस्सी, पनीर और आइसक्रीम की बिक्री में 2016-17 से 2017-18 के बीच काफी वृद्धि हुई है.
- मुख्यमंत्री कोशी मलबरी योजना के तहत् मलबरी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिहाज से कोशी अंचल के 7 जिलों को चुना गया था. सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, कटिहार और पूर्णिया में मलबरी के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 1975 किसानों को पंपसेट, 2447 किसानों को रेशम कीट पालन उपकरण और 642 किसानों को कीट पालन घर बनाने के लिए सहायता उपलब्ध कराया है. किसानों को उक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने ₹ 1,415·10 लाख खर्च किए. वर्ष 2017-18 में राज्य सरकार ने जीविका को मलबरी परियोजना के लिए ₹ 3,262·31 लाख उपलब्ध कराए.
- उद्योगों के लिए बजटीय प्रावधानों की बात करें, तो यह 2011-12 के ₹ 30·4 करोड़ से बढ़कर ₹ 91·02 करोड़ हो गया जो लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि है. दूसरे, बजट का उपयोग भी हमेशा काफी उच्च स्तर पर रहा है.
- वर्ष 2016 और 2017 के बीच पर्यटकों के आगमन में 13·4 प्रतिशत की वृद्धि हुई. अधिक उत्साह की बात है कि विदेशी पर्यटकों के आने की वृद्धि दर 7·1 प्रतिशत थी.

कौशल विकास

- राष्ट्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता नीति, 2015 ने 2009 की पूर्ववर्ती नीति की जगह ले ली है. इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य कौशल विकास सम्बन्धी चुनौतियों का गति, मानक और टिकाऊपन के लिहाज से काफी हद तक सामना करना है.
- मिशन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मुख्य संस्थागत तंत्रों को दो स्तरों में बाँटा गया है–शीर्ष स्तर पर नीतिगत मार्गदर्शन के लिए शासी परिषद् (गवर्निंग काउंसिल), और मिशन के कार्यकारी स्कंध के रूप में संचालन समिति (स्टीयरिंग कमिटी) और मिशन निदेशालय. मिशन निदेशालय को तीन अन्य संस्थानों का सहयोग प्राप्त होगा– राष्ट्रीय कौशल विकास अभिकरण (एनएसडीए), राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), और प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी). मिशन के सुगम कामकाज के लिए इन तीनों संस्थानों का मिशन निदेशालय के साथ क्षैतिक जुड़ाव होगा.
- कौशल युवा कार्यक्रम राज्य सरकार के सात निश्चयों में से एक 'आर्थिक हल, युवाओं का बल' का हिस्सा है. इस कार्यक्रम का लक्ष्य 15 से 28 वर्ष उम्र वाले सभी आकांक्षियों के लिए लक्षित है. यह उम्र सीमा अनुसूचित जाति/ जनजाति के लिए 33 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 31 वर्ष और निःशक्तता-ग्रस्त व्यक्तियों के लिए 33 वर्ष है.

अधिसंरचना

- पथ परिवहन में 12·9 प्रतिशत और वायुमार्ग में 35·2 प्रतिशत वार्षिक दर से वृद्धि हुई है. हाल के वर्षों में रेलमार्ग के मामले में भी वृद्धि दर दो अंकों में दर्ज की गई है. इसके चलते सकल राजकीय मूल्यवर्धन में परिवहन क्षेत्र का योगदान 2011-12 के 4·6 प्रतिशत से बढ़कर 2017-18 में 6·5 प्रतिशत हो गया.

- पथ क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश गत सात वर्षों के दौरान 16·3 प्रतिशत की दर से बढ़ा है और 2012-13 के ₹ 5,988 करोड़ से 2018-19 के बजट अनुमान में ₹ 17,585 करोड़ पहुँच गया है. इसका अर्थ सड़क क्षेत्र में 7 वर्षों में तिगुनी वृद्धि है. ग्रामीण पथों पर सार्वजनिक निवेश लगभग 30 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है और 2012-13 के ₹ 1,874 करोड़ से 2018-19 में ₹ 9,799 करोड़ पहुँच गया है. यह 6 वर्षों में लगभग पाँच गुनी वृद्धि है.
- वर्ष 2004-05 से 2016-17 के बीच देश में बिहार का राष्ट्रीय और राज्य उच्चपथों के निर्माण के मामले में छठा और अन्य सड़कों के मामले में पाँचवाँ स्थान था. बिहार प्रति 100 वर्ग किमी क्षेत्रफल पर सड़कों की लम्बाई के मामले में केरल और पश्चिम बंगाल के बाद तीसरे स्थान पर था. सितम्बर 2018 में बिहार में कुल 4,917 किमी राष्ट्रीय उच्चपथ, 4,006 किमी राज्य उच्चपथ, 12,356·85 किमी मुख्य जिला पथ और 1,29,473 किमी ग्रामीण पथ थे.
- बिहार राज्य पुल निर्माण निगम ने 2013-14 से 2017-18 तक के पाँच वर्षों के दौरान ₹ 6,545 करोड़ के व्यय से कुल 661 पुलों का निर्माण किया है. निगम ने अपनी वित्तीय स्थिति का कुशल प्रबंधन किया है और उसे लगातार मुनाफा हुआ है.
- निबन्धित वाहनों की वृद्धि के शीर्ष वाहक ट्रक (20·8 प्रतिशत), दोपहिया (19·8 प्रतिशत), कार (19·0 प्रतिशत) और ट्रेलर (17·5 प्रतिशत) थे. निबन्धित मोटरवाहनों की संख्या 17·6 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी है. परिवहन विभाग का राजस्व 2011-12 के ₹ 558 करोड़ से बढ़कर 2017-18 में ₹ 1,625 करोड़ हो गया है. बिहार राज्य पथ परिवहन निगम का राजस्व संग्रहण उल्लेखनीय तेजी से बढ़ रहा है और 2017-18 में इसने ₹ 124·8 करोड़ संग्रहित किए हैं जो गत वर्ष संग्रहित ₹ 61·4 करोड़ के दूने से भी अधिक है.
- वर्ष 2014 से रेलवे ने बिहार में 151 किमी नई लाइनों का निर्माण 108 किमी ट्रैक का दुहरीकरण, 163 किमी की बड़ी लाइन में गॉज परिवर्तन, 478 किमी रेलमार्ग का विद्युतीकरण और 15 रेल उपरिपुलों का निर्माण किया है. राज्य के यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 36 जोड़ी नई रेलगाड़ियाँ चलाई गई हैं और विभिन्न स्थानों पर 81 जोड़ी रेलगाड़ियों के नई जगहों पर रुकने का प्रावधान किया गया है. बिहार में वायु-यात्रा करने वाले लोगों की संख्या में 2017-18 में गत वर्ष की अपेक्षा 50 प्रतिशत से भी अधिक वृद्धि हुई. दरभंगा को उड़ान-2 के तहत् शामिल किया गया है और वांछित निर्माण कार्य 2019 के मध्य तक पूरा हो जाने की आशा है.
- भवन निर्माण विभाग का व्यय 2008-09 में ₹ 218 करोड़ था जो 2016-17 में बढ़कर ₹ 1,771 करोड़ हो गया. वर्ष 2018-19 के लिए बजट अनुमान और भी अधिक ₹ 3,960 करोड़ है जिसमें पूँजीगत का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा व्यय है.
- वृहद्, मध्यम और लघु सिंचाई में सार्वजनिक निवेश विगत वर्षों के दौरान बढ़ता गया है. गौरतलब है कि 2012-13 से सिंचाई पर पूँजीगत व्यय राजस्व व्यय की तुलना में अधिक रहा है. राज्य में चरम सिंचाई क्षमता 117·54 लाख हेक्टेयर अनुमानित है जिसमें से सृजित क्षमता 71·03 लाख हेक्टेयर और प्रयुक्त क्षमता 60·79 लाख हेक्टेयर थी.
- 44 कनेक्शन प्रति 100 व्यक्ति के साथ ग्रामीण दूरभाष घनत्व के मामले में बिहार का देश के प्रमुख राज्यों के बीच नीचे से दूसरा स्थान है. वहीं, शहरी दूरभाष घनत्व के मामले में बिहार का केरल के बाद ऊपर से दूसरा स्थान है. डाक विभाग ने पटना मुख्य डाकघर, भागलपुर जिला मुख्यालय और दरभंगा पीटीसी को विभागीय विरासत भवन घोषित किया है. विभाग द्वारा देश के विभिन्न भागों में 13 परिक्षेत्रों में 34 डाक औषधालय चलाए जा रहे हैं. बिहार परिक्षेत्र भी उनमें से एक है जिसमें छपरा, दरभंगा, गया और मुजफ्फरपुर को डाक औषधालयों के लिए चुना गया है.
- वर्ष 2011-12 से 2016-17 तक संचार क्षेत्र का 10·7 प्रतिशत की वार्षिक दर से विकास हुआ था. वर्ष 2017-18 में इसका विकास 16·6 प्रतिशत की और भी तेज दर के साथ हुआ. ई-गवर्नेंस कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए राज्य आँकड़ा केन्द्रों (एसडीसी), राज्यव्यापी क्षेत्र नेटवर्क (स्वान), सामान्य सेवा केन्द्रों (सीएससी) और मिडलवेयर गेटवेज के जरिए सूचना प्रौद्योगिकी की अधिसंरचना का विकास किया जा रहा है. इन गेटवेज में राज्य ई-गवर्नेंस सेवा प्रदान गेटवे (एसएसडीजी), राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा प्रदान गेटवे (एनएसडीजी) और मोबाइल ई-गवर्नेंस सेवा प्रदान गेटवे (एमएसडीजी) शामिल हैं.

ऊर्जा क्षेत्र

- बिहार में बिजली की उपलब्धता 2011-12 के 1712 मेगावाट से 2017-18 में 4,535 मेगावाट हो गई है; अर्थात् पिछले 6 वर्षों में बिजली की उपलब्धता लगभग 165 प्रतिशत बढ़ी है. सितम्बर 2018 में चरम माँग 5,139 मेगावाट की नई ऊँचाई तक पहुँच गई. वर्ष 2012-13 तक लगभग 30 प्रतिशत की सर्वोच्च कमी (पीक डेफिसिट) रहती थी. वर्ष 2017-18 तक यह कमी घटकर लगभग 9 प्रतिशत रह गई. बिजली की औसत उपलब्धता ग्रामीण क्षेत्रों में 6-8 घंटे से बढ़कर 18-20 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 10-12 घंटे से बढ़कर 22-24 घंटे हो जाने के कारण राज्य में बिजली की प्रति व्यक्ति खपत 2011-12 के 134 किलोवाट आवर से बढ़कर 2016-17 में 280 किलोवाट आवर हो गई. यह छः वर्षों में लगभग 100 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्शाती है.
- बढ़ी हुई माँग को पूरी करने के लिए राज्य सरकार 2020-21 तक विभिन्न स्रोतों से 2,522 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता चरणबद्ध ढंग से बढ़ाने की योजना पहले ही बना चुकी है. ये स्रोत हैं—अपने उत्पादन केन्द्र, केन्द्रीय उत्पादन केन्द्र, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत और प्रतिस्पर्धी बोलियों के जरिए दीर्घकालिक/मध्यकालिक खरीद समझौते (पीपीए).
- बिहार में बिजली का उत्पादन और खरीद (केन्द्रीय वितरण जनित ह्रास को छोड़कर) 2013-14 के 1,400·2 करोड़ यूनिट से बढ़कर 2017-18 में 2,555·9 करोड़ यूनिट हो गई. बिजली की बिक्री बढ़ने के साथ राजस्व संग्रहण भी बढ़ा है. वर्ष 2016-17 में लागत वसूली 90 प्रतिशत से अधिक थी.
- संचरण नेटवर्क के जरिए विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को विद्युत् की आपूर्ति होती है. इसमें उच्च विभव वाली बिजली को निम्न विभव वाली में बदलने का काम भी शामिल होता है. बिहार में संचरण व्यवस्था में लगभग 15,707 सर्किट किमी अति उच्च विभव वाली (ईएचवी) संचरण लाइनें तथा 220/132 केवी स्तर पर कुल 7,710 एमवीए और 132/33 केवी स्तर के 12,680 एमवीए रूपांतरण क्षमता वाले 142 ग्रिड उप-केन्द्र हैं. वर्ष 2018-19 में यह क्षमता बढ़कर 16,000 सर्किट किमी संचरण लाइन तथा 220/132 केवी स्तर पर 9,790 एमवीए और 132/133 केवी स्तर पर 14,220 एमवीए रूपांतरण क्षमता वाले 150 ग्रिड उप-केन्द्र हो जाना अनुमानित है. चरम माँग की पूर्ति 2014-15 में 2,831 मेगावाट थी जो चार वर्षों में 81 प्रतिशत बढ़कर सितम्बर 2018 में 5,139 मेगावाट हो गई.
- मार्च 2018 तक राज्य में कुल विद्युत् उत्पादन क्षमता 3,889 मेगावाट थी. इसमें से 81·9 प्रतिशत कोयला आधारित ताप-विद्युत से, 12·3 प्रतिशत जलविद्युत से और शेष 5·8 प्रतिशत नवीकरणीय स्रोतों से उपलब्ध थी. स्वामित्व के लिहाज से देखें तो सर्वाधिक 79·1 प्रतिशत हिस्सा केन्द्रीय क्षेत्र का था.
- राज्य में अभी 13 लघु जलविद्युत परियोजनाएं चालू हैं जिनकी कुल स्थापित क्षमता 54·3 मेगावाट है. राज्य में 11 और योजनाओं का कार्य प्रगति पर है.

ग्रामीण विकास

- बिहार के लिए बहुआयामी गरीबी सूचकांक 0·246 है और गरीब आबादी का अनुपात 52·2 प्रतिशत और अत्यंत गरीब आबादी का अनुपात 22·1 प्रतिशत है. सर्वाधिक बहुआयामी गरीबी अनुपात वाले तीन जिले अररिया (0·346), मधेपुरा (0·337) तथा किशनगंज (0·325) हैं. ये तीनों जिले उत्तर बिहार के हैं. दूसरी ओर, सबसे कम बहुआयामी गरीबी अनुपात वाले तीन जिले पटना (0·125), भोजपुर 0·171 और

सीवान (0·172) हैं. सीवान के अलावा बाकी दोनों जिले दक्षिण बिहार के हैं.

- पिछले एक दशक में सितम्बर 2018 तक कम-से-कम 8·17 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है. असुरक्षित स्थिति में कमी के लिए अभी 22·4 हजार ग्राम संगठन खाद्य सुरक्षा कोष का प्रबंधन कर रहे हैं और 30·3 हजार ग्राम संगठन स्वास्थ्य सुरक्षा कोष का भी प्रबंधन कर रहे हैं. जीविका ने राज्य में खुले में शौच में कमी लाने में भी काफी योगदान किया है.
- वर्ष 2017-18 तक बिहार में कुल 147·5 लाख जॉब कार्ड जारी किए गए थे. प्रति वर्ष सृजित कुल रोजगार सभी वर्षों के दौरान 800 लाख व्यक्ति/दिवस के आसपास रहा है. इस रोजगार कार्यक्रम का खास सकारात्मक पक्ष यह है कि कुल रोजगार में महिला श्रमिकों का हिस्सा साल-दर-साल बढ़ता गया है. इस कार्यक्रम के तहत् धनराशि के उपयोग का परिमाण बढ़ता गया है जो वर्ष 2017-18 में यह 92·1 प्रतिशत पहुँच गया.
- ग्रामीण क्षेत्रों के चिह्नित गृहविहीन गरीबों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए नवम्बर 2016 में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाइ-जी) का आरम्भ किया गया था. इस योजना के तहत् 2016-17 में कुल 6·89 लाख मकानों का निर्माण कार्य पूरा हुआ जो पिछले वर्षों में इंदिरा आवास योजना के तहत् स्वीकृत हुए थे. यह आँकड़ा 2016-17 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 6·37 लाख मकानों के लक्ष्य से अधिक था.
- 1·15 करोड़ परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराने का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है. अभी तक 3,954 ग्राम पंचायत, 21,237 गाँव, 151 प्रखंड और 5 जिले (सीतामढ़ी, शेखपुरा, रोहतास, मुंगेर और बेगूसराय) खुले में शौच से मुक्त भी घोषित किए जा चुके हैं.
- राज्य में जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों द्वारा खाद्यान्नों का वास्तविक उठाव 2014-15 से 2017-18 तक के सभी वर्षों में आवंटन के 95 प्रतिशत से अधिक रहा है. वर्ष 2017-18 में खाद्यान्नों का उठाव आवंटन का 97·6 प्रतिशत था.
- जहाँ तक पंचायती राज संस्थाओं की बात है, तो 2014-15 में इन्हें कुल ₹ 2,535·32 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ था जो लगातार बढ़ते हुए 2016-17 में ₹ 6,449·07 करोड़ तक पहुँच गया. इसका अर्थ सिर्फ 3 वर्षों में 154 प्रतिशत की वृद्धि है.
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के मद्देनजर बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (बीएसपीसीबी) द्वारा पटना, गया और मुजफ्फरपुर के लिए स्वच्छ वायु कार्य-योजनाएं तैयार की जा रही हैं.

नगर विकास

- देश की कुल आबादी में बिहार का हिस्सा 8·6 प्रतिशत है, लेकिन कुल शहरी आबादी में इसका 3·1 प्रतिशत ही हिस्सा है. बिहार में शहरीकरण का 'स्तर' तो निम्न है ही, यहाँ शहरीकरण की 'गति' भी धीमी दर्ज हुई है. वर्ष 1961 से 2011 के बीच आधी सदी में बिहार में शहरीकरण का स्तर मात्र 3·9 प्रतिशत बढ़ा है और 1961 से 7·4 प्रतिशत से 2011 में 11·3 प्रतिशत हुआ है.
- बिहार के 199 में से 26 शहर ही कम-से-कम की 1 लाख की आबादी वाले हैं जहाँ द्वितीयक और तृतीयक गतिविधियों के विकास की आशा की जा सकती है. राज्य की नगर प्रणाली में राजधानी पटना ने अपनी प्रमुखता बनाए रखी है क्योंकि राज्य की कुल शहरी आबादी में अकेले 14 प्रतिशत हिस्सा पटना का है और उसके बाद 4 प्रतिशत गया का.
- वर्ष 2016–17 में नगर विकास एवं आवास पर राज्य सरकार का कुल व्यय ₹ 6,420 करोड़ था जो 2010-11 में मात्र ₹ 1,290 करोड़ था. इसका अर्थ 20·5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर होता है.
- इस योजना के तहत् बिहार में चार शहरों को चुना गया है–पटना, भागलपुर, बिहार-शरीफ और मुजफ्फरपुर. चूँकि भागलपुर का चुनाव पहले चरण में ही हो गया था इसलिए भागलपुर के लिए ₹ 286 करोड़ कर्णांकित किए गए हैं.
- केन्द्र सरकार की 2014 में शुरू की गई फ्लैगशिप योजना स्वच्छ भारत मिशन के तहत् बिहार ने शहरी क्षेत्रों में 7·5 लाख शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य तय किया है. चार वर्षों के लिए इसका अनुमानित व्यय ₹ 759·60 करोड़ है. अभी तक 142 में से 99 शहरी केन्द्र और कुल 3,396 में से 3,270 वार्ड खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित हो चुके हैं.
- राज्य सरकार ने शहरी गरीब हेतु आवास योजना के अनुसार 48 शहरों में 50 शय्याओं वाले 48 नए आश्रयों के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की थी. नए निर्माण के अलावा 66 मौजूदा आश्रयों की साज-सज्जा और संचालन एवं रख-रखाव का काम भी इस योजना के तहत् हाथ में लिया गया है.
- पटना मेट्रो रेल परियोजना के क्रियान्वयन में विशेष प्रयोजन माध्यम मॉडल में ₹ 13,412 करोड़ व्यय होगा. इसके पहले चरण में कुल 16·94 किमी लम्बे पूर्व-पश्चिम मेट्रो कॉरीडोर (दानापुर से बेली रोड और रेलवे स्टेशन होते हुए मीठापुर तक) के निर्माण का प्रस्ताव है.

बैंकिंग और सहवर्ती क्षेत्र

- मार्च 2018 में बिहार में स्थित व्यावसायिक बैंकों की कुल 6,906 शाखाएँ थीं. वर्ष 2017-18 में बैंकों की 62 नई शाखाएँ खुलीं. शाखाओं का वितरण दर्शाता है कि 50·8 प्रतिशत शाखाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में, 28·7 प्रतिशत अर्ध-शहरी क्षेत्रों में और 20·5 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में हैं.
- बिहार में 2017-18 में कुल जमा राशि में गत वर्ष की अपेक्षा 7·2 प्रतिशत (₹ 21,242 करोड़) की सामान्य वृद्धि हुई. इसके साथ-साथ, 2017-18 में ऋण में ₹ 10,636 करोड़ की वृद्धि हुई है जो 11·7 प्रतिशत की अपेक्षाकृत उच्च वृद्धि दर्शाती है. वर्ष के दौरान सम्बन्धित राष्ट्रीय औसत के आँकड़े जमा के मामले में 6·8 प्रतिशत और ऋण के मामले में 9·5 प्रतिशत हैं.
- बिहार में सर्वाधिक ऋण-जमा अनुपात सहकारी बैंकों का (86·9 प्रतिशत) था और उसके बाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का (52·3 प्रतिशत) तथा अनुसूचित व्यावसायिक बैंकों का (38·8 प्रतिशत). कुल जमा में उनके हिस्से इस प्रकार थे–क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 9·9 प्रतिशत, सहकारी बैंक 0·9 प्रतिशत और अनुसूचित व्यावसायिक बैंक 89·2 प्रतिशत. वहीं, कुल ऋण में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का 12·8 प्रतिशत, सहकारी बैंकों का 2·0 प्रतिशत और अनुसूचित व्यावसायिक बैंकों का 85·2 प्रतिशत हिस्सा था.
- ऋण-जमा अनुपात के मामले में जिलों के बीच काफी अन्तर है. यह भोजपुर के लिए मात्र 28·5 प्रतिशत है तो पूर्णिया के लिए 71·6 प्रतिशत. राज्य के 38 में से कम-से-कम 3 जिलों (भोजपुर, सारण और सीवान) में यह अनुपात 30 प्रतिशत से कम था. वहीं, बेहतर प्रदर्शन करने वाले (50 प्रतिशत से अधिक ऋण-जमा अनुपात वाले) जिले शिवहर, बेगूसराय, पश्चिम चंपारण, खगड़िया, सुपौल, पूर्णिया, किशनगंज और अररिया थे.
- सितम्बर 2018 में अग्रणी (लीड) बैंकों के बीच केनारा बैंक का ऋण-जमा अनुपात सर्वाधिक 48·7 प्रतिशत था और उसके तत्काल बाद यूको बैंक (46·0 प्रतिशत) और बैंक ऑफ बड़ौदा (40·3 प्रतिशत) का. अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों में सर्वाधिक ऋण-जमा अनुपात विजया बैंक का (71·2 प्रतिशत) था और उसके बाद बैंक ऑफ महाराष्ट्र (62·5 प्रतिशत) और कॉरपोरेशन बैंक (60·2 प्रतिशत) का.
- बिहार में कुल बकाया ऋणों में अनिष्पादित परिसंपत्तियों का हिस्सा 2015-16 में 10·3 प्रतिशत था जो 2016-17 में काफी सुधरकर मात्र 4·5 प्रतिशत रह गया था.
- बिहार में 2017-18 के अंत तक 5·95 लाख बैंक-संपर्कित स्वयं सहायता समूह थे जो देश के कुल बैंक-संपर्कित स्वयं सहायता समूहों के लगभग 6·8 प्रतिशत ठहरते हैं. वर्ष 2017-18 में बिहार का हिस्सा 5·1 प्रतिशत ही था और यह हिस्सा विगत वर्षों में बढ़ता गया है. मार्च 2018 तक ग्रामीण बिहार के 75·35 लाख परिवार बैंक-संपर्कित स्वयं सहायता समूहों के साथ जुड़े थे जिनकी संख्या एक वर्ष पूर्व 57·33 लाख ही थी जो एक वर्ष में 35 प्रतिशत वृद्धि दर्शाती है. बिहार में इन स्वयं सहायता समूहों की कुल बचत ₹ 983·8 करोड़ थी और 2017-18 में इन

स्वयं सहायता समूहों को कुल ₹ 2,343·61 करोड़ का बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया था. वर्ष 2017-18 में बैंकों द्वारा स्वयं सहायता समूहों के बीच वितरित कुल ऋण राशि ₹ 2,343·61 करोड़ थी जो गत वर्ष वितरित ₹ 1,323·06 करोड़ से काफी अधिक थी. अनुत्पादक परिसम्पत्तियाँ 2016-17 में कुल बकाया ऋणराशि का 13·1 प्रतिशत थीं जो 2017-18 में 7·6 प्रतिशत रह गई. यह ऋण अदायगी में सुधार के व्यवहार को दर्शाती है.

मानव विकास

- वर्ष 2011-12 से 2017-18 के बीच बिहार में प्रति व्यक्ति विकास व्यय 15·8 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है जबकि पूरे देश के लिए इसकी वृद्धि दर 13·7 प्रतिशत ही रही है. इस अवधि में बिहार में शिक्षा पर व्यय ₹ 10,214 करोड़ से 14·4 प्रतिशत बढ़कर ₹ 26,394 करोड़ पहुँच गया जो सम्पूर्ण भारत के 12·5 प्रतिशत औसत से अधिक है. इसी प्रकार, इन सात वर्षों में बिहार में स्वास्थ्य पर व्यय की वार्षिक वृद्धि दर 22 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रही है.
- हाल के वर्षों में राज्य ने स्वास्थ्य सम्बन्धी परिणामों में प्रचुर प्रगति की है. वर्ष 2012-16 की अवधि में राज्य के लिए जन्मकालीन जीवन संभाव्यता 2006-10 के 65·8 वर्ष से बढ़कर 68·7 वर्ष हो गई जो 6 वर्षों के दौरान 2·9 वर्षों की वृद्धि दर्शाती है. हाल के वर्षों में संस्थागत प्रसवों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से बढी है जो 2011-12 के 14·07 लाख से 16·3 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए 2017-18 में 16·37 लाख हो गई.
- 12 से 23 माह की उम्र में पूर्ण प्रतिरक्षित बच्चों के आच्छादन में राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 3 (32·8 प्रतिशत) और राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 4 (61·7 प्रतिशत) की अवधि के बीच प्रतिरक्षण में 29 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई है. देखा गया कि 2017-18 में बीसीजी और पेंटा का आच्छादन 86 प्रतिशत है. ओपीवी 1, 2 और 3, पेंटावैलेंट और खसरा के मामले में भी उपलब्धि की दर 80 प्रतिशत से अधिक है.
- वर्ष 2017-18 में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत् 8·9 हजार चापाकल लगाए गए और 0·3 हजार छूटे हुए टोलों को शामिल किया गया. वर्ष 2017-18 में कुल 3·43 लाख बने व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों में से 1·2 लाख (36·3 प्रतिशत) गरीबी रेखा से ऊपर वालों के लिए हैं और 2·2 लाख (63·7 प्रतिशत) गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए. धनराशि का उपयोग क्रमशः बढ़ा है और 2011-12 के 82·6 प्रतिशत से 2017-18 में 95·6 प्रतिशत हो गया है.
- गत दशक में राज्य की साक्षरता दर में काफी सुधार हुआ जो 2001 के 47·0 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 61·8 प्रतिशत हो गई. यह एक दशक में 14·8 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्शाती है. गौरतलब है कि यह दशकीय वृद्धि बिहार में 1961 से हुई सारी दशकीय वृद्धि दरों से ही अधिक नहीं है, 2001 से 2011 के दशक में सारे राज्यों के बीच भी सर्वाधिक है. वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक की अवधि में प्रारंभिक कक्षाओं नामांकन 2·3 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा और 2012-13 के 214·87 लाख से बढ़कर 2016-17 में 235·64 लाख हो गया. प्राथमिक स्तर पर छीजन दर में 2021-13 (31·7 प्रतिशत) से 2016-17 (22·2 प्रतिशत) तक 9·5 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई. कुल मिलाकर प्रारंभिक शिक्षा में लैंगिक अंतराल क्रमशः घट रहा है क्योंकि 2012-13 से 2016-17 के बीच लड़कियों के नामांकन की वृद्धि दर 2·3 प्रतिशत थी जबकि लड़कों की 2·2 प्रतिशत.
- मध्यान्ह भोजन योजना (एमडीएमएस) 6 से 14 वर्ष उम्र समूह के बच्चों की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें विद्यालय में टिकाए रखने के लिहाज से प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है. वर्ष 2012-13 में प्राथमिक स्तर पर योजना का आच्छादन 57·7 प्रतिशत था. यह 2017-18 में बढ़कर 62·9 प्रतिशत हो गया जो 5·0 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्शाता है.
- अभी राज्य में 24 विश्वविद्यालय काम कर रहे हैं जिनमें से 22 पारम्परिक विश्वविद्यालय हैं जबकि एक मुक्त विश्वविद्यालय और एक प्राइवेट राजकीय विश्वविद्यालय है. राज्य में 15 शोध संस्थान भी हैं. वर्ष 2017 में राज्य में कुल 277 राजकीय महाविद्यालय और 496 स्थानीय निकाय महाविद्यालय थे. वर्ष 2017 में राज्य में 60 शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान भी थे जिनकी संख्या 2014 में 43 ही थी. वर्ष 2017 में राज्य में 28 अभियंत्रण महाविद्यालय थे जबकि 2014 में इनकी संख्या 24 थी. अभी राज्य में 87 महाविद्यालयों और 7 विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (एनएएसी) की मान्यता प्राप्त है.
- मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजना के तहत् 2017-18 में माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अ.जा. विद्यार्थियों के लिए ₹ 62·73 करोड़ और अ.ज.जा. विद्यार्थियों के लिए ₹ 7·66 करोड़ आवंटित किए गए. उच्च माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अ.जा./ अ.ज.जा. विद्यार्थियों के लिए ₹ 17·09 करोड़ का आवंटन किया गया. अभी राज्य सरकार द्वारा अ.जा. विद्यार्थियों के लिए 65 और अ.ज.जा. विद्यार्थियों के लिए 20 आवासीय विद्यालय चलाए जा रहे हैं.
- आईआईटी मुम्बई के फ्लैगशिप कार्यक्रम सोलस (दीर्घस्थायित्व हेतु स्थानीयकरण आधारित सौर ऊर्जा) पहल के तहत् नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और जीविका द्वारा सोलर स्टडी लैंप वितरित किए गए. यह पहल सबको बिजली कार्यक्रम पर आधारित है. वर्ष 2017-18 में गया, नवादा और भोजपुर जिलों 5·50 लाख सोलर स्टडी लैंप वितरित किए गए. इस योजना के तहत् अभी तक 6·70 लाख से अधिक लैंप वितरित किए जा चुके हैं.
- वर्ष 2017-18 में वृद्ध, विकलांग और निःशक्तजनों के लिए योजनाओं पर कुल व्यय कुल बजट परिव्यय का 85 प्रतिशत था और इन योजनाओं से 2016-17 के 56 लाख की तुलना में 64 लाख लोग लाभान्वित हुए. विभिन्न पेंशन योजनाओं पर व्यय 2016-17 के ₹ 2,797·22 करोड़ से बढ़कर 2017-18 में ₹ 3,692·41 करोड़ हो गया.

बाल विकास

- भारत दुनिया का दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और यहाँ 2011 की जनगणना के अनुसार 0 से 18 वर्ष उम्र वाली आबादी का पूरी आबादी में 39 प्रतिशत हिस्सा है. वहीं बिहार में आबादी का 48 प्रतिशत हिस्सा 0 से 18 वर्ष उम्र समूह का है. भारत में बच्चों की कुल आबादी में बिहार के बच्चों का 11 प्रतिशत हिस्सा है. राज्य में कुल 4·98 करोड़ बच्चे हैं. इनमें से 4·47 करोड़ (89·9 प्रतिशत) बच्चे ग्रामीण क्षेत्रों में और 0·50 करोड़ 10·1 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में रहते हैं.
- बिहार में बच्चों के लिए बजट निर्माण की प्रक्रिया 2013-14 में शुरू हुई. वर्ष 2013-14 से 2017-18 के बीच बच्चों के लिए समग्र आवंटन 21·5 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है. इसी प्रकार, व्यय भी 29·0 प्रतिशत की दर से बढ़ा है जो आवंटन से अधिक है.
- समेकित बाल विकास सेवा केन्द्र सरकार की एक अग्रणी योजना है. अभी यह योजना राज्य के सभी 38 जिलों में 544 परियोजना कार्यालयों के जरिए चल रही है. कुल मिलाकर 1,14,718 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं. वर्ष 2016-17 तक इनमें से 91,677 आंगनबाड़ी केन्द्र चालू थे.
- बिहार में साक्षरता दर लगातार बढ़ती गई है और 2011 की जनगणना में यह 61·8 प्रतिशत थी. हालांकि महिला साक्षरता दर अभी भी 51·5 प्रतिशत है जो पुरुष साक्षरता दर (71·2 प्रतिशत) से काफी पीछे है. प्रशंसा की बात है कि साक्षरता दर में वृद्धि सभी उम्र समूह की महिलाओं में अपेक्षाकृत अधिक है इसलिए साक्षरता दर के मामले में लैंगिक अंतराल विगत वर्षों के दौरान लगातार घटता गया है और 2001 के 26·6 प्रतिशत से घटकर 2011 में 19·7 प्रतिशत रह गया है. वर्ष 2011 में 7 से 18 साल उम्र वाले बच्चों के बीच समग्र साक्षरता दर 79·1 प्रतिशत थी और लड़कों की साक्षरता दर 81·7 प्रतिशत तथा लड़कियों की 76·2 प्रतिशत होने से मात्र 5·5 प्रतिशत अंकों का लैंगिक अंतराल दिखा.

●●●

उत्तर प्रदेश

Just Released

गत वर्ष के प्रश्न-पत्र
हल सहित

शिक्षक पात्रता परीक्षा UPTET

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

Code 2667 ₹ 420.00

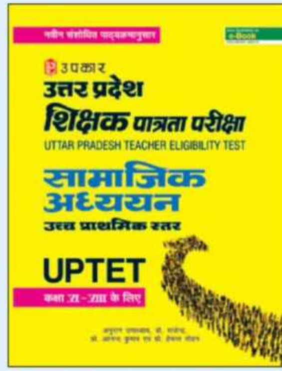

Code 2665 ₹ 450.00

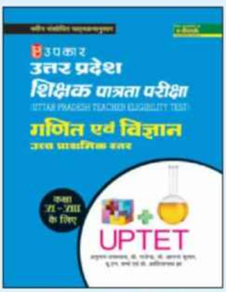

Code 2666 ₹ 475.00

Code 2246 ₹ 115.00

Code 2604 ₹ 90.00

Code 2605 ₹ 70.00

Code 2161 ₹ 170.00

प्रैक्टिस सैट

Code 2663 ₹ 190.00

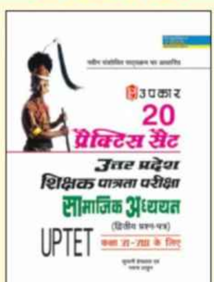

Code 2655 ₹ 195.00

Code 2656 ₹ 195.00

उपकार प्रकाशन 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 4053333, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203908088

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''लक्ष्य के प्रति ध्रुव निष्ठा, गहन अध्ययन एवं उसका सूक्ष्म विश्लेषण तथा प्रयासों में निरन्तर सुधार.''

– आनन्द मोहन गुप्ता

बिहार सिविल सेवा परीक्षा, 60-62वीं में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर चयनित (16वाँ स्थान).

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित बिहार पुलिस सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री आनन्द मोहन गुप्ता ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह सभी प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

...... प्रतियोगिता दर्पण प्रासंगिक सामग्री सरलता से उपलब्ध कराती है, भटकाव से बचाती है तथा सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है. इसकी सामग्री, प्रतियोगिता परीक्षाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप, विश्वसनीय एवं सारगर्भित होती है. इसके अतिरिक्तांक अभ्यर्थियों के लिए प्रकाशपुंज हैं तथा कम प्रयास में अधिक लाभ पहुँचाते हैं.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री आनन्द मोहन–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद !

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री आनन्द मोहन–2014 में मैं सचिवालय सहायक के रूप में पटना में स्थापित हुआ. सचिवालय सहायक के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों के साथ कार्य करने के दौरान मुझे सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की संभावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्री आनन्द मोहन–सचिवालय सहायक के रूप में कार्य के दौरान मैंने सिविल सेवाओं को कॅरियर के रूप में अपनाने का फैसला किया.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या आप पिछले वर्षों के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करते हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

श्री आनन्द मोहन–मैं समझता था कि टॉपर्स अद्‌भुत प्रतिभा के धनी होते हैं, लेकिन अब मैं निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि कोई भी व्यक्ति कठिन परिश्रम, उचित रणनीति एवं सही मार्गदर्शन के बल पर टॉपर्स की श्रेणी में आ सकता है, पूर्व परीक्षाओं के टॉपर्स के साक्षात्कार से हमें प्रेरणा मिलती है. इन टॉपर्स में से ईरा सिंघल ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यह ही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री आनन्द मोहन–मैं वर्तमान में सचिवालय सहायक के रूप में कार्यरत् हूँ. अतः, मेरा एकमात्र लक्ष्य सिविल सेवा ही था.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री आनन्द मोहन–मैं अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर की कृपा, विजय सर, मो. नासिर आलम सर एवं निर्णायक मौके पर समीर सर का मार्गदर्शन, माता-पिता का आशीर्वाद, भाई-बहन का स्नेह एवं प्रोत्साहन तथा सकारात्मक सहयोग देने वाले शुभचिन्तकों को देता हूँ.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

श्री आनन्द मोहन–रेलवे एवं एस.एस.सी. की तैयारी मैं कर चुका था. इसलिए इस परीक्षा में बैठने के निर्णय के पश्चात् सर्वप्रथम मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय का चयन कर उसकी तैयारी प्रारम्भ की. तैयारी हेतु मैंने विजय सर, मो. नासिर आलम सर एवं समीर सर से मार्गदर्शन प्राप्त किया.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री आनन्द मोहन–सफलता के प्रति मैं आश्वस्त था, क्योंकि मेरा मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार काफी अच्छा गया था, लेकिन सेवाओं में मुझे पहली प्राथमिकता मिलेगी, इसका विश्वास नहीं था. परिणाम देखकर लगा कि मुझे मेरा लक्ष्य प्राप्त हो गया.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी ?

श्री आनन्द मोहन–(i) बिहार पुलिस सेवा, (ii) बिहार प्रशासनिक सेवा, (iii) जिला उपसमादेष्टा, (iv) सहायक निबन्धक, (v) ग्रामीण विकास पदाधिकारी.

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री आनन्द मोहन–मैं स्नातक के बाद से ही सरकारी सेवा में कार्यरत् हूँ. सरकारी सेवा के दौरान सिविल सेवाओं की गरिमा, प्रतिष्ठा एवं विस्तृत कार्यक्षेत्र को देखकर मैं इस क्षेत्र में जाने के लिए गम्भीरता से लगा रहा.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री आनन्द मोहन–यह मेरा तीसरा प्रयास था. प्रथम एवं द्वितीय प्रयास में मैं मुख्य परीक्षा में असफल रहा, परन्तु असफलता के कारणों का विश्लेषण कर उन क्षेत्रों में अधिक मेहनत कर मैं अन्तिम रूप से सफल हुआ.

प्र. द.–समय प्रबन्धन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय, समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्री आनन्द मोहन–मैं वर्तमान में सचिवालय सहायक के रूप में कार्यरत् हूँ. अतः नौकरी के साथ तैयारी करने के लिए समय-प्रबन्धन काफी महत्वपूर्ण है. मैं प्रतिदिन सुबह एवं शाम में 3-4 घण्टे गहन अध्ययन करता था तथा दो दिनों के साप्ताहिक अवकाश के दिन मुख्य परीक्षा के लिए सम्भावित प्रश्नों को समय-सीमा के भीतर परीक्षा का माहौल बनाकर लिखने का प्रयास किया. इसका फायदा मुझे मुख्य परीक्षा के दौरान मिला.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

श्री आनन्द मोहन–मुख्य परीक्षा में मेरा ऐच्छिक विषय मानव विज्ञान था. मानव विज्ञान के चयन का आधार मेरी रुचि, संक्षिप्त पाठ्यक्रम एवं मार्गदर्शन की उपलब्धता थी. साथ ही यह विषय काफी स्कोरिंग भी है.

प्र. द.–आपके सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय ये ही रहे या कोई बदलाव रहा ?

श्री आनन्द मोहन–48–52वीं में लोक प्रशासन तथा श्रम एवं समाज कल्याण, 56–59वीं में मानव विज्ञान तथा श्रम एवं समाज कल्याण, 60–62वीं में मानव विज्ञान.

प्र. द.–आपने प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएँ बनाईं ?

श्री आनन्द मोहन–प्रारम्भिक परीक्षा के लिए तथ्यात्मक एवं विस्तृत अध्ययन किया तथा बिहार एवं समसामयिकी से सम्बन्धित प्रश्नों पर विशेष जोर दिया. मुख्य परीक्षा के लिए चयनित अध्ययन किया तथा सम्भावित प्रश्नों को समय सीमा के भीतर लिखने का प्रयास किया. साक्षात्कार के लिए मॉक (छद्म) इन्टरव्यू में भाग लिया. तीनों चरणों में ग्रुप डिस्कशन का काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार की तैयारी की ? आपने किस विषय पर निबन्ध लिखा एवं उस विषय को ही चुनने का क्या कारण था ?

श्री आनन्द मोहन–बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में निबन्ध का प्रश्न-पत्र नहीं है.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन एवं ऐच्छिक विषय में किस प्रकार सन्तुलन बनाया ?

श्री आनन्द मोहन–बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक परीक्षा में ऐच्छिक विषय नहीं है.

प्र. द.–निगेटिव मार्किंग का ध्यान रखते हुए क्या सावधानी एवं रणनीति की जरूरत है ?

श्री आनन्द मोहन–बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं है.

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थे ?

श्री आनन्द मोहन–साक्षात्कार के लिए मैंने माइन्डस टुगेदर, अभियान–40 तथा समीर सर से मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा अपने मित्रों के साथ छद्म साक्षात्कार दिए एवं ग्रुप डिस्कशन किया. मेरा साक्षात्कार 28 दिसम्बर, 2018 को श्री शक्ति सावंत सर के बोर्ड में था. साक्षात्कार बोर्ड में दो महिला सदस्य सहित कुल 4 सदस्य थे. साक्षात्कार के दौरान पूछे गए कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न निम्नलिखित है–

(i) स्नातक के बाद अब तक क्या कर रहे थे ?

(ii) सेन्ट्रल एक्साइज, मुम्बई में इंस्पेक्टर के रूप में कार्य करने के दौरान समस्याएँ.

(iii) मुम्बई शहर की समस्याएँ. मुम्बई एवं न्यूयॉर्क शहर की समस्याओं की तुलना.

(iv) क्या नक्सलवाद से विशेष जाति या जनजाति जुड़े हैं ? नक्सलवाद को दूर करने के लिए आपके सुझाव.

(v) गोंड जनजाति के प्रमुख आर्थिक क्रियाकलाप, इत्यादि.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री आनन्द मोहन–स्नातक के दौरान सिविल सेवाओं की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए. इसी दौरान ऐच्छिक विषय का चयन कर मुख्य परीक्षा की तैयारी प्रारम्भ कर देनी चाहिए. इस परीक्षा की तैयारी पूर्ण करने में 18 महीने पर्याप्त हैं.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

श्री आनन्द मोहन–ऐसा माना जाता है कि विज्ञान विषयों में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं, परन्तु वर्तमान में मानविकी विषयों से सफल होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या सर्वाधिक है.

व्यक्ति परिचय

नाम–*आनन्द मोहन गुप्ता*

पिता का नाम–*श्री राधेश्याम साह*

माता का नाम–*श्रीमती उर्मिला देवी*

जन्मतिथि–*2-3-1986*

शैक्षिक योग्यता–

हाईस्कूल–*2000–01 बी.एस.ई.बी., पटना, रा. महात्मा गांधी उच्च विद्यालय, बेगूसराय, (बिहार) 69·71%*

इण्टरमीडिएट–*2001–03 बी.आई.ई.सी., पटना, एस.एस.जी.डी. कॉलेज, दहिया रसलपुर, बेगूसराय, 60·33%*

बी.ए.–*2003–06 तिलकमांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बी.एन.एम. कॉलेज बडहिया, लखीसराय, 62·25%*

एम.ए.–*2015–17 नालंदा खुला विश्वविद्यालय, 57·69%*

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री आनन्द मोहन–बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में माध्यम से कोई फर्क नहीं पड़ता है. जिस भाषा में आप अपने विचारों को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त कर सकते हैं, परीक्षा के लिए वही भाषा सर्वश्रेष्ठ है. बी.पी.एस.सी. की परीक्षा के लिए हिन्दी माध्यम में पाठ्य-पुस्तकों एवं अन्य अध्ययन सामग्री की कमी नहीं है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है ? यदि, हाँ तो कैसे ?

श्री आनन्द मोहन–पारिवारिक पृष्ठभूमि का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता ही है, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है व्यक्ति विशेष का दृढ़-निश्चय और आत्मविश्वास. इनके बल पर सामान्य परिवेश वाले व्यक्ति भी सफलता के शिखर तक पहुँचे हैं.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री आनन्द मोहन–(i) मार्गदर्शन.

(ii) परीक्षा के बदलते पैटर्न के अनुरूप अध्ययन सामग्री.

(iii) त्रुटिहीन तथ्य एवं उचित विश्लेषण.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितने करीब पाते हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगे ?

श्री आनन्द मोहन–प्रतियोगिता दर्पण इस मामले में सर्वश्रेष्ठ पत्रिका है. यही

शेष पृष्ठ 66 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''लक्ष्य के प्रति अचल निष्ठा, उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान का चयन एवं सतत गहन अध्ययन.''

– अंकित रस्तोगी

उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा, 2018 में चयनित (124वाँ स्थान : हिन्दी माध्यम में प्रथम स्थान).

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित न्यायिक सेवा परीक्षा, 2018 में चयनित होकर श्री अंकित रस्तोगी ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

...... प्रतियोगिता दर्पण, प्रतियोगिता सम्बन्धी असीम ज्ञान प्रदान करने वाली अद्वितीय पत्रिका है और इस समय इसका विकल्प असंभव है. यह सभी सफलताओं की नींव है तथा समसामयिक तथ्यों की समग्र जानकारी हेतु अपरिहार्य है. सभी सम्बन्धित विषयों पर प्रभावपूर्ण सामग्री उपलब्ध कराकर यह अभ्यर्थियों में नूतन ऊर्जा का संचार करती है.

प्र. द.–न्यायिक सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री अंकित–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद !

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री अंकित–यह मेरा प्रथम प्रयास था, जिसमें मैंने 124th रैंक के साथ हिन्दी माध्यम में टॉप किया है.

प्र. द.–इस प्रयास में ऐसा क्या रहा जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके ?

श्री अंकित–प्रारम्भ से ही मेरा लक्ष्य प्रथम प्रयास में प्रथम रैंक प्राप्त करने का था, परन्तु शायद ईश्वर को मेरे लिए यही रैंक उपयुक्त लगी. अपनी इस उच्च रैंक के लिए मैंने कठोरतम परिश्रम किया और उसी के फलस्वरूप हिन्दी माध्यम में टॉप करने का गौरव प्राप्त हुआ. यह मेरे लिए बहुत खास है.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री अंकित–जी, मैं बिलकुल अपनी तैयारी और परिणाम से संतुष्ट हूँ और जब आप सच्चे मन से किसी भी कार्य में जुट जाते हैं, तो आशाएं खुद ही बनने लगती हैं. इस सफलता के परिणाम को सुनते ही मैं और मेरे माता-पिता बहुत भावुक हो गए और कुछ क्षणों के लिए लगा कि ईश्वर ने अपना प्रसाद हमें प्रदान कर दिया है.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ?

श्री अंकित–परीक्षा का परिणाम आने के पूर्व से ही मेरी सोच टॉपर्स के प्रति सकारात्मक रही है, इसका कारण यह है कि कक्षा-10वीं एवं 12वीं में अपने जिले का टॉपर रहा हूँ.

प्र. द.–क्या आपने न्यायिक सेवाओं के महत्व को महसूस कर इसे अपने लिए उपयुक्त कॅरियर विकल्प के रूप में देखा ?

श्री अंकित–बचपन से ही पढ़ाई की ओर विशेष रुचि रही है, अपने माता-पिता के संरक्षण में रहकर समाज में आगे बढ़ने की सोच ने बचपन में ही यह दिशा प्रदान की. मूवी में न्यायाधीशों को न्याय देते देखना, पिताजी का कानूनी समस्याओं से परेशान होना एवं आस-पास के परिवेश में न्याय प्राप्त होने में सामने आने वाली जटिलताओं ने मेरा ध्यान इस ओर खींचा. बचपन से ही लोगों को न्याय देने और दिलाने की आकांक्षा रही है और यह मेरे लिए बहुत उपयुक्त है.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

Read Upkar's

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Hindi Medium)

₹ 280·00

CORRECT ENGLISH : HOW TO WRITE IT

(English Medium)

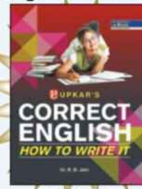

₹ 240·00

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Bangla)

₹ 275·00

By : Dr. B.B. Jain

As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.

Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of ₹100/- on the following address

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

श्री अंकित—2016-17 से मैं इस तैयारी में प्रयासरत् था, परन्तु मैंने कभी सफलता प्राप्ति हेतु कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की थी, इसका कारण यह था कि उ. प्र. न्यायिक सेवा में परीक्षायें प्रति वर्ष नहीं होती हैं एवं परीक्षा की प्रक्रिया को पूरा होने का भी कोई निश्चित समय नहीं है, अतः, स्वयं के लिए समय सीमा तय करना मुझे उचित नहीं लगा, परन्तु मेरा सदैव से ही प्रथम प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण करने का लक्ष्य रहा है.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

श्री अंकित—परीक्षा की तैयारी में आने का मार्गदर्शन माता-पिता से मिला, परन्तु निर्णय मेरा स्वयं का था.

व्यक्ति परिचय

नाम—*अंकित रस्तोगी*
पिता का नाम—*श्री संजीव रस्तोगी*
माता का नाम—*श्रीमती विभा रस्तोगी*
जन्मतिथि—*7 सितम्बर, 1993*
शैक्षिक योग्यता—
हाईस्कूल—*2008, (68·6%) U.P. बोर्ड*
इण्टरमीडिएट—*2010, (75·6%) U.P. बोर्ड*
B.A. LL.B.—*2015, (65·4%) रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी, बरेली*

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है. शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री अंकित—मैंने अपनी तैयारी राहुल्स आई. ए. एस. कोचिंग के हिन्दी माध्यम से की, जहाँ पर मुझे आदरणीय श्री राहुल सर एवं श्री आशुतोष पाठक सर का मार्गदर्शन मिला. कोचिंग के विषय में मुझे जानकारी पहले से ही थी.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

श्री अंकित—मैंने अपनी कोचिंग में निरन्तर प्री एवं मेन्स के टेस्ट देता था. एक सप्ताह में कम से कम 1 प्री एवं 1 मेन्स का टेस्ट पेपर के पैटर्न पर देने से मुझे इतना अभ्यास हो गया था, कि मुझे परीक्षा के दौरान समय-प्रबंधन में कोई कठिनाई नहीं आयी.

प्र. द.—कुछ समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं आदि के बारे में बताएं जिनका उपयोग तैयारी के दौरान किया ?

श्री अंकित—मैंने अपनी तैयारी के दौरान प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका का सतत् अध्ययन किया, जो कि मेरे लिए बहुत ही लाभदायक रहा है. पत्रिका के अध्ययन में अपनी परीक्षा के पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर पढ़ाई की.

प्र. द.—आपकी तैयारी-योजना क्या रही ? अपनी तैयारी यात्रा के बारे में अपने विचार और राय साझा करें.

श्री अंकित—तैयारी के इस क्रम में मैंने प्रारम्भ से ही योजनाबद्ध ढंग से पढ़ाई की, प्रातःकाल उठना, नियमित व्यायाम, योग एवं ईश्वर की आराधना से दिन का प्रारम्भ करना. U.P. के प्रीवियस ईयर पेपर्स के अध्ययन करके मैंने उन्हीं की लगातार तैयारी की एवं प्रोपर नोट्स बनाए एवं समय-समय पर नोट्स में परिवर्तन एवं संशोधन किया. लगातार टेस्ट देना एवं सत्यता के साथ अध्ययन करना मेरी दृष्टि में इस सफलता का सूत्र रहा है.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ? आपका साक्षात्कार कब था तथा आपसे क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ?

श्री अंकित—साक्षात्कार इस तैयारी का मूलमंत्र है, यह आपके ज्ञान का नहीं, परन्तु आपके व्यक्तित्व का परीक्षण है. मैंने अपने मॉक इन्टरव्यू कोचिंग संस्थान में दिए, जोकि मेरे लिए बहुत ही लाभदायक रहे और वहाँ से अच्छे रिमार्क मुझे मिले. साक्षात्कार में पूछे गए कुछ प्रश्न हैं—

- आपने B.A. LL.B. कहाँ से की ?
  कृष्णा कॉलेज ऑफ लॉ, बिजनौर से.
- Code 308 क्या है ?
- Criminal Breach of Trust क्या है ?
- यदि कोई व्यक्ति एक मृत व्यक्ति के शरीर से अँगूठी चुराता है, तो उसने क्या अपराध किया ?
- High Court के जज ने पूछा कि यदि एक ज्यूडिशियल ऑफिसर घर से कोर्ट जाता है, तो इसे क्या-क्या बातें ध्यान में रखनी चाहिए ?
- क्या एक न्यायाधीश को नहा-धोकर एवं दाड़ी बनाकर न्यायालय में जाना चाहिए?

  मैंने हँसते हुए उत्तर दिया, कि सर किसी संहिता या अधिनियम में तो यह वर्णित नहीं है, परन्तु सामान्य व्यवहार के अनुक्रम में प्रत्येक व्यक्ति को दैनिक दिनचर्या का पालन करके ही कोई भी कार्य करना चाहिए.

प्र. द.—न्यायिक सेवाएं—केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री अंकित—उ. प्र. न्यायिक सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण होना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य रहा और मैंने कोई अन्य तैयारी नहीं की.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम से तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री अंकित—तैयारी के क्रम में मेरा अनुभव रहा है, कि माध्यम कोई मायने नहीं रखता है. आपका ज्ञान, विषय पर पकड़, आपकी लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता ही सफलता का मूल कारक है. मैं हिन्दी माध्यम से हूँ मुझे कभी अपने माध्यम को लेकर किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा, परन्तु मैं हमेशा लीगल टर्मनोलॉजी का इंग्लिश में भी अध्ययन करता था.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व	— *जस्टिस डॉ. D. Y. चन्द्रचूड़ जी*
सबल पक्ष	— *अपने निर्णय के प्रति प्रतिबद्धता*
निर्बल पक्ष	— *शायद कुछ नहीं*

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री अंकित—मेरी सफलता का मूलमंत्र निरन्तर अध्ययन, सतत् प्रयास एवं लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहना रहा है.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री अंकित—मैं अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं ईश्वर को देना चाहता हूँ.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण पर विचार व्यक्त कीजिए.

श्री अंकित—प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका में विषय विशेष पर टिप्पणियाँ, करेंट अफेयर्स के भाग में प्रत्येक विषय पर सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारी एवं प्रतिमाह ऑब्जेक्टिव प्रश्नों को हल करना काफी लाभदायक रहता है. यह पत्रिका हर परीक्षा के लिए बहुत ही उपयोगी है.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश भावी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री अंकित—तैयारी के क्रम में Positive रहें, खुद में विश्वास करें, अपने माता-पिता में विश्वास करें, अपने गुरुजनों में विश्वास रखें, विश्वास रखें ईश्वर पर.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं.

श्री अंकित—जी, धन्यवाद.

●●●

फोकस 1

संसाधन दक्षता : वर्तमान स्थिति एवं भविष्य

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

एक आकलन के अनुसार सन् 2050 तक विश्व की जनसंख्या 9·7 अरब के आँकड़े को पार कर जाएगी. आर्थिक विकास की विद्यमान दर पर लगभग 3 अरब लोग सम्पन्न होकर मध्यम वर्ग उपभोग स्तर तक पहुँच जाएंगे. इससे संसाधनों की प्रति व्यक्ति माँग वर्तमान की तुलना में लगभग 71 प्रतिशत अधिक होगी. इसे पूरा करने के लिए खनिजों एवं सामान की माँग सन् 2014 में 50 अरब टन के स्तर से बढ़ कर 2050 तक 130 अरब टन हो जाएगी. खनिजों एवं सामानों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए यदि सारा जोर खनिज पदार्थों सहित अन्य प्राकृतिक संसाधनों के अधिकाधिक विदोहन पर रहता है, तो घरेलू एवं वैश्विक स्तर पर अनेक संसाधन विलुप्तप्राय हो जाएंगे. इस समस्या का समाधान दो प्रकार की रणनीतियों में निहित है–

- प्रथम, प्राकृतिक संसाधनों की माँग के अनुरूप उनका जितना विदोहन किया जाए, उतनी ही उनकी पुनःपूर्ति (Recharging) की जाए अर्थात् विदोहन सम्पोषणीय हो.
- द्वितीय, संसाधनों की दक्षता में वृद्धि की जाए, क्योंकि संसाधन दक्षता चक्राकार अर्थव्यवस्था की अवधारणा के साथ निकटता से जुड़ी हुई है.

ज्ञातव्य है कि चक्राकार अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है, जो 3R सिद्धान्तों– Reduce (कम करो), Reuse (पुनःप्रयुक्त करो) तथा Recycle (पुनःचक्रण) पर आधारित है. कमी करने से तात्पर्य उत्पादन, उपभोग और वितरण की प्रक्रिया के दौरान सृजित होने वाले कचरे–ठोस, अर्द्धठोस एवं द्रव में कमी लाए जाने से है. पुनः प्रयुक्त से तात्पर्य विभिन्न प्रकार के पदार्थों को उस समय तक प्रयुक्त किए जाने से है, जब तक कि वे पूरी तरह से निष्प्रयोज्य न हो जाएं. अन्त में पुनःचक्रण से आशय निष्प्रयोज्य पदार्थों का पुनःचक्रण करके उनसे अन्य पदार्थों का विनिर्माण किए जाने से है.

नीति आयोग की पहल

प्राकृतिक संसाधनों के सतत् एवं तीव्र विदोहन ने अनेक देशों सहित सम्पूर्ण विश्व के समक्ष गम्भीर खतरा पैदा कर दिया है. विश्व के अनेक भागों में विद्यमान भूख एवं कुपोषण (विशेष रूप से अल्पपोषण), ऊर्जा संसाधनों के घटते स्रोत, सम्पोषणीय जीवन-यापन हेतु वांछित महत्वपूर्ण आवश्यकताओं ने वैश्विक स्तर पर नीति निर्माताओं को यह सोचने के लिए बाध्य कर दिया है कि उपभोग एवं उत्पादन का वर्तमान प्रतिरूप किसी भी रूप में सम्पोषणीय नहीं है. अब यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि खोज एवं निकासी से लेकर उपभोग तथा निस्तारण के प्रत्येक स्तर तक संसाधनों के जीवन चक्र का प्रबन्धन दक्ष होना चाहिए, ताकि जीवन की सम्पोषणीयता को सृजित एवं बनाए रखा जा सके.

पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डाल सकने वाली नीतियों एवं व्यावसायिक प्रक्रियाओं को विकसित करके संसाधनों की दक्षता सुनिश्चित करने वाली ऐसी तकनीकें अपनायी जा सकती हैं, जो चक्राकार अर्थव्यवस्था के मॉडलों के साथ समेकित हो सकें.

नीति आयोग ने जनवरी 2019 में 'सर्क्यूलर इकोनॉमी (CE) एण्ड रिसोर्स एफीशिएंसी (RE)–करेंट स्टेटस् एण्ड वे फॉरवर्ड' शीर्षक से एक स्टेटस् पेपर जारी किया था, जिसमें संसाधन दक्षता के लक्ष्यों को पूरा करने में चार फोकस सेक्टरों– इस्पात, एल्यूमीनियम, ई-कचरा और संसाधन दक्षता की स्थिति, सरोकारों एवं अवसरों की समीक्षा की गई है.

नीति आयोग ने संसाधन दक्षता हेतु यूरोपीय संघ के विशेषज्ञों के साथ मिलकर एक अभिनव पहल की है, जो चक्राकार अर्थव्यवस्था को विकसित करने में सहायक होगी और इससे देश के सम्पोषणीय विकास का मार्ग प्रशस्त होगा. इस पहल के प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं–

- विनिर्माण क्षमता विकास
- सांस्थानिक विकास
- सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का साझा करना
- सूचक अनुश्रवण फ्रेमवर्क विकसित करना.
- अनुसन्धान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास
- कचरा-विनिमय प्लेटफार्म.

संसाधन दक्षता हेतु रणनीतियों के क्रियान्वयन के लिए भारत को निवेश, शिक्षा, नवोन्मेष, व्यापार एवं कौशल विकास में ऐसी नीतियों को अपनाना चाहिए, जो संसाधन दक्षता विकास को बढ़ावा दे सकें.

भारत में संसाधन दक्षता को गति प्रदान करने में निम्नलिखित नीतियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं–

- राष्ट्रीय खनिज नीति
- राष्ट्रीय इस्पात नीति
- राष्ट्रीय गृह निर्माण और आवास नीति

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार

हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन

यू.जी.सी.–नेट/जे.आर.एफ./सेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, के.वी.एस., एन. वी.एस., पी.जी.टी., टी.जी.टी., पी-एच.डी., राजभाषा निदेशक, हिन्दी अधिकारी, हिन्दी सहायक, संपादक, समाचार वाचक एवं संघ/राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम पुस्तक.

लेखक : ओंकार नाथ वर्मा

कोड 2129 ₹ 255/-

विभिन्न परीक्षाओं के विगत् 15 वर्ष के प्रश्नों का भी समावेश.

प्रमुख आकर्षण

➡ आदिकाल ➡ भक्तिकाल ➡ रीतिकाल आधुनिककाल ➡ नाटक ➡ निबंध ➡ कहानी ➡ उपन्यास ➡ आलोचना ➡ हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ ➡ हिन्दी साहित्य की नवीन प्रवृत्तियाँ ➡ हिन्दी के पत्र और पत्रिकाएँ ➡ विविधा

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

लेकिन अनेक मामलों में इन नीतियों के तत्व अस्पष्ट हैं, जिनका स्पष्टतौर पर उल्लेख किए जाने की आवश्यकता है. नीति आयोग के उपर्युक्त उल्लिखित दस्तावेजों में संसाधन दक्षता से सम्बन्धित अति महत्वपूर्ण सुसंगत राष्ट्रीय नीति बनाए जाने पर बल दिया गया है. इन नीतियों को वर्तमान नीतियों के परिप्रेक्ष्य में ही बनाया जाएगा, ताकि विविध क्षेत्रों में संसाधन दक्षता से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान खोजा जा सके. नीति आयोग की पहल संसाधन दक्षता विषय के दृष्टिकोण पर विशेष रूप से बल देने पर केन्द्रित है. साथ ही इसमें कचरे को आय सृजन का एक अच्छा माध्यम बनाने के लिए पुनःचक्रण उद्योग (Recycling Industry) को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक विकास का नया प्रतिमान गढ़ने पर भी बल दिया गया है.

भारत में संसाधन दक्षता फ्रेमवर्क के लिए छह स्तम्भ

1. नीतियाँ

- जीवन चक्र सम्बन्धित विभिन्न चरणों तथा साझेदारी की प्रमुख समस्याओं का निदान किए जाने हेतु समस्त प्रकार के संसाधनों–जैविक (Biotic)-अजैविक (Abiotic) के लिए संसाधन दक्षता पर राष्ट्रीय नीति बनाना.
- संसाधनों की खपत को न्यूनतम स्तर पर रखने, कचरे का उत्पाद तथा ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने के साथ-साथ संसाधन दक्षता के क्षेत्र में नवोन्मेष एवं तत्सम्बन्धित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना.
- संसाधन दक्षता को सम्मिलित करते हुए खान मंत्रालय की विद्यमान क्षेत्रकीय नीतियों एवं कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण.
- निर्धारित जीवनकाल (ELV) पूरा कर चुके वाहनों के लिए राष्ट्रीय नीति बनाना.
- मौजूदा कचरे एवं परिसंकटमय वस्तुओं के प्रबन्धन से सम्बन्धित नियमों/विनियमों के आधार पर कचरे से संसाधन प्रबन्धन निर्देशों को तैयार करना, जिसमें जीवन चक्र पद्धति के अपनाते हुए सम्बद्ध साझीदारों को सम्मिलित करते हुए संसाधन दक्षता पर फोकस किया जाए.

2. कार्यक्रम एवं मुख्यधारा

- स्वच्छ भारत अभियान, स्मार्ट शहर योजना, मेक इन इण्डिया कार्यक्रम, स्टार्ट-अप इण्डिया, डिजिटल इण्डिया जैसे हालिया कार्यक्रमों/योजनाओं को शामिल करते हुए संसाधन दक्षता जैसी पहल को मुख्य धारा में लाना.
- संसाधन दक्षता हेतु उद्योग कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR), कॉर्पोरेट पर्यावरणीय जिम्मेदारी (CER) तथा विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (EPR) को महत्वपूर्ण ढंग से प्रयुक्त कर सकते हैं.
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय रासायनिक प्रबन्धन योजना पर तैयार किए जा रहे मसौदे को दृष्टिगत रखते हुए रासायनिकों के सुरक्षित एवं परिक्रामी प्रबन्धन के लिए एक रणनीति, फ्रेमवर्क तथा तत्सम्बन्धित दिशा-निर्देश तैयार करना.
- अधोरचना, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों तथा तत्सम्बन्धित पहलों के वित्तीयन हेतु राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा एवं पर्यावरण कोष को बढ़ावा देना.

3. विनियमन

- राष्ट्रीय संसाधन दक्षता के लक्ष्यों को चिह्नित, क्रियान्वित एवं प्राप्त करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के बीच राष्ट्रीय समन्वयनकारी निकाय के रूप में–संसाधन दक्षता ब्यूरो (BRE) की स्थापना करना.
- राज्यस्तरीय संसाधन दक्षता लक्ष्यों की पहचान, क्रियान्वयन एवं प्राप्ति हेतु राज्यस्तरीय समन्वयनकारी निकाय का गठन करना.
- बृहतस्तरीय एवं संसाधन सघन उद्योगों एवं बड़े पैमाने पर कचरा पैदा करने वाली इकाइयों द्वारा संसाधन उपयोग एवं दक्षता विवरण दाखिल करने को अनिवार्य बनाना.
- रेड (Red) संवर्ग में आने वाले सभी मध्यम एवं बृहत उद्योगों को स्थायी रूप से बन्द करने के लिए अपेक्षित अधिदेश 'बन्द करने की सहमति' को निर्गत करना, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कचरे के बहाव को बन्द करने से पहले उक्त कचरे को जिम्मेदारीपूर्वक व्यवस्थित करते हुए पुनःचक्रित किया जा सके.
- आवश्यक कच्चेमाल पर करों को तर्क-संगत बनाकर द्वितीयक कच्चे माल की कीमतों को स्पर्धाशील बनाया जाना.

4. गतिशील पुनःचक्रण उद्योग की स्थापना

- शहरी क्षेत्रों एवं औद्योगिक आस्थानों में भूमि आवंटन करके **'मैटेरियल रिकवरी सुविधा (MRF)'** की स्थापना को प्रोत्साहित करना.
- शहरी खनन एवं सुरक्षित भूभराव (Land-filling) के सृजन हेतु शहरी स्थानीय निकायों की सहायता करना.
- कचरे के पुनःचक्रण एवं अनौपचारिक क्षेत्रक से जुड़ाव हेतु उत्पादक जिम्मेदारी संगठनों (पीआरओ) की स्थापना को सहायता देना.
- संसाधन रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए नवोन्मेष की सुविधा प्रदान करना तथा अपशिष्ट मूल्य शृंखला के साथ अनौपचारिक क्षेत्रक को एकीकृत करते हुए उसकी कार्य करने की स्थिति में सुधार लाना.
- पुनर्विनिर्माण उद्योग की संवृद्धि को गतिवान बनाने के लिए पुनर्विनिर्माण परिषद् या संघ की स्थापना करना.
- एसबीएम पोर्टल का विस्तार करते हुए कचरा विनिमय हेतु मंच की स्थापना करना.

5. अनुसन्धान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी प्रबन्ध

- संसाधन दक्षता हेतु माप वर्धनीय प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए अनुसन्धान एवं विकास को बढ़ावा देना.
- उन्मुक्त नवोन्मेष को सुविधा देने वाले, विशषज्ञों तक पहुँच सुनिश्चित करने वाले तथा संसाधन दक्षता की ओर उन्मुख शिक्षाविदों को शामिल करने वाले सूचना प्लेटफार्म का सृजन एवं प्रबन्धन.
- पुनःचक्रण उद्योग हेतु कृत्रिम बौद्धिकता (AI), रोबोटिक्स, ब्लॉक चेन आदि जैसी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना.

6. क्षमता विकास, विस्तार एवं अनुश्रवण

- प्रमाणित (Accredited) प्रयोगशालाओं के सृजन की सुविधा उपलब्ध कराना, जो पुनःचक्रित उत्पादों का परीक्षण कर सकें एवं परामर्शदात्री सेवाएं प्रदान कर सकें.
- राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर मंत्रालयों/विभागों के लिए संसाधन दक्षता पर क्षमता विकास सहायता प्रदान करना.
- संसाधन दक्षता में अनौपचारिक क्षेत्रक कौशल विकास हेतु कार्यक्रमों तथा प्रमाणीकरण का विकास एवं प्रोन्नयन.
- संसाधन दक्षता पर नागरिक जागरूकता कार्यक्रमों को विकसित करना एवं प्रारम्भ करना.
- जी-20, संसाधन दक्षता वार्ता तथा अन्तर्राष्ट्रीय संसाधन पैनल और अन्तर्राष्ट्रीय मंचों जैसे निकायों के साथ जुड़कर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना एवं अन्तर-सरकारी सहयोग को बढ़ावा देना.
- संसाधन दक्षता पर प्रगति की जाँच हेतु अनुश्रवण एवं उपलब्धि संकेतकों को विकसित करना.
- सुरक्षित, दक्षतापूर्ण एवं निबल रूप से सकारात्मक परिचालनों को सुनिश्चित करने के लिए कचरे से संसाधन पुनः- चक्रण केन्द्रों का प्रबन्ध करने वाले ऑपरेटरों के प्रमाणीकरण और अधिदेश जारी करना.

विनिर्माण-उपभोग-परित्याग अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत अधिक सम्पोषणीय बनाए जाने के लिए विनिर्माण-उपभोग-पुनःप्रयोग-पुनःचक्रण वाली अर्थव्यवस्था में रूपान्तरित किए जाने की आवश्यकता सार्वभौमिक रूप से महसूस की जा रही है. संसाधन दक्षता को पुनःचक्रण से समेकित करके इस लक्ष्य को अधिक आसानी से प्राप्त किया जा सकता है. यह समय की माँग भी है और प्रासंगिक भी.

●●●

13857927

फोकस 2

भारत में खाद्य सुरक्षा के विविध आयाम

डॉ. अनिल कुमार ठाकुर

आजादी से पहले भारत को अकाल और महामारियों का देश कहा जाता था. इस दंश को मिटाने के लिए स्वतन्त्र भारत की लोकतान्त्रिक व्यवस्था वाली सरकार का पहला फोकस खाद्यान्न उत्पादन में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने पर रहा. इसी को दृष्टिगत रखते हुए पहली पंचवर्षीय योजना मुख्य रूप से कृषि विकास पर केन्द्रित रही, लेकिन दूसरी एवं तीसरी पंचवर्षीय योजनाओं में क्रमशः औद्योगिक विकास तथा वैदेशिक क्षेत्रक के विकास पर अधिक ध्यान दिए जाने; 1962 में भारत-चीन युद्ध एवं 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच कृषि पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा सका, जिससे भारत में खाद्यान्न का अभूतपूर्व संकट उत्पन्न हो गया. इससे निपटने के लिए भारत को संयुक्त राज्य अमरीका की शर्तों पर उसी के PL-480 कानून के अन्तर्गत गेहूँ का आयात करने के लिए बाध्य होना पड़ा. उस स्थिति के दीर्घकालीन समाधान के रूप में अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के बीजों (मुख्य रूप से गेहूँ एवं धान) के प्रयोग, बेहतर सिंचाई, कीटों एवं बीमारियों से फसलों की सुरक्षा, मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग पर आधारित 'हरित क्रान्ति' कार्यक्रम 1966-67 में प्रारम्भ किया. इस कार्यक्रम को खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करने में असाधारण सफलता मिली. 2017-18 के अन्तर्गत खाद्यान्न उत्पादन 285·01 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है. 2018-19 के चौथे अग्रिम अनुमानों में खाद्यान्न उत्पादन 284·35 मिलियन टन होने का अनुमान है. इसी प्रकार बागवानी फसलों के तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2018-19 में बागवानी फसलों का उत्पादन 313·85 मिलियन टन होने का अनुमान है.

इसके प्रत्यक्षतः दो परिणाम परिलक्षित होते हैं–

- प्रथम, खाद्यान्न उत्पादन के मामले में भारत ने आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है.
- द्वितीय, भारत अब खाद्यान्नों का निबल निर्यातक देश बन गया है.

लेकिन, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत के थिंक टैंक नीति आयोग द्वारा तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित अनेक रिपोर्टों में जो तथ्य प्रकाश में आए हैं, उनसे स्पष्ट हो जाता है कि खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर पिछड़ा हुआ है. आर्थिक आसूचना एकक, दी इकनॉमिस्ट द्वारा जारी वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक, 2018 में विश्व के 113 देशों की सूची में भारत 76वें स्थान पर है.

कंसर्न वर्ल्डवाइड (आयरलैण्ड) एवं वेल्ट हंगर हाइफ (Welt hunger hilfe) (जर्मनी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित वैश्विक भूख निर्देशांक, 2018 में विश्व के 119 देशों की सूची में भारत 103वें स्थान पर है. इस सूचकांक में 31·1 स्कोर के साथ भारत भूख के गम्भीर स्तर वाले संवर्ग में है. इस सूचकांक के चारों स्तम्भों में भारत की स्थिति दयनीय है.

- भारत में पाँच वर्ष से कम आयु वाले 21% बच्चे **चाइल्ड वेस्टिंग** (Child Wasting)– अपनी ऊँचाई की तुलना में अल्पभार के शिकार हैं. विशेष बात यह है कि इस मानक में गिरावट ही आयी है. 2000 में ऐसे बच्चों का अनुपात 17·1% था, जो 2005 से बढ़कर 20% तथा 2018 में 21% हो गया.
- **अल्पपोषित जनसंख्या का अनुपात** 2000 में 18·2% से घटकर 2018 में 14·8% रह गया है.
- बाल मृत्यु क्रम 2000 में 9·2% से घटकर 2018 में 4·3% रह गया है.
- बच्चों में बौनापन (Child Stunting) 2000 में 54·2% के स्तर से घट कर 2018 में 38·4% रह गया है.

नीति आयोग द्वारा जारी **एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 2018** में शून्य भूख वाले सम्पोषणीय विकास लक्ष्य-1 में एक भी राज्य या केन्द्रशासित क्षेत्र एचीवर्स (100 स्कोर) वाली कैटेगरी में नहीं है. गोवा (80), मणिपुर (74), केरल (72), मिजोरम (69), पंजाब (71), नगालैण्ड (69) तथा सिक्किम (67) जैसे छोटे राज्य अग्रणी राज्य वाले संवर्ग में हैं, जबकि मध्य प्रदेश (41), बिहार (39) तथा झारखण्ड (35) निचले पायदानों पर हैं.

क्रयशक्ति समता आधार पर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा नामीनल विनिमय दर के आधार पर 2017 में विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दम्भ भरने वाले राजनीतिज्ञ और नीतिकार भूख, कुपोषण एवं खाद्य सुरक्षा की इस भयावहता से आँखें बन्द करके भारतीय अर्थव्यवस्था को पाँच ट्रिलियन वाली अर्थव्यवस्था बनाने का दिवा स्वप्न देखते हैं.

Read Upkar's Books For

N.D.A./C.D.S. EXAMINATIONS

Including Previous Years' Solved Papers

Upkar N.D.A. Exam. (By : Dr. H.P. Sharma & Yash Srivastava)	499/-	उपकार एन. डी. ए. सॉल्वड् पेपर्स	225/-
Upkar N.D.A. Exam. (By : Jain & Gupta)	375/-	उपकार एन.डी.ए. परीक्षा (सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण)	555/-
Upkar N. D. A. Solved Papers	240/-		
Upkar Practice Work Book N. D. A. Exam.	260/-	Upkar C.D.S. Exam. (By : Jain & Kishore)	340/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क बुक एन. डी. ए. परीक्षा	255/-	Upkar C.D.S. Solved Papers	225/-

UPKAR PRAKASHAN ☎ Agra 2530966 ● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

खाद्य सुरक्षा

खाद्य सुरक्षा से आशय उस अवस्था से है, जिसमें देश के सभी लोगों की, सभी समयों पर ऐसे पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन तक भौतिक एवं आर्थिक पहुँच हो, जो उन्हें एक सक्रिय एवं स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने वाली भोजन आवश्यकताओं और खाद्य प्राथमिकताओं को पूरा करती हो. भारत जैसे देश के लिए समय से सभी को भोजन की उपलब्धता और आर्थिक दृष्टि से ऐसे खाद्य पदार्थों को वहन कर लिए जाने की क्षमता (Affordability) अत्यधिक महत्वपूर्ण है.

वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक 2018 खाद्य सुरक्षा पहुँच के लिए निम्नलिखित चार प्रमुख मुद्दों पर विचार करता है–

(i) **अर्थवहनीयता** (Affordability)–अर्थात् बाजार से यथोचित मात्रा में खाद्य पदार्थों को क्रय कर लेने की मौद्रिक क्षमता.

(ii) **उपलब्धता** (Availability)–देश के सभी नागरिकों एवं देश में रह रहे अन्य सभी व्यक्तियों के जीवित रहने और शारीरिक-मानसिक विकास होने के लिए आवश्यक और पर्याप्त खाद्य पदार्थों की उपलब्धता.

(iii) **गुणवत्ता एवं रक्षण** (Quality and Safety)–जो खाद्य पदार्थ आवश्यक हैं, उपलब्ध हैं और जिन्हें लोग बाजार से खरीद सकने में सक्षम हैं, वे गुणवत्तायुक्त हों और उपभोग हेतु सुरक्षित हों.

(iv) **प्राकृतिक संसाधन एवं लचीलापन** (Natural Resources and Resilience)–वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक उक्त प्रथम तीन श्रेणियों के आधार पर विभिन्न देशों को 0-100 के स्कोर के आधार रैंक प्रदान करता है, जबकि प्राकृतिक संसाधनों एवं लचीलेपन को समायोजन गुणक के रूप में प्रयुक्त किया जाता है. 100 अंकों के स्कोर को सर्वाधिक अनुकूल माना जाता है. वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक का उद्देश्य एक समयबद्ध तरीके से यह आकलन करना है कि किन देशों में खाद्य असुरक्षा की सम्भावना सबसे प्रबल है और किन देशों में सबसे कम है.

जहाँ तक भारत का प्रश्न है, तो भारत की खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी चुनौतियाँ अर्थवहनीयता, प्रतिव्यक्ति निम्न सकल घरेलू उत्पाद, खाद्य आपूर्ति की पर्याप्तता और खाद्य सुरक्षा से जुड़े अनुसन्धान एवं विकास पर सार्वजनिक व्यय और प्रोटीन की गुणवत्ता के क्षेत्रों से सम्बन्धित है. इन संकेतकों में भारत की रैंक क्रमशः 73वीं, 73वीं, 100वीं, 62वीं तथा 98वीं है.

पोषण सम्बन्धी मानकों में 100 स्कोर के साथ भारत का विश्व में पहला स्थान है, जबकि शहरी समामेलन क्षमता में 94·8 स्कोर के साथ तीसरा, कृषि उत्पादन की परिवर्तनशीलता में 93·5 स्कोर के साथ 39वाँ स्थान है. राजनीतिक स्थिरता जोखिम में 70·6 स्कोर के साथ भारत 18वें स्थान पर है.

समग्र रूप से भारत 50·1 स्कोर (वैश्विक औसत 58·1 के सापेक्ष) के साथ 76वें स्थान पर है. यह स्थिति भारत के लिए विभिन्न पहलुओं से खाद्य सुरक्षा के प्रबन्धन में और सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करती है.

भारत का खाद्य सुरक्षा स्कोर, 2018 एवं वैश्विक तुलना

श्रेणी	भारत (स्कोर)	सभी देशों का स्कोर (औसत)	113 देशों में भारत की रैंक
समग्र	**50·1**	**58·4**	**76**
1. वहनीयता (Affordability)	46·4	56·3	73
2. उपलब्धता (Availability)	54·1	60·3	70
3. गुणवत्ता एवं सुरक्षित होना (Quality and Safety)	48·2	58·2	79
1. वहनीयता (खाद्य लागत को वहन करने में सक्षमता)			
1·1 घरेलू व्यय के हिस्से के रूप में खाद्य उपभोग	53·5	55·6	61
1.2 वैश्विक निर्धनता रेखा के नीचे आबादी का अनुपात	66·0	80·9	87
1·3 प्रतिव्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (क्रयशक्ति समता, अमरीका डॉलर)	5·0	16·7	73
1·4 कृषि आयात प्रशुल्क	46·4	75·4	108
1·5 खाद्य सुरक्षा आक्षादन कार्यक्रमों की मौजूदगी	50·0	65·5	66
1·6 कृषकों हेतु वित्तपोषण तक पहुँच	75·0	62·6	43
2. उपलब्धता (खाद्य पदार्थों की उपलब्धता)			
2·1 आपूर्ति की पर्याप्तता	27·4	56·8	100
2·2 कृषि अनुसन्धान एवं विकास पर लोक व्यय	0·0	15·6	62
2·3 कृषि अधोरचना	41·7	58·7	78
2·4 कृषि उत्पादन की परिवर्तनशीलता	93·5	86·4	39
2·5 राजनैतिक स्थिरता जोखिम	70·6	46·8	18
2·6 भ्रष्टाचार	25·0	37·6	49
2·7 शहरी समामेलन क्षमता	94·8	76·9	3
2·8 खाद्य हानि	—	84·9	70
3. गुणवत्ता एवं रक्षण			
3·1 आहार विविधीकरण	39·7	56·0	81
3·2 पोषण सम्बन्धी मानक	100·0	80·1	1
3·3 सूक्ष्मपोषक तत्वों की उपलब्धता	26·5	43·9	98
3·4 प्रोटीन गुणवत्ता*	18·5	47·2	98
3·5 खाद्य सुरक्षा	—	80·3	70

स्रोत : वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक, 2018; आर्थिक आसूचना एकक, द इकोनॉमिस्ट.

टिप्पणी : * औसत राष्ट्रीय आहार में उच्च गुणवत्ता, प्रोटीन की मात्रा की माप.

खाद्य सुरक्षा की नीति

खाद्यान्न संकट से पूरी तरह से उबर लेने के बाद भारत में खाद्य सुरक्षा की नीति यथोचित मात्रा में खाद्यान्न के सुरक्षित भण्डारों में पर्याप्त मात्रा में गेहूँ और चावल का भण्डार बनाए रखने पर केन्द्रित रही है. इसके अतिरिक्त अर्थवहनीयता सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली/संवर्द्धित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लोकलुभावन नीति को अपनाते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को लागू करते हुए एक रुपए प्रति किलोग्राम की दर से मोटा अनाज, दो रुपए प्रति किलोग्राम की दर से गेहूँ तथा तीन रुपए प्रति किलोग्राम की दर से चावल मुहैया कराने पर सर्वाधिक ध्यान दिया गया है. खाद्य सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दे, जैसे भोजन में प्रोटीन, वसा, खनिज लवणों, विटामिन आदि की उपलब्धता जैसे गौण हो गयी है.

केन्द्र सरकार खाद्यान्न भण्डारों के उचित प्रबन्धन हेतु एवं केन्द्रीय भण्डार में गेहूँ और चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, इन जिन्सों की बाजार कीमतों पर नियन्त्रण रखने के लिए, गेहूँ एवं चावल की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने

के लिए और समग्र रूप से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट रूप से निम्नलिखित उपाय करती है–

- गेहूँ एवं चावल सहित 25 कृषि उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) घोषित करना (गन्ना का उचित एवं लाभकारा मूल्य (FRP).
- गेहूँ एवं चावल का निर्गम मूल्य घोषित करना.
- भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से एवं राज्यों के निकायों द्वारा विकेन्द्रित तरीकों से खाद्यान्नों की सरकारी खरीद करना.
- गेहूँ एवं चावल के सुरक्षित भण्डार बनाए रखना.
- स्फीति को नियन्त्रित करने के लिए गेहूँ एवं चावल की खुले बाजार में बिक्री करना.

खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियाँ

खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों में सर्वाधिक प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित प्रकार हैं–

- सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार से गेहूँ एवं चावल का रिसाव.
- खाद्य सब्सिडी का राजकोष पर उत्तरोत्तर बढ़ता बोझ.
- गेहूँ एवं चावल के सुरक्षित भण्डारों में मानक से अधिक भण्डारों का प्रबन्धन.
- किसानों की आय को सन् 2022 तक दोगुना करने के नाम पर उत्पादन लागत से डेढ़ गुना मूल्य पर गेहूँ तथा धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में प्रतिवर्ष वृद्धि तथा इस मूल्य पर इन दोनों जिंसों की बड़े पैमाने पर खरीद से इनके भण्डारण से जुड़ी समस्याएँ.

खाद्यान्नों के सुरक्षित भण्डारों का प्रबन्धन भारतीय खाद्य निगम के लिए एक गम्भीर समस्या बनी हुई है. जनवरी 2015 में निर्धारित किए गए मानकों के अनुसार खाद्यान्नों के सुरक्षित भण्डारों में 1 अप्रैल को 21·04 मिलियन टन, 1 जुलाई को 41·12 मिलियन टन, 1 अक्टूबर को 30·77 मिलियन टन तथा 1 जनवरी को 21·41 मिलियन टन खाद्यान्न (केवल गेहूँ एवं चावल) होना चाहिए. इसके सापेक्ष 2019 के विभिन्न महीनों में भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में जमा खाद्यान्न का विवरण निम्नलिखित प्रकार है–

भारतीय खाद्य निगम के भण्डारों में गेहूँ एवं चावल का भण्डार, 2019 (मिलियन टन में)

जनवरी	45·4
फरवरी	46·7
मार्च	46·5
अप्रैल	46·4
मई	62·2
जून	74·1
जुलाई	74·3
अगस्त	71·1

जनवरी 2015 से केन्द्रीय पूल के लिए खाद्यान्न स्टॉकिंग प्रतिमानक (मिलियन टन में)

तारीख	चावल			गेहूँ			कुल खाद्यान्न
	प्रचालनात्मक स्टॉक	कार्य-नीतिक रिजर्व	कुल	प्रचालनात्मक स्टॉक	कार्य-नीतिक रिजर्व	कुल	
1 अप्रैल	11·58	2·00	13·58	4·46	3·00	7·46	21·04
1 जुलाई	11·54	2·00	13·54	24·58	3·00	27·58	41·12
1 अक्टूबर	8·25	2·00	10·25	17·52	3·00	20·52	30·77
1 जनवरी	5·61	2·00	7·61	10·8	3·00	13·80	21·41

खाद्यान्न भण्डार की मात्रा जनवरी 2019 में 45·4 मिलियन टन से बढ़कर जुलाई 2019 में 74·3 मिलियन टन हो गई, क्योंकि 2018-19 खरीफ विपणन सत्र में धान तथा 2019-20 के रबी विपणन सत्र में गेहूँ की बड़े पैमाने पर खरीद की गई.

गोदामों में खाद्यान्नों की अधिक मात्रा से भारतीय खाद्य निगम की भण्डारण और वित्तीयन लागतों में भारी वृद्धि होती है, जो अन्ततः केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जाने वाली खाद्य सब्सिडी की वृद्धि के रूप में परिलक्षित होती है. संसाधनों की कमी का रोना रो रही केन्द्र सरकार भारतीय खाद्य निगम को राष्ट्रीय अल्पबचत कोष से उधार लेने के लिए बाध्य करती है. 2018-19 में भारतीय खाद्य निगम द्वारा NSSF से ₹ 1·91 लाख करोड़ का उधार लिया गया.

खाद्यान्नों के भण्डारों को खाली करने तथा रखरखाव की लागत को कम करने के लिए भारतीय खाद्य निगम खुले बाजार में गेहूँ एवं चावल की बिक्री करता है. यह बिक्री e-auction द्वारा की जाती है. बिक्री मूल्य खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा तय किया जाता है, जिसे रिज़र्व मूल्य कहते हैं. आमतौर पर यह खाद्यान्नों को प्रापण लागत/आर्थिक लागत से कम होता है. उदाहरणार्थ 2018-19 में दूसरे, तीसरे तथा चौथे त्रैमास में गेहूँ का रिज़र्व मूल्य मध्य प्रदेश, पंजाब तथा हरियाणा में क्रमशः ₹ 1,900, ₹ 1,925 एवं ₹ 1,950 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया, जबकि भण्डारण प्रभारों सहित गेहूँ की आर्थिक लागत ₹ 2435·23 प्रति कुन्टल थी. स्पष्ट है कि गेहूँ एवं चावल को खुले बाजार में बेचने से भारतीय खाद्य निगम प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए का घाटा उठाती है, लेकिन अगली खरीद के लिए गोदामों को खाली करने के दबाव के चलते सरकार इनके रिज़र्व मूल्य को आर्थिक लागत से नीचे रखे जाने की नीति अपनाती है. इसका सीधा-सा लाभ आटा मिलों एवं खाद्यान्न व्यापारियों को मिलता है, जो इन दोनों जिंसों को नीची कीमतों पर सरकार से खरीद कर उपभोक्ताओं को ऊँची कीमतों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाते हैं. दूसरी ओर खाद्य सुरक्षा की बाट जोहता कमजोर आर्थिक स्थिति वाला सामान्य जन कुपोषण से ग्रसित ही रहता है. ●●●

फोकस 3

डिजिटल इण्डिया : सशक्तिकरण हेतु शक्ति

✍ डॉ. पुनीत मिश्रा

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री (स्व.) राजीव गांधी की पहल पर उनके सलाहकार सैम पित्रोदा द्वारा 1987 में सुझाए गए 6 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकीय मिशनों—(i) पेयजल, (ii) टीका-करण, (iii) साक्षरता, (iv) तिलहन, (v) दूर-संचार एवं (vi) दुग्धोत्पादन में सर्वाधिक सफलता दूरसंचार के क्षेत्र में प्राप्त हुई. भारत ने विगत तीन दशकों में संचार क्रान्ति की बदौलत विश्व के विकसित देशों के साथ लगभग बराबरी का दर्जा हासिल कर लिया. सूचना-संचार-सम्प्रेषण जनित डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम ने न केवल तकनीकी दृष्टि से वरन् अनुप्रयोगात्मक दृष्टि से भी श्रेष्ठता हासिल कर ली है. 2018 में 560 मिलियन इण्टरनेट उपभोक्ताओं के साथ भारत विश्व के सर्वाधिक तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल उपभोक्ता बाजारों में से चीन के बाद दूसरे स्थान पर है. भारतीय मोबाइल डाटा उपयोगकर्ता औसतन प्रतिमाह 8·3 गीगाबाइट (GB) डाटा उपयोग करते हैं, जबकि चीन में 5·5 गीगाबाइट तथा दक्षिण कोरिया में 8·0 से 8·5 गीगाबाइट तक डाटा औसतन उपयोग किया जाता है. 2018 में भारत में 1·2 बिलियन मोबाइल फोन उपभोक्ताओं द्वारा 12 बिलियन से अधिक मोबाइल एप डाउनलोड किए गए.

डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम का बृहत्तर लक्ष्य डिजिटल पहुँच, डिजिटल समावेशन, डिजिटल सशक्तिकरण सुनिश्चित करते हुए तथा डिजिटल अन्तराल को पाटते हुए भारत को एक ज्ञानवान अर्थव्यवस्था के रूप में रूपान्तरित करना है. इस कार्यक्रम के अन्तर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सभी वर्गों के लिए डिजिटल समावेशन सुनिश्चित करते हुए लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकियों को प्रभावी तरीके से अपनाया है. सरकार देशवासियों को कम-से-कम समय में वहनीय एवं दक्ष तरीके से सुशासन एवं सेवाएँ प्रदान के लिए प्रतिबद्ध है.

आधार कार्ड

30 नवम्बर, 2018 की स्थिति के अनुसार देश के 122·9 करोड़ नागरिकों को डिजिटल एवं अतिविशिष्ट पहचान प्रदान करने वाला भारत विश्व का एकमात्र देश है. देश की 99% वयस्क जनता आधार के अन्तर्गत आच्छादित है. इससे पूर्व सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के करोड़ों लोग—विशेष रूप से आर्थिक दृष्टि से निर्धन, महिलाएं, समाज के दुर्बल वर्ग के लोग इस प्रकार की व्यक्तिगत पहचान से वंचित थे. आधार के रूप में सरकार ने लोगों को एक ऐसा पहचान-पत्र दिया है, जिसकी सम्पुष्टि कहीं भी और कभी भी की जा सकती है. डिजिट लॉकर, ई-साइन एवं अन्य विभिन्न प्रकार के डिजिटल भुगतानों के साथ आधार का संयोजन किए जाने से नागरिकों के अपने मोबाइल फोन पर सरकारी कार्यालयों का चक्कर काटे बिना अनेक जानकारियाँ एवं सेवाएं प्राप्त हो रही हैं.

आधार पहचान-पत्र सृजन (करोड़ में)

2013-14 तक	61·00
2014-15 तक	80·46
2015-16 तक	99·92
2016-17 तक	120·00
2018-19 (18 दिसम्बर, 2018 तक)	122·9

डिजीधन–डिजिटल भुगतान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाना चाहते हैं, ताकि अर्थव्यवस्था में किए जाने वाले सभी लेन-देन राष्ट्रीय आय का हिस्सा बन जाएं और कालेधन की समानान्तर अर्थव्यवस्था के फैलाव पर लगाम लगाई जा सके. विगत एक दशक में देश के भीतर गत्यात्मकता, इण्टरनेट उपयोग, बैंकिंग सेवाओं के डिजिटलीकरण, आधार जनित पहचान सम्पुष्टिकरण, नवोन्मेष भुगतान प्लेटफार्मों के क्रमिक विकास तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रभावकारी विनियमन से डिजिटल भुगतानों में तेजी से आयी है. 2017-18 के बजट भाषण में की गई घोषणा के अनुरूप डिजीधन मिशन एवं परियोजना प्रबन्धन एकांश का गठन करके 2017-18 में 2071 करोड़ डिजिटल लेन-देन के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया. 2018-19 में इस मिशन के अन्तर्गत 3013 करोड़ डिजिटल लेन-देनों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

8 नवम्बर, 2016 को नोटबन्दी की घोषणा किए जाने के बाद से डिजिटल भुगतानों में तेजी आयी है. 2016-17 में डिजिटल लेन-देनों की संख्या 1004 करोड़ थी, जो 106 प्रतिशत बढ़कर 2017-18 में 2071 करोड़ तथा पुनः 51% की वृद्धि के साथ 3114 करोड़ हो गई. इसका श्रेय मुख्य रूप से भारत इण्टरफेस फॉर मनी (BHIM)—UPI तथा BHIM आधार और BHARAT QR Code को जाता है.

डिजिटल भुगतान लेन-देन

वर्ष	डिजिटल भुगतान लेन-देनों की संख्या (करोड़ में)	वृद्धि दर (% में)
2009-10	50	—
2010-11	68	36
2011-12	96	40
2012-13	139	45
2013-14	211	51
2014-15	316	50
2015-16	577	82
2016-17	1004	74
2017-18	2071	106
2018-19	3114	51

नोटों के विमुद्रीकरण के बाद से भुगतान के पाँच तरीकों ने असाधारण सफलता हासिल की है—BHIM-UPI, तत्काल मोबाइल भुगतान प्रणाली (IMPs), आधार जनित भुगतान प्रणाली (AePs), mWallets तथा डेबिट कार्ड्स.

जनधन, आधार, मोबाइल (JAM) त्रयी नागरिकों के लिए हितकारी योजनाओं के बुनियादी आधार के रूप में कार्य कर रही है. प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण (DBT) के अन्तर्गत पहल (PAHAL), मनरेगा, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम आदि के अन्तर्गत किए जाने वाले भुगतान आच्छादित हैं. अब भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की 433 से अधिक योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों के किए जाने वाले भुगतान सीधे उनके खातों में जमा हो रहे हैं. इससे 4 वर्षों के दौरान फर्जी दावों के रूप में भुगतान की जा रही ₹ 90000 करोड़ से अधिक की बचत हुई है.

सेवाओं की डिजिटल डिलीवरी

डिजिटल प्लेटफार्मों से नागरिकों को अनेक प्रकार की सेवाएं अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शी तरीके से प्राप्त हो रही हैं—

- **राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल**—2015-16, 2016-17 एवं 2017-18 में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर 3·57 करोड़ आवेदन प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष 1·8 करोड़ विद्यार्थियों को ₹ 5276 करोड़ की छात्रवृत्ति सीधे उनके खातों में वितरित की गई.
- **जीवन प्रमाण** के अन्तर्गत आधार डिजिटल पहचान प्रयुक्त करते हुए पेंशन प्राप्त करने वाले अपने जीवित होने का प्रमाण-पत्र ऑनलाइन भेज देते हैं. 10 नवम्बर, 2014 को प्रारम्भ की गई इस योजना के अन्तर्गत 239·24 लाख पेंशनरों ने अपने जीवन प्रमाण दाखिल किए हैं.

- **डिजी लॉकर** प्लेटफार्म नागरिकों को अपने अभिलेखों को अति सुरक्षित तरीके से ऑनलाइन रखे जाने के लिए असीमित स्थान निःशुल्क उपलब्ध कराता है. 1·69 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ता, 68 पंजीकृत निर्गतकर्ता इस पोर्टल पर पंजीकृत हैं, जहाँ 347 करोड़ से अधिक प्रमाणपत्र/अभिलेख डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं.

डिजी लॉकर की प्रगति

वर्ष	पंजीकृत उपयोगकर्ता (लाख में)	अपलोड किए गए प्रमाण-पत्र (लाख में)
2015-16	11·23	19·36
2016-17	48·91	72·66
2017-18	117·00	152·00
2018-19 (18 दिसम्बर, 2018 तक)	169·00	225·00

- **जीईएम** (GEM)–ऑनलाइन क्रय-विक्रय का प्लेटफार्म जिस पर 31,212 क्रेता संगठन तथा 170,062 विक्रेता एवं सेवा प्रदाता उपलब्ध हैं.
- **मृदा स्वास्थ्य कार्ड**–9·5 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड निर्गत किए जा चुके हैं. प्रथम चक्र में 10·73 करोड़ से अधिक तथा द्वितीय चक्र में 6·20 करोड़ से अधिक मृदा कार्ड किसानों को वितरित किए जा चुके हैं.
- **ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार**–30 नवम्बर, 2018 तक 16 राज्यों एवं 2 केन्द्र-शासित क्षेत्रों में 585 मण्डियाँ इस अति महत्वाकांक्षी बाजार में पंजीकृत हैं और 1·35 करोड़ अपना पंजीकरण कराकर इस बाजार से जुड़ चुके हैं.
- **UMANG** (यूनीफाइड मोबाइल एप्लीकेशन फार न्यू एज गवर्नेन्स) सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहाँ 357 सरकारी सेवाएं नागरिकों को उनके मोबाइल फोन पर उपलब्ध हैं. केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों एवं स्थानीय नगर निकाओं तथा उनके विभिन्न निकायों (72) द्वारा प्रदत्त सेवाएं नागरिकों को उपलब्ध करायी जाती है. यह अंग्रेजी के अतिरिक्त 12 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है.
- **कॉमन सर्विस सेन्टर**–ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को उनके द्वार पर वहनीय तरीके से ई-सेवाएं उपलब्ध कराए जाने का कार्य कॉमन सर्विस केन्द्रों द्वारा किया जा रहा है. वर्तमान में 2·11 लाख कॉमन सर्विस सेन्टर ग्राम पंचायत स्तर पर 350 से अधिक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं. 0·94 लाख कॉमन सर्विस सेन्टर शहरी एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं. कॉमन सर्विस सेन्टर डिजिटल साक्षरता के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर डिजिटल सशक्तिकरण के संवाहक बनते जा रहे हैं. इनके द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं प्रमाण-पत्र निर्गत किए जाने की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं. कॉमन सर्विस केन्द्रों के माध्यम से ग्राम स्तरीय महिला उद्यमी डिजिटल इण्डिया आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं.

कॉमन सर्विस सेन्टरों की संवृद्धि

वर्ष	कॉमन सर्विस सेन्टरों की संख्या (लाख में)
2014	0·83
2015	1·50
2016	2·10
2017	2·50
2018 (नवम्बर तक)	3·05

- **ई-ताल** (Electronic Transaction Aggregation and Analysis Layer)–इसके अन्तर्गत विभिन्न ई-गवर्नेंस सेवाओं में इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन (e-transactions) किए जाते हैं. स्थापना के बाद से 9 दिसम्बर, 2018 तक 3646 ई-सेवाएं एकीकृत हैं.
- **ई-डिस्ट्रिक्ट : मिशन मोड परियोजनाएं**–ई-डिस्ट्रिक्ट एक मिशन मोड परियोजना है, जो जिला या उप-जिला (तहसील/ताल्लुका) स्तर पर पहचान की गई. बड़े पैमाने पर नागरिक केन्द्रित सेवाओं की इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी किए जाने पर लक्षित है. सेवाओं की बिजिनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग (BPR) द्वारा सरकारी सेवाओं तक कहीं भी और कभी-भी पहुँच सुगम्य तरीके से ई-सेवा के रूप में नागरिकों को उपलब्ध कराना ही इस परियोजना का उद्देश्य है. देश के 33 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों के 721 जनपदों में से 687 जनपदों में कुल 2651 ई-सेवाएं नागरिकों को उपलब्ध हैं.
- **डिजिटाइज़्ड इण्डिया प्लेटफार्म (DIP)**–डिजिटल इण्डिया प्रोग्राम के तहत् यह एक प्रमुख पहल है, जिसके अन्तर्गत किसी भी संगठन के लिए भौतिक अभिलेखों या स्कैन किए गए अभिलेखों की प्रतियाँ ऑनलाइन डिजिटल रूप में उपलब्ध करायी जाती हैं. इसका उद्देश्य सरकारी अभिलेखों के डिजिटलीकरण हेतु सूचना प्रौद्योगिकी फ्रेमवर्क आधारित एण्ड-टु-एण्ड वर्कफ्लो प्रदान करना है, ताकि अनेक स्व-चिह्नित स्वयंसेवकों, अंशकालिक कार्यकर्ताओं, गृहणियों, विद्यार्थियों एवं सामान्यजनों जो अपने प्रयासों से क्राउड सोर्सिंग द्वारा वृहत्तर परिणामों हेतु अपना योगदान देना चाहते हैं, को सशक्त बनाया जा सके. 30 नवम्बर, 2018 तक 5·1 लाख लोग इस प्लेटफार्म पर पंजीकृत हैं और उनके सहयोग से 1·06 करोड़ अभिलेखों एवं 3·91 करोड़ टुकड़ों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है.
- **त्वरित मूल्यांकन प्रणाली (RAS)**–भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदत्त ई-सेवाओं की सतत् फीड बैक प्रणाली है. कोई भी नागरिक–वेबपोर्टल, मोबाइल एप एवं एसएमएस के द्वारा हिन्दी, गुजराती, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, मराठी, पंजाबी, तमिल तथा तेलुगू में अपना फीडबैक दे सकता है. वर्तमान में RAS अखिल भारतीय स्तर पर 283 विभागों द्वारा प्रदत्त 1645 e-सेवाओं के साथ एकीकृत है. 9 दिसम्बर, 2018 तक 6·72 फीडबैक आवेदन किए जा चुके थे.
- **मुक्त सरकारी डाटा** (Open Government Data—OGD)–भारत सरकार की मुक्त डाटा नीति के अनुपालन में इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सूचना केन्द्र द्वारा ओपेन गवर्नमेंट डाटा प्लेटफार्म इण्डिया की स्थापना की गई है. इस नीति का उद्देश्य साक्षा किए जा सकने वाले डाटा को मुक्त/मशीन से पढ़े जा सकने वाले प्रारूप में इसके उपयोग करने की सूचना के साथ सारे देश में वाइड एरिया नेटवर्क पर उपलब्ध कराया जाना है. 9 दिसम्बर, 2018 की स्थिति के अनुसार OGD Data India पर 142 मंत्रालयों/विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए 242413 संसाधन तथा 4438 कैटालॉग उपलब्ध हैं.

निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि विकसित देशों एवं तेजी से विकास पथ पर अग्रसर विकासशील देशों के समकक्ष संचार-सूचना प्रौद्योगिकी क्रान्ति की ओर अग्रसर. भारत में इण्टरनेट पर उपलब्ध कराए जाने वाले डाटा की कीमत विकसित देशों में वसूली जा रही कीमत से भी कम है. त्वरित सूचना सम्प्रेषण तन्त्र ने लोगों के जीवन, काम करने और निर्णय लेने के तौर-तरीकों को काफी बड़ी सीमा तक आसान कर दिया है. सबसे अच्छी बात तो यह हुई है कि सूचना-संचार क्रान्ति की बदौलत सरकारी, अर्द्धसरकारी, स्थानीय निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी क्षेत्र की कम्पनियों तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के अभिलेख और सूचनाएं अब उनके द्वारा सृजित लौह-आवरण के दायरे से बाहर आ गई हैं.

●●●

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. 15 अगस्त, 2019 को 73वें स्वतन्त्रता दिवस पर किस बहुचर्चित विंग कमाण्डर को वीर चक्र से सम्मानित किया गया ?
– अभिनन्दन वर्तमान

अभिनन्दन वर्तमान ने फरवरी 2019 में पाक अधिकृत कश्मीर में पाकिस्तान के एफ-16 विमान को अपने मिग-21 विमान द्वारा मार गिराया था तथा स्वयं भी पाकिस्तानी सेना के हाथों पकड़े गए थे. कूटनीतिक दबाव के कारण पाकिस्तान ने उन्हें शीघ्र ही भारत को सौंप दिया था.

2. अगस्त 2019 में घोषित 66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार किस फिल्म को प्राप्त हुआ ?
– हेल्लारो (गुजराती)

अभिषेक शाह द्वारा निर्देशित गुजराती फिल्म हेल्लारो को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार राष्ट्रीय पुरस्कारों में प्राप्त हुआ है. मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार 'बधाई हो' तथा सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार 'पैडमैन' को प्राप्त हुआ.

3. भारत के सांख्यिकीय एवं कार्यान्वयन मंत्रालय के तत्वावधान में सातवीं आर्थिक गणना 29 जुलाई, 2019 से किस राज्य से प्रारम्भ की गयी है ?
– त्रिपुरा

आर्थिक गणना के अन्तर्गत कृषि के अतिरिक्त समस्त आर्थिक इकाइयों की संख्या एवं विस्तृत जानकारी एकत्र की जाती है. इससे पूर्व छह आर्थिक गणनाएं क्रमशः 1977, 1980, 1990, 1998, 2005 व 2013 में सम्पन्न हुई थीं.

4. विनिमय दर आधारित जीडीपी (GDP) के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था 2018 में विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में किस स्थान पर थी ?
– सातवें

जीडीपी रैंकिंग में 2018 में प्रथम छह स्थान क्रमशः संयुक्त राज्य अमरीका, चीन, जापान, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन), फ्रांस के हैं. 2·73 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ भारत सातवें स्थान पर है. 2017 में भारत का छठा स्थान तथा फ्रांस का सातवाँ स्थान था.

5. भारत के उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश समेत कुल कितने अधिकतम न्यायाधीश हो सकते हैं ? **– 34**

अगस्त 2019 में संसद द्वारा उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2019 पारित कर न्यायाधीशों की संख्या 31 से बढ़ाकर 34 कर दी है. मूल संविधान में कुल 8 न्यायाधीशों का प्रावधान था, जिसे 1956 में 11, 1960 में 14, 1977 में 18, 1986 में 26, 2009 में 31 कर दिया गया था.

6. रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO) ने 4 अगस्त, 2019 को सतह से आकाश में 30 किमी तक अतिशीघ्र मार करने वाली किस मिसाइल का परीक्षण किया ? **– QRSAM (Quick Reaction Surface to Air Missile)**

डीआरडीओ द्वारा भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड की सहायता से विकसित क्यूआरएसएएम मिसाइल का सफल परीक्षण ओडिशा में बालासोर के तट के निकट 4 अगस्त, 2019 को किया गया. यह इसका छठा परीक्षण था.

7. भारतीय रेल ने रेल में यात्रा करने वाले व्यक्तियों एवं उनके सामान की सुरक्षा के लिए अगस्त 2019 में कौनसा नया बल बनाया है ?
– CORAS (Commandos for Railway Security)

भारतीय रेल ने यात्रियों के लिए बेहतर सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करने के लिए एक नए कमाण्डो फोर्स कोरस (CORAS) की पहली बटालियन 14 अगस्त, 2019 से नियुक्त की है. यह रेल में आतंकी, नक्सली व अन्य अप्रत्याशित आक्रमणों से निपटने में भी सक्षम होगी.

8. संसद द्वारा किस राज्य के अनुच्छेद 370 के अन्तर्गत प्राप्त विशेष प्रावधान को अगस्त 2019 में समाप्त कर दिया गया है ?
– जम्मू और कश्मीर

अनुच्छेद 370 के प्रथम भाग (1) को छोड़कर अन्य प्रावधानों को समाप्त कर दिया गया है. साथ ही वहाँ के पृथक् संविधान के साथ-साथ अनुच्छेद 35ए भी समाप्त हो गया है.

9. भारत में 31 अक्टूबर, 2019 से कौनसे दो नए संघ राज्य क्षेत्र अस्तित्व में आ जाएंगे ? **– जम्मू और कश्मीर, लद्दाख**

जम्मू और कश्मीर (पुनर्गठन) अधिनियम, 2019 द्वारा जम्मू-कश्मीर का राज्य का स्तर समाप्त करके एवं इसका विभाजन कर दो संघ क्षेत्र (Union Territories)—लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर बनाए गए हैं, जोकि 31 अक्टूबर, 2019 से अस्तित्व में आ जाएंगे.

10. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नियमित एवं स्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति तक किसे अन्तरिम अध्यक्ष अगस्त 2019 में नियुक्त किया गया है ?
– सोनिया गांधी

17वीं लोक सभा के निर्वाचन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को वांछित विजय न मिलने के कारण राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था तथा नए अध्यक्ष के नाम पर सहमति न बनने के कारण सोनिया गांधी को अन्तरिम अध्यक्ष बनाया गया.

11. पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह किस राज्य की विधान से निर्वाचित होकर राज्य सभा के सदस्य अगस्त 2019 में बने हैं ?
– राजस्थान

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 1991 से 2019 तक लगातार छह बार असम से राज्य सभा के सदस्य रहे. राजस्थान से राज्य सभा के सदस्य मदनलाल सैनी की मृत्यु के कारण रिक्त स्थान पर मनमोहन सिंह राजस्थान विधान सभा से निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं.

अन्तर्राष्ट्रीय

1. भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 3 अगस्त, 2019 को किन तीन राष्ट्रों की यात्रा सम्पन्न की ? – **बेनिन, गाम्बिया व गिनी**

   राष्ट्रपति श्री कोविंद ने पश्चिम अफ्रीका के तीन राष्ट्रों–बेनिन (Benin), गाम्बिया (Gambia) व गिनी (Guinea) की यात्रा की. गिनी में राष्ट्रपति को वहाँ के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया गया.

2. विश्व के सात विकसित राष्ट्रों के संगठन जी-7 (G-7) का 45वाँ शिखर सम्मेलन अगस्त 2019 में कहाँ सम्पन्न हुआ ?

   – **बिआर्रिज (Biarritz)**

   फ्रांस में बिआर्रिज में 24–26 अगस्त, 2019 में जी-7 का शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमरीका एवं यूरोपियन यूनियन के इस संगठन के सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आमन्त्रित राष्ट्र मेहमान के रूप में भाग लिया.

3. अगस्त 2019 में स्विट्ज़रलैण्ड में सम्पन्न बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में महिला एकल प्रतियोगिता जीतकर किसने स्वर्ण पदक प्राप्त किया ? – **पी.वी. सिंधु (भारत)**

   भारत की पी.वी. सिंधु ने जापान की नोजोमी ओकुहारा (Nozomi Okuhara) को हराकर महिला एकल का स्वर्ण पदक जीता. सिंधु पहली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिन्होंने इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है. इसी प्रतियोगिता में भारत के बी. साई प्रनीथ ने पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता.

4. संयुक्त राज्य अमरीका एवं तत्कालीन सोवियत संघ (वर्तमान रूस) के मध्य, मध्यम एवं कम दूरी तक मार करने वाली परमाणु मिसाइलों को समाप्त करने के सम्बन्ध में 1987 में सम्पन्न कौनसी सन्धि अगस्त 2019 में औपचारिक रूप से समाप्त हो गयी ?

   – **Intermediate Range Nuclear Force Treaty (INF Treaty)**

   अमरीका ने आई.एन.एफ. सन्धि से पृथक् होने की घोषणा अक्टूबर 2018 में तथा 1 फरवरी, 2019 से सन्धि निलम्बित करने की घोषणा की थी. रूस ने भी प्रत्युत्तर में इससे सहमति जतायी. अमरीका ने 2 अगस्त, 2019 को इससे औपचारिक रूप से पृथक् होने की घोषणा कर दी.

5. अगस्त 2019 में बैंकॉक में सम्पन्न थाइलैण्ड ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप की पुरुषों की युगल प्रतियोगिता किसने जीती ?

   – **सात्विक साइराज रेंकी रेड्डी व चिराग शेट्टी**

   भारत के सात्विक साइराज रेंकी रेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी ने थाइलैण्ड ओपन बैडमिंटन का युगल खिताब चीनी जोड़ी को हराकर जीत लिया. विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) के सुपर 500 श्रेणी के किसी टूर्नामेंट में पदक जीतने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी है.

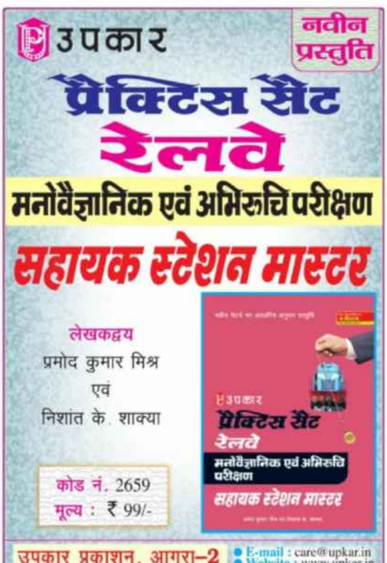

6. फ्रांस के किस नगर ने 25 अगस्त, 2019 को नाजियों से मुक्त होने के 75 वर्ष पूरे होने पर मुक्ति दिवस मनाया ? **– पेरिस**

द्वितीय विश्व युद्ध के समय नाजियों के अधीन रहे पेरिस जिसे 'सिटी ऑफ लाइट' भी कहा जाता है को 75 वर्ष पूर्व 25 अगस्त, 1944 को अमरीकी व फ्रेंच आर्मी ने नाजियों से मुक्त कराया था, इसी की स्मृति में 25 अगस्त, 2019 को एफिल टॉवर पर समारोह आयोजित किया गया.

7. विश्व के किस बरसाती वन (Rain Forest) में लगी आग को लेकर पर्यावरणविद् अत्यधिक चिंतित हैं ? **– एमेजॉन (Amazon)**

विश्व का सबसे बड़ा उष्णकटिबन्धी (Tropical) वन अमेजॉन जोकि ब्राजील के अधिकांश भाग में फैला हुआ है, में भयंकर आग लगी हुई है, जिसे बुझाने के ब्राजील द्वारा हरसम्भव प्रयास किए जा रहे हैं. पर्यावरणविदों को तापमान बढ़ने एवं वन समाप्त होने की चिन्ता है.

8. चीन के किस विशेष प्रशासनिक क्षेत्र में लोकतन्त्र समर्थकों द्वारा आन्दोलन चलाया जा रहा है ? **– हांगकांग (Hong Kong)**

1997 में ब्रिटेन द्वारा एक सन्धि के तहत् हांगकांग चीन को सौंपा था तथा सन्धि में यह प्रावधान था कि 2047 तक चीन यहाँ की स्वायत्तता बनाए रखेगा, लेकिन चीन द्वारा नए-नए नियम बनाकर यहाँ के व्यक्तियों की स्वतन्त्रता एवं स्वायत्तता को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके विरोध में लोकतन्त्र समर्थकों द्वारा आन्दोलन चलाया जा रहा है.

9. अमरीका का भारत के किस पड़ोसी राष्ट्र के साथ व्यापारिक युद्ध (Trade War) चल रहा है, जोकि समाचारों में चर्चित है ? **– चीन**

अमरीका और चीन के मध्य दोनों के सामान जोकि निर्यात व आयात किए जाते हैं, पर लगाए जाने वाले कर (Tariff) को लेकर युद्ध चल रहा है. अमरीका के सामान पर चीन और चीन के सामान पर अमरीका द्वारा टेरिफ दरों को बढ़ाने एवं कम करने का संघर्ष चल रहा है.

10. रूस द्वारा अगस्त 2019 में किस मानव रोबोट को अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन पर भेजा गया ? **– फेडोर (FEDOR)**

रूस द्वारा मानव रोबोट फेडोर (Final Experimental Demonstration Object Research) को सोयूज एमएस-14 अन्तरिक्ष यान से अन्तरिक्ष स्टेशन (International Space Station) के लिए भेजा है, जहाँ 7 सितम्बर, 2019 को पहुँच कर अन्तरिक्ष यात्रियों के साथ काम करेगा.

11. किसे गृहयुद्ध से ग्रसित सूडान में नवगठित सोवरिन कोंसिल (Sovereign Council) का अध्यक्ष अगस्त 2019 में बनाया गया है ? **– जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान**

सूडान में अब तक शासन करने वाली ट्रांजीशनल मिलिटरी कोंसिल (TMC) के स्थान पर मिलिटरी तथा नागरिकों की संयुक्त सोवरिन कोंसिल का गठन किया गया है, टीएमसी के अध्यक्ष जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान को ही इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है.

12. नेपाल में खोजी गयी नयी झील कौनसी है, जो सम्भवतः सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित झील है ? **– काजिन सारा (Kajin Sara)**

काजिन सारा झील समुद्र तल से लगभग 5,200 मीटर की ऊँचाई पर है, जिसकी लम्बाई 1,500 मीटर और चौड़ाई 600 मीटर है. यह नेपाल के मनांग जिले में है. विश्व में सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित झील के रूप में इसकी आधिकारिक पुष्टि होना शेष है. ●●●

शेष पृष्ठ 54 का

कारण है कि मुझे हर महीने के आरम्भ में इस पत्रिका का बेसब्री से इन्तजार रहता है. इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए बिहार से सम्बन्धित प्रश्नों एवं समसामयिक मुद्दों का समावेश किया जाए.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व	– डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एवं श्री चैतन्य प्रसाद, प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार.
सबल पक्ष	– कठिन परिश्रम, सतत् प्रयास एवं समय प्रबन्धन.
दुर्बल पक्ष	– भावुक होना एवं किसी पर जल्दी विश्वास कर लेना.
रुचियाँ	– संगीत सुनना एवं खाना बनाना.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरिज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से अभ्यर्थियों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

श्री आनन्द मोहन–प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांकों की सीरिज काफी गुणवत्तापूर्ण है, विशेषकर अर्थव्यवस्था का अतिरिक्तांक.

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय सीमा निर्धारित की थी ?

श्री आनन्द मोहन–मैंने 63वीं मुख्य परीक्षा देने के पश्चात् तैयारी बन्द कर दी थी, क्योंकि 60-62वीं एवं 63वीं मुख्य परीक्षा से मैं काफी सन्तुष्ट था.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमन्त्र क्या है ?

श्री आनन्द मोहन–लक्ष्य के प्रति अडिग, समय प्रबन्धन, कठोर परिश्रम एवं आत्मविश्वास मेरी सफलता का मूलमन्त्र है.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

श्री आनन्द मोहन–प्रतियोगिता दर्पण एवं इसके अतिरिक्तांक, बिहार एक परिचय, बिहार आर्थिक परिदृश्य एवं समसामयिकी, N.C.E.R.T. की पुस्तकें, योजना, कुरुक्षेत्र का अध्ययन किया. सामान्य अध्ययन के लिए समीर सर का क्लास नोट्स काफी महत्वपूर्ण रहा.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों के बारे में बताएं, जो तैयारी के अनिवार्य अंग रहे.

श्री आनन्द मोहन–मैं वर्तमान में सचिवालय सहायक के पद पर कार्यरत् हूँ. इसलिए मैं सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 6 से 7·30 बजे तक एवं शाम में 7 से 10 बजे तक पढ़ाई करता था. शनिवार एवं रविवार को सुबह 9 से 12 बजे तक मुख्य परीक्षा के लिए टेस्ट एवं शाम में 6 से 10 बजे तक सामूहिक अध्ययन करता था.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री आनन्द मोहन–प्रारम्भिक असफलता से घबराए नहीं. अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सतत् प्रयासरत् रहें तथा आत्म-विश्वास बनाए रखें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री आनन्द मोहन–जी, धन्यवाद.

●●●

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व

हम्मीर देव

हम्मीर देव चौहान, पृथ्वीराज चौहान के वंशज थे. उन्होंने रणथम्भौर पर 1282 से 1301 तक राज्य किया. वे रणथम्भौर के सबसे महान शासकों में सम्मिलित हैं. हम्मीर देव का कालजयी शासन चौहान काल का अमर वीर-गाथा इतिहास माना जाता है. हम्मीर देव चौहान को चौहान काल का 'कर्ण' भी कहा जाता है. पृथ्वीराज चौहान के बाद इनका ही नाम भारतीय इतिहास में अपने हठ के कारण अत्यन्त महत्व रखता है. राजस्थान के रणथम्भौर साम्राज्य का सर्वाधिक शक्तिशाली एवं प्रतिभासम्पन्न शासक हम्मीर देव को ही माना जाता है. हम्मीर देव के बारे में जानकारी के प्रमख स्रोत हैं—**हम्मीर महाकाव्य** (रचयिता : नयनचन्द्र सूरी), **हम्मीर रासो** (रचयिता : जोधाराज), हम्मीर हठ (रचयिता : चन्द्र-शेखर) आदि. सन् 1282 ई. में जब उसका राज्याभिषेक हुआ गुलाम वंश उन्नति के शिखर पर था. किन्तु चार वर्षों के अन्दर ही सुल्तान बलबन की मृत्यु हुई; और चार वर्षों के बाद गुलाम वंश की समाप्ति हो गई. हम्मीर ने इस राजनीतिक परिस्थिति से लाभ उठाकर चारों ओर अपनी शक्ति का प्रसार किया. उसने मालवा के राजा भोज को हराया, मंडलगढ़ के शासक अर्जुन को कर देने के लिए विवश किया.

सन् 1290 में दिल्ली में गुलाम वंश का स्थान साम्राज्याभिलाषी खिलजी वंश ने लिया और रणथम्भौर पर मुसलमानों के आक्रमण शुरू हो गए. जलालुद्दीन खिलजी को विशेष सफलता न मिली. तीन चार साल तक अलाउद्दीन ने भी अपनी नजर इस पर न डाली, किन्तु सन् 1300 के आरम्भ में जब अलाउद्दीन के सेनापति उलूग खाँ की सेना गुजरात की विजय के बाद दिल्ली लौट रही थी, मंगोल सैनिकों ने मुहम्मदशाह के नेतृत्व में विद्रोह किया और रणथम्भौर में शरण ली. अलाउद्दीन की इस दुर्ग पर पहले से ही नजर थी, हम्मीर के इस कार्य से वह और कुपित हो गया. अलाउद्दीन को पहले आक्रमण में कुछ सफलता मिली. दूसरे आक्रमण में खिलजी बुरी तरह परास्त हुए; तीसरे आक्रमण में खिलजी सेनापति नुसरत खाँ मारा गया और मुसलमानों को घेरा उठाना पड़ा. चौथे आक्रमण में स्वयं अलाउद्दीन ने अपनी विशाल सेना का नेतृत्व किया. धन और राज्य के लोभ से हम्मीर के अनेक आदमी अलाउद्दीन से जा मिले, किन्तु हम्मीर ने शरणागत मुहम्मद शाह को खिलजियों के हाथ में सौंपना स्वीकृत न किया. इस युद्ध में हम्मीर देव की पत्नी रानी रंगादेवी ने रणथम्भौर दुर्ग स्थित पद्मला तालाब में कूदकर जल जौहर किया था. जोकि राजस्थान का प्रथम जौहर था. वीर हम्मीर ने भी दुर्ग का द्वार खोलकर शत्रु से लोहा लिया और अपनी आन, अपने हठ, पर प्राण न्यौछावर किए.

सन्त दादूदयाल

दादूदयाल मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन के प्रमुख सन्त थे. इनका जन्म वर्ष 1544 में और मृत्यु 1603 ई. में हुई. इन्होंने एक निर्गुणवादी सम्प्रदाय की स्थापना की, जो दादूपंथ के नाम से ज्ञात है. पूर्व में दादूदयाल का नाम महाबलि था. पत्नी की मृत्यु के बाद ये संन्यासी बन गए. अधिकांशतया ये सांभर व आमेर में रहने लगे. फतेहपुर सीकरी में अकबर से भेंट के बाद दादूदयाल भक्ति का प्रचार-प्रसार करने लगे. राजस्थान में ये नदाना या नारायण गांव में रहने लगे. 1603 में वही पर इन्होंने अपनी देह का त्याग किया. दादूदयाल के 52 शिष्य थे इनमें से रज्जब, सुन्दरदास, जनगोपाल प्रमुख थे. जिन्होंने अपने गुरु की शिक्षाएँ जन-जन तक फैलाई. इनकी शिक्षाएँ दादुवाणी में संग्रहित हैं.

दादूदयाल ने बहुत ही सरल भाषा में अपने विचारों की अभिव्यक्ति की है. इनके अनुसार ब्रह्मा से ओंकार की उत्पत्ति और ओंकार से पाँच तत्वों की उत्पत्ति हुई. माया के कारण ही आत्मा और परमात्मा के मध्य भेद होता है. दादूदयाल ने ईश्वर प्राप्ति के लिए गुरु को अत्यन्त आवश्यक बताया. अच्छी संगति, ईश्वर का स्मरण, अहंकार का त्याग, संयम एवं निर्भीक उपासना ही सच्चे साधन हैं दादूदयाल ने विभिन्न प्रकार के सामाजिक आडम्बर, पाखंड एवं सामाजिक भेदभाव का खंडन किया. जीवन में सादगी, सफलता और निश्छलता पर विशेष बल दिया. सरल भाषा एवं विचारों के आधार पर दादू को राजस्थान का कबीर भी कहा जाता है.

सन्त दादू जी विक्रम सं. 1625 में सांभर पधारे यहाँ उन्होंने मानव-मानव के भेद को दूर करने वाले. सच्चे मार्ग का उपदेश दिया. तत्पश्चात् दादू जी महाराज आमेर पधारे तो वहाँ की सारी प्रजा और राजा उनके भक्त हो गए. उसके बाद वे फतेहपुर सीकरी भी गए जहाँ पर बादशाह अकबर ने पूर्ण भक्ति व भावना से दादू जी के दर्शन कर उनके सत्संग व उपदेश ग्रहण करने की इच्छा प्रकट की तथा लगातार 40 दिनों तक दादूजी से सत्संग करते हुए उपदेश ग्रहण किए. दादूजी के सत्संग से प्रभावित होकर अकबर ने अपने समस्त साम्राज्य में गौ हत्या बंदी का फरमान लागू कर दिया. उसके बाद दादूजी महाराज नदाना या नारायण गाँव (जिला जयपुर) पधारे और उन्होंने इस नगर को साधना, विश्राम तथा धाम के लिए चुना और यहाँ एक खेजडे के वृक्ष के नीचे विराजमान होकर लम्बे समय तक तपस्या की और आज भी खेजडा जी के वृक्ष के दर्शन मात्र से तीनों प्रकार के ताप नष्ट होते हैं. यहीं पर उन्होंने ब्रह्मधाम "दादूद्वारा" की स्थापना की जिसके दर्शन मात्र से आज सभी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं. तत्पश्चात् श्री दादूजी ने सभी सन्त शिष्यों को अपने ब्रह्मलीन होने का समय बताया. ब्रह्मलीन होने के लिए निर्धारित दिन (जयेष्ट कृष्ण अष्टमी सम्वत् 1660) के शुभ समय में श्री दादूजी ने एकांत में ध्यानमग्न होते हुए "सत्यराम" शब्द का उच्चारण कर इस संसार से ब्रह्मलोक को प्रस्थान किया.

व्योमेश चन्द्र बनर्जी

व्योमेश चन्द्र बनर्जी का जन्म 29 दिसम्बर, 1844 को कलकत्ता (अब कोलकाता) के एक उच्च मध्यम वर्ग के कुलीन ब्राह्मण परिवार में हुआ था. उनके पिता कोलकाता उच्च न्यायालय में न्यायवादी थे. व्योमेश अंग्रेजी चाल-ढाल के इतने कट्टर अनुयायी थे. उन्होंने कलकत्ता में ओरिएंटल सेमिनरी और हिन्दू स्कूल से शिक्षा ग्रहण की. वर्ष 1864 में मुम्बई में आर.जे. जीजीभाई से छात्रवृत्ति मिलने के बाद वह कानून की पढ़ाई करने के लिए इंगलैण्ड चले गए. वर्ष 1859 में उनका विवाह हेमांगिनी मोतीलाल के साथ

हुआ था. सन् 1865 में दादाभाई नौरोजी ने लन्दन भारतीय समाज की स्थापना की और व्योमेश चन्द्र बनर्जी को इसका महासचिव बनाया गया. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1885 में हुए प्रथम अधिवेशन के वे अध्यक्ष चुने गए थे. इसके बाद उन्हें दोबारा भी इलाहाबाद में 1892 में हुए कांग्रेस अधिवेशन का अध्यक्ष बनाया गया था. ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए चुनाव लड़ने वाले वे प्रथम भारतीय थे, किन्तु वे जीत नहीं पाए. वह 1906 में अपनी मृत्यु के अन्तिम समय भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आन्दोलन को ये बढ़ावा देते रहे. उनका निधन इंगलैण्ड में हुआ था.

मुथुलक्ष्मी रेड्डी

मुथुलक्ष्मी रेड्डी का जन्म 1886 में तमिलनाडु में हुआ था. जिस समय भारत पर अंग्रेज सरकार का राज था तब डॉक्टर

रेड्डी सरकारी अस्पताल में सर्जन के तौर पर काम करने वाली पहली महिला बनीं थी. इसके साथ ही वो 1927 में मद्रास लेजिस्लेटिव काउन्सिल के लिए निर्वाचित हुई और इस रूप में उन्हें पहली महिला विधायक होने का श्रेय प्राप्त किया. जिस दौर में मुथुलक्ष्मी रेड्डी बड़ी हो रही थीं, उस समय बाल विवाह का चलन बहुत आम था. लेकिन मुथुलक्ष्मी ने इसका विरोध किया और अपने माता-पिता को उन्हें शिक्षित करने के लिए राजी किया. मुथुलक्ष्मी ने तमिलनाडु के महाराजा कॉलेज में पढ़ाई की, उस समय तक वह कॉलेज सिर्फ लड़कों के लिए ही था. इसके बाद वो मद्रास कॉलेज में प्रवेश लेने वाली पहली महिला छात्रा बनीं.

डॉ. रेड्डी ने मद्रास विधान सभा में काम करते हुए शादी के लिए तय उम्र को बढ़ाने की माँग की इसके साथ ही उन्होंने बच्चियों के साथ होने वाले उत्पीड़न के खिलाफ भी आवाज बुलंद की.

बताया जाता है कि डॉ. रेड्डी की बहन की मृत्यु कैंसर की वजह से हो गई थी, इसके बाद उन्होंन वर्ष 1954 में चेन्नई में एक कैंसर इंस्टीट्यूट की शुरूआत की. आज के समय में यह दुनिया के सबसे बड़े कैंसर अस्पतालों में से एक है, जहाँ हर साल हज़ारों कैंसर मरीज़ों का इलाज चलता है.

साल 1956 में डॉक्टर रेड्डी को उनकी सेवा और काम के लिए भारत सरकार की ओर से पद्मभूषण से नवाज़ा गया था. साल 1968 में 81 वर्ष की आयु में डॉक्टर रेड्डी का निधन हो गया था.

उधम सिंह

सरदार उधम सिंह का नाम भारत की आजादी की लड़ाई में पंजाब के क्रान्तिकारी

के रूप में दर्ज है. उनका असली नाम शेर सिंह था और कहा जाता है कि साल 1933 में उन्होंने पासपोर्ट बनाने के लिए 'उधम सिंह' नाम अपनाया. उधम सिंह का जन्म 26 दिसम्बर, 1899 को पंजाब में संगरूर जिले के सुनाम गाँव में हुआ था. कम उम्र में ही माता-पिता का साया उठ जाने से जाने से उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा और अनाथालय में शरण लेनी पड़ी, लेकिन 1919 में हुए जालियाँवाला बाग हत्याकांड के बाद उन्होंने पढ़ाई जारी रखने के साथ-साथ स्वतन्त्रता आन्दोलन में कूदने का फैसला किया और अपनी जिंदगी आजादी की जंग के नाम कर दी. उस वक्त वे मैट्रिक की परीक्षा पास कर चुके थे.

आजादी की इस लड़ाई में वे 'गदर' पार्टी से जुड़े और उस वजह से बाद में उन्हें 5 साल की जेल की सजा भी हुई. जेल से निकलने के बाद उन्होंने अपना नाम बदला और पासपोर्ट बनाकर विदेश चले गए. लाहौर जेल में उनकी मुलाकात भगत सिंह से हुई. उधम सिंह भी किसी भी धर्म में विश्वास नहीं रखते थे. 13 मार्च, 1940 को लन्दन के कैक्सटन हॉल में ईस्ट इंडिया एसोसिएशन और रॉयल सेंट्रल एशियन सोसायटी की एक बैठक चल रही थी. जहाँ वो भी पहुँचे और उनके साथ एक किताब भी थी. इस किताब में पन्नों को काटकर एक बन्दूक रखी हुई थी. इस बैठक के खत्म होने पर उधम सिंह ने किताब से बन्दूक निकाली और माइकल ओड्वायर पर फायर कर दिया. ओड्वायर को दो गोलियाँ लगीं और पंजाब के इस पूर्व गवर्नर की मौके पर ही मौत हो गई. गोली चलाने के बाद भी उन्होंने भागने की कोशिश नहीं की और गिरफ्तार कर लिए गए. ब्रिटेन में ही उन पर मुकदमा चला और 4 जून, 1940 को उधम सिंह को हत्या का दोषी ठहराया गया और 31 जुलाई, 1940 को उन्हें पेंटनविले जेल में फाँसी दे दी गई.

श्री लाल बहादुर शास्त्री

श्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था. लाल बहादुर शास्त्री स्वतन्त्र भारत के दूसरे प्रधानमन्त्री थे. शारीरिक कद में छोटे होने के बावजूद भी

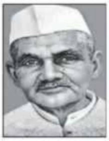

वह महान साहस और इच्छाशक्ति के व्यक्ति थे. बड़े होने के साथ-ही लाल बहादुर शास्त्री विदेशी दासता से आजादी के लिए देश के संघर्ष में अधिक रुचि रखने लगे. वे भारत में ब्रिटिश शासन का समर्थन कर रहे भारतीय राजाओं की महात्मा गांधी द्वारा की गई निन्दा से अत्यन्त प्रभावित हुए. लाल बहादुर शास्त्री जब केवल ग्यारह वर्ष के थे तब से ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कुछ करने का मन बना लिया था. गांधी जी ने असहयोग आन्दोलन में शामिल होने के लिए अपने देशवासियों से आह्वान किया था, इस समय लाल बहादुर शास्त्री केवल सोलह वर्ष के थे. उन्होंने महात्मा गांधी के इस आह्वान पर अपनी पढ़ाई छोड़ देने का निर्णय कर लिया था. उनके इस निर्णय ने उनकी माँ की उम्मीदें तोड़ दीं. उनके परिवार ने उनके इस निर्णय को गलत बताते हुए उन्हें रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन वे इसमें असफल रहे. लाल बहादुर ने अपना मन बना लिया था. उनके सभी करीबी लोगों को यह पता था कि एक बार मन बना लेने के बाद वे अपना निर्णय कभी भी नहीं बदलेंगे, क्योंकि बाहर से विनम्र दिखने वाले लाल बहादुर अन्दर से चट्टान की तरह दृढ़ हैं. लाल बहादुर शास्त्री ब्रिटिश शासन की अवज्ञा में स्थापित किए गए कई राष्ट्रीय संस्थानों में से एक वाराणसी के काशी विद्यापीठ में शामिल हुए. यहाँ वे महान् विद्वानों एवं देश के राष्ट्रवादियों के प्रभाव में आए. विद्या पीठ द्वारा उन्हें प्रदत्त स्नातक की डिग्री का नाम 'शास्त्री' था लेकिन लोगों के दिमाग में यह उनके नाम के एक भाग के रूप में बस गया.

पाकिस्तान के साथ 1965 के युद्ध के दौरान उन्होंने सफलतापूर्वक देश का नेतृत्व किया. युद्ध के दौरान देश को एकजुट करने के लिए उन्होंने "जय जवान जय किसान" का नारा दिया. आज़ादी से पहले उन्होंने स्वतन्त्रता आन्दोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की.

भारत के गणराज्य बनने के बाद जब पहले आम चुनाव आयोजित किए गए तब लाल बहादुर शास्त्री कांग्रेस पार्टी के महासचिव थे. कांग्रेस पार्टी ने भारी बहुमत के साथ चुनाव जीता. 1952 में जवाहर लाल नेहरू ने लाल बहादुर शास्त्री को केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल में रेलवे और परिवहन

मन्त्री के रूप में नियुक्त किया. तृतीय श्रेणी के डिब्बों में यात्रियों को और अधिक सुविधाएं प्रदान करने में लाल बहादुर शास्त्री के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता. उन्होंने रेलवे में प्रथम श्रेणी और तृतीय श्रेणी के बीच विशाल अन्तर को कम किया. 1956 में लाल बहादुर शास्त्री ने एक रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मन्त्री पद से त्यागपत्र दे दिया. जवाहरलाल नेहरू ने शास्त्रीजी को मनाने की बहुत कोशिश की पर लाल बहादुर शास्त्री अपने फैसले पर कायम रहे. अपने कार्यों से लाल बहादुर शास्त्री ने सार्वजनिक जीवन में नैतिकता के एक नए मानक को स्थापित किया.

अगले आम चुनावों में जब कांग्रेस सत्ता में वापस आयी तब लाल बहादुर शास्त्री परिवहन और संचार मन्त्री और बाद में वाणिज्य और उद्योग मन्त्री बने. वर्ष 1961 में गोविन्द वल्लभ पन्त के देहान्त के पश्चात् वह गृह मन्त्री बने. सन् 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान शास्त्रीजी ने देश की आन्तरिक सुरक्षा बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

1964 में जवाहरलाल नेहरू के मरणोपरान्त सर्वसम्मति से लाल बहादुर शास्त्री को भारत का प्रधानमन्त्री चुना गया. यह एक मुश्किल समय था और देश बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा था. देश में खाद्यान्न की कमी थी और पाकिस्तान सुरक्षा के मोर्चे पर समस्या खड़ी कर रहा था. 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया. कोमल स्वभाव वाले लाल बहादुर शास्त्री ने इस अवसर पर अपनी सूझबूझ और चतुरता से देश का नेतृत्व किया. सैनिकों और किसानों को उत्साहित करने के लिए उन्होंने "जय जवान, जय किसान" का नारा दिया. पाकिस्तान को युद्ध में हार का सामना करना पड़ा और शास्त्रीजी के नेतृत्व की प्रशंसा हुई.

जनवरी 1966 में भारत और पाकिस्तान के बीच शान्ति वार्ता के लिए ताशकंद में लाल बहादुर शास्त्री और अयूब खान के बीच हुई बातचीत हुई. भारत और पाकिस्तान ने रूसी मध्यस्थता के तहत् संयुक्त घोषणापत्र हस्ताक्षर किए. सन्धि के तहत् भारत युद्ध के दौरान कब्जा किए गए सभी प्रान्तों को पाकिस्तान को लौटने के लिए सहमत हुआ. 10 जनवरी, 1966 को संयुक्त घोषणा पत्र हस्ताक्षरित हुआ और उसी रात को दिल का दौरा पड़ने से लाल बहादुर शास्त्री का निधन हो गया.

●●●

FUTURE OF EVs IN INDIA

The Union Government adopted a policy to make a quick transition to electric vehicles over the next decade and has announced several measures to encourage people to buy more EVs. But fiscal measures alone will not be enough to create demand — reliable infrastructure for quick charging and affordable cost of vehicles and spares are also important. We take a look at the EV ecosystem.

- GST Council in its 36th meeting slashed GST rate on EVs from 12% to 5% and EV Chargers from 18% to 5%.
- These rates are effective from August 1, 2019.
- Government provided additional income tax deduction of ₹ 1·5 lakh on the interest paid on loan taken to purchase EV. This amounts to a benefit of around ₹ 2·5 lakh over the loan period to tax payer who take loan to purchase EV.

Growth of EV Industry so far

Sales of electric vehicles up in 2018-19 due to a renewed government push

Sales of electric 2-wheelers and 4-wheelers (units)

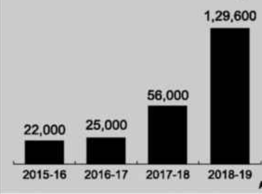

Major players in EV manufacturing include:

Two-& three-wheelers
Hero Electric, PIAGGIO Vehicles, Kinetic Green Energy & Power Solutions

Four-wheelers
Mahindra Electric, Tata Motors

Buses
Ashok Leyland

About 6 lakh electric three-wheelers were estimated to be sold in 2018-19

Impediments of adopting EVs

They cost a lot more than vehicles with internal combustion engines but are cheaper to run

	CAPITAL COST		RUNNING COST	
	Electric	ICE	Electric	
Two-wheelers	₹34,000-50,000	₹25,000-70,000+	₹0.06-0.4/km	₹1-1.5/km
Rickshaws	₹80,000-1,50,000	₹1,44,000-3,00,000	₹0.45-1/km	₹1.84/km CNG ₹3.5/km Petrol ₹2.6/km diesel
Four-wheelers	₹7,00,000	₹4,80,000-7,40,000	₹2/km	₹3.5/km
Buses	₹2.6 crore	₹20-88 lakh#	₹10/km	₹15-23/km#

ICE - Internal combustion engine # Diesel bus

Time to refuel

Electric car	ICE car
35-40 mins for fast charging	5 minutes
8 hours for slow charging	

Journey range

Another impediment to greater adoption is the journey range per full charge compared to a full tank

A fully-charged electric car can travel a third of the distance an ICE vehicle can on a full tank

Source: Economic Survey 2018-19, India leaps ahead: Transformative Mobility solutions for all report by NITI Aayog and Rocky Mountain Institute, USA, Global EV Outlook 2019 - Scaling-up the transition to electric mobility report by International Energy Agency, Clean Energy Ministerial, Electric Vehicles Initiative, Towards resource efficient electric vehicle sector in India published by European Union's Resource Efficeincy Initiative (EU-REI), Adopting Pure Electric Vehicles : Key Policy Enablers — White paper on Electric Vehicles by SIAM, Standing up India's EV ecosystem - who will drive the charge? - report by Ernst and Young LLP, SIAM, Society of Manufactures of Electric Vehicles (SMEV).

Access to chargers

Publicly accessible chargers (slow and fast) emerged only after 2015

Total number of publicly accessible chargers

Installation of public charges began with the rollout of FAME. The process was further accelerated over the past few months

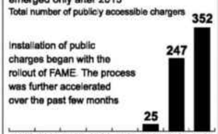

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

✍ धीरज पाण्डेय

कला एवं संस्कृति

तल्लोहपुआन एवं मिजोपुआनचेई

तल्लोहपुआन मिजोरम का एक भारी, अत्यन्त मजबूत एवं उत्कृष्ट वस्त्र है, जो तने हुए धागे, बुनाई और जटिल डिजाइन के लिए जाना जाता है. इसे हाथ से बुना जाता है. मिजो भाषा में तल्लोह का मतलब एक ऐसी मजबूत चीज होती है, जिसे पीछे नहीं खींचा जा सकता है. मिजो समाज में तल्लोहपुआन का विशेष महत्व है और इसे पूरे मिजोरम राज्य में तैयार किया जाता है. आइजोल और थेनजोल शहर इसके उत्पादन के मुख्य केन्द्र हैं.

मिजोपुआनचेई मिजोरम का एक रंगीन मिजो शॉल/वस्त्र है, जिसे मिजो वस्त्रों में सबसे रंगीन वस्त्र माना जाता है. मिजोरम की प्रत्येक महिला का यह एक अनिवार्य वस्त्र है और यह इस राज्य में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण शादी की पोशाक है. मिजोरम में मनाए जाने वाले उत्सव के दौरान होने वाले नृत्य और औपचारिक समारोह में आमतौर पर इस पोशाक का ही उपयोग किया जाता है.

उद्योग एवं आन्तरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने हाल ही में मिजोरम राज्य के तल्लोहपुआन एवं मिजोपुआनचेई को पंजीकृत भौगोलिक संकेतकों (जीआई) की सूची में शामिल किया गया है. जीआई टैग या पहचान उन उत्पादों को दी जाती है, जो किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में ही पाए जाते हैं और उनमें वहाँ की स्थानीय खूबियाँ अन्तर्निहित होती हैं. दरअसल जीआई टैग लगे किसी उत्पाद को खरीदते वक्त ग्राहक उसकी विशिष्टता एवं गुणवत्ता को लेकर आश्वस्त रहते हैं.

श्रमण परम्परा

वैदिक परम्परा के बाहर के कुछ दार्शनिक इस प्रश्न कि 'सत्य एक है अथवा अनेक' का उत्तर ढूँढ़ने के लिए प्रयत्नशील थे. अनेक विचारक, जिन्हें श्रमण कहा जाता था, स्थान-स्थान पर घूमकर अपनी विचार-धाराओं के विषय में अन्य लोगों से तर्क-वितर्क करने लगे. श्रमण, परम्परा यज्ञ-हवन की विरोधी थी और योग साधना एवं तपाचरण पर ही बल देती थी.

भारत का इतिहास श्रमण संस्कृति एवं ब्राह्मण संस्कृति के मध्य संघर्ष का इतिहास है और यह संघर्ष वर्तमान में जारी है. श्रमण का अर्थ परिश्रम करना है. यह इस परम्परा की इस मान्यता को प्रकट करता है कि कोई अन्य हमारा भाग्य विधाता नहीं है. व्यक्ति अपना विकास अपने परिश्रम से स्वयं कर सकता है. व्यक्ति ही अपने सुख और दुःख का कर्ता है. समन का अर्थ है समता भाव. सभी को आत्मवत समझना. सबके साथ आत्मवत आचरण करना. समाज के प्रत्येक सदस्य को समान मानना. जाति और वर्ण व्यवस्था में विश्वास न करना. शमन का अर्थ है अपनी वृत्तियों को संयमित करना. परिग्रह की सीमा का निर्धारण करना. वैदिक या ब्राह्मण के भी तीन लक्षण हैं—यज्ञ करना, कर्ता रूप में ईश्वर की मान्यता और यह मानना कि सब कुछ ईश्वर के अधीन है. नियति या भाग्यवाद में विश्वास करना. जैन और बौद्ध परम्परा के संन्यासियों को श्रमण कहा जाता था.

आदि महोत्सव (राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव)

आदि महोत्सव (राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव), जनजाति मंत्रालय और ट्राइबल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इण्डिया (ट्राइफेड) की संयुक्त पहल है. यह महोत्सव 17 अगस्त से 25 अगस्त, 2019 तक पोलो ग्राउण्ड, लेह-लद्दाख में सम्पन्न हुआ.

महोत्सव की थीम थी—जनजाति शिल्प, संस्कृति और वाणिज्य की भावना का उत्सव. ट्राइफेड सेवा प्रदाता और बाजार को विकसित करने की भूमिका निभाएगा. उद्घाटन कार्यक्रम के तहत् दो प्रतिष्ठित नृत्य मण्डलियों ने लद्दाखी लोकनृत्य-जबरो नृत्य और स्पावो नृत्य प्रस्तुत किए. जबरो नृत्य घुमंतु जनजातियों का नृत्य है. स्पावो नृत्य हिमालय क्षेत्र—केसर के पौराणिक नायक से सम्बन्धित हैं. लेह-लद्दाख में अपनी तरह का यह पहला आयोजन है. 20 राज्यों के 160 जनजाति शिल्पकार इस महोत्सव में भाग लिया. उत्पादों में राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा व पश्चिम बंगाल के जनजाति वस्त्र, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर के जनजाति आभूषण, मध्य प्रदेश के गोंड कला की पेंटिंग, छत्तीसगढ़ का धातु शिल्प, मणिपुर के बर्तन तथा उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश और कर्नाटक के प्राकृतिक व जैविक उत्पाद शामिल हैं.

कूडियाट्टम्

प्राचीन संस्कृत नाटकों का पुरातन केरलीय नाट्य रूप कूडियाट्टम कहलाता है. दो हजार वर्ष पुराने कूडियाट्टम को यूनेस्को ने 'वैश्विक पुरातन कला' के रूप में स्वीकार किया है. यह मन्दिर-कला है, जिसे चाक्यार और नंपियार समुदाय के लोग प्रस्तुत करते हैं. साधारणतः कूत्तंपलम नामक मन्दिर से जुड़े नाट्यगृहों में इस कला का मंचन होता है. कूडियाट्टम प्रस्तुत करने के लिए दीर्घकालीन प्रशिक्षण की आवश्यकता है.

कूडियाट्टम शब्द का अर्थ है–'संघ नाट्य' अथवा अभिनय अथवा संघटित नाटक या अभिनय. कूडियाट्टम में अभिनय को प्राधान्य दिया जाता है. भारत के नाट्य-शास्त्र में अभिनय की चार रीति बताई गई हैं—आंगिक, वाचिक, सात्विक और आहार्य. ये चारों रीतियाँ कूडियाट्टम में सम्मिलित रूप में जुड़ी हैं. कूडियाट्टम में हस्तमुद्राओं का प्रयोग करते हुए विशद अभिनय किया जाता है. इसमें इलकियाट्टम, पकर्न्नाट्टम, इरुन्नाट्टम आदि विशेष अभिनय रीतियाँ भी अपनाई जाती हैं.

यह मनोरंजन के साथ-साथ उपदेशात्मक भी होता हैं. इसमें उपदेश देने वाले विदूषक की भूमिका सर्वप्रमुख होती है, जो सामाजिक बुराइयों की ओर इशारा करता है. इसे चाक्यार और नंपियार समुदाय के लोग प्रस्तुत करते हैं.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवधारणाएं

भाभा कवच

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई ने भारतीय सेना लिए एक नई तकनीक से हल्की और मजबूत 'भाभा कवच' बुलेटप्रूफ जैकेट का निर्माण किया है. आतंकवाद, नक्सलवाद और सीमाओं पर घुसपैठ और खतरनाक अपराधियों से मुकाबला कर रहे सुरक्षा बलों और पुलिस संगठनों को लम्बे इन्तजार के बाद अब भारी भरकम और कम आघात के स्तर वाली बुलेट प्रूफ जैकेट से छुटकारा मिल सकेगा. उनके लिए विकल्प के तौर पर बेहतर जैकेट तैयार है. परमाणु विज्ञानी डाक्टर होमी जे भाभा को समर्पित इस जैकेट को उनका नाम दिया गया है—भाभा कवच.

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र (Bhabha Atomic Research Centre—BARC) ने इसे केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल और गृह मंत्रालय के आग्रह पर अनुसन्धान करके बनाया है. विज्ञानियों का दावा है कि ये बुलेट प्रूफ जैकेट लगभग 17 किलोग्राम तक के वजन वाली उन जैकेट्स

से न सिर्फ काफी हल्की है, जो वर्तमान में भारतीय संगठनों के जवान इस्तेमाल कर रहे हैं, बल्कि उनसे सस्ती और मजबूत भी है. अलग-अल्ग जरूरतों के हिसाब से बनाई गई इन जैकेट्स की तीन किस्में हैं, जो अलग-अलग स्तर के आघात को सह सकती हैं. पाँच से सात किलो वजन वाला भाभा कवच एके सीरिज वाली असाल्ट रायफल (AK-Rifle) से निकली गोली को भी जिस्म से प्रवेश करने से रोक सकता है. तकरीबन एक साल के रिसर्च और मेहनत के बाद इसे जिस सामग्री से तैयार किया गया है उसे बार्क नैनो शीट (BARC Nano Sheet) कहते हैं. इस कवच को बनाने में भारत निर्मित हल्के बोरोन कार्बाइड सिरेमिक टाइल्स, कार्बन नैनो ट्यूब और कम्पोजिट पोलीमर्स का इस्तेमाल किया गया है, जबकि अभी जो जैकेट्स भारतीय सुरक्षा बलों के जवान इस्तेमाल कर रहे हैं, वो दस किलो से ज्यादा जैकट आर्मर स्टील, अल्युमिना और सिलिका से बनाई जाती हैं, इसलिए वजनी भी होती हैं. यह पूरी तरह से भारत में तैयार की गई है. इसमें उपयोग मेटीरियल पूरी तरह स्वदेशी है. भाभा कवच हर टेस्ट में खरा उतरा है. भारतीय सेना और पैरामिलिटरी फोर्सेस में बड़ी संख्या में बुलेट प्रूफ जैकेट की माँग है. साल में लगभग 1 लाख से भी ज्यादा की जरूरत है.

ब्लैक गोल्ड

टाटा इंस्टीट्सूट्स ऑफ फण्डामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) के वैज्ञानिकों ने सोने से ही ब्लैक गोल्ड नाम का नया मेटेरियल तैयार किया है. यह सौर ऊर्जा को बूस्ट करने और समुद्र के पानी को पीने लायक बनाने में सक्षम है. वैज्ञानिकों ने प्रयोग के लिए सिलिका की सतह का इस्तेमाल किया. इसके कुछ हिस्से पर ब्लैक गोल्ड को पेंट किया. कुछ देर धूप में रहने के बाद ब्लैक गोल्ड कोटेड सिलिका की सतह का तापमान 38 डिग्री बढ़ गया.

ब्लैक गोल्ड के कारण पेंट किए गए हिस्से का तापमान 67 से 88 डिग्री तक पहुँच गया था. तापमान में यह बढ़ोत्तरी ही सौर ऊर्जा को बूस्ट करने में सहायक है. इसी तरह ब्लैक गोल्ड का इस्तेमाल नैनो हीटर के रूप में किया गया. इससे पानी को भाप (वाष्पीकृत) बनाने में मदद मिली, जिससे लैब में समुद्र का पानी पीने लायक बनाया गया.

टीआईएफआर की रिसर्च टीम को लीड कर रहे वैज्ञानिक विवेक पोलशेट्टीवर ने कहा, हमने सोने के नैनोपार्टिकल को किसी दूसरे पार्टिकल के साथ नहीं मिलाया है. हमने गोल्ड के नैनोपार्टिकल के अन्तर को विस्तार दिया है. एक-एक चरण की प्रक्रिया के बाद डेंड्राइटिक फाइब्रोस नैनोसिलिका की सहायता से बिलकुल नया मैटेरियल बना है. इसे ब्लैक गोल्ड नाम दिया है. ब्लैक गोल्ड मैटेरियल की खास बात है कि यह कार्बन डाइऑक्साइड सोख लेता है, जबकि ऐसा गुण सोने में नहीं होता. ब्लैक गोल्ड दिखने वाले प्रकाश के साथ-साथ सूर्य के रेडिएशन को भी ऑब्जर्व करता है.

विक्रम लैंडर

विक्रम लैंडर एक ऐसा मॉड्यूल है, जो अपने स्वयं के कुछ प्रयोगों का संचालन करते हुए प्रग्यान रोवर को चाँद के सतह पर पहुँचाएगा. विक्रम लैंडर जब एक बार तय समय के अनुसार सफलतापूर्वक चाँद की सतह पर लैंड कर लेगा, तो प्रग्यान रोवर खुद ही बाहर चाँद की सतह पर आएगा, इस प्रक्रिया को रोल आउट कहा जाता है. इसमें कई उपकरण और पेलोड भी शामिल हैं, जो अपने पूरे मिशन समय में लगातार प्रयोग करते रहेंगे.

बता दें कि इस लैंडर का नाम इसरो के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है. विक्रम साराभाई 'भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम के जनक' के रूप में माने जाते हैं. ये लैंडर चाँद की सतह पर पहुँचने के बाद 14 दिनों तक संचालित किया जाएगा. इस दौरान विक्रम लैंडर बेंगलूरू के पास बयालू में भारतीय डीप स्पेस नेटवर्क (IDSN) के साथ लगातार कम्यूनिकेशन करता रहेगा. इसी नेटवर्क का उपयोग ऑर्बिटर और रोवर द्वारा भी कम्यूनिकेशन के लिए किया जाएगा. विक्रम लैंडर का कुल वजन 1,471 किलोग्राम है, जिसमें प्रज्ञान रोवर (27 किलोग्राम) भी शामिल है. ये लैंडर लगभग 650 W बिजली पैदा करने में सक्षम है. यह 2·54×2×1·2 मीटर लम्बा है. चाँद पर उतरने के दौरान यह चाँद के 1 दिन लगातार काम करेगा. चाँद का 1 दिन पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर होता है. यह चाँद के दो बड़े गड्ढों मैजिनस सी और सिंपेलियस एन के बीच उतरेगा.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

फ्लोटिंग रेट बॉन्ड्स

फ्लोटिंग रेट बॉन्ड्स डेट सिक्योरिटीज होती हैं, जिन पर एक समय अवधि में तय ब्याज की पेशकश नहीं की जाती. इनके रेट बेंचमार्क इंटरेस्ट रेट्स के साथ बदलते रहते हैं. ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स को खासतौर पर इंटरेस्ट रेट में गिरावट वाले दौर में पसन्द किया जाता है. बॉन्ड इश्यू करने वालों को बॉरोइंग कॉस्ट के लिहाज से फायदा होता है. ऐसे बॉन्ड आमतौर पर बैंकों के बेस रेट से लिंक होते हैं, जिससे कम रेट पर बैंक लोन नहीं दे सकते. इसके प्राइस में बैंक बेस रेट के साथ 0·10–0·20 पर्सेंट का स्प्रेड या मार्क-अप जोड़ा जाता है. अगर कोई भी एए+ रेटिंग वाली कम्पनी बैंक से टर्म लोन के लिए आवेदन करती है, तो उसे बैंक की क्रेडिट अप्रेजल पॉलिसी के आधार पर कम-से-कम 0·15–0·20 पर्सेंट अधिक रेट चुकाना पड़ सकता है. अगर कम्पनी एक बड़ी रकम जुटाना चाहती है, तो यह और बढ़ जाता है. अपनी अलग-अलग स्कीमों के लिए म्यूचुअल फण्ड और इंश्योरेंस कम्पनियों, प्रॉविडेंट फण्ड और पेंशन हाउसेज सहित लॉंग-टर्म फण्ड. यह प्रॉडक्ट इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन रईस इनवेस्टर्स भी इनमें पैसा लगा सकते हैं.

नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 4 मार्च, 2019 को स्वदेश निर्मित नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) का शुभारम्भ किया. लोगों को देशभर में मेट्रो सेवाओं और टोल टैक्स समेत कई तरह के परिवहन शुल्क का भुगतान करने में सक्षम बनाने के लिए यह सेवा आरम्भ की गई है. इस कार्ड का इस्तेमाल मेट्रो, बस, उपनगरीय रेलवे, टोल, पार्किंग, स्मार्ट सिटी और खुदरा दुकानों में भी किया जा सकेगा. पीओएस मशीन पर स्वाइप करने के साथ ही मेट्रो स्टेशनों पर मौजूद एएफसी गेट पर इस्तेमाल किया जा सकता है. इस नई पहल को ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट 'स्वागत' ने डेवलप किया है, जहाँ एक ओपन लूप ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम 'स्वीकार' का इस्तेमाल किया गया है. यूजर्स इस दौरान इस कार्ड की मदद से एटीएम पर 5 प्रतिशत और दूसरे आउटलेट्स पर 10 प्रतिशत तक का कैशबैक पा सकते हैं. वन नेशन वन कार्ड बिलकुल रुपे, डेबिट या क्रेडिट कार्ड की तरह ही है, जिसे आपका बैंक ही जारी करता है. रुपे वन नेशन कार्ड रेगुलर डेबिट और क्रेडिट कार्ड की तरह कांटैक्टलेस कार्ड होता है, जो ठीक मेट्रो रेल स्मार्ट कार्ड की तरह ही है. रुपे कांटैक्टलेस कार्ड नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड सपोर्ट के तहत आएगा. यह कार्ड 25 से ज्यादा बैंकों में उपलब्ध होगा, जिसमें एसबीआई और पीएनबी सहित कई बड़े बैंक शामिल हैं.

अलग-अलग परिवहन सेवाओं में इस्तेमाल किए जाने वाले 'एक राष्ट्र एक कार्ड' से धारक अपनी बस का किराया, टोल टैक्स, पार्किंग शुल्क, रिटेल खरीददारी कर सकेंगे और यहाँ तक कि पैसा भी निकाल सकेंगे.

इसे नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) का रुपे कार्ड देश के किसी भी हिस्से में शहर में सफर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. वास्तव में रुपे कार्ड का इस मोबिलिटी कार्ड में विलय कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि देश में ही बने और अपनी तरह के पहले NCMC कार्ड से तकनीक के लिए विदेश पर निर्भरता खत्म हो गई है. दुनिया के कुछ चुनिंदा देशों में इस तरह के कार्ड का पहले से इस्तेमाल हो रहा है.

उल्लेखनीय है कि एनसीएमसी को लागू करने के लिए मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर सितम्बर 2015 में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को स्थानीय परिवहन सेवा के लिए पूरे देश में एक ही भुगतान कार्ड को विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई थी. इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की सॉफ्टवेयर कम्पनी 'सीडेक' को देशभर में मेट्रो रेल के किराया वसूली की स्वचालित प्रणाली विकसित करने के लिए कहा गया था.

पशमिना उत्पाद

भारतीय मानक ब्यूरो ने पशमिना उत्पादों की शुद्धता प्रमाणित करने के लिए उसकी पहचान, निशानी और लेबल लाने की प्रक्रिया को भारतीय मानक के दायरे में रख दिया है. इस प्रमाणिकरण से पशमिना उत्पादों में मिलावट में रोक लगेगी और पशमिना कच्चा माल तैयार करने वाले घुमंतू कारीगरों तथा स्थानीय दस्तकारों के हितों की रक्षा होगी. इससे उपभोगताओं के लिए पशमिना की शुद्धता भी सुनिश्चित होगी.

घुमंतू पशमिना बकरी पालक समुदाय छांगथांग के दुर्गम स्थानों में रहते हैं और आजीविका के लिए पशामिना पर ही निर्भर हैं. इस समय 2400 परिवार ढाई लाख बकरियों का पालन कर रहे हैं. पशमिना के बीआईएस प्रमाणीकरण से इन परिवारों के हितों की रक्षा होगी और युवा पीढ़ी इस व्यवसाय की तरफ आकर्षित होंगे. इसके अलावा अन्य परिवार भी इस व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे. लद्दाख विश्व में सबसे उन्नत किस्म के पशमिना का उत्पादन करता है. इस समय वहाँ 50 मीट्रिक टन पशमिना का उत्पादन होता है. कपड़ा मंत्रालय का लेह में बकरियों के बाल काटने के लिए ₹ 20 करोड़ की लागत से एक संयन्त्र लगाने का प्रस्ताव है. उपर्युक्त कदम से लद्दाख के पशमिना उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी.

छांगथांगी या पशमिना बकरी लद्दाख के ऊँचे क्षेत्रों में पाई जाती है. इन्हें बेहतरीन कश्मीरी ऊन के लिए पाला जाता है. इसे हाथ से बुना जाता है और कश्मीर में इसकी शुरूआत हुई थी. छांगथांगी बकरी के बाल बहुत मोटे होते हैं और इनसे विश्व का बेहतरीन पशमिना प्राप्त होता है, जिसकी मोटाई 12–15 माइक्रोन के बीच होती है. इन बकरियों को घर में पाला जाता है और ग्रेटर लद्दाख के छांगथांग क्षेत्र में छांगपा नामक घुमंतू समुदाय इन्हें पालता है. छांगथांगी बकरियों की बदौलत छांगथांग लेह और लद्दाख क्षेत्र में अर्थव्यवस्था बहाल हुई है.

संवैधानिक एवं प्रशासनिक अवधारणाएँ

अनुच्छेद 370(1)

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 पूरी तरह से हटायी नहीं गई है. तीन भागों में बँटे धारा 370 का सिर्फ भाग 2 और 3 हटाया गया है. राज्य सभा में गृहमंत्री अमित शाह के बयान के मुताबिक 370(1) बाकायदा कायम है.

370(1) में यह प्रावधान है कि जम्मू और कश्मीर की सरकार से सलाह करके राष्ट्रपति के आदेश से संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों को जम्मू और कश्मीर पर लागू किया जा सकता है. संविधान में प्रदत्त इन्हीं शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति के आदेश से धारा 370 की तमाम धाराओं को खत्म किया गया है. ज्ञात हो कि जम्मू-कश्मीर में तनावपूर्ण हालात के बीच सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 35A और 370 (Article 35A and Article 370) को हटाने का एलान किया है.

दरबार मूव परम्परा

मौसम बदलने के साथ हर छह महीने में जम्मू-कश्मीर की राजधानी भी बदल जाती है. राजधानी शिफ्ट होने की इस प्रक्रिया को 'दरबार मूव' के नाम से जाना जाता है. जम्मू-कश्मीर में हर छह माह के लिए राज्य की राजधानी बदलती है. सर्दियों में छह माह के लिए राज्य की राजधानी जम्मू में रहती है, जबकि गर्मियाँ आते ही राजधानी श्रीनगर स्थानान्तरित हो जाती है. राज्य सचिवालय सहित सरकार के सभी प्रमुख कार्यालय ही 'दरबार' का हिस्सा हैं.

'दरबार' की इस प्रक्रिया में राज्य विधान सभा, राज्य विधान परिषद्, राज्य सचिवालय, राज्य उच्च न्यायालय, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के कार्यालय के साथ-साथ पुलिस मुख्यालय सहित अन्य कई कार्यालय जम्मू से श्रीनगर और फिर छह माह बाद सर्दी का मौसम आने पर श्रीनगर से जम्मू स्थानान्तरित हो जाते हैं.

जम्मू-कश्मीर देश का एक अकेला ऐसा राज्य है, जिसका सचिवालय छह महीने श्रीनगर और छह महीने जम्मू से काम करता था. इसके साथ ही हाईकोर्ट सहित अन्य विभाग शीतकाल में जम्मू शिफ्ट किए जाते थे. अप्रैल माह के आखिरी सप्ताह में इसे फिर से श्रीनगर शिफ्ट कर दिया जाता था.

राजधानी बदलने की यह परम्परा 1862 में डोगरा शासक गुलाब सिंह ने शुरू की थी. गुलाब सिंह महाराजा हरि सिंह के वंशज थे, जिनके समय ही जम्मू-कश्मीर भारत का अंग बना था. दरअसल सर्दी के मौसम में श्रीनगर में असहनीय ठण्ड पड़ती है, तो गर्मी में जम्मू की गर्मी थोड़ी तकलीफदायक होती है. इसे देखते हुए गुलाब सिंह ने गर्मी के दिनों में श्रीनगर ओर ठण्ड के दिनों में जम्मू को राजधानी बनाना शुरू कर दिया. राजधानी शिफ्ट करने की यह प्रक्रिया जटिल और खर्चीली है, इस वजह से इसका विरोध भी होता रहा है. एक बार राजधानी शिफ्ट होने में करीब ₹ 110 करोड़ खर्च होता है.

ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2019

लोक सभा द्वारा 5 अगस्त, 2019 को 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति' (अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2019 पारित किया गया. 19 जुलाई, 2019 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत ने यह विधेयक लोक सभा में पेश किया था. विधेयक में ट्रांसजेंडर व्यक्ति को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसका लिंग जन्म के समय निर्धारित लिंग से मेल नहीं खाता है. विधेयक में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ भेदभाव को प्रतिबन्धित किया गया. एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति ट्रांसजेंडर के रूप में पहचान प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी के पास आवेदन कर सकता है.

विधेयक में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से बलात या बन्धुआ श्रम, सार्वजनिक स्थलों के उपयोग को रोकने आदि के लिए 6 माह से 2 वर्ष के कारावास और अर्थदण्ड का प्रावधान किया गया है. विधेयक में 'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय परिषद्' (NCT) के गठन का प्रावधान है, जिसके अध्यक्ष केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री होंगे. परिषद् केन्द्र सरकार को सलाह देगी व साथ ही ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सम्बन्ध में नीतियों, कानूनों व परियोजनाओं के प्रभावी निगरानी भी करेगी.

●●●

विश्व परिदृश्य

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

यूरोपियन यूनियन में ब्रेक्जिट (BREXIT) का संकट

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में जितने भी क्षेत्रीय सहयोग संगठन बने हैं, उनमें यूरोपियन यूनियन को क्षेत्रीय सहयोग व एकीकरण का सफलतम् उदाहरण माना जाता है. यूरोपियन यूनियन ही एकमात्र क्षेत्रीय संगठन है, जिसे एक स्वतन्त्र विधिक अस्तित्व प्राप्त है, जिसके कारण यूरोपियन यूनियन किसी भी मंच व संगठन का किसी देश की भाँति स्वतन्त्र रूप से सदस्य भी बन सकता है. इसी आधार पर यूरोपियन यूनियन वैश्विक संगठन जी-20 का भी सदस्य बना हुआ है. यूरोपियन यूनियन अपनी तमाम सफलताओं के बीच कई तनावों का सामना कर रहा है. **पहला,** 2008 में आई वैश्विक मंदी के कारण इसके सदस्यों में आर्थिक व वित्तीय संकटों के साथ ही उसके समाधान को लेकर मतभेद भी उभर आए थे. **दूसरा,** इसी तरह 2014 के यूरोपीय शरणार्थी संकट के समय भी इसके सदस्यों में मतभेद सामने आया. ये शरणार्थी मध्य-पूर्व के देशों में आई राजनीतिक अस्थिरता के चलते यूरोप के देशों में पलायन कर रहे थे. जहाँ यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी ने इस सम्बन्ध में उदारवादी नीति का समर्थन किया वही अधिकांश यूरोपीय देशों ने शरणार्थियों को रोकने के लिए रूढ़िवादी नीतियों का अनुशरण किया. **तीसरा** संकट ब्रेक्जिट (BREXIT) का संकट है.

ब्रेक्जिट (BREXIT) अंग्रेजी भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है. पहले दो अक्षर ब्रिटेन का संकेत हैं तथा बाद के चार अक्षर अर्थात् Exit ब्रिटेन के यूरोपियन यूनियन से अलग होने की प्रक्रिया का संकेत देता है. अर्थात् ब्रेक्जिट का तात्पर्य यूरोपियन यूनियन से ब्रिटेन के अलग होने की प्रक्रिया से है.

ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन से क्यों अलग होना चाहता है ?

वर्तमान में ब्रिटेन, जर्मनी के बाद दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. सबसे अहम् सवाल यह है कि जब यूरोपियन यूनियन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही यूरोप के विकास तथा आपसी सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, तो ब्रिटेन को उससे अलग होने की क्या आवश्यकता है ? वास्तव में ब्रिटेन यूरोपियन समुदाय का संस्थापक देश नहीं है. ब्रिटेन ने 1973 में यूरोपियन समुदाय की सदस्यता ग्रहण की थी. इस समय ब्रिटेन यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन 1989 में जर्मनी के एकीकरण के बाद तेजी से विकास कर जर्मनी यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. इसी बीच फ्रांस ने भी अपनी अर्थव्यवस्था का तेजी से विकास किया है तथा उसकी अर्थव्यवस्था का आकार ब्रिटेन के ही बराबर है तथा कभी भी वह ब्रिटेन को अपदस्थ कर यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान ग्रहण कर सकता है. ब्रिटेन के नेताओं व जनता के मन में यह विश्वास उपज रहा है कि यूरोप के अन्य देश उसके हितों की कीमत पर अपना विकास कर रहे हैं तथा यूरोपियन यूनियन में बने रहने में ब्रिटेन को फायदा नहीं हो पा रहा है. उधर बदलते परिवेश में यूरोपियन यूनियन में जर्मनी व फ्रांस का महत्व अधिक बढ़ रहा है. इन परिस्थितियों में ब्रिटेन में समय-समय पर यूरोपियन यूनियन छोड़ने की माँग उठती रहती है. सबसे पहली बार 1973 में ब्रिटेन में यूरोपियन समुदाय से अलग होने की माँग उठी थी, लेकिन उसी वर्ष सम्पन्न हुए जनमत संग्रह में ब्रिटेन की जनता ने संगठन में बने रहने के पक्ष में मतदान किया था.

ब्रेक्जिट (BREXIT) की वर्तमान प्रक्रिया

इसी तरह वर्तमान दशक में भी यूरोपियन यूनियन छोड़ने की माँग ब्रिटेन में जोर पकड़ती रही है. इसी के चलते 2013 में ब्रिटेन के तत्कालीन रूढ़िवादी पार्टी के प्रधानमन्त्री डेविड कैमरून ने यूरोपियन यूनियन छोड़ने के प्रश्न पर जनमत संग्रह कराने का आश्वासन दिया था. उन्होंने दो वर्ष तक इस प्रश्न को टालने का प्रयास किया. **अन्ततः 23 जून, 2016 को इस प्रश्न पर ब्रिटेन में जनमत संग्रह कराया गया. जनमत संग्रह में 52 प्रतिशत जनता ने यूरोपियन यूनियन छोड़ने के पक्ष में अपना मत दिया तथा 48 प्रतिशत लोगों ने इसके विरोध में अपना मत दिया. इस मतदान संग्रह में प्रधानमन्त्री कैमरून ने यूरोपियन यूनियन में बने रहने के पक्ष में अपना समर्थन व प्रचार किया था. परिणामतः जनमत संग्रह में अपनी हार के कारण उन्होंने 24 जून को ही अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था.** उनके स्थान पर रूढ़िवादी पार्टी की दूसरी नेता थेरेसा मे को प्रधानमन्त्री नियुक्त किया गया.

यूरोपियन यूनियन के नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य को अपनी सदस्यता समाप्त करने के लिए कम-से-कम दो साल पहले छोड़ने की इच्छा की आधिकारिक सूचना यूरोपियन यूनियन के कार्यकारी अंग, यूरोपियन काउंसिल, को देनी होती है. उसके बाद सदस्य देश व यूरोपियन यूनियन के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर होते हैं तथा नोटिस देने के दो माह के अन्दर उस देश को सदस्यता छोड़नी पड़ती है. इस समझौते में छोड़ने वाले सदस्य देश व यूरोपियन यूनियन के बीच भविष्य के सम्बन्धों का उल्लेख होता है. उक्त प्रक्रिया के अन्तर्गत ब्रिटेन ने यूरोपियन यूनियन की सदस्यता छोड़ने के लिए 30 मार्च, 2017 को नोटिस दे दिया था. इसके बाद यूरोपियन यूनियन व ब्रिटेन के बीच 25 नवम्बर को सदस्यता छोड़ने वाले समझौते पर हस्ताक्षर भी हो गए थे. 585 पेज के इस समझौते को ब्रेक्जिट डील के नाम से जाना जाता है.

लेकिन ब्रिटेन द्वारा उस समझौते को लागू करने के लिए अपनी संसद की स्वीकृति की आवश्यकता थी. नियमानुसार यह कार्य नोटिस की अवधि के दो वर्ष के अन्दर अर्थात् 29 मार्च, 2019 तक किया जाना था. हालांकि यूरोपियन यूनियन इस अन्तिम अवधि को दो बार–पहली बार 12 अप्रैल, 2019 तक तथा दूसरी बार 31 अक्टूबर, 2019 तक बढ़ा चुका है. ब्रेक्जिट की असली चुनौती यही सामने आई, क्योंकि ब्रिटेन की संसद इस समझौते को स्वीकृत नहीं कर पा रही है. इसका कारण यह है कि समझौते के स्वरूप व शर्तों को लेकर सत्ताधारी रूढ़िवादी पार्टी व विपक्षी लेबर पार्टी के बीच गहरे मतभेद हैं इतना ही नहीं सत्ताधारी पार्टी के अन्दर भी इन शर्तों को लेकर मतभेद हैं. लेकिन यूरोपियन यूनियन कई बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह समझौते की शर्तों में कोई बदलाव नहीं करेगी.

यूरोपियन यूनियन–एक परिचय

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से यूरोप में आर्थिक एकीकरण व सहयोग की प्रक्रिया का आरम्भ हुआ. इस क्रम में सबसे पहले 1950 में यूरोप के 6 देशों–बेल्जियम, इटली, फ्रांस, पश्चिमी जर्मनी, लक्जेमबर्ग तथा नीदरलैण्ड्स द्वारा यूरोपीय कोयला व स्टील समुदाय की स्थापना की गई. इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के राष्ट्रीय कोयला और स्टील उद्योगों पर केन्द्रीयकृत नियन्त्रण की व्यवस्था करना था. इसके बाद ***1957 में रोम की संधि*** *के द्वारा यूरोपीय आर्थिक समुदाय की स्थापना की गई. इस संगठन का मुख्य उद्देश्य इसके सदस्य देशों के मध्य व्यापार तथा अन्य आर्थिक कार्यों में सहयोग को बढ़ाना था. रोम सन्धि के द्वारा ही कस्टम यूनियन तथा आण्विक ऊर्जा के विकास में सहयोग हेतु यूरोपीय आण्विक ऊर्जा समुदाय की स्थापना की गई.*

इसके बाद यूरोपीय एकीकरण की प्रक्रिया का विकास दो दिशाओं में हुआ–

1. *इस प्रक्रिया में सम्मिलित देशों की संख्या का विस्तार तथा*
2. *एकीकरण के ढाँचे में बदलाव तथा परिस्थितियों के अनुसार उसका विस्तार.*

इसके लाभों से प्रेरित होकर अन्य यूरोपीय देशों ने भी इसकी सदस्यता ग्रहण की. 1973 में ब्रिटेन, डेनमार्क तथा आयरलैण्ड ने यूरोपीय आर्थिक समुदाय की सदस्यता ग्रहण की, वास्तव में यूरोपीय आर्थिक समुदाय की सदस्यता में सर्वाधिक विस्तार शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद हुआ है. सोवियत साम्यवादी व्यवस्था की समाप्ति के बाद पूर्वी यूरोप के देशों तथा सोवियत संघ से टूट कर आए नए गणराज्य देशों को इसमें शामिल किया गया. इसके परिणामस्वरूप यूरोपीय संघ की सदस्य बनने के बाद इसकी कुल सदस्य संख्या 28 हो गई. वर्तमान में 28 देश इसके सदस्य हैं.

संगठन में बदलाव की दृष्टि से 1993 में लागू की गई ***मास्ट्रिक्ट संधि*** *सर्वाधिक महत्वपूर्ण है. इस संधि के द्वारा यूरोपीय आर्थिक समुदाय का नाम बदल दिया गया. इसमें से 'आर्थिक' शब्द को हटाकर इसका नाम केवल 'यूरोपीय समुदाय' कर दिया गया. इसके बाद 1997 में लागू की गई* ***एमस्टर्डम संधि*** *तथा 2001 में प्रभावी* ***नाइस संधि*** *द्वारा उसके अंगों के आपसी अधिकार क्षेत्र में बदलाव किया गया.*

यूरोपीय एकीकरण के ढाँचे में बदलाव की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण संधि 2007 में हस्ताक्षरित ***लिस्बन संधि*** *है. यह संधि 1 दिसम्बर, 2009 को अस्तित्व में आ गई तथा इस संधि के अस्तित्व में आते ही पूर्व की सभी संधियाँ समाप्त हो गईं. इस संधि के द्वारा सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह था कि यूरोपीय समुदाय का नाम बदलकर* ***यूरोपीय संघ*** *कर दिया गया तथा उसे एक स्वतन्त्र कानूनी व्यक्तित्व प्रदान किया गया. इस संधि ने देशों के मध्य सहयोग से सम्बन्धित विषयों के अधिकार क्षेत्र को* ***तीन भागों में विभाजित*** *कर दिया गया–*

1. *पहले भाग में यूरोपीय संघ के एकमात्र अधिकार क्षेत्र में आने वाले पाँच विषयों को शामिल किया गया–(i) कस्टम यूनियन, (ii) सदस्य देशों के आन्तरिक बाजार के संचालन हेतु आवश्यक प्रतियोगिता नियमों का निर्धारण करना, (iii) उन सदस्य देशों की मौद्रिक नीति का निर्धारण, (iv) सामान्य मछली उत्पादन नीति के अन्तर्गत समुद्री जैविक संसाधनों के संरक्षण के मामले तथा (v) सदस्य देशों के लिए सामान्य व्यावसायिक नीति.*
2. *इस भाग में उन मामलों को शामिल किया गया है जिन पर यूरोपीय संघ तथा सदस्य राष्ट्रों को साझा अधिकार क्षेत्र प्राप्त है–सदस्य देशों के आन्तरिक बाजार, सामाजिक नीति, आर्थिक, सामाजिक तथा क्षेत्रीय एकता, समुद्री जैविक संसाधनों को छोड़कर कृषि तथा मछली उत्पादन, पर्यावरण, उपभोक्ता संरक्षण, यातायात, ट्रान्स यूरोपीय नेटवर्क, स्वतन्त्रता, सुरक्षा तथा न्याय के क्षेत्र तथा जनस्वास्थ्य के सम्बन्ध में सामान्य सुरक्षा के मामले.*
3. *तीसरे भाग में वे मामले सम्मिलित हैं जिनके बारे में यूरोपीय संघ सदस्य राज्यों को सहयोग देने के लिए उनकी माँग के अनुसार उनकी पहल पर कार्यवाही कर सकता है–मानवीय स्वास्थ्य का सुधार एवं संरक्षण, उद्योग, संस्कृति, पर्यटन, शिक्षा, युवा खेलकूद एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण, नागरिक संरक्षण तथा प्रशासनिक सहयोग. वर्तमान में यूरोपियन यूनियन का यही स्वरूप लागू है.*

मतभेद किन बिन्दुओं पर है ?

ब्रिटेन में विभिन्न दलों व संसद सदस्यों के मध्य निम्नांकित बिन्दुओं को लेकर गहरे मतभेद व्याप्त हैं–

(1) विदेशी नागरिकों के अधिकार– जब ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन में शामिल था तो बड़ी संख्या में दूसरे सदस्य देशों के नागरिक ब्रिटेन में बस गए हैं तथा इसी प्रकार ब्रिटेन के नागरिक दूसरे सदस्य देशों में बस गए हैं. इन नागरिकों को प्रत्येक स्थान पर सदस्य देशों में समान अधिकार व सुविधाएं प्राप्त हैं. अब जब ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन से अलग हो रहा है, तो इस बात की व्यवस्था होनी आवश्यक है कि भविष्य में इन नागरिकों की सुविधाओं की क्या स्थिति होगी. प्रस्तावित समझौते में ब्रिटेन में रह रहे दूसरे देशों के नागरिकों को वहाँ स्थायी रूप से निवास करने का व काम पाने का अधिकार दिया गया है, लेकिन ब्रिटेन के संसद सदस्य इस शर्त को मानने के लिए तैयार नहीं है.

(2) उत्तरी आयरलैण्ड की बैकस्टाप व्यवस्था–उल्लेखनीय है कि उत्तरी आयरलैण्ड ब्रिटेन के अधीन है, जबकि इसका दक्षिणी हिस्सा अर्थात् दक्षिणी आयरलैण्ड एक स्वतन्त्र देश है. उत्तरी आयरलैण्ड के नागरिक ब्रिटेन से स्वतन्त्र होकर दक्षिणी आयरलैण्ड के साथ एकीकरण की माँग करते रहते हैं. 1998 में ब्रिटेन की सरकार, दक्षिणी आयरलैण्ड तथा उत्तरी आयरलैण्ड के प्रतिनिधियों के बीच एक समझौता हुआ था, जिसमें दोनों आयरलैण्ड के बीच खुले बार्डर को बनाए रखने की व्यवस्था की गई थी. जब ब्रिटेन तथा दक्षिणी आयरलैण्ड दोनों ही यूरोपियन यूनियन के सदस्य हैं तो खुला बार्डर की समस्या नहीं आती, लेकिन ब्रिटेन के यूरोपियन यूनियन से अलग होने के बाद दोनों आयरलैण्ड के बीच खुला बार्डर बनाए रखना कठिन होगा. इस बात को लेकर संसद के सदस्यों में गम्भीर मतभेद व्याप्त हैं. यदि ब्रिटेन खुला बार्डर को समाप्त करने की बात उठाता है, तो 1998 के समझौते का उल्लंघन माना जाएगा तथा यदि खुला बार्डर बनाए रखता है, तो उससे तश्करी तथा अवैध आवाजाही की समस्या उत्पन्न हो सकती है.

(3) वित्तीय जवाबदेही–ब्रिटेन के यूरोपियन यूनियन से अलग होने के बाद समझौते के अन्तर्गत दोनों ओर से वित्तीय जवाबदेही भी निर्धारित की गई है, लेकिन ब्रिटेन की संसद के सदस्य इस जवाबदेही को कम करने की माँग कर रहे हैं तथा यूरोपियन यूनियन इसके लिए तैयार नहीं हैं.

ब्रिटिश संसद में ब्रेक्जिट

उक्त विवादास्पद बिन्दुओं के कारण ब्रेक्जिट समझौता ब्रिटेन की संसद में पारित नहीं हो पा रहा है. 2017 के चुनावों में रूढ़िवादी पार्टी की नेता नए जनमत के साथ पुनः सत्ता में आई थीं, लेकिन विभिन्न दलों व सदस्यों के बीच उक्त बिन्दुओं पर चल रहे गम्भीर मतभेदों के कारण ब्रिटेन की संसद में तीन बार 15 जनवरी, 2019, 12 मार्च, 2019 तथा 29 मार्च, 2019 को ब्रेक्जिट समझौते को अस्वीकार किया जा चुका है. 23 जलाई, 2019 को अपनी असफलता स्वीकार कर थेरेसा मे ने प्रधानमन्त्री पद से त्यागपत्र दे दिया था तथा उसी दिन रूढ़िवादी पार्टी के दूसरे नेता **बोरिस जॉनसन** ब्रिटेन के प्रधानमन्त्री बने, लेकिन बोरिस जॉनसन के सामने भी पुरानी चुनौती बरकरार है. ब्रिटेन की संसद इस तरह विभाजित है कि किसी भी एक विकल्प पर उसका बहुमत प्राप्त नहीं है.

निष्कर्ष

ब्रेक्जिट ब्रिटेन के लिए एक जटिल समस्या बना गया है. 2016 से अब तक दो प्रधानमन्त्री अपना पद गँवा चुके हैं. वर्तमान प्रधानमन्त्री जॉनसन भी संसद में ब्रेक्जिट के विषय पर कोई एकमत तैयार नहीं कर

सके हैं. वर्तमान में बढ़ी हुई समय सीमा के अनुसार ब्रिटेन को 31 अक्टूबर, 2019 तक संसद की अनुमति प्राप्त करनी है अन्यथा की स्थिति में बिना किसी समझौते के ही ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन से अलग हो जाएगा तथा ऐसी स्थिति में ब्रिटेन के सम्बन्ध यूरोपियन यूनियन के साथ विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अन्तर्गत संचालित होंगे. ब्रिटेन को तमाम आर्थिक व राजनीतिक कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ेगा. जहाँ एक ओर यूरोपियन यूनियन समझौते की शर्तों को बदलने के लिए तैयार नहीं है वही ब्रिटिश नेतृत्व न तो समझौते को स्वीकार कर पा रहा है, न ही बिना समझौते के यूरोपियन यूनियन से अलग होने के लिए तैयार है. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक ब्रिटेन ने कभी भी इतनी बड़ी अनिश्चितता का सामना नहीं किया है.

नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव और भारत

भारत को दक्षिण एशिया में एक क्षेत्रीय शक्ति की मान्यता प्राप्त है. इस मान्यता का आधार यह है कि भारत दक्षिण एशिया में आर्थिक व भौगोलिक दृष्टि से सबसे बड़ा देश है तथा भारत की द्विपक्षीय व बहुपक्षीय कूटनीति के कारण इस क्षेत्र में भारत का प्रभाव बना हुआ है. भारत अपनी खास स्थिति के कारण ही दक्षिण एशिया में बाह्य शक्तियों के हस्तक्षेप का विरोध करता रहा है. ऐसा करना भारत की सुरक्षा की दृष्टि से भी आवश्यक है. 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद भारत इस मामले में अधिक संवेदनशील रहा है. भारत दक्षिण एशिया में शान्ति, स्थिरता, विकास तथा लोकतन्त्र का समर्थन करता रहा है. भारत ने अपने पड़ोसियों के साथ पारस्परिक लाभ व विश्वास के सम्बन्धों को मजबूत करने के लिए कई नीतिगत कदम भी उठाए हैं–

प्रथम, भारत की दक्षिण एशिया में विकास तथा आर्थिक एकीकरण को प्रोत्साहित करने की नीति के अन्तर्गत 1985 में दक्षेस की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है. इसकी एक महत्वपूर्ण सफलता 2006 में दक्षिण एशिया में मुक्त व्यापार क्षेत्र का लागू किया जाना है. भारत दक्षेस के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, लेकिन पाकिस्तान के असहयोग के चलते यह संगठन अपने उद्देश्यों में सफल नहीं हो पा रहा है. इसीलिए अब भारत ने सार्क के स्थान पर एक अन्य क्षेत्रीय संगठन **बिम्बसटेक** अर्थात् 'बे ऑफ बंगाल मल्टी सेक्टारल टेक्नॉलाजिकल एण्ड इकॉनिमिक कोआपरेशन' को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है.

द्वितीय, भारत ने 1997 में दक्षिण एशिया में **गुजराल सिद्धान्त** की घोषणा की थी. इसमें अन्य बातों के अतिरिक्त सबसे प्रमुख बात यह थी कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ **गैर-पारस्परिकता** के आधार पर सम्बन्धों का संचालन करेगा. इसका तात्पर्य यह है कि भारत जब अपने किसी पड़ोसी को कोई मदद देगा, तो उसके बदले किसी लाभ की आशा नहीं करेगा. आज भी भारत अपने पड़ोसियों के साथ सम्बन्धों में इस सिद्धान्त का पालन करता है.

तीसरा, भारत ने 2005 में **नई पड़ोस** नीति की घोषणा की थी, जिसके अन्तर्गत भारत द्वारा पड़ोसियों के साथ सम्पर्कता (Connectivity) के साधनों तथा **सांस्कृतिक आदान-प्रदान** बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया था.

चौथे, इसी क्रम में भारत ने मई **2014 में पड़ोस पहले** (Neighbourhood First Policy) की नीति में अपने पड़ोसियों के साथ सम्बन्धों को प्राथमिकता दी है. इसके अन्तर्गत भारत द्वारा 26 मई, 2014 को प्रधानमन्त्री के शपथ ग्रहण समारोह में दक्षेस देशों के सभी शासनाध्यक्षों को आमन्त्रित करना, प्रधानमन्त्री मोदी द्वारा गत पाँच वर्षों में दक्षिण एशिया के देशों–भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालद्वीव, तथा अफगानिस्तान की यात्रा करना, इन देशों की विकास सहायता में वृद्धि करना तथा दक्षेस सैटेलाइट के उपयोग आदि प्रयास किए गए.

दक्षिण एशिया में चीन

उक्त प्रयासों के बावजूद भारत को अपनी दक्षिण एशिया नीति में अपेक्षित सफलता नहीं मिली. चीन की बी.आर.आई. परियोजना में भारत व भूटान को छोड़कर अन्य सभी दक्षिण एशियाई देशों ने भाग लेने की सहमति प्रदान कर दी है. इसके प्रमुख कारण दक्षिण एशिया व हिन्द महासागर में चीन की बढ़ती सक्रियता तथा पड़ोसियों के साथ भारत के आपसी विश्वास की कमी का होना है. नेपाल इसका जीता-जागता उदाहरण है. 15 जून, 2019 को टाइम्स ऑफ इण्डिया में प्रकाशित एक खबर के अनुसार नेपाल के स्कूलों में चीनी भाषा मन्दारिन को पढ़ाया जाएगा. इसका कारण यह है कि चीन ने मन्दारिन पढ़ाने वाले शिक्षकों का वेतन देने का आश्वासन दे दिया है. वर्तमान में नेपाल में के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व में नेपाल की साम्यवादी पार्टी का शासन है. आश्चर्य की बात है कि जहाँ एक ओर नेपाल की सरकार ने कई बार भारत पर उसके आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया है, वही नेपाल की सरकार वहाँ चीन के बढ़ते सांस्कृतिक साम्राज्यवाद से अनभिज्ञ है. वर्तमान समय में नेपाल में चीन का आर्थिक व सांस्कृतिक प्रभाव निरन्तर बढ़ रहा है. मालद्वीव व श्रीलंका में भी चीन ने अपने प्रभाव का विस्तार किया है. यह भारत के लिए चिन्ता का विषय है तथा भारत व नेपाल के विशेष सम्बन्धों व भारत की सुरक्षा की दृष्टि से भी उचित नहीं है.

भारत नेपाल : विशेष सम्बन्धों की पृष्ठभूमि

दक्षिण एशिया में भारत व नेपाल के सम्बन्धों को विशेष दर्जा प्राप्त है. इसका कारण दोनों देशों की भौगोलिक स्थिति तथा प्राचीनकाल से चले आ रहे दोनों के बीच विशेष, सांस्कृतिक सामाजिक व धामिक सम्बन्ध हैं. नेपाल चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ देश है, जो अपने बाह्य व्यापार के लिए भारत की पारगमन सुविधा पर निर्भर है. 2006 में राजशाही की समाप्ति के पहले नेपाल ही विश्व का एक मात्र देश था जहाँ हिन्दू धर्म को राजधर्म घोषित किया गया था. बौद्ध धर्म के जनक गौतम बुद्ध का जन्म भी नेपाल के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था.

भारत तथा नेपाल एकमात्र ऐसे पड़ोसी देश हैं, जिनके बीच खुली सीमा का सिद्धान्त लागू है. यह खुली सीमा ब्रिटिश काल से ही चली आ रही है. इसका तात्पर्य यह है कि भारत और नेपाल के बीच नागरिकों के आवागमन में कोई रोक-टोक नहीं होगी. अर्थात् दोनों देशों के नागरिकों के लिए एक-दूसरे के यहाँ आने-जाने के लिए वीज़ा की आवश्यकता नहीं होगी. भारत-नेपाल के बीच खुली सीमा 1850 किलोमीटर लम्बी है तथा यह भारत के पाँच राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड को छूती है. यह स्थिति दोनों के विशेष सम्बन्धों को रेखांकित करती है.

ब्रिटिश काल में नेपाल आन्तरिक मामलों में पूरी तरह स्वतन्त्र था, लेकिन उसकी विदेश नीति में ब्रिटिश सरकार का प्रभाव था. जब भारत स्वतन्त्र हुआ, तो दोनों देशों ने अपने विशेष सम्बन्धों को रेखांकित करने के लिए 1950 में भारत-नेपाल शान्ति और मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किए थे. भारत और नेपाल के बीच इस सन्धि द्वारा ही 'विशेष सम्बन्धों' की स्थापना की गई. इस सन्धि के द्वारा ही पहली बार खुली सीमा को कानूनी मान्यता प्रदान की गई. इस सन्धि के द्वारा ही नेपाल के नागरिकों को भारत में भारतीय नागरिकों के समान कई सुविधाएं व अधिकार प्राप्त हैं. दोनों देशों के नागरिकों को वीज़ा के बिना एक-दूसरे के देशों में आने-जाने की सुविधा प्राप्त है. इसी

सन्धि में ही यह भी कहा गया है कि दोनों देश के नागरिकों को एक-दूसरे के यहाँ व्यवसाय करने के लिए वर्क परमिट की आवश्यकता नहीं होगी. वर्तमान में भारत में 60 लाख नेपाली नागरिक निवास कर रहे हैं तथा यहाँ रोजगार अथवा नौकरी भी कर रहे हैं. इसी तरह भारत के लगभग 6 लाख नागरिक नेपाल में निवास कर रहे हैं, जो वहाँ पर विभिन्न प्रकार के व्यवसाय तथा रोजगार में संलग्न हैं.

भारत की सुरक्षा चिन्ताओं के सम्बन्ध में सन्धि में भी यह व्यवस्था की गई है कि दोनों में से कोई देश एक-दूसरे के विरुद्ध किसी बाह्य देश द्वारा सुरक्षा के खतरे की अनुमति नहीं देंगे तथा ऐसे किसी खतरे के विषय में एक-दूसरे को अवगत कराएंगे. वर्तमान में नेपाल के कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा इस आधार पर इस सन्धि का विरोध किया जा रहा है कि यह व्यवस्था नेपाल की स्वतन्त्र विदेश नीति व सम्प्रभुता के विरुद्ध है.

नेपाल भूमि से घिरा हुआ देश होने के कारण अपने आयात-निर्यात के लिए भारत पर निर्भर है. उसका लगभग सारा व्यापार भारत के भू-क्षेत्र से ही सम्पन्न होता है. भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है. भारत नेपाल में लोकतन्त्र की स्थापना तथा राजनीतिक स्थिरता का समर्थक है. भारत ने नेपाल के साथ विकास साझेदारी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. भारत ने नेपाल में ढाँचागत सुविधाओं तथा आर्थिक व सामाजिक विकास की कई परियोजनाएं संचालित की हैं.

नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव

अट्ठारहवीं शताब्दी के मध्य में आधुनिक नेपाल के संस्थापक पृथ्वी नारायणशाह का मानना था कि नेपाल की स्थिति दो बड़ी चट्टानों के बीच उगने वाले एक पहाड़ी पौधे **याम** की तरह है. इन दो बड़ी चट्टानों का संकेत भारत व चीन से है. अतः भारत व चीन के बीच नेपाल की स्थिति एक मध्यस्थ राज्य की है. नेपाल भी इस स्थिति को समझते हुए दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता रहता है, भारत नेपाल में चीन के बढ़ते हुए प्रभाव को लेकर सदैव चिन्तित रहता है. इसी कारण जब भी भारत व नेपाल के बीच तनाव बढ़ता है, तो नेपाल चीन के प्रति अपना झुकाव प्रदर्शित कर भारत पर दबाव बनाने का प्रयास करता है. कूटनीति की भाषा में इसे **'चाइना कार्ड'** कहा जाता है.

ब्रिटिश काल में भारत सरकार ने नेपाल के बाह्य मामलों में हस्तक्षेप कर चीन के प्रभाव को कम करने का प्रयास किया. भारत की आजादी के बाद 1949 में चीन में हुई साम्यवादी क्रान्ति तथा 1950 में चीन की सेनाओं के तिब्बत में प्रवेश के बाद भारत तथा नेपाल दोनों चीन के प्रति आशंकित हुए. परिणामतः दोनों देशों ने 1951 में शांति व सुरक्षा की संधि पर हस्ताक्षर किए. इस संधि का एक उद्देश्य नेपाल में चीन के प्रभाव को रोकना था. लेकिन 1962 में भारत-चीन युद्ध में भारत की पराजय के बाद नेपाल का झुकाव चीन की तरफ होने लगा. उसी समय नेपाल व चीन के बीच भी शान्ति व मित्रता की सन्धि पर हस्ताक्षर किए गए तथा 1965 में चीन ने दोनों देशों के बीच काठमाण्डू–कोदारी राजमार्ग के निर्माण पर सहमति व्यक्त की. उसके बाद नेपाल निरन्तर भारत व चीन के साथ बराबर दूरी की नीति पर चलने का प्रयास करता रहा है. 1975 में नेपाल ने अपने देश को शान्ति का क्षेत्र बनाने का जो प्रस्ताव रखा था, उसका उद्देश्य भी नेपाल में भारत के प्रभाव को कम करना था. इसीलिए भारत ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था. 1988 में नेपाल ने 1951 की सन्धि का उल्लंघन करते हुए चीन से हथियारों की खरीद की तथा नेपाल में निवास कर रहे भारतीय नागरिकों को काम करने के लिए नेपाल की सरकार से वर्क परमिट प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया इसीलिए भारत द्वारा 1989 में पारगमन सन्धि का नवीनीकरण करने से मना कर दिया गया.

यद्यपि 2006 में नेपाल में लोकतान्त्रिक आन्दोलन की सफलता के बाद राजशाही का अन्त हो गया, लेकिन साथ ही नेपाल की राजनीति में माओवादियों के बढ़ते प्रभाव के कारण चीन को नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद मिली है. वर्तमान में नेपाल में साम्यवादी दल की सरकार स्थापित है.

दूसरी तरफ 2015 में भारतीय मूल के मधेशी समुदाय द्वारा हिंसक आन्दोलन व नाकाबन्दी करने के परिणामस्वरूप भारत व नेपाल के बीच अविश्वास का माहौल बन गया है.

चीन ने इस स्थिति का फायदा उठाकर गत तीन वर्षों में नेपाल में अपना प्रभाव तेजी से बढ़ा लिया है. 2016 में नेपाल के प्रधानमन्त्री के. पी. शर्मा ओली ने चीन की यात्रा की थी तथा इस दौरान दोनों देशों ने **व्यापार तथा पारगमन की एक सन्धि** पर हस्ताक्षर किए, जिससे नेपाल को चीन के रास्ते समुद्र तक पहुँच प्राप्त हो गई है, इस सन्धि से नेपाल के पारगमन पर भारत का एकाधिकार समाप्त हो गया है. 2017 में अपनी दूसरी यात्रा के दौरान नेपाल के प्रधानमन्त्री ओली ने चीन की **वन बेल्ट तथा वन रोड** योजना में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की. दोनों देशों ने 2017 में अपना पहला संयुक्त सैनिक अभ्यास भी किया. जून 2018 में ओली की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने पारगमन सुविधा को व्यवहारिक रूप देने के कार्यक्रम तय किए हैं. चीन काठमाण्डू से भारत की सीमा पर स्थित लुम्बिनी तक एक हाईवे का भी निर्माण कर रहा है. चीन नेपाल को आर्थिक सहायता देने के साथ ही वहाँ कई विकास योजनाओं को भी संचालित कर रहा है. अपनी संस्कृति व विचारधारा का प्रचार करने के लिए चीन ने नेपाल में कन्फ्यूशस अध्ययन केन्द्र व सांस्कृतिक केन्द्र भी स्थापित किए हैं.

भारत व नेपाल के मध्य विश्वास बहाली के प्रयास

वास्तव में 2015 के मधेशी आन्दोलन के बाद भारत व नेपाल के बीच अविश्वास की खाई बढ़ गई है. नेपाल मानता है कि भारत मधेशियों का साथ देकर उसके आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है. भारतीय मूल का मधेशी समुदाय, जो नेपाल की जनसंख्या का 35 प्रतिशत है, नेपाल में अपने लिए एक अलग प्रान्त की माँग कर रहा है. इस अविश्वास के कारण नेपाल में चीन का प्रभाव बढ़ा है. भारत व नेपाल दोनों देशों ने विश्वास बहाली के लिए कतिपय कदम भी उठाए हैं.

फरवरी 2016 में नेपाल के प्रधानमन्त्री के.पी. शर्मा ओली अपनी छः दिवसीय यात्रा पर भारत आए थे. उनकी इस भारत यात्रा का घोषित उद्देश्य भारत और नेपाल के सम्बन्धों में आए तनाव को समाप्त करना था. यात्रा के बाद नेपाल के प्रधानमन्त्री ने कहा है कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच व्याप्त तनाव पूरी तरह समाप्त हो गया है तथा यह उनकी यात्रा की सबसे बड़ी सफलता है. इस यात्रा के दौरान भूकम्प के बाद नेपाल के पुनर्निर्माण के लिए भारत द्वारा घोषित एक बिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता को भी क्रियान्वित करने पर निर्णय लिया गया है. इसके साथ ही भारत ने नेपाल में ढाँचागत सुविधाओं के विकास के लिए एक बिलियन डॉलर की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की घोषणा को दोहराया है. पुनः अप्रैल 2018 में नेपाल के प्रधानमन्त्री के.पी. शर्मा ओली ने भारत की यात्रा की तथा दोनों देशों ने कृषि क्षेत्र में सहयोग, जलमार्ग द्वारा पारगमन की सुविधा तथा भारत सीमा पर स्थित रक्सौल से काठमाण्डू तक भारत की सहायता से रेलमार्ग के निर्माण पर संयुक्त संकल्प-पत्र जारी किया था. इसी क्रम में मई 2018 में मोदी ने अपनी चौथी नेपाल यात्रा के दौरान किसी नई परियोजना शुरू करने की बजाय चल रही परियोजनाओं को पूरा करने तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर बल दिया. दोनों नेताओं ने उसी दिन जनकपुर से अयोध्या बस सेवा का उद्घाटन किया. उक्त प्रयासों से स्वयं आपसी समस्या का विकास तो हुआ है, लेकिन वर्तमान में नेपाल भी अपने विकास की दुहाई देकर भारत व चीन दोनों के साथ बराबरी की नीति पर चल रहा है. ●●●

भारतीय अर्थव्यवस्था : एक दृष्टि में
[INDIAN ECONOMY : AT A GLANCE]

जनसंख्या

देश की कुल जनसंख्या (2011)	121·0854 करोड़
जनसंख्या का विश्व में प्रतिशत	17·7 प्रतिशत
लिंगानुपात (प्रति हजार पुरुषों पर महिलाएं)	943
सर्वाधिक स्त्री-पुरुष अनुपात वाला राज्य	केरल (1084)
श्रमशक्ति (2009–13) (विश्व बैंक)	48·43 करोड़
कुल कामगार (जनगणना 2011)	48·17 करोड़
जनसंख्या का घनत्व (2011)	382 प्रति वर्ग किमी
जन्म दर (2017)	20·2 प्रति हजार जनसंख्या
मृत्यु दर (2017)	6·3 प्रति हजार जनसंख्या
प्रति महिला कुल प्रजनन दर (2017)	2·2
शहरी क्षेत्र	1·7
ग्रामीण क्षेत्र	2·4
शिशु मृत्यु दर (2017)	33 प्रति हजार जीवित जन्म
पुरुष	32
महिला	32
ग्रामीण	37
शहरी	23
प्रत्याशित आयु (जन्म के समय) (2017) विश्व बैंक	68·803 वर्ष
पुरुष (2017)	67·320 वर्ष
महिला (2017)	70·427 वर्ष
बाल मृत्यु दर (0-5 वर्ष)(प्रति 1,000 बच्चे) (2017)	37
मातृत्व मृत्यु दर (प्रति 1000 जीवित जन्म) (2014–16)	130
साक्षरता दर (2011)	73·0 प्रतिशत
पुरुष	80·9 प्रतिशत
महिला	64·6 प्रतिशत
सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य (2011)	केरल (94·0%)
सबसे कम साक्षरता वाला राज्य (2011)	बिहार (61·8%)
ग्रामीण जनसंख्या (2011)	83·37 करोड़
कुल जनसंख्या से ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत (2011)	68·84%
शहरी जनसंख्या (2011)	37·71 करोड़
कुल जनसंख्या से शहरी जनसंख्या का प्रतिशत (2011)	31·16%
सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाला राज्य (2011)	गोवा (62·17%)
सबसे कम शहरी जनसंख्या वाला राज्य (2011)	हिमाचल प्रदेश (10·03%)
सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला राज्य (2011)	मेघालय (27·9%)
सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य (2011)	उत्तर प्रदेश (19·98 करोड़)
न्यूनतम जनसंख्या वाला राज्य (2011)	सिक्किम (6·11 लाख)
सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य (2011)	बिहार (1106)
न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य (2011)	अरुणाचल प्रदेश (17)
कुल आबादी में हिन्दू जनसंख्या प्रतिशत (2011)	79·8%
कुल आबादी में मुस्लिम जनसंख्या प्रतिशत (2011)	14·2%
कुल आबादी में ईसाई जनसंख्या प्रतिशत (2011)	2·3%
कुल आबादी में सिख जनसंख्या प्रतिशत (2011)	1·7%
सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला धर्म (2001–11)	मुस्लिम (24·6%)
न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि वाला धर्म (2001–11)	जैन (5·4%)
सर्वाधिक साक्षरता वाला धर्म (2011)	जैन (94·88%)
न्यूनतम साक्षरता वाला धर्म (2011)	मुस्लिम (68·54%)
सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला धर्म (2011)	जैन (92·91%)
न्यूनतम महिला साक्षरता वाला धर्म (2011)	मुस्लिम (55·35%)

क्षेत्रफल

देश का कुल क्षेत्रफल	3287263 वर्ग किमी
विश्व के क्षेत्रफल का प्रतिशत	2·42 प्रतिशत (सातवाँ स्थान)
समुद्र तट की कुल लम्बाई	7517 किमी
अनन्य आर्थिक क्षेत्र	2·02 मिलियन वर्ग किमी
कॉन्टीनेन्टल शेल्फ क्षेत्र	0·53 मिलियन वर्ग किमी
कुल वन एवं वृक्षादित क्षेत्रफल	794245 वर्ग किमी (कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 24·16%)
कुल वनाच्छादित क्षेत्रफल (2017)	708273 वर्ग किमी (21·54%)
कृषि के अन्तर्गत भूमि (2014-15)	181·886 मिलियन हेक्टेयर
जोती गई भूमि (2014-15)	155·221 मिलियन हेक्टेयर
निवल बोया गया क्षेत्रफल (2014-15)	140·133 मिलियन हेक्टेयर
खाद्यान्नी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल (2016-17)	128·00 मिलियन हेक्टेयर
सिंचित क्षेत्र (निवल) (2014-15)	68·100 (मि. हे.)
सकल सिंचित क्षेत्र (2014-15)	96·457 (मि. हे.) (47·7%)
वर्षाधीन क्षेत्रफल (2014-15)	52·3%
फसलों में खाद्यान्न फसलों की हिस्सेदारी	
1950-51	76·7%
2016-17	91·06%
क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य	राजस्थान
क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य	गोवा
सर्वाधिक राज्यों की सीमा से लगा राज्य	उत्तर प्रदेश (8 राज्यों की सीमाओं को स्पर्श करता है– उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड, बिहार)
प्रति व्यक्ति भूमि उपलब्धता (2014-15)	0·143 हेक्टेयर
भूजोत का औसत आकार (2015-16)	1·08 हेक्टेयर

राष्ट्रीय आय सम्बन्धी आँकड़े

(₹ लाख करोड़ में)

संकेतक	2017-18	2018-19
(2011-12 कीमतों) स्थिर लागत पर		
● सकल मूल्य संवर्द्धन (GVA)	121·04	129·06
● सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	131·80	140·77
● सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	130·34	139·32
● निबल राष्ट्रीय आय (NNI)	115·31	123·30
● प्रति व्यक्ति आय (₹)	87,623	92,565
प्रचलित कीमतों पर		
● सकल मूल्य संवर्द्धन (GVA)	154·82	172·00
● वास्तविक जीडीपी (GDP)	170·95	190·10
● सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	169·10	188·16
● निबल राष्ट्रीय आय (NNI)	151·28	168·37
● प्रति व्यक्ति आय (₹)	114,958	126,406

विभिन्न वर्षों में विकास दर (सकल राष्ट्रीय आय)

2011-12 (पुरानी शृंखला)	6·9%
2012-13 (नवीन शृंखला)	5·3%
2013-14 (नवीन शृंखला)	6·6%
2015-16	8·2%
2016-17	7·1%
2017-18 (प्र. स. अनुमान)	7·2%
2018-19 (द्वितीय अग्रिम अनुमान)	7·0%

2011-12 की स्थिर कीमतों पर सकल मूल्यवर्द्धन (GVA) में विभिन्न क्षेत्रकों का हिस्सा (% में)

	2017-18 (IRE)	2017-18 (द्वि. अ. अनु.)
I. कृषि	14·90	14·33
II. उद्योग	31·22	31·48
(a) खनन एवं उत्खनन	3·02	2·86
(b) विनिर्माण	17·98	18·21
(c) विद्युत्, गैस एवं जलापूर्ति	2·21	2·24
(d) निर्माण	8·01	8·17
III. सेवाएं	53·88	54·19

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि (2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर)

(प्रतिशत में)

	2017-18	2018-19
प्राथमिक क्षेत्र		
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी (Agriculture, Forestry and Fishing)	5·0	2·9
द्वितीयक क्षेत्र (उद्योग)	**5·9**	**6·9**
2. खनन व उत्खनन (Mining and Quarrying)	5·1	1·3
3. विनिर्माणी (Manufacturing)	5·9	6·9
4. विद्युत्, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं (Electricity, Gas, Water Supply and Other Utility Services)	8·6	7·0
5. निर्माण (Construction)	5·6	8·7
तृतीयक क्षेत्र	**8·1**	**7·5**
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं (Trade, Hotels, Transport, Communications and Services related to Broadcasting)	7·8	6·9
7. वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं (Financial, Real Estate and Professional Services)	6·2	7·4
8. सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएं (Public Administration, Deffence and Other Services)	11·9	8·6
मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices)	**6·9**	**6·6**

CSO के संशोधित आँकड़े (GDP वृद्धि दर)

तिमाही	स्थिर मूल्य 2011-12 पर	प्रचलित मूल्य पर
2018-19 (Q_1)	8·0	12·6
(Q_2)	7·0	11·9
(Q_3)	6·6	11·0
(Q_4)	5·8	9·4
सम्पूर्ण 2018-19	6·8	11·2

आर्थिक संकेतक

औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (मार्च 2019) (आधार : 2011-12 = 100)	140·2
GVA में औद्योगिक क्षेत्र का योगदान (2018-19)	29·6%

स्थिर मूल्यों (2011-12) पर उद्योग क्षेत्र में GVA वृद्धि दर

क्षेत्र	GVA में वृद्धि (%) 2017-18	2018-19
उद्योग जिसमें	**5·9**	**6·9**
● खनन एवं उत्खनन	5·1	1·3
● विनिर्माण	5·9	6·9
● विद्युत् गैस, जलापूर्ति एवं अन्य सेवाएं	8·6	7·0
● निर्माण	5·6	8·0

नवरत्न कम्पनियों की संख्या	16
महारत्न कम्पनियों की संख्या	08
लघु (मिनी रत्न) रत्न कम्पनियों की संख्या संवर्ग–I	57
लघु (मिनी रत्न) रत्न कम्पनियों की संख्या संवर्ग–II	16
सार्वजनिक उपक्रमों में न्यूनतम सरकारी इक्विटी	51%
MSME क्षेत्र का योगदान	
विनिर्माण GDP में	6·11%
सेवा क्रियाओं GDP में	24·63%
निर्माण GDP में	33·4%
कुल निर्यात में	45%
MSME क्षेत्र में रोजगार	120 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित उद्योगों की संख्या	02
अनिवार्य लाइसेंस की परिधि में रखे गए उद्योगों की संख्या	04
कृषि उत्पादन का सूचकांक (2018-19) (आधार : 2007-08 = 100)	132·7
GVA में कृषि क्षेत्र का अंश प्रचलित मूल्यों पर (2018-19)	16·1%
भारत की मुख्य खाद्य फसल	चावल
गन्ने तथा चीनी के उत्पादन में भारत का विश्व में स्थान	द्वितीय
सर्वाधिक गेहूँ उत्पादन करने वाला राज्य (2016-17)	उत्तर प्रदेश
सर्वाधिक चावल उत्पादन करने वाला राज्य (2016-17)	प. बंगाल
सर्वाधिक दलहन उत्पादन करने वाला राज्य (2016-17)	मध्य प्रदेश
सर्वाधिक मोटे अनाज का उत्पादन करने वाला राज्य (2017-18)	महाराष्ट्र
सर्वाधिक तिलहन (सभी तिलहन) उत्पादन करने वाला राज्य (2017-18)	मध्य प्रदेश

मुख्य उत्पादन

खाद्यान्न उत्पादन (2016-17)	275·11 मिलियन टन
खाद्यान्न उत्पादन (2017-18)	285·01 मिलियन टन
खाद्यान्न उत्पादन (तृ. अ. अनु.) (2018-19)	283·37 मिलियन टन
बागवानी फसलों का उत्पादन (द्वि. अग्रिम अनु. 2018-19)	314·87 मिलियन टन
बिक्री हेतु उत्पादित कुल तैयार इस्पात (एलौय + गैर-एलौय) (2018-19)	131·57 मिलियन टन
क्रूड आयरन (2017-18)	102·2 मिलियन टन
स्पॉज आयरन (2016-17)	24·39 मिलियन टन
कच्चे इस्पात उत्पादन में भारत का विश्व में स्थान (2017)	तीसरा
कोयला (2018-19)	674·4 मिलियन टन
सीमेन्ट (2018-19)	337·3 मिलियन टन

चीनी (2018-19)	329·5 मिलियन टन
वस्त्र उत्पादन	60·453 बिलियन वर्ग मीटर
रासायनिक उर्वरक (2017-18) Estimated	
(i) यूरिया	24·251 मिलियन टन
(ii) डी.ए.पी.	5·036 मिलियन टन
(iii) मिश्रित (डी.ए.पी. से इतर)	9·038 मिलियन टन
(iv) एस.एस.पी. (2015-16)	4·335 मिलियन टन
कच्चा तेल (2018-19)	34·2 मिलियन टन
प्राकृतिक गैस (2018-19)	32·873 मिलियन घनमीटर
तेल परिशोधन क्षमता (1 अप्रैल, 2018)	251·9 मिलियन टन (4·62 मिलियन बैरल प्रतिदिन)
कुल तेल परिशोधन (2018-19)	257·02 मिलियन टन
कुल वाहन	2,39,60,409
(i) यात्री वाहन	34,13,859
(ii) वाणिज्यिक वाहन	7,82,814
(iii) तिपहिया वाहन	9,33,950
(iv) दुपहिया वाहन	1,88,29,786
विद्युत् उत्पादन स्थापित क्षमता (मेगावाट) (1 जुलाई, 2019)	3,57,875·48
(i) तापीय विद्युत्	2,26,324·34
1. कोयला आधारित	1,94,489·50
2. लिग्नाइट आधारित	6,260·0
3. गैस आधारित	24,937·22
4. डीजल आधारित	837·63
(ii) जलविद्युत्	45,399·22
(iii) नाभिकीय विद्युत्	6,780·00
(iv) अक्षय ऊर्जा	79,371·92

कृषि उत्पादन

(मिलियन टन)

क्र.	अनाज	2017-18	2018-19 (तृ. अ. अनु.)
1.	चावल	112·76	115·63
2.	गेहूँ	99·87	101·20
3.	मोटे अनाज (कुल)	48·97	43·33
4.	कुल दालें	**25·42**	**23·22**
5.	**कुल खाद्यान्न**	**285·01**	**283·37**
6.	**कुल तिलहन**	**31·46**	**27·59**
7.	कपास (मिलियन गाँठें)	32·80	27·6
8.	पटसन (मिलियन गाँठें)	9·6	9·4
9.	गन्ना	379·9	400·3

	2017-18	2018-19
विद्युत् उत्पादन (बिलियन यूनिट)	1205·920	1249·19
1. तापीय विद्युत्	1036·684	1072·01
2. जलविद्युत्	126·133	135·04
3. नाभिकीय विद्युत्	38·247	44·33

- **महारत्न कम्पनियाँ (सितम्बर 2018)** : 08 (BHEL, CIL, GAIL, IOC, NTPC, ONGC, SAIL, BPCL)

सार्वजनिक क्षेत्रक की ऐसी कम्पनियों को महारत्न कम्पनी का दर्जा दिया जाता है जिसके अभिलक्षण निम्नलिखित हों–

- यह नवरत्न दर्जा प्राप्त कम्पनी हो.
- यह स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो.
- विगत तीन वर्षों में इसका औसत कारोबार ₹ 25,000 करोड़ या इससे अधिक हो.
- विगत तीन वर्षों में इसका औसत रेट वर्थ ₹ 15,000 करोड़ या इससे अधिक हो.
- विगत तीन वर्षों में इसका कर पश्च औसत लाभ ₹ 500 करोड़ अधिक रहा हो.
- वैश्विक पहुँच हो.

- **नवरत्न कम्पनियाँ (सितम्बर 2018)** : 16 (BEL, CCIL, EIL, HAL, MTNL, HPCL, NALCO, NBCCL, NMDC, NLCL, OIL, PFCI, PGCIL, RINL, RECL, SCIL)

सार्वजनिक क्षेत्रक की ऐसी कम्पनी को महारत्न कम्पनी का दर्जा दिया जाता है, जिसमें निम्न अभिलक्षण मौजूद हों–

- इसे मिनी रत्न कम्पनी-I एवं सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम की अनुसूची A का दर्जा प्राप्त हो.
- विगत 5 वर्षों में कम-से-कम तीन वर्षों के दौरान समझौता ज्ञापन में 'उत्कृष्ट' अथवा 'अति उत्तम' रेटिंग मिली हो.
- निम्नलिखित 6 प्राचलों के आधार पर विकसित कम्पोजिट स्कोर 60 या अधिक प्राप्त किया हो.

(i) नेटवर्थ से निवल लाभ अनुपात.
(ii) उत्पादन/सेवा की कुल लागत से मानव शक्ति लागत अनुपात.
(iii) नियोजित पूँजी से घिसाई व्यय, ब्याज तथा कर पूर्व लाभ अनुपात.
(iv) टर्नओवर से ब्याज एवं कर पूर्व लाभ.
(v) प्रति शेयर आय.
(vi) अन्तर-क्षेत्रक उपलब्ध.

- **मिनी रत्न कम्पनियाँ (सितम्बर 2018)**—I : 59

सार्वजनिक क्षेत्रक की ऐसी कम्पनियाँ जिन्होंने विगत तीन वर्षों में लाभ अर्जित किया हो तथा नेटवर्थ धनात्मक रही हो.

- **मिनी रत्न कम्पनियाँ (सितम्बर 2018)**—II : 15
- **भारत के प्रमुख उद्योग** (Core Industries)–कोयला उद्योग, कच्चा तेल उद्योग, तेल परिशोधन उद्योग, रासायनिक उर्वरक उद्योग, लौह एवं इस्पात उद्योग, सीमेन्ट उद्योग, विद्युत्.
- **आर्थिक अधोरचना क्षेत्रक**–परिवहन (रेलवे, सड़कें एवं राजमार्ग, हवाई अड्डे, बन्दरगाह) दूरसंचार, सिंचाई (बाँध नहरें), विद्युत् (उत्पादन, पारेषण, वितरण) कोयला, खनिज, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, नवीन एवं अक्षय ऊर्जा.
- **सामाजिक अधोरचना क्षेत्रक**–शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, वहनीय आवास.

परिवहन

रेलवे मार्ग की लम्बाई (मार्च 2018 की स्थिति)	68442 किमी
दोहरा/बहुपथ रेलमार्ग (31 मार्च, 2018)	26244 किमी (कुल का 38·34%)
रेलवे विद्युतीकृत मार्ग की लम्बाई (31 मार्च, 2018)	29376 किमी (कुल का 42·92%)
एशिया की सबसे बड़ी व विश्व की दूसरी बड़ी रेल प्रणाली	भारतीय रेल
फ्रेट लोडिंग (2018-19)	1223 मि. टन
रेल यात्रियों की संख्या (2019-20 BE)	8428 मिलियन
रेलवे परिचालन अनुपात	
2019-20 (ब.अ.)	95·0%
2018-19 (स.अ.)	96·2%
2017-18	98·4%
2016-17	96·9%
2015-16	90·5%

भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं पर परिव्यय

(₹ करोड़ में)

परियोजनाएं	2017-18 (वास्तविक)	2018-19 (संशोधित अनुमान)	2019-20 (बजट अनुमान)
(क) अति महत्वपूर्ण स्कीमें			
1. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम	8694	8900	9200
2. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम	55166	61084	60000
(ख) महत्वपूर्ण स्कीमें			
3. हरित क्रांति	11057	11802	12561
4. श्वेत क्रांति	1574	2431	2240
5. नीली क्रांति	321	501	560
6. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना	6613	8251	9682
7. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना	16862	15500	19000
8. प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई)	31164	26405	25853
9. राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन	7038	5500	10001
10. स्वच्छ भारत अभियान	19427	16978	12644
11. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	32000	31187	32651
12. राष्ट्रीय शिक्षा मिशन	29455	32334	38547
13. राष्ट्रीय स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	9092	9949	11000
14. अंब्रेला आईसीडीएस	19234	23357	27584
15. महिला का संरक्षण और सशक्तीकरण मिशन	945	1156	1330
16. राष्ट्रीय आजीविका मिशन–आजीविका	4926	6294	9774
17. कार्य एवं कौशल विकास	2723	6830	7260
18. शहरी पुनर्जागरण अभियान : अमृत और स्मार्ट सिटी मिशन	9463	12569	13750
19. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन	553	451	800
20. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए)	—	675	822
21. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना	505	2700	6556
(ग) प्रमुख केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें			
22. फसल बीमा योजना	9419	12976	14000
23. किसानों को अल्पावधि ऋण के लिए ब्याज सब्सिडी	13046	14987	18000
24. बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य समर्थन योजना (एमआईएस-पीएसएस)	701	2000	3000
25. प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (पीएम-एएएसएचए)	—	1400	1500
26. दूरसंचार अवसंरचना के सृजन एवं संवर्धन के लिए सेवा प्रदाताओं को क्षतिपूर्ति	7000	5000	8350
27. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् खाद्यान्नों के अन्तर्राज्यीय संचलन और उचित दर दुकानों के डीलरों को संदत्त मार्जिन के लिए राज्य की एजेंसियों को सहायता	4500	3884	4102
28. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् भारतीय खाद्य निगम को खाद्य राजसहायता	61982	140098	151000
29. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् खाद्यान्नों की विकेन्द्रीकृत अधिप्राप्ति के लिए खाद्य राजसहायता	38000	31000	33000
30. प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना	—	870	1101
31. परिवार कल्याण योजनाएं	614	519	700
32. प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना	3159	3825	4000
33. सीमा अवसंरचना और प्रबन्धन	2022	2001	2129
34. उच्चतर शिक्षा निधियन अभिकरण (एचईएफए)	250	2750	2100
35. प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)	1073	2119	2327
36. शिक्षा सशक्तिकरण	—	2451	2363
37. प्रधानमंत्री कर्मयोगी मानधन	—	—	750
38. गरीब परिवारों को एलपीजी कनेक्शन	2252	3200	2724
39. दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना	5050	3800	4066
40. एकीकृत विद्युत् विकास योजना	3900	3970	5280
41. सागरमाला	479	381	550
42. प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन	—	—	500
43. राष्ट्रीय गंगा योजना और घाट निर्माण कार्य	700	750	750
44. राष्ट्रीय नदी संरक्षण कार्यक्रम	723	1620	1220

सड़कों की कुल लम्बाई (31 मार्च, 2019)	58,97,671 किमी
राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषित लम्बाई (31 दिसम्बर, 2019)	132,499 किमी
राज्य राजमार्ग की लम्बाई (31-3-2017)	175,036 किमी
अन्य सड़कों की लम्बाई	56,08,477 किमी
राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई (सड़कों की कुल लम्बाई के प्रतिशत रूप में)	2·08%
कुल सड़क यातायात का राष्ट्रीय राजमार्गों द्वारा ढोया गया यातायात	40%
सड़क परिवहन द्वारा ढोया जाने वाला माल यातायात	65%
सड़क परिवहन द्वारा ढोया जाने वाला यात्री यातायात	80%
बड़े बन्दरगाहों की कुल संख्या	13
विश्व की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कम्पनी	चाइना मोबाइल
भारत में इन्टरनेट उपयोगकर्ता (मिलियन)	332

विदेशी व्यापार

(अरब डॉलर में)

	2017-18	2018-19
निर्यात	303·526 (9·98%)	330·069 (8·75)
आयात	465·580 (21·13%)	514034·09 (10·41%)
व्यापार घाटा (Trade Deficit)	162·054	183·964

(₹ मूल्य में)

₹ करोड़

निर्यात	19,56,514·53 (5·74)%	23,07,663·35 (17·95%)
आयात	3,001,033·43 (16·42)%	35,94,372·99 (19·77)%
व्यापार शेष	1,044,518·90	12,86,709·64

(कोष्ठक में दिए आँकड़े पूर्व वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि को दर्शा रहे हैं)

भारत के 3 शीर्ष विदेश व्यापार भागीदार (2018-19)

(अमरीकी बिलियन डॉलर में)

देश	आयात	निर्यात	कुल विदेश व्यापार
1. चीन	70·320	16·749	87·069
2. संयुक्त राज्य अमरीका	35·549	32·407	67·956
3. संयुक्त अरब अमीरात	29·783	30·124	59·906

सर्वाधिक मूल्य की निर्यातित वस्तु (2018-19)	पेट्रोलियम उत्पाद (46·54 अरब डॉलर)
तेल आयात (2018-19)	114·04 अरब डॉलर
गैर-तेल आयात (2018-19)	399·99 अरब डॉलर
भारत से सर्वाधिक विदेशी व्यापार करने वाला देश	चीन

विदेशी मुद्रा भण्डार (19 जुलाई, 2019)

कुल विदेशी करेंसी परिसम्पत्तियाँ	401·091 अरब डॉलर
स्वर्ण कोष	24·304 अरब डॉलर
SDR	1·447 अरब डॉलर
IMF के पास रिजर्व ट्रान्च	3·533 अरब डॉलर
कुल विनिमय कोष	430·376 अरब डॉलर

विदेशी ऋण (मार्च 2019 के अन्त में)

- कुल विदेशी ऋण — 543·0 अरब डॉलर
- कुल विदेशी ऋण में GDP का % — 19·7%
- कुल दीर्घकालीन ऋण 434·6 अरब डॉलर (कुल में हिस्सेदारी 80·03%)
- कुल अल्पकालीन ऋण 108·4 अरब डॉलर (कुल में हिस्सेदारी 19·96%)
- कुल ऋण में रियायती ऋण की हिस्सेदारी — 9·0%
- विदेशी ऋण में विभिन्न घटक
  - विदेशी वाणिज्यिक उधारियाँ — 37·93%
  - NRI जमाएं — 24·01%
  - बहुपक्षीय ऋण — 10·57%
- मुद्राओं की दृष्टि से विदेशी ऋण संरचना
  - डॉलर मूल्य में — 50·5%
  - रुपए मूल्य में — 35·7%
  - SDR मूल्य में — 4·9%
  - येन में — 5·0%
  - यूरो में — 3·0%
- ऋण सेवा अनुपात — 6·4%

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश इक्विटी का अन्तर्प्रवाह

2018-19	44·366 अरब डॉलर
2017-18	44·857 अरब डॉलर
2016-17	43·478 अरब डॉलर
2015-16	46·403 अरब डॉलर
2014-15	39·328 अरब डॉलर
2013-14	28·785 अरब डॉलर

कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अन्तर्प्रवाह (2014-15)	45·148 अरब डॉलर
कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अन्तर्प्रवाह (2015-16)	55·457अरब डॉलर
कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अन्तर्प्रवाह (2016-17)	60·220 अरब डॉलर
कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अन्तर्प्रवाह (2017-18)	61·963 अरब डॉलर
कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अन्तर्प्रवाह (2018-19)	64·375 अरब डॉलर

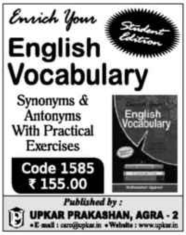

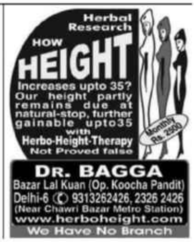

विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवल निवेश (2015-16)	(–) 4·016 अरब डॉलर
विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवल निवेश (2016-17)	7·735 अरब डॉलर
(2017-18)	22·165 अरब डॉलर
2018-19	(–) 3·587 अरब डॉलर

अप्रैल 2000 से मार्च 2019

(i) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अन्तर्प्रवाह	609·838 अरब डॉलर
(ii) विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवल निवेश	212·888 अरब डॉलर
भारत से बाह्य निवेश (शुद्ध) (2016-17)	26·959 अरब डॉलर
सर्वाधिक FDI अन्तर्प्रवाह क्षेत्र (घटते क्रम में)	सेवाएं (18%), निर्माण (6%), कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर (8%), दूरसंचार (8%) तथा ट्रेडिंग (5%)
सर्वाधिक FDI की हिस्सेदारी (घटते क्रम में)	(1) मॉरिशस (32%), (2) सिंगापुर, (19%), (3) यू.के. (7%), (4) जापान (7%), (5) नीदरलैण्ड्स (6%), (6) संयुक्त राज्य अमरीका (6%)
सर्वाधिक FDI वाले राज्य (घटते क्रम में)	महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं गुजरात

मौद्रिक एवं साख नीति के उपकरण

नकद आरक्षण अनुपात (9 फरवरी, 2013 से)	4·0%
बैंक दर (7 अगस्त, 2019 से)	5·65%
रिवर्स रेपो दर (7 अगस्त, 2019 से)	5·15%
रेपो दर (7 अगस्त, 2019 से)	5·40%
सांविधिक तरलता अनुपात (6 जुलाई, 2019 से)	18·75%
बचत खाता जमा पर ब्याज दर (25 अक्टूबर, 2011 से)	अनियन्त्रित
₹ 15 लाख से कम की सावधि जमा के लिए न्यूनतम अवधि	7 दिन
₹ 15 लाख से अधिक की सावधि जमा के लिए न्यूनतम अवधि	15 दिन
मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) की दर (1 अगस्त, 2018)	6·75%
बेस रेट (Base Rate)	10·00% से 10·25%
सावधि जमा दरें	8·00% से 8·75%

बैंकिंग एवं पूँजी बाजार (1 फरवरी, 2019)

सार्वजनिक क्षेत्रक

भारतीय स्टेट बैंक	01
राष्ट्रीयकृत बैंक (1 अप्रैल, 2019 से देना बैंक एवं विजया बैंक का विलय बैंक ऑफ बड़ौदा में हो जाने पर राष्ट्रीयकृत बैंकों की संख्या 17 रह जाएगी)	17
आईडीबीआई बैंक	01
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	56

निजी क्षेत्रक

प्राइवेट बैंक (पुराने)	13
प्राइवेट बैंक (नए)	09
भुगतान बैंक	06
लघु वित्त बैंक	10
विकास बैंक (सिडबी, राष्ट्रीय आवास बैंक, निर्यात-आयात बैंक, नाबार्ड)	04
विदेशी बैंक (भारत में कार्यरत्)	43

सहकारी साख संस्थाएं (31 मार्च, 2018)

सभी साख संस्थाएं	98183
(i) अनुसूचित सहकारी शहरी बैंक	54
(ii) गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंक	1497
ग्रामीण सहकारिताएं	
(i) दीर्घकालीन साख	614
(ii) अल्पकालीन साख	95998
(क) राज्य सहकारी बैंक	33
(ख) जिला सहकारी बैंक	370
(ग) प्राथमिक कृषि साख समितियाँ	95595
पूर्णरूप से पहला भारतीय बैंक	पंजाब नेशनल बैंक
भारत का केन्द्रीय बैंक	रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया
रिजर्व बैंक के गवर्नर	शक्तिकान्त दास
देश के 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण	19 जुलाई, 1969
छह अन्य बैंकों का राष्ट्रीयकरण	अप्रैल 1980
वर्तमान में राष्ट्रीयकृत बैंकों की संख्या	19
भारतीय मुद्रा बाजार में शीर्ष स्थान	रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया
नाबार्ड की स्थापना	12 जुलाई, 1982
SEBI की स्थापना	अप्रैल 1988
सर्वाधिक सकल गैर-निष्पादनीय परिसम्पत्ति (Gross NPAs) वाला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक (31 मार्च, 2019)	स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ₹ 172750 करोड़ (7·53%)
सर्वाधिक शुद्ध लाभ अर्जित करने वाला सार्वजनिक क्षेत्रक बैंक (2018-19)	भारतीय स्टेट बैंक में ₹ 862 करोड़
PPF पर वार्षिक ब्याज (2019-20) (Q_1)	7·9%
EPF पर वार्षिक ब्याज (वर्ष 2018-19 से)	8·55%
PPF खातों में सालाना निवेश की अधिकतम सीमा (2014-15 से)	₹ 1·50 लाख
देश में संचालित कुल एटीएम (अप्रैल 2018)	205184
देश में संचालित POS (अप्रैल 2018)	3193356
अप्रैल 2018 तक वितरित कुल क्रेडिट कार्ड	37782876
अप्रैल 2018 तक वितरित कुल डेबिट कार्ड	906356781

केन्द्रीय बजट 2019-20

बजट का प्रस्तुतीकरण	5 जून, 2019
राजस्व घाटा	₹ 485019 करोड़ (GDP का 2·3%)
राजकोषीय घाटा	₹ 703760 करोड़ (GDP का 3·3%)
प्राथमिक घाटा	₹ 43289 करोड़ (GDP का 0·3%)
ब्याज एवं ऋण सेवा भुगतान (सबसे बड़ी व्यय मद)	₹ 660471 करोड़

●●●

भौगोलिक-आर्थिक लेख

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन : क्यों और कैसे ?

✍ डॉ. मनीष देव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 18 मई, 2016 को राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना जारी की गई. इस योजना में "2015–2030 की अवधि में आपदा जोखिम में कमी लाने हेतु सेण्डई फ्रेमवर्क" (Sendai Framework for Disaster Risk Reduction 2015–2030) में इंगित उपागम को अपनाया गया है. भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर बने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबन्धन हेतु निम्नलिखित तीन बड़ी बहुपक्षीय पहलें की गई हैं–

- आपदा जोखिम प्रबन्धन हेतु सेन्डई फ्रेमवर्क मार्च 2015.
- सम्पोषणीय विकास लक्ष्य 2015–30, सितम्बर 2015.
- जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौता, दिसम्बर 2015.

सेण्डई फ्रेमवर्क के अन्तर्गत चार प्राथमिकताओं को शामिल किया गया है–

(i) आपदा जोखिम को समझना.

(ii) आपदा जोखिम का प्रबन्ध करने के लिए आपदा जोखिम प्रशासन सुदृढ़ करना.

(iii) समुत्थान-शक्ति हेतु आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु निवेश करना.

(iv) प्रभावी अनुक्रिया हेतु आपदाओं से निपटने की तैयारियों को बढ़ाना तथा बहाली, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण में 'Build Back Better' की स्थिति लाना.

आपदा प्रबन्धन अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत राष्ट्रीय, प्रान्तीय, जनपदीय एवं स्थानीय स्तरों पर प्रभावी आपदा प्रबन्धन हेतु संस्थानिक एवं समन्वयनकारी तन्त्र का प्रावधान किया गया है. इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप भारत सरकार ने बहुस्तरीय संस्थानिक प्रणाली सृजित की है.

- राष्ट्रीय स्तर–प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाला राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण.
- प्रान्तीय स्तर–सम्बन्धित मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाला राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण.
- जनपद स्तर–जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला पंचायत की सह-अध्यक्षता वाला जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण.

ये निकाय आपदा प्रबन्धन को पारम्परिक रूप से राहत केन्द्रित उपागम के स्थान पर आपदाओं से निपटने की तैयारी, आपदाओं के प्रभाव को कम-से-कम करना, आपदा से प्रभावित लोगों का पुनर्वास और पुनर्निर्माण तथा आपातकालीन व्यवस्था जैसे मुद्दों को सुदृढ़ करने के समग्र एवं समन्वित उपागम पर अधिक ध्यान देते हैं.

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना सरकारी निकायों को आपदा प्रबन्धन चक्र के सभी चरणों के लिए एक ढाँचा एवं दिशा-निर्देश प्रदान करता है. यह योजना इस दृष्टि से एक गत्यात्मक योजना है कि इसमें समय-समय पर आपदा प्रबन्धन हेतु वैश्विक स्तर पर अपनायी जाने वाली कार्यनीति का समावेशन किया जाएगा. समग्र रूप से इस योजना का मुख्य उद्देश्य आपदाओं से होने वाली क्षति को कम-से-कम करना है. यह योजना इस प्रकार से अभिकल्पित की गई है कि इसे आपदा प्रबन्धन के सभी चरणों– (a) आपदा न्यूनीकरण एवं जोखिम कम करना, (b) आपदा से निपटने की तैयारी, (c) अनुक्रिया, (d) बहाली (भौतिक अधोरचना को पूर्व की स्थिति में लाना) में लोचपूर्ण तथा मापनीय तरीके से क्रियान्वित किया जा सकता है.

दृग्विषय (Vision)

प्रशासन के सभी स्तरों पर तथा सभी समुदायों के स्तरों पर आपदाओं का सामना करने की क्षमता को अधिकतम करके भारत को आपदा प्रत्यास्थी (Disaster Resilient) बनाना, आपदा जोखिमों में महत्वपूर्ण तरीके से कमी लाना, जान-माल की हानि में कमी लाना, जीवनयापन एवं आस्तियों–आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय हानियों को कम-से-कम करना.

बहुपरिसंकटमय अरक्षितता

अपनी प्राकृतिक-भौगोलिक एवं जलवायु दशाओं के कारण भारत विश्व के सर्वाधिक आपदा प्रवण क्षेत्रों में से एक है. भारत में रासायनिक, जैविक, नाभिकीय, रेडियोधर्मी जनित आपातकालीन परिस्थितियाँ तथा अरक्षितताएं विद्यमान हैं. जनसंख्या वृद्धि, बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण, उच्च जोखिम क्षेत्रों में अनियन्त्रित व अनियोजित विकास, पर्यावरणीय विनाश तथा जलवायु परिवर्तन ने आपदाजनित अरक्षितताओं को बढ़ा दिया है.

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना का कार्यक्षेत्र

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना में निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं–

- आपदाओं को रोकने अथवा उनके प्रभावों की गम्भीरता को कम करने के लिए किए जाने वाले उपाय.
- विकास योजनाओं में आपदाओं की गम्भीरता को कम करने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों के समन्वयन हेतु किए जाने वाले उपाय.
- किसी आपदा अथवा आपदा जनित किसी भयसूचक सम्भावना के प्रति प्रभावी अनुक्रिया हेतु क्षमता निर्माण एवं तैयारी हेतु किए जाने वाले उपाय.
- उपर्युक्त तीनों पहलुओं से सम्बन्धित उपायों के सन्दर्भ में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों की भूमिकाएं तथा उत्तरदायित्व.

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना के उद्देश्य

इस योजना को तैयार करते समय आपदा प्रबन्धन अधिनियम, 2005, राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन नीति, 2009 तथा सेन्डई फ्रेमवर्क के प्रति वचनबद्धता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना के उद्देश्य निम्नलिखित प्रकार निर्धारित किए गए हैं–

1. आपदा जाखिमों, खतरों एवं अरक्षितताओं की समझ में सुधार लाना.
2. स्थानीय स्तर से केन्द्र तक के सभी स्तरों तक आपदा जोखिम प्रशासन को सुदृढ़ करना.
3. संरचनात्मक, गैर-संरचनात्मक एवं वित्तीय तरीकों तथा समग्र क्षमता विकास द्वारा तन्यक्ता (Resilience) हेतु आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए निवेश करना.
4. प्रभावी अनुक्रिया हेतु आपदाओं से निपटने की तैयारियों को बढ़ाना.
5. बहाली, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण में पूर्व की स्थिति लाने के लिए प्रोन्नयन करना.
6. जीवन, जीवनयापन की दशाओं, स्वास्थ्य एवं आस्तियों (आर्थिक, भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय) में हानियों और जोखिमों में उल्लेखनीय रूप से कमी लाने के लिए आपदाओं को रोकना.
7. विद्यमान जोखिमों को कम करना तथा नई आपदा जोखिमों को उत्पन्न होने से रोकना तथा तन्यक्ता को बढ़ाना.
8. आपदाओं के परिसंकटमय प्रकटन एवं अरक्षितताओं को रोकने और उनमें कमी लाने के लिए समन्वित एवं समावेशी आर्थिक, संरचनात्मक, विधिक,

विभिन्न प्रकार की आपदाएं एवं खतरे

संवर्ग	मुख्य घटनाएं	संक्षिप्त विवरण/द्वितीयक आपदा
1. भू-भौतिकीय	भूकम्प/पृथ्वी पदार्थों का बड़े पैमाने पर चलन	• भूकम्प के बाद भू-स्खलन. • भूकम्प के बाद शहरी क्षेत्रों में आग लगना. • द्रवीकरण--भूकम्प के बाद ठोस भूमि का दलदली/कीचड़ भूमि में बदल जाना. • ऊपर से नीचे की ओर मिट्टी, कंकर-पत्थरों का ढलान. • भूकम्प के कारण पृथ्वी पर स्थित पदार्थों का खिसकना.
	ज्वालामुखी फटना	• ज्वालामुखी फटने से भूमि के हिलने पर पृथ्वी पर स्थित पदार्थों का खिसकना. • ज्वालामुखी फटने पर आस-पास के क्षेत्रों में लावा, राख, गर्म वाष्प, गर्म गैसें, पायरोक्लास्टिक पदार्थों का बिखरना. • ज्वालामुखी फटने या उसके बाद आस-पास के क्षेत्रों में गर्म या ठण्डी राख (लहार) फैलना. • लावा आस-पास के क्षेत्रों में फैलना. • पायरोक्लास्टिक प्रवाह--अत्यधिक गर्म गैसें, राख (1000°C से अधिक तापमान वाली) 700 किमी/घण्टा की गति से आस-पास के क्षेत्र में बिखरना.
	सुनामी	समुद्र/सागरों के जल के नीचे भूकम्प, ज्वालामुखी फटने या भू-स्खलन से समुद्र की लहरों में उछाल आता है, जो बहुत तीव्र गति से तटीय क्षेत्रों की ओर बढ़ता है.
2. हाइड्रोलॉजीकल	• बाढ़ • भू-स्खलन • तरंग अभिक्रिया	• गुरुत्वाकर्षणीय बल के तहत् पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फ, मिट्टी ऊपर से नीचे की ओर गिरना (हिमस्खलन). • तटीयक्षरण--समुद्र की लहरों, हवाओं, तरंगों तथा एन्थ्रोपोजेनिक क्रियाओं से समुद्री तटों पर अल्पकालीन अथवा स्थायी कटाव. • तटीय बाढ़--समुद्र में ज्वार-भाटा आने पर तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आना. • मैदानी इलाकों में बाढ़--तीव्र वर्षा से मिट्टी, वनस्पतियाँ आदि का बहाव. • कम समय में अत्यधिक वर्षा से पानी की निकासी न होने से निचले इलाकों में पानी भर जाना. • नदियों, झीलों में पानी की आवक बढ़ जाने से आस-पास के इलाकों में जलभराव. • तरंग अभिक्रिया--हवाओं से उत्पन्न तरंगों से समुद्रों, नदियों, झीलों में पानी की उथल-पुथल से आस-पास के क्षेत्रों में पानी भर जाना.
3. मौसम विज्ञानी	मौसमी परिवर्तनों, जो अल्प-कालीन/सूक्ष्म-से-बड़े हो सकते हैं; कुछ मिनटों से लेकर कुछ दिनों तक वातावरणीय दशाओं में परिवर्तन.	• चक्रवात, आँधी, तूफान, बवंडर, संवहनी अंधड़, उष्णकटिबन्धीय से इतर अंधड़. • शीत लहर, काफी बड़े क्षेत्र में तेज हवाएं. • लू, कोहरा, ठण्डी हवाएं, ओलावृष्टि, बर्फवारी. • बिजली गिरना, तीव्र वर्षा. • धूलभरी आँधियाँ. • बर्फानी तूफान.
4. जलवायु सम्बन्धी	असामान्य जलवायु/मौसमी दशाएं	• सूखा. • अत्यधिक/भीषण गर्मी, भीषण सर्दी. • जंगलों में आग. • हिमानी झीलों का फटना. • घटाव.
5. जैविक	कीटाणुओं/विषाणुओं/जीवाणुओं/जहरीले पदार्थों से जनित	• महामारी--विषाणुओं से, जीवाणुओं से, परजीवियों से, फफूँदी से. • कीटों का प्रकोप. • पशुओं का प्रकोप.
6. मानव जनित	मानव त्रुटियाँ, आतंकवादी गतिविधियाँ	• दुर्घटनाएं--रेल, सड़क, वायुयान, जहाज, भवनों का गिरना, खानों में बाढ़, तेल रिसाव, गैस रिसाव, औद्योगिक दुर्घटनाएं आदि. • बम विस्फोट. • जैविक हमला. • लैण्ड माइन्स.
	शासन प्रशासन की विफलता	• आन्दोलन, हड़ताल, तोड़-फोड़, आगजनी, बलवा. • आतंकवादी गतिविधियाँ. • सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह. • युद्ध.

सामाजिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, पर्यावरणीय, प्रौद्योगिकीय, राजनीतिक एवं संस्थानिक उपाय अपनाने का प्रोन्नयन करना.

9. आपदा जोखिमों को कम करने तथा बेहतर ढंग से उनमें कमी लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों एवं समुदायों दोनों को ही सहभागी के रूप में सशक्त करना.

10. आपदा प्रबन्धन के सभी पहलुओं में वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षमताओं का सुदृढ़ीकरण करना.

11. विभिन्न प्रकार के खतरों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तथा समुदाय आधारित आपदा प्रबन्धन हेतु सभी स्तरों पर क्षमता विकास करना.

12. आपदा प्रबन्धन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों की भूमिकाओं और उतरदायित्वों में सुस्पष्टता लाना.

13. सभी स्तरों पर आपदा जोखिम रोकथाम तथा न्यूनीकरण की संस्कृति का प्रोन्नयन करना.

14. विकासात्मक नियोजन एवं प्रक्रियाओं में आपदा प्रबन्धन चिन्ताओं को मुख्यधारा में लाना.

आपदाओं से होने वाली क्षति की रोकथाम

आपदाएं प्रायः अप्रत्याशित होती हैं. वैज्ञानिक प्राविधियों के विकास से, विशेष रूप से उपग्रहों से प्राप्त सूचनाओं और संदेशों का सुपर कम्प्यूटरों से विश्लेषण करके कतिपय दैवीय आपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर उनके बारे में भविष्यवाणी की जा सकती है. उदाहरणार्थ समुद्रों/महासागरों में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्रों से उत्पन्न चक्रवातों, ओलावृष्टि, हिमपात, वर्षा आदि, लेकिन अधिकांश आपदाएं–दैवीय एवं मानवकृत अप्रत्याशित ही होती हैं जिनके बारे में न तो पूर्वानुमान लगाया जा सकता है और न कोई भविष्यवाणी ही की जा सकती है, लेकिन कुछ उपाय–स्थायी तथा तात्कालिक, ऐसे अवश्य किए जा सकते हैं जिनसे आपदाओं की घातकता को कम किया जा सके. आपदाग्रस्त क्षेत्र में फँसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की पूर्वयोजनाएं बनाकर जनहानि तथा लोगों को घायल होने से बचाया जा सकता है. पर्यावरणीय नियोजन एवं अभिकल्पन से हानियों को कम किया जा सकता है. जनवरी 2005 में विश्व के 168 देशों की सरकारों ने दैवीय आपदाओं के जोखिमों को कम करने की एक 10 वर्षीय वैश्विक योजना को अंगीकृत किया था जिसे हायगो फ्रेमवर्क कहा जाता है. यह फ्रेमवर्क असुरक्षित समुदायों के लिए आपदा प्रबन्धन हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्तों, कार्ययोजनाओं की प्राथमिकताओं तथा व्यावहारिक संसाधनों पर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराता है. जापान में हायगो में आपदा न्यूनीकरण पर विश्व कान्फ्रेंस (18–22 जनवरी, 2005) में आपदाओं के प्रभावों को कम-से-कम करने के लिए विश्व के 168 देशों के बीच आपदा न्यूनीकरण की कार्ययोजना हेतु निम्नलिखित प्राथमिकताओं पर सहमति बनी–

- यह सुनिश्चित करना कि क्रियान्वयन हेतु सुदृढ़ संस्थानिक आधार के साथ आपदा जोखिम न्यूनीकरण एक राष्ट्रीय एवं स्थानीय प्राथमिकता हैं.
- आपदा जोखिमों को चिह्नित करना, मूल्यांकन करना तथा अनुश्रवण करना तथा आरम्भिक चेतावनी प्रणाली का उच्चीकरण करना.
- सभी स्तरों पर सुरक्षा तथा समुत्थान शक्ति की संस्कृति के निर्माण हेतु ज्ञान, अभिनवीकरण तथा शिक्षा का प्रयोग करना.
- अन्तर्निहित जोखिम कारकों को कम करना तथा.
- सभी स्तरों पर प्रभावी अनुक्रिया हेतु आपदा मुस्तैदी का सुदृढ़ीकरण करना.

आपदा मुस्तैदी

आपदा मुस्तैदी के अन्तर्गत ऐसे कार्यकलापों को शामिल किया जाता है जिससे जन-धन हानि को कम-से-कम किया जा सके. उदाहरणार्थ आपदाओं की सम्भावना वाले स्थानों से लोगों और उनकी चल सम्पत्ति

आपदा जोखिम में कमी लाने पर सेण्डई फ्रेमवर्क, 2015–2030

2015 पश्च विकास एजेण्डा के सन्दर्भ में सेण्डई फ्रेमवर्क पहला अन्तर्राष्ट्रीय समझौता है, जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सदस्य देशों के बीच आपदाओं से निपटने की साझा रणनीति पर सहमति बनी है. सितम्बर 2015 में स्वीकृत सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों–2015–2030 तथा वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते में भी आपदाओं से होने वाली क्षति को कम करने पर सहमति बनी है.

सेण्डई फ्रेमवर्क के प्रमुख बिन्दु निम्नलिखित हैं–

- *पहली बार लक्ष्यों को क्रियाओं एवं अभिक्रियाओं के एक समुच्चय पर ध्यान दिए जाने के बजाए उपलब्धि आधारित लक्ष्यों के रूप में परिभाषित किया गया है.*
- *फ्रेमवर्क में आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए सरकार को केन्द्र में रखते हुए आपदा जोखिम प्रशासन के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया गया है.*
- *पूर्व में आपदा प्रबन्धन पर अधिक ध्यान दिया जाता था, जबकि अब आपदा जोखिम प्रबन्धन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए जोखिम के चालकों को समझने पर ध्यान देने को प्रमुखता प्रदान की गई है.*
- *फ्रेमवर्क में प्राकृतिक खतरों से उत्पन्न होने वाली आपदाओं के साथ-साथ अन्य सभी आपदाओं को समान महत्व दिया गया है.*
- *यह फ्रेमवर्क सामाजिक अरक्षितताओं के साथ-साथ पर्यावरणीय पहलुओं पर भी यथोचित ध्यान देता है. यह माना गया है कि आपदाओं में कमी लाने के लिए समन्वित पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन उपागमों के क्रियान्वयन की भी आवश्यकता होती है. इसलिए इसका सुदृढ़ीकरण किया जाना चाहिए.*
- *इस फ्रेमवर्क में आपदा जोखिम में कमी लाने को एक नीतिगत मुद्दा माना गया है, जो स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अन्य क्षेत्रकों से भी जुड़ा है.*

सेण्डई फ्रेमवर्क द्वारा निर्धारित सात वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता–

1. *सन् 2030 तक वैश्विक आपदा मृत्युक्रम में प्रभावी कमी लाना; 2005–2015 की तुलना में 2020–30 के दशक में औसत प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर वैश्विक मृत्यु दर में कमी लाना.*
2. *सन् 2030 तक वैश्विक स्तर पर आपदाओं से प्रभावित लोगों की संख्या में प्रभावी कमी लाना; 2005–2015 की तुलना में 2020–2030 के दशक में प्रति 1,00,000 जनसंख्या आपदा प्रभावित लोगों की औसत जनसंख्या में कमी लाना.*
3. *सन् 2030 तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के सन्दर्भ में प्रत्यक्ष आपदा आर्थिक हानियों में कमी लाना.*
4. *सन् 2030 तक संवेदनशील अधोरचना में हुई हानियों एवं बुनियादी सुविधाओं–स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक सुविधाएं–में बाधाओं के स्तर में कमी लाना.*
5. *सन् 2020 तक राष्ट्रीय एवं स्थानीय आपदा जोखिम कमी लाने की रणनीतियाँ अपनाने वाले देशों की संख्या में वृद्धि करना.*
6. *सन् 2030 तक वर्तमान फ्रेमवर्क के क्रियान्वयन हेतु अपने राष्ट्रीय क्रियाकलापों के पूरक के रूप में विकासशील देशों को अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में प्रभावी तरीके से वृद्धि करना.*
7. *सन् 2030 तक बहु-खतरे चेतावनी प्रणाली तथा आपदा जोखिम सूचना एवं मूल्यांकन तक लोगों की पहुँच और उपलब्धता में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि करना.*

एवं पालतू पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाना. प्रभावी, राहत एवं बचाव तथा पुनर्वास कार्यों को सुसाध्य बनाना. आपदाओं से निपटने की मुस्तैदी जितनी अधिक सटीक होगी आपदा के प्रभावों को कम करने में उतनी ही अधिक सहायता मिलेगी. समुदाय आधारित मुस्तैदी एवं प्रबन्धन और भी अधिक कारगर सिद्ध होता है.

आपदा सम्भावित क्षेत्रों में आपदा से निपटने के लिए अधिकारी, व्यक्ति एवं समुदाय पहले से ही जितने अधिक सजग एवं मुस्तैद होते हैं. आपदा की घातकता उतनी ही कम होती है. आपदा से जुड़े खतरों से निपटने के लिए क्रियान्वयन तन्त्र की सजगता, पूर्ण सूचनाओं से युक्त तथा संसाधनों से युक्त व्यवस्था आपदा से होने वाली हानियों को सुनिश्चित तौर पर कम कर देगी. इस हेतु अपनाई जाने वाली क्रियाएं निम्नलिखित प्रकार हैं–

- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय आपदा प्रबन्धन में प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, मानव और पदार्थ संसाधनों से सम्बन्धित नीतियों तकनीकी एवं संस्थागत क्षमताओं का सुदृढ़ीकरण.
- आरम्भिक चेतावनी, आपदा जोखिम को कम करना, आपदा अनुक्रिया, सभी स्तरों पर विकास एवं अन्य उपादेय निकायों तथा संस्थानों के बीच सहायता विचार-विमर्श, सूचनाओं का आदान-प्रदान तथा समन्वय.
- जहाँ कहीं और जब कभी भी जरूरत हो, तो समन्वयकारी क्षेत्रीय उपागमों का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्रीय नीतियों का सृजन एवं उच्चीकरण, परिचालनात्मक तन्त्र का उच्चीकरण, प्रभावी आपदा अनुक्रिया हेतु व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण;
- जहाँ कहीं और जब कभी भी जरूरत हो, तो आपातकालीन कोषों की स्थापना तथा प्रोन्नयन.
- आपदाओं से निपटने की तैयारियों का समय-समय पर अनुश्रवण.

राहत एवं बचाव कार्य

किसी भी आपदा एवं इसके दीर्घकालीन परिणामों के प्रभाव को कम करने में राहत एवं बचाव कार्य एक समन्वित बहु निकाय अनुक्रिया है. इसमें निम्नलिखित कार्य आते हैं–

- आपदा प्रभावित स्थल/क्षेत्र में फँसे लोगों को सुरक्षित निकाल कर राहत शिविरों तक पहुँचाना.
- आपदा के दौरान मारे गए लोगों के शवों का यथोचित तरीके से निस्तारण.
- भोजन, पेयजल, दवाइयों, वस्त्रों (कम्बलों आदि) की व्यवस्था.
- बीमारियों एवं अपंगताओं से बचाव व उपचार की व्यवस्था.
- दूरसंचार एवं परिवहन तन्त्र की मरम्मत एवं बहाली.
- अस्थायी शरणस्थलों की व्यवस्था.
- आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल.

पुनर्वास

आपदा के दौरान एवं उसके बाद की आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा कर लिए जाने तथा आरम्भिक संकट दूर हो जाने के बावजूद आपदा से प्रभावित लोग एवं समुदाय असुरक्षित रहते हैं. व्यवस्था बहाली क्रियाओं में अधोरचना का पुनर्निर्माण, स्वास्थ्य देखभाल तथा पुनर्वास शामिल हैं. इन्हें विकासात्मक क्रियाओं के साथ सम्बद्ध कर दिया जाना चाहिए. जैसे कि स्वास्थ्य हेतु मानव संसाधनों का निर्माण तथा भविष्य में इसी प्रकार की परिस्थितियों से बचाव हेतु विकासात्मक नीतियों का सृजन आपदा प्रबन्धन को सम्पोषणीय विकास से सम्बद्ध किया जाता है विशेषतौर पर अपंगताओं से ग्रसित, वृद्धों, बच्चों एवं हाशिए पर रह रहे अन्य लोगों जैसे असुरक्षित व्यक्तियों के सन्दर्भ में सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण क्रियाएं आपदा प्रभावित लोगों को अपना जीवन नए सिरे से प्रारम्भ करने में सक्षम बनाती हैं. ●●●

उपकार
नवीन प्रस्तुति
25 प्रैक्टिस सैट
अखिल भारतीय
सैनिक स्कूल
प्रवेश परीक्षा

कक्षा VI में प्रवेश के लिए
लेखिका
निशा कुमारी
कोड 2662
₹ 240/-
English Edition
Code 3021 ₹ 220
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

CCC
NIELIT (Formerly DOEACC Society)
के नवीनतम परिवर्तित पाठ्यक्रम पर आधारित
उपकार
Just Released
कोर्स ऑन कम्प्यूटर
कॉन्सेप्ट्स
● गत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का समावेश
● अध्यायवार वस्तुनिष्ठ एवं सत्य/असत्य प्रश्नोत्तर सहित
● 8 मॉडल टेस्ट पेपर्स
● कम्प्यूटर शब्दावली

Code 2646
₹ 115.00
लेखिका : आकांक्षा
English Edition
Code 3011 ₹ 155/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

संसद की स्थायी और तदर्थ/अस्थायी समितियाँ

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

संसद के सदनों की दोनों समितियों की संरचना तथा कार्यदायित्व (कुछ अपवादों को छोड़कर) तकरीबन एक जैसे ही होते हैं और यह संविधान के 'अनुच्छेद-118(1)' के अन्तर्गत दोनों सदनों द्वारा निर्मित नियमों (प्रक्रिया के नियम) के अनुसार नियंत्रित होती हैं.

संविधान के 'अनुच्छेद-105' में संसद के सदनों तथा उनके सदस्यों एवं समितियों की शक्तियों एवं विशेषाधिकारों का उल्लेख किया गया है, लोकतंत्र की संसदीय प्रणाली में संसद द्वारा सरकार की समग्र नीतियों, कार्यक्रमों तथा क्रियाकलापों की समीक्षा तथा उस पर विचार-विमर्श कर विधि का निर्माण किया जाता है, इन सारे कार्यों के सफल संपादन में विभिन्न प्रकार की संसदीय समितियाँ न सिर्फ संसद की विशेष सहायता करती हैं, बल्कि संसद तथा सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

विभिन्न मंत्रालयों व संसदीय कार्यों की समीक्षा व निगरानी के लिए विभिन्न प्रकार की संसदीय समितियों का गठन किया गया है, जिन्हें मुख्यतः दो भागों में बाँटा गया है–(1) संसद की स्थायी समितियाँ (Standing Committees) तथा (2) अस्थायी या तदर्थ समितियाँ (Ad-hoc Committees).

संसदीय समितियाँ : कार्य/उद्देश्य

संसदीय समितियाँ संसद के सदनों द्वारा नियुक्त या निर्वाचित की जाती हैं अथवा अध्यक्ष/सभापति द्वारा मनोनीत की जाती हैं.

संसदीय समितियाँ अध्यक्ष/सभापति के निर्देशानुसार कार्य करती हैं.

ये समितियाँ अपनी शिकायतें-सुझाव-सिफारिशें या प्रतिवेदन सदन/सदन के अध्यक्ष/सभापति के समक्ष प्रस्तुत कर सकती हैं.

ये समितियाँ लोक सभा अथवा राज्य सभा सचिवालय द्वारा निर्धारित/निर्देशित विषयों पर कार्य करती हैं.

(क) स्थायी समितियाँ

स्थायी समितियाँ वे समितियाँ हैं जिनका अस्तित्व संसदीय परम्परा में हमेशा नियमित रूप से बना रहता है और जिनके सदस्यों का चयन प्रत्येक वर्ष या निर्धारित समय के अनुरूप किया जाता है, कार्यदायित्वों के आधार पर स्थायी समितियों को भी दो भागों में बाँटा जाता है–(i) वित्तीय कार्यों से सम्बन्धित लेखा समितियाँ तथा (ii) विभागीय स्थायी समितियाँ. इनमें से लेखा समितियाँ लम्बे समय से संसदीय परम्परा का अभिन्न अंग रही हैं, जबकि केन्द्रीय मंत्रालयों या विभागों से सम्बन्धित स्थायी समितियों के गठन की शुरूआत तकरीबन ढाई दशक पूर्व मानी जा सकती है, वर्ष 1989 में 8वीं लोक सभा के दौरान केन्द्र सरकार ने तत्कालीन दौर में गठित "नियम-समिति" के सुझावों के आधार पर निम्न तीन प्रकार की समितियों के गठन को स्वीकृति प्रदान की थी–(1) कृषि सम्बन्धी स्थायी समिति, (2) पर्यावरण एवं वन से सम्बन्धित स्थायी समिति तथा (3) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित स्थायी समिति. उक्त विभागीय समितियों के गठन का मुख्य उद्देश्य सम्बद्ध विभागों/मंत्रालयों एवं उससे सम्बन्धित विभिन्न सरकारी संस्थाओं पर संसदीय निगरानी बढ़ाना था, 10वीं लोक सभा के दौरान इन समितियों की उपयोगिता को देखते हुए 29 मार्च, 1993 को ऐसी 17 समितियों के गठन के प्रस्ताव को स्वीकार किया गया, जुलाई 2004 में पुनः इन समितियों का पुनर्गठन किया गया, जिसके बाद इन विभागीय स्थायी समितियों की संख्या 17 से बढ़ाकर 24 कर दी गई, जिनमें से 16 समितियाँ लोक सभा के तथा 8 समितियाँ राज्य सभा के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आती हैं.

(ख) अस्थायी या तदर्थ समितियाँ

- अस्थायी या तदर्थ समितियाँ वे हैं जो किसी विशेष सामयिक/समसामयिक उद्देश्य के लिए बनाई जाती हैं और एक निश्चित कार्यावधि अथवा प्रयोजन पूरा होने के पश्चात् इनका अस्तित्व भी समाप्त हो जाता है, कार्यदायित्वों के आधार पर इन्हें भी मुख्यतः दो भागों में विभक्त किया जा सकता है–(i) जाँच समितियाँ (Investigation Committees) तथा (ii) सलाहकार समित्तियाँ (Advisory Committees).
- तदर्थ समितियों को कार्यदायित्वों के आधार पर सामान्यतः दो शीर्षकों के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है–(i) संसद के दोनों सदनों द्वारा तत्सम्बन्धी प्रस्ताव लाकर अथवा अध्यक्ष/सभापति द्वारा किसी विशिष्ट विषय पर जाँच करने एवं प्रतिवेदन रिपोर्ट देने हेतु समय-समय पर गठित समितियाँ (मसलन संसदीय परिसर में खाद्य प्रबंधन पर समिति, संसदीय परिसर में राष्ट्रीय नेताओं एवं सांसदों के चित्रों/ प्रतिमाओं की स्थापना पर समिति, संसदीय परिसर में सुरक्षा सम्बन्धी प्रावधानों पर समिति, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना समिति इत्यादि), (ii) विशेष विधेयकों/विधेयक प्रस्तावों पर विचार व समीक्षा करने एवं रिपोर्ट देने के लिए नियुक्त सलाहकार (प्रवर) अथवा संयुक्त समितियाँ, विधेयकों के संदर्भ में ये समितियाँ अन्य तदर्थ समितियों से भिन्न हैं और इनके द्वारा पालन की जाने वाली प्रक्रिया का उल्लेख अध्यक्ष/सभापति के निर्देश एवं प्रक्रिया सम्बन्धी नियमों से किया जाता है.

समितियों का मनोनयन

- समितियों में अध्यक्ष या सदस्यों का मनोनयन सामान्यतः संसद सदस्यों में से ही किया जाता है, इनका चयन सदन में विभिन्न दलों तथा वर्गों से उनकी संख्या के अनुमान में किया जाता है. इन समितियों में उचित संख्या में योग्य, निर्दलीय एवं असंबद्ध सदस्यों को भी पर्याप्त स्थान दिए जाने का प्रयास किया जाता है.
- सामान्यतः संसदीय कार्यमंत्री, संसद सदस्यों को भारत सरकार द्वारा विभिन्न मंत्रालयों में स्थापित समितियों, परिषदों, बोर्डों तथा आयोगों आदि में मनोनयन करता है, मगर संवैधानिक या ऐसे अन्य निकायों में जो संविधान का कानून/अधिनियम का निर्माण करते हैं, सदस्यों की नियुक्ति के लिए मनोनयन सम्बन्धित सदस्यों के पीठासीन अधिकारी द्वारा किया जाता है या फिर उनका चयन लोक सभा या राज्य सभा करती है, इस तरह के संगठनों में सदस्यों को उनकी विशेष दिलचस्पी और योग्यता को देखते हुए नामजद किया जाता है.
- प्रत्येक समिति के लिए एक सभापति या अध्यक्ष का मनोनयन किया जाता है. लोक सभा से सम्बन्धित समिति के सभापति की नियुक्ति लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा तथा राज्य सभा से सम्बन्धित समिति के सभापति की नियुक्ति राज्य सभा के सभापति द्वारा की जाती है.

- उल्लेखनीय है कि कोई भी केन्द्रीय मंत्री किसी भी स्थायी समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत नहीं किया जा सकता और अगर कोई सदस्य चयन के बाद मंत्री नियुक्त किया भी जाता है, तो वह नियुक्ति की तारीख से समिति का सदस्य नहीं रहेगा. सामान्यतः समितियों का कार्यकाल गठन के बाद एक साल तक होता है.

संसद की प्रमुख स्थायी समितियाँ

(1) लोकलेखा समिति (Public Accounts Committee)

- लोकलेखा समिति के सदस्यों की संख्या 22 होती है, जिनमें से 15 सदस्य लोक सभा से तथा 7 सदस्य राज्य सभा से होते हैं, यद्यपि वर्ष 1954-55 तक लोकलेखा समिति के सदस्यों की संख्या महज 15 होती थी, मगर बाद में वर्ष 1955 में राज्य सभा की अनुशंसा पर तत्कालीन लोक सभा अध्यक्ष "जी.वी. मावलंकर" द्वारा सिफारिश किए जाने पर इसमें 7 राज्य सभा सदस्यों के शामिल किए जाने का प्रावधान भी बनाया गया, जिसके बाद समिति के कुल सदस्यों की संख्या 22 हो गई.
- वर्ष 1966-67 तक लोकलेखा समिति का अध्यक्ष सत्तारूढ़ दल से ही नियुक्त किया जाता था, मगर वर्ष 1967 से विपक्षी दल के किसी संसद सदस्य को इसके अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की परम्परा शुरू हुई. इस समिति के सदस्यों का चुनाव 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति' से 'एकल संक्रमणीय मत' द्वारा होती है, सदस्यों की सदस्यता अवधि सामान्यतः एक वर्ष से अधिक नहीं होती, हालांकि इसके अध्यक्ष को अगले वर्ष पुनः चुना जाता है, मंत्रिमण्डल या मंत्रिपरिषद् का कोई भी सदस्य समिति में शामिल नहीं किया जा सकता.
- लोकलेखा समिति, वित्तीय क्षेत्र में सबसे पुरानी समिति मानी जाती है, इसका मुख्य कार्य भारत के लोकलेखा के सम्बन्ध के 'नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक' (CAG) द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करना होता है, दरअसल भारत में संघ तथा राज्य दोनों के लेखा परीक्षण का अधिकार भारत के 'नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक' को दिया गया है, कैग (CAG) द्वारा सभी प्रकार के लेखाओं का परीक्षण किया जाता है तत्पश्चात् भारतीय राष्ट्रपति द्वारा इन लेखाओं की रिपोर्टों को सदन पटल पर रखा जाता है और लोक लेखा समिति इसी कैग (CAG) द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर कार्य करती है, इस रूप में समिति का मुख्य कार्य यह देखना होता है कि–(i) क्या धन एवं संसाधनों का व्यय उसी मद के लिए हुआ है जिसके लिये उसे आवंटित किया गया था ? (ii) क्या इस खर्च के लिए संसद द्वारा अनुमति प्रदान की गई है ? (iii) क्या यह व्यय/खर्च संसद की अनुमति से अधिक है और अगर यह व्यय अधिक है, तो इस अतिरिक्त व्यय के लिए कौनसी परिस्थितियाँ जिम्मेदार हैं ? CAG तथा लोकलेखा समिति दरअसल एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करती हैं और इनके द्वारा दी गई रिपोर्टें एवं रिपोर्टों पर की गई सिफारिशें सरकार की नीतियों के उचित व बेहतर नियमन, क्रियान्वयन एवं प्रबंधन में मदद पहुँचाती हैं, मगर अन्य समितियों की ही तरह यह समिति भी सरकार की नीति विषयक मुद्दों की आलोचना नहीं करतीं.

(2) प्राक्कलन समिति (Estimates Committee)

- लोकलेखा समिति की ही तरह प्राक्कलन समिति का सम्बन्ध भी सरकार के वित्तीय कार्यों की जाँच-पड़ताल या समीक्षा करने से सम्बन्धित है, इसे 'आकलन समिति' तथा 'स्थायी मितव्ययता समिति' (Continous Economy Committee) के नाम से भी जाना जाता है.
- आजादी के बाद पहली बार वर्ष 1950 में तत्कालीन वित्त मंत्री 'जॉन मथाई' की सिफारिश पर 25 सदस्यों की नियुक्ति के साथ इस समिति का गठन किया गया था, मगर इसके पश्चात् वर्ष 1956 से इस समिति के सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 30 कर दी गई जो अभी भी पूर्ववत् ही है, इसके सभी सदस्यों की नियुक्ति लोक सभा से ही की जाती है. समिति के सभापति या अध्यक्ष का चुनाव लोक सभा अध्यक्ष द्वारा उसके सदस्यों में से ही किया जाता है, पारम्पारिक रूप से समिति का अध्यक्ष सत्तारूढ़ दल से ही सम्बन्धित होता है, जबकि समिति के सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति से एकल संक्रमणीय मत द्वारा किया जाता है, मंत्रिमण्डल या मंत्रिपरिषद् का कोई भी सदस्य समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत नहीं किया जा सकता, समिति के सदस्यों की सदस्यता एक वर्ष की समयावधि के लिए होती है. लोकलेखा तथा आकलन दोनों समितियों को परस्पर पूरक भूमिका में देखा जा सकता है, क्योंकि लोकलेखा समिति खर्च पर नियंत्रण का कार्य तथा आकलन समिति सरकारी खर्च के आकलन को नियंत्रित करने का कार्य करती है, इसलिए दोनों समितियों को जुड़वाँ बहनें भी कहा जाता है, वास्तव में बजट में प्रस्तावित खर्चों की समीक्षा करने और सरकार को सुझाव प्रेषित करने के लिए ही इस समिति का गठन किया गया है, ताकि सरकार के मंत्रालयों द्वारा आगामी बजट में अनियंत्रित एवं अनियोजित व्यय की भागों को नियंत्रित किया जा सके.
- जब सरकार अपना बजट लोक सभा में प्रस्तुत करती है, तो इस बजट में आगामी वर्ष के लिए आय तथा व्यय दोनों के आकलन किये जाते हैं, इस रूप में आकलन समिति का मुख्य कार्य यह है कि–(i) क्या सरकारी संस्थाओं व संगठन में कुशलता या प्रशासनिक सुधार के द्वारा आकलन को बेहतर बनाया जा सकता है. (ii) सरकार को किस रूप में आय-व्यय का आकलन प्रस्तुत करना चाहिए. (iii) क्या आकलन सरकार द्वारा निर्धारित रीति-नीति के अनुरूप है तथा (iv) आय-व्यय के बीच के अन्तर को कैसे कम किया जा सकता है, प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट पर सदन में बहस नहीं की जा सकती.

(3) लोक उपक्रम समिति (Committee on Public Undertakings)

- इस समिति का गठन सर्वप्रथम वर्ष 1964 में 'कृष्णा मेनन समिति' की सिफारिशों के आधार पर किया गया था, प्रारम्भ में इसमें कुल 15 सदस्य (10 लोक सभा से तथा 5 राज्य सभा से) होते थे, मगर वर्ष 1974 में इसके सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 22 कर दी गई, जिनमें से 15 सदस्यों का चयन लोक सभा से तथा 7 सदस्यों का चयन राज्य सभा से किया जाता है, समिति का अध्यक्ष (सभापति) लोक सभा से ही होता है जिसका चुनाव लोक सभा अध्यक्ष द्वारा समिति के चयनित सदस्यों में से ही किया जाता है, सभी सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के मुताबिक एकल संक्रमणीय मत द्वारा किया जाता है और समिति के सदस्यों का चुनाव सामान्यतः एक वर्ष के लिए किया जाता है.

13857927

- यह समिति सार्वजनिक या लोक उपक्रमों के क्रियाकलापों एवं उपादेयता की समीक्षा से सम्बन्धित है, जिसमें भारत का 'नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक' (CAG) उसकी मदद करता है, दरअसल समिति लोक सभा के नियमों के अन्तर्गत वर्णित लोक उपक्रमों की रिपोर्टों तथा लेखों की जाँच करती है और इस सम्बन्ध में CAG द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट की समीक्षा करती है, जिसके पश्चात् सरकार को समीक्षा रिपोर्ट प्रेषित की जाती है.
- कुछ विशेष मामलों में लोक उपक्रम समिति (CPU) जाँच का अधिकार नहीं रखती है, मसलन--(i) वह लोक उपक्रमों के दैनिक प्रशासन के मामलों की जाँच नहीं कर सकती तथा (ii) वह लोक उपक्रमों के सम्बन्ध में सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों की समीक्षा तथा उनकी आलोचना नहीं कर सकती.

(4) विभागीय स्थायी समितियाँ (Department Related Standing Committee–DRSC)

- सर्वप्रथम लोक सभा की 'नियमावली समिति' द्वारा वर्ष 1989 में विभागीय स्थायी समितियों के गठन की अनुशंसाएं की गई थीं, जिसके आधार पर प्रारम्भ में तीन विभागीय समितियाँ गठित की गई थीं, इन समितियों के गठन का मुख्य उद्देश्य था–"कार्यपालिका पर संसदीय नियंत्रण को प्रभावी बनाना" (विशेषकर बजटीय मामलों में). दरअसल लोक सभा में समयाभाव के कारण प्रत्येक विभाग की अनुदान की माँगों पर पूरी चर्चा होना सम्भव नहीं हो पाता है जिसके लिए सामान्यतः 'गिलोटिन' का सहारा लिया जाता है, इसलिए लोक सभा में विभागीय समितियों जैसी नई परम्परा का जन्म हुआ, जिसका आधार अमरीकी व्यवस्था से लिया गया है.
- 8 अप्रैल, 1993 को 'नियमावली समिति' की सिफारिशों के मद्देनजर विभागीय समितियों की संख्या 17 कर दी गई और जुलाई 2004 में इन समितियों की संख्या पुनः बढ़ाकर 24 कर दी गई, जो अभी भी यथावत् है, ये 24 समितियाँ हैं–(1) कृषि सम्बन्धी समिति, (2) सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धी समिति, (3) रक्षा सम्बन्धी समिति, (4) ऊर्जा सम्बन्धी समिति, (5) विदेशी मामलों सम्बन्धी समिति, (6) वित्त सम्बन्धी समिति, (7) खाद्य-उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण सम्बन्धी समिति, (8) श्रम सम्बन्धी समिति, (9) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सम्बन्धी समिति, (10) रेल सम्बन्धी समिति, (11) शहरी विकास सम्बन्धी समिति, (12) जल संसाधन सम्बन्धी समिति, (13) रसायन एवं उर्वरक सम्बन्धी समिति, (14) ग्रामीण विकास सम्बन्धी समिति, (15) कोयला एवं इस्पात सम्बन्धी समिति, (16) सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता सम्बन्धी समिति (सभी लोक सभा के क्षेत्राधिकार में), (17) वाणिज्य सम्बन्धी समिति, (18) गृहकार्य सम्बन्धी समिति, (19) मानव संसाधन विकास सम्बन्धी समिति, (20) उद्योग सम्बन्धी समिति, (21) विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण एवं वन सम्बन्धी समिति, (22) परिवहन-पर्यटन एवं संस्कृति सम्बन्धी समिति, (23) स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण सम्बन्धी समिति तथा (24) कार्मिक, लोकशिकायत, विधि एवं न्याय सम्बन्धी समिति (सभी 8 राज्य सभा के क्षेत्राधिकार में).
- लोक सभा में सम्बन्धित 16 विभागीय स्थायी समितियों के सदस्यों व अध्यक्ष की नियुक्ति 'लोक सभा अध्यक्ष' द्वारा जबकि राज्य सभा से सम्बन्धित 8 विभागीय समितियों के सदस्यों व अध्यक्षों की नियुक्ति राज्य सभा सभापति द्वारा की जाती है. मंत्रिमण्डल या मंत्रिपरिषद् में शामिल सदस्य या मंत्री इन समितियों के सदस्य के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता, इन समितियों के सदस्यों के कार्यकाल की अवधि भी सामान्यतः एक साल की होती है, प्रचलित प्रावधानों के मुताबिक प्रत्येक विभागीय समिति में चयनित सदस्यों की अधिकतम संख्या 45 हो सकती है, इनमें से 30 सदस्यों का मनोनयन लोक सभा अध्यक्ष द्वारा तथा 15 सदस्यों का मनोनयन राज्य सभा सभापति द्वारा किया जाता है. जुलाई 2004 से प्रत्येक समिति में लोक सभा से 21 तथा राज्य सभा से 10 अर्थात् कुल 31 सदस्य होते हैं.
- इन विभागीय स्थायी समितियों के प्रमुख कार्यदायित्व निम्न हैं–(1) सम्बन्धित मंत्रालय या विभागों द्वारा प्रेषित अनुदान की माँगों पर विचार करना, (2) ऐसे विधेयकों पर विचार करना जो राज्य सभा सभापति या लोक सभा अध्यक्ष द्वारा निर्देशित हों, (3) सम्बन्धित मंत्रालयों या विभागों के वार्षिक प्रतिवेदनों (रिपोर्ट) पर विचार करना, (4) उपसमितियों/अध्ययन दलों की नियुक्ति एवं उनके प्रतिवेदनों पर विचार करना तथा (5) सम्बन्धित मंत्रालयों या विभागों के सम्बन्ध में चयनित विषयों की जाँच प्रक्रिया का सम्पादन करना (मसलन-जानकारी मँगवाना, गैर-सरकारी व्यक्तियों से ज्ञापन/साक्ष्य प्राप्त करना, विशेषज्ञों/सलाहकारों/बुद्धिजीवियों से सहयोग लेना, तत्स्थानिक अध्ययन दौरे, प्रतिवेदन एवं कार्यवाही सारांश सदन को प्रेषित करना तथा जाँच-पड़ताल या कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करना इत्यादि).
- विभागीय समितियों के संदर्भ में कुछ सीमाएं भी सुनिश्चित की गई हैं, जैसे–(1) ये समितियाँ सम्बद्ध मंत्रालय के दैनिक प्रशासन या दैनिक क्रियाकलापों से सम्बन्धित मामलों पर विचार नहीं कर सकतीं, (2) ये समितियाँ किसी अन्य संसदीय समिति को सौंपे गए विषयों पर विचार नहीं कर सकतीं तथा (3) ये समितियाँ सरकार की नीतियों की नीतिगत आधार पर आलोचना नहीं कर सकतीं.

●●●

उपकार नवीन प्रस्तुति

30 प्रैक्टिस सैट

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

सामाजिक सुरक्षा सहायक

प्रारम्भिक परीक्षा

लेखकद्वय

डी. के. दत्त एवं एस. कुमार

कोड 2661

₹ 195/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

(प्रौद्योगिकी लेख)

डिजिटल माध्यमों के द्वारा विज्ञान संचार

✍ शशांक द्विवेदी

इंटरनेट के बढ़ते उपयोग की वजह से पूरी दुनिया एक ग्लोबल विलेज में तब्दील हो गई है. साथ ही डिजिटल तकनीक ने विश्व भर में संचार क्रांति में अभूतपूर्व परिवर्तन ला दिया और वर्तमान हालात यह है कि यह तेजी से मानव गतिविधियों के प्रायः सभी क्षेत्रों में व्याप्त होती जा रही है, चाहे वह अनुसंधान या विकास का क्षेत्र हो या कृषि, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और चिकित्सा का या फिर मनोरंजन ही क्यों न हो. ऑनलाइन और डिजिटल संचार माध्यम में निहित अपार संभावनाओं की वजह से यह विज्ञान, संचार के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है. डिजिटल माध्यमों के सही उपयोग से युवा वर्ग के बीच विज्ञान का लोकप्रियकरण किया जा सकता है. साथ ही, विज्ञान को सरल और सहज तरीके से जनसामान्य तक पहुँचाया जा सकता है.

वैज्ञानिक जागरूकता और जन सशक्तीकरण के परिप्रेक्ष्य में डिजिटल माध्यमों के द्वारा हिन्दी में विज्ञान संचार की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है. हम विज्ञान से जुड़े व्यक्ति और वैज्ञानिकों को ही विज्ञान के क्षेत्र में कुशल मानते हैं. इसलिए आम आदमी द्वारा डिजिटल माध्यम से हिन्दी में विज्ञान संचार करने पर उसे न्यूनाधिक कम विश्वसनीय माना जाता है. जबकि हिन्दी में विज्ञान संचार और स्थानीय स्तर पर देशी वैज्ञानिकों की जानकारी देने वाले लेखन का सामने आना जरूरी है. विज्ञान और शोध से सम्बन्धित खबरें प्रिंट मीडिया में तो जगह बना रही हैं, लेकिन इलेक्ट्रोनिक मीडिया इससे काफी दूर है. प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं है आप खुद देखिए कि इस क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक मीडिया कितना संजीदा है. सिर्फ विज्ञान और तकनीक से जुड़ी सनसनीखेज खबरें ही चैनलों में जगह बना पाती हैं. देश की प्रगति और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा यह क्षेत्र देश में काफी हद तक उपेक्षित है. ऐसे में अब डिजिटल माध्यमों और डिजिटल मीडिया के द्वारा स्थानीय भाषाओं, खासकर हिन्दी में, बड़े पैमाने पर विज्ञान संचार किया जा सकता है क्योंकि बड़े पैमाने पर जनसामान्य तक इंटरनेट की पहुँच हो चुकी है.

उम्मीदें

ग्लोबल विलेज की अवधारणा पर आधारित इस दृष्टिकोण का आधार यह है कि इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ दिया है. डिजिटल माध्यमों में विज्ञान संचार के लिए इंटरनेट की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है. डिजिटल संचार माध्यमों के संवाहक आम जन, लेखक, पत्रकार, विश्लेषक, प्रोड्यूसर तथा कैमरामैन हैं. रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, सेटेलाइट, कैमरे, कागज, कलम, प्रेस, प्रचार व प्रसार माध्यम, इसके साधन हैं.

इंटरनेट की पहुँच आज जनसामान्य तक हो चुकी है और दुनिया में इसके उपयोगकर्ता बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं. आज कोई यदि ज्ञान की खोज में निकलता है तो वह पुस्तकालय के साथ-साथ इंटरनेट को भी प्राथमिकता देनी होती है, तो फिर ऐसे में विज्ञान शिक्षा क्यों पीछे है जबकि आज हर विद्यालय में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों इंटरनेट के माध्यम से विज्ञान शिक्षण-अधिगम की बुलंदियों को छू सकते हैं.

भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं इंटरनेट उपयोगकर्ता

बाजार शोध एजेंसी कंटर आईएम-आरबी के अनुसार देश में इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या दहाई अंक की वृद्धि के साथ बढ़कर 2019 के अंत तक 62·70 करोड़ पर पहुँच जाएगी. ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ने से पहली बार देश में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 56·60 करोड़ के पार हो गई है. एजेंसी ने आईक्यूब 2018 रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में इंटरनेट यूजर्स की संख्या में 18 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की गई और ये दिसम्बर 2018 तक बढ़कर 56·60 करोड़ पर पहुँच गई. यह कुल आबादी का 40 प्रतिशत है. एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि 2019 में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या में दहाई अंकों में वृद्धि होगी और 2019 के अंत तक संख्या 62·70 करोड़ पर पहुँच जाएगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें 87 प्रतिशत यानी 49·30 करोड़ लोग इंटरनेट का नियमित उपयोग करने वाले हैं. नियमित उपयोगकर्ता उन लोगों को कहा जाता है जिन्होंने पिछले 30 दिन में इंटरनेट का इस्तेमाल किया हो. करीब 29·30 करोड़ नियमित उपयोगकर्ता शहरी क्षेत्रों में हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 20 करोड़ नियमित इंटरनेट उपयोग करने वाले शामिल हैं.

एजेंसी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में 2018 में इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या सात प्रतिशत की दर से बढ़कर 31·50 करोड़ पर पहुँच गई. उसने कहा कि अब इंटरनेट अपनाने की अगुआई ग्रामीण क्षेत्र कर रहे हैं. पिछले साल ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 35 प्रतिशत बढ़ी है. रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण भारत में अभी 25·10 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं, जिनके 2019 के अंत तक बढ़कर 29 करोड़ हो जाने का अनुमान है. राज्यों के मामले में शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बिहार में इंटरनेट यूजर्स की संख्या सर्वाधिक 35 प्रतिशत बढ़ी है. कुल इंटरनेट यूजर्स में महिलाओं की भी 42 प्रतिशत हिस्सेदारी है.

डिजिटल साक्षरता

दुनिया भर में इंटरनेट के बढ़ते उपयोग की वजह से डिजिटल साक्षरता तेजी से बढ़ी है. भारत में इंटरनेट का उपयोग बढ़ने के साथ ही समाचार पोर्टल और अखबारों के इंटरनेट संस्करण भी बढ़े. सबसे पहले अंग्रेजी के समाचार पोर्टल और अखबारों के इंटरनेट संस्करण शुरू हुए थे, सोशल मीडिया के साथ ही वेब पोर्टल भी अपना विस्तार कर रहे हैं. समाचार और वेब पोर्टलों की संख्या का बढ़ने का एक कारण यह भी है कि इसे बहुत कम जमापूँजी से भी शुरू किया जा सकता है. अखबार, पत्रिका या टेलीविजन चैनल शुरू करने के लिए बहुत बड़ी पूँजी की जरूरत पड़ती है, प्रकाशन और प्रसार का बहुत बड़ा नेटवर्क खड़ा करना पड़ता है जबकि वेब पोर्टल शुरू करने का खर्च इतना बड़ा नहीं है.

डिजिटल माध्यम द्वारा जनसंचार

डिजिटल माध्यम द्वारा हिन्दी में विज्ञान संचार का उद्देश्य लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों और खोजों की समग्र जानकारी प्रदान करना है. अनेक ऐसे वैज्ञानिक और वैज्ञानिक खोजें, पद्धतियाँ, पारम्परिक ज्ञान और नवाचार के प्रयोग तब अज्ञात रह जाते हैं, जब उन्हें अखबारों या पारम्परिक मीडिया में जगह अथवा कोई मंच नहीं मिलता. तो ऐसे में डिजिटल मीडिया या डिजिटल माध्यम से ऐसे लोगों को सामने लाया जा सकता है. आज भारत की स्थिति आश्चर्यजनक रूप से बदल गई है. फिलहाल मोबाइल पर ही सब कुछ सहजता

शेष पृष्ठ 92 पर

शैक्षिक लेख

शिक्षा का यथार्थ

✍ ओम नमः शिवाय सिंह

'जरूरी नहीं कि रोशनी चिरागों से ही हो, तालीम से भी जहाँ रोशन होते हैं'

शिक्षा हमें अज्ञानता, विभ्रम एवं अवांछनीय आवरण के निविड़ अंधतमस् से निकालकर चिर–चंचल चेतना के सुखद, समुज्जवल एवं नित्य-नूतन अरुणोदयी दहलीज पर ला खड़ा करती है, जहाँ से ज्ञान की नवल-धवल असंख्य अक्षय रश्मियाँ प्रस्फुटित होती हैं. हम शिक्षा के द्वारा ही जीवन के मर्म को समझ पाते हैं तथा अनुचित मार्ग एवं शैतानी प्रवृत्तियों व चपलताओं का सर्वथा परित्याग कर सच्ची कुलीनता सज्जनता के समुन्नत मार्ग पर चलते हैं. यह मानव संसाधन के विकास का समुन्नत आधार तथा संस्कृति एवं रोजगार की दिशा में उत्तरोत्तर बढ़ने हेतु मील का पत्थर है. इस प्रकार, शिक्षा अधिकार और संस्कार की जननी ही नहीं बल्कि हमारी सम्पूर्ण जीवन दृष्टि है और यही कारण है कि *"तमसो मा ज्योतिर्गमय"* भारतीय संस्कृति का मूल स्तम्भ रहा है. मूलार्थतः शिक्षा मानव-प्रकृति के तिमिर को दूर कर उसकी पूर्णता एवं सर्वांगीणता के विकास में सहायक होती है, क्योंकि यह सर्वविदित है कि हमारा यह अधम, नश्वर और क्षणभंगुर शरीर एक साधन है, जबकि नित्य चैतन्य, शाश्वत, पुरातन एवं अचिन्त्य आत्मा साध्य है और इस शरीर एवं आत्मा में अधिक-से-अधिक जितने सौन्दर्य एवं जितनी सम्पूर्णता का विकास हो सकता है, उसे सम्पन्न और सम्पादित करना शिक्षा का मूलभूत उद्देश्य है. यह मानवात्मा के लिए उसी मानिंद है, जिस मानिंद संगमरमर के लिए शिल्पकला. अस्तु, अतिशय पुनीत मनुष्य में जो सम्पूर्णता गुह्य रूप में विद्यमान है, उसे उजागर व प्रकट करना शिक्षा का कार्य है. इस संदर्भ में बहाउल्लाह ने लिखा है कि–

"मनुष्य को अत्यन्त मूल्यवान रत्नों से परिपूर्ण एक खान समझो. केवल शिक्षा ही इसके कोषों को उजागर कर सकती है और मानव जाति को इसके लाभ के योग्य बना सकती है."

स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में– "Education is the manifestation of the perfection already in man" इस प्रकार, स्पष्ट है कि शिक्षा मनुष्य में सन्निहित दैवीय पूर्णता का प्रत्यक्षीकरण है. यह उस पूर्णता की अभिव्यक्ति है, जो पहले से ही मनुष्य में विद्यमान है. एतदर्थ, शिक्षक तो बस केवल उद्दीपक व निमित्त मात्र होते हैं. जो हमारे अन्तःस्थ शिक्षक को समग्र विषयों का मर्म समझने के लिए उद्बोधित कर देते हैं, इसका आशय यह नहीं कि शिक्षा जगत् में शिक्षक की कोई महती भूमिका है ही नहीं. शिक्षा का कार्य तो शिक्षक के बिना कतई सम्पादित नहीं किया जा सकता है. अतएव एक सच्चे एवं विशिष्ट शिक्षक का आदर्श होना चाहिए– "अंधकारनिरोधात् गुरूरित्यभिधीयते" किन्तु, विडम्बना है कि आए दिन आत्मकेन्द्रिता के कारण जहाँ एक ओर शिक्षक अपना शिक्षकत्व खो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर श्रांत, क्लांत एवं विश्रब्ध–विश्राम में डूबा दिगमूढ़ शिष्य भी गुरू के प्रति श्रद्धा, नम्रता, विनय तथा आदर जैसे सर्वोत्तम आदर्श न रखकर दकियानुसी एवं भौतिकवादी जीवन-दर्शन की गिरफ्त में फँसकर अपना शक्ति-सम्पन्न चरित्र खो रहे हैं, जबकि ज्ञान, पूर्णता, सर्वांगीणता तथा पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति हेतु शिक्षा जीवन-पर्यन्त चलने वाली एक सोद्देश्य प्रक्रिया व एक ऐसा औलातरीन साधन है, जो हमें अन्य जीवों से सम्पृथक् करती है तथा एक सामाजिक, लोकोत्तर एवं चेतना सम्पन्न व्यक्तित्व प्रदान कर अपने सांस्कृतिक धरोहर को एक नए क्षितिज की ओर ले जाने के योग्य बनाती है. कहा भी गया है कि–

'शिक्षाविहीन मनुष्य पशुर्भिसमाना'

शिक्षा उन्नति का प्रथम सोपान तथा सच्चा मनुष्य गढ़ने का उत्कृष्ट उपादान है और एक सच्चे मनुष्य का परमोच्च उद्देश्य भौतिक सुख-समृद्धि नहीं बल्कि सतत् विकासशील सभ्यता को आगे ले जाना है. सर्वविदित है कि जानना का सम्बन्ध सथेष्ट ज्ञान से है और शिक्षा के बिना किसी भी प्रकार का ज्ञान चाहे वह व्यावहारिक हो या पारमार्थिक सम्भव नहीं है. दूसरी बात है कि सर्वोत्कृष्ट शिक्षा जिसके द्वारा हम अपना जीवन सँवार सकें, चरित्र का सुगठन कर सकें, अपने विचारों का सामंजस्य कर सकें अर्थात् जिस शिक्षा से मनुष्य की इच्छा-शक्ति का प्रवाह और प्रकाश संयमित होकर फलदायी बन सके उसके लिए मन-मानस की एकाग्रता तथा हृदय की पवित्रता परमावश्यक है, क्योंकि शिक्षा का सार मन की एकाग्रता प्राप्त करना है तथ्यों का संकलन नहीं और जैसे ही हमारा मन संयत हो जाता है वैसे ही स्वतः गहन ज्ञान एवं अंतःप्रेरणा के पट खुल जाते हैं. अन्यथा– 'खरः चन्दन– भारवाही भारस्य वेत्ता न तु चन्दनस्य' वाली कहावत अक्षरशः चरितार्थ होती है.

तृतीय महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मन की एकाग्रता हेतु दुर्दमनीय एवं सर्वहितकारी इच्छा–शक्ति का तीव्र होना आवश्यक है, क्योंकि यही शिक्षा का सार है. शिक्षा का निहितार्थ केवल ज्ञान तक ही सीमित नहीं है. शिक्षा तब तक हमें अपने जीवन-मूल्यों, आदर्शों, प्रतिमानों एवं मान्यताओं से परिचित नहीं करा देती तब तक यह अपकार्यात्मक, दुष्कार्यात्मक, निषेधात्मक एवं दोषपूर्ण है क्योंकि यह एक तल्ख सच्चाई है कि **चरित्र के बिना ज्ञान बुराई की ताकत बन जाती है.** इस सन्दर्भ में आचार्य विनोबा भावे ने लिखा है कि–

"जिसने ज्ञान को आचरण में उतार लिया, उसने ईश्वर को मूर्तिमान कर लिया" अतएव, यह कहने की आवश्यकता नहीं कि–"Character is the crown of life" मूलार्थतः शिक्षा से तात्पर्य ज्ञान के समग्र स्वरूप से है तथा इसका उद्देश्य चरित्र के सुगठन से है और शील के संस्कारों की समष्टि ही चरित्र है तथा सुख-दुःख इसके उपादान हैं. अतएव, विद्यालय की स्थापना का पहला बुनियादी सिद्धांत नैतिक प्रशिक्षण, चरित्र निर्माण तथा आचरण का सम्यक् परिमार्जन होना चाहिए, साथ ही यह जिस किसी भी स्रोत से प्राप्त हो ग्रहण करना चाहिए. महर्षि मनु ने इस सन्दर्भ में लिखा है कि–"श्रद्धानों शुभां विद्याम् आददीतावरादपि. अन्त्यादपि परं धर्म स्त्रीरत्नं दुष्कुलादपि." गोस्वामी तुलसीदास की निम्नलिखित प्रेरणादायी एवं अमर सूक्ति भी प्रासंगिक तथा स्मरणीय है–

उत्तम विद्या लीजिए यद्यपि नीच पै होय.
परयौ अपावन ढौर में कंचन तजत न कोय.

कहने का अभिप्राय यह है कि नीच व्यक्ति से भी यत्नपूर्वक श्रेष्ठ विद्या अर्जित करने हेतु श्रम-साध्य उद्यम करना चाहिए, क्योंकि इस चराचर जगत् में जितने प्रकार की प्राप्तियाँ हैं, शिक्षा उनमें से बढ़कर है और यह तीन प्रकार की होती है. प्रथम, ***'भौतिक शिक्षा'*** जो सामान्य एवं नैसर्गिक होती है, ***द्वितीय, 'मानसिक शिक्षा'*** जो बौद्धिक ज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद करती है और **तृतीय, 'आध्यात्मिक शिक्षा'** जिसके बिना आत्मा के विकास की संकल्पना नहीं की जा सकती है. फलतः कुशाग्रतापूर्वक हमें इन तीनों प्रकार की

तेजोमयी शिक्षाओं को एकीकृत रूप में आत्मसात् करना चाहिए अन्यथा हमारी शिक्षा एकांगी एवं अधूरी होगी. और ऐसे भी धर्म-शिक्षा सुव्यवस्थित एवं प्रगतिशील समाज के निर्माण का एकमात्र अन्तिम आधार है, इसलिए शिक्षा प्राप्ति की एक सुविचारित नीति होनी चाहिए न कि धार्मिक कट्टरता और किसी एक धर्म के प्रति आग्रह जैसा भाव, क्योंकि इससे शिक्षा बोझिल व दुरूह हो जाती है तथा समाज में अव्यवस्था उत्पन्न होती है. हम सदाचार एवं सदाशयता की वैसी निर्दिष्ट बातें जो बहुधा सभी धर्म, वर्ग, सम्प्रदाय आदि के लिए स्वीकार्य हैं; को शिक्षा में समाहित कर एक नए प्रगतिशील समाज की रचना कर सकते हैं और धर्म इस कसौटी एवं मानदण्ड पर कुन्दन-सा खड़ा उतरता है, क्योंकि यह अनिवार्य एवं सार्वभौमिक शिक्षा का प्रबल पक्षधर तथा स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान अवसर, अधिकार एवं सुविधाओं की बात करता है. फलतः सामाजिक सरोकार एवं मानव जाति की पूर्णता के निमित्त महिलाओं को भी ज्ञान की सभी विधाओं में दक्ष होना चाहिए. इस सन्दर्भ में निम्नलिखित सूत्र-वाक्य वरेण्य है–**'कन्याअपि एवं पालनीया शिक्षणीय अति यत्नतः'**

कि सम्प्रति, शिक्षा की परिभाषा संकीर्ण हो गई है. द्रष्टव्यतः–

'बिकने लगी शिक्षा यहाँ
यदि शक्ति हो तो क्रय करो,
यदि शुल्क आदि न दे सको
तो मूर्ख रहकर ही मरो.'

अर्थात् शिक्षा आज एक वृति बनी हुई है, जहाँ व्यापक फलक पर इसकी खरीद-फरोख्त हो रही है, क्योंकि आज शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ उदर-पूर्ति एवं आर्थिक जरूरतों को पूरा करना यथा–नौकरी पाना हो गया है और इसी विडम्बना के कारण आज की पदार्थ परक शिक्षा प्रणाली संस्कार विहीन बाबुओं को जन्म दे रही है, जिसके कारण मूल्य विहीन ह्रासोन्मुख समाज में अनेक असाध्य, वीभत्स एवं बहुनिंदित समस्याएँ असामान्य रूप से बढ़ रही हैं. अतः शिक्षा को सकारात्मक, छात्राभिमुख तथा उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए समकालीन परिस्थिति के अनुकूल सरकारी एवं गैर-सरकारी दोनों ही संगठनों को साझी-समझ विकसित करनी होगी तथा इसके क्रियान्वयन पक्ष को और ज्यादा सशक्त कर उसमें समुदाय की भूमिका को तवज्जो देनी होगी तभी यह सच्ची समृद्धि, परार्थभाव व आध्यात्मिक जागृति का प्रकाश पुंज और सामाजिक रूपान्तरण का माध्यम तथा उन्नति का संवाहक बन पाएगी अन्यथा भौतिक और आध्यात्मिक विकास को सामाजिक यथार्थ में बदलाव की बात एक क्षेपक एवं आत्मरहित थोथी अभिव्यक्ति होगी. ●●●

शेष पृष्ठ 90 का

से उपलब्ध है. मोबाइल पर किताबें पढ़ी जा रही हैं, लगभग दो घण्टे की फिल्म और लम्बे टी. वी. कार्यक्रम मात्र आधे मिनट में डाउनलोड किए जा सकते हैं. विश्व के सर्वश्रेष्ठ विद्वानों के मल्टी मीडिया व्याख्यान भी मोबाइल पर जब चाहे देख-सुन सकते हैं. मोबाइल जी. पी. एस. तकनीक से युक्त हो गए हैं.

विगत् वर्षों में भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जबर्दस्त कामयाबी हासिल की है और इसने जीवन के तमाम क्षेत्रों को प्रभावित किया है. जनसंचार माध्यमों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का दायरा बहुत व्यापक है. इसमें रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, प्रोजेक्टर तथा बाईस्कोप शामिल हैं. विगत् कुछ वर्षों में तरक्की के चलते डिजिटल माध्यम एक सशक्त तथा प्रभावी विधा के रूप में उभरा है जिसमें दृश्य, श्रव्य, वीडियो, एनिमेशन और अनुरूपण के द्वारा सूचना को प्रभावी तरीके से लक्ष्य वर्ग तक पहुँचाया जा सकता है. शिक्षा में बेहतर अधिगम के लिए ई-सामग्री बहुत उपयोगी पायी गयी है तथा इन दिनों ई-सामग्री के विकास पर काफी बल दिया जा रहा है. हिन्दी में विज्ञान संचार तथा उसकी आवश्यकताएँ बहुत बड़ी और व्यापक हैं.

डिजिटल माध्यम द्वारा हिन्दी में विज्ञान संचार के लिए ब्लॉग लेखन अभी भी एक बेहतर विकल्प है. ऐसे में इसके द्वारा विज्ञान संचार की अपार सम्भावनाएं छिपी हुई हैं. ब्लॉग लेखन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूरे विश्व में पढ़ा जा सकता है और अनन्त समय तक अंतर्जाल पर सुरक्षित रहता है. इसके साथ ही साथ विश्व के किसी भी कोने से किसी भी सर्च इंजन द्वारा खोजने पर ब्लॉग में उपलब्ध सामग्री तत्काल ही इच्छुक व्यक्ति तक पहुँच जाती है. यही कारण है कि ब्लॉग लेखन द्वारा विज्ञान संचार की अपार सम्भावनाएँ बनती हैं. यदि ब्लॉग लेखकों और विज्ञान संचारकों को इसके महत्व एवं प्रक्रिया की समुचित जानकारी प्रदान की जाए, तो विज्ञान संचार के लिए यह महत्वपूर्ण क्षेत्र साबित हो सकता है.

चुनौतियाँ

हमारे देश में हिन्दी विज्ञान लेखकों का बड़ा समुदाय है परन्तु प्रतिबद्ध लेखक कम हैं. इन लेखकों ने विज्ञान के विविध विषयों और विधाओं में काफी पुस्तकें लिखी हैं परन्तु इनमें से अधिकतर पुस्तकों में गुणवत्ता का अभाव है. मौलिक लेखन कम हुआ है और संदर्भ ग्रंथ न के बराबर हैं. लोकप्रिय विज्ञान साहित्य सृजन में प्रगति अवश्य हुई है, परन्तु सरल, सुबोध विज्ञान साहित्य जो जन साधारण की समझ में आ सके, कम लिखा गया है. इंटरनेट पर आज भी हिन्दी में गुणवत्तापूर्ण विज्ञान सामग्री का अभाव दिखता है. विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थानों में कार्यरत विषय-विशेषज्ञ अपने आलेख शोधपत्र अथवा पुस्तकें अंग्रेजी में लिखते हैं. वह हिन्दी अथवा अन्य भारतीय भाषा में विज्ञान लेखन में रुचि नहीं रखते. संभवत भाषागत कठिनाई तथा वैज्ञानिक समाज की घोर उपेक्षा उन्हें आगे नहीं आने देती. ●●●

वनों के बारे में कतिपय तथ्य

बोरियल वन सबसे बड़े स्थलीय बायोम हैं। ये महाद्वीपों में फैले हुए हैं तथा इन्हें अनेक देशों में पाया जाता है। बोरियल पृथ्वी ग्रह की जैवविविधता एवं इसकी जलवायु में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जलवायु परिवर्तन से ये बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। पृथ्वी के किन्हीं भागों की तुलना में बोरियलों में नाटकीय रूप से तापमान में वृद्धि हुई है।

इण्डोनेशियाई वर्षावनों में विश्व के सभी पादपों और जानवरों का 20% हिस्सा पाया जाता है तथापि इनके विलुप्त होने की दर विश्व के अन्य भागों की तुलना में इन्हीं वनों में अधिक है।

25% से अधिक औषधियाँ वर्षावन वाले पादपों से प्राप्त होती हैं भले ही इन वर्षावन पादपों में से मात्र 1% का ही अध्ययन करके इनके चिकित्सकीय गुणों का पता लगाया गया है।

यद्यपि वन हमारे गृह के फेफड़ों की तरह हैं, तथापि जैसे -जैसे हम अधिकाधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ रहे हैं, वैसे-वैसे वैश्विक जलवायु को विनियमित करने की वनों की क्षमता कम होती जा रही है।

इनका कहना है

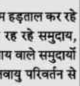

हम हड़ताल कर रहे है, क्योंकि हमारे विश्व के नेताओं ने जलवायु संकट को सही परिप्रेक्ष्य में स्वीकार नहीं किया है। उसे प्राथमिकता के आधार पर कार्य सूची में शामिल नहीं किया है। हम हड़ताल कर रहे हैं कि सभी राष्ट्रों में हाशिए पर रह रहे समुदाय, विशेष रूप से काले एवं नीची आय वाले समुदायों के लोग आनुपातिक रूप से जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं।

-मैडी फर्नान्डस, इसरा हृषि, हैवेन कोलमैन, एलेक्जेण्ड्रिया विलासेनॉर
सं.रा. अमरीका युवा जलवायु हड़ताल के प्रमुख सदस्य

संवैधानिक लेख

भारत में मृत्युदण्ड होना चाहिए या नहीं ?

✍ डॉ. कविता सुरभि

भारत में मृत्युदण्ड की सज़ा फाँसी है. मृत्युदण्ड के संदर्भ में पूरी तरह माफी देने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को है. राष्ट्रपति अपने इस अधिकार का प्रयोग करते समय अपीलीय न्यायालय जैसा नहीं, बल्कि कार्य-पालिका जैसा व्यवहार करते हैं. वे मन्त्रि-मण्डल की सलाह से ही यह निर्णय ले सकते हैं.

देश का संविधान बनाने वाली संविधान सभा में जब मृत्युदण्ड की सजा पर बहस हुई थी, तब बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर सहित अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने इसे हटाने की बात की थी. भारतीय विधि आयोग ने अपनी 35वीं रिपोर्ट में मृत्युदण्ड को बनाए रखने की सिफारिश की. 1980 में बच्चनसिंह बनाम पंजाब में उच्चतम न्यायालय के ग्यारह न्यायाधीशों की पीठ ने मृत्युदण्ड की वैधानिकता को सही ठहराया तथा इसे दुर्लभों में दुर्लभतम (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) मामलों में ही लागू करने के लिए कहा; जिससे केवल अतिक्रूर, वीभत्स मामलों में ही मृत्युदण्ड दिया जा सके. इस मामले में अपने निर्णय पर पहुँचने के लिए न्यायालय ने विधि आयोग की 35वीं रिपोर्ट तथा भारत और विदेशों में दिए गए पूर्व फैसलों पर भरोसा किया था. इसमें न्यायाधीश पी.एन. भगवती ने अपनी असहमति दिखाई और मृत्युदण्ड के प्रावधान को संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) तथा अनुच्छेद 21 (जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतन्त्रता का अधिकार) का उल्लंघन माना और कहा, न्यायाधीश के हाथों में इतना विवेकाधिकार नहीं दिया जा सकता.

भारत में कलकत्ता में कुछ वर्ष पहले बलात्कारी हत्यारे धनंजय चटर्जी को फाँसी दी गई, तब इस विषय पर बहस छिड़ी थी कि क्या बदलते आधुनिक समाज में मृत्युदण्ड देना सही है. अजमल कसाब की फाँसी ने इस बहस को फिर सुलगाया था दिल्ली गैंग रेप में सज़ा निर्धारित होने से गृहमन्त्री से लेकर नेता प्रतिपक्ष ने फाँसी की माँग की, तो बहस का मुद्दा गर्माहट लेने लगा कि बलात्कार के आरोपियों को फाँसी की सज़ा होनी चाहिए. या नहीं! पूर्व प्रधानमन्त्री राजीव गाँधी के हत्यारे सहित 19 दोषियों को मृत्युदण्ड की सज़ा से मुक्त किए जाने पर, संसद पर हमले के षड्यन्त्रकारी अफजल गुरु को फाँसी पर लटकाए जाने पर तथा याकूब मेनन की फाँसी को लेकर यह विवाद काफी गहराया. 2009 में सन्तोष कुमार सतीश भूषण बरियार बनाम महाराष्ट्र राज्य के मामले में उच्चतम न्यायालय ने पाया कि कम-से-कम 15 व्यक्तियों को गलत तरीके से दण्ड दिया गया है तथा 2013 में शंकर किशन राव खाड़े बनाम महाराष्ट्र राज्य के मामले में न्यायालय ने माना कि 5 मामलों में गलत सज़ा लागू की गई थी. उच्चतम न्यायालय ने पाया की मृत्युदण्ड की संवैधानिकता और वांछनीयता पर पुनः विचार करने की जरूरत है. सुझाव दिया कि विधि आयोग को भारत में मृत्युदण्ड का अध्ययन करना चाहिए और इस विषय पर नवीनतम और सुविज्ञ वार्ता आयोजित करनी चाहिए.

वैश्विक परिदृश्य

मृत्युदण्ड की वांछनीयता पर एक बहस पूरे विश्व में दशकों से चल रही है. 18वीं शताब्दी में मानवतावादियों ने जान लेने के शासन के अधिकार को चुनौती दी. 1989 में एक प्रोटोकॉल पारित किया गया, जिसमें सदस्य देशों से मृत्युदण्ड को समाप्त करने के लिए जरूरी कदम उठाने की बात की गई. इस प्रस्ताव के पक्ष में 110 राष्ट्र थे. विरोध में भारत सहित 39 राष्ट्र थे. यह प्रस्ताव स्वीकार किया गया; किन्तु इसे मानना बाध्यकारी नहीं था. संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों में से 140 ने अपने यहाँ से मृत्युदण्ड का प्रावधान हटा दिया है. यूरोपीय संघ ने तो अपनी सदस्यता के लिए मृत्युदण्ड का न होना एक अनिवार्य शर्त बना दी है. यूरोप में बेलारूस को छोड़कर अन्य किसी भी देश में मृत्युदण्ड का प्रावधान नहीं है.

भारत संयुक्त राज्य अमरीका, जापान, चीन तथा अरब देशों के साथ संसार के उन चुनिंदा बावन देशों में शामिल है, जहाँ मृत्युदण्ड का प्रावधान है. एमनेस्टी इण्टर-नेशनल ने 2013 में 22 देशों की सूची जारी की, जहाँ मौत की सज़ा दी गई. इनमें चीन की संख्या सबसे ऊपर है. चीन में 2013 में जहाँ चौबीस सौ लोगों को फाँसी की सज़ा दी गई, वहीं भारत में उस वर्ष सिर्फ एक व्यक्ति को मृत्युदण्ड दिया गया.

वर्ष 1980 में जब बच्चन सिंह मामले का निर्णय हुआ था, तब केवल दस देशों ने सभी अपराधों के लिए मृत्युदण्ड की सज़ा समाप्त की थी. उसके बाद से अब तक लगभग 98 देशों ने सभी अपराधों के लिए मृत्युदण्ड समाप्त कर दिया है. 35 देशों में मौत की सजा के विरुद्ध प्रभावी स्थगन लागू है. अन्तर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून में नरसंहार और मानवता के विरुद्ध किये जाने वाले अपराधों तथा युद्ध जैसे गम्भीर और जघन्य अपराधों के लिए भी मृत्युदण्ड को समाप्त कर दिया गया है.

भारत में स्थिति

भारत में हाल के मामलों में उच्चतम न्यायालय ने पाया कि दुर्लभतम मामलों में सजा देने के सिद्धान्त के बावजूद मृत्युदण्ड की सजा मनमाने ढंग से जारी है. विधि आयोग एवं नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा कराए एक सर्वेक्षण से पता चला कि मृत्युदण्ड पाने वाले अधिकतर कमजोर, गरीब व दलित वर्गों के लोगों के पास अच्छे वकील की सेवा लेने का सामर्थ्य भी नहीं है. पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के अनुसार, "किसी भी राष्ट्र के अध्यक्ष के रूप में सबसे मुश्किल काम किसी की फाँसी की सजा पर निर्णय लेना होता है. सभी लम्बित मौत की सजा के मामलों में अधिकतर सामाजिक-आर्थिक बेस होते हैं." 31 मार्च, 2012 को सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा बेअन्त सिंह के हत्यारे बलवन्त सिंह को दिए गए मृत्युदण्ड को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी ने आजीवन कारावास में बदलने की अपील की. याकूब मेनन को फाँसी के फंदे से बचाने के कानूनी प्रयास अन्तिम समय तक हुए. अमरीका सहित संसार के विभिन्न देशों में बहुत से ऐसे उदाहरण हैं, जिनमें मृत्युदण्ड पाए व्यक्ति को बाद में निर्दोष पाया गया. भारत के उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2008 में स्वामी श्रद्धानन्द मामले के निर्णय में माना कि अपराध इतना दुर्लभतम नहीं है कि दोषी को मृत्युदण्ड दिया जाए; इसलिए आजीवन कारावास की सजा दी गई. दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शाह ने कहा, "व्यवस्था में विसंगतियाँ हैं और भारत में मृत्युदण्ड पर गम्भीरता से पुनर्विचार करने की तथा अपराध के लिए दण्डित करने के वैकल्पिक मॉडल की आवश्यकता है."

क्रूर हत्याओं की सुनवाई के लिए हमारे यहाँ फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था है. गाँधी जी की हत्या 30 जनवरी, 1948 को हुई थी. गाँधी जी की हत्या के दोषी नाथूराम गोडसे तथा नारायण दत्तात्रेय आप्टे को 15 नवम्बर 1949 को फाँसी पर लटका दिया गया था. इसके ठीक विपरीत दिल्ली की अदालत द्वारा रेल मन्त्री ललित नारायण मिश्रा के हत्यारों को आजीवन कारावास की सजा सुनाने में चालीस साल लग गए. राजीव गाँधी के हत्यारों को मौत की सजा

होनी चाहिए या नहीं, ये निश्चित करने में न्यायालय को चौबीस वर्ष लग गए. इन्दिरा गाँधी के हत्यारों को पाँच वर्ष में मृत्युदण्ड दे दिया गया. प्रश्न है कि इस तरह के सभी मामले क्या **रेयरेस्ट ऑफ रेयर** की श्रेणी में आते हैं. चौरासी के दंगों तथा बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद दिसम्बर 1992 से जनवरी 1993 तक मुम्बई दंगों में मारे गए 900 लोगों के दोषियों में से कितने लोगों को सजा हुई ?

भारत तथा विदेशों में आए इन परिवर्तनों के आधार पर भारतीय विधि आयोग का मानना है कि फाँसी की सजा होने के बावजूद अपराधों पर रोक नहीं लगी और न ही अपराधियों में डर है. इससे ज्यादा डर तो आजीवन कारावास की सजा से पड़ा है. आयोग ने परामर्श जारी कर फाँसी समाप्त करने के मुद्दे पर लोगों से राय चाही. आयोग ने यह भी पूछा कि क्या माफी देने के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए भी दिशानिर्देश निश्चित होने चाहिए.

सामाजिक व मानवीय मुद्दों पर विचार करने वाली संयुक्त राष्ट्र आमसभा की तीसरी कमेटी ने मृत्युदण्ड निरस्त करने की दिशा में संसार का बढ़ना प्रगतिशील माना है. भारतीय विधि आयोग ने माना है कि कुछ विशेष किस्म के अपराधों में इंसाफ सिर्फ मृत्युदण्ड से ही मिल सकता है तथा इन अपराधों पर विराम भी इस प्रकार के कठोर दण्ड से ही लगाया जा सकता है.

गृह मन्त्रालय के अधीन कार्यरत् राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, इस समय भारत में चार सौ दो लोग विभिन्न अदालतों द्वारा मृत्युदण्ड की सजा के तहत् जेलों में बन्द हैं जिनमें दस महिलाएँ हैं. भारत में 31 दिसम्बर, 2013 तक राष्ट्रपति भवन में क्षमादान के 382 आवेदन लम्बित थे. उच्चतम न्यायालय ने विरल से विरलतम मामलों में मृत्युदण्ड देने की बात कर आयोग की बात का समर्थन किया है.

दो परस्पर विरोधी दृष्टिकोण

फाँसी की सजा को लेकर भारत में हमेशा से दो परस्पर विरोधी दृष्टिकोण रहे हैं.

पहला दृष्टिकोण यह है कि क्या मृत्युदण्ड किसी में इतना भय उत्पन्न कर सकता है कि वह अपराध या आतंक में शामिल होने से स्वयं को रोक ले. दिल्ली में 16 दिसम्बर को हुए गैंगरैप के बाद दोषियों को दण्ड मिला, नए कानून बने; पर क्या बलात्कार की घटनाएँ थम गईं ? मृत्युदण्ड के बदले अपराधी अगर बिना पेरोल के अपने जीवन के बाकी दिन सलाखों के पीछे काटे और अपने किए पर पछताएगा. इससे दूसरों को भी अपराध न करने की प्रेरणा मिलेगी. यह सजा मानवाधिकारों और मौलिक अधिकारों की व्यवस्था के विपरीत है. पहले दृष्टिकोण के अनुसार अपराधी को समाप्त करने की अपेक्षा अपराध को मिटा देने पर विचार करना चाहिए.

दूसरे दृष्टिकोण के अनुसार, आँख के बदले आँख की सजा देने का जो ढंग है, वह सही है; क्योंकि इससे पीड़ित को इंसाफ मिलता है तथा साथ ही समाज में यह कठोर संदेश जाता है कि अपराध करके कोई बच नहीं सकेगा. दिल्ली गैंगरैप पीड़िता की माँ का कहना है, बलात्कारियों को फाँसी की सज़ा मिलनी चाहिए. कंधार विमान अपहरण उदाहण है कि खतरनाक अपराधियों को जेल में रखना उनके सहयोगियों को अधिक हिंसा और आतंक करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है. दण्डनीति की आवश्यकता समाज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए है. व्यापक हित किसी एक व्यक्ति की जान से अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है इसलिए भावनाओं में बहकर मृत्युदण्ड को खारिज नहीं किया जा सकता.

निष्कर्ष

फाँसी की सजा के विरोधियों ने जीवन के अधिकार को मौलिक अधिकारों में से एक मानकर मानव जीवन को अनमोल माना है. यह तर्क खारिज नहीं किया जा सकता; किन्तु प्रश्न यह है कि सीरियल हत्यारे, बलात्कारी, जानबूझकर लोगों की हत्याएँ करने वाले अथवा देश में प्रधानमन्त्री की हत्या करने वाले, संसद पर हमला करने वाले, उग्रवादी घटनाओं में सैकड़ों लोगों की हत्या में शामिल आदि लोगों के लिए क्या मौत की सजा के स्थान पर आजीवन कारावास का विकल्प अधिक मानवीय माना जा सकता है.

स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस या गाँधी जयन्ती पर बहुत से अपराधियों को सरकार द्वारा समूह में आम माफी दे दी जाती थी. इस सन्दर्भ में उच्चतम न्यायालय ने कहा, "क्षमा करने के अधिकार को लागू करने से पहले सम्बन्धित सरकार को दण्ड देने वाले या उसकी पुष्टि करने वाले न्यायालय की अनुमति लेनी होगी. क्षमा केवल व्यक्तिगत आधार पर दी जा सकती है, थोक के भाव में नहीं." उच्चतम न्यायालय के इस प्रतिबन्ध का स्वागत हुआ, क्योंकि पीड़ित पक्ष बहुत मुश्किल से न्यायालय के माध्यम से दोषी को दण्ड दिलाता है.

वस्तुतः मौत की सजा को मानवाधिकारों या मौलिक अधिकारों का हनन नहीं माना जा सकता. दण्ड का प्रावधान न होने से समाज में अव्यवस्था और अराजकता फैलेगी.

किसी निर्दोष को मौत की सजा देना घोर अन्याय है, इसीलिए लोकतान्त्रिक व्यवस्था में कानून अभियुक्त को अपना पक्ष रखने और खुद को निर्दोष साबित करने का पूरा अवसर देता है. आवश्यक होने पर न्यायालय अभियुक्त को कानूनी सहायता भी उपलब्ध कराता है.

भारत का संविधान बनाते समय भारतीय न्याय व्यवस्था को बहुत पारदर्शी बनाया गया, जिससे सबको न्याय मिल सके. भारत में फाँसी की सजा न के बराबर है. अमरीका में पिछले चौबीस सालों में (1995 से अब तक) लगभग 1155 अपराधियों को जहरीले इंजेक्शन से मृत्युदण्ड दिया जा चुका है. भारत में 1995 में सर्वाधिक 13 व्यक्तियों को फाँसी हुई. उसके बाद नौ व्यक्तियों को मृत्युदण्ड मिला. 1999 से 2003 तक एक को भी फाँसी नहीं हुई. 2004 में धनंजय चटर्जी को फाँसी हुई. 2005 से 2011 तक किसी को मृत्युदण्ड नहीं मिला. 2012, 2013 और 2015 में एक-एक व्यक्ति को फाँसी की सजा मिली.

दुर्भाग्य से अगर मृत्युदण्ड प्राप्त दोषी कमजोर और गरीब तबके से है, तो उसमें वकील के सहयोग लेने का सामर्थ्य नहीं होता. त्वरित मामले में यह देखना बहुत महत्वपूर्ण है कि जो व्यक्ति आर्थिक रूप से कमजोर है तथा जिसके पास अच्छे वकील का सहयोग लेने की सामर्थ्य नहीं है, उसे कहीं पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में तो फाँसी के तख्ते तक नहीं पहुँचाया गया. आवश्यकता कानून में सुधार की है, ताकि गरीबों को भी कानूनी सहायता मिल सके और कमजोर सबूतों के आधार पर किसी को मृत्युदण्ड न दिया जा सके. भले ही कानून की प्रक्रिया से दस अपराधी बच जाएँ; किन्तु किसी निर्दोष को दण्ड नहीं मिले. नवम्बर 2018 में न्यायाधीश कुरियन जोसेफ, न्यायाधीश दीपक गुप्ता और न्यायाधीश हेमन्त गुप्ता की बेंच के समक्ष छत्तीसगढ़ में ट्रिपल हत्या के आरोप में सज़ा पा चुके आरोपी के मामले की सुनवाई हुई. उच्चततम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि भारत में मृत्युदण्ड की सजा जारी रहेगी. तीन न्यायाधीशों की इस बेंच ने 2-1 के बहुमत से अपना फैसला दिया.

फण्डामेंटल प्रिंसिपल ऑफ क्रिमिनल ज्यूरिसप्रूडेंस के अनुसार, "हमारे कानून में सजा का प्रावधान सही प्रावधान है. अगर कोई **'रेयरेस्ट ऑफ़ रेयर'** की श्रेणी का अपराध करता है, तो उसे जरूर फाँसी मिलनी चाहिए." फाँसी के मामले में देर होने से फाँसी का उद्देश्य अवरुद्ध होता है इसलिए मृत्युदण्ड पाए अपराधियों की दया याचिका पर अनिश्चितकाल की देरी नहीं की जानी चाहिए.

आवश्यकता इस बात की है कि **दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों** में सजा सिद्धान्त के अनुसार लागू की जाए, जिससे संविधान का लक्ष्य पूरा हो सके. ●●●

न्यायिक लेख

सामाजिक न्याय की अवधारणा एवं इसके क्रियान्वयन में संविधान की भूमिका

✍ बहादुर सिंह रावत 'चंचल'

एक अवधारणा के रूप में राजनीतिक सिद्धान्तों में सामाजिक न्याय का जन्म अपेक्षाकृत नवीन है. बीसवीं शताब्दी में यह अवधारणा विशेष प्रचलित हुई, यद्यपि 19वीं शताब्दी में भी इसकी चर्चा सुनने को मिलती थी. राजनीति विज्ञान की शब्दावली में इसके उदय का प्रमुख कारण यह रहा कि उदारवादी लोकतंत्र मनुष्य और मनुष्य के बीच की सामाजिक और आर्थिक विभेद की खाई को कम करने में असफल रहा. उदारवादी लोकतंत्र ने सबकी स्वतंत्रता तो सुनिश्चित की, परन्तु व्यवहार में यह महसूस किया गया कि सामाजिक विभेद और आर्थिक संसाधनों की कमी की स्थिति में राजनीतिक लोकतंत्र अव्यवहारिक है. दूसरे शब्दों में, उदारवादी लोकतंत्र एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था की स्थापना करने में असफल रहा जो समाज के सभी वर्गों के लिए न्यायसंगत हो. सामाजिक व्यवस्था में जन्मी इसी विषमता ने सामाजिक न्याय की अवधारणा को जन्म दिया.

सामाजिक न्याय की आवश्यकता

कोई भी सामाजिक व्यवस्था तभी स्थिर हो सकती है जब यह न्याय पर आधारित हो. यह भी आवश्यक है कि व्यवस्था में किसी व्यक्ति या वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त न हो.

इसकी आवश्यकता की चर्चा निम्नांकित शीर्षकों के अन्तर्गत की जा सकती है–

(i) समाज असमानता से ग्रस्त है–यह मानव समाज का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि सहयोग पर आधारित होने के बावजूद समाज असमानता से ग्रस्त रहा है. स्वाभाविक है सामाजिक असमानता ने सामाजिक अन्याय को जन्म दिया. अभावग्रस्त तबका विकास प्रक्रिया में पिछड़ता गया. ऐसी स्थिति में यह वांछनीय है कि इस पिछड़े तबके को समाज और राज्य की मूल धारा में लाया जाए. इसके लिए सामाजिक न्याय की अवधारणा एक माध्यम है.

(ii) सामाजिक विकास के लिए आवश्यक–सामाजिक विकास के लिए सामाजिक न्याय आवश्यक है क्योंकि जो वर्ग सामाजिक विकास की अपेक्षाकृत निचली सीढ़ी पर है, उसे अन्य वर्गों के समकक्ष लाना सामाजिक हित में है. समाज का स्थिर विकास तभी सम्भव है जब समाज के सभी वर्गों का सन्तुलित विकास हो. यह कार्य सामाजिक न्याय की अवधारणा को क्रियान्वित करके ही किया जा सकता है.

(iii) लोक-कल्याणकारी राज्य के आदर्शों के अनुकूल–सामाजिक न्याय की अवधारणा लोक-कल्याणकारी राज्य के आदर्शों के अनुकूल है, क्योंकि लोक-कल्याणकारी राज्य समाज के सभी वर्गों के कल्याण का पक्षधर है. यही नहीं यह सामाजिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान भी करना चाहता है. आधुनिक युग में सभी राज्य लोक-कल्याणकारी राज्य हैं. इसलिए सामाजिक न्याय की धारणा लोक-कल्याणकारी राज्य के दर्शन से भी मेल खाती है.

(iv) विषमता को समाप्त करने के लिए अनिवार्य–विषमता किसी भी समाज का सबसे बड़ा कोढ़ है. सामाजिक न्याय एक प्रकार की समतावादी धारणा है. समानता ही सामाजिक न्याय का प्राणतत्व है. अगर समाज में व्याप्त विषमता को दूर करना है, तो उसका एकमात्र उपाय यही है कि उन लोगों को विशेष सुविधाएँ दी जाएं जो किन्हीं कारणों से समाज के सामान्य वर्ग से पीछे हैं.

सामाजिक न्याय-अर्थ और परिभाषा

सामाजिक न्याय एक व्यापक अवधारणा है. इसमें सामाजिक कल्याण, सामाजिक समानता और आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय के तत्व भी समाहित हैं. इसके अतिरिक्त स्वतन्त्रता, अवसरों की समानता और बन्धुत्व के आदर्श भी इसकी परिधि में आ जाते हैं. एल. टी. हॉवहाउस ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'The Elements of Social Justice' में सामाजिक न्याय के अन्तर्गत कई तत्वों की चर्चा की है. प्रमुख रूप से 'सामाजिक न्याय' के निम्नांकित घटक तत्व बनाए जा सकते हैं–

(i) समाज के सदस्य के रूप में समानता–सामाजिक न्याय का अभिप्राय है कि मनुष्य और मनुष्य के बीच भेद नहीं किया जाना चाहिए तथा सभी को समान रूप से आत्म-विकास के अवसर उपलब्ध होने चाहिए. इसके अन्तर्गत यह निहित है कि सभी नागरिक विधि के समक्ष समान होंगे और उन्हें विधि का समान संरक्षण प्राप्त होगा. किसी नागरिक के साथ केवल धर्म, वंश, जाति, लिंग व जन्म-स्थान के आधार पर कोई विभेद नहीं किया जाना चाहिए.

(ii) शोषण का निषेध–यह सामाजिक न्याय का एक महत्वपूर्ण पहलू है कि व्यक्ति द्वारा व्यक्ति के शोषण का अन्त किया जाए. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 एवं 24 में शोषण के विरुद्ध अधिकार प्रदान किया गया है.

(iii) पिछड़े एवं कमजोर वर्गों का शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास–सामाजिक न्याय का यह आग्रह कि समाज के कमजोर वर्गों के विकास के लिए राज्य द्वारा विशेष प्रयास किए जाएं ताकि वे समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित हो सकें. इसके लिए राज्यों द्वारा 'सकारात्मक विभेद' की नीति का अनुसरण किया जाता है. इसका आशय यह है कि कमजोर वर्गों के हित में विशेष प्रावधान (जैसे आरक्षण) किए जाएं.

(iv) अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण–सामाजिक न्याय का एक अनिवार्य घटक तत्व अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण है. अल्पसंख्यकों को यह अधिकार होना चाहिए कि वे अपनी भाषा, लिपि तथा संस्कृति की रक्षा कर सकें. उदाहरणार्थ, भारतीय संविधान यह घोषणा करता है कि अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति और भाषा की सुरक्षा के लिए शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना की पूर्ण स्वतंत्रता है. यही नहीं यह भी कहा गया है कि राज्य अनुदान देने में ऐसी किसी संस्था के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करेगा.

(v) कार्य की यथोचित व मानवोचित दशाएँ–सामाजिक न्याय के आदर्श को मानव-कल्याण के आदर्श से भिन्न नहीं माना गया है. इसलिए यह आवश्यक है कि राज्य काम की यथोचित दशाएँ सुनिश्चित करें. सभी को सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास के अवसर उपलब्ध हों, सार्वजनिक स्वास्थ्य का स्तर ऊँचा किया जाए तथा नागरिकों की शैक्षणिक उन्नति का प्रबन्ध किया जाए.

सामाजिक न्याय और समानता

सामाजिक न्याय मूलतः एक समतावादी अवधारणा है. व्यावहारिक दृष्टि से समानता ही सामाजिक न्याय का आधार है. वैसे इन दोनों में एक महत्वपूर्ण अन्तर है. उदाहरणार्थ–समानता का मूल अभिप्राय कानून के समक्ष समानता और कानून के समान संरक्षण से है. इसका आशय यह हुआ कि किसी प्रकार का विभेद किसी के सन्दर्भ में नहीं किया जाना चाहिए या यों कहें कि सभी के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए.

बहुत बार ऐसा देखा जाता है कि राज्य इस सिद्धान्त का कठोरता से पालन नहीं करते. ऐसा प्रायः दो कारणों से होता है–

(i) राज्य आनुपातिक समानता–राज्य, आनुपातिक समानता का सिद्धान्त लागू करते हैं. इसके अनुसार मनुष्य को समुदाय से जो कुछ प्राप्त होता है, वह उसकी आवश्यकताओं के साथ-साथ इस बात पर निर्भर करता है कि उसके द्वारा किए जा रहे कार्यों का क्या मूल्य है. यदि न्यायाधीशों को लिपिक से अधिक वेतन दिया जाता है तो इसका आधार यह है कि दोनों की आवश्यकताएँ भिन्न-भिन्न हैं. न्यायाधीश द्वारा किए जाने वाले कार्य अपेक्षाकृत उच्चतर श्रेणी का है जिसमें कहीं अधिक बुद्धि और कौशल की आवश्यकता होती है. समकक्षों के मध्य समान व्यवहार होना चाहिए. और असमानों के मध्य असमान व्यवहार भी होना चाहिए, परन्तु इसका उद्देश्य असमानता को बढ़ाना नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक समरसता स्थापित करना होना चाहिए.

आनुपातिक समानता के इस सिद्धान्त को समाजवादी राज्य भी मान्यता देते हैं. पूर्व-सोवियत संघ में भी कार्यों के हिसाब से अलग-अलग पदों के लिए भिन्न-भिन्न वेतन दिया जाता था.

(ii) सकारात्मक विभेद–यह अवधारणा भारत में भी अपनायी गई है. इसके अन्तर्गत समाज के कमजोर वर्गों यथा अनुसूचित जातियों तथा जन जातियों, महिलाओं तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं. इस विभेद को सकारात्मक कहा जाता है क्योंकि इसका उद्देश्य पिछड़े वर्ग को सामान्य वर्गों के समकक्ष लाना है. इस उद्देश्य के तहत् इनके लिए विभिन्न सेवाओं में स्थान आरक्षित किए जाते हैं. शिक्षा संस्थाओं में इन्हें शुल्क में छूट दी जाती है और इन्हें छात्रवृत्ति भी दी जाती है. इसी प्रकार सामाजिक जीवन में भी यह माना जाता है कि समान अवसरों के सिद्धान्त के बावजूद पिछड़े वर्गों को विशेष सुविधाएँ दी जानी चाहिए.

सामाजिक न्याय के प्रकार या रूप

सामाजिक न्याय अपने में एक समग्र अवधारणा है जो किसी न किसी रूप में समाज के सदस्य के रूप, मानव-समानता के भाव पर आधारित है. फिर भी सुविधा की दृष्टि से इसके दो प्रकार या रूप बताए जा सकते हैं–

(i) नकारात्मक विभेद पर आधारित सामाजिक न्याय–कभी-कभी सामाजिक न्याय की धारणा को लागू करने के लिए नकारात्मक विभेद का आश्रय लिया जाता है. इस विभेद का उद्देश्य नकारात्मक होता है. अर्थात् पहले से विकसित वर्ग के लिए कुछ सुविधाएँ निषिद्ध कर दी जाती हैं ताकि सामाजिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग को वही सुविधाएँ देकर उसे विकसित वर्ग के समकक्ष लाया जा सके. व्यवहार में इस श्रेणी के सामाजिक न्याय का उद्देश्य सामाजिक दृष्टि से विकसित वर्ग की विकास गति को धीमी करके पिछड़े वर्गों को उसके समकक्ष लाना होता है.

(ii) सकारात्मक विभेद पर आधारित सामाजिक न्याय–यह सामाजिक न्याय का दूसरा रूप या प्रकार है. इस श्रेणी के सामाजिक न्याय का उद्देश्य विकसित सामाजिक वर्ग को पीछे करना नहीं वरन् पिछड़े वर्गों के अन्य वर्गों के समकक्ष करना है. सकारात्मक विभेद पर आधारित सामाजिक न्याय का उद्देश्य उन वर्गों का विकास करना है जो किन्हीं कारणों से सामाजिक विकास की प्रक्रिया से पीछे रह गए हैं. आधुनिक लोक-कल्याणकारी राज्यों में सकारात्मक विभेद पर आधारित सामाजिक न्याय ही व्यवहार में प्रयोग किया जाता है.

सामाजिक न्याय के क्रियान्वयन में संविधान की भूमिका

भारतीय संविधान की प्रस्तावना सुस्पष्ट शब्दों में घोषित करती है कि संविधान के माध्यम से 'भारत के लोग' अन्य चीजों के अतिरिक्त सामाजिक और आर्थिक न्याय प्राप्त करने के लिए कृतसंकल्प हैं.

सामाजिक न्याय और भारत की संविधान सभा

सामाजिक न्याय के प्रस्ताव पर संविधान सभा में दो प्रकार के दृष्टिकोण परिलक्षित हुए–पहला दृष्टिकोण यह था कि 'सामाजिक न्याय' शब्दबन्ध को इस प्रकार से निर्मित किया जाना चाहिए कि इससे समाजवाद के सिद्धान्त को स्पष्ट रूप से स्वीकार किए जाने का बोध हो. इस दृष्टिकोण को व्यक्त करते हुए डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा–"यदि यह प्रस्ताव, प्रस्तुत यथार्थ है और ईमानदारी के भाव से युक्त है तो प्रस्ताव में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए भूमि और उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया जाएगा. मेरी समझ में नहीं आता कि समाजवादी अर्थव्यवस्था के अभाव में कोई भी भावी सरकार किस प्रकार सामाजिक न्याय की स्थापना कर पाएगी."

दूसरे दृष्टिकोण के समर्थकों का मत था कि किसी सामाजिक/आर्थिक नीति को संविधान का हिस्सा बनाने का अधिकार संविधान सभा को नहीं है. इनका मानना था कि संविधान में किसी नीति का नहीं वरन् एक प्रगतिशील समाज के लिए आवश्यक विकास और सामंजस्य के तत्वों का समावेश होना चाहिए. अन्त में पं. नेहरू ने यह कहकर विवाद को विराम दिया,–"यदि हम स्पष्ट रूप से यह कहें कि हम एक समाजवादी राज्य की स्थापना करना चाहते हैं तो यह कुछ लोगों को स्वीकार तो कुछ को अस्वीकार हो सकता है. इसलिए हमने सैद्धान्तिक शब्द और फार्मूले को प्राथमिकता न देकर मन्तव्य को प्राथमिकता दी है."

संविधान और सामाजिक न्याय का क्रियान्वयन

आज यह माना जाता है कि असमानता और 'गरीबी' कुछ सामाजिक शक्तियों का परिणाम है और यदि इन शक्तियों को परिवर्तित कर दिया जाए तो स्थिति में सुधार लाया जा सकता है. यह दृष्टिकोण मानववादी विचारकों और समाज सुधारकों के कारण सम्भव हो पाया है. इसमें स्वयं कमजोर वर्गों द्वारा किया गया विरोध भी प्रमुख कारण रहा है.

भारत विकासशील समाज का एक विशिष्ट नमूना है जहाँ संविधान और सरकार सामाजिक न्याय के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध है. यह और बात है कि इस दिशा में उतनी प्रगति नहीं हो पाई है जितनी होनी चाहिए. सामाजिक न्याय के आदर्श को भारतीय संविधान की प्रस्तावना में स्थान दिया गया है.

भारत के संविधान में सामाजिक न्याय को आदर्श रूप में अपनाया गया है. कहीं-कहीं तो आर्थिक न्याय को भी इसमें समाहित माना गया है. संविधान के भाग-3 (मौलिक अधिकार) तथा भाग-4 (नीति-निर्देशक तत्व) इस दृष्टि से विशेष उल्लेखनीय हैं. दोनों की आधार भूमि एक ही है. दोनों ही भाग व्यक्ति को उसके न्यूनतम अधिकार और स्वतंत्रताएं प्रदान करने हेतु विशेष रूप से उन्हें जो अब तक इनसे वंचित रहे हैं, राज्य को उत्प्रेरित करते हैं. इस दृष्टि से विशेष उल्लेखनीय उपबन्धों की चर्चा नीचे करने का प्रयास किया गया है–

- अनुच्छेद 14—यह प्रत्येक व्यक्ति को विधि के समक्ष समानता और विधि का समान संरक्षण प्रदान करता है, परन्तु इस प्रावधान का उस व्यक्ति के लिए कोई खास महत्व नहीं है जिसका वर्षों से शोषण होता रहा है.
- अनुच्छेद 21—यह जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल अधिकारों की चर्चा करता है, परन्तु भुखमरी का शिकार व्यक्ति कैसे इस स्वतंत्रता का प्रयोग कर सकता है.

- अनुच्छेद 19—इसमें 6 व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं की चर्चा की गई है, परन्तु रोटी, कपड़ा और मकान के लिए प्रयासरत् व्यक्ति के लिए इन स्वतंत्रताओं का कोई महत्व नहीं है.
- अनुच्छेद 17—यह अनुच्छेद अस्पृश्यता का निषेध करता है, परन्तु जातिग्रस्त समाज में इसका कोई अर्थ नहीं है.

कहने का अभिप्राय यह है कि भाग-3 में दिए गए मौलिक अधिकारों के न्याय योग्य होने के बावजूद कोई भी व्यक्ति इनकी प्राप्ति तभी कर सकता है जब उसके पास न्यूनतम भौतिक संसाधन उपलब्ध हों. श्रेष्ठता का प्रश्न अस्तित्व बने रहने के बाद ही उठता है. यह सोच हमें सहज ही सामाजिक-आर्थिक अधिकारों के कहीं विस्तृत प्रतिमान की ओर उन्मुख करती है जिनकी विस्तृत चर्चा संविधान के भाग 4 में की गई है–

- अनुच्छेद 38—यह राज्य को एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था की स्थापना हेतु निर्देशित करता है जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों में न्याय की स्थापना हो सके.
- अनुच्छेद 39 (क)–इनके द्वारा राज्य को कमजोर वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है.
- अनुच्छेद 39 (ख)–राज्य आर्थिक नीतियों का निर्धारण इस प्रकार से करेगा कि पूँजी का कुछ ही हाथों में संकेन्द्रण न हो जाए.
- अनुच्छेद 39(ग)–राज्य इस बात का ध्यान रखेगा कि समाज के भौतिक संसाधनों का यथासम्भव समान वितरण हो.
- अनुच्छेद 41—राज्य कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता प्रदान करने की व्यवस्था करेगा.
- अनुच्छेद 42—राज्य का कर्तव्य है कि वह कार्य की उचित और मानवीय स्थिति की स्थापना करे.
- अनुच्छेद 46–राज्य विशेष सावधानी से कमजोर वर्गों विशेष रूप से अनुसूचित जातियों व जनजातियों के शैक्षणिक और आर्थिक हितों का संवर्धन करेगा और उन्हें हर प्रकार के शोषण और अन्याय से बचाने का प्रयास करेगा.

सामाजिक न्याय का क्रियान्वयन

भारतीय संविधान का आदर्श समाज का समतावादी ढाँचा है जिसका आधार सामाजिक न्याय है. व्यवहार में सरकार द्वारा इस दिशा में गम्भीर प्रयास किए गए हैं, जैसे–जमींदारी व्यवस्था का उन्मूलन कर भूमि का स्वामित्व भूमि के जोतदारों को सौंप दिया गया है. भूमि परिसीमन (Land Ceiling) लागू कर दी गई है. बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया है. प्रिवीपर्स समाप्त कर दिया गया है. कुटीर उद्योगों के विकास के लिए 'अखिल भारतीय खादी एवं ग्रामोद्योग कमीशन' की स्थापना की गई है. ग्राम पंचायतों का गठन किया गया है. 73वें संशोधन द्वारा इन्हें संवैधानिक कलेवर भी प्रदान कर दिया गया. अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के साथ ही अन्य पिछड़े वर्गों एवं महिलाओं के लिए भी पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण कर दिया गया है. चौदह वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है. अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा पिछड़े वर्गों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण लागू है. अनेक राज्यों में निर्धनों के लिए निःशुल्क सहायता केन्द्र स्थापित किए गए हैं. इन सबके बावजूद सामाजिक न्याय पर आधारित एक शोषण-विहीन समाज की स्थापना अभी भी एक स्वप्न है.

आर्थिक असमानता अभी भी विद्यमान है और आज भी भारत के तमाम भौतिक और औद्योगिक संसाधनों पर लगभग 20% लोगों का कब्जा है. जनसंख्या का एक बड़ा भाग गरीबी-रेखा से नीचे जीवन-यापन कर रहा है. दस करोड़ से अधिक लोग भारत में अभी भी बेरोजगार हैं. कमजोर वर्गों पर अत्याचार की घटनाओं में निरंतर वृद्धि होती जा रही है. पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्जीवन के माध्यम से आम आदमी को सत्ता में सहभागिता देने का प्रयास अवश्य किया जा रहा है, परन्तु जब तक सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में लोकतंत्र की स्थापना नहीं हो जाती तब तक राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना का कोई सार्थक परिणाम नहीं निकलेगा.

जनसंख्या का लगभग आधा भाग आज भी निरक्षर है. कमजोर वर्गों पर अत्याचार में निरंतर वृद्धि हो रही है, परन्तु इसका यह अर्थ नहीं लिया जाना चाहिए कि सामाजिक न्याय के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ नहीं हैं. पंचवर्षीय योजनाओं तथा अन्य विशिष्ट कार्यक्रमों के माध्यम से निरन्तर यह प्रयास किया जाता रहा है कि विकास का लाभ अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके. प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने की दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा अभियान चलाया जा रहा है.

सामाजिक न्याय का महत्व

सामाजिक न्याय की अवधारणा एक वृहद् अवधारणा है जिसका मुख्य बल उन लोगों के समुन्नयन पर है जो किन्हीं कारणों से सामान्य जनमानस से विकास यात्रा में पीछे रह गए हैं. व्यक्ति समाज का सदस्य पहले है. राज्य का बाद में. राज्य की स्थापना का एक प्रमुख कारण ही यही है कि यह सामाजिक अन्याय का प्रतिकार करे. सामाजिक न्याय के महत्व की चर्चा-समाज के वृहत् हित में समाज के समतावादी ढाँचे की स्थापना हेतु आवश्यक है तथा लोक कल्याणकारी राज्य के आदर्श के अनुकूल है.

अतः स्पष्ट है कि सामाजिक न्याय की धारणा बहुत व्यापक है जो अपने आँचल में अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा से लेकर सामान्य हित में आने वाली हर चीज को समेटे हुए है. यह न केवल कानून के समक्ष समानता तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता से सम्बन्धित है बल्कि इसका सम्बन्ध सामाजिक बुराइयों जैसे–निर्धनता, बीमारी, बेरोजगारी तथा भूख के उन्मूलन से भी है. इसके अतिरिक्त इन सबका सम्बन्ध उन निहित स्वार्थों की समाप्ति से भी है जो सामाजिक कल्याण की सिद्धि में बाधा डालते हैं. इसलिए पिछड़े और विकासशील देशों में सामाजिक न्याय का विचार राज्य पर यह दायित्व डालता है कि वह दलितों तथा समाज के कमजोर वर्ग की दशा सुधारने हेतु ठोस प्रयत्न करे. ●●●

उपकार
वस्तुनिष्ठ
दृश्य कला
(यू.जी.सी.-नेट व अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)
English Edition Code 3023 ₹ 199/-

लेखक : एम. वसीम
कोड 2664 ₹ 190/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

राज्य-पद्धति लेख

भारत में सहकारी संघवाद : सिद्धान्त से यथार्थ तक

✍ डॉ. राधा परमार

सहकारी संघवाद ! संघवाद की एक अवधारणा है जिसमें राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं स्थानीय सरकारें सामूहिक समस्याओं का समाधान निकालने के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर अन्तःक्रिया करती हैं. यह व्यवस्था उस अवस्था से भिन्न है, जिसमें या तो राष्ट्रीय (संघीय) सरकार ऊपर से कार्यक्रम और योजनाएं थोपती हैं और राज्य सरकारों तथा स्थानीय सरकारों को उनका क्रियान्वयन ठीक उसी प्रकार से करना पड़ता है, जैसाकि केन्द्र प्रायोजित योजना में निर्देशित है; अथवा केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय स्तर पर आपस में कोई तालमेल नहीं होता और प्रत्येक स्तर पर अलग-अलग नीतियाँ एवं कार्यक्रम बनाए जाते हैं.

सहकारी संघवाद बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में विकसित एक राजनीतिक एवं संवैधानिक अवधारणा है, जो शासन प्रणाली में संघीय, राज्य एवं स्थानीय निकायों के बीच सरकारी दायित्वों को बराबरी के आधार पर क्रियान्वित किए जाने के बजाय शक्तियों के विकेन्द्रीकरण पर बल देती है. सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का अधिकतम सम्भव फलदायी समाधान खोजने के लिए राष्ट्रीय और राज्य सरकारें एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हुए कार्य करती हैं. इस व्यवस्था में राष्ट्रीय और राज्य सरकार संवैधानिक रूप से स्वतंत्र होते हुए भी पारस्परिक निर्भरता के वातावरण में इस प्रकार कार्य करते हैं कि कार्यों एवं संसाधनों के मामले में कोई भी व्यक्ति या संस्था निरपेक्ष रूप से शक्तियाँ संचित नहीं कर पाती. इतना ही नहीं सरकार का यह वितरण राज्यों एवं संघ के संस्थानों, विधियों तथा नीतियों को प्रभावित करने के लिए नागरिकों को पहुँच के अनेक बिन्दु उपलब्ध कराता है.

यह विचार सर्वप्रथम 1930 के दशक के प्रारम्भ में संयुक्त राज्य अमरीका में 'न्यू डील' काल में प्रारम्भ किया गया. इसके परिणामस्वरूप वहाँ द्वैध संघवाद लगभग समाप्त हो गया. द्वैध संघवाद के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमरीका की संघीय सरकार को राज्यों के मामलों में हस्तक्षेप करने की सीमित शक्तियाँ ही प्राप्त थीं. राज्य अपने राजनीतिक क्षेत्र में उतने ही शक्तिशाली थे, जितना कि संघीय सरकार थी. किसी भी स्तर पर संघीय अथवा राज्य सरकारों की शक्तियाँ अतिच्छादन नहीं करती थीं.

'न्यू डील' काल में संघीय सरकार द्वारा राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए राज्यों को दिया जाने वाला अनुदान सहकारी संघवाद का सर्वोत्तम उदाहरण माना गया. किसी कार्यक्रम को ऊपर से थोपने के बजाय संघीय सरकार ने इसी कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण तरीके से वित्तीय संसाधन मुहैया कराए. संयुक्त राज्य अमरीका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवाएं विभाग द्वारा सन् 1935 में प्रारम्भ किया गया 'आश्रित बच्चों वाले परिवारों को सहायता' नामक कार्यक्रम सहकारी संघवाद का ही उदाहरण था.

भारत में सहकारी संघवाद

भारत को अर्द्ध-संघवाद की संज्ञा दी जाती है, क्योंकि भारतीय संविधान में भारत को एक संघ के रूप में निरूपित नहीं किया गया है. अनुच्छेद-1 में भारत को 'राज्यों का संघ' कहा गया है. जिसे विघटित नहीं किया जा सकता. भारत का कोई भी राज्य संघ (Union) से पृथक् नहीं हो सकता. इसके बावजूद भारत में संघीय सरकार की कुछ विशेषताएं पाई जाती हैं–

- एकल नागरिकता.
- एकल संविधान.
- राज्यों में राज्यपाल की नियुक्ति संघीय सरकार द्वारा.
- राज्यपाल की सिफारिश पर राज्य सरकार को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लगाने की शक्ति संघीय सरकार के पास.
- राज्य अपनी स्वयं की सेना नहीं रख सकते.
- राज्य विदेशी सरकारों से स्वतंत्र रूप से राजनयिक सम्बन्ध नहीं बना सकते.
- भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS) तथा भारतीय वन सेवा (IFS) जैसी केन्द्रीय सेवाएं.
- राज्यों की परिषद् (Council of State) –राज्य सभा में राज्यों को बराबरी के आधार पर प्रतिनिधित्व नहीं.
- राज्य विदेशी सरकारों/अन्तर्राष्ट्रीय सरकारों से केन्द्र की अनुमति के बिना ऋण नहीं ले सकते.
- एकल न्यायिक प्रणाली.
- राजस्व जुटाने की अवक्षेपित शक्तियाँ (Residual Powers) संघीय सरकार के पास.

लेकिन इन सबके बावजूद भारतीय शासन प्रणाली के निम्नलिखित अभिलक्षण उसे संघीय शासन प्रणाली वाला देश बनाते हैं.

- भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की संघीय सूची तथा राज्य सूची में संघीय सरकार और राज्य सरकार के अधिकार तथा शक्तियाँ पूरी तरह से अलग-अलग हैं.
- संघीय एवं प्रान्तीय स्तर पर विधायिकाएं तथा कार्यपालिकाएं पृथक्-पृथक् हैं.
- संविधान की सर्वोच्चता.
- न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति.

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद के पहले दो दशकों (1947 से 1967) तक केन्द्र एवं राज्यों में कांग्रेस की सरकारें रहीं (1959 में केरल में वामपंथी दलों की सरकार को आपवादिक रूप से छोड़कर) उस अवस्था में केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच किसी भी स्तर पर मत-भिन्नता की स्थिति नहीं थी अर्थात् परोक्ष रूप से सहकारी संघवाद की स्थिति थी.

1967 के आम चुनावों में पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश, प. बंगाल, केरल, ओडिशा तथा मध्य प्रदेश में कांग्रेस विरोधी राजनीतिक दलों संयुक्त विधायक दल (संविद–संयुक्त विधायक दल) की मिली-जुली सरकारें बनाईं. उसी के बाद से भारत में राज्य सरकारों तथा केन्द्र सरकार के बीच संघर्ष का दौर शुरू हुआ. राज्यों में कतिपय क्षेत्रीय दल : जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और प्युपिल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पंजाब में अकाली दल, हरियाणा में लोकदल, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी तथा बहुजन समाज पार्टी, बिहार में जनता दल एवं राष्ट्रीय जनता दल, प. बंगाल में मार्क्सवादी पार्टी, ओडिशा में बीजू जनता दल, आन्ध्र प्रदेश में तेलुगूदेशम पार्टी, महाराष्ट्र में शिव सेना, तमिलनाडु में डीएमके तथा अन्नाद्रमुक तथा केरल में वामपंथी मोर्चा. इन राज्यों की कांग्रेस विरोधी सरकारों ने अधिक स्वायत्तता की माँग की.

1990 के बाद से केन्द्र सरकार के गठन में क्षेत्रीय दलों की भूमिका में वृद्धि हो जाने से सहकारी संघवाद का 'अस्पष्ट' सा स्वरूप सामने आया. सरकार में भागीदार क्षेत्रीय राजनीतिक दल अपने-अपने राज्य के लिए अपेक्षाकृत अधिक संसाधन जुटाने में सफल रहे.

भारतीय संविधान में सहकारी संघवाद की जड़ें

यद्यपि भारतीय संविधान में किसी भी स्तर पर 'सहकारी संघवाद' शब्द का उल्लेख नहीं है, लेकिन केन्द्र एवं राज्यों के बीच बेहतर समन्वयन एवं सहयोग के लिए निम्नलिखित प्रावधान समाहित हैं–

1. **अन्तर्राज्यीय परिषद्**–भारतीय संविधान के अनुच्छेद-263 में अन्तर्राज्यीय परिषद् गठित किए जाने का उल्लेख है. "यदि किसी समय राष्ट्रपति को यह प्रतीत होता है कि ऐसी परिषद् की स्थापना से लोकहित की सिद्धि होगी जिसे–

(क) राज्यों के बीच, जो विवाद उत्पन्न हो गए हों. उनकी जाँच करने और उन पर सलाह देने,

(ख) कुछ या सभी राज्यों के अथवा संघ और एक या अधिक राज्यों के सामान्य हित से सम्बन्धित विषयों के अन्वेषण और उन पर विचार-विमर्ष करने, या

(ग) ऐसे किसी विषय पर सिफारिश करने और विशिष्टतया उस विषय के सम्बन्ध में नीति और कार्यवाही के अधिक अच्छे समन्वय के लिए सिफारिश करने,

के कर्तव्य का भार सौंपा जाए, तो राष्ट्रपति के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह आदेश द्वारा ऐसी परिषद् की स्थापना करे और उस परिषद् द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों की प्रकृति को तथा उसके संगठन और प्रक्रिया को सुनिश्चित करे".

अन्तर्राष्ट्रीय परिषद् का गठन सर्वप्रथम 27 दिसम्बर, 1990 को राष्ट्रपति द्वारा जारी एक आदेश से किया गया. इसे 19 मई, 1990 तथा 24 दिसम्बर, 1996 को संशोधित किया गया. इसका संगठन निम्न-लिखित प्रकार है–

अध्यक्ष : प्रधानमंत्री

सदस्य :

(i) सभी राज्यों के मुख्यमंत्री (यदि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है, तो उस राज्य के राज्यपाल).

(ii) विधान सभाओं वाले केन्द्रशासित क्षेत्रों के मुख्यमंत्री.

(iii) गैर-विधान सभाओं वाले केन्द्रशासित क्षेत्रों के प्रशासक.

(iv) संघीय मंत्रिमण्डल के 6 कैबिनेट मंत्री (प्रधानमंत्री द्वारा नामित)

[केन्द्र सरकार के अन्य मंत्रियों तथा स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य-मंत्रियों को इस स्थिति में आमंत्रित किया जा सकता है, जब उनके द्वारा देखे जा रहे विषय से सम्बन्धित किसी मद पर विचार किया जा रहा है]

2. **क्षेत्रीय परिषदें**–राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत् देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में स्थिति राज्यों के बीच अन्तर-सरकारी विचार-विमर्श एवं सहयोग को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय परिषदें गठित किए जाने का प्रावधान है.

गठित की गई क्षेत्रीय (जोनल) परिषदें निम्नलिखित प्रकार हैं–

उत्तरी जोनल काउंसिल–हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, चण्डीगढ़.

केन्द्रीय जोनल काउंसिल–छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश.

पूर्वी जोनल काउंसिल–बिहार, झारखण्ड, ओडिशा, प. बंगाल.

पश्चिमी जोनल काउंसिल–गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, दमन एवं दीव, दादरा नागर हवेली, राजस्थान.

दक्षिणी जोनल काउंसिल–आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुदुचेरी.

भारत के राष्ट्रपति द्वारा केन्द्रीय गृहमंत्री को सभी जोनल परिषदों का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है. चक्रानुक्रम में परिषदों के राज्यों के मुख्यमंत्री इसके उपाध्यक्ष हैं. जिनका कार्यकाल एक वर्ष का है. प्रत्येक राज्य के दो-दो कैबिनेट मंत्री तथा प्रत्येक केन्द्र शासित क्षेत्र के दो-दो प्रतिनिधि भी इन परिषदों में नामित किए जाते हैं. इसके साथ-साथ नीति आयोग द्वारा प्रत्येक परिषद् में एक-एक सदस्य, प्रत्येक राज्य के मुख्य सचिव प्रत्येक राज्य के विकास आयुक्त भी इन परिषदों में सलाहकारों के रूप में शामिल किए जाते हैं.

3. **राष्ट्रीय विकास परिषद्**–भारत में योजना आधारित विकास मॉडल को अपनाया गया. 15 मार्च, 1950 को योजना आयोग का गठन किया गया, जो एक गैर-सांविधिक निकाय था. योजनाएं बनाने का कार्य इसी निकाय को दिया गया, लेकिन पंचवर्षीय योजना के अन्तिम प्रारूप को अनुमोदित करने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय विकास परिषद् की स्थापना 6 अगस्त, 1952 में की गई. सभी संघीय कैबिनेटस्तरीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, केन्द्रशासित क्षेत्रों के प्रतिनिधि, योजना आयोग के सदस्य इस निकाय के सदस्य होते थे. नीति आयोग के गठन के साथ ही इस निकाय को भी समाप्त कर दिया गया है.

4. **नीति आयोग**–(नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन इण्डिया) : केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल द्वारा लिए गए एक ऐतिहासिक और बड़े निर्णय के तहत् योजना आयोग को समाप्त करके 1 जनवरी, 2015 से नीति आयोग का गठन किया गया है. नीति आयोग को सहकारी संघवाद का संवाहक माना जाता है. इसकी गवर्निंग काउंसिल का संगठन निम्नलिखित प्रकार है–

अध्यक्ष : भारत के प्रधानमंत्री.

सदस्य : नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सभी पूर्णकालिक सदस्य, सभी पदेन सदस्य, सभी राज्यों, केन्द्रशासित क्षेत्रों के मुख्यमंत्री, अन्य केन्द्र-शासित क्षेत्रों के उपराज्यपाल एवं प्रशासक.

विशेष आमंत्रित : नीति आयोग के सभी विशेष आमंत्रित इस तरह से नीति आयोग में अब प्रत्येक राज्य का प्रतिनिधित्व है. सहकारी संघवाद की दिशा में बढ़ते हुए नीति आयोग में मुख्यमंत्रियों के निम्नलिखित उप-समूह गठित किए गए हैं–

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के संयोजकत्व में केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के औचित्य पर उपसमूह.
- पंजाब के मुख्यमंत्री के संयोजकत्व में कौशल विकास पर उप-समूह.
- आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के संयोजकत्व में स्वच्छ भारत अभियान पर उप-समूह.

5. **चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशें**–भारतीय रिज़र्व बैंक के भूतपूर्व गवर्नर डॉ. वाई.वी. रेड्डी की अध्यक्षता में गठित चौदहवें वित्त आयोग की निम्नलिखित सिफारिशें भारतीय शासन प्रणाली को सहकारी संघवाद की ओर ले जाती हैं–

- केन्द्र सरकार के विभाजकीय कर राजस्व का 42 प्रतिशत राज्यों को.
- राज्य एवं केन्द्र विकास में बराबरी के साझीदार हैं.
- केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों को अनुदान दिए जाने की परम्परा का अन्त.
- योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्यों को अधिक वित्तीय दायित्व.
- पंचायती राज संस्थाओं तथा स्थानीय नगर निकायों को अधिक संसाधन/ पंचायती राज संस्थाओं को कुल अनुदान का 90% बुनियादी तथा 10% उपलब्धियों के आधार पर, जबकि स्थानीय नगर निकायों को यह आवंटन 80 : 20 के अनुपात में.

सहकारी संघवाद : व्यवहार में

सैद्धान्तिक रूप से सहकारी संघवाद की वकालत प्रधानमन्त्रियों और राष्ट्रपतियों के अभिभाषणों में की जाती रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने से इस अवधारणा को नया आयाम मिला है.

शेष पृष्ठ 103 पर

चिकित्सीय लेख

एंटीबायोटिक दवाओं का घटता असर और उनके विकल्प

जगनारायण

अपनी खोजी प्रवृत्ति के चलते वैज्ञानिकों ने बीसवीं शताब्दी में एंटीबायोटिक्स दवाओं को खोज कर रोगोपचार की दिशा में एक क्रान्ति ला दी है. वस्तुतः एंटीबायोटिक्स के रूप में सूक्ष्म जीवाणुओं के शरीर से प्राप्त रासायनिक तत्वों की औषधि के रूप में प्रयोग वाली इस तकनीक से बनी दवाएँ रोगकारी जीवाणुओं को नष्ट करके मानव के शरीर को निरोगी कर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती हैं. अधिकतर एंटीबायोटिक दवाएँ जीवाणुओं और फफूँदियों से बनाई जाती हैं. दुनिया की सबसे पहली एंटीबायोटिक दवा पेनिसिलन थी, जिसने अपने समय में रोगोपचार की दिशा में नई क्रान्ति लायी थी. यह चमत्कारिक दवा खाँसी, निमोनिया आदि के उपचार में अत्यन्त प्रभावकारी साबित हुई. इसके बाद स्ट्रैप्टोमाइसिन नामक एंटीबायोटिक दवा का विकास हुआ, जिससे क्षयरोग (टी.वी.) जैसे लाइलाज रोग का उपचार सम्भव हुआ. इसके बाद तो ऐंपिसिलिन, क्लोरोमाइसेटिन, टैट्रासाइक्लीन जैसी ऐंटीबायोटिक्स दवाओं के बल पर डॉक्टरों ने लाइलाज रोगों से रोगियों को मुक्ति दिलाना शुरू कर दिया. वस्तुतः इस पद्धति से बनी दवा इस सिद्धान्त पर काम करती है कि बीमारियाँ मनुष्य के शरीर में दो माध्यमों से प्रवेश पाती हैं. इनमें से एक है जीवाणु या कीटाणु जो विज्ञान की भाषा में बैक्टीरिया के रूप में जाने जाते हैं. दूसरा माध्यम है विषाणु या वायरस. ऐंटीबायोटिक्स औषधियाँ बैक्टीरिया जनित रोगों पर ही कारगर हैं.

एंटीबायोटिक्स का प्रसार

एंटीबायोटिक दवा के भारतीय बाजार में आने के बाद उसकी खपत में बेतहासा बढ़ोत्तरी हुई. आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा एंटीबायोटिक दवा खपाने वाला देश बन गया है. यद्यपि पिछले एक दशक में ही पूरी दुनिया में एंटीबायोटिक दवाओं की खपत में 36 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी आँकी गई है. लोगों में एंटीबायोटिक्स के प्रति रुझान में पिछले दिनों मात्र एक दशक में ही 62 प्रतिशत तक की वृद्धि आँकी गई है. एक सर्वेक्षण के तहत् सन् 2000 से 2010 के बीच दुनिया के 71 देशों में हुए एंटीबायोटिक्स की खपत के बारे में जानकारी हासिल करने की प्रक्रिया के दौरान पता चला की 2000 में जहाँ भारत में एंटीबायोटिक दवाओं की आठ अरब गोलियाँ खपती थीं, वहीं 2010 में यह खपत बढ़कर बारह अरब नौ करोड़ गोलियों तक पहुँच गई. 'ग्लोबल ट्रेंड्स इन एंटीबायोटिक्स कंजम्पशन 2000–2010' नामक इस सर्वेक्षण में एक भारतीय नागरिक वर्ष भर में औसतन ग्यारह एंटीबायोटिक गोलियों का प्रयोग करता दिखता है.

एंटीबायोटिक्स के खतरे

एंटीबायोटिक्स के साथ शुरूआती दौर से ही कई खतरे भी जुड़े रहे हैं. समय पाकर ये खतरे और भी बढ़ते नजर आने लगे हैं. 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन की पेड्रियाट्रिक्स रिपोर्ट के अनुसार एंटीबायोटिक्स के अधिक सेवन से बच्चों और किशोरों में मोटापे का खतरा बढ़ जाता है. पेनिसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के चिकित्सा से जुड़े प्राध्यापकों ने 64,500 से अधिक अमरीकी बच्चों पर किए अपने अध्ययन में पाया है कि जिन बच्चों ने दो साल की उम्र तक चार या चार से ज्यादा एंटीबायोटिक्स का कोर्स लिया था, उनमें मोटापे की सम्भावना दस प्रतिशत अधिक मिली. इस सन्दर्भ में पेनिसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के प्रो. चार्ल्स वैली का कहना है कि हमारी सोच है कि एंटीबायोटिक्स दवाओं के सेवन से शरीर के भार को नियन्त्रित रखने में मदद करने वाले जीवाणुओं की मात्रा का ह्रास हो जाता है.

हाल में आए एक शोध परिणाम के अनुसार बचपन में एंटीबायोटिक्स का अधिक प्रयोग आगे चलकर शरीर के बॉडीमास इण्डेक्स को भी प्रभावित करता है. इस सन्दर्भ में शोधकर्ता 'जॉन हॉपकिंस ब्लूम वर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' के प्रोफेसर 'ब्रायन श्वार्ज' का कहना है कि बचपन में लिया गया एंटीबायोटिक्स हमारे बॉडीमास इण्डेक्स को हमेशा के लिए प्रभावित कर सकता है. बोस्टन में भारतीय मूल की वैज्ञानिक 'शमिक भट्टाचार्य' की अगुआई में हुए शोध में प्रमाणित हुआ है कि बैक्टीरिया के संक्रमण से बचाव में ली जाने वाली एंटीबायोटिक्स दवाएँ मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित करती हैं. एंटीबायोटिक्स के प्रयोग के चलते होने वाले मतिभ्रम को डेलिरियम कहा जाता है. इस रोग से प्रभावित व्यक्ति आवेशित हो जाता है. इस प्रकार के लोगों की समय पूर्व मृत्यु की सम्भावना अधिक रहती है. शोधकर्ताओं ने एंटीबायोटिक्स के पार्श्वप्रभाव के रूप में 47 प्रतिशत मतिभ्रम, 14 प्रतिशत उद्वेग, 15 प्रतिशत मांसपेशियों की अनैच्छिक हरकत और 5 प्रतिशत लोगों में अपनी शारीरिक गतिविधियों पर नियन्त्रण का न होना पाया है. एंटीबायोटिक्स के अत्यधिक सेवन से युवाओं और किशोरों में 'जूवेनाइल अर्थ्राइटिस' या 'पेड्रियाटिक रुमैटिक' जैसी अस्थि जनित रोगों के खतरे की प्रबल सम्भावना रहती है.

न्यूजर्सी स्थित 'रूटजर्सी विश्वविद्यालय' के शोधकर्ताओं का दावा है कि इसके चलते जोड़ों और आँखों में सूजन हो जाती है. इस रोग से प्रभावित किशोरों और बच्चों में दर्द के साथ दृष्टि अन्धता और शारीरिक रूप से पूर्ण विकलांगता की भी सम्भावना रहती है. शोधकर्ताओं ने 45 लाख बच्चों पर व्यापक अध्ययन के बाद ही उपरोक्त सम्भावना को व्यक्त किया है. हाल ही में डेनमार्क में हुए एक अन्य शोध के आधार पर दावा किया गया है कि एंटीबायोटिक्स के ज्यादा प्रयोग से टाइप-2 डायबिटीज होने की सम्भावना काफी बढ़ जाती है. डेनमार्क के शोधकर्ता क्रिस्टियन हैलुंडब ने इस पर अपने शोध अध्ययन में पाया कि टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित लोगों ने पन्द्रह वर्षों तक तुलनात्मक रूप से एंटीबायोटिक्स का ज्यादा सेवन किया था. शोधकर्ताओं ने टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित 1·70 लाख लोगों तथा 13 लाख सामान्य स्वास्थ्य वाले लोगों पर किए गए तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर उक्त बातें कही हैं.

ध्यान रहे कि एंटीबायोटिक दवाएँ अपने प्रति संवेदनशील रहने वाले किसी भी बैक्टीरिया को मार देती हैं. जबकि कुछ बैक्टीरिया मानव शरीर के लिए लाभकारी भी होते हैं. इन 'मित्र बैक्टीरिया की मृत्यु से शरीर का जीवाणुजनित सन्तुलन अव्यवस्थित हो जाता है. इसके चलते पेट खराब हो जाता है, दस्त आने लगती है, आँतों में संक्रमण हो जाता है. बिना जरूरत के एंटीबायोटिक्स दवा लेने से बैक्टीरिया दवा प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेता है. इसके बाद इन पर सामान्य व हल्के डोज का प्रभाव नहीं पड़ता है.

एंटीबायोटिक्स के पार्श्व प्रभाव

हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में एंटीबायोटिक दवाओं के विरुद्ध जीवाणुओं में पैदा होने वाली प्रतिरोधक क्षमता को लेकर वैश्विक खतरे की आशंका व्यक्त की है. इस सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 114 देशों से संकलित आँकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त तथ्यों के आधार पर एक ऐसे एंटी-बायोटिक्स युग की आशंका व्यक्त की है, जिसके चलते निमोनिया, डायरिया और रक्त संक्रमण जैसे सामान्य रोगों से ही

लोगों की मौत आम बात हो जाएगी, जबकि वर्तमान में इस तरह के संक्रमण जनित रोगों का उपचार सामान्य बात है.

इस सन्दर्भ में प्रमुख शोधकर्ता 'थामस वान बोकेल' का कहना है कि लोगों में क्रय क्षमता बढ़ी है और वे एंटीबायोटिक दवाओं को आसानी से खरीद पा रहे हैं. यदि इन दवाओं का प्रभाव समाप्त हो गया, तो वस्तुतः कुछ बचेगा ही नहीं. मध्यम और निम्न आय वाले देशों में फ्लोरोक्विनोलोन और सेफैलोस्पेरिन के उपयोग में बढ़ोत्तरी से साफ-साफ पता चलता है कि इन देशों में डेंगू और चिकिनगुनिया जैसी वायरस से होने वाली बीमारियाँ तेजी से फैल रही हैं. इन रोगों पर एंटीबायोटिक दवाएँ प्रतिक्रिया करती हैं, लेकिन तमाम देशों में इंफ्लुएन्जा के रोगियों पर भी डॉक्टर एंटीबायोटिक्स दे देते हैं, जो असर नहीं करतीं. इसी प्रकार एक बड़े क्षेत्र में एंटीबायोटिक्स का बेवजह इस्तेमाल कर लोगों में एंटीबायोटिक्स प्रतिरोधी तत्वों को बढ़ाकर उसके निष्प्रभावी होने की पृष्ठभूमि तैयार कर दी जाती है.

इस प्रकार हम पाते हैं कि एंटीबायोटिक दवाओं के प्रचलन में आने के बाद अनेक बीमारियों के उपचार का रास्ता खुला. यहाँ सबसे महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य बात यह है कि एंटीबायोटिक दवाएं केवल और केवल बैक्टीरिया एवं फंगस जनित रोगों पर ही प्रभावकारी हैं. विषाणुओं (Virus) पर इनका कोई असर नहीं होता. इसके बावजूद आजकल डॉक्टर विषाणु जनित रोगों पर गैर एंटीबायोटिक्स के साथ एंटीबायोटिक दवा भी देते हैं, जिसकी तात्कालिक कोई उपयोगिता तो नहीं ही होती, लेकिन आगे आने वाले दिनों के लिए एंटीबायोटिक्स के प्रति रोगकारी बैक्टीरिया में सहिष्णुताजनित अव्यवस्था की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है. एंटीबायोटिक दवाएँ पूर्व में लाइलाज रहे लोगों में अत्यन्त उपयोगी हैं, लेकिन यदि इसे निर्धारित समय तक निर्धारित मात्रा में नहीं लिया जाएगा, तो रोगी की बीमारी जानलेवा भी हो सकती है. आज भारत में टी.बी. पुनः सिर उठाने लगी है. इसके मूल में रोगी का निर्धारित समय तक लगातार दवा न लिया जाना ही सबसे बड़ा कारण है.

एंटीबायोटिक दवाओं के साथ कुछ और भी खतरे जुड़े हुए हैं. विशेष रूप से जब लोग बिना डॉक्टर की सलाह लिए इसको लेते हैं और बिना जाने प्रयोग करते हुए निर्धारित मात्रा से अधिक या कम मात्रा का सेवन कर जाते हैं. उस स्थिति में इसके पार्श्व प्रभाव की सम्भावनाएँ बहुत बढ़ जाती हैं.

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहायक महानिदेशक डॉ. कीजी फुकुदा के अनुसार यदि समय रहते दुनिया भर में मिलकर गम्भीरता से कदम न उठाए गए, तो दुनिया रोगों के मामले में ऐसे भयानक युग की ओर बढ़ जाएगी, जहाँ साधारण बीमारियाँ भी जानलेवा साबित होंगी. हाल ही में इंगलैण्ड के चिकित्सक प्रो. डेम सैली डेविड ने इस खतरे को ग्लोबल वार्मिंग जितना ही खतरनाक बताया था. ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि यदि समय रहते एंटीबायोटिक्स प्रतिरोध के बढ़ते खतरे पर गम्भीरतापूर्वक व्यापक रूप से ध्यान नहीं दिया गया, तो दुनिया चिकित्सा के अन्धकार युग में चली जाएगी.

जारी है एंटीबायोटिक्स के विकल्प की खोज

जीवाणुओं को नष्ट कर उनसे फैलने वाली संक्रामक बीमारियों पर अंकुश के सर्वव्यापी साधन एंटीबायोटिक्स कई बार रोग पर काबू पाने में विफल नजर आते हैं. जीवाणुओं में एंटीबायोटिक्स के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता और उनकी आक्रामक प्रवृत्ति का सामना करने के लिए जैव-प्रौद्योगिकी को माध्यम बनाकर तथा जीवाणुओं की आनुवंशिकी का अध्ययन करके उनकी प्रतिरोधक क्षमता और आक्रामकता पर नियन्त्रण करने के लिए नये तरह के कार्यों की दिशा में शोधकार्य शुरू हो गया है.

एंटीबायोटिक दवाओं के द्वारा रोगाणुओं के विनाश की प्रक्रिया को वैज्ञानिकों द्वारा जानने के पश्चात् इस दिशा में काम कर रहे नीदरलैण्ड के वैज्ञानिकों ने इसके विकल्प को खोजने का दावा किया है. नीदरलैण्ड की बायोटिक फर्म 'मिसरियोस' के एक परीक्षण में अस्पताल में काम करने वाले लोगों पर शुरू में लाल चकत्ते के रूप में होने वाली एम.आर.एस.ए. जैसी खतरनाक बीमारी के जीवाणु नई दवा के सामने नहीं टिक पाए. यह नई दवा एक एंजाइम है, जो एम.आर.एस.ए. के जीवाणुओं को आगे बढ़ने से रोकने के साथ ही नेस्तनाबूत करती दिखाई पड़ी. रोगियों पर किए गए प्रयोग के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं से इंफेक्शन पैदा करने वाले बैक्टीरियाओं को ये नई दवा खत्म कर देती है. इस जैव तकनीक कम्पनी के मुख्य निदेशक मार्क आफरहॉस ने इस आविष्कार को एंटीबायोटिक जनित रोगों के विरुद्ध एक नये युग की शुरूआत बताया है. मार्क ऑफरहॉस का कहना है कि कुछ ही दिनों में इस फॉर्मूले से बनी दवाएँ बाजार में उपलब्ध हो जाएंगी. उनका कहना है कि इस फॉर्मूले से बनी दवाएँ पुराने तरीकों से हटकर, इंफेक्शन पैदा करने वाले जीवाणुओं पर तो सीधा हमला करेंगी, लेकिन अन्य रोगाणुओं से दूर रहेंगी.

इसी क्रम में संक्रमण के दौरान लम्बे समय तक रोगियों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की ऊतकों में जठरता की बीमारी (स्कलेरोसिस) से छुटकारे के लिए मिनोसाइक्लिन नामक नई दवा के प्रयोग को एक अच्छा उपचारक बताया जा रहा है. वास्तव में स्कलेरोसिस जैसी बीमारी का सम्बन्ध शरीर की केन्द्रीय तन्त्रिका प्रणाली से होता है. एंटीबायोटिक दवाओं में टेट्रासाइक्लिन परिवार की सदस्य दवा मिनोसाइक्लिन को स्कलेरोसिस पर प्रयोग के उपरान्त आशाप्रद परिणाम प्राप्त हुए. इसके प्रयोग से रोग की तेजी में कमी आई. इस दवा का चूहों पर प्रयोग किया गया था. प्रयुक्त चूहे मस्तिष्क ज्वर के प्रति प्रतिरक्षित थे. विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय में मेडीसिन न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर 'डी. डनकेन' ने अपने प्रयोग में पाया कि मिनोसाइक्लिन का प्रयोग जिन जानवरों के उपचार में किया गया. जाँच में उनके दिमाग की कार्यप्रणाली में किसी प्रकार की असामान्य गतिविधि नहीं पाई गई. इसके अतिरिक्त इस दवा का प्रयोग कम दिनों तक ही करना पड़ा. प्रो. डनकेन के अनुसार इस रोग से ग्रसित जानवरों की बाद में की गई तन्त्रिका प्रणाली के साथ ही पैथोलॉजिकल जाँच में सब कुछ ठीक मिला.

प्रो. डनकेन के उपचारक प्रयोग से प्राप्त परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि स्क्लेरोसिस जैसी बीमारी का बिना एंटीबायोटिक्स भी इलाज सम्भव है. संक्रामक रोगों के जीवाणुओं में बढ़ती प्रतिरोधी क्षमता से लड़ने के लिए जैव प्रौद्योगिकीय अध्ययन शुरू किया गया है. इसके अन्तर्गत इन संक्रामक जीवाणुओं की आनुवांशिकीय गतिविधियों एवं इतिहास का अध्ययन कर इनकी आक्रामक प्रतिरोधी क्षमता से बचाव के नये मार्गों की तलाश की जाएगी. आज भी जीवाणुओं को मारकर उनसे फैलने वाली संक्रामक बीमारियों पर रोक लगाने का श्रेष्ठतम् साधन माने जाने वाले एंटीबायोटिक्स कई बार रोगों पर असर दिखाने में नाकामयाब दिखाई देते हैं.

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट भी कम चौकाने वाली नहीं है. इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 'स्टेफिलोकोकस आयरिस' नामक जीवाणु 95 प्रतिशत से भी अधिक पेनिसिलिन नामक एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोधी पाए गए. यही नहीं 65 प्रतिशत जीवाणुओं पर पेनिसिलिन के अन्य तत्वों जैसे मैथिसिलिन नामक एंटीबायोटिक्स का प्रभाव नहीं हुआ. इसके अलावा अमरीका, यूरोप और जापान में कई जीवाणुओं को नाश करने वाली एंटीबायोटिक बैकोमाइसिन का भी इन पर असर नहीं दिखा.

शोध पत्रिका लेसेंट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार एंटीबायोटिक्स के अधिक प्रयोग से लोगों पर दवा के प्रभाव में कमी और बैक्टीरिया पर दवा के प्रभाव में गिरावट की आशंका बढ़ी है. इस रिपोर्ट में बताया

शेष पृष्ठ 103 पर

पारिस्थितिकी तंत्र लेख

संकटग्रस्त जैव-विविधता एवं मानव प्रजाति

✍ डॉ. सीमा कुलश्रेष्ठ, सहआचार्य

पृथ्वी पर जीवन की विभिन्नता पेड़-पौधों, प्राणियों, कीटों तथा सूक्ष्मजीवों की 8 मिलियन प्रजातियाँ उपस्थित हैं. यह जैविक धन हमारी प्राकृतिक विरासत ही नहीं, मानव का प्रमुख जीवनदायी सुरक्षा-कवच भी है. पिछले 50 वर्षों में जहाँ मानव-जनसंख्या 7·37 बिलियन पहुँच चुकी है, **'आई.पी.बी.-ई.एस.'** की मई, 2019 में जारी वैश्विक जैव-विविधता व पारिस्थितिकी-तंत्र आकलन रिपोर्ट ने, अगले 50 वर्षों में 1 मिलियन जन्तु व पादप-प्रजातियों को विलुप्त होने के कगार पर घोषित किया है, जो आज तक का मानव इतिहास का सबसे बड़ा छठा विलुप्तीकरण माना जा रहा है. 50 देशों के 145 विशेषज्ञों द्वारा तीन वर्षों में तैयार इस रिपोर्ट के अनुसार, 1600 से अब तक लगभग 40% उभयचर, 10% कीड़े-मकोड़े, 30% कोरल, 680 कशेरुकी व एक-तिहाई समुद्री स्तनधारी विलुप्त हो चुके हैं, जबकि 1000 प्रजातियाँ खतरे में हैं.

भारत में विश्व की 7-8% प्रजातियाँ (91,000 प्राणी-तथा 45,000 वनस्पति-प्रजातियाँ), जो यहाँ की विश्व की 18% जनसंख्या को प्राकृतिक-उत्पाद प्रदान करती हैं. विश्व के जलीय पौधों के 50% भारत में हैं. करीब 40,000 प्रजातियाँ अब भी रिकॉर्ड नहीं की जा सकती हैं, क्योंकि उन्हें पहचानने वाले विशेषज्ञ बहुत कम हैं. भारत की 310 स्थानीय प्रजातियों में से 41% खतरे में हैं. यहाँ 2015 में करीब 520 शेर, 30000 हाथी तथा 24 रन राइनो थे. गोडावण, घड़ियाल, इजिप्शियन गिद्ध व बंगाल फ्लोरीकन हमारी प्रमुख संकटग्रस्त प्रजातियाँ हैं. यद्यपि हमारे जंगल बढ़े हैं, स्थानीय प्रजातियां 20% घटी हैं, तो विदेशी प्रजातियां 70% बढ़ी हैं. हम 90% पारम्परिक औषधियों का आयात करते हैं. जैव-सुरक्षा समस्या के बावजूद हम आनुवंशिक संशोधित फसलें जैसे–बीटी कॉटन का उत्पादन करते हैं. यदि राजस्थान के संदर्भ में बात की जाए तो, हमारे पास 2034 एंजियोस्पर्म, एक जिम्नोस्पर्म, 140 क्रिप्टोगेम्स (3 लिवरवॉर्ट और हॉर्नवॉर्ट, 42 मॉस, 40 फर्न), 19 स्थानीय, 2 लुप्तप्राय प्रजातियाँ, ऑर्किड 14 और 157 औषधीय पौधे हैं. उधर, 114 मछली प्रजातियाँ, 14 उभयचर, 67 सरीसृप, 87 स्तनधारी और 510 पक्षी प्रजातियाँ राज्य में मौजूद हैं. इनमें 16 लुप्तप्राय स्तनधारी, 8 लुप्तप्राय सरीसृप, 3 गम्भीर रूप से लुप्तप्राय और 13 संवेदनशील प्रजातियाँ हैं. 15 स्तनधारी, 5 सरीसृप और 6 पक्षी प्रजातियाँ शेड्यूल 1 की हैं. एंडेमिक प्रजातियां अरावली रेड-स्पर फाउल, रेड-व्हिस्करड बुलबुल, व्हाइट-नेपड टिट जैसी पक्षी प्रजातियाँ हैं.

प्रकृति–मानव की सहायता 18 प्रकार से करती है, इसमें से 14 प्रकार घटते जा रहे हैं. सौभाग्य से खाद्य व ऊर्जा-उत्पादन धीमी गति से घट रहे हैं, जबकि स्वच्छ वायु, बढ़िया मिट्टी और स्वच्छ जल आदि तेजी से घट रहे हैं. जब भी कोई प्रजाति विलुप्त होती है तो उसकी खाद्य-शृंखला या खाद्य-जाल टूटने के कारण अन्य जातियाँ भी खतरे में आ-जाती हैं. इस विकराल समस्या के पीछे पाँच प्रमुख मानव-जनित कारण हैं–भू-उपयोग व समुद्र-उपयोग परिवर्तन, प्राणियों का सीधा शोषण, जलवायु-परिवर्तन, प्रदूषण तथा आक्रमणकारी प्रजातियाँ. शहरीकरण 300-400 मिलियन टन भारी धातुओं, विलायकों व विषैले-उत्पादों का प्रति वर्ष समुद्र में छोड़ना और रासायनिक खाद का समुद्र में प्रवेश 400 मृत समुद्री-क्षेत्रों (कुल क्षेत्रफल-245000 वर्ग किलोमीटर) को जन्म दे चुका है.

विश्व के 1000 मिलियन हेक्टेयर उष्ण-कटिबंधीय जंगल नष्ट हो चुके हैं और दो-तिहाई समुद्र व 85% भूमि या तो परिवर्तित हो चुकी है या हम खो चुके हैं. इसके दुष्परिणाम स्वयं मानव की ओर, उसकी बढ़ती जनसंख्या को खाद्य-सुरक्षा तथा स्वास्थ्य-सुरक्षा प्रदान करने की असमर्थता के रूप में लौट कर सामने आ रहे हैं. खाद्य व स्वास्थ्य सुरक्षा के खतरे में आने का प्रमुख कारण है, वैश्विक रूप में हमारे भोजन का समान होते जाना, जोकि एक खतरनाक प्रवृत्ति बन गई है. सम्पूर्ण विश्व में खाद्य केवल 12 में से 5 फसलों पर निर्भर हो गया है, जैसे–गेहूँ, मक्का, बाजरा, चावल, ज्वार आदि. विश्व का 75% भूमि व जल, फसलों और पशु-पालन की भेंट चढ़ चुके हैं. कृषि व भोजन के रूप में काम आने वाले 9% स्तनधारी विलुप्त हो चुके हैं. इसका परिणाम यह हुआ है कि कृषि पारिस्थितिकी-तंत्र असंतुलित हो गए और स्थानीय कृषि जैव-विविधता खतरे में पड़ गई. यही कारण है कि 'संयुक्त राष्ट्र संघ' ने वर्ष 2019 में 22 मई को मनाए जाने वाले "जैव-विविधता दिवस" की थीम, **"हमारी जैव विविधता, हमारे खाद्य, हमारा स्वास्थ्य"** रखी है, ताकि जैव-विविधता व पारिस्थितिकी-तंत्र पर हमारी खाद्य एवं स्वास्थ्य-सम्बन्धी निर्भरता के ज्ञान व चेतना का पूरे विश्व में प्रचार-प्रसार किया जा सके. इसके अतिरिक्त जलवायु-परिवर्तन अनुकूलन, इकोसिस्टम की पुनर्प्राप्ति एवं स्वच्छ जल भी इसमें शामिल हैं. अन्य देशों की तरह हमारे देश में भी पर्यावरण मंत्रालय 2020 के 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल' को प्राप्त करना असम्भव होने की घोषणा कर चुका है. 2030 के घोषित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सम्पूर्ण विश्व को अपने प्रयासों में आमूल-चूल परिवर्तन लाना होगा और यदि, हम इस अन्तिम अवसर में असफल रहे, तो जैव-विविधता व पारिस्थितिकी-तंत्र हानि की समस्या, मानव के विकास व सुरक्षा की समस्या के साथ-साथ, आर्थिक, सामाजिक व नैतिक समस्या भी बन जाएगी.

आखिर इस विकराल समस्या का हल क्या है? इसका हल ढूँढने के लिए हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा. विश्व की एक-चौथाई भूमि स्थानीय निवासियों द्वारा पारम्परिक तरीकों से प्रबंधित की जाती है, जिसमें से 35% भूमि पर मानव की दखलअंदाजी बहुत कम है, तथा 35% औपचारिक रूप से संरक्षित है, परन्तु यह भी मानव-जनित दबाव को झेल रही है और स्थानीय आजीविका को भी प्रभावित कर रही है, परन्तु यदि प्रत्येक व्यक्ति व्यक्तिगत स्तर पर अपने भोजन में विभिन्नताएं बढ़ाए, स्थानीय खाद्यान्न, फल-सब्जियाँ व मसाले प्रचुर मात्रा में पैदा करे, सन्तुलित रूप में प्रयोग में लाए, उनका प्रचार-प्रसार कर, मांस-मछली का प्रयोग सीमित करे, ताकि अपने पालतू पशुओं की प्रजातियों को सुरक्षित रख सके तो कोई कारण नहीं कि हम जैव-विविधता व पारिस्थितिकी-तंत्रों को न बचा पाएं. कई दुष्प्रभाव, जैसे जलवायु-परिवर्तन को हमारे खाद्य व ऊर्जा-उत्पादन तथा कचरा-निस्तारण के तरीकों को बदल कर रोका जा सकता है. इसके लिए सरकार, कम्पनियों तथा स्वयं लोगों को आगे आकर ठोस कदम उठाने पड़ेंगे.

खाद्य व स्वास्थ्य, सुरक्षा में राजस्थान नीचे से **पाँचवें** स्थान पर है और इसका प्रमुख शिकार बच्चे हैं. हंगर इंडेक्स में राजस्थान की रैंक **सातवीं** है. स्वास्थ्य के मामले में, अजमेर, भरतपुर, सीकर और राजसमंद सर्वाधिक बीमार जिले हैं. इन सबसे खाद्य-सुरक्षा कार्यक्रमों की योग्यता और परिणामों पर सवालिया निशान खड़े हो जाते हैं. भोजन की गुणवत्ता के माप पर खाद्य-सुरक्षा अति-शोचनीय दशा में है.

सिंगचुंग बुगुन ग्राम समुदाय रिजर्व प्रबंधन समिति, पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश. उमरु बीएमसी, ने रिजर्व के 17 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की रक्षा और संरक्षण के लिए तथा एक पक्षी प्रजाति बुगुन लियोइक्ला को संरक्षित करने के लिए **'राष्ट्रीय जैव-विविधता पुरस्कार 2018'** जीता. ये क्षेत्र में पाए जाने वाले दुर्लभ वन्यजीव संसाधन हैं. पिथौराबाद बीएमसी, सतना, मध्य प्रदेश और कोरिंगा बीएमसी पूर्वी गोदावरी, आंध्र प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ चुना गया है. उत्तराखण्ड में दुधई जैव-विविधता प्रबंधन समिति ने अवैध रेत खनन और पुनर्जीवित नदी पारिस्थितिक-तंत्र पर प्रतिबंध लगा दिया है. अरुणाचल प्रदेश ने जीरो घाटी के पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण और पुनरुद्धार, पेड़ों की कटाई को रोकना, जनजातियों और ग्रामीणों द्वारा वन-उपज की खपत की जाँच, मिट्टी के क्षरण और पानी के दूषित होने को कम करने के लिए **'राष्ट्रीय जैव-विविधता पुरस्कार 2016'** का उपविजेता पुरस्कार जीता.

भारत में कुल वनाच्छादित (फॉरेस्ट) क्षेत्रफल (2017) 21·54% (708273 वर्ग किमी) है, जबकि सन्तुलित पर्यावरण हेतु 33% वन क्षेत्रफल होना चाहिए. वृक्षों की कटाई पर रोक लगनी चाहिए. चूँकि, **'वन' (FOREST)** हमें 5 चीजें देता है यथा– **F**-फूड-Food; **O**-ऑक्सीजन (O_2).. **R**-वर्षा–Rainfall; **E**-पर्यावरणीय सुरक्षा–Envrionmental Protection; **S**-मृदा क्षरण रोकने में मददगार-Helps in Soil-Erosion Protection/ conservation एवं **T**-लकड़ी Timber और **अन्त** में फण्ड.

स्थानीय प्रशासन, स्थानीय पंचायत-समितियां तथा राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड वारा द्वारा लगभग 100 जैव-विविधता समितियां बनाई जा चुकी हैं. यदि, ये जैव-विविधता समितियां स्थानीय स्तर पर खाद्य व स्वास्थ्य-सुरक्षा के लिए जैव-विविधता को बचाने का कार्य करें, तो यह कार्य हमारे मूलभूत स्तर पर विभिन्न योजनाओं द्वारा किया जा सकता है. यदि हमें सम्पूर्ण मानव जाति को विनाश से बचाना है तो अपनी प्राकृतिक विरासत को बचाए रखना और भावी पीढ़ियों को यह कर्तव्य निभाते हुए आमूल-चूल परिवर्तन लाना ही होगा, वरना मानव सम्पूर्ण विनाश के लिए तैयार रहे.

●●●

शेष पृष्ठ 99 का

योजना आयोग जैसी संस्थाओं ने जहाँ आर्थिक मोर्चे पर सहकारी संघवाद का गला घोंटा है, वहीं भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की समवर्ती सूची पर केन्द्र के लगभग एकाधिकार ने राज्यों को राजस्व सृजन के नवीन स्रोतों के सृजन के रास्ते ही बन्द कर दिए हैं. कांग्रेस के शासनकाल में देश के लगभग सभी सत्ताधारी दल एक स्वर से संघीय सूची एवं राज्य सूची में शामिल करों (राजस्व के स्रोतों) से इतर अवक्षेपित स्रोतों (Residual Sources) के सृजन का अधिकार माँगते रहे हैं. वर्तमान में यह स्थिति है कि यदि कोई कर संघीय सूची एवं राज्य सूची दोनों में से किसी में भी नहीं है, तो केन्द्र सरकार उसे लागू कर देती है, जैसेकि सेवाओं पर कर.

राजनीतिक स्तर पर राज्य सरकारें समय-समय पर संघीय सरकार के कोप-भाजन का शिकार होती रही हैं. राज्यपालों की तथाकथित 'सलाह' पर राज्यों की सरकारों को बर्खास्त करके वहाँ राष्ट्रपति शासन लगाया जाता रहा है. 2016 में अरुणाचल प्रदेश तथा उत्तराखण्ड में सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से ही राज्य सरकारें बहाल हो सकीं. केन्द्र में सरकार बदलने पर राज्यपालों की बर्खास्तगी में सहकारी संघवाद की भावना के प्रतिकूल है.

सहकारी संघवाद को सुदृढ़ किए जाने हेतु निम्नलिखित उपाय किए जाने चाहिए–

- समवर्ती सूची के विषयों पर कानून बनाने के मामले में राज्यों एवं केन्द्र के बीच एक व्यापक सहमति.
- राज्यों के राज्यपालों द्वारा राष्ट्रपति के अनुमोदन हेतु आरक्षित राज्यों के विधेयकों का निस्तारण 6 माह के भीतर हो जाना चाहिए.
- अन्तर्राष्ट्रीय संधियों में राज्यों, विशेषकर सीमावर्ती राज्यों की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका होनी चाहिए.
- संयुक्त राज्य अमरीका की तरह राज्य सभा में प्रत्येक राज्य को समान प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए.
- अन्तर्राज्यीय परिषद् एवं जोनल परिषदों की नियमित बैठकें होनी चाहिए.
- अखिल भारतीय सेवाओं का विस्तार करके उनमें स्वास्थ्य, न्यायिक, शिक्षा आदि क्षेत्रों की सेवाओं को भी शामिल किया जाना चाहिए.
- राज्यपालों की नियुक्ति राजनीतिक निष्ठा के आधार पर नहीं की जानी चाहिए. इनका कार्यकाल निश्चित होना चाहिए तथा इन्हें पदच्युत करने का तरीका वही होना चाहिए, जो राष्ट्रपति के लिए है.
- राज्यपाल का पद सत्ताधारी दल के चुनाव में पराजित नेताओं को उपकृत करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए.

●●●

शेष पृष्ठ 101 का

गया है कि अध्ययन में शामिल कुछ देशों में आधे से ज्यादा लोगों पर एंटीबायोटिक्स का प्रभाव नगण्य रहा. बैक्टीरिया में प्रतिरक्षा क्षमता पैदा हो जाना जैविक गतिविधि की एक मान्य प्रक्रिया है, लेकिन एंटीबायोटिक्स दवाओं के बेतहासा प्रयोग के चलते स्थिति और भी जटिल होती जा रही है. बगैर डॉक्टर की अनुमति के इन दवाओं के सेवन के साथ ही मरीज के द्वारा दवा का निर्धारित पूरा डोज और कोर्स न लिया जाना इसका सबसे बड़ा कारण है.

प्रचीन चिकित्सा पद्धतियाँ : एंटीबायोटिक्स का एक विकल्प

विश्व की प्राचीनतम् चिकित्सा व्यवस्थाओं में प्रयुक्त अनेक वनौषधियों में एंटीबायोटिक्स गुण पाए जाते हैं. आयुर्वेद में एंटीबायोटिक्स के रूप में नीम, हल्दी, तुलसी जैसी अनेक भारतीय मूल की वनस्पतियों, में जीवाणुरोधक गुण प्रमाणित हैं. आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय मूल की इन लुप्तप्राय वनौषधियों का व्यापक संरक्षण करते हुए इन पर आधुनिक तकनीक और साधनों के माध्यम से शोध कर उनमें पाए जाने वाले एंटीबायोटिक्स तत्वों को अलग कर तथा औषधि का निर्माण कर जीवाणु जनित रोगों के उपचार में प्रयुक्त किया जाए. इसी प्रकार चीन की प्राचीन परम्परागत चिकित्सा पद्धति में भी इस प्रकार की व्यापक सम्भावनाएँ सुलभ हैं, जिन पर आधुनिक संसाधनों से काम करके जीवाणु जनित रोगों पर विजय पाना सम्भव है.

पश्चिमी जगत् आधुनिक चिकित्सा में चीन, भारत, मिस्र और तिब्बत जैसे प्राचीन देशों से आगे है. वहाँ की सरकारें और मल्टीनेशनल कम्पनियों का ध्यान ज्यादा-से-ज्यादा धन बटोरने के लिए विश्व की खनिज और औषधीय सम्पदाओं पर रहता है, वे रोगोपचार की आड़ में अमानवीय कार्य करने से भी नहीं हिचकिचाती हैं. आज अपने शोध के बल पर पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ पेटेन्ट के रूप में दवाओं की कमाई से भारी धनराशि से अपने खजाने को भरने में लगी हैं. उनके दवा के व्यापार का मकड़जाल अविकसित और विकासशील देशों में फैला हुआ है. दवाओं और शस्त्रों का व्यापार पश्चिमी देशों के सरकारों और वहाँ की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की आय का सबसे बड़ा आर्थिक स्रोत है. ऐसे में पश्चिमी सरकारें और बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ दुनिया की प्राकृतिक सम्पदायों से सम्पन्न देशों की वनस्पतियों पर कब्जा करके, उनका अपने नाम पेटेन्ट कराकर तथा उनसे बनी औषधियों को गरीब देशों में बेच अपने एकाधिकार के बल पर भारी मुनाफा कमाने में विश्वास करती हैं. हल्दी और नीम का पेटेन्ट कराने का प्रयास इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है.

●●●

राष्ट्रीय नैतिकता लेख

भारत में भ्रष्टाचार : कारण एवं निवारण

✍ विभा त्रिगुणायत

भ्रष्टाचार का अभिप्राय

भ्रष्टाचार, जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि यह दो शब्दों से मिलकर बना है– भ्रष्ट + आचार. भ्रष्ट का अर्थ होता है– बिगड़ा हुआ तथा आचार का अर्थ होता है– आचरण. इस प्रकार हम कह सकते हैं कि 'बिगड़ा हुआ आचरण' ही भ्रष्टाचार है. भ्रष्टाचार समाज की जटिल समस्या है, जिसने सम्पूर्ण समाज को प्रभावित कर रखा है. भ्रष्टाचार रूपी समस्या से विश्व के प्रत्येक देश ग्रसित हैं. इसकी व्यापकता कम या अधिक हो सकती है, परन्तु कोई भी देश भ्रष्टाचार से पूर्णतः मुक्त नहीं है. हमारा देश भारत भी भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है. भारतीय समाज अब उपभोक्तावादी समाज बन गया है. परिणामस्वरूप बाजार, धन व अनैतिक आचरण ने भ्रष्टाचार की दिशा व दशा को मजबूत बना दिया है.

भ्रष्टाचार को अंग्रेजी भाषा में 'Corruption' कहा जाता है, जिसकी व्युत्पत्ति लैटिन भाषा के 'Corrutus' से है, जिसका आशय है–तौर-तरीके और नैतिकता में आदर्शों का टूट जाना, घूस लेना आदि. वह आचरण जो किसी प्रकार से अनैतिक या अनुचित हो 'भ्रष्टाचार' कहलाता है. भ्रष्टाचार में संलिप्त व्यक्ति अपने निजी स्वार्थ पूर्ति के लिए प्रशासनिक, सामाजिक, नैतिक व वैधानिक मानदण्डों का उल्लंघन करता है. विधि द्वारा मान्य नियमों के विरुद्ध अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए सार्वजनिक सत्ता के दुरुपयोग को ही भ्रष्टचार कहा जाता है. संथानम समिति ने भ्रष्टाचार के सन्दर्भ में कहा था–"अपने कर्तव्यों से हटकर निजी हित साधने हेतु किसी प्रकार की कार्यवाही करना या न करना ही भ्रष्टाचार है."

भारत में भ्रष्टाचार

भारत में भ्रष्टाचार, चर्चा व आन्दोलन का प्रमुख विषय रहा है. आजादी के एक दशक बाद से ही भारत भ्रष्टाचार के दलदल में धँसता नजर आने लगा था तथा उस समय संसद में इस बात पर बहस भी होती थी. 21 दिसम्बर, 1963 को भारत में भ्रष्टाचार के खात्मे के सन्दर्भ में संसद में डॉ. राममनोहर लोहिया ने जो भाषण दिया वह आज भी प्रासंगिक है. भारत में लोहिया ने कहा था–

"सिंहासन और व्यापार के बीच सम्बन्ध भारत में जितना दूषित, भ्रष्ट और बेईमान हो गया है उतना दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं हुआ.."

भ्रष्टाचार से देश की अर्थव्यवस्था व व्यक्ति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. भारत में राजनीतिक व नौकरशाही का भ्रष्टाचार बहुत ही व्यापक है. इसके अलावा न्यायपालिका, मीडिया, सेना, पुलिस आदि में भ्रष्टाचार व्याप्त है. ट्रांसपेरेंसी इण्टरनेशनल द्वारा जारी किए गए 'वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक' (2018) में 180 देशों की सूची में भारत 78वें स्थान पर रहा. इस सर्वेक्षण के अनुसार, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र अर्थात् 'सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा' एशिया महाद्वीप में सबसे भ्रष्ट देशों की श्रेणी में पाया गया.

भारत के सन्दर्भ में भ्रष्टाचार प्रकरण पर विश्लेषण किया गया, तो पता चला कि यहाँ भ्रष्टाचार गरीबी के कारण फला-फूला है. अधिक-से-अधिक वैभव-सम्पन्न सुविधाएं जुटाने की चाह व्यक्ति को भ्रष्ट बनाती है. दुनिया के बड़े देश भी अपने यहाँ कार्यरत् धनी भारतीयों को देखकर इस बात से हैरान होते हैं कि अपार धन-सम्पदा, मानव-संसाधन, शक्ति व प्राकृतिक सम्पदा से सम्पन्न होते हुए भी भारत इतना भ्रष्ट व निर्धन देश क्यों है ? इसका सही उत्तर यही है कि हम वस्तुतः गरीब नहीं, बल्कि इसके लिए हमारी नीतियाँ व राजनीतिक व्यवस्था दोषी है. जिम्मेदार लोगों का भ्रष्ट आचरण ही हमारे लोकतान्त्रिक जीवन की सबसे बड़ी विसंगति बन गई है.

राजनीतिक भ्रष्टाचार

राजनीतिक दलों ने राजनीति को लूट-खसोट का माध्यम बना लिया है. देखते-ही-देखते ये नेता, मंत्री, सांसद, विधायक मालामाल हो जाते हैं और देश की जनता भ्रष्टाचार तथा मँहगाई की चक्की में पिसती रहती है. राजनीति में नैतिकता नाम की चीज का पतन हो गया है. जैसा कि अक्सर हमें देखने को मिलता है कि राजनेता अपना दल बदलकर दूसरे दल में चले जाते हैं तथा बड़े ही भ्रष्ट तरीके से अपनी निष्ठा में परिवर्तन कर देते हैं. राजनीति में धन की आवश्यकता को भी नकारा नहीं जा सकता है. अक्सर हमें देखने को मिलता है कि नेताओं द्वारा पहले वोट खरीदने में लाखों का निवेश किया जाता है तथा चुनाव बाद घूस के माध्यम से निवेश की रकम वसूल की जाती है.

नौकरशाही एवं भ्रष्टाचार

इस प्रकार राजनीति एक व्यापार बन गया है. भारत में मंत्रालयों, चिकित्सालयों, प्रशासन, शिक्षा, मन्दिरों, अदालतों, व्यापार व वाणिज्य सभी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त हैं. ईमानदारी व सत्यनिष्ठा तो केवल कहने के गुण रह गए हैं. आज पैसे से हर चीज खरीदी जा सकती है. हर किसी की कुछ-न-कुछ कीमत बन गई है.

सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो. योगेन्द्र सिंह के अनुसार ऐतिहासिक दृष्टि से भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी ऐसी व्यवस्था में पनपती है, जहाँ आर्थिक संसाधनों से सम्पन्न एवं सशक्त वर्ग के लोग काम करते हैं और कानूनी व नैतिक नियमों आदर्शों के प्रतिकूल व्यवहार करते हैं. इस वर्ग में नौकरशाह, राजसत्ता व उद्योग से जुड़े लोग सम्मिलित हैं. उपहार, सुविधा, शुल्क, पैसे आदि से सशक्त वर्ग से सम्पर्क करने का प्रयास भी भ्रष्टाचार का ही एक रूप है, जो भारत में अंग्रेजों के समय से चला आ रहा है.

भ्रष्टाचार का ऐतिहासिक सन्दर्भ

भ्रष्टाचार व घूसखोरी कोई नई अवधारणा नहीं है. वर्षों पूर्व हिन्दू विधि के प्रवर्तक महर्षि मनु ने मनुस्मृति में तत्कालीन समाज में व्याप्त घूसखोरी का स्पष्ट शब्दों में उल्लेख किया है. आचार्य कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में लिखा है–"जिस प्रकार तालाब में तैरती मछली कब पानी गटक जाती है कोई देख नहीं सकता, उसी प्रकार नौकरशाही में अधिकारी वर्ग कब भ्रष्ट आचरण करे, यह पता लगाना मुश्किल है." कौटिल्य ने अपने ग्रन्थ अर्थशास्त्र में भ्रष्टाचार के 40 रूपों का वर्णन करते हुए इस बात पर विशद् रूप से चर्चा की है. वर्षों से जिस तरह जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए राजनीतिकों, न्याय-पुलिस-प्रशासन व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों, पत्रकारों, उद्योगपतियों के द्वारा भ्रष्टाचार को संरक्षण देते या लिप्त होते पाया गया है, उसे देखकर लोगों को चाणक्य की कही यह बात याद आ जाती है–आसमान में उड़ती हुई चिड़िया की उड़ान से रास्ते का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है, परन्तु लोगों के भ्रष्ट आचरण के तरीकों का पूर्वानुमान लगाना बहुत कठिन है.

भ्रष्टाचार में बढ़ोतरी

भ्रष्टाचार के अन्तर्गत गैर-कानूनी ढंग से कमाई करना, बेईमानी, छल-कपट, विश्वासघात, जालसाजी, अनैतिकता, पक्षपात, रिश्वत लेना-देना, चोरी करना या करवाना, असत्य का आचरण करना आदि विविध

बातों को शामिल किया जाता है. आजकल भ्रष्टाचार की जगह एक नया शब्द प्रयोग किया जाने लगा है, वह शब्द है–अवचार या दुराचार (Misconduct). दुराचार अपने में भ्रष्टाचार को शामिल करता ही है, बल्कि यह उन आचरणों को भी शामिल करता है, जो उस पद से अपेक्षित आदर्शों से गिरे हुए है. राजनीतिक भ्रष्टाचार दुराचार का एक रूप है. प्रो. योगेन्द्र के अनुसार, स्वतन्त्रता पूर्व भारत में भ्रष्टाचार बहुत कम था, क्योंकि उस समय मध्यम वर्ग बहुत छोटा था. स्वतन्त्रता पश्चात् भ्रष्टाचार में बढ़ोतरी हुई. राजसत्ता में प्रत्यक्ष नियोजन, पूँजी लागत की प्रक्रिया आदि के द्वारा नौकरशाही, प्रशासन, व्यापार व प्रबन्ध के क्षेत्र में ऐसे वर्गों का विकास हुआ, जिसमें रिश्वतखोरी व भ्रष्टाचार की सम्भावना अधिक थी. स्वतन्त्रता के दो दशक तक भारत में नौकरशाही व राजनीतिक नेतृत्व ईमानदारी को प्रोत्साहित करते रहे.

1970 के दशक के बाद भारत में भ्रष्टाचार में बढ़ोतरी हुई. राजनीतिक पार्टियों के विघटन, नवीन पार्टियों के जन्म, क्षेत्रवाद, जातिवाद, भाषावाद तथा सम्प्रदाय-वाद का राजनीति में सम्मिलित होने से लोक जीवन में भी भ्रष्टाचार फैलने लगा. राजनीति में परिवर्तन तथा कुछ राजनीतिक नेताओं की अत्यधिक उच्च व व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं ने राजनीति में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है. भारत में खुली प्रतियोगिता पर आधारित अर्थव्यवस्था ने नौकरशाही, औद्योगिक घरानों एवं राजनीतिक प्रतिष्ठानों की जेबें भरने का कार्य किया है. भारत में भ्रष्टाचार को फैलाने में मध्यम वर्ग की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि ये वर्ग छोटे-छोटे लाभों के लिए इतना लिप्त रहता है कि भ्रष्टाचर की घटनाओं को रोकने के बजाए उसे नजरअंदाज करता है. एक तरफ मध्यम वर्ग भ्रष्टाचार को बुरा मानता है, लेकिन दूसरी तरफ उसमें अपनी भागीदारी बुरी नहीं लगती. इस 'समझौता परस्त मान-सिकता' ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है.

भ्रष्टाचार का मनोविज्ञान

सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अरूणा बूटा ने भ्रष्टाचार के मनोविज्ञान को बड़े रोचक ढंग से समझाया है. उनके अनुसार, भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण मूल्यों में होने वाला ह्रास तथा समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में आने वाली कमी है. प्रतिबद्धता में कमी होते ही व्यक्ति का आत्मविश्वास डगमगाने लगता है तथा जहाँ भी उसे थोड़ा बहुत फायदा या लाभ दिखाई देता है, वह उसी तरफ झुकने लगता है. प्रत्येक व्यक्ति अवसर मिलने पर भ्रष्टाचार करने से नहीं चूकता है. आज हम भ्रष्टाचार के इतने आदी हो गए हैं कि हमें खुद भी एहसास नहीं होता कि हमारा कौनसा व्यवहार भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है ? अगर ये कहा जाए कि आज के समय में वही व्यक्ति ईमानदर है, जिसे बेईमानी करने का मौका नहीं मिला, तो अतिश्योक्ति नहीं होगी. यदि कोई व्यक्ति कहता है कि वह जनता की सेवा करने के लिए आया है, तो वह गलत कहता है उसके दिमाग में ताकत या सत्ता की अतृप्त भूख होती है. इसलिए जिसमें ताकत की चाह अधिक होती है, वही राजनीति में सक्रिय होता है. चौधरी चरण सिंह कहते थे कि भ्रष्टाचार को ऊपर से ही रोका जा सकता है, नीचे से नहीं, क्योंकि वह ऊपर से नीचे की ओर प्रवाहित होता है.

भ्रष्टाचार एवं न्याय व्यवस्था

आश्चर्य नहीं कि भारतीय समाज में भ्रष्टाचार के सबसे व्यस्त व अपराधी अड्डे अदालतों के परिसर हैं. गांधी जी ने कहा था, अदालत न हो तो हिन्दुस्तान में न्याय गरीबों को मिलने लगे. न्याय का मौलिक सिद्धान्त है कि विलम्ब का मतलब न्याय को नकारना होता है. देश की अदालतों में जब करोड़ों मामलों में न्याय नकारा जा रहा हो, तो आम आदमी के लिए न्याय पाना आकाश से तारे तोड़ने जैसा होगा. मुकदमें के निपटारे में विलम्ब का एक कारण भ्रष्टाचार भी है. आमतौर पर कहा जाता है कि उस वकील के पास जाइए, वह निश्चित रूप से आपकी जमानत करवा देगा. वह 'निश्चित रूप से' का एक अर्थ होता है, यही भ्रष्टाचार है. बार काउन्सिल का दावा है कि देश में 45% फर्जी वकील हैं. हकीकत तो यह है कि न्यायपालिका की शिथिलता व अकुशलता से अपराध व आतंकवाद तक को बढ़ावा मिल रहा है.

भ्रष्टाचार एवं सैन्य क्षेत्र

सैन्य क्षेत्र भी भ्रष्टाचार से अछूता नहीं रहा. सेना से जुड़े कुछ भ्रष्टाचार के मामले हैं, जिनमें बोफोर्स घोटाला, सुकना जमीन घोटाला, अगस्त वेस्टलैण्ड हेलिकाप्टर घोटाला आदि प्रमुख रहे हैं. इस तरह के घोटाले, पुरस्कार व प्रोत्साहन के लिए फर्जी मुठभेड़ों की सामने आयी घटनाएं ये दर्शा रही हैं कि भारतीय सेना में भी अब वह लोग घुस चुके हैं, जिन्होंने वर्दी देश की सुरक्षा के लिए नहीं पहनी है.

भ्रष्टाचार एवं मीडिया

लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ कहा जाने वाला मीडिया भी भ्रष्टाचार से ग्रसित है. राजनैतिक भ्रष्टाचार पर किए शोध बताते हैं कि यदि संचार माध्यम स्वतन्त्र व निष्पक्ष हो, तो इससे सुशासन को बढ़ावा मिलता है, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलती है. भारत में 1955 ई. में अखबार के मालिकों के भ्रष्टाचार के मुद्दे संसद में उठते थे. आज मीडिया में भ्रष्टाचार इस सीमा तक बढ़ गया है कि मीडिया के मालिक काफी तादाद में संसद में बैठते दिखाई देते हैं अर्थात् भ्रष्ट मीडिया व भ्रष्ट राजनेता मिलकर काम कर रहे हैं. आजादी के बाद लगभग सभी बड़े समाचार-पत्र पूँजीपतियों के हाथों में आ गए हैं. इनके हित निश्चित होते हैं, इसलिए आवाज उठती है कि मीडिया बाजार के चंगुल में है. बाजार का उद्देश्य ही है अधिक-से-अधिक लाभ कमाना.

पत्रकार शब्द की जगह अब न्यूज बिजनेस शब्द का प्रयोग हो रहा. कुछ सम्पादकों की कलम का प्रयोग हो रहा. कुछ सम्पादकों की कलम सत्ता के स्तम्भों व मालिकों की ओर देखती हैं. 2जी स्पैक्ट्रम घोटाले ने देश में भ्रष्टाचार को लेकर एक नई इबादत लिख दी. इस पूरे मामले में जहाँ राजनीतिक माहौल भ्रष्टाचार की गिरफ्त में दिखा, वहीं लोकतन्त्र का प्रहरी मीडिया भी भ्रष्टाचार में फँसी दिखी. नीरा राडिया प्रकरण ने मीडिया के अन्दर के उच्चस्तरीय कथित भ्रष्टाचार को सामने ला दिया है तथा मीडिया की पोल खोल दी. छोटे स्तर पर पत्रकारों के भ्रष्ट होने के पीछे सबसे बड़ा कारण आर्थिक शोषण का है. पत्रकारों से 10 से 12 घण्टे काम लिया जाता है तथा कम-से-कम मासिक वेतन दिए जाते हैं. इसके अतिरिक्त ऊपर से प्रबन्धक की मर्जी जब चाहें नौकरी पर रखे या निकाल दें.

भ्रष्टाचार एवं सामाजिक जीवन

सामाजिक जीवन भी भ्रष्टाचार से अछूता नहीं. आए दिन हमें हत्या, चोरी, रेप जैसी घटनाएं सुनने को मिलती हैं, जो भ्रष्टाचार के ही स्वरूप हैं. डॉ. रघुवंश लिखते हैं, सामाजिक जीवन के भ्रष्टाचार को दूर करना देश की प्रगति के लिए अनिवार्य है, क्योंकि सही नीति या योजना भ्रष्ट तन्त्र के द्वारा क्रियान्वित नहीं हो सकती तथा शासनतन्त्र की भ्रष्टता सामाजिक भ्रष्टता से जुड़कर अटल हो गई है. इन सबको संरक्षण सरकार से मिलता है.

भ्रष्टाचार के कारण

हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहराई तक समाहित हैं. इसके मूल में अनेक कारण हैं, जो भ्रष्टाचार के लिए उत्तरदायी होते हैं, जिनका वर्णन निम्नलिखित है–

ऐतिहासिक कारण–भारत में भ्रष्टाचार की जड़ें ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन में निहित है. ब्रिटिश शासन चहुँमुखी विकास का पक्षधर नहीं था. अंग्रेजों द्वारा 'फूट डालो और शासन करो' की नीति अपनायी गई, जिससे भ्रष्टाचार ने भारत में जन्म लिया. बड़े-बड़े राजा-महाराजा ने भी अंग्रेजों के साथ मिलकर सत्ता और पूँजी के लालच

में लिप्त होकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया. ब्रिटिश शासन ऊँचे पदों पर अंग्रेजों को नियुक्त करता था, उन्हें ऊँचा वेतन देता था तथा वहीं निम्न पदों पर भारतीयों को नियुक्त करता था तथा कम वेतन दिए जाते थे, जिस कारण वे भ्रष्ट तरीके अपनाते थे, तब से लेकर आज तक भ्रष्टाचार बहुत तीव्रता से बढ़ रहा है.

आर्थिक कारण–भ्रष्टाचार के लिए आर्थिक भूमि भी उपजाऊ हो जाती है. वेतनमानों से अपर्याप्त पारिश्रमिक तथा जीवन निर्वाह का बढ़ता हुआ व्यय सम्भवतः भ्रष्टाचार के महत्वपूर्ण कारणों में एक है. आधुनिकीकरण व औद्योगीकरण के साथ-साथ प्रतिस्पर्द्धात्मक भौतिक जीवन दर्शन भी बढ़ा है. आज हमारी सारी शिक्षा प्रतिस्पर्द्धा के आधार पर होती है. हमें सिखाता है कि हर क्षेत्र में सफलता ही प्राप्त नहीं करनी है, बल्कि उस कार्य क्षेत्र में लगे अन्य व्यक्तियों से आगे भी निकलना है. अतः व्यक्ति जल्दी ही चाहे जैसे हो सफलता प्राप्त करना चाहता है. विकासशील देशों में साधनों की कमी है, जिसके कारण कुछ वस्तुओं के नियन्त्रण के लिए लाइसेंस व कोटा सिस्टम होता है, परन्तु जहाँ कहीं भी ऐसी व्यवस्था होती है, वहाँ भ्रष्टाचार पनपने के अवसर अधिक होते हैं. विकासोन्मुख समाजों में इतने बढ़ते हुए महत्वाकांक्षा स्तर की माँगों की पूर्ति के लिए पर्याप्त साधनों का अभाव होता है. इससे व्यक्ति निराश होता है तथा उसके नैतिक बन्धन कमजोर होने लगते हैं और वह भ्रष्ट मार्ग अपनाने के लिए तैयार हो जाता है.

भ्रष्टाचार के पारिस्थितिकीय कारण–सरकारी सेवा में भ्रष्टाचार का सबसे महत्वपूर्ण कारण तेजी से हुआ नगरीकरण तथा औद्योगीकरण है. इस प्रक्रिया में मौलिक सम्पत्ति व आर्थिक शक्ति ही समाज में प्रतिष्ठा और महत्व निर्धारित करती है. प्रायः देखा जाता है कि घनी बस्तियों व सीमावर्ती क्षेत्रों में भ्रष्टाचार अधिक होता है. कुछ लोकनेता इसके विरुद्ध आवाज उठाते हैं, परन्तु वे इतने अल्पसंख्यक व असंगठित हैं कि संगठित भ्रष्टाचार के विरुद्ध शक्तिहीन हो जाते हैं. लासवेल के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाली जनसंख्या के राजनीतिक व सामाजिक मामलों पर दृष्टिकोण भी भिन्न-भिन्न है. गरीब व गन्दी बस्तियों में रहने वाले व्यक्ति राजनीतिक स्थिति की व्याख्या प्रायः दो दृष्टियों से करते हैं–एक तो उन्हें नागरिक संगठनों से रोजगार मिलता रहे तथा दूसरा उन्हें नागरिक संगठनों से रोजगार मिलता रहे तथा दूसरा उन्हें अवैध इच्छाओं की पूर्ति के लिए सरल सुविधाएं मिलती रहें. इसलिए वे नागरिक प्रशासन के भ्रष्ट रूप को बनाए रखने में रुचि रखते हैं, क्योंकि उनकी रोजी-रोटी का सवाल इससे जुड़ा है.

राजनीतिक व प्रशासकीय कारण–राजनीति का लक्ष्य शक्ति प्राप्त करके इसे बनाए रखना है तथा उसका प्रयोग अपने तथा अपने दल के लिए करना है. सत्ता की राजनीति में नैतिक आदर्शों व राष्ट्रीय हितों के लिए कम ही स्थान रह पाता है. सत्ता प्राप्त करने के लिए धन व अन्य हथकण्डों का प्रयोग होता है. जब राजनेता ही भ्रष्ट है, तो सामाजिक जीवन कैसे अच्छा रह सकता है ? भारतीय परिवेश आज कुर्सीवाद पर सिमट गया है. कुर्सी (सत्ता) के लिए हमारे राजनेता कोई भी सीमा पार करने को तैयार हैं. भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में नौकरशाही व्यवस्था भी पीछे नहीं. सरकारी कार्यालयों का जटिल व बोझिल काम-काज तथा लम्बी प्रक्रिया (लालफीताशाही) भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है. भारत में कानून की जटिल व लम्बी प्रक्रिया है तथा औपचारिकता दुरूह है. सामान्य व्यक्ति के लिए उसको समझ सकना कठिन है. छोटे-से-छोटे कर्मचारी से लेकर बड़े अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं.

राजसत्ता का निजीकरण–राजनेताओं को जब लगा कि नौकरशाही के भ्रष्टाचार में पर्याप्त अतिरिक्त मूल्य पैदा नहीं होता, तो उन्होंने इस रास्ते को अपनाया. जैसे–अमरीका में सैन्य-औद्योगिक गठजोड़ का राज तथा हमारे यहाँ अपराधी-नेता-औद्योगिक गठजोड़ का. यह एक वैश्विक प्रक्रिया है.

व्यक्तिगत कारण–कभी-कभी मनुष्य के जीवन में कुछ ऐसी विषम परिस्थितियाँ आ जाती हैं, जिनका सामना वह सामान्य संवैधानिक तरीकों से नहीं कर पाता. कहा जाता है–बुभुक्षित किं न करोति पापम् अर्थात् भूखा व्यक्ति कौनसा पाप नहीं करता ? नौकरी ढूँढ़ने पर भी काम न मिलना अपनी बहन-बेटियों के लिए दहेज के प्रबन्ध या ऐसे काम का मिलना, जिसमें दो समय का पर्याप्त भोजन भी ना मिले, व्यक्ति को भ्रष्टाचार के मार्ग पर आगे बढ़ाता है. आवश्यकता की पूर्ति के अभाव में पीड़ित व्यक्ति भ्रष्टाचार के हाथों बड़ी सरलता से बिक सकता है.

सरकारी कर्मचारियों के लिए अनुचित संरक्षण की व्यवस्था–भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 में सरकारी कर्मचारियों को संरक्षण देने का प्रावधान है. अनुच्छेद 311 ने कर्मचारियों के प्रति होने वाले प्रभावी कार्यवाही को कठिन बना दिया है. भ्रष्ट कर्मचारियों से उच्च अधिकारियों की साँठ-गाँठ होने के कारण भ्रष्ट कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की उच्च अधिकारियों की अनिच्छा से स्थिति और गम्भीर बन गई है.

कठोर जनमत का अभाव–लोग भ्रष्ट कर्मचारियों के विरुद्ध सरकार को शिकायत नहीं करते हैं, बल्कि अपनी गलत माँगों की पूर्ति व अपने कार्यों की सहूलियत के लिए रिश्वत देते हैं. अतः कठोर जनमत के अभाव के कारण भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा.

व्यक्ति में असन्तोष की प्रवृत्ति–मनुष्य कितना भी कुछ हासिल कर ले, परन्तु उसकी और अधिक प्राप्त कर लेने की प्रवृत्ति (लालसा) कभी समाप्त नहीं होती है. किसी वस्तु की आकांक्षा रखने पर यदि वह वस्तु उसे सहज रूप से प्राप्त नहीं होती, तब वह येन-केन प्रकारेण उसे प्राप्त करने के लिए उद्यत हो जाता है. इस प्रकार की परिस्थितियाँ भ्रष्टाचार को जन्म देती हैं.

मनुष्य की स्वार्थी प्रवृत्ति–बात चाहे एक व्यक्ति की हो या समाज या सम्प्रदाय की हो, लोगों में निजी स्वार्थ की भावना असमानता को जन्म देती है. यह असमानता आर्थिक, सामाजिक व प्रतिष्ठा के मतभेद को बढ़ावा देती है. किसी उच्च पद पर आसीन अधिकारी प्रायः गुणवत्ता की अनदेखी कर अपने समाज, परिवार व सम्प्रदाय के लोगों को प्राथमिकता देता है, तो उसका यह कृत्य भ्रष्टाचार का ही रूप है. भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति सदैव न्याय की अनदेखी करता है.

उक्त कारणों के अतिरिक्त देश में चारों ओर व्याप्त साम्प्रदायिकता, भाषावाद, भाई-भतीजावाद, जातीयता आदि से प्रभावित वातावरण भ्रष्टाचार के प्रेरणा स्रोत हैं. भ्रष्टाचार के कारण ही कार्यालयों, दफ्तरों व अन्य कार्यक्षेत्रों में चोरबाजारी, रिश्वतखोरी आदि अनैतिक कृत्य पनपते हैं. दुकानों में मिलावटी सामान बेचना, धर्म का सहारा लेकर लोगों को पथभ्रमित करना व अपना स्वार्थ सिद्ध करना, दोषी व अपराधी तत्वों को रिश्वत लेकर मुक्त कर देना या रिश्वत के आधार पर विभागों में भर्ती होना आदि सभी भ्रष्टाचार के प्रारूप हैं.

भ्रष्टाचार के कारण राष्ट्र को अनेक विषमताओं का सामना करना पड़ रहा है. चारों तरफ अव्यवस्था तथा देश के नवयुवकों में व्याप्त चिन्ता, भय व आक्रोश भ्रष्टाचार के ही दुष्परिणाम हैं. यदि इसी प्रकार भ्रष्टाचार फलता-फूलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं, जब हमारी समस्त शक्तियाँ क्षीण होती चली जाएंगी. हमारी राष्ट्रीय एकता खण्डित होने के कगार पर पहुँच जाएगी. अतः राष्ट्र की एकता व अखण्डता बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम भ्रष्टाचार को मिटाने की दिशा में ठोस कदम उठाएं.

भ्रष्टाचार को नियन्त्रित करने के लिए अपनाए गए उपाय–स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान ही महात्मा गांधी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाई थी. स्वतन्त्रता पश्चात् इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए गए. भ्रष्टाचार के विरुद्ध सरकारी स्तर पर किए गए प्रयास अग्रलिखित हैं–

- भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1947 में पारित किया गया, जिसने भ्रष्टाचार की क्रियाओं की परिभाषा दी तथा दण्ड निर्धारित किए.
- योजना आयोग द्वारा श्री ए.डी. गोरवाला को प्रशासन के सुधार के लिए जाँच व सुझाव देने के लिए नियुक्त किया. 30 अप्रैल, 1951 ई. को गोरवाला ने लोक प्रशासन पर अपनी रिपोर्ट दी.
- 1962 ई. में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री द्वारा श्री कस्तूरंगा संथानम की अध्यक्षता में भ्रष्टाचार निरोध पर एक कमेटी नियुक्त की, जिसने अपनी रिपोर्ट 31 मार्च, 1964 को दी. इस समिति का उद्देश्य भ्रष्टाचार उन्मूलन था. इस समिति ने निम्नलिखित सुझाव दिए–
  - (i) सतर्कता अधिकारियों को कुशल कार्य के लिए प्रोन्नति का आश्वासन देना.
  - (ii) सतर्कता अधिकारियों को भ्रष्टाचार की शिकायतों की जाँच करने के लिए स्वतन्त्रता देना. साथ ही जाँच प्रक्रिया में राजनीतिक व प्रशासनिक दखल को नियन्त्रित करना आवश्यक है.
  - (iii) उच्च अधिकारियों के मामलों की जाँच-पड़ताल के लिए सतर्कता अधिकारियों को उनके मूल कैडर में वापस भेजने से सुरक्षा का आश्वासन देना.
  - (iv) केन्द्रीय सर्तकता आयोग में केन्द्रीय लोक सेवाओं तथा तकनीकी सेवाओं का प्रतिनिधित्व देना.

  इस समिति की अनुशंसा थी कि अनुच्छेद 311 को इस तरह संशोधित किया जाए, जिससे कि भ्रष्टाचार सम्बन्धी न्यायिक प्रक्रिया सरल व त्वरित हो सके.
- केन्द्रीय सर्तकता आयोग का गठन 1964 ई. में संथानम समिति की सिफारिश से किया गया, जिसका प्रधान केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त होता है. इसके भ्रष्टाचार सम्बन्धी कार्य निम्नलिखित हैं–
  - (i) किसी भी लोकसेवक के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायत आने पर उसकी जाँच-पड़ताल करना.
  - (ii) भ्रष्टाचार में लिप्त आरोपी के विरुद्ध अनुशासनात्मक अधिकारी को परामर्श देना.
  - (iii) मामलों को पंजीकृत करने के लिए CBI (Central Bureau of Investigation) को निर्देशित करना तथा मंत्रालयों या विभागों या बैंकों या सार्वजनिक उपक्रमों में सतर्कता व भ्रष्टाचार विरोधी कार्यों का निरीक्षण और उन पर नियन्त्रण स्थापित करना है.
- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम को 9 सितम्बर, 1988 को राष्ट्रपति के द्वारा अनुमति दी गई. इसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947; दण्ड विधि अधिनियम, 1952; जिसमें लोकपाल के पद की व्यवस्था की गई थी तथा भारतीय दण्ड संहिता के कुछ उपबन्धों को सम्मिलित किया गया. यह सरकारी तन्त्र तथा सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार को कम करने के उद्देश्य से बनाया गया है.
- भ्रष्ट तरीके से प्राप्त की गई सम्पत्ति को सरकार द्वारा जब्त करने की व्यवस्था की गई है. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में लोकसेवक की आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक की सम्पत्तियों को जब्त करने का उपबन्ध है. फरवरी 2012 में केन्द्र सरकार ने इस सन्दर्भ में एक सर्कुलर भी जारी किया था, जिसमें यह प्रावधान किया गया था कि सेवानिवृत्ति के पश्चात् भी लोकसेवकों की सम्पत्ति जब्त की जा सकती है.

  इस सम्बन्ध में ओडिशा में 'ओडिशा विशेष न्यायालय अधिनियम, 2006' लाया गया, जिसके अन्तर्गत भ्रष्ट अधिकारियों की सम्पत्ति जब्त करने का प्रावधान है. 2011 में बिहार सरकार द्वारा 'बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009' लाया गया, जिसके अन्तर्गत देश में पहली बार एक आईएएस अधिकारी की सम्पत्ति जब्त की गई. राजस्थान में भी 2012 में 'राजस्थान विशेष न्यायालय अधिनियम' लागू किया गया.
- भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत ने मई 2011 में UN के अभिसमय की पुष्टि हेतु लेख-पत्र जमा किया था. इससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रतिबद्ध देश के रूप में भारत की छवि सुधरेगी. केन्द्रीय कार्मिक सचिव ने अक्टूबर 2011 में मोरक्को के मारकेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र के अभिसमय (UNCAC—United Nations Convention Against Corruption) की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया. उक्त अभिसमय UN की महासभा द्वारा 31 अक्टूबर, 2003 को पारित किया गया तथा 14 दिसम्बर, 2005 को लागू किया गया था.
- भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण करने व शासन कार्यों में पारदर्शिता तथा ईमानदारी लाने के लिए सूचना के अधिकार को 2005 में लाया गया. सूचना के अधिकार से तात्पर्य 'सूचना पाने का अधिकार' है, जिसे लागू करने वाला राष्ट्र अपने नागरिकों को प्रदान करता है. इस अधिकार के द्वारा राष्ट्र अपने नागरिकों को अपनी कार्य व शासन प्रणाली को सार्वजनिक करता है.
- भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण स्थापित करने के लिए लोकपाल व लोकायुक्त विधेयक 17 दिसम्बर, 2013 में संसद द्वारा पारित हुआ. इस अधिनियम के जाँच के अन्तर्गत प्रधानमंत्री भी शामिल होंगे. इसमें भ्रष्टाचार के जरिए अर्जित सम्पत्ति की कुर्की करने व जब्त करने का भी प्रावधान है. 2019 में लोकपाल की नियुक्ति कर दी गई हैं.
- विदेशों में जमा काला धन वापस लाने के लिए मोदी सरकार ने 27 मई, 2014 को एक उच्चस्तरीय विशेष जाँच दल का गठन किया, जिसका अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एम.बी. शाह तथा उपाध्यक्ष न्यायाधीश अरिजीत पसायत को बनाया गया. राजस्व सचिव, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष, निदेशक वित्त खुफिया, महानिदेशक राजस्व खुफिया व रॉ के निदेशक को विशेष जाँच दल (SIT–Special Investigation Team) का सदस्य बनाया गया.

  यह दल काले धन से जुड़े मामलों में कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए संस्थागत ढाँचा व व्यापक एक्शन प्लान बनाएगा. साथ ही हवाला कारोबारी हसन अली और काले धन से जुड़े अन्य मामलों की जाँच व मुकदमा शुरू करेगा. SIT को समय-समय पर अपनी प्रगति की जानकारी सुप्रीम कोर्ट को देनी होगी.
- इसके अतिरिक्त भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा अनेक समितियों का भी गठन किया गया, जिसमें बोहरा समिति सर्वाधिक चर्चित रही. वोहरा समिति की स्थापना 1993 ई. में भ्रष्टाचार के विरुद्ध की गई. इसके अध्ययन क्षेत्र में सरकारी कार्यालयों, राजनेताओं, अपराधी गठजोड़ व माफिया संगठनों के बीच सम्बन्धों को शामिल किया गया. समिति ने 5 अक्टूबर, 1993 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे 1 अगस्त, 1995 में संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा गया. यह रिपोर्ट राजनीति व अपराधियों के गठजोड़ पर विध्वंशक प्रहार था. इसके अन्तर्गत कहा गया कि "माफिया जाल एक समानान्तर सरकार चला रहा है, जिससे राजतन्त्र निरर्थक हो गया है." साथ ही इस समिति ने एक एजेन्सी

के स्थापना की भी सिफारिश की, जो अन्य एजेन्सियों से सूचना एकत्र करे तथा तत्काल निरोधक कार्यवाही करें.

राजनीतिक भ्रष्टाचार पर वोहरा समिति की स्थापना के अलावा अन्य समितियाँ गठित हुईं, जिसमें भ्रष्टाचार पर सुझाव के लिए संथानम समिति (1962) में, टू-जी स्पेक्ट्रम घोटाला के लिए पी.सी. चाको समिति (2011) में, राष्ट्रमण्डल खेल घोटाला (2011) के लिए वी.के. शुगलू समिति, अवैध खनन घोटाला के लिए एम.बी. शाह आयोग (2014), आई.पी.एल. स्पॉट फिक्सिंग घोटाला के लिए जस्टिस मुकुल मुद्गल समिति 2014 में गठित की गई.

सुझाव

सरकार द्वारा भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण स्थापित करने के उद्देश्य से अनेक अधिनियम व आयोग बनाए गए, परन्तु भ्रष्टाचार में कमी के बजाए बढ़ोतरी ही हो रही है. भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि–

- कानूनों का कठोरता से पालन किया जाए. हमारे देश में रिश्वत से लेकर दहेज तक के लिए कानून बनाए गए हैं, परन्तु दुर्भाग्यवश आज भी रिश्वत व दहेज खुलेआम लिया व दिया जाता है. भ्रष्टाचार के लिए सजा की व्यवस्था भी कम है. साथ ही सौ-पचास का रिश्वत लेने वालों की सजा तथा करोड़ों का घोटाला करने वालों की सजा समान है. आवश्यक है कि कठोर दण्ड-व्यवस्था स्थापित की जाए. जैसे–एक करोड़ से अधिक का घोटाला करने वालों के लिए उम्रकैद की सजा होनी चाहिए.
- भ्रष्टाचार का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर होता है. अतः इस पर नियन्त्रण के लिए आवश्यक है कि पहले ऊपर के अधिकारी व सत्ताधारी भ्रष्टाचार मुक्त हों.
- समाज की आर्थिक विषमता व असीमित उपभोग पर भी नियन्त्रण सुनिश्चित किया जाना चाहिए. सम्पत्ति व समृद्धि के प्रदर्शन पर रोक लगाकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है.
- भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए दण्डात्मक व रोकथाम के उपायों के साथ उसमें पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाकर तथा कार्य-पद्धतियों को तर्कसंगत बनाकर भ्रष्टाचार के अवसर को कम किया जा सकता है.
- कानून सम्मत भ्रष्टाचार पर भी नियन्त्रण करना आवश्यक है. एक तरफ हम देखते हैं कि जनप्रतिनिधि आलिशान बंगले में रहते हैं तथा दूसरी तरफ लाखों लोग फुटपाथ पर रहते हैं. वहीं न्यूनतम मजदूरी दर ₹ 120 रखी जाती हैं, तो दूसरी तरफ सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की जाती हैं. इस प्रकार के कानून सम्मत भ्रष्टाचार पर भी रोक लगाना चाहिए. अगर हम अकुशल श्रमिकों की मजदूरी दर ₹ 120 करते हैं, तो सरकारी व गैर-सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों का एक दिन का पारिश्रमिक ₹ 1000 से अधिक नहीं होना चाहिए.
- ईमानदारी एक जीवन मूल्य है तथा भ्रष्टाचार एक अवमूल्य. इसलिए केवल कानून बनाकर या दण्ड देकर भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगा सकते. इसके लिए आवश्यक है कि हम जीवन मूल्य के रूप में ईमानदारी को प्रतिष्ठित किया जाए और ये नैतिक शिक्षा के माध्यम से ही पूरा हो सकता है. अतः सरकार को उचित नैतिक शिक्षा व्यवस्था करनी चाहिए.

उक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि नैतिक मूल्य ही भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण लगा सकते हैं. आप कहेंगे कि ये आदर्श की बातें हैं, परन्तु ये जीवनादर्श ही देश को बचा सकते हैं, कानून नहीं. जय प्रकाश नारायण के ये विचार ध्यान में रखने योग्य है कि "जो भ्रष्टता स्वयं सिद्ध हो, उसको कानूनी दृष्टि से प्रमाणित करने की आवश्यकता नहीं होती." ●●●

20 प्रैक्टिस सैट

Just Released

2018 के नवीन संशोधित पाठ्यक्रम पर आधारित

उपकार

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा

UPTET

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

Code 2656 ₹ 195.00 Code 2655 ₹ 195.00 Code 2663 ₹ 190.00

उपकार प्रकाशन | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 4053333, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203908088

ग्रामीण परिवेश में पर्यावरणीय समस्याएँ

जो लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं वे आमतौर पर अपने आसपास की प्राकृतिक वातावरण की सीमाओं के बारे में अधिक जानते हैं, क्योंकि वे इसके सबसे समीप रहते हैं.

ग्रामीण परिवेशों में कई पर्यावरणीय संसाधन हैं. जैसे कृषि और खाद्य उत्पादन के लिए उपयोग में आने वाली भूमि, जानवरों के लिए चराई की भूमि, जंगल या वुडलैण्ड, प्राकृतिक वनस्पति एवं जानवरों के लिए प्राकृतिक क्षेत्र, धाराएँ, एक नदी या झील और समुद्र या समुद्रतटीय क्षेत्र.

अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में निम्न पर्यावरणीय समस्याएँ हैं–

1. घरेलू कचरे का निपटान

किसी भी आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र को प्रभावित करने वाली सबसे बड़ी पर्यावरणीय समस्या तरल घरेलू कचरा है. तरल घरेलू कचरे के अन्तर्गत मानव अपशिष्ट और शहरी सीबेज का सुरक्षित निपटान है. कुछ ग्रामीण विकसित क्षेत्रों में तो पर्याप्त अपशिष्ट संग्रह और उपचार की सुविधाएं हैं. जिनका रख-रखाव काफी महँगा है, परन्तु अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में ये सुविधाएँ अल्पविकसित हैं या ग्रामीण क्षेत्र पूरी तरह से इन सुविधाओं से अभावग्रस्त हैं. जिसका परिणाम गम्भीर जल प्रदूषण होता है, यही नहीं समुद्र तट, प्रबाल और लेंगून के आसपास तटीय जल क्षेत्र जो मनोरंजन के लिए जाने जाते हैं, भी प्रदूषित क्षेत्र हैं. यह प्रदूषित क्षेत्र मानव स्वास्थ्य के लिए गम्भीर जोखिम प्रस्तुत करते हैं. कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में इस समस्या की ओर गम्भीरता से ध्यान दिया गया है.

2. वन आवरण

ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य पर्यावरणीय चिंता वनों के क्षेत्र में आने वाली कमी है. स्थानान्तरित कृषि की पद्धति, अधिक जनसंख्या के भार के कारण अधिक खाद्यान उत्पादन के लिए वन संसाधन पर दबाव, अनियमित आग के कारण भी पर्यावरण प्रदूषित होता है. इस समस्या के कारण उत्पादित संसाधनों का नुकसान होता है तथा जल की कमी, मिट्टी का क्षरण और लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास के नुकसान में योगदान देता है.

3. भूमि उपयोग एवं पट्टेदारी

ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादक भूमि आमतौर पर स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन है. इसे जल, भोजन, निर्माण सामग्री और जीवन की उचित गुणवत्ता के लिए लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए और प्राकृतिक प्रणालियों के कामकाज को बनाए रखने के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए जिस पर ये सभी निर्भर करते हैं. इसके लिए सबसे उपयुक्त तरीका भूमि की व्यापक योजना और उसका सावधानीपूर्वक आवंटन की आवश्यकता है. भूमि और संसाधन की पारम्परिक प्रणालियों ने अक्सर प्रभावी ढंग से काम किया जब आबादी, भूमि प्रबंधन के लिए छोटे पश्चिमी दृष्टिकोण को अपनाया. जहाँ जनसंख्या कम थी ग्रामीण व्यक्ति का भूमि के प्रति लगाव, स्वामित्व की पश्चिमी अवधारणाओं से बहुत दूर हो सकता है, क्योंकि इसमें पारम्परिक संस्कृतियों में निहित रहस्यमय और आध्यात्मिक आयाम शामिल हैं. जिन देशों में जनसंख्या अधिक है वहाँ भूमि के आबंटन के कारण अराजकता का विकास, संसाधन का दुरुपयोग और विनाश हो सकता है जिससे भूमि का दुरुपयोग होता है. क्षेत्रों की अपेक्षा की जाती है. ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि के साथ छेड़छाड़ उसी प्रकार की प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकती है. जैसे धर्म के साथ हस्तक्षेप करना है.

4. आवास एवं अवसंरचना (परिवहन) का अभाव

अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में मानव आवास की समस्या है जिसके अन्तर्गत स्वच्छता भी सम्मिलित है. ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण आवासीय समस्या उन क्षेत्रों में है. जहाँ चक्रवातीय तूफान, तूफान या आँधी आना आमबात है. ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर सड़कों पर परिवहन के साधनों जैसे आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अभाव होता है. जो ग्रामीण उत्पादों को शहरी बाजारों में या निर्यात के लिए भेजा जाना है. नहीं भेज पाते हैं.

5. मृदा का नुकसान

कृषि के लिए आवश्यक मृदा संसाधन, ग्रामीण समृद्धि का मूल आधार हैं. अनेक ग्रामीण क्षेत्र मृदा के कटाव से ग्रसित हैं. ऐसे स्थान जहाँ मिट्टी खराब होना शुरू हुई थी या अनियमित स्थलाकृति, भूगर्भिक अस्थिरता, भारी वर्षा, या खाली पड़ी हुई भूमि के बड़े क्षेत्र के साथ यह सम्भावना और बढ़ जाती है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार मिट्टी का नुकसान में वृद्धि है.

ग्रामीण पर्यावरणीय समस्याएँ

1. *तरल कचरे का निपटान*
2. *वन आवरण की समाप्ति*
3. *भूमि उपयोग एवं पट्टेदारी*
4. *आवास एवं परिवहन के साधनों का अभाव*
5. *मृदा का नुकसान*
6. *जल की कमी*
7. *ठोस अपशिष्ट निपटान*
8. *जहरीले रसायनों का प्रयोग*
9. *प्राकृतिक संरक्षण*
10. *ग्रामीण मत्स्य उद्योग*
11. *तटीय कटाव*
12. *खनिज खनन*
13. *औद्योगिक प्रदूषण*

6. जल की कमी

भारी वर्षा कई उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों की विशेषता है. ये मौसम दर मौसम एवं वर्ष दर वर्ष अनियमित हो सकती हैं. अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में जल संग्रहण की क्षमता बहुत कम है. इसलिए शुष्क अवधि में पानी की गम्भीर समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में जल पर्यावरणीय समस्या को जन्म दे सकती है, क्योंकि इससे न केवल विकास में बाधा आएगी वरन् गम्भीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो सकती हैं. तटीय क्षेत्र में भूजल आपूर्ति अपरिवर्तनीय रूप से खारे पानी से दूषित हो सकती है. वर्षा जल का अपवाद भी नियमित वर्षा पर निर्भर है.

7. ठोस अपशिष्ट निपटान

परम्परागत रूप से जहाँ सभी सामग्रियों का उपयोग स्थानीय स्तर पर किया जाता है वहाँ ठोस अपशिष्ट को प्राकृतिक प्रणाली द्वारा अवशोषित किया जा सकता है. आज अधिक से अधिक आयातित सामग्री के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट निपटान की समस्या बढ़ रही है. आज संचय के साथ लाये गये भारी उपकरण, बोतलें, डिब्बे, टूटा हुआ प्लास्टिक का सामान आदि निपटान के लिए ग्रामीण क्षेत्र में दल-दल भूमि या नदियों के किनारे के क्षेत्र होते हैं. चूँकि कचरे का संग्रह एवं निपटान छोटे पैमाने पर महँगा है. अतः या तो कचरे को एकत्रित नहीं किया जाता या निपटान क्षेत्रों को अच्छी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य और प्रदूषण की समस्या होती है.

8. जहरीले रसायनों का प्रयोग

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती मात्रा में जहरीले रसायनों का प्रयोग अधिकांश देशों में जहरीले रसायनों को नियंत्रित करने वाले

शेष पृष्ठ 117 **पर**

कृषि लेख

हाइड्रोपोनिक्स प्रौद्योगिकी प्रणाली : बिना मिट्‌टी के फसल उगाने की वैकल्पिक तकनीक

✍ आशीष प्रसाद

'**21वीं**' शताब्दी में दुनिया की बदलती टेक्नोलॉजी ने कृषि पद्धति को बदलकर रख दिया है. कृषि के क्षेत्र में वैकल्पिक प्रयोग के लिए '**हाइड्रोपोनिक्स**'–एक अच्छी तकनीकी दिशा है, जिसमें बिना मिट्‌टी के ही पौधे उगाए जा सकते हैं. इजराइल, जापान, चीन और अमरीका आदि देशों के बाद अब भारत में भी यह तकनीक दस्तक दे चुकी है, इसकी सफलता को देखते हुए इंडोनेशिया, सिंगापुर, सऊदी अरब, कोरिया जैसे देशों में इस तकनीक की माँग तेजी से बढ़ रही है. किसान इस तकनीक से खीरा, टमाटर, पालक, गोभी, शिमला मिर्च, जैसी सब्जियाँ उगा सकते हैं.

हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली क्या है ?

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक को '**जलकृषि**' नाम दिया है. इसमें मिट्‌टी का प्रयोग नहीं होता है, बिना मिट्‌टी के केवल पानी में या बालू अथवा कंकड़ों के बीच नियंत्रित जलवायु में बिना मिट्‌टी के पौधे उगाने की तकनीक को '**हाइड्रोपोनिक्स**' कहते हैं. हाइड्रोपोनिक्स शब्द की उत्पत्ति दो ग्रीक शब्दों '**हाइड्रो**' तथा '**पोनोस**' से मिलकर हुई है. हाइड्रो का मतलब है पानी; जबकि पोनोस का अर्थ है कार्य. हाइड्रोपोनिक्स में पौधों और चारे वाली फसलों को नियंत्रित परिस्थितियों में 15 से 30 डिग्री सेल्सियस ताप पर लगभग 80 से 85 प्रतिशत आर्द्रता में उगाया जाता है. सामान्यतया पेड़-पौधे अपने आवश्यक पोषक तत्व जमीन से लेते हैं. लेकिन, '**हाड्रोपोनिक्स**' तकनीक में पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के लिए पौधों में एक विशेष प्रकार का घोल डाला जाता है. इस घोल में पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक खनिज एवं पोषक तत्व मिलाए जाते हैं. पानी कंकड़ों या बालू आदि में उगाए जाने वाले पौधों में इस घोल की महीने में दो-बार केवल कुछ बूँदें ही डाली जाती हैं. इस घोल में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश, मैग्नीशियम, कैल्शियम, सल्फर, जिंक और आयरन आदि तत्वों को एक खास अनुपात में मिलाया जाता है. तभी पौधों को आवश्यक पोषक तत्व मिलते रहते हैं.

हाइड्रोपोनिक्स तकनीकी किस प्रकार काम करती है ?

'**हाइड्रोपोनिक्स**' बढ़ते पौधों का एक बेहद कारगर तरीका है. मिट्‌टी में पोषक तत्वों और पानी में बेहतर ढंग से रखा जाता है. एक हाइड्रोपोनिक्स बगीचे में, पोषक तत्व और पानी सीधे पौधों की जड़ों को दिया जाता है.

कहाँ-कहाँ हो रहा है हाइड्रोपोनिक्स का उपयोग ?

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक का विश्व भर में कई पश्चिमी देशों में फसल उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है. हमारे देश में भी हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से देश के कई क्षेत्रों में बिना जमीन और मिट्‌टी के पौधे उगाए जा रहे हैं और फसलें पैदा की जा रही हैं. राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में जहाँ चारे के उत्पादन के लिए विपरीत जलवायु वाली परिस्थितियाँ हैं, उन क्षेत्रों में यह तकनीक वरदान सिद्ध हो सकती है. वैटेनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान) में मक्का, जौ, जई और उच्च गुणवत्ता वाले हरे चारे वाली फसलें उगाने के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. यहाँ के वैज्ञानिकों ने बिना मिट्‌टी के नियंत्रित वातावरण में इस तकनीक से सेवण घास की पौध तैयार करने में सफलता प्राप्त की है. इससे खुले खेतों में सेवण घास को उगाने और हल्के–फुल्के बीजों की बुआई में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में मदद मिलेगी और इस तरह सेवण घास चारागाहों का तेजी से विकास किया जा सकेगा. यहाँ यह बताना उचित होगा कि राजस्थान जैसे विपरीत जलवायु परिस्थितियों वाले राज्यों में चारागाहों के लगातार घटने तथा संतुलित पोषक आहार न मिलने के कारण अच्छे दुधारू नस्ल के पशुओं की हालात चिंताजनक हो रही है. ऐसे में हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से हरे चारे का उत्पादन करने का प्रयास किया जा रहा है. इससे बारहों महीने पशुओं के लिए पौष्टिक हरा चारा मिल सकेगा. इसी तरह हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से पंजाब में आलू उगाया जा रहा है. गोवा में चारागाह के लिए भूमि की कमी है, इसलिए वहाँ पशुओं के लिए एक बड़ी समस्या होती है.

किसानों की इस समस्या को देखते हुए भारत सरकार की '**राष्ट्रीय कृषि विकास योजना**' के तहत् गोवा डेयरी की ओर से '**इंडियन काउंसिल फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च**' गोवा परिसर में हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से हरा चारा उत्पादन की इकाई की स्थापना की गई है. ऐसी ही दस और इकाइयाँ गोवा की विभिन्न डेयरी कोऑपरेटिव सोसाइटियों में लगाई गई हैं. प्रत्येक इकाई की प्रतिदिन 600 किलोग्राम हरा चारा उत्पादन की क्षमता है.

गाँव व शहरों में करें हाइड्रोपोनिक से सब्जी उत्पादन

हाइड्रोपोनिक्स सब्जी उत्पादन और मिट्‌टी में उत्पादन के बीच का अन्तर–

मिट्‌टी की कोई आवश्यकता नहीं है; पौधों को स्वचालित रूप से सिंचित किया जाता है; कोई जल तनाव नहीं, पोषक तत्व हर समय उपलब्ध होते हैं., हाइड्रोपोनिक्स उर्वरक के योगों में संतुलित पोषक तत्वों से युक्त सामग्री होती है. मिट्‌टी से उत्पन्न बीमारियों का सफाया किया जा सकता है. हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन में कार्बन नहीं है, क्योंकि कृत्रिम पोषक तत्व हमेशा उपयोग किए जाते हैं और आमतौर पर पौधों की मिट्‌टी में विकसित नहीं किया जाता है.

एक हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन इकाई को शुरू करने के लिए क्या चाहिए ?

स्वच्छ पानी का स्रोत, सही स्थान, विशेषरूप से तैयार उर्वरक, प्रणाली के लिए दैनिक ध्यान देने का समय, पौधों या बागवानी का थोड़ा ज्ञान, एक वाणिज्यिक या घरेलू इकाई.

पौधे कैसे कार्य करते हैं ?

पौधों में केवल तीन प्रकार के अंग होते हैं–पत्तियाँ, जड़ें और तना. पता करें कि अंग कैसे दिखते हैं और कैसे वे काम करते हैं, ताकि आप अपनी आवश्यकताओं से निपट सकें.

विकास माध्यम के कार्य

जड़ों को ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए, जड़ों के सम्पर्क में पानी और मिश्रित पोषक तत्वों को पहुँचाना, पौधों को खुराक/सहारा दें, ताकि वे गिर न जाएं, कई अलग-अलग सामग्रियों का उपयोग, तब तक किया जा सकता है, तब तक वे जड़ों को ऑक्सीजन पानी और पोषक तत्वों के साथ प्रदान करते हैं.

पानी और पोषक तत्व

- आपूर्ति करते सभी पौष्टिक पौधों को पानी में मिला दिया जाता है.
- सूक्ष्म-तत्वों (एन. पी. के. सीए) को पर्याप्त मात्रा में देना आवश्यक है,

जबकि पौधों को बहुत कम मात्रा में सूक्ष्म-तत्वों की आवश्यकता होती है (लोहा, जिंक, मैंगनीज, मैग्नीशियम, कॉपर, कोबाल्ट).

- विशेषरूप से तैयार किए गए उर्वरक का उपयोग करना आवश्यक है, प्रणाली में वर्षा और अड़चनों/रुकावटों को रोकने के लिए अन्य उर्वरकों की तुलना में हाइड्रोपोनिक्स के लिए उपयोग किए गए उर्वरक अधिक शुद्ध और महँगे हैं.

विभिन्न हाइड्रोपोनिक्स प्रणालियाँ

दो अलग-अलग हाइड्रोपोनिक्स प्रणालियों का उपयोग सब्जियों का उत्पादन करने के लिए किया जाता है–

1. ओपन बैग प्रणाली–ओपन बैग प्रणाली में पौधों को कंटेनरों में उगाया जाता है और पौधों को प्रतिदिन 12 बार एक ड्रिपर के माध्यम से पोषक तत्वों पर घोल का छिड़काव किया जाता है. प्रतिदिन के सिंचाई चक्र की संख्या पौधों के तापमान और विकास दर पर निर्भर करती है. 'ड्रेन-टू-वेस्ट' सिस्टम में फसल ऊँचाई लिए होती है. और उन्हें प्रशिक्षित और छाँटने की जरूरत होती है, ताकि वे एक स्टेम के रूप में ऊपर की ओर बढ़ सकें.

कौन-सी फसलों को एक हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली में उगाया जा सकता है ?

- मूल रूप से सभी उच्च मूल्य फसलों–टमाटर, खीरे, मिर्च और लेट्यूस, पौधों की देखभाल करना.
- विभिन्न फसलों को अलग-अलग रिक्तियों पर लगाया जाता है. छोटे पौधे एक दूसरे के करीब लगाए जा सकते हैं.
- बड़े पौधों को आगे बढ़ने के लिए अधिक स्थान की आवश्यकता होती है और इसे आगे अलग होना चाहिए.
- हर दिन जल-प्रवाह की जाँच होनी चाहिए और यदि आवश्यक हो तो समायोजित किया जाए.
- यदि, पौधे पीले हो जाते हैं तो यह आमतौर पर पोषक तत्व की कमी, अथवा बहुत कम प्रकाश या बीमारी का लक्षण हैं.
- रोग के लक्षणों और कीड़ों के लिए हर दिन पत्तियों का निरीक्षण करें, अगर कोई समस्या होती है तो तुरन्त निराकरण करें.

कटाई/तुड़ाई

पौधों को नुकसान पहुँचाए बिना सही अवस्था पर तुड़ाई करें. सुबह जल्दी तुड़ाई करें या जब मौसम ठंडा हो तो तुड़ाई करें. सब्जियों को सूरज से दूर रखें. उन्हें सही तापमान पर रखें. सही पैकेजिंग का उपयोग करें.

वाणिज्यिक स्तर पर हाइड्रोपोनिक्स सब्जियों का उत्पादन

यदि, जलवायु नियंत्रित ग्रीनहाउस में उत्पादित किया जाता है, तो निर्माता सब्जियों को बेमौसम आपूर्ति कर सकता है, जब कीमत अच्छी होती है. व्यावसायिक पैमाने पर हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन में पूँजी, श्रम और गहन प्रबंधन की जरूरत होती है.

कीट और रोग

अच्छी परिस्थितियों में बीमारियों और कीटों के विकास और प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ भी उपलब्ध हैं. इस प्रकार, हाइड्रोपोनिक्स उत्पादकों को पौधे की वृद्धि के लिए अनुकूलतम स्थिति बनाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ता है. संतुलन बनाए रखने में अक्सर बहुत मुश्किलें होती हैं, और सिस्टम को सावधानीपूर्वक व्यवस्थित किया जाना चाहिए.

किस कीटनाशक का उपयोग करें ? कीटनाशक केवल तभी प्रभावी हो सकते हैं यदि कीट को सही ढंग से पहचान लिया गया है.

कीटनाशक का उपयोग सही ढंग से किया जाए, इसमें मिश्रण, स्प्रे तकनीक, दिन का समय आदि शामिल हैं.

क्या लाभ हैं हाइड्रोपोनिक्स तकनीक के ?

परम्परागत तकनीक से पौधे और फसलों को उगाने की अपेक्षा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक के कई लाभ हैं. इस तकनीक से विपरीत जलवायु परिस्थितियों में उन क्षेत्रों में भी पौधे उगाए जा सकते हैं. यहाँ जमीन की कमी है अथवा वहाँ की मिट्टी उपजाऊ नहीं है. हाइड्रोपोनिक्स के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं–

1. इस तकनीक से कम खर्च में पौधे और फसलें उगाई जा सकती हैं.
2. इस तकनीक में पौधों को आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति के लिए आवश्यक खनिजों के घोल की कुछ बूँदें महीने में केवल एक-दो-बार डालने की जरूरत होती है. इसलिए इसकी मदद से आप कहीं भी पौधे उगा सकते हैं.
3. परम्परागत बागवानी की अपेक्षा, **'हाइड्रोपोनिक्स तकनीक'** से बागवानी करने पर पानी का 20 प्रतिशत भाग ही पर्याप्त होता है.
4. यदि, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक का बड़े स्तर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो कई तरह की शाक-सब्जियाँ बड़े पैमाने पर अपने घरों और बड़ी-बड़ी इमारतों में ही उगाई जा सकेंगी. इससे न केवल खाने-पीने के सामान की कीमत कम होगी. बल्कि परिवहन का खर्च भी कम हो जाएगा.
5. इस विधि से पैदा किए गए पौधों और फसलों का मिट्टी और जमीन से कोई सम्बन्ध नहीं होता है, इसलिए इनमें बीमारियाँ कम होती हैं और इनके उत्पादन में कीटनाशकों का इस्तेमाल नहीं करना पड़ता है.
6. हाइड्रोपोनिक्स तकनीक में पौधों में पोषक तत्वों का विशेष घोल डाला जाता है. इसलिए इसमें उर्वरकों एवं अन्य रासायनिक पदार्थों की आवश्यकता नहीं होती है, जिसका फायदा न केवल हमारे पर्यावरण को होगा, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होगा.
7. हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से उगाई गई सब्जियाँ और पौधे अधिक पौष्टिक होते हैं.
8. हाइड्रोपोनिक्स विधि से न केवल घरों एवं फ्लैटों में पौधों उगाए जा सकते हैं, बल्कि बाहर, खेतों में भी फसलें उगाई जा सकती हैं. इस विधि से उगाई गई फसलें और पौधे आधे समय में ही तैयार हो जाते हैं.
9. जमीन में उगाए जाने वाले की अपेक्षा, इस तकनीक में बहुत कम स्थान की आवश्यकता होती है. इस तरह यह तकनीक जमीन और सिंचाई प्रणाली के अतिरिक्त दबाव से छुटकारा दिलाने में सहायक होती है.
10. मक्के से तैयार किए गए हाइड्रोपोनिक्स चारे से सम्बन्धित प्रयोगों में पाया गया है कि परम्परागत हरे चारे में क्रूड प्रोटीन 10·70 प्रतिशत होती है, जबकि हाइड्रोपोनिक्स हरे चारे में क्रूड प्रोटीन 13·6 प्रतिशत होती है, लेकिन परम्परागत हरे चारे की अपेक्षा हाइड्रोपोनिक्स हरे चारे में क्रूड फाइबर कम होता है. हाइड्रोपोनिक्स हरे चारे से अधिक ऊर्जा, विटामिन और अधिक दूध का उत्पादन होता है और पशुओं की प्रजनन क्षमता में भी सुधार होता है.
11. हाइड्रोपोनिक्स तकनीक का एक फायदा यह भी है कि इस तकनीक से गेहूँ जैसे अनाजों की पौध 7 से 8 दिन में तैयार हो सकती है, जबकि सामान्यतः इनकी पौध तैयार होने में 28 से 30 दिन लगते हैं.

शेष पृष्ठ 134 पर

पशुपालन लेख

भारत में पशुधन का महत्व : एक अवलोकन

डॉ. वीरेन्द्र कुमार

भारत की अर्थव्यवस्था में पशुपालन और डेयरी उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है. भारत दुनिया में सबसे बड़ा पशुधन आबादी वाला देश है. दुनिया में गाय और भैंसों की संख्या के मामले में **पहले** स्थान पर है, जबकि बकरी व भेड़ की संख्या के मामले में क्रमशः **दूसरे** व **तीसरे** स्थान पर है. भारत के पास 42 देशी गाय की नस्लें, भैंसों की 15, बकरियों की 20, भेड़ की 42, ऊँटों की 4, घोड़ों की 8 और कुक्कुट की 18 नस्लें हैं. पशुधन क्षेत्र में 60 प्रतिशत से अधिक योगदान अकेले दूध और दुग्ध उत्पादों का है. देश में 6 लाख टन मांस का कुक्कुट उद्योग उत्पादन करता है. भारत विश्व दुग्ध उत्पादन में 19 प्रतिशत का योगदान देता है. भारत दुनिया में **तीसरा** सबसे बड़ा अण्डा उत्पादक देश है. वर्ष 2015-16 के आर्थिक सर्वेक्षण के आधार पर कृषि का देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 18 प्रतिशत योगदान है, जिसका एक तिहाई पशु क्षेत्र से आता है और आने वाले वर्षों में पशु क्षेत्र का योगदान तेजी से बढ़ेगा. उन्नीसवीं पशु गणना (2012) के अनुसार भारत में कुल 51·2 करोड़ पशु हैं, जोकि विश्व के कुल पशुओं का लगभग 20 प्रतिशत हैं. आज 165 मिलियन टन दुग्ध उत्पादन के साथ भारत का विश्व में **प्रथम** स्थान है. इतना अधिक महत्व होने के बावजूद भारत के पशुधन की उत्पादकता विश्व में काफी कम है. गाय के प्रति स्नेह, आदर, धार्मिक रीति रिवाज व पूजा पाठ की भारतीय परम्परा अत्यन्त प्राचीन है. पशुधन का महत्व इसी से लगाया जा सकता है कि देश के आम चुनावों में गाय-बछड़ा व दो बैलों की जोड़ी चुनाव चिह्न के रूप में प्रयोग किए जा चुके हैं. दूसरी तरफ भारत में विश्व की सर्वाधिक भैंसें हैं, जो देश के कुल दूध उत्पादन में 55 प्रतिशत का योगदान कर रही हैं. पशुपालन-कृषि विविधीकरण का भी अभिन्न अंग है. पशुपालन व डेयरी उद्योग ग्रामीण महिलाओं, किसानों व भूमिहीन श्रमिकों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है. साथ ही, भारत अपनी विशाल जनसंख्या की बढ़ती माँगों को अपने विशाल पशुधन से प्राप्त उत्पादों जैसे—दूध, मांस, अण्डा और ऊन आदि से पूरा करने की क्षमता रखता है. देश की ग्रामीण आबादी का आर्थिक व सामाजिक ढाँचा कृषि एवं पशुपालन पर टिका हुआ है. भारत की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में रहती है, जिसकी रोजी-रोटी और आजीविका का मुख्य व्यवसाय पशुपालन व डेयरी उद्योग है. इसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि हमारे देश का 60 प्रतिशत श्रमिक वर्ग खेती एवं पशुपालन कार्यों में संलग्न है. अतः भारतीय परिस्थितियों में पशुपालन जैसे व्यवसाय को अपनाकर इसे रोजगार के रूप में भी अपनाया जा सकता है, जिससे न केवल ग्रामीण आबादी की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार की तलाश में लोगों का महानगरों की ओर पलायन भी रोका जा सकेगा. गत कई वर्षों में अन्य उद्योगों की भाँति पशुपालन एवं डेयरी उद्योग में भी काफी विकास हुआ है. इस सम्बन्ध में दुधारू व मालवाहक पशुओं की कई उन्नतशील नस्लें विकसित हुई हैं. डेयरी उद्योग व पशुचिकित्सा विज्ञान में भी अनेक नवीनतम तकनीकों व अत्याधुनिक दुग्ध उपकरणों का विकास किया गया है.

पशुपालन व डेयरी उद्योग में रोजगार के अवसर

देश के छह लाख गाँवों के 100 लाख परिवारों को 530 मिलियन पशुधन आजीविका सुरक्षा प्रदान करते हैं. पशुपालन व डेयरी उद्योग भारतीय कृषि का अभिन्न अंग है. दूध के परिरक्षण व पैकिंग के अलावा इससे बनने वाले विभिन्न उत्पादों जैसे—दुग्ध पाउडर, दही, मक्खन, छाछ, घी, पनीर आदि के निर्माण के विपणन में कार्यरत छोटे स्तर की डेयरियों से लेकर अनेक राज्यों के दुग्ध संघों एवं राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) जैसे संस्थानों द्वारा लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है. पशुपालन व डेयरी उद्योग के विस्तार से रोजगार बढ़ने की प्रबल सम्भावनाएं हैं. पशुओं से प्राप्त दूध व पशुशक्ति के विभिन्न उपयोगों के अलावा उनके गोबर से प्राप्त गोबर गैस को भी हम विभिन्न कार्यों के लिए उपयोग कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त पशुओं के बाल, उनका मांस, चमड़े एवं हड्डी पर आधारित अनेक उद्योग हैं. आजकल गौ-मूत्र भी विभिन्न आयुर्वेदिक दवाओं व अनेक रोगों के उपचार में प्रयोग किया जा रहा है. इसके अलावा दुग्ध व दुग्ध पदार्थों के प्रसंस्करण को व्यवसायिक स्वरूप देकर विदेशी मुद्रा भी अर्जित की जा सकती है. पशुपालन व डेयरी उद्योग की शुरूआत के लिए ग्रामीण बेरोजगार युवा बैंक से ऋण लेकर कम पूँजी में अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं. दूध के प्रसंस्करण व परिरक्षण से उसका मूल्य संवर्धन किया जा सकता है, जिससे कम पूँजी लगाकर स्वरोजगार प्राप्त किया जा सकता है. दूध का सर्वाधिक उत्पादन भारत में होता है, परन्तु दूध का प्रसंस्करण मात्र 15 प्रतिशत ही हो पाता है. पशुपालन व डेयरी उद्योग से अधिकतम लाभ कमाने के लिए उन्नतशील नस्लों का विकास, क्लोनिंग तकनीक, सन्तुलित पशु आहार व स्वच्छ दूध उत्पादन की उन्नतशील तकनीकों का प्रयोग किया जाना अति आवश्यक है, जिससे पशुपालन जैसे व्यवसाय में लगी महिलाओं, किसानों व भूमिहीन श्रमिकों की आय में वृद्धि की जा सके.

खाद्य एवं पौष्टिक सुरक्षा में योगदान

भारतीय पशुधन ऊर्जा, खाद्य एवं पौष्टिक सुरक्षा में योगदान कर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करता है. आज के युग में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए दूध अधिक गुणकारी है. इसके अलावा दूध एक सन्तुलित आहार भी है, जो कुपोषण जैसी विश्वव्यापी समस्या को दूर करने में भी सहायक है. दूध में आयरन के अलावा सभी पोषक तत्व जैसे—कैल्सियम व फॉस्फोरस पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जो बढ़ते बच्चों के लिए एक अच्छा पूरक आहार है. दूध में प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट टोकोफेरोल भी अधिक मात्रा में होता है. यदि, पशुपालन में नवीनतम तकनीकें अपनाई जाएं, तो हम खाद्य एवं पौष्टिक सुरक्षा में भी सफल हो सकते हैं.

पशुओं से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन

कार्बन-डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन पशुओं से भी होता है. ग्रीन हाउस गैस उत्पादन पशुओं के पेट में किण्वन व गोबर के सड़ने से होता है. वैश्विक स्तर पर मानव जनित ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन की मात्रा का लगभग 18 प्रतिशत पशुओं के कारण होता है. बेहतर पर्यावरण के लिए हमें आन्तरिक किण्वन तथा गोबर के सड़ने-गलने से होने वाले मीथेन व नाइट्रस ऑक्साइड गैस उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता है. घास की तुलना में फलीदार पौधों का चारा खिलाने

सारणी–1 : गाय व भैंस के दूध की तुलनात्मक संरचना

क्रमांक	दूध के तत्व	गाय का दूध	भैंस का दूध
1.	पानी (प्रतिशत)	86·50	83·18
2.	वसा (प्रतिशत)	3·90	7·66
3.	प्रोटीन (प्रतिशत)	3·30	4·52
4.	लैक्टोज (प्रतिशत)	4·44	4·45
5.	कुल ठोस (प्रतिशत)	13·01	17·77
6.	वसा रहित ठोस (प्रतिशत)	9·11	10·11
7.	राख (प्रतिशत)	0·73	0·80
8.	कैल्शियम (मि.ग्रा.)	0·12	0·18
9.	विटामिन ए (आई.यू.प्रति 100 ग्रा.)	180	162
10.	ऊर्जा (किलो कैलोरी)	66	110

पर पशुओं में मीथेन गैस का उत्सर्जन कम हो जाता है. अतः, गर्मियों में पशुओं के लिए पौष्टिक हरा चारा प्राप्त करने हेतु वसन्त कालीन लोबिया व मक्का का चुनाव करें. किसान अधिक धान्य अनाज वाली फसलों खासकर धान व गेहूँ से प्राप्त उप-उत्पाद जैसे–पुआल, भूसा, कड़वी तथा ज्वार का हरा चारा अपने पशुओं को खिलाते हैं.

श्वेत क्रांति

भारत आज विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है. इसका सबसे बड़ा श्रेय 'श्वेत क्रांति' के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन को जाता है, जिससे देश में दूध की किल्लत कम हो गई है. वर्तमान में, देश का दुग्ध उत्पादन 165 मिलियन टन तक पहुँच गया है. आज देश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 337 ग्राम प्रतिदिन हो गई है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मात्रा से भी ज्यादा है. वर्ष 1970 में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की स्थापना हुई, जो देश में डेयरी विकास के क्षेत्र में विश्व का बहुत बड़ा कार्यक्रम था. **'एनडीडीबी'** की सफलता ने दूध की कमी से जूझ रहे राष्ट्र-भारत को विश्व का सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक देश बना दिया. इस उपलब्धि के पीछे एक सहकारी डेयरी अमूल व पशुपालकों का योगदान भी सराहनीय रहा. **'राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड'** के **पहले** अध्यक्ष 33 वर्ष तक रहे डॉ. वर्गीज कुरियन को भारत में 'मिल्क मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है. इसी के साथ देश में 'श्वेत क्रांति का आगाज हुआ. इस महान वैज्ञानिक डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्म दिन 26 नवम्बर को प्रत्येक वर्ष **'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस'** के रूप में मनाया जाता है. (जन्म–26 नवम्बर, 1921 केरल के कोझिकोड में तथा मृत्यु–9 सितम्बर, 2012 को गुजरात के नादियाद में).

मिलावटी दूध की पहचान

देश के अनेक भागों मुख्यतः महानगरों में मिलावटी दूध के कारण होने वाली घटनाओं की खबरें आती रहती हैं. आज मिलावटी दूध का धन्धा खूब फल-फूल रहा है. समाज का हर वर्ग इस समस्या से परेशान है कि वह जो दूध पी रहा है वह शुद्ध है या मिलावटी. कुछ लालची और अवैध रूप से पैसा कमाने की होड़ में लगे लोग दूध में मिलावट का काम कर रहे हैं, जिसका हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. दूध में मिलावट किए जाने वाले पदार्थों में यूरिया, स्टार्च, दूषित पानी, कास्टिक सोडा, रिफाइन्ड तेल, हाइड्रोजन परॉक्साइड, ग्लूकोज और डिटर्जेंट प्रमुख रूप से शामिल हैं. इस समस्या के समाधान हेतु भारतीय वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, पिलानी स्थित प्रयोगशाला केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान ने भारत सरकार के 'मेक इन इण्डिया' कार्यक्रम के तहत् दो ऐसे उपकरणों का विकास किया है, जो दुग्ध उत्पादक औद्योगिक इकाइयों, डेयरियों और घरेलू स्तर पर दूध में मिलावट का पता लगा सकेंगे. इन उपकरणों के नाम क्रमशः क्षीर एनालाइजर और क्षीर टेस्टर हैं. क्षीर एनालाइजर का विकास देश में बढ़ती दूध की मिलावट की जाँच करने के उद्देश्य से किया गया है, जो डेयरी उद्योग के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा. इस उपकरण के द्वारा डेयरी उद्योग व सहकारी डेयरी समितियाँ मात्र 40-45 सेकण्ड में दूध की शुद्धता की जांच कर सकती हैं. दुग्ध उद्योगों और सहकारी दुग्ध समितियों के लिए इस उपकरण की कीमत ₹ 70 हजार से एक लाख के बीच आएगी, जबकि विदेशों से आयात करने पर इस प्रकार की डिवाइसों की लागत 4-5 लाख तक आती है. क्षीर एनालाइजर से जाँच करने के लिए दूध को एक गिलास में रखकर एनालाइजर से स्कैन किया जाता है. दूध शुद्ध होने पर इसमें हरे रंग की **'एलईडी'** जल उठती है, जबकि दूध अशुद्ध होने पर लाल रंग की. इस प्रक्रिया में मात्र 45 सेकण्ड का समय लगता है. क्षीर एनालाइजर टेबल टॉप वर्जन है, जो डेयरी प्रौद्योगिकी इकाइयों के लिए उपयोगी है. इसी प्रकार घरेलू स्तर पर आम जनता के उपयोग के लिए क्षीर टेस्टर का विकास किया है, जिसकी लागत लगभग ₹ 10 हजार होगी. क्षीर टेस्टर का प्रयोग हाथ में पकड़ कर किया जा सकता है. सूरत, गुजरात स्थित मैसर्स एल्पाइन टैक्नोलॉजी व राजस्थान स्थित कम्पनी राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (रील) इनका व्यावसायिक स्तर पर औद्योगिक उत्पादन कर रही है.

ऑक्सीटोसिन का दुरुपयोग

देश के विभिन्न इलाकों मुख्यतः कस्बाई व ग्रामीण क्षेत्रों में दुधारू पशुओं में दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन का प्रयोग किया जा रहा है. जिसका मानव व पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है. इसके अलावा ऑक्सीटोसिन गिद्धों के लिए भी जान लेवा साबित होता है. इस दवा से उपचारित जानवरों के शव को खाने से गिद्धों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है. गिद्ध प्रकृति के सफाई कर्मी हैं, जो पशुओं के मृत शरीर को खाकर पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने का काम करते हैं. पर्यावरण के सन्तुलन में इनका खासा महत्व है. इनके कम होने से **'फूड चेन'** की एक अहम् कड़ी समाप्ति के कगार पर पहुँच गई है, अतः इसके दुरुपयोग को रोकने की सख्त जरूरत है. पशुपालकों को समय-समय पर ऑक्सीटोसिन के प्रयोग के लिए उचित परामर्श देकर भी इसके दुरुपयोग को कम किया जा सकता है.

ई-पशुहाट पोर्टल की स्थापना

देश में पहली बार **'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस–26 नवम्बर, 2016'** के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय बोवाइन उत्पादकता मिशन के अन्तर्गत ई-पशुधन हाट पोर्टल की शुरूआत की गई है. यह पोर्टल देशी नस्लों के लिए प्रजनकों और किसानों को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. इस पोर्टल के द्वारा किसानों को देशी नस्लों की नस्लवार सूचना प्राप्त होगी. इससे किसान एवं प्रजनक देशी नस्ल की गाय एवं भैंसों को खरीद एवं बेच सकेंगे, साथ ही, बिचोलियों की भागीदारी को कम-से-कम किया जा सकेगा. इससे केवल नकुल स्वास्थ्य-पत्र से टैग किए गए पशुओं की बिक्री में मदद मिलेगी. अपने स्थान पर पशु की डिलीवरी लेने के लिए ऑनलाइन पैसा अदा किया जा सकता है. इस वेबसाइट (epashuhaat.gov.in) पर किसान और प्रजनकों को जोड़ा जाता है. किसानों को पता चलता है कि कौन-कौनसी नस्लें उपलब्ध हैं तथा उन्हें कहाँ

शेष पृष्ठ 134 **पर**

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. एकमात्र ऐसा नवपाषाणिक पुरा स्थल जहाँ से चावल का प्राचीनतम (लगभग 6000 ई.पू.) प्राप्त हुआ
—इलाहाबाद में स्थित कोल्डिहवा
2. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं
—ऐतरेय एवं कौषीतकी (ऋग्वेद), शतपथ एवं तैत्तिरीय (यजुर्वेद), पंचविंश अथवा ताण्डय (सामवेद), गोपथ (अथर्ववेद)
3. गुजरात से प्राप्त मुख्य हड़प्पाकालीन स्थल हैं
—लोथल, रंगपुर, रोजडी, प्रभासपाटन, धौलावीरा, देशलपुर, सुरकोटदा
4. द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ई.पू., वैशाली, अध्यक्ष—साबकमीर) की मुख्य घटना थी
—अनुशासन को लेकर मतभेद के लिए समाधान के लिए बौद्ध धर्म स्थविर एवं महासांघिक दो भागों में बँट गया
5. अशोक के किस शिलालेख में राजुकों की नियुक्ति का उल्लेख है ? *—तृतीय*
6. गुप्तकालीन स्मृतियों के अनुसार ब्राह्मण पुरुष वैश्य स्त्री से उत्पन्न सन्तान कहलाती है *—अंबष्ठ*
7. सल्तनतकाल में राज्य के खर्चों की जाँच करने वाला अधिकारी (महालेखा परीक्षक) था *—मुस्तौफी-ए-मुमालिक*
8. सल्तनतकाल में राज्य की आय से सम्बन्धित अधिकारी (महालेखाकार) था *—मुशर्रफ-ए-मुमालिक*
9. जहाँगीर ने किन चित्रकारों को क्रमशः 'नादिर, अलअसर' एवं 'नादिर-उद्-जमा' की उपाधि दी
—उस्ताद मंसूर (" ") एवं अबुल हसन, नादिर-उद्-जम्प
10. मराठा राज्य में 'निरासदार' थे *—जमींदार*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. 1907 के सूरत अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष थे
—रास बिहारी बोस
12. बंगाल विभाजन को रद्द करने की घोषणा की गई
—12 दिसम्बर, 1911 को दिल्ली दरबार में
13. 1916 के कांग्रेस अधिवेशन, जिसमें कांग्रेस और मुस्लिम लीग में समझौता हुआ था, के अध्यक्ष थे *—अंबिकाचरण मजूमदार*
14. कामनवील एवं न्यू इंडिया समाचार-पत्र की सम्पादक थीं
—एनी बेसेन्ट
15. मांटेग्यू घोषणा (1919) की सबसे प्रमुख विशेषता थी
—प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली (Dyarchy) की शुरूआत
16. अहमदाबाद मिल मजदूर (आन्दोलन जिसमें गांधी जी ने पहली बार भूख हड़ताल की थी, में मजदूरों को कितने प्रतिशत बोनस देने की सहमति बनी ? *—35 प्रतिशत*
17. रौलेट एक्ट के विरोध में गांधीजी ने किस तिथि को पूरे देश में हड़ताल का आह्वान किया था ? *—6 अप्रैल, 1919 को*
18. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड की जाँच के लिए अंग्रेज सरकार द्वारा गठित हण्टर समिति के भारतीय सदस्य थे
—जगत नारायण, शाह बजाजी सुल्तान अहमद, सर चिमनलाल शीतलवाड़ा
19. असहयोग आन्दोलन के दौरान गांधीजी ने अपने कौनसे पदक अंग्रेज सरकार को वापस कर दिए थे ?
—केसरे हिन्द, जुलू युद्ध पदक एवं बोअर पदक
20. 'हिन्द एसोसिएशन ऑफ द अमरीका' की स्थापना की थी
—सोहन सिंह भाकना ने 1913 में

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. भारतीय संसद द्वारा अगस्त 2019 में अनु. 370 में किए गए संशोधन से पूर्व जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल था *—6 वर्ष*
22. अगस्त 2019 में पारित सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक में सर्वोच्च न्यायालय में कितने अधिकतम न्यायाधीशों की संख्या होगी ?
—34 (मुख्य न्यायाधीश सहित)
23. अन्तर्राष्ट्रीय करारों को प्रभावी करने के लिए विधान संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत किए जा सकते हैं ? *—अनु. 253*
24. संविधान की 11वीं अनुसूची सम्बन्धित है *—पंचायती राज से*
25. मूल अधिकारों के न्यायिक संरक्षण हेतु किस अनुच्छेद में उच्चतम न्यायालय को शक्ति दी गई है ? *—अनुच्छेद 32*
26. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में विधि की सम्यक प्रक्रिया के सिद्धान्त को शामिल किया गया है ? *—अनु. 21*
27. संविधान का कौनसा अनुच्छेद दोष सिद्धि के सम्बन्ध में अभियुक्तों को दोहरे दण्ड एवं स्व-अभिशंसन से संरक्षण प्रदान करता है ? *—अनुच्छेद 20*
28. संविधान के किस संशोधन के द्वारा केन्द्रीय मन्त्रियों की संख्या लोक सभा के कुल सदस्यों के 15 प्रतिशत पर सीमित कर दी गई है ? *—91वें*
29. पंचायत चुनावों में अनुसूचित जातियों के लिए पदों का आरक्षण किन राज्यों में लागू नहीं होता ?
—नगालैण्ड, मिजोरम एवं मेघालय
30. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 40 राज्य को किन सार्थक कदमों हेतु परामर्श देता है ?
—ग्राम पंचायतों के संगठन के सम्बन्ध में

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. कर्क रेखा, भारत के किन-किन प्रांतों से होकर गुजरती है ?
—गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, प. बंगाल, झारखण्ड, त्रिपुरा और मिजोरम
32. भारत का सबसे पूर्वी एवं पश्चिमी राज्य है क्रमशः
—अरुणाचल प्रदेश एवं गुजरात

33. भारतीय मानक समय (IST) एवं ग्रीनविच माध्य समय (GMT) में अन्तर पाया जाता है *– + $5\frac{1}{2}$ घण्टे का*

34. लिपुलेज एवं मुलिंग ला दर्रा भारत के किस राज्य में पाया जाता है ? *–उत्तराखण्ड में*

35. बुम ला, जेलेप ला एवं शिपकी ला दर्रे भारत के किस राज्य में पाए जाते हैं ?
–बुम ला-अरुणाचल प्रदेश, जेलेप ला–सिक्किम, शिपकी ला–हिमाचल प्रदेश

36. 2011 की जनगणना के अनुसार शोम्पेन जनजाति कहाँ पाई जाती है ? *–आन्तरिक निकोबार द्वीप समूह में.*

37. किस ग्रह के दिन का मान और उसके अक्ष का झुकाव लगभग पृथ्वी के दिन के मान और झुकाव के समतुल्य है ? *–मंगल*

38. पृथ्वी ग्रह की संरचना में प्रावार (मैंटल) के नीचे, क्रोड (Cored) किससे बना है ? *–लौह*

39. पृथ्वी पर उष्ण शुष्क मरुस्थलीय जलवायु का विस्तार मिलता है *–15-30° अक्षांशों के बीच*

40. पृथ्वी की भूमध्य रेखा की कुल लम्बाई लगभग है
–40,045 किमी (24,901 मील)

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी शोध संस्थान (NEERI) स्थित है *–नागपुर में*

42. राष्ट्रीय पर्यावरण अपीलीय प्राधिकरण (NEAA) का गठन किया गया था
–वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 1997 में

43. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की स्थापना हुई थी *–1972 में*

44. UNEP का मुख्यालय है *–नैरोबी (केन्या) में*

45. पहला पृथ्वी शिखर सम्मेलन हुआ था
–रियो डी-जेनेरियो में

46. पारिस्थितिकी निकाय में ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है *–सौर ऊर्जा*

47. 10 प्रतिशत नियम सम्बन्धित है
–ऊर्जा का खाद्य के रूप में एक पोषी स्तर से दूसरे पोषी स्तर तक पहुँचना

48. भारतीय संसद द्वारा जैव विविधता अधिनियम पारित किया गया *–11 दिसम्बर, 2002 को*

49. ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय पार्क, जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोधर स्थल घोषित किया है, स्थित है *–कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में*

50. महुआडार अभ्यारण्य अवस्थित है *–झारखण्ड में*

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

51. ज्वालामुखी उद्गार के समय भू-गर्भ में स्थित तरल पदार्थ को कहा जाता है *–मैग्मा*

52. संसार का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी किलायु स्थित है
–अमरीका के हवाई द्वीप में

53. भूकम्प की तीव्रता का मापन किया जाता है
–रिक्टर स्केल द्वारा

54. भारतीय उपमहाद्वीप का उत्तर पश्चिम प्रदेश भूकम्प ग्रहणशील है, जिसका कारण है *–प्लेट टेक्टॉनिक क्रिया*

55. भारत के 'राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना' (National Action Plan on Climate Change) के कितने मिशन हैं ?
*–**8** (राष्ट्रीय सौर मिशन, राष्ट्रीय संवर्धित ऊर्जा बचत मिशन, राष्ट्रीय सतत् पर्यावास मिशन, राष्ट्रीय सतत् कृषि मिशन, राष्ट्रीय जल मिशन, राष्ट्रीय हिमालयी परिप्रणाली परिरक्षण मिशन, राष्ट्रीय हरित भारत मिशन, राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्यनीतिक-ज्ञान मिशन)*

56. वर्तमान में वैश्विक वायुमण्डल चौकसी स्टेशनों की संख्या है *–31*

57. भारत के किस राज्य में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की सहायता से जलवायु परिवर्तन केन्द्र स्थापित किया गया है ? *–झारखण्ड में*

58. भारत की जलवायु परिवर्तन पर प्रथम राष्ट्रीय क्रिया योजना प्रकाशित हुई थी *–जून 2018 में*

59. अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान (Intended Nationally Determined Contributions) पद को कभी-कभी समाचार-पत्रों में किस संदर्भ में देखा जाता है ?
–जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए विश्व के देशों के लिए बनाई कार्य योजना

60. वैश्विक ताप के असर को इंगित करने वाले कारक हैं
–हिमानी का पिघलना, सागरीय तल में उत्थान, मौसमी दशाओं में परिवर्तन, वैश्विक तापमान में वृद्धि

भारतीय अर्थव्यवस्था

61. 29 जुलाई, 2019 से आर्थिक गणना से पूर्व देश में आर्थिक इकाइयों (कृषि के अतिरिक्त) की संख्या व उनके सम्बन्ध में जानकारी एकत्र करने के लिए कितनी आर्थिक गणनाएं हो चुकी हैं ? *– 6 (1977, 1980, 1990, 1998, 2005, 2013)*

62. नए करों को लागू करने, पुराने करों में घटत-बढ़त या उन्हें यथावत् रखने के बारे में सरकारी प्रस्ताव कहलाता है
–वित्त विधेयक

63. कर तथा ऋण आदि के द्वारा सरकार जो धन प्राप्त करती है, वह कहलाता है *–समेकित कोष*

64. कर तथा शुल्क आदि से प्राप्त होने वाली सरकारी आमदनी शामिल होती है *–राजस्व बजट में*

65. संसद द्वारा स्वीकृत बजट में से आवश्यक धनराशि निकालने के लिए जो विधेयक पेश किया जाता है, वह कहलाता है
–विनियोग विधेयक

66. स्वतन्त्र भारत का पहला बजट प्रस्तुत किया था
–26 नवम्बर (1947 को के. षणमुखम शेट्टी ने)

67. गणतन्त्र भारत का पहला बजट प्रस्तुत किया था
–1950 में जॉन मथाई ने

68. भारत में सबसे ज्यादा बजट पेश करने वाले वित्त मंत्री थे
–मोरारजी देसाई (10 बार), पी. चिदम्बरम (8 बार)

69. वित्त आयोग के गठन का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में है ? *–अनु. 280 में*

70. प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना का सम्बन्ध है
–असंगठित क्षेत्र में कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

71. सौर विकिरण की माप किस यन्त्र से की जाती है ? *–पायरानोमीटर*
72. द्रव का अणुभार बढ़ने से उसकी श्यानता *–बढ़ेगी*
73. जब किसी झील की तली से उठकर वायु बुलबुला ऊपरी सतह तक आएगा, तो इसका आकार *–बढ़ जाएगा*
74. किसी अपारदर्शी वस्तु का रंग उस रंग के कारण होता है, जिसे वह *–परावर्तित करता है*
75. माणिक्य और नीलम रासायनिक रूप से कैसे जाने जाते हैं ? *–एल्युमीनियम ऑक्साइड के रूप में*
76. 'बकमिन्स्टर फुलरीन' है *–कार्बन का एक अपररूप*
77. जैव विकास का उत्परिवर्तन सिद्धान्त दिया था *–हॉलैंड के पादपशास्त्री ह्यूगो दी ब्रीज द्वारा*
78. धारावाही कुंडली में ऊर्जा संग्रहीत होती है *–चुम्बकीय क्षेत्र में*
79. जीवों में आनुवंशिक लक्षण संतान में ले जाए जाते हैं *–क्रोमोसोम द्वारा*
80. मानव शरीर में पाचन का अधिकांश भाग किस अंग में सम्पन्न होता है ? *–छोटी आंत*

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

81. कक्षागत समस्या का समाधान होता है *–क्रियात्मक अनुसन्धान द्वारा*
82. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था का काल होता है *–7-11 वर्ष*
83. भाषा शिक्षण में वाक्यों को शब्दों से पहले पढ़ाया जाता है, शिक्षण का यह सूत्र आधारित है *–गेस्टाल्ट प्रयोगों पर*
84. "विकास, जीव और उनके वातावरण की अन्त:क्रिया का प्रतिफल है" किसका कथन है ? *–स्किनर*
85. समूह कारक सिद्धान्त प्रतिपादित किया था *–थर्स्टन द्वारा*
86. छोटे बच्चों के लिए बाल साहित्य उपयोगी है, क्योंकि *–यह बच्चों में पढ़ने की रुचि बढ़ाता है*
87. सृजनात्मकता के संघटक तत्व हैं *–प्रवाह, मौलिकता, परिभाषा*
88. बुद्धिलब्धि निकालने का सही सूत्र है

$$-\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}} \times 100$$

89. g-कारक का सिद्धान्त प्रतिपादित किया था *–स्पीयरमैन ने*
90. बुद्धिमत्ता किस आयु तक बढ़ती है ? *– 18 वर्ष तक*

सम्प्रेषण/संचार

91. रंगों के माध्यम से सम्प्रेषण का परिणाम हो सकता है *–सौन्दर्यपरक एवं सांस्कृतिक संकेत*
92. सम्प्रेषण प्रक्रिया में संकेत किससे अर्थ प्राप्त करते हैं ? *–अन्तर-सम्बन्धों के नेटवर्क से*
93. कक्षा के अन्तर्गत गुणार्थक सम्प्रेषण है *–अन्तर्निहित*
94. छात्रों में सम्प्रेषण कला का विकास करना चाहिए इससे छात्रों में होगा *–विचाराभिव्यक्ति क्षमता का विकास*
95. कक्षा में छात्र तथा अध्यापकों के बीच सम्प्रेषण होता है *–अन्त:क्रिया हेतु*
96. सम्प्रेषक की वाणी में आरोह-अवरोह-विचार संचार को बनाते हैं *–उद्देश्यमूलक*
97. जब आप कक्षा में शिक्षण करते हैं, तो कक्षा में साथ-साथ चलना चाहिए *–गैर-शाब्दिक विचार सम्प्रेषण*
98. संचार पक्ष का कौनसा समूह कक्षा में संचार की प्रक्रिया को खण्डित नहीं करता ? *–मूल्यांकन, संकेन्द्रण एवं निदर्शन*
99. आत्म सम्प्रेषण को कहते हैं *–अन्त:वैयक्तिक सम्प्रेषण*
100. एक प्रभावशाली संचारक की योग्यता के निर्णय का आधार है *–लक्ष्योन्मुखी श्रोतागण की आवश्यकताओं को ध्यान में रखना*

खेलकूद

101. 'गैम्बिट' शब्द किस खेल से सम्बन्धित है ? *–शतरंज*
102. ओबेदुल्ला गोल्ड कप सम्बन्धित है *–हॉकी*
103. अभी तक आईसीसी विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं *–मो. शमी (2018), चेतन शर्मा (1987)*
104. 'बोगी' शब्द किस खेल से सम्बन्धित है ? *–गोल्फ से*
105. एयरलाइंस गोल्ड कप का सम्बन्ध है *–फुटबाल से*
106. 'स्ट्राइगर' शब्द किस खेल से सम्बन्धित है ? *–क्रिकेट से*
107. वाटर पोलो में हर टीम में खिलाड़ियों की संख्या होती है *–07*
108. अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के अध्यक्ष का चुनाव कितने वर्षों के लिए होता है ? *–8 वर्ष*
109. टेबिल टेनिस किस देश का राष्ट्रीय खेल है ? *–चीन का*
110. क्रिकेट में स्टम्प्स की चौड़ाई होती है *–9 इंच*

कृषि

111. सरकार ने **खरीफ** फसल वर्ष 2019-20 हेतु फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) में (विगत् **खरीफ** फसल वर्ष 2018-19 की तुलना में). –विशेषकर तिलहनी फसलों पर ज्यादा जोर देकर, मूँगफली का 'एमएसपी' निर्धारित किया है *– ₹ 5090 प्रति कुंटल (v/s ₹ 4890 प्रति कुं. 2018-19 वर्ष के)*
112. फसल वर्ष 2019-20 ...... हेतु, *तिल* का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) रखा गया है. *– ₹ 6485 प्रति कुंटल (v/s ₹ 6249 प्रति कुं. 2018-19 वर्ष के)*
113. *'19वीं'* पशुधन गणना-2012 के अनुसार, देश में करीब ...... मिलियन **शूकर** (पिग्स) हैं, जो गणना 5 वर्ष के अन्तराल पर की जाती है. *–10·3 मिलियन (लगभग)*
114. *'19वीं'* पशुधन गणना-2012 के अनुसार, देश में **बकरियों** की संख्या है *–135·2 मिलियन (लगभग)*
115. देश की *'जनगणना-2011'* के अनुसार, भारत की आबादी का लगभग ...... प्रतिशत हिस्सा कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों में लगा है. *–54·6 प्रतिशत*
116. देश के सकल मूल्य संवर्धन (वर्तमान मूल्य पर) वर्ष 2016-17 में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्र की हिस्सेदारी ...... प्रतिशत रही है. *–17·4%*
117. *'नेशनल लाइव स्टॉक मिशन'* (एन.एल.एम.)–डेयरी एवं पाउल्ट्री क्षेत्र की सफलता हेतु को किस वर्ष लाँच किया गया ? *–वर्ष 2014-15 में*
118. राई-सरसों के बीज के **कितने** प्रकार होते हैं ? *–4 प्रकार के (प्रजनक बीज, आधार बीज, प्रमाणित बीज व सत्य चिह्नित बीज)*
119. *'डीडी किसान चैनल'* भारत सरकार द्वारा, किस वर्ष शुरू किया गया ? *–15 मई, 2015 को (किसानों को कृषि की नई तकनीकें बताने हेतु)*

120. *'हाइड्रोपॉनिक्स'* (ग्रीक शब्द) अर्थात् जल कृषि यानी बिना मिट्टी के खेती के *'जनक'* कहे जाते हैं ......, जिस खेती में खनिज लवण-जल विलयन में होते हैं.

–डॉ. विलियम एफ. गैरिक (कैलीफोर्निया वि.वि. यू.एस.ए. के प्रमुख वैज्ञानिक)

कम्प्यूटर ज्ञान

121. डिस्क को ट्रैकों और सेक्टरों में बाँटने वाली प्रक्रिया कहलाती है *–फॉर्मेटिंग*
122. यदि एक्सेल वर्कशीट को पॉवर प्वॉइंट प्रजेंटेशन में इस्तेमाल करने के लिए लिंक करना हो तो क्लिक करना चाहिए *–एडिट, कॉपी*
123. FTP का पूरा नाम है *–File Transfer Protocol*
124. वेबसाइट के नाम में http हैं *–प्रोटोकॉल*
125. किसी फीचर को ऑन या ऑफ करने वाले कैपलॉक के जैसी की-बोर्ड की कुंजियों का कहा जाता है *–टॉगल कीज*
126. शॉर्टकट तैयार करने के लिए फंक्शन कीज के अलावा किन कुंजियों का प्रयोग किया जाता है ? *–कॉम्बीनेशन कीज*
127. स्टोरेज की थोड़ीसी जगह में बहुत-सी फाइलों को स्टोर करने के लिए प्रयोग किया जाता है *–फाइल एडजेस्टमेंट*
128. कम्प्यूटर की किस मैमोरी को रैम से अक्सर प्रयोग की जाने वाली सूचना को संग्रह करने में प्रयोग किया जाता है *–कैश मैमोरी*
129. विंडोज ऐरो है *–विंडोज 7 के लिए ग्राफिकल यूजर इंटरफेस*
130. विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम का स्क्रीन सेवर है *–एक प्रोग्राम जो कम्प्यूटर पर हमें एनीमेशन या कुछ समय तक कोई इनपुट न मिलने पर ब्लैक स्क्रीन दिखाता है*

विविध

131. राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक 30 जनवरी, 2019 को राष्ट्र को समर्पित किया गया, यह अवस्थित है *–गुजरात के नवसारी जिले के दांडी नामक स्थान पर*
132. देश में इलैक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण और उनके तेजी से इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कौनसी योजना शुरू की गई है ? *–फेम इंडिया योजना*
133. भारत में किसी राज्य की राज्यपाल बनने वाली पहली महिला हैं *–सरोजनी नायडू*
134. ढाका में 1971 में किस पाकिस्तानी जनरल ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया था ? *–ले. जनरल नियाजी*
135. रोनू मजूमदार संगीत की किस विधा से सम्बन्धित है ? *–बांसुरी वादन से*
136. केवल विकलांगों के लिए भारत में बनाया जाने वाला प्रथम विश्वविद्यालय अवस्थित है *–चित्रकूट में*
137. शरण रानी को जिस क्षेत्र में ख्याति प्राप्त है, वह है *–चित्रकला*
138. किसी भी संस्कृति के वैज्ञानिक विवरण के अध्ययन को कहते हैं *–इथनोलॉजी*
139. भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था *–18 मई, 1974 को*
140. संयुक्त राज्य अमरीका के इतिहास में एकमात्र अनिर्वाचित राष्ट्रपति थे *–फोर्ड (1974-77)*

●●●

शेष पृष्ठ 109 का

पर्याप्त कानूनों का अभाव है. इसके कारण कीटनाशकों और हर्बिसाइड्स को थोक में आयात किया जाता है या फिर पर्याप्त लेविलिंग (Levelling) के बिना उन्हें पैक करने भेजा जाता है. कीटनाशक रसायनों को जब गोदामों में अपर्याप्त पैकिंग के साथ रखा जाता है और बहुत समय तक जब उनका उपयोग नहीं होता है तो रसायन कंटेनर खराब हो जाता है और जब रसायन सामग्री भूजल में बाहर फैल जाये, तो प्रदूषण का एक कारण बन जाता है. संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की निगरानी के साथ मच्छरों और अन्य कीटों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का उपयोग व्यापक रूप से किया जाता है. छिड़काव उपकरणों को भी ठीक प्रकार से नहीं रखा जाता है. जहरीले रसायनों से होने वाली दुर्घटनाओं का लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है.

9. प्राकृतिक संरक्षण

विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकृति संरक्षण एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समस्या है, जो मानव दुरुपयोग से बचे हुए हैं. इन प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र में विशेष प्रकार के जन्तु एवं वनस्पति होते हैं, जो अन्यत्र नहीं मिलते हैं. बढ़ती हुई मानवीय संख्या इनके दुरुपयोग का एक कारण हो सकती है. स्थिर निवास स्थान के लिए वनस्पति विनाश आगे की प्रजातियों पर दबाव बढ़ाते हैं. प्रकृति के संरक्षण की समस्या तब गम्भीर हो जाती है जब प्राकृतिक रूप से प्राकृतिक आवास का क्षेत्र कम हो जाता है.

10. तटीय कटाव

तटरेखा का समुद्र के साथ एक गतिशील सम्बन्ध है. समुद्री लहर के कारण लगातार सामग्री तट पर जमा हो जाती है या फिर दूर चली जाती है. यद्यपि समुद्र तट के किनारे नई भूमि का निर्माण आमतौर पर उपयोगी माना जाता है, परन्तु तटीय कटाव एक गम्भीर पर्यावरणीय समस्या है विशेषकर उन स्थानों पर जहाँ सड़कें, इमारतें या दुर्लभ कृषि भूमि है, ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र का स्तर अब और तेजी से बढ़ रहा है. जिससे तटीय कटाव और बाढ़ की समस्या गम्भीर होती जा रही है.

11. खनिज खनन

विकासशील देशों के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में खनन एक महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है. यह अनिवार्य रूप से गम्भीर पर्यावरणीय समस्या है. इनमें खदानों के कचरे, प्रसंस्करण कचरे और खनन समाप्त होने के बाद अनुपयोगी बंजर भूमि का परित्याग शामिल है. यद्यपि नई खदानें आमतौर पर सख्त पर्यावरण नियंत्रण के आधीन हैं.

12. औद्योगिक प्रदूषण

विकासशील देशों जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग व्यापक रूप से फैले हुए हैं, यह पर्यावरणीय समस्या विकराल रूप धारण किए हुए है. ज्यादातर निर्यात के लिए भोजन या खनिजों के प्रसंस्करण पर बहुत ध्यान केन्द्रित किया जाता है. विशेषकर मछली और फल के प्रसंस्करण संयंत्रों से अपशिष्ट, कपड़ा रंगाई से अपशिष्ट गलानों वाले संयंत्र से खतरनाक वायु प्रदूषण, ग्रामीण औद्योगिक प्रदूषण की कुछ समस्याएँ हैं.

अतः यह स्पष्ट है कि पर्यावरण की इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन कौशल तथा स्थानीय पर्यावरण की अच्छी वैज्ञानिक समझ की आवश्यकता है. दुर्भाग्य से ग्रामीण क्षेत्रों में इसका अभाव है. ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अपने लिए एक संतोषजनक पर्यावरणीय भविष्य सुनिश्चित करें.

●●●

सीसैट

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

निर्देश–(प्रश्न 1 से 5 तक) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले पाँच प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

एक और भारतीय वायुसेना की दुःखद दुर्घटना में एक मिराज 2000 प्रशिक्षक विमान 01/02/2019 को बेंगलुरू में हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड हवाई अड्डे से उड़ने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो IAF अफसरों की मौत हो गई. यह विमान हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड के द्वारा अपग्रेड किया गया था. यह विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जोकि विमान के पहियों के साथ एक संभावित समस्या की ओर संकेत करता है. यह दुर्घटना आजकल के वर्षों में दुर्घटनाग्रस्त हुए IAF के विमानों की बढ़ रही सूची में एक और जोड़ देती है. बेंगलुरू दुर्घटना उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जगुआर लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ दिनों बाद हुई है. ये सब विमानों की सम्पत्ति-सूची और रख-रखाव के साथ एक गहन समस्या की ओर संकेत करता है. यह विख्यात है कि भारतीय वायुसेना के पास विमानों की भारी कमी है. इनके पास काफी कम 30 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, जोकि कुछ और वर्षों में धीरे-धीरे और कम 26 तक हो जाएंगे. इससे एक परिस्थिति उत्पन्न हो गई है, जहाँ दशकों पुराने विमान जैसे मिराज 2000 को उनकी क्रियाशील जीवन-अवधि को बढ़ाने के लिए अपग्रेड करना ही होगा. निःसन्देह, केवल अनुभवी निजी खिलाड़ियों को ही रक्षा उत्पादन और रख-रखाव के लिए कीमती ठेके मिलने चाहिए. ''जुगाड़'' पद्धति ऐसे ही जारी नहीं रह सकती. यह हमारी रक्षा तैयारी को दुर्बल बना देती है और हमारे अफसरों को खतरे में डाल देती है. हमें स्वदेशी उत्पादन को जुटाने की और एक अमरीकी ढंग का सैनिक औद्योगिक संकुल बनाने की आवश्यकता है. इसके लिए निजी क्षेत्र की और अधिक हिस्सेदारी की जरूरत है. रक्षा के सरकारी क्षेत्र उपक्रमों (PSUs) का पिछला कार्य-निष्पादन रिकार्ड बहुत खराब है जैसे उदाहरण के लिए लाइट कॉमबेट एयरक्राफ्ट तेजस प्रोजेक्ट है जिसने प्रवेश अवस्था में पहुँचने में तीन दशकों से अधिक का समय ले लिया.

1. बेंगलुरू में 01/02/2019 को दुर्घटना-ग्रस्त होने वाले विमान का नाम है–
   (A) जुगआर 2019
   (B) एयरबस 320
   (C) मिराज 2000
   (D) तेजस 2019

2. विमान की जीवन-अवधि को बढ़ाने के लिए प्रयोग की गई पद्धति है–
   (A) पूरी तरह से जाँच और मरम्मत करना
   (B) जुगाड़
   (C) आंतरिक तकनीक को अपग्रेड करना
   (D) सभी दोषपूर्ण भागों को बदलना

3. भारत में अमरीकी ढंग का सैनिक औद्योगिक संकुल स्थापित करने में किस क्षेत्र की हिस्सेदारी के सुझाव दिए गए हैं ?
   (A) सरकारी क्षेत्र
   (B) निजी क्षेत्र
   (C) स्वायत्त निकाय
   (D) अर्ध सरकारी क्षेत्र

4. वर्तमान में, IAF के पास लड़ाकू स्क्वॉड्रनों की संख्या है–
   (A) 25 (B) 26
   (C) 28 (D) 30

5. बेंगलुरू में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान को किसने अपग्रेड किया था ?
   (A) केन्द्रीय सरकारी सैनिक वर्कशाप, दिल्ली
   (B) बेंगलुरू ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड
   (C) हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड
   (D) पुणे सैनिक औद्योगिक वर्कशाप

6. हरियाणा राज्य की उत्पत्ति पर, यानि 01.11.1966 पर, सप्ताह का दिन है–
   (A) शुक्रवार (B) शनिवार
   (C) सोमवार (D) मंगलवार

7. विद्यार्थियों को सात नकद पुरस्कार देने के लिए ₹ 2,100 की धनराशि प्रयोग की जानी है. यदि प्रत्येक पुरस्कार अपने से पहले वाले पुरस्कार से ₹ 20 कम है, तो अधिकतम पुरस्कार राशि न्यूनतम पुरस्कार राशि से कितने गुणा ज्यादा है ?
   (A) 1·2 (B) 1·3
   (C) 1·5 (D) 2

8. यदि पाँच भुजाओं वाले बहुभुज के अंतःकोण 1 : 2 : 3 : 4 : 5 के अनुपात में हैं, तो लघुत्तम और बृहत् कोणों के मापों का योग (डिग्री में) है–
   (A) 216 (B) 252
   (C) 108 (D) 324

9. ₹ 10 की एक धनराशि साधारण ब्याज पर, प्रत्येक ₹ 1 की 11 मासिक किश्तों में वापस करने के लिए उधार दी जाती है. लगाई गई ब्याज की दर है–
   (A) $9\frac{1}{11}$ % (B) 10%
   (C) $21\frac{9}{11}$ % (D) 22%

10. एक कक्षा में 65 विद्यार्थी हैं और ₹ 39 को उनके बीच इस प्रकार वितरित किया जाता है कि प्रत्येक लड़के को 80 पैसे मिलते हैं और प्रत्येक लड़की को 30 पैसे मिलते हैं. कक्षा में लड़कों की संख्या का लड़कियों की संख्या से अनुपात है–
    (A) 3 : 2 (B) 4 : 1
    (C) 2 : 3 (D) 1 : 4

निर्देश–(प्रश्न 11 एवं 12) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले दो प्रश्नाशों के उत्तर दीजिए–

एक क्लब में 120 संगीतकार हैं और उनमें से 5% सभी तीनों यंत्रों यानी गिटार, वायलिन और बाँसुरी को बजा सकते हैं. यह संयोगवश है कि उन संगीतकारों की संख्या 30 है जो ऊपर दिए गए यंत्रों में से केवल दो को बजा सकते हैं. केवल गिटार बजा सकने वाले संगीतकार 40 हैं.

11. उन संगीतकारों, जो या तो केवल वायलिन या केवल बाँसुरी बजा सकते हैं, की संख्या है–
    (A) 40 (B) 38
    (C) 44 (D) 46

12. उन संगीतकारों, जो केवल एक या सभी तीनों यंत्रों को बजा सकते हैं, की संख्या है–
    (A) 106 (B) 90
    (C) 88 (D) 86

13. एक कारखाने में घोल के टैंक A की क्षमता दूसरे टैंक B की क्षमता का 70% है. यदि टैंक A की सम्पूर्ण क्षमता 14000 गैलन है और एक खास समय पर यह 80% भरा हुआ है और टैंक B 40% भरा हुआ है. टैंक A में टैंक B की अपेक्षा घोल के कितने ज्यादा गैलन हैं ?
    (A) 4200 गैलन (B) 3200 गैलन
    (C) 2800 गैलन (D) 6300 गैलन

14. ABCD भुजा $2\sqrt{2}$ सेमी का एक वर्ग है और M, N क्रमशः भुजाओं AB

13857927

और AD के मध्य बिन्दु हैं, तो इस तरह बनाए गए समलंब (ट्रैपीजियम) BDNM का परिमाप (सेमी में) है–

(A) $2(3+\sqrt{2})$

(B) $2(2+\sqrt{2})$

(C) $2(1+\sqrt{2})$

(D) $2(1+3\sqrt{2})$

15. संख्या 7 का वह लघुत्तम गुणज क्या है जिसको जब 6, 9, 15 और 18 से विभाजित किया जाता है तो शेष 4 बचता है ?

(A) 844 (B) 704
(C) 364 (D) 94

निर्देश–(प्रश्न 16 से 20 तक) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले पाँच प्रश्नाशों के उत्तर दीजिए–

पाँच शहर A, B, C, D और E परिवहन के विभिन्न तरीकों द्वारा निम्न प्रकार से आपस में जुड़े हुए हैं–

(i) A और B नाव और रेल द्वारा
(ii) C और D बस और नाव द्वारा
(iii) B और E केवल विमान द्वारा
(iv) A और C केवल नाव द्वारा
(v) C और E रेल और बस द्वारा

16. परिवहन के तरीके को बदले बिना, परिवहन का कौनसा तरीका किसी को B से प्रारंभ करके C तक पहुँचने में मदद करेगा ?

(A) विमान (B) बस
(C) रेल (D) नाव

17. यदि एक व्यक्ति, A से प्रारम्भ करके प्रत्येक शहर की यात्रा करता है, तो कौनसे शहर की उसने दो बार यात्रा की ?

(A) D (B) C
(C) B (D) A

18. कौनसे दो शहरों के बीच अधिकतम यात्रा विकल्प चार से कम हैं ?

(A) (B, D) (B) (A, C)
(C) (B, C) (D) (A, B)

19. शहरों का वह कौनसा युग्म है जिसके शहर आपस में सीधे जुड़े हैं ?

(A) (A, E) (B) (A, D)
(C) (B, D) (D) (B, E)

20. वे शहर कौनसे हैं जहाँ कोई भी व्यक्ति विमान द्वारा नहीं जा सकता ?

(A) A, B (B) A, D, E
(C) A, B, E (D) A, C, D

निर्देश–(प्रश्न 21 से 25 तक) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले पाँच प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्नांश में चार कथन दिए गए हैं जिसके आगे तीन निष्कर्ष I, II और III दिए गए हैं. आपको दिए गए कथनों को सही मानना होगा यद्यपि वे सामान्यतः ज्ञात तथ्यों से विचलित होते हुए प्रतीत होते हों. सभी निष्कर्षों को पढ़िए और उसके पश्चात् निर्णय लीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसे, दिए गए कथनों से शुद्ध रूप से अनुसरित होते हैं, सामान्य ज्ञात तथ्यों की परवाह किए बिना.

21. **कथन** : सभी डेस्क खम्भे हैं.
सभी खम्भे वृत्त हैं.
कुछ वृत्त वर्ग हैं.
कुछ वर्ग आयत हैं.

निष्कर्ष : I. कुछ आयत खम्भे हैं.
II. कुछ वृत्त डेस्क हैं.
III. कुछ वर्ग डेस्क हैं.

(A) केवल I अनुसरण करता है
(B) केवल II अनुसरण करता है
(C) केवल III अनुसरण करता है
(D) केवल I और II अनुसरण करते हैं

22. **कथन** : कुछ प्लेटें चाकू हैं.
सभी चाकू जंजीरें हैं.
कुछ जंजीरें पहिए हैं.
सभी पहिए पोल हैं.

निष्कर्ष : I. कुछ पोल जंजीरें हैं.
II. कुछ पहिए चाकू हैं.
III. कुछ जंजीरें प्लेटें हैं.

(A) केवल I अनुसरण करता है
(B) केवल I और III अनुसरण करते हैं
(C) केवल I और II अनुसरण करते हैं
(D) केवल II और III अनुसरण करते हैं

23. **कथन** : कुछ गुलाब फूल हैं.
कुछ फूल कलियाँ हैं.
कुछ कलियाँ पत्तियाँ हैं.
सभी पत्तियाँ पौधे हैं.

निष्कर्ष : I. कुछ पौधे फूल हैं.
II. कुछ गुलाब कलियाँ हैं.
III. कोई पत्ती गुलाब नहीं है.

(A) केवल अनुसरण I करता है
(B) केवल I और II अनुसरण करते हैं
(C) केवल I और III अनुसरण करते हैं
(D) केवल II और III अनुसरण करते हैं

24. **कथन** : कुछ जूते मोजे हैं.
सभी मोजे तौलिए हैं.
सभी तौलिए चादरें हैं.
कोई चादर कम्बल नहीं है.

निष्कर्ष : I. कोई तौलिया कम्बल नहीं है.
II. कुछ जूते तौलिए हैं.
III. कुछ जूते चादरें हैं.

(A) केवल I और II अनुसरण करते हैं
(B) केवल I और III अनुसरण करते हैं
(C) केवल II और III अनुसरण करते हैं
(D) सभी अनुसरण करते हैं

25. **कथन** : सभी कुर्सियाँ मेजें हैं.
सभी मेजें टेलीफोन हैं.
सभी टेलीफोन सेलफोन हैं.
कोई सेलफोन कम्प्यूटर नहीं है

निष्कर्ष : I. सभी सेलफोन मेजें हैं.
II. कुछ कुर्सियाँ कम्प्यूटर हैं.
III. कोई कुर्सी कम्प्यूटर नहीं है.

(A) केवल I अनुसरण करता है
(B) केवल II अनुसरण करता है
(C) केवल III अनुसरण करता है
(D) केवल या तो II या III अनुसरण करता है

26. 1 से 1000 तक संख्याएँ लिखने पर, अंक 3 कितनी बार प्रकट होता है ?

(A) 243 (B) 246
(C) 297 (D) 300

निर्देश–(प्रश्न 27 से 30 तक) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले चार प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

एक बार एक चींटी जो एक नदी पर पानी पीने आई थी, पानी में गिर गई और तेज धारा में बह गई. वह डूबने के बड़े खतरे में थी. एक फाख्ता जो एक निकट पेड़ पर बैठी हुई थी, उसने चींटी के खतरे को देखा और पानी में एक पत्ता गिरा दिया. चींटी उस पर चढ़ गई और कुशलतापूर्वक बाहर आ गई. इसके कुछ समय बाद, एक शिकारी ने झाड़ियों में से गुजरते हुए देखा कि फाख्ता सोई हुई है और उसने बंदूक से सावधानीपूर्वक निशाना लगाया. वह गोली चलाने ही वाला था, जब चींटी, जो निकट ही थी, रेंगती हुई आगे गई और उसके टखने पर तेजी से काट लिया. शिकारी का निशाना चूक गया और बंदूक की ऊँची आवाज ने फाख्ता को उसकी नींद से जगा दिया. उसने खतरा देखा और तेजी से दूर सुरक्षित स्थान पर उड़ गई. इस प्रकार, चींटी ने उस फाख्ता का बदला चुका दिया, जिसने उसके जीवन की रक्षा नदी की झाग उगलती धारा से की थी.

27. चींटी ने फाख्ता का बदला चुका दिया–
(A) फाख्ता से प्यार करके
(B) पत्ते को पानी में गिराकर
(C) फाख्ता के जीवन की रक्षा जानवरों से करके
(D) शिकारी को काटकर

28. फाख्ता खतरे में थी क्योंकि–
(A) एक शिकारी उसको गोली मारने वाला था
(B) एक बड़ा जानवर आस-पास था
(C) वह डाली से नीचे गिर गई थी
(D) वह तेज धारा में बह गई थी

29. फाख्ता ने पानी में पत्ता गिराया–
(A) चींटी को डुबाकर मारने के लिए
(B) चींटी को बचाने के लिए
(C) धारा का स्तर मापने के लिए
(D) अपना ठिकाना बनाने के लिए

30. चींटी नदी के पास आई–
(A) बच्चों के लिए कुछ पानी लेने के लिए
(B) तेज धारा को देखने के लिए
(C) इसमें से पानी पीने के लिए
(D) इसमें नहाने के लिए

31. 'जूता' चमड़े से ठीक उसी प्रकार संबंधित है जैसे कि 'रबड़' संबंधित है–
(A) प्लास्टिक से (B) लेटेक्स से
(C) पन्नी से (D) स्लीपर से

32. नूपुर पूर्व की ओर 9 किमी चलती है, फिर दक्षिण-पश्चिम की ओर मुड़ती है और 8 किमी चलती है. यह पुनः उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़ती है और पुनः 4 किमी चलती है. वह अब अपने प्रारम्भिक बिंदु से किस दिशा में खड़ी है ?
(A) दक्षिण-पूर्व (B) उत्तर-पूर्व
(C) पश्चिम (D) पूर्व

33. श्रेणी PQR _ I _ RSP I RS _ _ I SPQ _ में अनुपस्थित अक्षरों का अनुक्रम है–
(A) SQQPR (B) TTSQR
(C) SSQQR (D) SQPQR

34. शतरंज की खेल प्रतियोगिता में प्रत्येक खिलाड़ी दूसरे सभी खिलाड़ियों के साथ दो बार खेलेगा. यदि खेल प्रतियोगिता में कुल 272 मैच खेले गए, तो खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या है–
(A) 16 (B) 17
(C) 19 (D) 23

35. यदि शब्द 'TEMPLE' को 'VHQURL' से कूटबद्ध किया जाता है, तो शब्द 'SITARAM' के लिए कूट है–
(A) ULXFXHU
(B) ULXFYHU
(C) ULXGXHV
(D) ULXFXHV

निर्देश–(प्रश्न 36 से 39 तक) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले चार प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

आधुनिक सभ्यता पूरी तरह से ऊर्जा पर निर्भर करती है, इसलिए उसको भरपूर होना चाहिए और किफायती भी. संसार की लगभग 90% ऊर्जा की आपूर्ति तेल, कोयला और प्राकृतिक गैस के द्वारा होती है, जबकि नाभिकीय, जलीय, पवन और सौर शक्ति और जैव ईंधन शेष ऊर्जा की आपूर्ति करते हैं. कोयला, नाभिकीय और जलीय का उपयोग मुख्यतया बिजली उत्पादन के लिए होता है जबकि प्राकृतिक गैस का उपयोग व्यापक रूप से तापन के लिए होता है. जैव ईंधन का उपयोग तापन और भोजन बनाने दोनों में होता है. पवन और सौर शक्ति भविष्य की आशा हैं, क्योंकि वे धारणीय ऊर्जा के स्रोत हैं. तेल लगभग सभी मशीनें, जो चलती हैं, को शक्ति देता है और यह चीज तेल को विशिष्ट रूप से बहुमुखी बनाती है. तेल से ऊर्जायुक्त हवाई जहाज लगभग ध्वनि की गति से 500 लोगों को व्यापक समुद्रों के आर-पार ले जाते हैं. तेल से ऊर्जायुक्त मशीनें खाद्य पदार्थों का उत्पादन करती हैं और उनकी ढुलाई करती है. तेल से ऊर्जा युक्त मशीनें सर्वव्यापी हैं. स्पष्ट रूप से, हम तेल के युग में रह रहे हैं लेकिन यह तेल खत्म होता जा रहा है. उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, यदि तेल का उत्पादन स्थिर रहता है जब तक यह खत्म नहीं हो जाता, तो हमारे पास पर्याप्त तेल है जो 42 वर्षों तक चल सकता है. तेल के कुएँ जैसे-जैसे खाली होते जाते हैं, उनका उत्पादन भी कम हो जाएगा, जिस कारण उसका उत्पादन स्थिर रख पाना असंभव हो जाएगा. उसी तरह से, प्राकृतिक गैस और कोयला क्रमशः 61 वर्षों और 133 वर्षों तक और चल सकेंगे. स्वाभाविक रूप से, जैसे-जैसे ये अपर्याप्त होते जाते हैं, ये महँगे हो जाते हैं, जिससे विश्व भर में एक ऊर्जा संकट पैदा हो जाता है. यदि हमें इस ग्रह पर जीना है, तो हमें धारणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर परिवर्तित होना होगा. यह परिवर्तन जबर्दस्ती का या योजनाबद्ध हो सकता है–चयन हमारा है. सीमित और मँहगी ऊर्जा का आने वाला युग पृथ्वी पर प्रत्येक के लिए बहुत कठिन होगा लेकिन और भी ज्यादा कठिन होगा यदि इसका पूर्वानुमान नहीं किया जाता है. यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि जनता और नीति निर्माता विश्व ऊर्जा संकट को समझें, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऊर्जा स्रोत लुप्त न हो जाएँ, शीघ्र कार्यवाही करें.

36. परिच्छेद का विषय है–
(A) बदलते जीवन
(B) ऊर्जा संकट मंडराना
(C) ऊर्जा के स्रोत
(D) आज की दुनिया की शक्ति

37. जैव ईंधन एक ऊर्जा स्रोत है जो प्रयोग होता है–
(A) कृषि में (B) उद्योग में
(C) घरों में (D) दफ्तरों में

38. भविष्य के लिए ऊर्जा स्रोत हैं–
(A) नाभिकीय और जलीय शक्ति
(B) कोयला और प्राकृतिक गैस
(C) पवन और सौर शक्ति
(D) तेल और जैव ईंधन

39. मानव जाति की उत्तरजीविता निर्भर करेगी–
(A) उपलब्ध ऊर्जा स्रोतों के अधिकतम उपयोग पर
(B) धारणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर परिवर्तन पर
(C) ऊर्जा उपभोक्ताओं पर अधिनियम लगाने पर
(D) ऊर्जा उत्पादन का स्तर स्थिर रखने पर

40. ₹ 750 पर 2 वर्ष के लिए दो अलग-अलग बैंकों से प्राप्त ब्याज का अन्तर ₹ 90 है. दो बैंकों द्वारा चार्ज किए गए साधारण ब्याज दरों के बीच अन्तर है–
(A) 2% (B) 4%
(C) 6% (D) 8%

निर्देश–(प्रश्न 41 से 45 तक) निम्नलिखित 5 प्रश्नांश अंग्रेजी के निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित हैं और अंग्रेजी भाषा के बोधन के परीक्षण के लिए हैं. अतः इन प्रश्नांशों का हिन्दी पाठ नहीं दिया जा रहा है.

"The emancipation of women," James Joyce told one of his friends, "has caused the greatest revolution in our time in the most important relationship there is – that between men and women." Other modernists agreed : Virginia Woolf, claiming that in about 1910 "human character changed," and, illustrating the new balance between the sexes, urged, "read the 'Agamemnon,' and see whether – your sympathies are not almost entirely with Clytemnestra." D. H. Lawrence wrote, "perhaps the deepest fight for 2000 years and more, has been the fight for women's independence."

But if modernist writers considered women's revolt against men's domination one of their greatest and deepest themes, only recently – in perhaps the past 15 years – has literary criticism begun to catch up with it. Not that the images of sexual antagonism that abound in modern literature have gone unremarked, far from it. But what we are able to see in literary works depends on the perspectives we bring to them, and now that women – enough to make a difference – are reforming canons are interpreting literature, the landscapes of literary history and the features of individual books have begun to change.

41. The title, best describe the content of the passage, is—
(A) Towards a New Criticism
(B) Modernist Writers and the Search for Equality
(C) The Meaning of Literacy Works
(D) Transforming Literature

42. The author's attitude toward women's reformation of literary canons can best be described as one of—
(A) Skepticism
(B) Endorsement
(C) Indifference
(D) Ambivalence

43. The author quotes James Joyce, Virginia Woolf, and D. H. Lawrence primarily in order to show that—
(A) These were feminist writers
(B) Although well-meaning, they were ineffectual
(C) Modern literature is dependent on the women's movement
(D) The interest in feminist issues is not new

44. According to passage, women are changing literary criticism by—
(A) Nothing instances of hostility between men and women
(B) Studying the works of early twentieth century writers
(C) Reviewing books written by feminists
(D) Seeing literature from fresh points of view

45. The word not describe the meaning of "emancipation", is—
(A) Freedom (B) Liberation
(C) Restraint (D) Freeing

46. एक ग्राहक द्वारा दिए जा सकने वाले विभिन्न पिज़्ज़ा ऑर्डरों की संख्या कितनी होगी, यदि उसके पास 3 विभिन्न पपड़ियों (क्रस्ट), 2 चटनियों (सॉस) और 10 विभिन्न टॉपिंगों के विकल्प हैं ?
(A) 120 (B) 60
(C) 216 (D) 64

47. कनिका ने अपने मित्र से कहा कि कल मैंने अपनी माता की माता के इकलौते दामाद के पुत्र की जन्मदिन पार्टी में भाग लिया. कनिका उस व्यक्ति से किस प्रकार संबंधित है जिसकी जन्मदिन पार्टी में उसने भाग लिया ?
(A) पुत्री (B) माता
(C) बहन (D) भतीजी/भांजी

48. श्रेणी 2, 3/2, 10/3, 15/4, 26/5, ..., में अगली संख्या है–
(A) $5\frac{5}{6}$ (B) $6\frac{1}{6}$
(C) $7\frac{5}{6}$ (D) $8\frac{5}{6}$

49. निम्नलिखित में से तीन एक निश्चित ढंग से एक समान हैं और इस तरह वे एक समरूप समूह बनाते हैं. कौनसा एक उस समूह का सदस्य **नहीं** है ?
(A) पौधा (B) टहनी
(C) जड़ (D) पत्ती

50. यदि 3 भिन्न संख्याओं के वर्गों का योग 1 है, तो उनके गुणनफलों (एक बार में दो संख्याएँ लेने पर) का योग किनके बीच में होगा ?
(A) $-\frac{1}{2}$ और 1 (B) $\frac{1}{2}$ और $\frac{3}{4}$
(C) $\frac{1}{2}$ और 1 (D) $-\frac{1}{2}$ और $\frac{3}{2}$

51. जब एक संख्या $2851 \times (2862)^2 \times (2873)^3$ को 23 से विभाजित किया जाता है, तो शेष रहता है–
(A) 5 (B) 17
(C) 18 (D) 19

52. 1 से 100 तक सभी संख्याओं को गुणा करने पर प्राप्त हुई संख्या के अंत में कितने शून्य होंगे ?
(A) 16 (B) 20
(C) 24 (D) 36

53. एक व्यक्ति एक वस्तु को बेचकर 20% का लाभ अर्जित करता है. यदि वह 20% कम पर वस्तु खरीदता है और उसको 10% अधिक पर बेचता है, तो लाभ में प्रतिशत परिवर्तन है–
(A) 50% (B) 8%
(C) 15% (D) 20%

54. वह त्रिभुज ABC किस प्रकार का है जिसका परिमाप 56 और भुजाएँ $BC = x + 1$, $AB = 4x$ और $AC = 5(x - 1)$ हैं ?
(A) समकोण त्रिभुज
(B) अधिक कोण त्रिभुज
(C) समबाहु त्रिभुज
(D) समद्विबाहु त्रिभुज

55. केलों के पहले गुच्छे में दूसरे की तुलना में 1·3 गुणा ज्यादा केले हैं. यदि दो गुच्छों में केलों का अन्तर 12 है, तो दोनों गुच्छों में कुल केलों की संख्या है–
(A) 46 (B) 40
(C) 63 (D) 92

56. एक पिता और पुत्र की आयु का जोड़ 45 वर्ष है. पाँच वर्ष पहले उनकी आयु का गुणनफल उस समय पर पिता की आयु का चार गुना था. पिता और पुत्र की आयु के अन्तर का दुगना है–
(A) 72 (B) 45
(C) 90 (D) 54

57. चक्रीय चतुर्भुज WXYZ में, कोण Z का माप अन्य तीन कोणों के मापों के औसत के दुगने से 10 अधिक है. कोण X का माप है–
(A) 150 (B) 30
(C) 120 (D) 60

58. चीनी के शरबत के ब्राण्ड I के घोल में 15% चीनी है और अन्य ब्राण्ड II के घोल में 5% चीनी है. पहले घोल की 20 लिटर मात्रा में दूसरे घोल की कितनी मात्रा, लिटर में, मिलाई जानी चाहिए ताकि वह 10% चीनी वाला घोल बन जाए ?
(A) 5 (B) 10
(C) 15 (D) 20

निर्देश–(प्रश्न 59 एवं 60) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले दो प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

(i) P, Q, R, S, T और U एक परिवार के छः सदस्य हैं, इनमें से प्रत्येक एक भिन्न व्यवसाय में व्यस्त है जैसे कि डॉक्टर, वकील, प्रोफेसर, इन्जीनियर, पायलट और मैनेजर.

(ii) इनमें से प्रत्येक, सोमवार से शुरू करके शनिवार तक, सप्ताह के एक भिन्न दिन पर घर पर ठहरता है.

(iii) परिवार में वकील गुरुवार को घर पर ठहरता है.

(iv) R घर पर मंगलवार को ठहरता है.

(v) P व्यवसाय से एक डॉक्टर है, वह घर पर बुधवार और शनिवार को नहीं ठहरता है.

(vi) S न तो डॉक्टर है और न ही एक प्रोफेसर और वह घर पर शुक्रवार को रहता है.

(vii) Q इन्जीनियर है और T मैनेजर है.

59. पायलट कौन है ?

(A) S

(B) R

(C) U

(D) दी गई जानकारी से निर्धारित नहीं किया जा सकता

60. निम्नलिखित में से कौनसा संयोग **सही** है ?

(A) पायलट-शुक्रवार

(B) वकील-मंगलवार

(C) प्रोफेसर-बुधवार

(D) इन्जीनियर-गुरुवार

61. चार परस्पर अपवर्जित और निःशेष घटनाओं A, B, C और D की प्रायिकताएँ संबंध : $2P(A) = 3P(B) = 4P(C) = 6P(D)$ को संतुष्ट करती हैं. घटना C की प्रायिकता है–

(A) 2/15 (B) 1/5

(C) 4/15 (D) 2/5

62. एक विद्यार्थी के पास 1234 कंचे हैं. वह उनको समान संख्या वाली पंक्तियों और स्तम्भों में सजाना चाहता है. इस उद्देश्य के लिए अतिरिक्त कंचों की न्यूनतम संख्या, जिसकी उसे आवश्यकता होगी, है–

(A) 62 (B) 9

(C) 3 (D) 1

63. तीन व्यक्तियों A, B, C के पास अलग-अलग धनराशियाँ हैं. व्यक्ति C की राशि तीनों व्यक्तियों की कुल राशि के औसत के बराबर है. A अपनी आधी राशि खर्च कर देता है, B अपनी 2/3 राशि खर्च कर देता है और C अपनी पूरी राशि खर्च कर देता है. उन तीनों के पास बची हुई राशि, B की उस राशि की आधी के बराबर है जो B के पास शुरू में थी. सभी तीनों के द्वारा खर्च की गई कुल धनराशि का प्रतिशत है–

(A) 50% (B) 75%

(C) 80% (D) 90%

निर्देश–(प्रश्न 64 एवं 65) नीचे दी गई जानकारी को पढ़िए और उसके पश्चात् आने वाले, दो प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

पाँच शहर A, B, C, D और E इनमें से एक के लिए प्रसिद्ध हैं : बड़े उद्यान, नदियाँ, शैक्षणिक संस्थान, पर्वत और इत्र लेकिन इस क्रम में नहीं.

(i) A और C में न तो शैक्षणिक केन्द्र हैं और न ही बड़े उद्यान.

(ii) B और E नदियों या पर्वतों के लिए प्रसिद्ध नहीं हैं.

(iii) शहर A का इत्र और नदियों के साथ कोई लेना-देना नहीं है.

(iv) D और E बड़े उद्यानों और नदियों के लिए प्रसिद्ध नहीं हैं.

(v) D शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध नहीं है.

64. शहर E किसके लिए प्रसिद्ध है ?

(A) नदियाँ

(B) बड़े उद्यान

(C) शैक्षणिक संस्थान

(D) इत्र

65. निम्नलिखित में से कौनसा शहर बड़े उद्यानों के लिए प्रसिद्ध है ?

(A) D (B) E

(C) C (D) B

निर्देश–(प्रश्न 66 से 70 तक) निम्नलिखित 5 प्रश्नांश अंग्रेजी के निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित हैं और अंग्रेजी भाषा के बोधन के परीक्षण के लिए हैं. अतः इन प्रश्नांशों का हिन्दी पाठ नहीं दिया जा रहा है.

Both plants and animals of many sorts show remarkable changes in form, structure, growth habits and even mode of reproduction in becoming adapted to different climate environment, types of food supply, or mode of living. This divergence in response to evolution is commonly expressed by altering the form and function of some parts or parts of the organism, the original identity of which is clearly discernible. For example, creeping foot of the snail is seen in related marine pteropods to be modified into a flapping organ useful for swimming, and is changed into prehensile arms that bear sectorial disks in the squids and other cephalopods. The limbs of various mammals are modified according to several different modes of life – for swift running (cursorial) as in the horse and antelope, for swinging in trees (arboreal) as in the monkeys, for digging (fossorial) as in the moles and gophers, for flying (volant) as in the bats, for swimming (aquatic) as in the seals, whales and dolphins and for other adaptations. The structures or organs that show main change in connection with this adaptive divergence are commonly identified readily as homologous, in spite of great alterations.

66. The most appropriate title for the passage, based on its content, is—

(A) Adaptive Divergence

(B) Evolution

(C) Unusual Structures

(D) Changes in Organs

67. The word that can be best substituted for "homologous" without substantially changing the author's meaning, is—

(A) Altered

(B) Mammalian

(C) Corresponding

(D) Divergent

68. The creeping foot of the snail is seen in related marine pteropods to be modified into a flapping organ useful for—

(A) Biting (B) Swinging

(C) Swimming (D) Jumping

69. The author in this paragraph not provide information on—

(A) Factors causes change in organisms

(B) How are the horse legs related to seals flippers

(C) Limbs of various mammals

(D) Theory of evolution

70. The author's style can best be described as—

(A) Humorous (B) Patronizing

(C) Esoteric (D) Objective

निर्देश–(प्रश्न 71 एवं 72) नीचे दिए गए प्रश्नांशों में प्रत्येक में, एक कथन के नीचे निष्कर्ष दिया गया है. निष्कर्ष के लिए सही उत्तर चुनिए.

71. **कथन** : चावल के बाद कपास, सूती कपड़े के वस्त्र और कालीन एक देश के विदेशी मुद्रा के सबसे बड़े अर्जक हैं.

निष्कर्ष : सबसे पहले चावल देश की विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा अर्जक था. इसके बाद कपास और सूती कपड़े के वस्त्रों ने इसका स्थान ले लिया, इस समय कालीन ने इन दोनों पण्य पदार्थों का स्थान ले लिया है.

(A) निश्चित रूप से सही है

(B) संभवतः सही है

(C) संभवतः गलत है

(D) निश्चित रूप से गलत है

72. **कथन** : अभ्यास ने मुझे शिक्षित किया है कि मौन सच्चाई के उपासकों के आध्यात्मिक अनुशासन का एक अंश है. अतिशयोक्ति करने की प्रवृत्ति, स्वेच्छा से या अनिच्छा से सच्चाई को दबाना या किंचित परिवर्तन करना मनुष्य की एक स्वभाविक दुर्बलता है और इसका दमन करने के लिए मौन आवश्यक है.

निष्कर्ष : आध्यात्मिक विकास के लिए मौन बहुत आवश्यक है. मौन के बिना एक मनुष्य भोला-भाला हो जाता है और सच्चाई को विकृत करता है. सच्चाई की खोज के लिए, मौन बहुत आवश्यक है.

(A) निश्चित रूप से सही है
(B) संभवतः सही है
(C) संभवतः गलत है
(D) निश्चित रूप से गलत है

73. अंकों 1, 2, 3 और 4 का प्रयोग करके प्राप्त होने वाली सभी चार अंकीय संख्याओं का योग है–
(A) 100000 (B) 60000
(C) 66600 (D) 66660

74. यदि चार संख्याओं का औसत 20 है और उनके वर्गों का औसत 500 है, तो उनके गुणनफलों, एक बार में दो लेते हुए, का औसत है–
(A) 450 (B) 475
(C) 550 (D) 650

75. A और B की आय 4 : 3 के अनुपात में है और उनके खर्च 5 : 2 के अनुपात में हैं. यदि प्रत्येक ₹ 4,900 की बचत करता है, तो B का खर्च है–
(A) ₹ 1,400 (B) ₹ 1,500
(C) ₹ 1,600 (D) ₹ 1,800

76. एक वस्तु को ₹ 40 प्रति किलो बेचने पर 10% का घाटा उठाना पड़ता है. यदि विक्रेता का कुल घाटा ₹ 80 है, तो बेची गई वस्तुओं का भार किग्रा में है–
(A) 18 (B) 20
(C) 21 (D) 24

77. एक दुकानदार न लाभ न हानि पर वस्तुओं को बेचने का दावा करता है. यदि वह वस्तुओं को कम वजन करके यानि एक किग्रा के बदले 800 ग्राम तोलता है और उसमें 20% अशुद्धि मिला देता है, तब उसका लाभ प्रतिशत होगा–
(A) 20 (B) 30
(C) 50 (D) 55

निर्देश–(प्रश्न 78 से 80 तक) पाँच संख्याओं 386, 752, 961, 573 और 839 पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए.

78. यदि प्रत्येक संख्या में दूसरे और तीसरे अंकों को आपस में बदल दिया जाए तो सबसे बड़ी संख्या के पहले और तीसरे अंकों का योग क्या होगा ?
(A) 10 (B) 12
(C) 15 (D) 17

79. यदि प्रत्येक संख्या में, इकाई और सैकड़े के स्थानों वाले अंकों को आपस में बदल दिया जाए, तो इस प्रकार बनी सबसे छोटी संख्या है–
(A) 375 (B) 257
(C) 161 (D) 169

80. दी हुई पाँच संख्याओं के इकाई स्थानों वाली संख्याओं के योग वाली संख्या के इकाई स्थान की संख्या है–
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 5

81. निम्नलिखित दो कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–

कथन I : A और B दोनों मिलकर कार्य को 10 दिन में पूरा करते हैं.

कथन II : कार्य को पूरा करने के लिए B की अपेक्षा A 5 दिन अधिक लेता है.

कार्य पूरा करने में A कितना समय लेगा ? प्रश्न का उत्तर देने के लिए, सही चयन है–
(A) अकेला कथन I पर्याप्त है, लेकिन अकेला कथन II पर्याप्त नहीं है.
(B) अकेला कथन II पर्याप्त है, लेकिन अकेला कथन I पर्याप्त नहीं है.
(C) दोनों कथन I और II मिलाकर पर्याप्त हैं.
(D) प्रत्येक कथन अकेला पर्याप्त है.

82. चार व्यक्ति A, B, C और D अपनी ₹ 1,00,000 की पुरस्कार की राशि आपस में इस तरह से बाँटते हैं कि A के पुरस्कार हिस्से का चौगुना, B के हिस्से का तीन गुना, C के हिस्से का दोगुना तथा सभी बराबर हैं. A और D की पुरस्कार राशियों का योग है–
(A) ₹ 40,000 (B) ₹ 48,000
(C) ₹ 54,000 (D) ₹ 60,000

83. किसी एक काम को 6 पुरुष और 5 महिलाएं 6 दिन में, या 3 पुरुष और 4 महिलाएं 10 दिन में पूरा कर सकते हैं. इसे 9 पुरुष और 15 महिलाएं कितने दिन में पूरा कर सकते हैं ?
(A) 8 दिन (B) 5 दिन
(C) 3 दिन (D) 2 दिन

84. मान लीजिए B को, समान दूरी पार करने के लिए, A की अपेक्षा 10% कम समय लगता है. यदि A 9 किमी/घण्टा की गति से चलता है, तो B की गति मिनट/सेकण्ड में क्या है ?
(A) $2\frac{7}{9}$ (B) $2\frac{1}{9}$
(C) $3\frac{7}{9}$ (D) $5\frac{5}{9}$

85. दो पाइप A और B एक पानी की टंकी को क्रमशः 24 मिनट और 48 मिनट में पूरा भर सकते हैं. यदि दोनों पाइप एक साथ खोल दिए जाएं, तो कितने समय के बाद पाइप B को बंद कर देना चाहिए जिससे कि टंकी 16 मिनट में भर जाए ?
(A) 8 (B) 10
(C) 12 (D) 16

86. वह लघुत्तम संख्या क्या है जिसको जब 5 से बढ़ाया जाता है तब वह 8, 11 और 24 से पूर्णतया विभाजित हो जाती है ?
(A) 243 (B) 259
(C) 289 (D) 303

87. यदि $x \neq y$ और $(x + y)^2 = (x - y)^2$ है, तो निम्नलिखित में से कौनसा सही होना ही चाहिए ?
(A) $x + y = x - y$
(B) $x + y = -(x - y)$
(C) $x = 0$
(D) $xy = 0$

88. कृष्णा के पास कुछ मुर्गियाँ और बकरियाँ हैं. यदि पशु शीर्षों की कुल संख्या 81 है और पशु टाँगों की कुल संख्या 234 है, तो कुल पशुओं में मुर्गियों का प्रतिशत है–
(A) 45% (B) 54%
(C) $55\frac{5}{9}$ % (D) 59%

89. A और B की औसत आयु 20 वर्ष है. यदि A के स्थान पर C को लेते हैं तो औसत 19 होगा और यदि B के स्थान पर C को लेते हैं तो औसत 21 होगा. C, B और A की आयु क्रमशः हैं–
(A) 18, 20, 22 (B) 20, 18, 22
(C) 18, 22, 20 (D) 20, 22, 18

90. तीन संख्याएँ इस प्रकार हैं कि पहली दूसरी की दोगुनी है और तीसरी की आधी है. यदि तीनों संख्याओं का औसत 56 है, तो क्रमबद्ध तीन संख्याएँ हैं–
(A) 48, 24, 96 (B) 96, 48, 24
(C) 96, 24, 48 (D) 48, 96, 24

निर्देश–(प्रश्न 91 से 95 तक) नीचे प्रत्येक प्रश्नांश में, दो कथन I और II दिए गए हैं. ये कथन या तो स्वतंत्र कारण हो सकते हैं या स्वतंत्र कारण या एक सामान्य कारण का प्रभाव हो सकते हैं. इन कथनों में से एक अन्य कथन का प्रभाव हो सकता है. दोनों कथनों को पढ़िए और निर्णय कीजिए

कि निम्नलिखित उत्तर विकल्पों में से कौनसा दो कथनों के बीच संबंध को ठीक-ठीक चित्रित करता है. उत्तर चिह्नित कीजिए–

(A) यदि कथन I कारण है और कथन II इसका प्रभाव है.

(B) यदि कथन II कारण है और कथन I इसका प्रभाव है.

(C) यदि दोनों कथन I और II स्वतंत्र कारण हैं.

(D) यदि दोनों कथन I और II स्वतंत्र कारणों के प्रभाव हैं.

91. **कथन I :** मुहल्ले में कुछ माता-पिता ने अपने बच्चों को निजी वाहनों से स्कूल न भेजने का निर्णय लिया.

कथन II : स्कूल के बच्चों को ले जाने वाली विभिन्न निजी वाहनों की दो दुर्घटनाओं से कुछ बच्चों की मृत्यु हो गई और कई बच्चे जख्मी हो गए.

92. **कथन I :** एक मेट्रो शहर ने सप्ताह के दौरान भारी कोहरे के साथ पिछले दशक का न्यूनतम तापमान देखा.

कथन II : शहर से अधिकतर उड़ानें अनिश्चित काल तक विलंबित हो गईं जिसके कारण यात्रियों में घबराहट हो गई.

93. **कथन I :** पिछले पाँच वर्षों में पेशेवर रूप से योग्य युवाओं के लिए नौकरियों के बाज़ार में सुधार हुआ.

कथन II : बहुत सारे युवा अपनी उम्मीदों के स्तर पर नौकरियाँ पाने में योग्य नहीं हैं.

94. **कथन I :** व्यस्ततम समय के दौरान सड़कें वाहनों से अधिक भीड़-भाड़ वाली हो जाती हैं जिस कारण शहर के ज्यादातर भागों में ट्रैफिक जाम हो जाता है.

कथन II : बहुत-सी मोटर कार कम्पनियाँ कम कीमत के वाहनों को लांच करने की योजना बना रही हैं.

95. **कथन I :** सायंकाल के दौरान सड़कें वाहनों से अधिक भीड़-भाड़ वाली हो जाती हैं जिस कारण वाहनों की गति बहुत धीमी हो जाती है.

कथन II : अभी हाल में हवा में वायु प्रदूषण का स्तर काफी हद तक बढ़ गया है.

निर्देश–(प्रश्न 96 से 100 तक) निम्नलिखित प्रश्नांश अंग्रेजी के निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित हैं और अंग्रेजी भाषा के बोधन के परीक्षण के लिए हैं. अतः इन प्रश्नांशों का हिन्दी पाठ नहीं दिया जा रहा है.

Observe the dilemma of the fungus : it is a plant, but it possesses no chlorophyll. While all other plants put the sun's energy to work for them, combining the nutrients of ground and air into the body structure, the chlorophyll's fungus must look elsewhere for an energy supply. It finds it in those other plants which, having received their energy free from sun, relinquish it at some point in their cycle either to animals or to fungi.

In this search for energy the fungus has become the earth's major source of rot and decay. Wherever you see mold forming on a piece of bread, or a pile of leaves turning to compost, or a blown-down tree becoming pulp on the ground, you are watching a fungus eating. Without fungus action the earth would be piled high with the dead plant life of past centuries. In fact, certain plants which contains resins that are toxic to fungi will last indefinitely; specimens are redwood, for instance, can still be found resting on the forest floor centuries after having being blown down.

96. The word, best describe the fungus as depicted in the passage, is—

(A) Unevolved (B) Sporadic

(C) Parasitic (D) Toxic

97. The passage states all the following about fungi, except—

(A) They are vastly different from other plants

(B) They are poisonous to resin-producing plants

(C) They can't produce their source of energy

(D) They can't live completely apart from other plants

98. The line "you are watching a fungus eating" is best described as—

(A) Contradictory

(B) Erroneous

(C) Ironical

(D) Figurative

99. The author is mainly concerned with—

(A) Describing the actions of fungi

(B) Warning people of the dangers of fungi

(C) Writing an essay on fungi

(D) Explaining the long life of some redwoods

100. The fungus generate energy from—

(A) Sun

(B) Other plants

(C) Redwood

(D) Decay itself

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) 2. (B) 3. (B) 4. (D) 5. (C)

6. (D)

7. (C) माना न्यूनतम पुरस्कार राशि = ₹ a

प्रश्नानुसार,

$$\frac{7}{2}[2a+(7-1)\,20] = 2100$$
$$2a+120 = 600$$
$$2a = 480$$
$$a = ₹\,240$$

तब, अधिकतम पुरस्कार राशि

$$= 240+(7-1)\,20$$
$$= 240+120$$
$$= ₹\,360$$

अभीष्ट उत्तर $= \frac{360}{240} = 1{\cdot}5$ गुना

8. (A) पाँच भुजाओं वाले बहुभुज के अन्तः कोणों का योग

$$= 180^\circ \times (5-2)$$
$$= 180^\circ \times 3 = 540^\circ$$

लघुत्तम और बृहत कोणों के मापों का योग

$$= \frac{540^\circ}{(1+2+3+4+5)} \times (1+5)$$
$$= \frac{540^\circ}{15} \times 6 = 216^\circ$$

9. (C) माना ब्याज की दर = R%

भुगतान की जाने वाली राशि

$$= 10+\frac{10\times R\times 11}{100\times 12}$$
$$= 10+\frac{11R}{120}$$

कुल प्रभारी भुगतान

= (₹ 1 + 10 माह के लिए ₹ 1 पर ब्याज) +

= (₹ 1 + 9 माह के लिए ₹ 1 पर ब्याज) + ...

= (₹ 1 + 1 माह के लिए ₹ 1 पर ब्याज) + ₹ 1

$$= 11+\frac{R(1+2+\ldots\ldots+10)}{1200}$$
$$= 11+\ 11+\frac{R\left[\frac{10\times 11}{2}\right]}{1200}$$
$$= 11+\frac{55R}{1200}$$
$$= 11+\frac{11R}{240}$$

तब, $10+\frac{11R}{120} = 11+\frac{11R}{240}$

$$\frac{11R}{120}-\frac{11R}{240} = 1$$

$$\frac{22R-11R}{240} = 1$$
$$\frac{11R}{240} = 1$$
$$R = \frac{240}{11}$$
$$= 21\frac{9}{11}\ \%$$

10. (A) माना कक्षा में लड़कों की संख्या $= x$
तब, लड़कियों की संख्या $= (65-x)$
प्रश्नानुसार,
$$\frac{80x}{100}+\frac{30(65-x)}{100} = 39$$
$$80x+1950-30x = 3900$$
$$50x = 1950$$
$$x = 39$$
अभीष्ट अनुपात $= 39:26$
$= 3:2$

प्रश्न 11 एवं 12 के लिए–

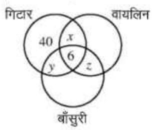

सभी तीनों यंत्र बजाने वाले संगीतकारों की संख्या
$$= 120\times\frac{5}{100}$$
$$= 6$$
$$x+y+z = 30$$

11. (C) संगीतकार, जो या तो केवल वायलिन या केवल बाँसुरी बजा सकते हैं, की संख्या
$= 120-30-6-40$
$= 44$

12. (B) संगीतकार, जो केवल एक या सभी तीनों यंत्र बजा सकते हैं, की संख्या
$= 40+6+44 = 90$

13. (B) टैंक A की क्षमता = 14000 गैलन
तब, टैंक B की क्षमता $= \frac{14000}{70}\times 100$
= 20000 गैलन

अभीष्ट अन्तर
$$= \left(14000\times\frac{80}{100}\right) - \left(20000\times\frac{40}{100}\right)$$
$= 11200-8000$
= 3200 गैलन

14. (A) Δ AMN से,

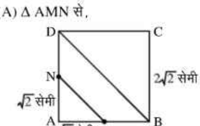

$$MN = \sqrt{(\sqrt{2})^2+(\sqrt{2})^2}$$
$$= \sqrt{2+2}$$
$= \sqrt{4} = 2$ सेमी

वर्ग का विकर्ण (BD)
$$= \sqrt{2}\times 2\sqrt{2}$$
= 4 सेमी

समलंब चतुर्भुज BDNM का परिमाप
$$= 4+\sqrt{2}+2+\sqrt{2}$$
$$= 6+2\sqrt{2}$$
$= 2(3+\sqrt{2})$ सेमी

15. (C) 6, 9, 15 तथा 18 का ल. स. = 90
7 का लघुतम गुणज
$$90\times 4+4 = 364$$

प्रश्न 16 से 20 तक के लिए–

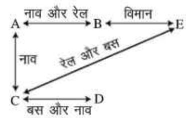

16. (D) B $\xrightarrow[\text{नाव}]{}$ A $\xrightarrow[\text{नाव}]{}$ C

17. (B) 18. (C) 19. (D) 20. (D)

21. (B)

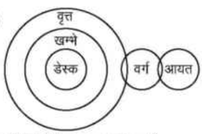

केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

22. (B)

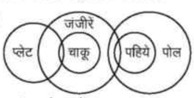

केवल निष्कर्ष I और III अनुसरण करते हैं.

23. (A)

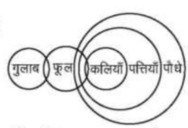

केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता हैं

24. (D)

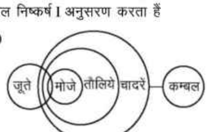

सभी निष्कर्ष अनुसरण करते है.

25. (C)

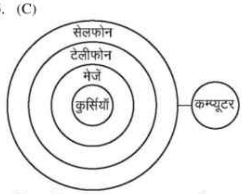

केवल निष्कर्ष III अनुसरण करता है.

26. (D) 1 से 1000 तक संख्याओं में 3 की संख्या
$= 20\times 10+100$
$= 200+100$
$= 300$

27. (D) 28. (A) 29. (B) 30. (C)

31. (B) जिस प्रकार 'जूता' बनाने के लिए 'चमड़े' का उपयोग किया जाता है उसी प्रकार, 'रबड' बनाने के लिए 'लेटेक्स' का उपयोग किया जाता है.

32. (A)

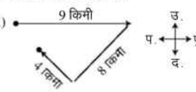

33. (D) P Q R **S** | **Q** R S P | R S **P Q** | S P Q **R**

34. (B) माना शतरंज की खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या $= x$
प्रश्नानुसार,
$$x(x-1) = 272$$
$$x^2-x-272 = 0$$
$$x^2-17x+16x-272 = 0$$
$$x(x-17)+16(x-17) = 0$$
$$(x+16)(x-17) = 0$$
$$x = 17$$

35. (A) जिस प्रकार,

T	E	M	P	L	E
↓+2	↓+3	↓+4	↓+5	↓+6	↓+7
V	H	Q	U	R	L

उसी प्रकार,

S	I	T	A	R	A	M
↓+2	↓+3	↓+4	↓+5	↓+6	↓+7	↓+8
U	L	X	F	X	H	U

36. (B) 37. (C) 38. (C) 39. (B)

40. (C) माना पहले बैंक द्वारा निर्धारित ब्याज की दर $= R_1$
तथा दूसरे बैंक द्वारा निर्धारित ब्याज की दर $= R_2$
प्रश्नानुसार,
$$\frac{750\times 2\times R_1}{100}-\frac{750\times 2\times R_2}{100} = 90$$
$$15R_1-15R_2 = 90$$
$$15(R_1-R_2) = 90$$

अभीष्ट अन्तर

$$(R_1 - R_2) = \frac{90}{15} = 6\%$$

41. (A) 42. (B) 43. (D) 44. (D) 45. (C)

46. (B) अभीष्ट संख्या $= 3 \times 2 \times 10 = 60$

47. (C)

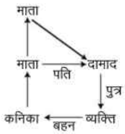

48. (A)

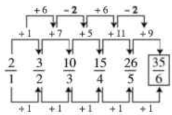

$$\frac{35}{6} = 5\frac{5}{6}$$

49. (A) शेष अन्य पौधे के भाग हैं.

50. (A) माना 3 भिन्न संख्याएं x, y तथा z हैं

तब, $x^2 + y^2 + z^2 = 1$

[अतः संख्या (x, y, z), −1 तथा 1 के बीच होगी)

$\because (x + y + z)^2$

$= x^2 + y^2 + z^2 + 2(xy + yz + zx)$

जैसा कि $(x + y + z)^2 > 0$

तब, $1 + 2(xy + yz + zx) > 0$

$(xy + yz + zx) > -\frac{1}{2}$

$\therefore -\frac{1}{2} < (xy + yz + zx) < 1$

51. (C) शेषफल प्रमेय से–

$$= \frac{2851 \times (2862)^2 \times (2873)^3}{23}$$

$$= \frac{22 \times (10 \times 10) \times (21 \times 21 \times 21)}{23}$$

$$= \frac{22 \times 8 \times 15}{23} = \frac{2640}{23}$$

अभीष्ट शेषफल $= 18$

52. (C) अभीष्ट शून्यों की संख्या

$$= \frac{100}{5} + \frac{100}{5^2}$$

$$= 20 + 4 = 24$$

53. (D) माना वस्तु का क्रय मूल्य

$=$ ₹ 100

तब, विक्रय मूल्य $=$ ₹ 120

लाभ $= 120 - 100$

$=$ ₹ 20

नया क्रय मूल्य $=$ ₹ 80

नया विक्रय मूल्य $= 80 \times \frac{130}{100}$

$=$ ₹ 104

लाभ $= 104 - 80$

$=$ ₹ 24

अभीष्ट प्रतिशत परिवर्तन

$$= \frac{(24 - 20)}{20} \times 100$$

$$= \frac{4}{20} \times 100 = 20\%$$

54. (A) प्रश्नानुसार,

$$4x + x + 1 + 5x - 5 = 56$$
$$10x - 4 = 56$$
$$10x = 60$$
$$x = 6$$

तब, $AB = 4 \times 6 = 24$

$BC = 6 + 1 = 7$

$AC = 5(6 - 1) = 25$

$7^2 + 24^2 = 25^2$

(पाइथागोरस प्रमेय से)

$49 + 576 = 625$

$625 = 625$

अतः ΔABC एक समकोण त्रिभुज है.

55. (D) माना दूसरे गुच्छे में केलों की संख्या

$= x$

तब, पहले गुच्छे में केलों की संख्या

$= 1{\cdot}3\,x$

प्रश्नानुसार, $1{\cdot}3x - x = 12$

$0{\cdot}3x = 12$

$x = 40$

दोनों गुच्छों में कुल केलों की संख्या

$= 40 + 40 \times 1{\cdot}3$

$= 40 + 52$

$= 92$

56. (D) माना पिता की आयु $= x$ वर्ष

तथा पुत्र की आयु $= (45 - x)$ वर्ष

प्रश्नानुसार,

$$(x - 5)(45 - x - 5) = (x - 5) \times 4$$
$$40x - x^2 - 200 + 5x = 4x - 20$$
$$x^2 - 41x + 180 = 0$$
$$x^2 - 36x - 5x + 180 = 0$$
$$x(x - 36) - 5(x - 36) = 0$$
$$(x - 5)(x - 36) = 0$$

$x = 36$ वर्ष

$x = 5$

(पिता की आयु सम्भव नहीं है)

पुत्र की आयु $= 45 - 36$

$= 9$ वर्ष

पिता और पुत्र की आयु के अन्तर का दोगुना

$= (36 - 9) \times 2$

$= 27 \times 2$

$= 54$ वर्ष

57. (B) $\because \angle x + \angle z = 180°$

$\angle z = 180° - \angle x$

तथा $\angle w + \angle y = 180°$

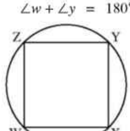

प्रश्नानुसार,

$$\angle z = \frac{\angle w + \angle y + \angle x}{3} \times 2 + 10°$$

$$180° - \angle x = \frac{180° + \angle x}{3} \times 2 + 10°$$

$$540° - 3\angle x = 360° + 2\angle x + 30°$$
$$5\angle x = 540° - 360° - 30°$$
$$5\angle x = 150°$$
$$\angle x = 30°$$

58. (D) माना दूसरे घोल का x लिटर मिलाया जाना चाहिए

प्रश्नानुसार,

$$\frac{\left(20 \times \frac{15}{100}\right) + \left(x \times \frac{5}{100}\right)}{20 + x} \times 100 = 10$$

$$300 + 5x = 200 + 10x$$
$$5x = 100$$

$x = 20$ लिटर

प्रश्न 59 एवं 60 के लिए–

दिन	व्यक्ति	व्यवसाय
सोमवार	P	डॉक्टर
मंगलवार	R	प्रोफेसर
बुधवार	Q/T	इन्जीनियर/मैनेजर
गुरूवार	U	वकील
शुक्रवार	S	पायलट
शनिवार	Q/T	इन्जीनियर/मैनेजर

59. (A) 60. (A)

61. (B) माना $2P(A) = 3P(B) = 4P(C) = 6P(D) = K$

$P(A) = \frac{K}{2}$,

$P(B) = \frac{K}{3}$,

$P(C) = \frac{K}{4}$,

$P(D) = \frac{K}{6}$

अनुपात $= \frac{K}{2} : \frac{K}{3} : \frac{K}{4} : \frac{K}{6}$

$= 6 : 4 : 3 : 2$

घटना C की प्रायिकता

$$= \frac{3}{(6 + 4 + 3 + 2)}$$

$$= \frac{3}{15} = \frac{1}{5}$$

62. (A)

	36
3	1234
+3	9
66	334
6	396

अतिरिक्त कंचों की न्यूनतम संख्या

$= 396 - 334 = 62$

63. (B) माना तीन व्यक्तियों A, B तथा C की धनराशियाँ क्रमशः ₹ x, ₹ y तथा ₹ z हैं

प्रश्नानुसार,
$$z = \frac{x+y+z}{3}$$
$$3z = x+y+z$$
$$x+y = 2z$$

तथा तीनों के द्वारा खर्च की गई कुल राशि
$$= \frac{x}{2} + \frac{2y}{3} + z$$

तीनों के पास बची राशि :
$$\frac{x}{2} + \frac{y}{3} = \frac{y}{2}$$
$$\frac{x}{2} = \frac{y}{2} - \frac{y}{3}$$
$$\frac{x}{2} = \frac{3y-2y}{6}$$
$$\frac{x}{y} = \frac{1}{3}$$

तब,
$$1+3 = 2z$$
$$z = \frac{4}{2} = 2$$

तीनों के द्वारा खर्च की गई कुल धनराशि का प्रतिशत
$$= \frac{\left(\frac{1}{2} + 3 \times \frac{2}{3} + 2\right)}{(1+3+2)} \times 100$$
$$= \frac{(0{\cdot}5 + 2 + 2)}{6} \times 100$$
$$= \frac{4{\cdot}5}{6} \times 100$$
$$= 75\%$$

प्रश्न 64 एवं 65 के लिए–

शहर	प्रसिद्ध
A	पर्वत
B	बड़े उद्यान
C	नदियाँ
D	इत्र
E	शैक्षणिक संस्थान

64. (C) 65. (D) 66. (A) 67. (C) 68. (C)
69. (D) 70. (D) 71. (D) 72. (A)

73. (D) कुल तरीके $= 4! = 24$

प्रत्येक अंक के इकाई, दहाई, सैकड़ा तथा हजार के स्थानों पर आने की आवृत्ति
$$= \frac{24}{4} = 6$$

∴ इकाई के स्थान पर आने वाले अंकों का योग
$$= 6(1+2+3+4)$$
$$= 6 \times 10 = 60$$

सभी चार अंकीय संख्याओं का योग
$$= 60 \times 1000 + 60 \times 100 + 60 \times 10 + 60$$
$$= 60000 + 6000 + 600 + 60$$
$$= 66660$$

74. (*)

75. (A) माना A और B की आय क्रमशः ₹ $4x$ व ₹ $3x$ है

तथा उनके खर्चे क्रमशः ₹ $5y$ व ₹ $2y$ हैं

प्रश्नानुसार,
$$4x - 5y = 4900 \quad \ldots(1)$$
$$3x - 2y = 4900 \quad \ldots(2)$$

समीकरण 1 व 2 को हल करने पर,
$$x = 2100$$

तथा
$$y = 700$$

B का खर्च $= 2 \times 700$
$$= ₹\, 1400$$

76. (A) एक वस्तु को बेचने पर घाटा
$$= \frac{40}{90} \times 100 - 40$$
$$= \frac{400}{9} - 40$$
$$= ₹\frac{40}{9}$$

बेची गई वस्तुओं का भार $= \dfrac{80}{\frac{40}{9}}$
$$= 2 \times 9$$
$$= 18 \text{ किग्रा}$$

77. (C) वस्तु का वजन कम करने पर लाभ
$$= \frac{(1000-800)}{800} \times 100$$
$$= \frac{200}{800} \times 100 = 25\%$$

अभीष्ट लाभ प्रतिशत
$$= 25 + 20 + \frac{25 \times 20}{100}$$
$$= 45 + 5 = 50\%$$

78. (C) संख्याओं की नई व्यवस्था

368, 725, 916, 537, 893

सबसे बडी संख्या $= 916$

अभीष्ट योग $= 9 + 6$
$$= 15$$

79. (D) संख्याओं की नई व्यवस्था

683, 257, [169], 375, 938

80. (A) इकाई के अंकों का योग
$$= 6+2+1+3+9 = 21$$

अभीष्ट अंक $= 1$

81. (C)

82. (D) दिया है, $4A = 3B = 2C = D$

तब,
$$A = \frac{D}{4},$$
$$B = \frac{D}{3},$$
$$C = \frac{D}{2}$$

और
$$D = \frac{D}{1}$$
$$A : B : C : D = \frac{D}{4} : \frac{D}{3} : \frac{D}{2} : \frac{D}{1}$$
$$= 3 : 4 : 6 : 12$$

A और D की पुरस्कार राशियों का योग
$$= \frac{100000}{(3+4+6+12)} \times (3+12)$$
$$= \frac{100000}{25} \times 15$$
$$= ₹\, 60000$$

83. (C) दिया है, $6\text{पु.} + 5\text{म.} = 6 \quad \ldots(1)$
$$3\text{पु.} + 4\text{म.} = 10 \quad \ldots(2)$$

तब,
$$36\text{पु.} + 30\text{म.} = 30\text{पु.} + 40\text{म.}$$
$$6\text{पु.} = 10\text{म.}$$
$$1\text{पु.} = \frac{5}{3}\text{ म.}$$

समीकरण 1 से,
$$6\text{पु.} + 5\text{म.} = 10\text{म.} + 5\text{म.}$$
$$= 15\text{म.}$$

तथा
$$9\text{पु.} + 15\text{म.} = 9 \times \frac{5}{3}\text{ म.} + 15\text{म.}$$
$$= 30\text{ म.}$$

अभीष्ट दिनों की संख्या
$$= \frac{15 \times 6}{30} = 3 \text{ दिन}$$

84. (A) माना B की गति $= y$ मी/से.

तथा दूरी तय करने मे R को लगा समय $= x$ से.

प्रश्नानुसार,
$$9 \times \frac{5}{18} \times x = y \times 0{\cdot}9\,x$$
$$y = \frac{50}{18} = \frac{25}{9}$$
$$= 2\frac{7}{9} \text{ मी/से.}$$

85. (D) माना पाइप B को x मिनट के बाद बंद कर देना चाहिए

प्रश्नानुसार,
$$\frac{16}{24} + \frac{x}{48} = 1$$
$$\frac{32+x}{48} = 1$$
$$x = 48 - 32$$
$$= 16 \text{ मिनट}$$

86. (B) 8, 11, 24 का ल. स.
$$= 2 \times 2 \times 2 \times 3 \times 11$$
$$= 264$$

अभीष्ट लघुत्तम संख्या
$$= 264 - 5$$
$$= 259$$

87. (D)
$$(x+y)^2 = (x-y)^2$$
$$x^2 + y^2 + 2xy = x^2 + y^2 - 2xy$$
$$4xy = 0$$
$$xy = 0$$

88. (C) माना कुल मुर्गियों की संख्या $= x$

तब, कुल बकरियों की संख्या $= (81 - x)$

प्रश्नानुसार,
$$2x + 4(81 - x) = 234$$
$$2x + 324 - 4x = 234$$
$$324 - 2x = 234$$
$$2x = 90$$
$$x = 45$$

शेष पृष्ठ 186 पर

सामान्य अध्ययन

1. निम्नलिखित कोशिकांगों में से किसमें न्यूक्लिक अम्ल नहीं पाया जाता है ?
(A) केन्द्रिका (B) हरितलवक
(C) राइबोसोम (D) जीवद्रव्य कला

2. निम्नलिखित कोशिकांगों में से किसमें प्रोटीन कोडन वाला इसका अपना आनुवंशिक पदार्थ नहीं पाया जाता है ?
(A) राइबोसोम (B) केन्द्रक
(C) सूत्रकणिका (D) हरितलवक

3. पादपों में संवहन ऊतक का एक घटक निम्नलिखित में से कौनसा नहीं है ?
(A) रेशा (फाइबर)
(B) वाहिनिका
(C) परिरंभ
(D) चालनी नलिका

4. निम्नलिखित में से किस एक जीव में संवहन ऊतक पाए जाते हैं ?
(A) *क्लैडोफोरा* (B) *पेनिसिलियम*
(C) *मार्सीलिया* (D) *ऐनाबीना*

5. निम्नलिखित में से कौनसा जीव, किसी पारितन्त्र में प्राथमिक उपभोक्ता वर्ग को निरूपित करता है ?
(A) इल्ली
(B) जंगली सेब का पेड़ (Crab apple tree)
(C) मेढक
(D) गौरहिवा शिकरा (Sparrow-hawk)

6. वृहत् ज्वार-भाटा किसे सन्दर्भित करता है ?
(A) उच्च और निम्न ज्वार-भाटाओं के दौरान समुद्र तल में अधिकतम अन्तर
(B) उच्च और निम्न ज्वार-भाटाओं के दौरान समुद्र तल में निम्नतम अन्तर
(C) उच्च और निम्न ज्वार-भाटाओं के दौरान समुद्र तल में कोई अन्तर न होना
(D) चन्द्रमा के गुरुत्वीय कर्षण की तुलना में सूर्य के गुरुत्वीय कर्षण का प्रतिकरण

7. परमाणुओं के बीच बंधों में निम्नलिखित में से कौनसी ऊर्जा संग्रहित होती है ?
(A) नाभिकीय ऊर्जा
(B) रासायनिक ऊर्जा
(C) स्थितिज ऊर्जा
(D) ऊष्मीय ऊर्जा

8. सूर्य से निकलने वाली प्रकाश ऊर्जा किसके द्वारा फैलाई जा सकती है ?
(A) वर्षा-बिन्दुओं की एक बौछार से
(B) एक समतल दर्पण से
(C) एक उत्तल लेंस से
(D) एक उत्तल लेंस और एक अवतल लेंस के संयोजन से

9. एक सेब के भूमि पर गिरने पर होने वाले ऊर्जा स्थानान्तरण का सही अनुक्रम है–
(A) गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा → वायु में ऊष्मीय ऊर्जा → गतिज ऊर्जा → भूमि और सेब में ऊष्मीय ऊर्जा → ध्वनि ऊर्जा
(B) गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा → ध्वनि ऊर्जा → गतिज ऊर्जा → वायु में ऊष्मीय ऊर्जा → भूमि और सेब में ऊष्मीय ऊर्जा
(C) गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा → गतिज ऊर्जा → वायु में ऊष्मीय ऊर्जा → भूमि और सेब में ऊष्मीय ऊर्जा → ध्वनि ऊर्जा
(D) गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा → गतिज ऊर्जा → ध्वनि ऊर्जा → वायु में ऊष्मीय ऊर्जा → भूमि और सेब में ऊष्मीय ऊर्जा

10. परमाणु ऊर्जा केन्द्रों (न्यूक्लीयर पॉवर स्टेशन) में ईंधन के रूप में निम्नलिखित में से कौनसा खनिज पदार्थ प्रयुक्त होता है ?
(A) बॉक्साइट
(B) स्फटिक (Quartz)
(C) फेल्डस्पार
(D) पिचब्लेन्ड

11. निम्नलिखित में से कौनसा एक संश्लेषित अपमार्जक नहीं है ?
(A) $CH_3(CH_2)_{10}CH_2O\,SO_3^-\,Na^+$
(B) $[CH_3(CH_2)_{15}{-}N{-}(CH_3)_3]^+\,Br^-$
(C) $CH_3(CH_2)_{16}\,COO^-\,Na^+$
(D) $CH_3(CH_2)_{16}\,COO(CH_2CH_2O)_n\,CH_2CH_2OH$

12. निम्नलिखित में से कौनसा स्वच्छ ईंधन का एक उदाहरण है ?
(A) कोक (B) प्रोपेन
(C) पेट्रोल (D) मोम

13. निम्नलिखित में से कौनसी धातु शीतल जल के साथ अभिक्रिया नहीं करती है ?
(A) कैल्सियम (Ca)
(B) पोटैशियम (K)
(C) मैग्नीशियम (Mg)
(D) सोडियम (Na)

14. निम्नलिखित में से किस युग्म में आयन समइलेक्ट्रॉनी हैं ?
(A) Mg^{2+}, Ar (B) Na^+, O^{2-}
(C) Al^{3+}, Cl^- (D) K^+, Ne

15. रंगलेपों (पेण्ट) में योजक के रूप में निम्नलिखित में से किसे प्रयुक्त किया जाता है ?
(A) टाइटेनियम डाइऑक्साइड
(B) नोवोलेक
(C) थैलोसायनिन
(D) सिलिकोन

16. वायु संहति के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा एक सही नहीं है ?
(A) वायु संहति या तो उष्णकटिबंधीय या ध्रुवीय प्रदेश में बनती है
(B) वायु संहति महाद्वीपों पर और इसके महासागर पर विकसित होती है
(C) वायु संहति चक्रवातीय अवस्था में विकसित होती है
(D) वायु संहति मौसम की स्थितियों को बदल देती है

17. राष्ट्रीय जल अकादमी, जो जल संसाधन में प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण में उत्कृष्टता का केन्द्र है, कहाँ स्थित है ?
(A) नई दिल्ली (B) कोलकाता
(C) पुणे (D) चेन्नई

18. 'कैम्पोस' तथा 'लानोस', उष्णकटिबंधीय सवाना घासस्थल आमतौर पर कहाँ पाए जाते हैं ?
(A) आस्ट्रेलिया
(B) मध्य अफ्रीका
(C) दक्षिण अमरीका
(D) पूर्वी एशिया

19. 'अंगूरोत्पादन' निम्नलिखित आस्ट्रेलियाई शहरों में से किस एक की सामान्य विशेषता है ?
(A) एडिलेड (B) डार्विन
(C) होबार्ट (D) ब्रिस्बेन

20. उष्ण तथा सूखा पवन 'शमाल' जोकि एक 'स्थानीय' हवा है, कहाँ पाई जाती है ?
(A) पूर्वी एशिया
(B) अफ्रीका का पश्चिमी तट
(C) अफ्रीका का सहारा
(D) मेसोपोटामिया

21. 'वर्षा का व्युत्क्रमण' किससे संबद्ध है ?
(A) पर्वतीय वर्षा
(B) संवहनी वर्षा
(C) चक्रवातीय वर्षा (उष्णकटिबंधीय)
(D) चक्रवातीय वर्षा (शीतोष्ण)

22. 'हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया' नामक पुस्तक का लेखक कौन था ?
(A) चार्ल्स ग्रांट
(B) जॉन स्टुअर्ट मिल
(C) जेम्स मिल
(D) विलियम जॉन्स

23. 25 अगस्त, 1857 की आजमगढ़ उद्घोषणा ने निम्नलिखित में से किस विषय पर बल दिया था ?
(A) हिन्दू-मुस्लिम विभाजन
(B) अंग्रेजी सरकार को समर्थन देना
(C) बादशाही को वापस लाना
(D) भारी जुमास (राजस्व माँग) का आरोपण/अधिरोपण

24. किस वाइसराय ने यह कहा कि ''अगर गांधी न होता तो यह दुनिया वाकई बहुत खूबसूरत होती ...... ?''
(A) लॉर्ड इरविन
(B) लॉर्ड वेवेल
(C) लॉर्ड माउंटबैटन
(D) लॉर्ड विलिंगडन

25. किस भारतीय व्यवसायी ने गांधीजी के 'सर्वनिष्ठ उद्देश्य' की ओर कार्य करने में उनकी सहायता के लिए 'लाभप्रद पूँजीवाद' का समर्थन किया ?
(A) घनश्याम दास बिड़ला
(B) अम्बालाल साराभाई
(C) सर बीरेन मुखर्जी
(D) टी. टी. के. कृष्णामचारी

26. 'इन मेमोरियम' कलाकृति निम्नलिखित में से किस यूरोपीय चित्रकार की एक रचना है ?
(A) थॉमस जोंस बार्कर
(B) जोसेफ नोएल पैटन
(C) थॉमस डेनियल
(D) चार्ल्स डो'ऑयली (Charles D' Oyly)

27. किसी विद्युतरोधी को निम्नलिखित में से कौन आवेशित कर सकता है ?
(A) धारा वैद्युत
(B) स्थिर वैद्युत
(C) चुम्बकीय क्षेत्र
(D) गुरुत्वीय क्षेत्र

28. 20°C पर, जल में ध्वनि की चाल होती है लगभग–
(A) 330 मी/से (B) 800 मी/से
(C) 1500 मी/से (D) 5000 मी/से

29. लौह (Iron) का गलनांक निम्न में से क्या हो सकता है ?
(A) 25°C (B) 37°C
(C) 500°C (D) 1500°C

30. कॉपर के एक तार की त्रिज्या r तथा लम्बाई l है. इसका प्रतिरोध R है. यदि कॉपर के किसी अन्य तार की त्रिज्या $2r$ तथा लम्बाई $l/2$ हो, तो इस तार का प्रतिरोध होगा–
(A) R (B) 2R
(C) R/4 (D) R/8

31. किसी नाभिकीय रिएक्टर की कार्यविधि में प्रयुक्त मूल वैज्ञानिक सिद्धान्त है–
(A) नाभिकीय संलयन
(B) नियन्त्रित नाभिकीय संलयन
(C) अनियन्त्रित नाभिकीय विखंडन
(D) नियन्त्रित नाभिकीय विखंडन

32. नीचे दी गई अभिक्रिया के लिए निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

$$Fe(\text{ठोस}) + CuSO_4\,(\text{जलीय}) \rightarrow FeSO_4\,(\text{जलीय}) + Cu(\text{ठोस})$$

(A) लौह अपचायक है
(B) अभिक्रिया के पश्चात् विलयन का रंग हरा हो जाता है
(C) लौह की तुलना में कॉपर अधिक अभिक्रियाशील धातु है
(D) यह अभिक्रिया अपचयोपचय (Redox) अभिक्रिया का एक उदाहरण है

33. निम्नलिखित में से कार्बनिक अम्ल कौनसा है ?
(A) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल
(B) नाइट्रिक अम्ल
(C) ऐसीटिक अम्ल
(D) सल्फ्यूरिक अम्ल

34. डाइनाइट्रोजन (N_2) और डाइ-ऑक्सीजन (O_2) वायु के मुख्य अवयव हैं, परन्तु ये परस्पर अभिक्रिया कर नाइट्रोजन के ऑक्साइड नहीं बनाते हैं, क्योंकि–
(A) अभिक्रिया को प्रारम्भ करने के लिए उत्प्रेरक की आवश्यकता होती है
(B) नाइट्रोजन के ऑक्साइड अस्थायी होते हैं
(C) अभिक्रिया ऊष्माशोषी है तथा इसके लिए अति उच्च तापमान की आवश्यकता होती है
(D) अभिक्रिया होने के लिए वायु में N_2 और O_2 की रससमीकरणमिति (Stoichiometry) आदर्श नहीं है

35. प्रकाशवैद्युत प्रभाव की परिघटना की व्याख्या निम्नलिखित में से किसने की है ?
(A) मैक्स प्लांक
(B) अल्बर्ट आइंस्टीन
(C) नील्स बोर
(D) अर्नेस्ट रदरफोर्ड

36. $C_2H_2O_4.2H_2O$ में ऑक्सैलिक अम्ल का तुल्यांकी भार–
(A) 45 (B) 63
(C) 90 (D) 126

37. निम्नलिखित में से कौनसी एक नदी पश्चिम की ओर बहने वाली नदी नहीं है ?
(A) पेरियार (B) भरतपूझा
(C) पाम्बा (D) ताम्रपर्णी

38. निम्नलिखित में से किस एक नदी को पहले 'वितस्ता' नाम से जाना जाता था ?
(A) तिस्ता (B) झेलम
(C) तुंगभद्रा (D) भरतपूझा

39. शारदा नदी उत्तर प्रदेश के उत्तरी मैदानों में निर्गम होती है. मैदानों में प्रवेश करने से पहले, शारदा किस नाम से जानी जाती है ?
(A) सरस्वती (B) भागीरथी
(C) काली (D) पिंडर

40. 'मिशन इंद्रधनुष' किससे सम्बन्धित है ?
(A) बुलेट ट्रेन परियोजना
(B) कृषि विकास
(C) महिला सशक्तिकरण
(D) पूर्ण प्रतिरक्षण

41. पृथ्वी के घूर्णन का/के पर्यावरणीय प्रभाव निम्नलिखित में से कौनसा/से है/हैं ?
1. दिवालोक तथा वायु ताप में दैनिक या आह्निक आवर्तन (सामंजस्य).
2. वायु तथा जल दोनों का प्रवाह पथ एक तिरछी दिशा में सुसंगत रूप से मुड़ जाता है.
3. ज्वार-भाटा की गति.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) 1, 2 और 3
(D) केवल 3

42. निम्नलिखित में से किस एक इतिहासकार ने भारत छोड़ो आन्दोलन को एक 'स्वतः प्रवर्तित क्रान्ति' के रूप में वर्णित किया है ?
(A) गोर्डन जॉनसन
(B) डेविड अर्नोल्ड
(C) एफ. जी. हचिन्स
(D) पीटर रॉब

निर्देश–(प्रश्न 43 से 45 तक) निम्नलिखित 3 (तीन) प्रश्नांशों में दो कथन हैं, कथन I और कथन II. इन दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(A) दोनों कथन अलग-अलग सही हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है.

(B) दोनों कथन अलग-अलग सही हैं, किन्तु कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है.

(C) कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है.

(D) कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है.

43. **कथन I :** अबुल फजल ने अकबर के शासनकाल से सम्बन्धित विचारों को सुगठित किया, निरूपित किया और उन्हें सुस्पष्ट बनाया.

कथन II : अबुल फजल के गुणों ने अकबर को प्रभावित किया और अकबर ने अबुल फजल को अपनी नीतियों के लिए उपयुक्त परामर्शदाता और प्रवक्ता के रूप में पाया.

44. **कथन I :** अगस्त 1936 में अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा पारित किसान घोषणा-पत्र में आमूल परिवर्तन-वादी (उग्र) माँगें अन्तर्विष्ट थीं.

कथन II : अखिल भारतीय किसान सभा कांग्रेस का एक भाग थी और इसने प्रान्तीय कांग्रेस समितियों से घनिष्ठ सम्बन्ध बना रखे थे.

45. **कथन I :** ब्रिटिश ने भारत पर एक आधुनिक नौकरशाही के माध्यम से शासन किया, इस नौकरशाही में भारतीय सिविल सेवा की प्रधानता थी जिसके सदस्य खुली प्रतियोगिता पर आधारित योग्यता (Merit) द्वारा भर्ती किए गए थे.

कथन II : भारतीय सिविल सेवा, भारतीयों की एकनिष्ठ (अनन्य) सह-भागिता पर आधारित थी.

46. दो धात्विक तार A और B कॉपर के उपयोग से बने हैं. तार A की त्रिज्या r तथा लम्बाई l है. तार A के परित: dc वोल्टता V प्रयुक्त करने पर शक्ति क्षय P होता है. तार B की त्रिज्या $2r$ तथा लम्बाई $2l$ है और इस तार के परित: भी समान dc वोल्टता V प्रयुक्त करने पर शक्ति क्षय P_1 होता है. P तथा P_1 के बीच सही सम्बन्ध निम्नलिखित में से कौनसा है ?

(A) $P = 2P_1$ (B) $P = P_1/2$

(C) $P = 4P_1$ (D) $P = P_1$

47. किसी परिनालिका के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. परिनालिका में चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता परिनालिका में प्रति इकाई लम्बाई में फेरों की संख्या पर निर्भर करती है.
2. परिनालिका में चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता परिनालिका के तार में प्रवाहित धारा पर निर्भर करती है.
3. परिनालिका में चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता परिनालिका के व्यास पर निर्भर करती है.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?

(A) 1, 2 और 3

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) केवल 1 और 2

48. प्रकाश वर्ष किसके मापन का मात्रक होता है ?

(A) बहुत लम्बी दूरियों का

(B) वर्षों में समय अन्तराल का

(C) किसी वर्ष में पृथ्वी पर प्राप्त होने वाले प्रकाश की मात्रा का

(D) परमाणुओं के द्रव्यमान का

49. किसी दूरदर्शक के अभिदृश्यक लेन्स की फोकस दूरी 50 सेमी है. यदि दूरदर्शक का आवर्धन 25 है, तो नेत्रिका लेन्स की फोकस दूरी है–

(A) 12·5 सेमी (B) 5 सेमी

(C) 2 सेमी (D) 10 सेमी

50. निम्नलिखित में से कौनसा एक बल अकेंद्रीय तथा असंरक्षी है ?

(A) घर्षण बल

(B) वैद्युत बल

(C) गुरुत्वीय बल

(D) यांत्रिक बल

51. आर्द्र वायु के सम्पर्क में आने पर, कॉपर की सतह पर एक हरी परत बन जाती है. निम्नलिखित में से किस यौगिक के बनने के कारण ऐसा होता है ?

(A) कॉपर कार्बोनेट

(B) कॉपर ऑक्साइड

(C) कॉपर सल्फेट

(D) कॉपर नाइट्रेट

52. निम्नलिखित में से कौनसा पदार्थ हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के जलीय विलयन के साथ अभिक्रिया करके कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न नहीं करेगा ?

(A) चूना पत्थर (Limestone)

(B) बिना बुझा चूना

(C) खड़िया (Chalk)

(D) संगमरमर

53. निम्नलिखित में से कौनसा पदार्थ एक मिश्रण नहीं है ?

(A) बर्फ (B) आइसक्रीम

(C) वायु (D) शहद

54. निम्नलिखित में से कौनसा लवण-क्रिस्टल वृद्धि का एक उदाहरण है ?

(A) रासायनिक अपक्षय

(B) भौतिक अपक्षय

(C) जैविक अपक्षय

(D) जैव रासायनिक अपक्षय

55. निम्नलिखित में से कौनसा एक भारत के राज्यों में प्रमाणित कोयला-निचयों का घटते क्रम में सही अनुक्रम है ?

(A) झारखण्ड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल

(B) झारखण्ड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल

(C) ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, छत्तीसगढ़

(D) ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड

56. रिक्टर पैमाना (Richter Scale) से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. इसका आविष्कार चार्ल्स एफ. रिक्टर द्वारा 1935 में हुआ.
2. यह एक एकल भूकम्प के कारण निर्मुक्त ऊर्जा की मात्रा का वर्णन करता है.
3. रिक्टर स्केल की कोई ऊपरी सीमा नहीं है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1

(B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

57. निम्नलिखित महासागर धाराओं में से कौनसी एक शीत महासागर धारा नहीं है ?

(A) कैनरी धारा

(B) कैलिफोर्निया धारा

(C) कुरोशियो धारा

(D) ओयाशियो धारा

58. महासागर की सतह पर किसी निश्चित स्थान पर दो क्रमिक ज्वारों के घटित होने में समय-अन्तराल कितना होता है ?

(A) 12 घण्टे

(B) 12 घण्टे 26 मिनट

(C) 24 घण्टे

(D) 24 घण्टे 52 मिनट

59. दन्तवल्क निम्नलिखित में से किस एक कैल्सियम यौगिक से बना होता है ?
(A) कैल्सियम कार्बोनेट
(B) कैल्सियम सल्फेट
(C) कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड
(D) कैल्सियम फॉस्फेट

60. मान लीजिए कि समान घनत्व वाले दो ग्रहों, 1 और 2 की त्रिज्याएं क्रमशः R_1 तथा R_2 हैं, जहाँ $R_1 > R_2$ है. इन ग्रहों की सतह पर गुरुत्वीय त्वरण किस प्रकार सम्बन्धित हैं ?
(A) $g_1 > g_2$
(B) $g_1 < g_2$
(C) $g_1 = g_2$
(D) कुछ कहा नहीं जा सकता

61. सूर्योदय से पहले तथा सूर्यास्त के पश्चात् भी सूर्य अल्प समय के लिए दिखायी देता है. ऐसा होने का क्या कारण है ?
(A) पूर्ण आन्तरिक परावर्तन
(B) वायुमंडलीय अपवर्तन
(C) सूर्य की दिशा में प्रत्यक्ष परिवर्तन
(D) विक्षेपण (परिक्षेपण)

62.
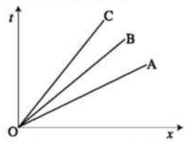

ऊपर दिए गए चित्र में तीन वस्तुओं A, B तथा C के लिए उनके समय (t) – अवस्थिति (x) ग्राफ दर्शाए गए हैं. किसी क्षण ($t > 0$) पर वस्तु A, B तथा C की चालों क्रमशः V_A, V_B तथा V_C के मध्य सही सम्बन्ध निम्नलिखित में से कौनसा है ?
(A) $V_A < V_B < V_C$
(B) $V_A > V_B > V_C$
(C) $V_A = V_B = V_C \neq 0$
(D) $V_A = V_B = V_C = 0$

63. एक (1) डाइन (CGS पद्धति में बल का मात्रक) किसके बराबर है ?
(A) 10^3 ग्राम सेमी/से^{2}
(B) 10^{-3} ग्राम सेमी/से^{2}
(C) 10^5 किग्रा मी/से^{2}
(D) 10^{-5} किग्रा मी/से^{2}

64.
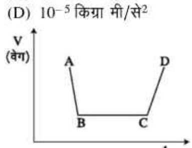

दिए गए वेग (V) – समय (t) ग्राफ में, त्वरित गति तथा मंदित (अवत्वरण) गति क्रमशः किन रेखा खण्डों द्वारा दर्शायी गयी है ?
(A) CD और BC
(B) BC और AB
(C) CD और AB
(D) AB और CD

65. किसी थर्मस फ्लास्क के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) फ्लास्क की दीवारें काँच की बनी होती हैं, जो ऊष्मा का हीन चालक होता है. फ्लास्क की दीवारों के मध्य निर्वात होता है
(B) काँच की दीवारों की सतह चमकीली होती हैं
(C) आन्तरिक दीवार की सतह ऊष्मा की अधिक मात्रा का विकिरण करती है तथा बाहरी दीवार की सतह आन्तरिक दीवार से विकरित होने वाली ऊष्मा के कुछ भाग को अवशोषित करती है
(D) कॉर्क आधार ऊष्मा के हीन चालक होते हैं

66. कृष्ण विवर (ब्लैक होल) क्या है ?
(A) एक विशाल कृष्ण तारा, जिसका इसकी सतह पर गुरुत्व के कारण त्वरण शून्य है
(B) एक तारा, जिसका इसकी सतह पर गुरुत्व के कारण त्वरण मध्यम (सामान्य) है
(C) एक तारा, जो अपने आप में टूट गया है और जिसका इसकी सतह पर गुरुत्व के कारण त्वरण वृहत् है
(D) एक तारा, जो अपने आप में टूट गया है और जिसका इसकी सतह पर गुरुत्व के कारण त्वरण शून्य है

67. फारेनहाइट और सेल्सियस के बीच रूपान्तरण का सूत्र $°F = X + (1·8 \times °C)$ है. इसमें घटक X कितना है ?
(A) 32 (B) 22
(C) 98 (D) 42

68. जब श्वेतप्रकाश का एक किरणपुंज कांच के एक प्रिज्म से होकर गुजरता है, तो कौनसे रंग वाला किरणपुंज अपने पथ से सबसे कम विचलित होता है ?
(A) नीला (B) लाल
(C) हरा (D) बैंगनी

69. LIGO का क्या अर्थ है ?
(A) लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जरवेटरी
(B) लाइट इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जरवेटरी
(C) लाइट इंड्यूस्ड ग्रेविटी ऑब्जरवेटरी
(D) लेजर इंड्यूस्ड गैसियस ऑप्टिक्स

70. एक फ्यूज का तार कैसा होना चाहिए ?
(A) चालक और निम्न गलनांक वाला
(B) चालक और उच्च गलनांक वाला
(C) रोधी और उच्च गलनांक वाला
(D) रोधी और निम्न गलनांक वाला

71. कामराजार पत्तन को 2001 में उष्मीय कोयले की माँग का प्रबन्ध करने के लिए अधिकृत (चालू) किया गया था. यह किस भारतीय राज्य के तट के पास स्थित है ?
(A) आंध्र प्रदेश (B) ओडिशा
(C) तमिलनाडु (D) कर्नाटक

72. भारत का निम्नलिखित में से कौनसा संघ राज्य क्षेत्र भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से सबसे छोटा है ?
(A) दमन और दीव
(B) चण्डीगढ़
(C) दादरा और नागर हवेली
(D) लक्षद्वीप

73. निम्नलिखित में से किस 'पोलर फ्रंट थ्योरी' (ध्रुवीय वाताग्र सिद्धान्त) से अनिवार्य रूप से सम्बन्धित कहा जा सकता है ?
(A) प्रतिचक्रवात
(B) उष्णकटिबन्धीय चक्रवात
(C) शीतोष्ण चक्रवात
(D) अन्तः उष्णकटिबन्धीय अभिसरण

74. ब्रह्मपुत्र और सिन्धु नदियाँ पूर्ववर्ती नदियाँ हैं. एक पूर्ववर्ती जल निकास अपवाह की सही परिभाषा निम्नलिखित में से कौनसी हो सकती है ?
(A) जो हिमालय के प्रारम्भिक ढलान का अनुसरण करता है
(B) जो हिमालय श्रेणी (परास) के अस्तित्व में आने से पहले ही विद्यमान था
(C) जिसने हिमालय की नति या शैल संस्तरों का अनुसरण किया था
(D) जिसने हिमालय के शैल संस्तरों के नतिलम्बों का अनुसरण किया था

75. सन् 1931 में कांग्रेस के कराची संकल्प ने निम्नलिखित में से किस एक विषय का समर्थन किया था ?
(A) राज्य, मुख्य उद्योगों और सेवाओं का स्वामित्व या उन पर नियन्त्रण नहीं रखेगा
(B) राज्य, मुख्य उद्योगों और सेवाओं को भारतीय व्यवसाय वर्गों को सौंप देगा
(C) भारतीय व्यवसाय वर्ग को पूँजी का 50 प्रतिशत निवेश करने की अनुमति राज्य द्वारा दी जानी चाहिए

(D) राज्य, प्रमुख उद्योगों और सेवाओं का स्वामित्व या उन पर नियन्त्रण रखेगा

76. शॉनब्रुन की संधि (1809) निम्नलिखित में से किस युद्ध के बाद हस्ताक्षरित की गयी थी ?
(A) ऑस्टरलिट्ज का युद्ध
(B) तिलसिट का युद्ध
(C) वाग्रम का युद्ध
(D) लिस्बन का युद्ध

77. न्यू मॉडल यूनियनों के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. न्यू मॉडल यूनियनें 1850 के दशक में गठित की गयी थी.
2. न्यू मॉडल यूनियनें 1880 के दशक में गठित की गयी थी.
3. न्यू मॉडल यूनियनें लेबर पार्टी के एक विचार को समाविष्ट करती थी.
4. न्यू मॉडल यूनियनों ने 1920 के दशक में महिलाओं को बहिष्कृत कर दिया था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) 1 (B) 2
(C) 3 और 4 (D) केवल 3

78. सन् 1947 के ट्रूमेन सिद्धान्त (The Truman Doctrine) को निम्नलिखित में से किस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए घोषित किया गया था ?
(A) USSR का परिरोधन
(B) USA में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए
(C) यूरोप को मित्रता का प्रस्ताव करने के लिए
(D) UNO को सशक्त बनाने के लिए

79. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. सन् 1948 में बर्मा को संयुक्त राष्ट्र में शामिल किया गया और उसके तत्काल बाद शीतयुद्ध में बर्मा ने USA का समर्थन किया.
2. सन् 1948 में बर्मा संयुक्त राष्ट्र से जुड़ गया पर उसने कोरियाई युद्ध में चीन को आक्रामक के रूप में दोषारोपित करने से इनकार कर दिया.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

80. निम्नलिखित में से किसने सन् 1917 में रूसी जनता को 'द अप्रैल थिसिस' प्रस्तुत किया ?
(A) स्टालिन (B) ट्रॉट्स्की
(C) बुकारिन (D) लेनिन

81. किसी निर्वाचन आयुक्त को किसकी संस्तुति पर पद से हटाया जा सकता है ?
(A) भारत का मुख्य न्यायमूर्ति
(B) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
(C) भारत का राष्ट्रपति
(D) संसद

82. राज्य सभा के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) इसके सदस्यों का निर्वाचन किसी राज्य की विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है
(B) निर्वाचन, आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल अंतरणीय वोट (मत) विधि द्वारा किया जाता है
(C) इसके एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष के बाद सेवा-निवृत्त हो जाते हैं
(D) यह एक स्थायी निकाय है, किन्तु राष्ट्रपति द्वारा इसे पहले भी विघटित किया जा सकता है

83. भारत के संविधान के निम्नलिखित में से किस एक अनुच्छेद के अधीन मूल अधिकार की गारंटी केवल भारत के नागरिकों को उपलब्ध है ?
(A) अनुच्छेद 19 (B) अनुच्छेद 20
(C) अनुच्छेद 21 (D) अनुच्छेद 22

84. यान्डाबो की सन्धि कब हस्ताक्षरित की गई थी ?
(A) 1826 (B) 1825
(C) 1824 (D) 1823

85. मनुस्मृति में "एक अविवाहिता और उसके प्रेमी के स्वैच्छिक मिलन" के परिणामस्वरूप विवाह किस प्रकार का माना जाता है ?
(A) आठवाँ प्रकार (B) पाँचवाँ प्रकार
(C) सातवाँ प्रकार (D) छठा प्रकार

86. भारत के एक भूतपूर्व प्रधानमंत्री की समाधि के निम्नलिखित विवरण पर विचार कीजिए–
केन्द्रीय समाधि चबूतरा काली पॉलिश वाले ग्रेनाइट ठोस पत्थर के नौ चौकोर खण्डों से मिलकर बना है, जिसके केन्द्र में एक 'दीया' रखा गया है. संख्या नौ महत्वपूर्ण है और यह नवरसों, नवरात्रों और नवग्रहों को चित्रित करती है. तब नौ-चौकोर समाधि का स्थापन एक वृत्ताकार कमल की आकृति के पैटर्न में है. नौ-चौकोर वाले चबूतरे तक पथों द्वारा, जो सफेद सम्मिश्र टाइलों से बने हैं, ताकि फर्श गरम न हो, चार कार्डिनल दिशाओं से पहुँचा जा सकता है.
इस समाधि को पहचानिए :
(A) शक्ति स्थल
(B) शान्ति वन
(C) सदैव अटल
(D) वीर भूमि

87. IMBEX एक संयुक्त अभ्यास है, जो नियमित रूप से भारत और एक अन्य देश की सेनाओं के बीच संचालित किया जाता है. वह अन्य देश कौनसा है ?
(A) मलेशिया (B) मालदीव
(C) मॉरिशस (D) म्यांमार

88. वर्ष 2018 के लिए कथासाहित्य (उपन्यास) संवर्ग में निम्नलिखित में से किसे 'द हिन्दू पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था ?
(A) नीलम सरन गौर
(B) एन. कल्याण रमन
(C) मनोरंजन व्यापारी
(D) अरुनव सिन्हा

89. भारत में GST के लागू होने के पश्चात् राज्यों द्वारा सामना की गयी राजस्व में गिरावट की समस्या से निबटने के लिए तथा वसूली को बढ़ाने के लिए कदम सुझाने हेतु गठित सात सदस्यों वाली समिति के अध्यक्ष के रूप में निम्नलिखित में से किसे नियुक्त किया गया था ?
(A) हिमंता बिस्वा शर्मा
(B) थॉमस इसाक
(C) सुशील मोदी
(D) कैप्टन अभिमन्यु

90. 15वाँ प्रवासी भारतीय दिवस, 2019 कहाँ आयोजित किया गया था ?
(A) नई दिल्ली (B) गांधी नगर
(C) प्रयागराज (D) वाराणसी

91. UNESCO द्वारा 2020 के लिए निम्नलिखित में से किस शहर को वास्तुशिल्प की विश्व राजधानी निर्धारित किया गया था ?
(A) टोक्यो
(B) जोहान्सबर्ग
(C) रियो डि जेनरो
(D) नई दिल्ली

92. वर्ष 2018 के लिए निम्नलिखित में से किसे ICC's का उभरता हुआ खिलाड़ी नामित किया गया था ?
(A) ऋषभ पंत
(B) जौश हेजलवुड
(C) हसन अली
(D) मुस्तफिज़ुर रहमान

93. भारत की पहली निजी क्षेत्रक होवित्जर बन्दूक बनाने वाली इकाई (Unit) कहाँ स्थित है ?
(A) जमशेदपुर (B) कोलकाता
(C) हजीरा (D) ग्वालियर

94. भारत में द्वीपों के पुराने नामों तथा नए नामों के निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?
1. रॉस आइलैण्ड : शहीद द्वीप
2. नील आइलैण्ड : नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वीप
3. हैवलॉक आइलैण्ड : स्वराज द्वीप
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए--
(A) 1, 2 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 3

95. सन् 2019 में भारत का सर्वोच्च शान्तिकाल वीरता पुरस्कार 'अशोक चक्र' निम्नलिखित में से किसे मरणोपरान्त प्रदान किया गया था ?
(A) ज्योति प्रकाश निराला
(B) नजीर अहमद वानी
(C) हंगपन दादा
(D) मोहननाथ गोस्वामी

96. नामपद्धति की संहिता (Code) के अनुसार, जीवविज्ञान सम्बन्धी (जैव) एक नाम को लिखने का सही तरीका निम्नलिखित में से कौनसा है ?
(A) *Amoeba Proteus*
(B) *Amoeba proteus*
(C) *amoeba proteus*
(D) *Amoeba Proteus*

97. इलैक्ट्रोकार्डियोग्राम के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) यह कॉर्निया की वैद्युत सक्रियता का ग्राफीय चित्रण है
(B) यह वृक्क की गतिविधि का ग्राफीय चित्रण है
(C) यह मस्तिष्क की गतिविधि का ग्राफीय चित्रण है
(D) यह हृदय की वैद्युत सक्रियता का ग्राफीय चित्रण है

98. पेनिसिलिन के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) पेनिसिलिन प्रतिरोधी जीवाणु इस प्रतिजैविक को रसधानी में संग्रहित कर सकते हैं
(B) पेनिसिलिन प्रतिरोधी जीवाणु इस प्रतिजैविक को β-लैक्टेमेज नामक एंजाइम द्वारा निम्नीकृत कर सकते हैं
(C) पेनिसिलिन प्रतिरोधी जीवाणु, लैक्टिक एसिड डिहाइड्रोजिनेज नामक एंजाइम द्वारा इस प्रतिजैविक को निम्नीकृत कर सकते हैं
(D) जीवाणुओं द्वारा पेनिसिलिन अवशोषित नहीं होता; इसलिए अधिकांश जीवाणु प्रतिरोधी हैं

99. स्तनधारियों की कोशिका के निम्नलिखित में से किस अंगक में जल-अपघटनीय एंजाइम प्रचुर मात्रा में होते हैं ?
(A) माइटोकॉन्ड्रिया
(B) राइबोसोम
(C) लाइसोसोम
(D) केन्द्रक (न्यूक्लिअस)

100. हैजा के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) यह एक रोग है जिसके कारण याददाश्त में कमी हो जाती है
(B) यह पेशियों का एक रोग है जो शराब (एल्कोहॉल) का सेवन करने से होता है
(C) यह एक रोग है जो संदूषित खाद्य या जल के सेवन करने से होता है
(D) यह एक आनुवंशिक रोग है

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) कोशिकांगों (Cell Organelles) की जीवद्रव्य कला (Plasma Membrane) में न्यूक्लिक अम्ल (Nucleic Acid) नहीं पाया जाता है. **'कोशिका'** की खोज वर्ष 1665 ई. में अंग्रेज वनस्पतिशास्त्री (Botanist) **'रॉबर्ट हुक'** ने की थी.
2. (A) 3. (C) 4. (C)
5. (A) इल्ली एक प्राथमिक उपभोक्ता है, जो तितली में विकसित होता है.
6. (A) बृहत् ज्वार वह ज्वार है जिस दिन ज्वार एवं भाटा में अन्तर सर्वाधिक होता है. यह पूर्णिमा या अमावस्या (प्रथम चन्द्र दिवस) को आता है. इस दिन सूर्य, चन्द्र और पृथ्वी एक सीध में होता है.
7. (B) रासायनिक ऊर्जा परमाणुओं के बीच बंधों में संग्रहित होती है. भोजन, ईंधन एवं ऊर्जा जो बैटरी में रासायनिक रूप में एकत्रित होती है.
8. (A) 9. (C) 10. (D) 11. (D)
12. (B) स्वच्छ ईंधन प्राकृतिक ईंधन है. कम्प्रेस्ड गैस या तरल पेट्रोलियम इसके उदाहरण हैं. इसका प्रयोग जैविक ईंधन के स्थान पर किया जाता है, जिसके कारण पर्यावरण प्रदूषण की सम्भावना बहुत कम होती है.
13. (C) मैंगनीशियम शीतल जल के साथ अभिक्रिया नहीं करती है. अन्य धातुएं शीतल जल के साथ अभिक्रिया करती हैं.
14. (B) 15. (D)
16. (C) शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों का आविर्भाव उन स्थानों पर होता है, जहाँ उष्ण वायु राशि और शीत वायु राशि एक-दूसरे के सम्पर्क में आती हैं. वायु राशियाँ चक्रवातीय अवस्था में विकसित नहीं होती हैं.
17. (C) 18. (C) 19. (A)
20. (D) 'शामल' उष्ण एवं शुष्क स्थानीय पवन हैं, जो इराक और फारस के क्षेत्र (मेसोपोटामिया) में चलती हैं. यह सऊदी अरब और कुवैत में भी चलती हैं.
21. (A) वर्षा का व्युत्क्रमण पर्वतीय वर्षा से सम्बन्धित है. पर्वतीय भागों में ज्यादा जलवाष्प पहाड़ों से 1-2 किमी की ऊँचाई पर मिलता है. इसके बाद जलवाष्प की मात्रा कम होती जाती है.
22. (C) 23. (C) 24. (D) 25. (A)
26. (B) 27. (B) 28. (C)
29. (D) लोहे का गलनांक बिन्दु 1535° सेल्सियस या 2795° F होता है तथा इसका उबलांक बिन्दु (Boiling point) 2750°C या 4892° F होता है.
30. (D)
31. (D) नाभिकीय रिएक्टर की कार्यविधि प्रयुक्त मूल वैज्ञानिक सिद्धान्त नियन्त्रित नाभिकीय विखंडन है. इस विधि में भारी एटामिक नाभिकीय दो छोटे खण्डों में विभक्त हो जाता है.
32. (C) 33. (C) 34. (C) 35. (B)
36. (B) 37. (D) 38. (B) 39. (C)
40. (D) 41. (D) 42. (C) 43. (A)
44. (B) 45. (C) 46. (A) 47. (D)
48. (A)
49. (C) सूत्र–मैग्नीफिकेशन

$$= \frac{\text{अभिदृश्यक लेंस की फोकस दूरी}}{\text{दूरदर्शक का आवर्धन}}$$

$$= \frac{F}{M}$$

$$F = 50,$$
$$M = 25,$$
$$F/M, \frac{50}{25} = 2 \text{ सेमी}$$

50. (A)
51. (A) आर्द्र वायु के सम्पर्क में आने पर कॉपर की सतह पर एक हरी परत का बनना संक्षारण की क्रिया द्वारा होता है. इस क्रिया के अन्तर्गत वर्षा ऋतु में जब ताँबे का बर्तन वायु के सम्पर्क में आता है. उस समय वायु में मिश्रित गैसें एवं आर्द्रता कॉपर कार्बोनेट और कॉपर हाइड्रोक्साइड मिश्रित होकर कॉपर पर हरी परत का निर्माण करते हैं.
52. (B) **'बिना बुझा चूना'** (Quick Lime) यानी कली चूना, **रासायनिक नाम**–कैल्सियम ऑक्साइड, **सूत्र**–(CaO) पदार्थ-हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के जलीय विलयन के साथ अभिक्रिया करके कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न नहीं करेगा, क्योंकि इसके रासायनिक सूत्र CaO में CO_3 नहीं होता है, जबकि **चूना पत्थर** (Limestone) कैल्सियम कार्बोनेट ($CaCO_3$); **चॉक/खड़िया** (Calcium Carbonate–$CaCO_3$) तथा **संगमरमर** (Marble) कैल्सियम कार्बोनेट ($CaCO_3$) इन तीनों में CO_3 पाए जाते हैं, जो CO_2 उत्पन्न करते हैं.

53. (A) 54. (B) 55. (B) 56. (B)
57. (C) 58. (B)
59. (D) दन्तवल्ल जो मानव शरीर में सबसे कठोर अवयव है, Hydroxypatile खनिज है, जो कैल्सियम फॉस्फेट है.
60. (A) 61. (B) 62. (B) 63. (D)
64. (C) 65. (C) 66. (C) 67. (A)
68. (B) तरंगदैर्घ्य, भ्रमण पथ में अनुपातिक रूप से विचलित (Deviate) होती है. लाल रंग का किरण पुंज अपने पथ से सबसे कम विचलित होता है, जबकि बैंगनी रंग का किरण पुंज अपने पथ से अधिकतम विचलित होता है.
69. (A)
70. (A) एक फ्यूज तार में अवरोधक शक्ति अधिक होती है. अतः यह चालक और निम्न गलनांक वाला होना चाहिए. यदि इसमें उच्च तरंग (High Current) गुजरेगी तो यह शीघ्र ही गलनांक बिन्दु पर आ जायेगा.
71. (C) 72. (D) 73. (C) 74. (B)
75. (D)
76. (C) शॉनब्रुन सन्धि (1809) या वियना सन्धि फ्रांस और ऑस्ट्रिया के बीच 14 अक्टूबर, 1809 को वियना के पास शॉनब्रुन पैलेस में हुई थी. इसके अन्तर्गत नेपोलियन युद्ध के पाँचवे Coaliation का अन्त हुआ था, जिसमें ऑस्ट्रिया वार्गम के युद्ध में हार गया था.
77. (A)
78. (A) सन् 1947 में राष्ट्रपति एच. एस. ट्रूमेन ने एक सिद्धान्त प्रस्तुत किया जिसके अन्तर्गत साम्यवाद (Communism) को रोकने की भावना निहित थी इसे ट्रूमेन सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है.
79. (B)
80. (D) द. अप्रैल थिसिस दस बिन्दुओं का एक प्रस्ताव था, जो अप्रैल महीने में लेनिन द्वारा बोल्शिविक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था, इसमें मुख्य बिन्दु राजकीय सरकारों, सामाजिक क्रान्ति एवं सर्वहारा वर्ग की सरकार थे.
81. (B)
82. (D) राज्य सभा एक स्थायी सदन है. यह राष्ट्रपति द्वारा कभी भी भंग नहीं किया जा सकती है.
83. (A)
84. (A) यान्डाबो सन्धि एक शान्ति सन्धि थी, जो East India Co. तथा Ava के राजा के मध्य हुई थी जिसके अन्तर्गत प्रथम आंग्लो-बर्मा युद्ध को रोका गया था इस पर 24 फरवरी, 1826 में हस्ताक्षर किए गए थे, ये हस्ताक्षर ब्रिटिश की तरफ से जनरल सर ए. कैम्पबेल तथा वर्मा के गवर्नर लेगैंग महा मिन हला क्याव हतिन (Legaing Maha Min Hla Kyaw Htin) के मध्य हुए थे.
85. (D) 86. (C) 87. (D) 88. (A)
89. (C)
90. (D) पन्द्रहवाँ प्रवासी भारतीय दिवस 21 जनवरी से 23 जनवरी, 2019 के मध्य वाराणसी में सम्पन्न हुआ था.
91. (C) 92. (A) 93. (C) 94. (D)
95. (B)
96. (B) जीव विज्ञान सम्बन्धी (जैव/वानस्पतिक/वैज्ञानिक नाम (Scientific Name) लिखने का सही तरीका है **पहले–जीनस, बाद में–स्पीशीज** लिखना, जैसे–अमीबा का **जीनस**–अमीबा + **स्पीशीज**–प्रोटियस; में जीनस–कैपीटल लैटर Amoeba यानी A + **स्पीशीज**—protens में p-small letter में लिखा जाता है.
97. (D) 98. (B) 99. (C)
100. (C) मानव शरीर में **'हैजा'** (Cholera) रोग का कारण जीवाणु (Bacteria) **'विब्रिओ कोलेरी'** रोगाणु है, जिससे पाचन तंत्र प्रभावित होता है, फलतः उल्टी एवं दस्त, शरीर में ऐंठन एवं डिहाइड्रेशन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं. यह रोग संदूषित खाद्य या जल के सेवन करने से होता है. इसके उपचार हेतु सफाई, टीकाकरण एवं एण्टीबायोटिक दवाओं का सेवन करना चाहिए. ●●●

शेष पृष्ठ 111 का

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक की चुनौतियाँ

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक के सामने सबसे बड़ी चुनौती तो इस तकनीक को इस्तेमाल करने में आवश्यक शुरूआती खर्चे की है. परम्परागत विधि की अपेक्षा इसको लगाने में अधिक खर्च आता है. यहाँ यह बात स्पष्ट करने की जरूरत है कि बाद में यह काफी सस्ती पड़ती है तथा इस विधि में पानी का पम्पों की सहायता से इस्तेमाल किया जाता है. उसके लिए लगातार विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता होती है. इसलिए **दूसरी** बड़ी चुनौती है, हर वक्त विद्युत आपूर्ति बनाए रखना. **तीसरी** सबसे बड़ी चुनौती है लोगों की मनोवृत्ति को बदलने की. अधिकतर लोग सोचते हैं कि हाइड्रोपोनिक्स के इस्तेमाल के लिए इसके बारे में काफी अच्छी जानकारी होनी चाहिए और इसमें काफी शोध-अध्ययन की जरूरत होती है, लेकिन असल में ऐसा नहीं है. अंत में इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता कि पौधों की उचित वृद्धि के लिए आवश्यक खनिज और पोषक तत्व सही समय पर और सही मात्रा में मिलते रहने चाहिए. हाइड्रोपोनिक्स तकनीक में इन तत्वों की आपूर्ति हम करते हैं, जबकि जमीन से पौधे अपने आप लेते रहते हैं. ●●●

शेष पृष्ठ 113 का

से खरीदा जा सकता है. पशुओं के क्रय-विक्रय के साथ-साथ जर्मप्लाज्म की पूरी जानकारी दी जाती है. इससे देश में विविध देशी बोवाईन नस्लों के परिरक्षण के साथ-साथ पशुपालकों की आय में वृद्धि की जा सकेगी.

निष्कर्ष

देश की 70 प्रतिशत आबादी चूँकि आज भी गाँवों में रहती है, ऐसे में भारत की समृद्धि गाँव के विकास पर ही टिकी है. भारत 125 करोड़ से अधिक मानव (जनगणना-2011) और 30 करोड़ पशु आबादी के साथ-साथ एक विशाल कृषि देश होने के कारण बायोगैस से ऊर्जा पूर्ति एक बहुत ही बड़ा उपाय है. **'गोबरधन योजना'**– बायोगैस में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है. भारत की अर्थव्यवस्था में पशुपालन एवं डेयरी उद्योग का विशेष स्थान है. पशुधन क्षेत्र में 60% से अधिक योगदान अकेले दूध और दुग्ध उत्पादों का है. भारत– दुनिया में सबसे बड़ा पशुधन आबादी वाला देश है. **'19वीं'** पशु गणना (2012) के अनुसार भारत में कुल 51·2 करोड़ पशु हैं. दुनिया में गाय और भैंसों की संख्या में **पहला** स्थान; बकरी में दूसरा व भेड़ में **तीसरा** स्थान है. वर्तमान में देश में (2017-18) दुग्ध उपलब्धता 337 ग्राम/दिन/व्यक्ति तथा कुल दुग्ध उत्पादन 165 मिलियन टन तक पहुँच गया है, जिसका श्रेय दुग्ध उत्पादन में आई **'श्वेत क्रांति के जनक'**– (स्व.) डॉ. वर्गीज करियन (**जन्म**–26 नवम्बर, 1921, कोझिकोड, केरल; **मृत्यु**–9 सितम्बर, 2012 नादियाद गुजरात में) को जाता है, जो 33 वर्ष **NDDB**, आनंद (गुजरात) के फाउण्डर चेयरमैन रहे और दुग्ध क्षेत्र में **'ऑपरेशन फ्लड'** चलाया, साथ ही पद्मभूषण, पद्म विभूषण, पद्मश्री, रेमन मैग्सेसे अवार्ड, वर्ल्ड फूड प्राइज आदि से भी सम्मानित हुए. पशुपालन व डेयरी उद्योग में रोजगार के अच्छे अवसर हैं. देश के 6 लाख गाँवों के 100 लाख परिवारों को 530 मिलियन पशुधन आजीविका सुरक्षा प्रदान करते हैं, जो भारतीय कृषि का अभिन्न अंग हैं. अतः डा. वर्गीज कुरियन– मिल्क मैन ऑफ इण्डिया के जन्म-दिवस–26 नवम्बर को प्रति वर्ष देश में **'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस'** मनाया जाता है, जिसकी शुरूआत 26 नवम्बर, 2016 से ही हुई है. ●●●

उपकार नवीन प्रस्तुति
हिन्दी
(कक्षा I–V के लिए)
CTET एवं अन्य राज्यों की TET परीक्षाओं के लिए उपयोगी
लेखक : प्रो. मधुप कुमार
कोड 2649 ₹ 170/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

उत्तर प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस [(नागरिक पुलिस, प्लाटून कमाण्डर (पी.ए.सी.)] अग्निशमन द्वितीय अधिकारी परीक्षा, 20-12-2017 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य हिन्दी

1. हिन्दी साहित्य की लब्धप्रतिष्ठित कृति 'कामायनी' के रचनाकार कौन हैं ?
   (A) सुदर्शन
   (B) प्रेमचन्द
   (C) जयशंकर प्रसाद
   (D) अज्ञेय

2. "जमीन आसमान एक करना" मुहावरे का अर्थ है—
   (A) घोर प्रयत्न करना
   (B) पूरी तरह नष्ट करना
   (C) मतलब निकालना
   (D) व्यर्थ का कार्य करना

3. सन् 2006 में 'सार्क लिटरेरी अवार्ड' और सन् 2003 में सरोजनी नायडू पुरस्कार' से पुरस्कृत होने वाली महिला लेखिका कौनसी हैं ?
   (A) मनीषा कुलश्रेष्ठ
   (B) उषा प्रियंवदा
   (C) नमिता सिंह
   (D) मैत्रयी पुष्पा

4. "छिछला" शब्द का विलोम शब्द कौनसा है ?
   (A) उजाड़ना (B) पीठ
   (C) गहरा (D) तृप्ति

5. "………" से संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता प्रकट होती है.
   (A) संज्ञा (B) विशेष्य
   (C) विशेषण (D) विशेषता

6. निम्नलिखित वाक्य को ध्यान से पढ़ें और तय करें कि कौनसे हिस्से में त्रुटि है ? 'तेनालीराम ने कहीं सुना था कि एक दुष्ट आदमी साधु का भेष बनाकर लोगों को अपने जाल में फँसा लेता है.'
   (A) कि एक दुष्ट आदमी साधु
   (B) का भेष बनाकर लोगों
   (C) को अपने जाल में फँसा लेता है
   (D) तेनालीराम ने कहीं सुना था

7. "कौन रोक सकता है उसकी गति ?
   गरज उठते जब मेघ,
   कौन रोक सकता विपुल नाद ?"
   पंक्तियों की रचनाकार अलंकार पहचानिए.
   (A) वीप्सा अलंकार
   (B) प्रश्न अलंकार
   (C) अर्थ श्लेष अलंकार
   (D) शब्द श्लेष अलंकार

8. "नेताजी ने आजाद हिन्द फौजी का नियन्त्रण किया." वाक्य की त्रुटियाँ सुधारें.
   (A) नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का नियन्त्रण किया
   (B) नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का नेतृत्व किया
   (C) नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का निर्भय किया
   (D) नेताजी ने आजाद हिन्द फौजी का नियन्त्रण किया

9. यद्यपि वह बीमार था; परन्तु वह मेला गया. वाक्य की त्रुटियाँ सुधारें.
   (A) यद्यपि वह बीमार था; लेकिन वह मेला गया
   (B) यद्यपि वह बिमार था; फिर भी वह मेला गया
   (C) यद्यपि वह बीमार था; तथापि वह मेला गया
   (D) यद्यपि वह बीमार था; किन्तु वह मेला गया

10. "अप्रतिम" शब्द का अर्थ दिए गए विकल्पों में से कौनसा है ?
    (A) प्रियतम (B) प्रतिमा
    (C) बेजोड़ (D) प्रथम

11. दिए गए विकल्पों में से सही का चयन कर रिक्त स्थानों को भरिए—
    मंत्र वह …… है जो अक्षरों एवं शब्दों के ………… से बनती है."
    (A) ध्वनि, समूह
    (B) बोल, संगीत
    (C) वचन, जुड़ने
    (D) शक्ति, मिश्रण

12. "कूपमंडूक होना" मुहावरे का आशय क्या है ?
    (A) अत्यंत सीमित ज्ञान होना
    (B) घर में रहना
    (C) बहरा
    (D) कुएँ में गिरना

13. दिए गए विकल्पों में से "मुर्दनी" शब्द के विपरीतार्थक का चयन कीजिए—
    (A) जीवंतता (B) विषाद
    (C) स्थायी (D) तात्कालिक

14. दिए गए चार विकल्पों में से "प्रति" का बहुवचन कौनसा विकल्प है ?
    (A) प्रतियाँ (B) प्रतिवर्ग
    (C) प्रति (D) प्रतिजन

15. 'हल्दी घाटी' के रचनाकार कौन हैं ?
    (A) श्यामनारायण पांडे
    (B) राणाप्रताप
    (C) हरिऔध
    (D) सोहनलाल द्विवेदी

16. हिन्दी गद्य का सर्वप्रथम युग किसे माना जाता है ?
    (A) शुक्ल युग (B) भारतेन्दु युग
    (C) द्विवेदी युग (D) प्रेमचन्द युग

17. "देव प्रसन्न होकर मनुष्यों को वर देते हैं." वाक्य में प्रयुक्त 'देव' शब्द का बहुवचन बताइए—
    (A) देवगण (B) देवजन
    (C) देवलोग (D) देववृंद

18. "मखाना" का समानार्थी शब्द दिए गए विकल्पों में से कौनसा है ?
    (A) गुसलखाना (B) सरगर्मी
    (C) मिसरानी (D) तालमखाना

19. "पंच परमेश्वर" के लेखक कौन हैं ?
    (A) रामचन्द्र शुक्ल
    (B) मुंशी प्रेमचन्द
    (C) जयशंकर प्रसाद
    (D) महादेवी वर्मा

20. दिए गए विकल्पों में से सही का चयन कर रिक्त स्थानों को भरिए—
    "ये चारों………आपस में वैज्ञानिक विषयों पर ………… करते रहते हैं."
    (A) अकसर, चर्चा
    (B) एकत्रित, पढ़ाई
    (C) मिलकर, प्रयोग
    (D) जुड़कर टिप्पण

21. "अरे वाह………आपका आगमन तो आकस्मिक है."
    वाक्य में रिक्त स्थान पर किस विराम-चिह्न का प्रयोग किया जायेगा ?
    (A) विस्मयादिबोधक
    (B) प्रश्नचिह्न
    (C) अर्धविराम
    (D) दोहरा अवतरण

22. पुरानी हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी के मिश्रण से उत्पन्न नई जबान कौनसी है ?
    (A) हिन्दुस्तानी भाषा
    (B) मानक भाषा
    (C) पश्चिमी भाषा
    (D) साहित्यिक भाषा

23. "मोह" शब्द का कौनसा विशेषण है ?
(A) संख्यावाचक (B) परिमाणवाचक
(C) गुणवाचक (D) सार्वजनिक

24. "काठ का उल्लू" का अर्थ क्या है ?
(A) अडिग
(B) निर्जीव
(C) मूर्ख
(D) अत्यधिक सरल

25. "बगीचे का सुन्दरता अनूठा है." सही वाक्य का चयन कीजिए—
(A) बगीचे की सुन्दरता अनूठा है
(B) बगीची की सुन्दरता अनूठा है
(C) बगीचे का सुन्दरता अनूठी है
(D) बगीचे की सुन्दरता अनूठी है

26. दिए गए विकल्पों में से सही का चयन कर रिक्त स्थानों को भरिए—
"धन के ········ में आज भी कुछ लोग ·········· बन जाते हैं."
(A) भ्रष्टाचार, हरिश्चन्द्र
(B) बंधू, मर्द
(C) राष्ट्र वीरता
(D) लालच, जयचन्द

27. "सतर्कता" शब्द का समानार्थी शब्द दिए गए विकल्पों में से कौनसा है ?
(A) मुस्तैदी (B) उचित
(C) समझदारी (D) सार्थकता

28. बच्चों की कहानियाँ लिखने वाले और चाचा चौधरी पात्र के रचनाकार कौन हैं ?
(A) आबिद सुरती
(B) अनंत पाई
(C) अनिल कुमार
(D) प्राण कुमार शर्मा

29. चार विकल्पों में से शुद्ध वाक्य चुनिए—
(D) आकाशवाणी से यह समाचार प्रसारित किया गया
(B) आकाशवाणी ये यह समाचार सुनाया गया
(C) आकाशवाणी से यह समाचार कहा गया
(D) आकाशवाणी से यह समाचार बताया गया

केस स्टडी—30 से 32

नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा प्रश्न के उत्तर दीजिए—

सामाजिक एवं आर्थिक दुर्बलताओं को दूर करने के लिए, राजनीतिक अधिकार प्राप्त करने के लिए विज्ञापन का जितना प्रयोग हो रहा है, उससे कहीं ज्यादा अपने मालों की बिक्री के लिए हो रहा है. इसके द्वारा भावात्मक दोहन बहुत धूर्तता के साथ होता है. एक कम्पनी दूसरे के बाजार को हड़पने के लिए विभिन्न तिकड़मों का सहारा लेती है. अंग-प्रदर्शन का बढ़ना विज्ञापन की अनैतिकता की पराकाष्ठा है. युवाओं पर इसका बहुत बुरा असर पड़ता है. देश का भविष्य तिमिर लोक में गुम हो जाए—यह सोची-समझी साजिश है इस उपभोक्तावादी, पूँजीवादी संस्कृति के नायाब तरीके विज्ञापन की.

30. उपर्युक्त गद्यांश का मूल तत्व क्या है ?
(A) उपभोक्ताओं को विज्ञापन छल और फरेब से अवगत कराना
(B) पूँजीवाद को बढ़ावा
(C) राजनीतिक अधिकार का इस्तेमाल
(D) विज्ञापन के बढ़ते फैशन को बढ़ावा

31. सामाजिक और आर्थिक दुर्बलताओं का मुख्यत: किसलिए उपयोग किया जा रहा है ?
(A) तिकड़मों का सहारा लेने
(B) अत्यधिक विज्ञापन द्वारा उत्पादन की जानकारी पाने
(C) भावात्मक छल करने
(D) उत्पादन की अत्यधिकबिक्री करने

32. इस गद्यांश का शीर्षक क्या है ?
(A) बाजारू संस्कृति
(B) सांस्कृतिक अस्मिता और विज्ञापन
(C) विज्ञापन दाताओं की सोची-समझी योजनाएँ
(D) पूँजीवाद और विज्ञापन

33. निम्नलिखित वाक्य को ध्यान से पढ़ें और तय करें कि कौनसे हिस्से में त्रुटि है ?
'आधुनिक परिवार का एक हिस्सा बनकर जिंदगी मानसिक तनाव से गुजर गई है."
(A) एक हिस्सा बनकर
(B) गुजर गई है
(C) जिंदगी मानसिक तनाव से
(D) आधुनिक परिवार का

34. निम्नलिखित में से किसमें 'विरोधाभास अलंकार' का बोध होता है ?
(A) विरह है अथवा यह वरदान
(B) जान पड़ता है नेत्र देख बड़े-बड़े
(C) देख लो साकेत नगरी है
यही स्वर्ग को जा रही.
(D) प्रियतम को समझ पा कामिनी
न जा सकी न ठहर सकी.

35. "आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।"
राणा ने देखा इस पार, तब तक चेतक था उस पार॥"
दी गई पंक्तियों में कौनसा अलंकार है ?
(A) उत्प्रेक्षा
(B) अनुप्रास
(C) अतिशयोक्ति
(D) उपमा

36. "बिल्ली के गले में घंटी बाँधना." के अर्थ का उचित विकल्प चुनिए—
(A) घंटी सुनने के मजे लेना
(B) अपने को संकट में डालना
(C) बिल्ली को सजाना
(D) बिल्ली को क्रोधित करना

37. "पीपर पात सरिस मन डोला" इस पंक्ति में 'मन' क्या है ?
(A) साधारण धर्म
(B) वाचक
(C) उपमान
(D) उपमेय

38. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताए उसे ········ कहते हैं.
(A) क्रिया भेद
(B) प्रतिक्रिया
(C) क्रिया रूप
(D) क्रिया विशेषण

39. व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को क्या कहते हैं ?
(A) सर्वनाम (B) विशेषण
(C) क्रिया (D) संज्ञा

40. दिए गए विकल्पों में से सही चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए—
"कन्या की ·········· के आरोप में उन्हें आजीवन जेल हुई."
(A) पगड़ी (B) बारी
(C) दृष्टी (D) हत्या

मूल विधि/संविधान/सामान्य ज्ञान

1. एक कौनसा ऐसा मालवेअर है जिसका पता लगाना मुश्किल है और इसीलिए उसे हटाना भी मुश्किल होता है. कई विशेषज्ञों का कहना है कि उसे खत्म करने के लिए अपनी हार्डवेअर ड्राइव को साफ करके सब कुछ नये सिरे से इंस्टाल करें. उसे इस तरह से डिजाइन किया जाता है जिससे जानकारी जुटाने वाला दूसरा मालवेयर आपके कम्प्यूटर की आपकी सारी संवेदनशीलता

जानकारी जुटा ले और आपको भनक तक न लगे.

(A) डिनायल ऑफ सर्विस

(B) रूटकिट

(C) फिशिंग

(D) स्पायवेअर

2. एक अर्थव्यवस्था, यदि उत्पादन संसाधनों की कमी से जूझ रही है, तो कुल खर्च में वृद्धि के कारण क्या होगा ?

(A) रोजगार और सांकेतिक आय में वृद्धि

(B) उत्पादन और कीमतों में वृद्धि

(C) सांकेतिक आय और कीमतों में वृद्धि

(D) उत्पादन और रोजगार में वृद्धि

3. सरकारी बजट पेश करने की तारीख कौन तय करता है ?

(A) लोक सभा अध्यक्ष

(B) वित्त मंत्री

(C) राष्ट्रपति

(D) केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल

4. भारत वापस आ गये किसी अनिवासी द्वारा, विदेशी मुद्रा कारोबारी बैंक में खोले गए विदेशी मुद्रा खाते को क्या कहा जाता है ?

(A) भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ

(B) मुद्रा अर्जक विदेशी मुद्रा

(C) विदेशी मुद्रा अनिवासी

(D) अनिवासी भारतीय

5. निम्नलिखित में से राज्य के किस नीति निदेशक सिद्धान्त का उद्देश्य एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना है जिससे लोगों की उन्नति और कल्याण हो ?

(A)राज्य लोगों के कल्याण के लिए एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था स्थापित करने और उसे बढ़ाने का पूरा प्रयत्न करेगा जहाँ लोगों को न्यायायिक, सामाजिक और राजनैतिक सुरक्षा मिल सके, राष्ट्रीय जीवन की संस्थाओं को भी जुड़ने के लिये सूचित करेगा.

(B)राज्य पूरा प्रयास करेगा कि लोगों की आय के अन्तर को कम कर सके और उनकी स्थितियों, सुविधाओं और अवसरों के बीच की असमानताओं को दूर कर सके, न सिर्फ अलग-अलग लोगों के लिए बल्कि उन लोगों के लिए भी जो अलग-अलग इलाकों में समूहों में रहते हैं या अलग-अलग कामों से जुड़े हैं.

(A) A और B, दोनों ही नहीं

(B) केवल B

(C) A और B दोनों

(D) केवल A

6. इनमें से कौनसी रचना रबीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा संगीतबद्ध नहीं की गई ?

(A) चित्त जेथा भयशून्य

(B) कदम-कदम बढ़ाये जा

(C) एकला चलो रे

(D) अमार शोनार बांग्ला

7. कम्प्यूटर तकनीक की पाँचवीं पीढ़ी किस पर आधारित है ?

(A) एकीकृत सर्किट

(B) वैरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन (वी.एल.एस.आई.) माइक्रोप्रोसेसर

(C) ट्रांजिस्टर

(D) अल्ट्रा लार्ज स्केल इंटीग्रेशन (यू.एल.एस.आई.) माइक्रोप्रोसेसर

8. राष्ट्रीय आयुष मिशन किससे सम्बन्धित है ?

(A) महिलाओं की सुरक्षा

(B) शिक्षा

(C) स्वास्थ्य

(D) कृषि

9. 30 नवम्बर, 2017 को, भारतीय ई-टेल विशाल कम्पनी "फ्लिपकार्ट" का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) कौन था ?

(A) जैम कोउम

(B) जैक डोरसे

(C) कल्याण कृष्णमूर्ति

(D) जेफ बेजोस

10. भारत के संविधान के अनुच्छेद 169 के अनुसार राज्य विधान परिषद् के गठन का अधिकार किसे होता है ?

(A) संसद

(B) राष्ट्रपति

(C) राज्य की विधान सभा

(D) प्रधानमंत्री

11. सामान्य मिट्टी का कार्बन-नाइट्रोजन अनुपात लगभग कितना होता है ?

(A) 5 : 04 (B) 10 : 1

(C) 1 : 1 (D) 4 : 05

12. निम्नलिखित राज्यों में से किस राज्य का भारत में जूट उत्पादन का प्रतिशत सबसे ज्यादा है ?

(A) बिहार

(B) गुजरात

(C) पश्चिम बंगाल

(D) केरल

13. भारत के संविधान के अनुच्छेद 21A के अनुसार "राज्य कानून द्वारा इस प्रकार से तय करे कि—आयु समूह के सभी बच्चों को वह मुफ्त शिक्षा मुहैया कराये."

(A) छह से चौदह

(B) छह से बारह

(C) पाँच से बारह

(D) पाँच से दस

14. चौदहवें वित्त आयोग में 'राज्यों के बीच करों के आबंटन के सूत्र में वनावरण को भी जोड़ दिया गया है. ये कौनसे नाम से लोकप्रिय है ?

(A) हरित हस्तांतरण सूत्र

(B) श्वेत हस्तांतरण सूत्र

(C) प्रगतिशील कवरेज सूत्र

(D) हरित प्रोत्साहन सूत्र

15. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का अध्यक्ष कौन होता है ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) राष्ट्रपति

(C) सबसे वरिष्ठ सेना प्रमुख

(D) नीति आयोग का उपाध्यक्ष

16. भारत सरकार की वह कौनसी योजना है जिसका उद्देश्य ऐसे बच्चों का संरक्षण करना है जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता हो. उनके अलावा ऐसे किशोर जो कानून का उल्लंघन करते हैं और वो बच्चे जो कठिन परिस्थितियों में रहते हैं, उनका संरक्षण भी इस योजना का एक अंग है—

(A) राष्ट्रीय बाल संरक्षण कार्यक्रम

(B) किशोर न्याय (बाल संरक्षण एवं देख-रेख) योजना

(C) समेकित बाल संरक्षण योजना

(D) दुर्गा वाहिनी

17. हर राज्य का सर्वोच्च रैंकिंग भारतीय वन सेवा (आई. एफ.एस.) अधिकारी कौन होता है ?

(A) प्रभागीय वन अधिकारी

(B) प्रधान मुख्य वन संरक्षक

(C) वन संरक्षक

(D) वन सेवा प्रमुख

18. कौनसी नदी हैदराबाद शहर से होकर बहती है ?

(A) गुरुपारा (B) नेत्रवती

(C) मीनाचिल (D) मूसी

19. केन्द्र सरकार ने निम्नलिखित में से किस देश से उत्पादों के आयात पर प्रतिपाटन शुल्क को आगे बढ़ाया है ?

(A) चीन (B) अफगानिस्तान

(C) श्रीलंका (D) पाकिस्तान

20. किस देश से सुभाषचन्द्र बोस अंग्रेजों के खिलाफ मदद लेने गए थे ?
(A) चीन (B) जर्मनी
(C) अमेरिका (D) फ्रांस

21. अधिकृत रूप से स्वतन्त्रता की घोषणा करते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कौनसी तारीख को 'स्वतन्त्रता दिवस' घोषित किया था ?
(A) 15 अगस्त, 1947
(B) 19 दिसम्बर, 1929
(C) 26 जनवरी, 1930
(D) 26 जनवरी, 1950

22. इनमें से कौनसा एक कृत्रिम कीटनाशक नहीं है ?
(A) पैराकेट
(B) बेंजीन हेक्साक्लोराइड (बी.एच.सी.)
(C) डाइक्लोरो - डिफेनील - ट्रिक्लो-राइथेन (डी.डी.टी.)
(D) एल्ड्रिन

23. हड़प्पा सभ्यता में 'गढ़' जगह किसके लिए जानी जाती थी ?
(A) वहाँ उच्चतर वर्ग के लोग बसते थे
(B) वहाँ पुस्तकें रखी जाती थीं
(C) वहाँ पूरे शहर के लिए भोजन तैयार किया जाता था
(D) वहाँ निचले वर्ग के लोग बसते थे

24. 30 नवम्बर, 2017 को, भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक कौन थे ?
(A) राजीव महर्षि
(B) कोसाराजु वीरैया चौधरी
(C) अनिल कुमार सिन्हा
(D) शशिकांत शर्मा

25. इनमें से कौनसी जनहित याचिका के जरिये नसबंदी के लक्ष्य हासिल करने के लिये राज्य द्वारा की गई धांधलियों को उजागर करने के उद्देश्य से आर्थिक मुआवजे मरीजों में की सुरक्षा के निर्देशों, शल्य चिकित्सा के दिशा निर्देशों, इत्यादि की माँग की गई ?
(A) देविका बिस्वास **बनाम** भारत संघ
(B) श्रेया सिंघल **बनाम** भारत संघ
(C) अल्मित्र पटेल **बनाम** भारत संघ
(D) ए.बी.सी. **बनाम** राज्य (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एन.सी.टी.)

26. सूचना का अधिकार (संशोधन), 2013 में नीचे दिया गया कौनसा अहम् संशोधन किया गया था ?
(A) फाइल टिप्पणियों की जानकारी को सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रखना.
(B) राजनैतिक दलों को सार्वजनिक प्राधिकरण की परिभाषा के दायरे से बाहर रखा जाए और इसीलिए वे सूचना के अधिकार के अन्तर्गत भी न आएं.
(A) A और B दोनों
(B) केवल B
(C) केवल A
(D) A और B, दोनों ही नहीं

27. आय या लाभ पर लगाए कर के बजाय वस्तुओं और सेवाओं पर लगते कर को किसके रूप में जाना जाता है ?
(A) प्रत्यक्ष कर
(B) कर-भार
(C) अप्रत्यक्ष कर
(D) कराघात

28. भारत में किसी भी राज्य का गवर्नर बनने के लिए निम्नलिखित में से कौनसी योग्यता होना जरूरी है ?
(A) उसकी उम्र कम-से-कम पैंतीस साल होनी चाहिए.
(B) उसे संसद के किसी भी सदन या राज्य विधायिका का सदस्य नहीं होना चाहिए.
(C) वह भारत का नागरिक होना चाहिए.
(A) केवल A
(B) B और C दोनों
(C) A और B दोनों
(D) A, B और C तीनों

29. वित्तीय वर्ष 2015-16 का निर्धारण वर्ष निम्नलिखित में से कौनसा है ?
(A) निर्धारण वर्ष 2016-17
(B) निर्धारण वर्ष 2017-18
(C) निर्धारण वर्ष 2014-15
(D) निर्धारण वर्ष 2015-16

30. इनमें से किस ऐतिहासिक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय रिजर्व बैंक को सूचना के अधिकार के अधिनियम के दायरे में ले लिया ?
(A) लोक-स्वातन्त्र्य संगठन **बनाम** भारत संघ
(B) राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण **बनाम** भारत संघ
(C) भारतीय रिजर्व बैंक **बनाम** जयंती लाल मिस्त्री
(D) समान उद्देश्य **बनाम** भारत संघ

31. संयुक्त राष्ट्र की एक अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संधि कौनसी है जिसका उद्देश्य है दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करना ?
(A) राष्ट्रीय मानव अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र पुस्तिका
(B) विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संधिपत्र
(C) एम्नेस्टी इंटरनेशनल
(D) वैश्विक अधिकार

32. रदरफोर्ड द्वारा किस प्रयोग ने नाभिक के अस्तित्व को साबित कर दिया ?
(A) गोल्ड फॉयल प्रयोग
(B) वू प्रयोग
(C) डबल-स्लिट प्रयोग
(D) आयल ड्रॉप प्रयोग

33. इस यातायात चिह्न का अर्थ क्या है ?

(A) आगे सड़क चौड़ी हो रही है
(B) आगे केवल एक मार्ग है
(C) आगे पुल सँकरा है
(D) आगे पुल है

34. निम्नलिखित अपराधों में से किस अपराध के लिए भारतीय दण्ड संहिता के तहत् मृत्युदण्ड सम्भावित है ?
A. धारा 122—भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने के उद्देश्य से हथियार जमा करना, लोग इत्यादि जुटाना.
B. धारा 194—ऐसे झूठे सबूत गढ़ना या पेश करना जिससे किसी व्यक्ति को मृत्युदण्ड हो सके (जिनकी वजह से किसी निर्दोष व्यक्ति को अपराधी ठहरा कर उसे मृत्युदण्ड दे दिया जाए).
(A) A और B दोनों
(B) केवल A
(C) A और B दोनों में से कोई नहीं
(D) केवल B

35. इनमें से कौनसा विषय संघ सूची का एक हिस्सा है ?
(A) राज्य की सुरक्षा से सम्बन्धित निवारक नजरबन्दी
(B) कैदियों को एक राज्य की जेल से दूसरे राज्य की जेल में भिजवाना
(C) रेल सेवा
(D) विवाह एवं तलाक

36. सरकार को जनता का पैसा खर्च करने का अधिकार कौन देता है ?
(A) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(B) लोक सभा
(C) राष्ट्रपति
(D) संसद

37. राज्य सभा के लिए चुने गए/नामांकित सदस्य का कार्यकाल कितना होता है ?
(A) दो साल (B) चार साल
(C) छह साल (D) पाँच साल

38. रैयतवारी भूमि राजस्व प्रणाली का संस्थापक होने का श्रेय किसे दिया जाता है ?
(A) अशोक (B) अकबर
(C) चाणक्य (D) टोडरमल

39. इनमें से भारत का कौनसा जीवमण्डल भण्डार संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के मानव एवं जीवमण्डल कार्यक्रम पर आधारित विश्व जीवमण्डल तंत्र का हिस्सा नहीं है ?
(A) सुंदरबन जीवमण्डल भण्डार
(B) कच्छ जीवमण्डल भण्डार
(C) मन्नार की खाड़ी जीवमण्डल भण्डार
(D) नीलगिरि जीवमण्डल भण्डार

40. उप-राष्ट्रपति को पद की शपथ कौन दिलवाता है ?
(A) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(B) भारत के राष्ट्रपति
(C) लोक सभा अध्यक्ष
(D) मुख्य चुनाव आयुक्त

संख्यात्मक और मानसिक योग्यता परीक्षण

1. एक रसायन कम्पनी में दो प्रकार के मिश्रधातु हैं और उनमें जस्ता और एल्यूमिनियम क्रमशः 7 : 22 और 21 : 37 के अनुपात में हैं. इन मिश्रधातुओं को किस अनुपात में मिलाया जाए, ताकि एक नई मिश्रधातु बने जिसमें जस्ता और एल्यूमिनियम की अनुपात 25 : 62 में हो ?
(A) 13 : 8 (B) 8 : 51
(C) 17 : 6 (D) 9 : 2

2. दो संख्याओं का योग 50 है और दो संख्याओं का लघुतम समावर्त्य और महत्तम समापवर्तक क्रमशः 5 और 180 है, तो संख्याओं के व्युत्क्रम का योग ज्ञात कीजिए—
(A) 5 / 8 (B) 1/27
(C) 7/17 (D) 1/18

3. रघु ने 5/4 के बजाय 4/5 से एक संख्या को गुणा किया. गणना में प्रतिशत त्रुटि कितनी है ?
(A) 36% (B) 42%
(C) 58% (D) 38%

4. दीपिका 10 रुपये, 20 रुपये और 40 रुपये प्रति लिटर के हिसाब से लगातार तीन वर्ष तक दूध खरीदती है. वह प्रत्येक वर्ष यदि 8000 रुपये खर्च करती है, तो दूध की औसत लागत प्रति लिटर कितनी होगी ?
(A) 17 रुपये 14 पैस
(B) 30 रुपये
(C) 24 रुपये 17 पैसे
(D) 21 रुपये

5. एक नियमित बहुभुज के बाहरी कोण और आन्तरिक कोण के बीच का अन्तर 108° है. उसका बाहरी कोण कितना होगा ?
(A) 108° (B) 72°
(C) 36° (D) 144°

6. एक 3 किमी की दौड़ में X, Y को 60 मीटर की दूरी से या 5 सेकण्ड से हरा देता है. ज्ञात कीजिए X द्वारा दौड़ को पूरा करने में कितना समय लगा होगा ?
(A) 245 सेकण्ड
(B) 250 सेकण्ड
(C) 445 सेकण्ड
(D) 526 सेकण्ड

केस स्टडी 7–9

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को वास्तव में एक अलग पकवान मिलता है और उसके बाद दिए गए सवाल का जवाब दीजिए—

1. राजू को सूप नहीं मिलेगी जब तक कि बाबू को गर्म कॉफी नहीं मिलेगी.
2. जॉन को चॉकलेट्स नहीं मिलेगी जब तक कि डेविड को सूप नहीं मिलेगी.
3. डेविड को चाय नहीं मिलेगी जब तक कि जॉन को सूप नहीं मिलेगी.
4. बाबू को चॉकलेट्स नहीं मिलेगी जब तक कि राजू को गर्म कॉफी नहीं मिलेगी.
5. बाबू को गर्म कॉफी नहीं मिलेगी जब तक कि डेविड को चॉकलेट्स नहीं मिलेगी.
6. जॉन को गर्म कॉफी नहीं मिलेगी जब तक कि राजू को चाय नहीं मिलेगी.
7. जॉन को चाय नहीं मिलेगी जब तक कि राजू को गर्म कॉफी नहीं मिलेगी.
8. राजू को गर्म कॉफी नहीं मिलेगी जब तक कि जॉन को सूप नहीं मिलेगी.
9. डेविड को चॉकलेट्स नहीं मिलेगी जब तक राजू को गर्म कॉफी नहीं मिलेगी.
10. बाबू को चाय नहीं मिलेगी जब तक कि राजू को चॉकलेट्स नहीं मिलेगी.
11. जॉन को सूप नहीं मिलेगी जब तक कि राजू को चॉकलेट्स नहीं मिलेगी.

7. किसे चॉकलेट मिले ?
(A) राजू (B) डेविड
(C) बाबू (D) जॉन

8. किसे गर्म कॉफी मिली ?
(A) राजू (B) डेविड
(C) बाबू (D) जॉन

9. बाबू को क्या मिला ?
(A) सूप (B) चॉकलेट्स
(C) गर्म कॉफी (D) चाय

10. यदि जनवरी 2016 का चौथा दिवस सोमवार है, तो अगस्त महीने का दूसरा सोमवार किस तारीख को पड़ेगा ?
(A) 8 अगस्त (B) 10 अगस्त
(C) 15 अगस्त (D) 9 अगस्त

11. निम्नलिखित में दिया गया कौनसा विकल्प 9 से विभाज्य है ?
(A) 12366 (B) 42563
(C) 24652 (D) 32458

12. आनंद बाबू और चंदू को 5,625 रुपये के नकद पुरस्कार मिले. पुरस्कार की रकम को तीनों के बीच इस तरह बाँटा जाना है कि आनंद को बाबू और चंदू को एक साथ मिलने वाली राशि का 1/2 मिले और बाबू को आनंद और चंदू को एक साथ मिलने वाली राशि का 1/4 मिले.

बाबू के मुकाबले आनंद की हिस्सेदारी, रुपये में, कितनी अधिक होगी ?
(A) 860 रुपये (B) 750 रुपये
(C) 740 रुपये (D) 840 रुपये

13. निम्नलिखित दिए गए विकल्पों में से कौनसा पुनरावृत्ति और आवर्ती दशमलव है ?
(A) 3/10 (B) 13/8
(C) 3/11 (D) 137/25

14. दो गाड़ियाँ A और B अगले एक घंटे के भीतर निर्धारित की गयी हैं. दोनों गाड़ियों के सभी यात्री हॉल में इंतजार कर रहे हैं. हॉल में बैठने की क्षमता 1500 है जिसमें से 10% खाली रही है. प्रतीक्षारत यात्रियों में 40% महिलाएँ हैं.

प्रत्येक ट्रेन में बैठने की क्षमता प्रतीक्षालय में बैठे यात्रियों की दो-तिहाई है. ट्रेन A के यात्री ट्रेन में सवार हुए. ट्रेन A में सवार आधे यात्री महिलाएँ हैं. बाकी यात्री ट्रेन B में सवार हुए. ट्रेन A में सवार पुरुषों की संख्या और ट्रेन B में सवार महिलाओं के बीच का अनुपात क्या होगी ?

(A) 26 : 53 (B) 53 : 27
(C) 27 : 53 (D) 1 : 2

15. एक संख्या का 50% दूसरी संख्या के 40% से 10 अधिक है, यदि मूल संख्याओं के बीच का अन्तर 10 है, तो दोनों संख्याओं के योग का मान क्या होगा ?

(A) 70 (B) 100
(C) 210 (D) 110

16. एक एक्सप्रेस ट्रेन 90 मिनट में एक निश्चित दूरी तय करती है, यदि यह औसतन 48 किमी प्रति घण्टा की रफ्तार से चलती है. सफर के समय को कम कर 40 मिनट तक लाने को किस रफ्तार से दौड़ाना होगा ?

(A) 108 किलोमीटर प्रति घण्टा
(B) 100 किलोमीटर प्रति घण्टा
(C) 98 किलोमीटर प्रति घण्टा
(D) 90 किलोमीटर प्रति घण्टा

17. यदि एक वस्तु की लागत मूल्य पर 20% का लाभ है, इसकी विक्रय मूल्य पर लाभ प्रतिशत गणना —— होगी.

(A) 16·66% (B) 25%
(C) 20% (D) 15%

18. 7200 रुपये के मूलधन पर 9 महीने के लिए 50/3% के सालाना दर पर साधारण ब्याज ज्ञात कीजिए—

(A) 775 रुमये (B) 1075 रुपये
(C) 975 रुपये (D) 900 रुपये

19. मेरी अलमारी में तीस गेंदें पूरी तरह अव्यवस्थित तरीके से रखे हैं. दस काले हैं, दस लाल हैं और दस भूरे रंग के हैं लेकिन मैं अंधेरे में रंगों में अन्तर नहीं कर सकता. मुझे आलमारी से कितनी गेंद लेनी होंगी, ताकि एक ही रंग की कम-से-कम एक जोड़ी मौजूद हो ?

(A) 2 (B) 4
(C) 3 (D) 5

20. 0·6363… + 0·3737 … + 0·8080 … = ?

(A) 1·79 (B) 1·82
(C) 1·8 (D) 1·76

21. 2, 3, 5, 6, 7 और 9 अंकों से कितने 4 अंकों की संख्याएँ बन सकती हैं, जो 3 से विभाज्य हों और कोई भी अंक दोहराया नहीं गया हो ?

(A) 720 (B) 144
(C) 360 (D) 120

22. एक नाव प्रवाह के साथ 20 मिनट में 400 मीटर यात्रा करती है. नाव की गति ऊर्ध्वप्रवाह के मुकाबले प्रवाह के साथ दोगुनी है.

निम्नलिखित विकल्पों में से कौनसा सही सम्बन्ध प्रदान करता है ?

(A) स्थिर पानी में नाव की गति = 1/2 × (प्रवाह की गति)
(B) स्थिर पानी में नाव की गति = 4 × (प्रवाह की गति)
(C) स्थिर पानी में नाव की गति = 2 × (प्रवाह की गति)
(D) स्थिर पानी में नाव की गति = 3 × (प्रवाह की गति)

23. तीन मिश्रण की बराबर मात्रा में पेट्रोल और मिट्टी का तेल 2 : 3, 4 : 3 और 6 : 1 के अनुपात में है. यदि तीनों को एक साथ मिलाया जाता है, तो आखिरी मिश्रण में पेट्रोल और मिट्टी का तेल किस अनुपात में होगा ?

(A) 41 : 64 (B) 32 : 21
(C) 64 : 41 (D) 21 : 32

24. मान लें पूर्णांक $n \geq 1$ के लिए $n! = 1 \times 2 \times 3 \times \ldots\ldots \times n$. यदि X = 8^2 × (15! + 16! + 17! + 18!), जब X 16! से विभाजित है, तो शेष क्या होगी ?

(A) 2 (B) 15!
(C) 0 (D) 1

25. 75 लिटर क्षमता वाले एक कंटेनर में एक प्रवेशिका और एक निकासी नली है. यदि दोनों को एक साथ खोला जाता है, तो कंटेनर 5 मिनट में भर जाता है, पर यदि निकासी नली के प्रवाह की दर दोगुनी कर दी गई है और दोनों नलियों को एक साथ खोल दिया गया है, तो कंटेनर के भरने का समय तिगुना हो जाता है. जब केवल प्रवेशिका नली खोली गई है तो कंटेनर को भरने में कितना समय लगेगा ?

(A) 6 मिनट (B) 3 मिनट
(C) 5 मिनट (D) 4 मिनट

26. इन आँकड़ों के अनुमानित मध्यमान की गणना कीजिए. कॉलेज विद्यार्थियों का सैंपल, जिसने रोजाना बस किराए पर किए गए खर्च के बारे में पूछा गया.

वर्ग (व्यय राशि)	बारम्बारता (विद्यार्थी संख्या)
1–10	4
11–20	15
21–30	8
31–40	3

(A) 19·5 (B) 17
(C) 16 (D) 15

27. 24 जनवरी, 2016 से 14 जून, 2016 के बीच कितने दिन होंगे ?

(A) 140 (B) 142
(C) 143 (D) 141

28. विनोद एक वस्तु 45% के लाभ पर आकाश को बेचता है और फिर आकाश उसे 10% घाटे में संजय को बेचता है. परिणामी लाभ या घाटा कितना होगा ?

(A) 32·23% हानि
(B) 25·6% हानि
(C) 30·5% लाभ
(D) 21·19% लाभ

29. बसप्पा गायों और मुर्गियों की निश्चित संख्या के साथ एक छोटीसी झोपड़ी में रहते हैं. यदि सिरों की कुल संख्या 12 है और पैरों की कुल संख्या 40 है, तो मुर्गियों की संख्या ज्ञात कीजिए—

(A) 2 (B) 6
(C) 8 (D) 4

30. यदि 12 लड़कियाँ एक निश्चित काम का 30% 15 दिनों में करती हैं और 20 लड़के उसी काम का 60% 16 दिनों में करते हैं, फिर 8 लड़के और 18 लड़कियाँ वह काम एक साथ कितने दिनों में पूरा कर सकते हैं ?

(A) 24·4 दिन (B) 22·2 दिन
(C) 21·1 दिन (D) 23·3 दिन

31. 1296 ÷ (24 × 0·75) = ? का मान पता कीजिए—

(A) 72 (B) 64
(C) 122 (D) 82

32. राम ने चॉकलेट्स खरीदे और उन्हें अपने बच्चों के बीच समान रूप से बाँटना चाहता था. यदि वह प्रत्येक को 15 चॉकलेट देता है, तो 2 बच जाती हैं और यदि प्रत्येक को 16 चॉकलेट देता है, 2 चॉकलेट कम पड़ जाती हैं. राम ने कम से कम कितनी चॉकलेट खरीदी ही होंगी ?

(A) 32 (B) 62
(C) 58 (D) 28

33. यदि A = {x 3 की एक गुणज है} और B = {x 5 की एक गुणज है}, यदि B – A एक धनात्मक पूर्णांक है, तो x का मान कम-से-कम मान क्या हो सकता है ?

(A) 5 (B) 1
(C) 3 (D) 2

34. गीता एक 30 मीटर चौड़ा, 40 मीटर लम्बा और 20 मीटर गहरा आयताकार कुआँ खोदना चाहती है जिसका खुला सिरा जमीन पर रहेगा. वह अन्दर से निकली मिट्टी से कुएँ के चारों ओर एक 1 मीटर समान चौड़ाई और जमीन से 0·5 मीटर ऊँची दीवार बनाना चाहती हैं. दीवार बनने के बाद कितनी अतिरिक्त मिट्टी बची हुयी है ?

(A) 2032 घन मीटर
(B) 23928 घन मीटर
(C) 24928 घन मीटर
(D) 22078 घन मीटर

35. $497 \div 7 \times 104 \div 13 + \sqrt{38 \cdot 44} + \sqrt[3]{29 \cdot 261} = ?$ का आकलन कीजिए ?

(A) 574·2 (B) 564·3
(C) 577·28 (D) 575·6

36. दो स्टेशन A और B 138 किमी दूर हैं. एक ट्रेन सुबह 7 : 15 बजे A से शुरू होती है और B की ओर 24 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जाती है. एक अन्य ट्रेन सुबह 8 बजे B से शुरू होती है और A की ओर 36 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलती है. वे किस समय मिलेंगे ?

(A) 10·00 बजे सुबह
(B) 9·00 बजे सुबह
(C) 10·15 बजे सुबह
(D) 9·15 बजे सुबह

37. एक पेन के आवरण की लागत 30% बढ़ जाती है, कैप की लागत 20% बढ़ जाती है और पेन का विक्रय मूल्य 60% बढ़ जाता है. मूल रूप से, पेन का आवरण और कैप, कुल लागत का क्रमशः 40 रुपया और 60 रुपया होते हैं. यदि वास्तविक लाभ पेन के कैप की वास्तविक लागत का एक-चौथाई था, तो नया अनुमानित लाभ ज्ञात कीजिए–

(A) 45·55% (B) 48·38%
(C) 55·65% (D) 23·65%

38. राम ने दो बराबर रकम दो भिन्न लोगों को दी. उन्होंने पहले व्यक्ति पर 5% साधारण ब्याज दर लगाया. 5 वर्ष के अन्त में उन्हें उनसे ब्याज के रूप में 1000 रुपये मिले. दूसरे व्यक्ति को उन्होंने केवल 2 वर्ष के लिए रकम दी. वह उस पर ब्याज की कितनी दर लगाएं, ताकि इतनी ही राशि प्राप्त कर सकें जितनी उन्होंने पहले व्यक्ति से वसूली है ?

(A) 10% (B) 6%
(C) 25% (D) 12·50%

39. एक परियोजना का काम 12 कर्मचारियों द्वारा 15 दिनों में पूरा किया जाना है. यदि तीन कर्मचारी पहले दिन से ही अनुपस्थित हैं, तो बचे हुए लोग अपने काम करने के दर में कितनी बढ़ोत्तरी करेंगे, ताकि परियोजना का काम समय पर पूरा हो सके?

(A) 60% (B) $33\frac{1}{3}\%$
(C) $66\frac{1}{6}\%$ (D) 30%

40. लगातार 15 दिनों के काम के लिए कर्मचारी की औसत मजदूरी 80 रुपये प्रति दिन थी, पहले 7 दिनों के दौरान, उसकी औसत मजदूरी 63 रुपये प्रति दिन थी और आखिर के 7 दिनों के दौरान, मजदूरी 99 रुपये प्रति दिन थी. पहले 8 दिनों की औसत क्या रही होगी ?

(A) 63·15 रुपये
(B) 63·37 रुपये
(C) 63·8 रुपये
(D) 63·29 रुपये

मानसिक योग्यता परीक्षण/ बुद्धिलब्धि परीक्षण/तर्कशक्ति

1. दिए गए विकल्पों में से, उस शब्द का चयन कीजिए जो निम्न वर्णित शब्द के अक्षरों का उपयोग कर नहीं बनाया जा सकता–

ELECTROPHORESIS–

(A) Serpolet (B) Crisis
(C) Hosier (D) Tropic

2. रमा ने अपने घर से शुरू किया और पूर्व की तरफ 5 किमी चली, फिर वह बाएं मुड़ी और 3 किमी चली, फिर वह लगातार दो बार बाएं मुड़ी. अब वह किस दिशा में जा रही है ?

(A) उत्तर-पूर्व (B) पश्चिम
(C) दक्षिण (D) उत्तर

3. हेमा की ओर इशारा करते हुए ललिता ने कहा "उसका पति मेरे दादा/नाना की इकलौती संतान का इकलौता बेटा है. ललिता का हेमा से क्या रिश्ता है ?

(A) बहन (B) भाभी
(C) माँ (D) बेटी

4. निम्नलिखित प्रश्न में, दो कथनों के बाद दो निष्कर्ष I और II दिए गए हैं. निष्कर्ष पढ़ें और तय करें कौनसा/ से निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है/करते हैं ?

कथन :

कुछ कॉलेज विश्वविद्यालय हैं.
सभी कॉलेज संस्थान हैं.

निष्कर्ष :

I. कुछ संस्थान विश्वविद्यालय हैं.
II. हर विश्वविद्यालय एक संस्थान है.

(A) केवल I अनुसरण करता है.
(B) न I और न II अनुसरण करते हैं.
(C) I और II दोनों अनुसरण करते हैं
(D) केवल II अनुसरण करता है.

5. नीचे सवाल में दो कथन I और II हैं. तय करें क्या कथनों में उपलब्ध कराए गए तथ्य सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं. दोनों कथनों को पढ़ें और अपना जवाब दें.

सवाल : P, Q, R और S सभी बारी-बारी अलग-अलग दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार को एक ही रेस्तरां जाते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि उसी क्रम में. 'Q' किस दिन पर जाता है ?

I. P मंगलवार और बुधवार को नहीं जाता है. S गुरुवार को जाता है.
II. Q उस दिन नहीं जाता है जिसमें सात अक्षर हैं.

(A) दोनों कथनों I और II में उपलब्ध तथ्य मिलकर सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं.
(B) दोनों कथनों I और II में उपलब्ध तथ्य मिलकर सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं.
(C) कथन II में उपलब्ध तथ्य अकेले ही सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं.
(D) कथन I में उपलब्ध तथ्य अकेले ही सवाल जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं.

6. एक निश्चित कूट भाषा में 'CRIME' को 'TEJGO' के रूप में लिखा जाता है. उस कूट भाषा में 'BEANS' को कैसे लिखा जाएगा ?

(A) GDBUP (B) GBDUP
(C) GDBPU (D) GBPDU

7. निम्नलिखित कथन को पढ़ें और जवाब में निम्नलिखित में कौनसा/से तर्क मजबूत है ?

कथन :

क्या भारत को केवल परमाणु ऊर्जा पर भरोसा करना चाहिए ?

तर्क :

I. हाँ, बिजली की माँग को मौजूदा संसाधनों के साथ पूरा नहीं किया जा सकता है.

II. नहीं, यदि कोई दुर्घटना होती है, तो भारी नुकसान हो जाएगा.

(A) I और II दोनों तर्क मजबूत हैं

(B) न तर्क I और न तर्क II मजबूत है

(C) केवल तर्क I मजबूत है

(D) केवल तर्क II मजबूत है

8. नीचे दिये सवाल में दो कथन I और II हैं. तय करें क्या कथनों में उपलब्ध कराए गए तथ्य सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं. दोनों कथनों को पढ़ें और अपना जवाब दें.

सवाल : पाँच परीक्षाओं अर्थशास्त्र, रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित और प्राणी विज्ञान को सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को आयोजित किया जाता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसी क्रम में. किस परीक्षा को बुधवार को अयोजित किया गया था ?

I. अर्थशास्त्र प्राणी विज्ञान से पहले है. केवल एक ही परीक्षा को रसायन विज्ञान और प्राणी विज्ञान के बीच आयोजित किया जाता है.

II. भौतिकी के बाद है रसायन विज्ञान, जो शुक्रवार को निर्धारित नहीं है.

(A) कथन II में उपलब्ध तथ्य अकेले ही सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं.

(B) दोनों कथनों I और II में उपलब्ध तथ्य मिलकर सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं.

(C) दोनों कथनों I और II में उपलब्ध तथ्य मिलकर सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त नहीं हैं.

(D) कथन I में उपलब्ध तथ्य अकेले ही सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं.

केस स्टडी—9–11

निम्नलिखित जानकारी का ध्यान से अध्ययन करें और दिए गए सवाल का जवाब दें—

निम्नलिखित इनपुट और पुनर्विन्यास का एक उदाहरण है.

इनपुट :	564 567 123 804 190 928
चरण I.	928 564 567 123 804 190
चरण II.	928 567 564 123 804 190
चरण III.	928 567 564 804 123 190
चरण IV.	928 567 564 804 190 123

चरण IV ऊपर वर्णित इनपुट के पुनर्विन्यास का अन्तिम चरण है.

9. उपरोक्त चरणों में पालन के किए गए नियमों के अनुसार, नीचे दिए गए इनपुट के लिए निम्न में से कौनसा चरण "987 546 345 312 342 326" होगा ?

इनपुट : 312 546 987 345 342 326

(A) II (B) I

(C) III (D) IV

10. उपरोक्त चरणों के पालन के किए गए नियमों के अनुसार, नीचे दिए गए इनपुट से अन्तिम आउटपुट पाने के लिए कितने चरण आवश्यक होंगे ?

इनपुट : 312 546 987 345 342 326

(A) IV (B) VII

(C) V (D) VI

11. उपरोक्त चरणों में पालन किए गए नियमों के अनुसार, यदि एक इनपुट का दूसरा चरण "987 546 312 345 342 326" है तो चौथा चरण क्या होगा ?

(A) 987 546 342 345 326 312

(B) 987 546 326 345 342 312

(C) 987 546 345 342 326 312

(D) 987 546 345 326 312 342

12. दिए गए विकल्पों में से, उस शब्द का चयन करें जो निम्न वर्णित शब्द के अक्षरों का उपयोग कर नहीं बनाया जा सकता—ACHROMATIZATION

(A) Hoactzin

(B) Matriarch

(C) Acromion

(D) Aromatic

13. A बेटी है H की जिसका पति X है. X की केवल एक ही संतान है. M विवाहित है A से. M का A से क्या सम्बन्ध है ?

(A) पत्नी (B) बहन

(C) भाई (D) पति

14. नीचे दिए गए सवाल में एक कथन के बाद दो पूर्वानुमान I और II दिए गए हैं. आपको कथन में सब कुछ सच मानना है और फिर दो पूर्वानुमानों पर विचार करना है और तय करना है उनमें कौनसा/से पूर्वानुमान तार्किक रूप से किसी सन्देह से परे कथन में दी गई जानकारी का अनुसरण करता है/करते हैं.

कथन :

यात्री समय की बचत करते हैं जब वे कतार से बचने के द्वारा रेलवे टिकट ऑनलाइन खरीदते हैं.

पूर्वानुमान :

I. आधुनिक प्रौद्योगिकियाँ लोगों को बड़ी राहत प्रदान करती हैं.

II. समय आज एक बहुमूल्य संसाधन है और बर्बाद नहीं किया जा सकता.

(A) दोनों पूर्वानुमान I और II अन्तर्निहित हैं

(B) न पूर्वानुमान I और न II अन्तर्निहित हैं

(C) केवल पूर्वानुमान I अन्तर्निहित है

(D) केवल पूर्वानुमान II अंतर्निहित है

15. उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए अन्य विकल्पों से भिन्न है—

(A)

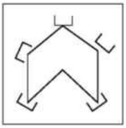

(B)

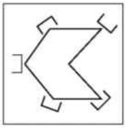

(C)

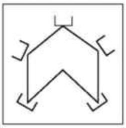

(D)

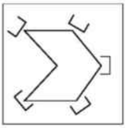

16. रमेश 20 किमी पश्चिम की तरफ चला, फिर दक्षिण की तरफ मुड़ गया और 20 किमी चला और फिर पूर्व की तरफ मुड़ा और 20 किमी चला, वो अब शुरुआती बिन्दु से कितनी दूर है ?

(A) 40 किमी (B) 60 किमी

(C) 80 किमी (D) 20 किमी

17. एक लड़के की ओर इशारा करते हुए नरेन ने कहा "वह मेरे ससुर के इकलौते बेटे का भांजा है. लड़के का नरेन से क्या रिश्ता है ?

(A) चाची (B) जीजा

(C) बेटा (D) मामा

18. नीचे सवाल में दो कथन I और II हैं. तय करें क्या कथन में उपलब्ध कराए गए तथ्य सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं. दोनों कथनों को पढ़ें और दिए गए विकल्पों से जवाब का चयन करें.

सवाल : 'FORGET' शब्द संकेत लिपि में कैसे कूटबद्ध किया जाएगा ?

I. 'CIRCLE' 'BHQBKD' के रूप में कूटबद्ध है.

II. 'BEAUTY' YTAUEB' के रूप में कूटबद्ध है.

(A) कथन I में उपलब्ध तथ्य सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त है

(B) कथन II में उपलब्ध तथ्य अकेले ही सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं

(C) कथन I और II में उपलब्ध तथ्य मिलकर सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं

(D) केवल कथन I या केवल कथन II में उपलब्ध तथ्य सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं

19. दिए गए विकल्पों में से दूसरी जोड़ी के लिए सापेक्ष संख्या का चयन करें जो पहली जोड़ी के सम्बन्ध का अनुसरण करते हुए प्रश्न चिह्न (?) की जगह लेगी—

1245 : 3467 : 1726 : ?

(A) 3498 (B) 3849

(C) 3948 (D) 3958

20. नीचे दिए गए सवाल में एक कथन के बाद दो पूर्वानुमान I और II दिए गए हैं. आपको कथन में सब कुछ सच मानना है और फिर दो पूर्वानुमानों पर विचार करना है और तय करना है उनमें से कौनसा/से पूर्वानुमान तार्किक रूप से किसी भी सन्देह से परे कथन में दी गई जानकारी का अनुसरण करता है/करते हैं.

कथन :

रेल सेवा की आवृत्ति में व्यस्त घंटों के दौरान वृद्धि की जानी चाहिए.

पूर्वानुमान :

I. रेलवे अधिकारियों को यात्रियों की सुरक्षा के सम्बन्ध में उचित कदम उठाने चाहिए.

II. अधिक समस्याएँ होंगी, क्योंकि कार्यालय समय के दौरान चलाई जा रही ट्रेनों की संख्या कम होती है.

(A) केवल पूर्वानुमान I अन्तर्निहित है

(B) केवल पूर्वानुमान II अन्तर्निहित है

(C) दोनों पूर्वानुमान I और II अन्तर्निहित हैं

(D) न पूर्वानुमान I और न ही II अन्तर्निहित हैं

21. निम्नलिखित संख्या शृंखला में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

7, 8, 16, 43, ?

(A) 117 (B) 107

(C) 87 (D) 127

22. निम्नलिखित अक्षर शृंखला में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

?, Q, U, Z, F, M

(A) M (B) N

(C) L (D) P

23. निम्नलिखित में से कौनसा आरेख निम्नलिखित के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है ?

पिता, माता, कवयित्री—

(A)

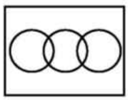

(B)

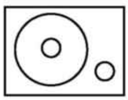

(C)

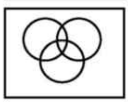

(D)

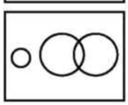

24. एक निश्चित कूट भाषा में 'OPERAT' को 'RQTGVC' के रूप में लिखा जाता है. उस कूट भाषा में 'DIRECT' को कैसे लिखा जाएगा ?

(A) KGRTVE

(B) KFGTVE

(C) KFRTEV

(D) GKRTVE

25. उस विकल्प का चयन करें जिसमें प्रश्न चित्र छिपा/ अन्तःस्थापित है—

(A)

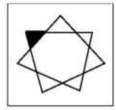

(B)

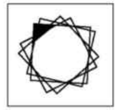

(C)

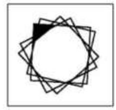

(D)

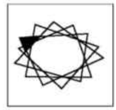

26. उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए अन्य विकल्पों से भिन्न है—

एशिया, अंटार्कटिका, आस्ट्रेलिया, थाइलैंड

(A) एशिया (B) अंटार्कटिका

(C) आस्ट्रेलिया (D) थाइलैंड

27. उस विकल्प का चयन करें जिसमें प्रश्न चित्र छिपा/ अन्तःस्थापित है—

(A)

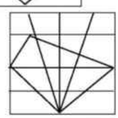

(B)

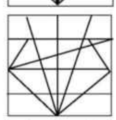

(C)

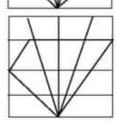

(D)

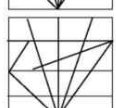

28. दिए गए विकल्पों में से दूसरी जोड़ी के लिए सापेक्ष अक्षर समूह का चयन करें जो पहली जोड़ी के सम्बन्ध का अनुसरण करते हुए प्रश्न चिह्न (?) की जगह लेगा—

EGH : IJK : : NOQ : ?

(A) PRS (B) RSU

(C) RTU (D) RST

29. दीपा 5 किमी पूर्व की तरफ चली, फिर दायें मुड़ गयी और 3 किमी चली. फिर वह बाएं मुड़ी और 4 किमी चली. अन्त में वह बाएं मुड़ी और 3 किमी चली. शुरूआती बिन्दु के सन्दर्भ में दीपा किस दिशा में है ?

(A) पश्चिम (B) उत्तर

(C) पूर्व (D) दक्षिण

केस स्टडी—30-32

निम्नलिखित जानकारी का ध्यान से अध्ययन करें और नीचे दिये गए सवाल का जवाद दें. एक संस्था द्वारा कॉलेज के प्रिंसिपल के चयन के लिए निम्न मानदण्ड हैं—उसे/उसके पास :

I. किसी भी विषय में पीएचडी पूरी की होनी चाहिए.

II. एक संस्था में प्रधानाचार्य के रूप में कम से कम 8 वर्ष का काम का अनुभव होना चाहिए.

III. 1 अक्टूबर, 2016 को 45 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए.

IV. कुल में 60% अंक के साथ स्नातकोत्तर और स्नातक की पढ़ाई पूरी की होनी चाहिए.

हालांकि, यदि एक उम्मीदवार सभी उपरोक्त मानदण्डों को पूरा करता है, सिवाय

(A) (i) ऊपर, लेकिन यदि उसके पास 15 से अधिक वर्षों का कार्य अनुभव है, तो उसके मामले को संस्था के डीन के पास भेजा जाएगा.

(B) (ii) ऊपर, लेकिन यदि उसके पास प्रशासन विभाग की जानकारी है, तो उसके मामले को संस्था के अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा.

30. उनके मामले में क्या निर्णय लेना है ?
संदीप सिंह ने क्रमशः कुल में 70% और 65% अंकों के साथ स्नातकोत्तर और स्नातक की डिग्री को पूरा कर लिया है. उन्हें प्रधानाचार्य के रूप में 16 वर्ष का अनुभव है. उनके पास पीएच. डी. की डिग्री नहीं है. वे 59 वर्ष के हैं.

(A) उम्मीदवार का प्रधानाचार्य के रूप में चयन किया जाना है.

(B) दी गयी जानकारी अपर्याप्त है.

(C) उम्मीदवार के मामले को संस्थान के डीन के पास भेजा जाएगा.

(D) उम्मीदवार के मामले को संस्थान के अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा.

31. उनके मामले में क्या निर्णय लेना है ?
शिव रामकृष्णन ने गणित में पीएच.डी. किया है और शिक्षण में 16 वर्ष का अनुभव है और अभी वह प्रतिष्ठित संस्था में प्रधानाचार्य हैं. उन्होंने कुल में क्रमशः 60% और 63% अंकों के साथ स्नातकोत्तर और स्नातक की पढ़ाई की है. वह 56 वर्ष के हैं.

(A) उम्मीदवार का प्रधानाचार्य के रूप में चयन किया जाना है

(B) दी गयी जानकारी अपर्याप्त है

(C) उम्मीदवार के मामले को संस्थान के अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा

(D) उम्मीदवार के मामले को संस्थान के डीन के पास भेजा जाएगा

32. उनके मामले में क्या निर्णय लेना है ?
नर्सीमन ने पीएच.डी. पूरी कर ली है, वह 46 वर्ष का है, और प्रधानाचार्य के रूप में 10 वर्षों का अनुभव है.

(A) उम्मीदवार के मामले में संस्थान के अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा

(B) उम्मीदवार का प्रधानाचार्य के रूप में चयन किया जाना है

(C) दी गयी जानकारी अपर्याप्त है

(D) उम्मीदवार के मामले को संस्थान के डीन के पास भेजा जाएगा,

33. एक निश्चित कूट भाषा में 'DICTATE' को 'EJDUBUF' के रूप में लिखा जाता है. उस कूट भाषा में 'NATION' को कैसे लिखा जाएगा ?

(A) OBGRHO

(B) OBUJPO

(C) UTROVU

(D) TBHJIT

34. उस विकल्प का चयन करें जिसमें प्रश्न चित्र छिपा/अन्तः स्थापित है—

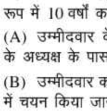

(A) 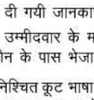

(B) 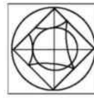

(C) 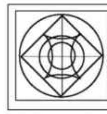

(D)

35. दिए गए विकल्पों से असंगत अक्षर युग्म का पता लगाएं—
AB : ZY, CD: XW, EF : UV, GH : TS

(A) GH : TS (B) EF : UV

(C) CD : XW (D) AB : ZY

36. दिए गए विकल्पों से असंगत अक्षर का पता लगाएं—
E, G, K, M, P, S

(A) Q (B) K

(C) E (D) P

37. निम्नलिखित कथन को पढ़ें और जवाब दें निम्नलिखित में से कौनसा/से तर्क मजबूत हैं ?

कथन :

क्या ग्रामीण प्रशासन में पंचायतीराज व्यवस्था को जारी रखा जाना चाहिए ?

तर्क :

I. हाँ इसने अतीत में कई वर्ष ग्रामीण लोगों के लिए अच्छा काम किया है.

II. नहीं, बेईमान लोक प्रणाली में आते हैं और योग्य लोगों की सम्भावना को खत्म कर देते हैं.

(A) दोनों तर्क I और II मजबूत हैं

(B) केवल तर्क II मजबूत है

(C) न तर्क I और न तर्क II मजबूत है

(D) केवल तर्क I मजबूत है

38. निम्नलिखित में से कौनसा आरेख निम्नलिखित के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है ?
पशु, घोड़ा, घोड़ी—

(A) 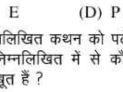

(B) 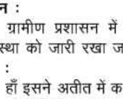

(C)

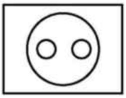

(D)

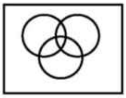

39. निम्नलिखित प्रश्न में, दो कथनों के बाद निष्कर्ष I और II दिए गए हैं. निष्कर्ष पढ़ें और तय करें कौनसा/से निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है/करते हैं ?

कथन :

I कुछ समूह टीम नहीं हैं.

सभी गिरोह टीमें हैं.

निष्कर्ष :

I कुछ टीमें समूह नहीं हैं. II कुछ गिरोह समूह हैं.

(A) न ही I और न ही II अनुसरण करते हैं

(B) केवल I अनुसरण करता है.

(C) केवल II अनुसरण करता है

(D) दोनों I और II अनुसरण करते हैं

40. उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए अन्य विकल्पों से भिन्न है—

पहले, पश्चात्, पिछला, अतीत

(A) पहले (B) पश्चात्

(C) पिछला (D) अतीत

उत्तर व्याख्या सहित

(सामान्य हिन्दी)

1. (C) 2. (A) 3. (D) 4. (C) 5. (B)
6. (A) 7. (B) 8. (B) 9. (C) 10. (C)
11. (A) 12. (A) 13. (A) 14. (A) 15. (A)
16. (B) 17. (A) 18. (A) 19. (B) 20. (A)
21. (A) 22. (A) 23. (C) 24. (C) 25. (D)
26. (D) 27. (A) 28. (D) 29. (A) 30. (B)
31. (D) 32. (B) 33. (B) 34. (D) 35. (C)
36. (B) 37. (D) 38. (D) 39. (D) 40. (D)

(मूल विधि/संविधान/सामान्य ज्ञान)

1. (B) 2. (C) 3. (C) 4. (B) 5. (C)
6. (B) 7. (D) 8. (C) 9. (C) 10. (A)
11. (B) 12. (C) 13. (A) 14. (A) 15. (A)
16. (C) 17. (D) 18. (D) 19. (A) 20. (B)
21. (C) 22. (A) 23. (A) 24. (A) 25. (B)
26. (B) 27. (B) 28. (D) 29. (A) 30. (C)
31. (B) 32. (A) 33. (C) 34. (D) 35. (C)
36. (C) 37. (C) 38. (D) 39. (B) 40. (B)

(संख्यात्मक और मानसिक योग्यता परीक्षण)

1. (A)

$\frac{7}{29}$ $\qquad$ $\frac{21}{58}$

$\frac{25}{87}$

$\left(\frac{21}{58}-\frac{25}{87}\right)$ $\qquad$ $\left(\frac{25}{87}-\frac{7}{29}\right)$

$\therefore$ अभीष्ट अनुपात

$$=\left(\frac{21\times3-25\times2}{174}\right):\left(\frac{25-7\times3}{87}\right)$$
$$=\left(\frac{63-50}{2}\right):\left(\frac{25-21}{1}\right)$$
$$=\frac{13}{2}:\frac{4}{1}$$
$$=13:8$$

2. (D) माना संख्याएँ क्रमशः x तथा y हैं.

$$x+y = 50$$
$$x\times y = 5\times180=900$$
$$\frac{1}{x}+\frac{1}{y} = \frac{y+x}{xy}$$
$$= \frac{50}{900}=\frac{1}{18}$$

3. (A) माना संख्या $=x$

$$\text{त्रुटि} = \frac{5}{4}x-\frac{4}{5}x$$
$$= \frac{25x-16x}{20}=\frac{9x}{20}$$
$$\text{प्रतिशत त्रुटि} = \frac{\frac{9x}{20}\times100}{\frac{5}{4}x}$$
$$= \frac{9x}{20}\times100\times\frac{4}{5x}$$
$$= \frac{9x\times4\times100}{100x}=9\times4$$
$$= 36\%$$

4. (A) तीन वर्ष में खरीदी गई दूध की कुल मात्रा

$$= \frac{8000}{10}+\frac{8000}{20}+\frac{8000}{40}$$
$$= 800+400+200$$
$$= 1400 \text{ लिटर}$$

दूध की औसत लागत (मूल्य)

$$= \frac{\text{कुल लागत}}{\text{कुल मात्रा}}=\frac{8000\times3}{1400}$$
$$= \frac{24000}{1400}=\frac{240}{14}$$
$$= 17{\cdot}14 \text{ रुपये/लिटर}$$

5. (C) माना बहुभुज का बाहरी कोण $=x$

बहुभुज का आन्तरिक कोण $=180-x$

प्रश्नानुसार,

$$(180-x)-x = 108$$
$$180-x-x = 108$$
$$180-108 = 2x$$
$$2x = 72$$
$$x = 36$$

6. (A) $\frac{\text{विजेता द्वारा लिया गया समय}}{\text{हारने वाले प्रतियोगी द्वारा तय दूरी}}$

$$= \frac{\text{जीत के समय में अन्तर}}{\text{जीत की दूरी का अन्तर}}$$
$$\Rightarrow \frac{x \text{ द्वारा दौड़ पूरी करने में लगा समय}}{3000-60}$$
$$= \frac{5}{60}$$

x द्वारा दौड़ पूरी करने में लगा समय

$$= \frac{5}{60}\times(3000-60)$$
$$= \frac{1}{12}\times2940$$
$$= 245 \text{ सेकण्ड}$$

7. (A) 8. (B) 9. (D)

10. (A) 4 जनवरी = सोमवार

4 जनवरी से 31 जुलाई तक विषम दिनों की संख्या

$=28+29+31+30+31+30+31$

$=210$

$\therefore$ 31 जुलाई को दिन $= \frac{210}{7}=0$ (शेषफल)

31 जुलाई को दिन = रविवार

1 अगस्त को दिन = सोमवार

$\therefore$ 8 अगस्त को दिन = सोमवार

11. (A) $12366 \Rightarrow \frac{1+2+3+6+6}{9}$

$$= \frac{18}{9}=2$$

12366 के अंकों का योग 9 से पूर्णतः विभाजित होता है.

अतः 12366 भी 9 से पूर्णतः विभाजित होगा.

12. (B) माना आनन्द, बाबू तथा चंदू को क्रमशः रुपये A, रुपये B, रुपये C राशि मिलती है,

तब,
$$A = \frac{B+C}{2}$$
$$B+C = 2A \qquad ...(i)$$
$$B = \frac{A+C}{4}$$
$$A+C = 4B \qquad ...(ii)$$
$$A+B+C = 5625 \qquad ...(iii)$$

समीकरण (i) तथा (iii) से,

$$A+2A = 5625$$
$$3A = 5625$$
$$A = \frac{5625}{3}$$
$$= 1875 \text{ रुपये}$$

समीकरण (ii) तथा (iii) से,

$$A + C + B = 5625$$
$$4B + B = 5625$$
$$5B = 5625$$
$$B = \frac{5625}{5}$$
$$= 1125 \text{ रुपये}$$

अभीष्ट अन्तर $= 1875 - 1125$

$= 750$ रुपये

13. (C)

$$\frac{3}{10} = 0{\cdot}3$$
$$\frac{13}{8} = 1{\cdot}625$$
$$\frac{3}{11} = 0{\cdot}2727272727$$
$$\frac{137}{25} = 5{\cdot}48$$

अतः $\frac{3}{11}$ पुनरावृत्ति एवं आवर्ती दशमलव है.

14. (*)

15. (D) माना अभीष्ट संख्याएँ x तथा y हैं.

$$x - y = 10 \quad \ldots\text{(i)}$$

प्रश्नानुसार,

$$x \times \frac{50}{100} = y \times \frac{40}{100} + 10$$
$$\frac{x}{2} = \frac{2y}{5} + 10$$
$$\frac{x}{2} - \frac{2y}{5} = 10$$
$$\frac{5x - 4y}{10} = 10$$
$$5x - 4y = 100 \quad \ldots\text{(ii)}$$

समीकरण (i) तथा (ii) से,

$$5x - 5y = 50$$
$$5x - 4y = 100$$
$$- \quad + \quad -$$
$$y = 50$$

समीकरण (i) से

$$x - 50 = 10$$
$$x = 10 + 50 = 60$$

दोनों संख्याओं का योग

$$= x + y$$
$$= 60 + 50 = 110$$

16. (A) वर्तमान गति × वर्तमान समय = नई गति × नया समय

$$48 \times 90 = \text{नई गति} \times 40$$
$$\text{नई गति} = \frac{48 \times 90}{40}$$
$$= 108 \text{ किमी/घण्टा}$$

17. (A) माना वस्तु का लागत मूल्य

$= x$ रुपये

तब, वस्तु का विक्रय मूल्य

$$= x \times \frac{120}{100} = \frac{6}{5}x$$
$$\text{लाभ} = \frac{6}{5}x - x$$
$$= \frac{6x - 5x}{5}$$
$$= \frac{x}{5}$$

विक्रय मूल्य पर लाभ प्रतिशत

$$= \frac{\frac{x}{5} \times 100}{\frac{6}{5}x}$$
$$= \frac{1}{5} \times 100 \times \frac{5}{6}$$
$$= \frac{100}{6} = 16{\cdot}66\%$$

18. (D) साधारण ब्याज $= \dfrac{7200 \times \frac{50}{3} \times \frac{9}{12}}{100}$

$$= \frac{7200 \times 50}{100 \times 4}$$
$$= 18 \times 50$$
$$= 900 \text{ रुपये}$$

19. (B)

20. (B) $0{\cdot}6363 - 0{\cdot}3737 - 0{\cdot}8080$

$$= 1{\cdot}01 + 0{\cdot}8080$$
$$= 1{\cdot}81818$$
$$= 1{\cdot}82$$

21. (D) 3 से विभाजित होने वाली 4 अंकीय संख्याओं के अंकों के निम्न संयोग बन सकते हैं—

(i) 2, 3, 6, 7
(ii) 2, 3, 9, 7
(iii) 2, 6, 9, 7
(iv) 5, 3, 6, 7
(v) 5, 3, 9, 7
(vi) 5697

अभीष्ट संख्याएँ $= 6 \times 4!$

$$= 6 \times 24$$
$$= 144$$

22. (D)

23. (C) पेट्रोल : मिट्टी का तेल

$$= \left(\frac{2}{5} + \frac{4}{7} + \frac{6}{7}\right) : \left(\frac{3}{5} + \frac{3}{7} + \frac{1}{7}\right)$$
$$= \frac{14 + 20 + 30}{35} : \frac{21 + 15 + 5}{35}$$
$$= 64 : 41$$

24. (C)

25. (B) माना प्रवेश नली को पूरा कन्टेनर भरने में लगा समय

$= x$ मिनट

निकास नली को पूरा कन्टेनर भरने में लगा समय

$= y$ मिनट

तब,

$$\frac{1}{x} - \frac{1}{y} = \frac{1}{5}$$
$$\frac{y - x}{xy} = \frac{1}{5}$$
$$y - x = \frac{xy}{5} \quad \ldots\text{(i)}$$

तथा

$$\frac{1}{x} - \frac{2}{y} = \frac{1}{3 \times 5}$$
$$\frac{y - 2x}{xy} = \frac{1}{15}$$
$$y - 2x = \frac{xy}{15} \quad \ldots\text{(ii)}$$

समीकरण (i) तथा (ii) से,

$$2x - x = \frac{xy}{5} - \frac{xy}{15}$$
$$x = \frac{3x - 3y}{15}$$
$$x = \frac{2xy}{15}$$
$$2y = 15$$
$$y = \frac{15}{2}$$

समीकरण (i) से,

$$y - x = \frac{xy}{5}$$
$$\frac{15}{2} - x = \frac{x}{5} \times \frac{15}{2}$$
$$\frac{15 - 2x}{2} = \frac{15x}{5 \times 2}$$
$$15 - 2x = 3x$$
$$3x + 2x = 15$$
$$5x = 15$$
$$x = \frac{15}{5} = 3$$

26. (*)

वर्ग (व्यय राशि)	मध्य बिन्दु (x)	बारम्बारता (विद्यार्थी संख्या) (f)	fx
1—10	5·5	4	22
11—20	15·5	15	232·5
21—30	25·5	8	204
31—40	35·5	3	106·5
		N = 30	$\sum fx = 565$

$$\text{मध्यमान} = \frac{\sum fx}{N}$$
$$= \frac{565}{30} = 18{\cdot}83$$

27. (D) ∵ 2016 एक अधि वर्ष है.

∴ 24 जनवरी, 2016 से 14 जून, 2016 तक के बीच दिनों की संख्या

$= 7 + 29 + 31 + 30 + 31 + 13$

$= 141$ दिन

28. (C) माना वस्तु का वास्तविक मूल्य

$= x$ रुपये

आकाश के लिए क्रय मूल्य

$$= x \times \frac{145}{100}$$
$$= \frac{29 \text{ रुपये}}{20} x$$

संजय के लिए क्रय मूल्य

$$= \frac{29x}{20} \times \frac{90}{100}$$
$$= \frac{261x}{200}$$
$$\text{लाभ} = \frac{261x}{200} - x$$
$$= \frac{261x - 200x}{200}$$
$$= \frac{61x}{200}$$

लाभ प्रतिशत $= \dfrac{\frac{61x}{200} \times 100}{x}$

$= \dfrac{61}{200} \times 100$

$= \dfrac{61}{2} = 30 \cdot 5\%$

29. (D)

30. (B) 12 लड़कियों को पूरा कार्य करने में लगा समय

$= 15 \times \dfrac{100}{30}$

$= 5 \times 10$

$= 50$ दिन

1 लड़की को पूरा कार्य करने में लगा समय

$= 12 \times 50$

$= 600$ दिन

20 लड़कों को पूरा कार्य करने में लगा समय

$= 16 \times \dfrac{100}{60}$

$= \dfrac{8 \times 10}{3}$

$= \dfrac{80}{3}$ दिन

1 लड़के को पूरा कार्य करने में लगा समय

$= 20 \times \dfrac{80}{3}$

$= \dfrac{1600}{3}$ दिन

प्रश्नानुसार,

$\dfrac{8}{\frac{1600}{3}} + \dfrac{18}{600}$

$\dfrac{8 \times 3}{1600} + \dfrac{18}{600} = \dfrac{3}{200} + \dfrac{3}{100}$

$= \dfrac{3+6}{200} = \dfrac{9}{200}$

8 लड़के तथा 18 लड़कियों को मिलकर कार्य पूरा करने में लगा समय

$= \dfrac{200}{9}$ दिन

$= 22 \cdot 22$ दिन

31. (A) $1296 \div (24 \times 0 \cdot 75)$

$= \dfrac{1296}{24 \times 0 \cdot 75} = \dfrac{1296}{18} = 72$

32. (B) माना बच्चों की संख्या $= x$

प्रश्नानुसार,

$15x + 2 = 16x - 2$

$16x - 15x = 2 + 2$

$x = 4$

अतः राम द्वारा खरीदी गई चॉकलेट की संख्या

$= 15x + 2 = 15 \times 4 + 2$

$= 60 + 2 = 62$

33. (B)

34. (B) कुएँ से निकली मिट्टी का आयतन

$= 30 \times 40 \times 20$

$= 24000$ घन मीटर

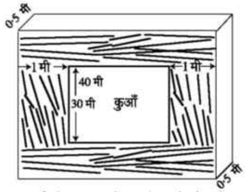

कुएँ के बाहर दीवार में लगी मिट्टी का आयतन

$= [(40+2) \times (30+2) \times 0 \cdot 5] - [40 \times 30 \times 0 \cdot 5]$

$= [42 \times 32 \times 0 \cdot 5] - [40 \times 30 \times 0 \cdot 5]$

$= 672 - 600$

$= 72$ घन मीटर

बची हुई मिट्टी $= 24000 - 72$

$= 23928$ घन मीटर

35. (C) $497 \div 7 \times 104 \div 13 + \sqrt{38 \cdot 44} + \sqrt[3]{29 \cdot 261}$

$= 71 \times 8 + \sqrt{(6 \cdot 2)^2} + \sqrt[3]{(3 \cdot 08)^3}$

$= 568 + 6 \cdot 2 + 3 \cdot 08$

$= 577 \cdot 28$

36. (A) ट्रेन A द्वारा 7 : 15 से 8 : 00 के बीच (45 मिनट) में तय दूरी

$= 24 \times \dfrac{45}{60}$

$= \dfrac{24 \times 3}{4} = 18$ किमी

दोनों ट्रेनों के मध्य शेष दूरी

$= 138 - 18$

$= 120$ किमी

ट्रेन A तथा ट्रेन B की सापेक्षिक चाल

$= 24 + 36$

$= 60$ किमी/घण्टा

$\therefore$ ट्रेन A तथा ट्रेन B को 120 किमी तय करने में लगा समय

$= \dfrac{120}{60} = 2$ घण्टा

अतः ट्रेन A तथा ट्रेन B के मिलने का समय

$= 8:00 + 2:00$

$= 10:00$ बजे सुबह

37. (B)

38. (D) माना ब्याज दर $= x\%$

तब, $5 \times 5 = x \times 2$

$x = \dfrac{5 \times 5}{2} = 12 \cdot 5\%$

39. (B)

40. (B) आठवें दिन की मजदूरी

$= 15 \times 80 - (7 \times 63 + 7 \times 99)$

$= 1200 - (441 + 693)$

$= 1200 - 1134$

$= 66$

$\therefore$ पहले 8 दिन का औसत

$= \dfrac{7 \times 63 + 66}{8}$

$= \dfrac{441 + 66}{8} = \dfrac{507}{8}$

$= 63 \cdot 375$ रुपये

(मानसिक योग्यता परीक्षण/ बुद्धिलब्धि परीक्षण/ तर्कशक्ति)

1. (B) शब्द CRISIS दिए गए शब्द के अक्षरों का प्रयोग करके नहीं बनाया जा सकता है, क्योंकि दिए गए शब्द में केवल एक ही I है.

2. (C)

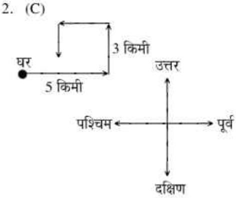

अतः रमा अब दक्षिण दिशा की ओर जा रही है.

3. (B)

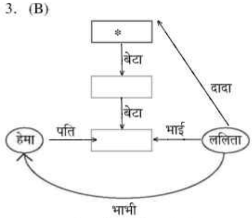

अतः ललिता हेमा की भाभी है.

4. (A)

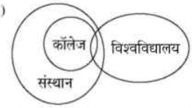

अतः केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है.

5. (A) कथन I से,

Q मंगलवार (TUESDAY) को छोड़कर किसी अन्य दिन जाएगा.

कथन I तथा II से,

सोमवार	P
मंगलवार	
बुधवार	
गुरुवार	S

कथन II से,

Q मंगलवार (TUESDAY) को छोड़ने किसी अन्य दिन जाएगा.

कथन I तथा II से,

सोमवार	P
मंगलवार	R
बुधवार	Q
गुरुवार	S

अतः Q बुधवार को रेस्तरां जाता है.

यह ज्ञात करने के लिए दोनों कथनों की आवश्यकता होगी.

6. (A) जिस प्रकार,

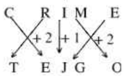

उसी प्रकार,

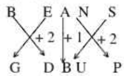

7. (B) 8. (C)

प्रश्न 9 से 11 तक के लिए :

प्रश्न में दी गई इनपुट व्यवस्था के चरणों को देखकर ज्ञात होता है कि संख्याओं को v अवरोही क्रम में व्यवस्थित किया जाना है. उनके अंकों के योग के अनुसार,

इनपुट : 312 546 987 345 342 326
चरण-I : 987 312 546 345 342 326
चरण-II : 987 546 312 345 342 326
चरण-III : 987 546 345 312 342 326
चरण-IV : 987 546 345 326 312 342
चरण-V : 987 546 345 326 342 312

9. (C) 10. (C) 11. (D)

12. (B) शब्द MATRIARCH दिए गए शब्द ACHROMATIZATION के अक्षरों का प्रयोग नहीं बनाया जा सकता है, क्योंकि दिए शब्दों में केवल R है.

13. (D)

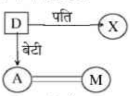

अतः M A का पति है.

14. (A) 15. (C)

16. (D)

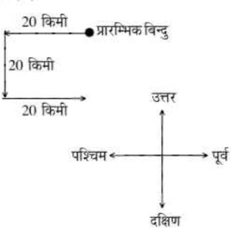

अतः रमेश अब अपने प्रारम्भिक बिन्दु से 20 किमी की दूरी पर है.

17. (C)

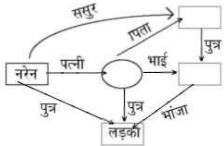

अतः वह लड़का नरेन का पुत्र है.

18. (D) कथन II से,

जिस प्रकार,

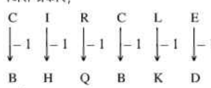

उसी प्रकार,

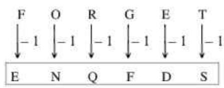

कथन II से,

जिस प्रकार,

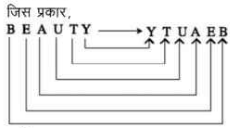

उसी प्रकार,

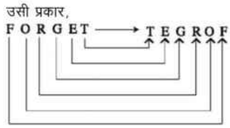

अतः केवल कथन I या कथन II में उपलब्ध तथ्य सवाल का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं,

19. (C) जिस प्रकार,

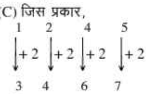

उसी प्रकार,

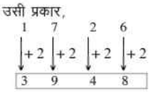

20. (D)

21. (B)

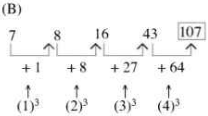

22. (B)

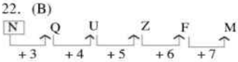

23. (D)

24. (B) जिस प्रकार,

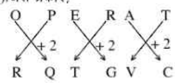

उसी प्रकार,

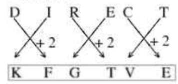

25. (C)

26. (D) अन्य सभी महाद्वीपों के नाम हैं, जबकि थाइलैंड एक देश है.

27. (B)

28. (D) जिस प्रकार,

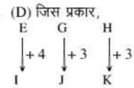

उसी प्रकार,

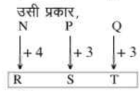

29. (C)

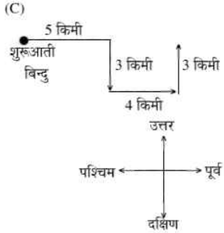

अतः दीपा अपने शुरूआती बिन्दु से पूर्व की ओर है.

प्रश्न 30 से 32 तक के लिए :

	I	II	III	IV
संदीप सिंह	A	√	√	√
शिव रामकृष्णन	√	—	√	√
नर्सीमन	√	√	√	—

30. (C) संदीप सिंह के पास पी-एच.डी. की डिग्री नहीं है अतः ये मामला शर्त (A) के अनुसार संस्था के डीन के पास भेजा जाएगा.

31. (B) शिवरामकृष्णन के प्रधानाचार्य के रूप में अनुभव का समय नहीं दिया गया है.

32. (C) नर्सीमन की पढ़ाई के बारे में कुछ नहीं बताया गया है.

शेष पृष्ठ 162 पर

13857927

एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2018 (19-6-2019) का हल प्रश्न-पत्र

(प्रथम चरण)

भाग–I

सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति

1. यदि PROPERTY को 133 के रूप में और ESTATE को 70 के रूप में कूटबद्ध किया जाता है, तो DEVELOPMENT को किस रूप में कूटबद्ध किया जाएगा ?
(A) 129 (B) 130
(C) 131 (D) 139

2. यदि PICTURE को RHESWQG के रूप में लिखा जाता है, तो MOUNTAIN को कैसे लिखा जाएगा ?
(A) ONWMVZKM
(B) OPSORBKM
(C) ONTPVZHP
(D) OQWPVCKP

3. उस विकल्प का चयन करें जो तीसरे पद से उसी प्रकार सम्बन्धित है जैसे दूसरा पद पहले पद से सम्बन्धित है.
CDF : GHJ : : KLN : …… .
(A) OPS (B) OPR
(C) YFD (D) EDU

4. उस विकल्प का चयन करें जो तीसरे पद से उसी प्रकार सम्बन्धित है जैसे दूसरा पद पहले पद से सम्बन्धित है.
961 : 992 : : 841 : ……… .
(A) 873 (B) 852
(C) 870 (D) 864

5. दी गई श्रेणियों के बीच सर्वश्रेष्ठ सम्बन्ध को दर्शाने वाले वेन आरेख का चयन कीजिए.
बीमारियाँ, रतौंधी, कैंसर

(A) (B) (C) (D)

6. किसी घन के सभी फलकों को इस तरह से पेंट करने के लिए कम-से-कम कितने रंगों की आवश्यकता होगी, जिससे कि दो नजदीकी फलकों पर एक जैसा रंग न हो जाए.
(A) 3 (B) 4
(C) 6 (D) 2

7. निम्नलिखित चार अक्षर समूहों में से तीन अक्षर समूह किसी प्रकार से एक-समान हैं और एक असमान है. असमान अक्षर समूह का चयन कीजिए–
(A) PK (B) LQ
(C) HS (D) CX

8. निम्नलिखित चार अक्षर समूहों में से तीन समूह किसी प्रकार से एकसमान हैं और एक विकल्प असमान है. असमान विकल्प का चयन कीजिए–
(A) LNPQ (B) PRTV
(C) SUWY (D) EGIK

9. नीचे तीन कथन दिए गए हैं और उसके बाद निष्कर्ष I, II और III दिए गए हैं. आपको कथन को सत्य मानते हुए चाहे वह सामान्यतः ज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होते हों. यह निर्णय करना है कि दिए गए कथनों में से कौनसा निष्कर्ष तर्कसंगत रूप से निकलता है ?
कथन– कुछ खरगोश, बत्तख हैं.
कुछ बत्तख, कुत्ते हैं.
कोई कुत्ता, घोड़ा नहीं है.
निष्कर्ष–
I. कोई घोड़ा, बत्तख नहीं है.
II. कोई कुत्ता, खरगोश नहीं है.
III. कुछ बत्तख, खरगोश हैं.
(A) सभी निष्कर्ष I, II और III अनुसरण करते हैं
(B) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(C) केवल निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(D) केवल निष्कर्ष III अनुसरण करता है

10. निम्नलिखित दिए गए विकल्पों में से उस शब्द युग्म का चयन कीजिए, जो आपस में उसी प्रकार सम्बन्धित है जिस प्रकार नीचे लिखे गए शब्द युग्म आपस में सम्बन्धित हैं–
चीन : बीजिंग : …… : ……
(A) इराक : बगदाद
(B) डॉलर : अमेरिका
(C) स्वीडन : मैड्रिड
(D) जापान : येन

11. एक दर्जी के पास कपड़े के थान में से कटने के लिए कुछ संख्या में शर्ट थीं. उसने प्रत्येक थान को समान लम्बाई के 11 टुकड़ों में काट लिया. उसने 50 कट प्रति मिनट के हिसाब से कटाई की. वह 25 मिनट में कितने थान काट लेगा ?
(A) 130 थान (B) 125 थान
(C) 115 थान (D) 100 थान

12. निम्नलिखित आकृति को बनाने के लिए कम-से-कम कितनी सीधी रेखाओं की जरूरत होगी ?

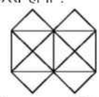

(A) 12 (B) 13
(C) 17 (D) 11

13. नीचे दी हुई शृंखला में आने वाली अगली संख्या का चयन कीजिए–
3, 6, 11, 18, 27, 38, 51, 66, 83, ?
(A 104 (B) 110
(C) 102 (D) 100

14. निम्नलिखित शब्दों को एक तार्किक एवं अर्थपूर्ण क्रम में व्यवस्थित कीजिए–
1. विश्व, 2. देश, 3. शहर, 4. महाद्वीप, 5. राज्य.
(A) 3, 5, 4, 2, 1 (B) 3, 2, 5, 4, 1
(C) 3, 5, 2, 4, 1 (D) 5, 3, 2, 4, 1

15. किसी कूट भाषा में CINEMA को NICAME लिखा जाता है. उसी कूट भाषा में ACTORS को क्या लिखा जाएगा ?
(A) CAOTSR (B) TCAROS
(C) SROTCA (D) TCASRO

16. नीचे दी गई आकृति शृंखला में आने वाली अगली आकृति का चयन कीजिए–

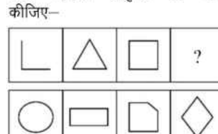

(A) (B) (C) (D)

17. उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान भरेगा और दी गई शृंखला को पूरा करेगा.

162, 180, 198, 216, 234, ………, 270, 288
(A) 261 (B) 249
(C) 263 (D) 252

18. उस आकृति का चयन करें जिसमें दी गई आकृति अन्तर्निहित है.

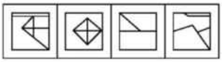

(A) (B) (C) (D)

19. नीचे दी गई शृंखला में रिक्त स्थान में कौनसी संख्या आएगी ?
100, 99, 96, 91, 84, 75, 64, ……
(A) 47 (B) 49
(C) 51 (D) 53

20. उस संख्या युग्म का चयन कीजिए, जिसमें दोनों संख्याएँ आपस में उसी प्रकार सम्बन्धित हैं, जिस प्रकार दोनों संख्याएँ नीचे दिए गए संख्या युग्म में आपस में सम्बन्धित हैं.
4 : 67 : : 8 : ………
(A) 513 (B) 512
(C) 521 (D) 515

21. निम्नलिखित चार संख्या युग्म में से तीन संख्या युग्म किसी प्रकार एकसमान हैं और एक संख्या युग्म असमान है. उस असमान संख्या युग्म का चयन कीजिए–
(A) 100, 25 (B) 60, 12
(C) 90, 18 (D) 150, 30

22. कुमार का परिचय देते हुए विक्रम ने कहा, "इसकी माँ मेरे पिता के पुत्र की पत्नी है. मेरा कोई भाई और बहन नहीं है." कुमार का विक्रम से क्या सम्बन्ध है ?
(A) भाई (B) चाचा
(C) पिता (D) पुत्र

23. एक पारदर्शी शीट दी गई है जिस पर दो पैटर्न बने हुए हैं. यदि पारदर्शी शीट को बिन्दु रेखा पर मोड़ा जाता है, तो पैटर्न किस प्रकार से दिखाई देगा ?

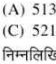

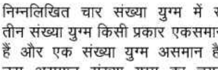

(A) (B) (C) (D)

24. जिस प्रकार मधुमेह का सम्बन्ध इंसुलिन से है, उसी प्रकार एनीमिया का सम्बन्ध '……' से है.
(A) हॉर्मोन (B) आयरन
(C) पानी (D) रक्त

25. यदि नीचे दी गई आकृति के दाएँ ओर दर्पण रखा जाए, तो बनने वाली सही दर्पण प्रतिबिम्ब आकृति का चयन कीजिए–
MINT
(A) MINT (B) TNIW
(C) TNIM (D) TИIM

भाग–II

सामान्य ज्ञान

26. ओडिशा में किसान वर्ष 2019 के खरीफ सीजन के लिए राज्य सरकार की 'कालिया' योजना के तहत् ₹ …… तक 0% ब्याज पर फसल ऋण ले सकते हैं.
(A) 25000 (B) 10000
(C) 50000 (D) 100000

27. 'द ब्लू अम्ब्रेला' पुस्तक किसने लिखी है ?
(A) अरविन्द अडिगा
(B) रस्किन बॉण्ड
(C) आर. के. नारायण
(D) झुम्पा लाहिड़ी

28. ……… को 'भारत के स्कॉटलैण्ड' के रूप में भी जाना जाता है.
(A) गंगटोक (B) कूर्ग
(C) दार्जिलिंग (D) शिमला

29. टिड्डा के कान उसके ……… पर स्थित होते हैं.
(A) एंटीना (B) पंखों
(C) पैरों (D) पेट

30. प्रमोद सावंत, जिन्होंने मार्च 2019 में गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार सँभाला था, वे ………से विधान सभा के सदस्य हैं.
(A) नवीलेम
(B) कालनगूट
(C) पीरियम
(D) सनक्यूलिम

31. 'मेंगलौर की सन्धि' पर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी और ……… के बीच हस्ताक्षर किए गए थे.
(A) अरकोट के नवाब
(B) टीपू सुल्तान
(C) हैदराबाद के निजाम़
(D) बाजीराव द्वितीय

32. खिचड़ी, उत्तरायण और लोहड़ी …… त्योहार के विभिन्न नाम हैं.
(A) होली (B) गणेश चतुर्थी
(C) दशहरा (D) मकर संक्राति

33. निम्नलिखित में से कौन भारत के पहले लोकपाल के एक गैर-न्यायिक सदस्य हैं ?
(A) अभिलाषा कुमारी
(B) अर्चना रामसुंद्रम
(C) पी. के. मोहंती
(D) दिलीप भोसले

34. भारत के पहले 'चन्द्र-जाँच' को कहा गया था–
(A) सूर्य-1 (B) चन्द्रयान-1
(C) भास्कर-1 (D) चन्द्रगुप्त-1

35. बैंकिंग के सन्दर्भ में ADF का पूर्णरूप ……… है.
(A) Actual Data Flow
(B) All Day Finance
(C) Automated Data Flow
(D) Automated Digital Flow

36. विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट (DBR, 2019) में भारत ……… स्थान पर है.
(A) 91वें (B) 77वें
(C) 72वें (D) 82वें

37. मानव शरीर में उस एंजाइम का नाम बताएँ जो कार्बोहाइड्रेट को तोड़ने में मदद करता है–
(A) प्रोटीज (Protease)
(B) लाइपेज (Lipase)
(C) पेप्टीडेज (Peptidase)
(D) ऐमीलेज (Amylase)

38. निम्नलिखित में से किस भारतीय शहरों को उसकी स्थिति के कारण 'ज़ीरो माइल सिटी' के रूप में जाना जाता है ?
(A) नागपुर (B) हैदराबाद
(C) दिल्ली (D) अहमदाबाद

39. सम्राट् अकबर के दरबार में टोडरमल ……… थे.
(A) संस्कृति मंत्री (B) शिक्षा मंत्री
(C) स्टाफ प्रमुख (D) वित्त मंत्री

40. किस भारतीय ने परिधान डिजाइन (Costume Design) के लिए वर्ष 1982 में एकेडमी पुरस्कार जीता था ?
(A) रितु बेरी (B) नीता लुला
(C) भानु अथिया (D) रितु कुमार

41. बी. आर. अम्बेडकर स्वतन्त्र भारत के पहले ……… मंत्री थे.
(A) श्रम (B) वित्त
(C) कानून (D) रक्षा

42. जब हार निश्चित हो जाती थी, तो ………पुरुषों की 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जोकि उनकी अन्तिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके.

(A) मराठा (B) सिख
(C) मुगल (D) राजपूत

43. चूना पत्थर एक तलछटी होता है, जो मुख्यतः ········ से बना होता है.
(A) नाइट्रोजन ऑक्साइड
(B) सोडियम क्लोराइड
(C) कैल्सियम कार्बोनेट
(D) सोडियम बाइकार्बोनेट

44. किसे 'बिहार का दुख' (Sorrow of Bihar) कहा जाता है ?
(A) महानदी (B) नर्मदा
(C) कोसी (D) चम्बल

45. एक बैटरी ········ ऊर्जा को विद्युत् ऊर्जा में परिवर्तित करती है.
(A) ताप (B) यान्त्रिक
(C) रसायनिक (D) प्रकाश

46. ········ आधिकारिक तौर पर गोवा का राजकीय खेल है.
(A) फुटबाल (B) क्रिकेट
(C) कबड्डी (D) हॉकी

47. ······ ने आगरा को अपने साम्राज्य की राजधानी बनाया था.
(A) जहाँगीर (B) शाहजहाँ
(C) सिकंदर लोदी (D) हुमायूँ

48. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) की स्थापना वर्ष ········ में हुई थी.
(A) 1974 (B) 1948
(C) 2006 (D) 1992

49. ········ पद्म विभूषण पुरस्कार प्राप्त करने वाले खिलाड़ी थे.
(A) मिशेल फरेरा
(B) पंकज आडवाणी
(C) विश्वनाथन आनन्द
(D) सचिन तेंदुलकर

50. ······ शासकों ने खजुराहो में अपनी धार्मिक राजधानी स्थापित की थी.
(A) चोल (B) चंदेल
(C) मौर्य (D) गुप्त

भाग–III
परिमाणात्मक अभिरुचि

51. तालिका में किसी प्रकाशन कम्पनी की छह शाखाओं में वर्ष 2000 और 2001 में बेची गई पुस्तकों की संख्या (हजार में) को दर्शाई गई है.

वर्ष	शाखाएँ					
	B1	B2	B3	B4	B5	B6
2000	80	75	95	85	75	70
2001	105	65	110	95	95	80

दोनों वर्षों में B1, B2 और B5 शाखाओं में पुस्तकों की कुल कितनी बिक्री हुई ? (हजार में)
(A) 310 (B) 495
(C) 650 (D) 249

52. O केन्द्र वाले एक वृत्त के बाहर किसी बिन्दु P से PA और PB स्पर्श रेखाएँ हैं तथा A एवं B, वृत्त पर दो बिन्दु हैं. यदि $\angle APB = 30^\circ$ है, तो $\angle OAB$ बराबर है–
(A) 25° (B) 50°
(C) 15° (D) 40°

53. तालिका में दर्शाए गए वर्षों में किसी कम्पनी के प्रतिवर्ष व्यय (लाख ₹ में) का उल्लेख किया गया है.

वर्ष	व्यय की मद				
	वेतन	ईंधन और परिवहन	बोनस	ऋण पर ब्याज	कर
1998	288	98	3·00	23·4	83
1999	342	112	2·52	32·5	108
2000	324	101	3·84	41·6	74
2001	336	133	3·68	36·4	88
2002	420	142	3·96	49·4	98

कम्पनी के द्वारा 1998 से 2002 तक कर की औसत राशि (लाख ₹ में) कितनी है ?
(A) 90·2 (B) 88·2
(C) 100 (D) 82·2

54. यदि कोई राशि चार वर्षों में चक्रवृद्धि ब्याज पर तीन गुना हो जाती है, तो उसी ब्याज दर पर वह राशि कितने वर्षों में 27 गुना हो जाएगी ?
(A) 10 वर्ष (B) 16 वर्ष
(C) 12 वर्ष (D) 15 वर्ष

55. A प्रतिदिन 8 घण्टे काम करता है और ₹ 80 प्रति घण्टा की दर से कमाता है. B प्रतिदिन 6 घण्टे काम करता है और ₹ 60 प्रति घण्टा की दर से कमाता है. A और B की प्रतिदिन मजदूरी का अनुपात क्या है ?
(A) 16 : 9 (B) 5 : 16
(C) 9 : 10 (D) 16 : 5

56. $\left[\dfrac{\sin^2 25^\circ+\sin^2 65^\circ}{\cos^2 24^\circ+\cos^2 66^\circ}+\sin^2 61^\circ +\cos 61^\circ \sin 29^\circ\right]$ का मान है–
(A) 2 (B) 1
(C) 3 (D) 0

57. जब एक पूर्णांक n को 7 से विभाजित किया जाता है, तो शेष 3 बचता है. यदि $6n$ को 7 से विभाजित किया जाता है, तो शेष क्या बचेगा ?
(A) 1 (B) 4
(C) 0 (D) 2

58. 39 संख्याओं का औसत शून्य है. उनमें से अधिकतम कितनी संख्याएँ शून्य से अधिक हो सकती हैं ?
(A) 0 (B) 38
(C) 20 (D) 39

59. ABCD एक चक्रीय चतुर्भुज है, जिसमें AB, इस पर बने वृत्त का व्यास है और $\angle ADC = 160^\circ$ है, तो $\angle BAC$ बराबर है–
(A) 38° (B) 50°
(C) 40° (D) 60°

60. यदि $3\cos^2 A + 7\sin^2 A = 3, 0^\circ \le A \le 90^\circ$ है, तो A का मान है–
(A) 30° (B) 0°
(C) 90° (D) 45°

61. तालिका में किसी परीक्षा में छह अलग-अलग विषयों में सात विद्यार्थियों के द्वारा प्राप्तांकों के प्रतिशत का उल्लेख किया गया है. कोष्ठक में लिखित अंक प्रत्येक विषय में अधिकतम अंक को दर्शाते हैं.

विद्यार्थी	विषय (अधिकतम अंक)					
	गणित (150)	रसायन विज्ञान (130)	भौतिकी (120)	भूगोल (100)	इतिहास (60)	कम्प्यूटर विज्ञान (40)
A	90	50	90	60	70	80
B	100	80	80	40	80	70
C	90	60	70	70	90	70
D	80	65	80	80	60	60
E	80	65	85	95	50	90
F	70	75	65	85	40	60
G	65	55	50	77	80	80

गणित विषय में सभी सातों विद्यार्थियों के द्वारा प्राप्त अंकों का औसत क्या है (दशमलव के दो अंकों तक सही) ?
(A) 111·21
(B) 139·21
(C) 123·21
(D) 122·21

62. तालिका में किसी पुस्तक के प्रकाशन पर खर्च की गई राशि के प्रतिशत वितरण को दर्शाया गया है.

व्यय की वस्तुएँ	खर्च का प्रतिशत
पेपर	25
प्रिंटिंग	20
बाइंडिंग	20
रॉयल्टी	15
प्रमोशन	10
ट्रांसपोर्टेशन	10

प्रमोशन खर्च पेपर खर्च से कितने प्रतिशत कम है ?

(A) 15% (B) 60%
(C) 30% (D) 10%

63. यदि $a - \frac{1}{a} = 3$ है, तो $a^6 + \frac{1}{a^6}$ बराबर है–

(A) 996 (B) 729
(C) 1298 (D) 1331

64. $9\frac{3}{4} + \left[2\frac{1}{6} \div \left\{4\frac{1}{3} - \left(2\frac{1}{2} + \frac{3}{4}\right)\right\}\right]$ का मान है–

(A) $\frac{15}{4}$ (B) 4
(C) $\frac{47}{4}$ (D) 3

65. मान लीजिए $\Delta ABC \sim \Delta QPR$ और $\frac{ar(\Delta ABC)}{ar(\Delta PQR)} = \frac{9}{16}$ है. यदि AB = 12 सेमी, BC = 6 सेमी और AC = 9 सेमी है, तो PR बराबर है–

(A) 16 सेमी (B) 8 सेमी
(C) 12 सेमी (D) 9 सेमी

66. यदि $x + \frac{1}{x} = 4$ है, तो $x^3 + \frac{1}{x^3}$ बराबर है–

(A) 52 (B) 64
(C) 40 (D) 50

67. 3 पुरुष, 4 महिलाएँ और 6 लड़के मिलकर किसी काम को 5 दिनों में पूरा करते हैं. एक दिन में एक पुरुष जितना काम करता है. महिला उससे दोगुना काम करती है और एक पुरुष की तुलना में एक लड़का आधा काम करता है. कितनी महिलाएँ अकेले ही उस काम को 7 दिनों में पूरा कर सकेंगी ?

(A) 5 (B) 8
(C) 14 (D) 7

68. 5 सेमी त्रिज्या वाले एक गोले को पिघलाकर 2 सेमी त्रिज्या वाले गोलों में से ढाला जाता है. इस प्रकार के कितने पूर्ण गोले बनाए जा सकते हैं ?

(A) 15 (B) 12
(C) 16 (D) 18

69. एक वस्तु की कीमत ₹ 40,000 रखी है. एक खुदरा व्यापारी पहली 62·5% कीमत पर 10% की छूट देता है. शेष कीमत पर वह 4% की छूट देता है, तो वस्तु पर दी गई समग्र छूट प्रतिशत क्या है ?

(A) 8·25 (B) 7·75
(C) 8·5 (D) 8·0

70. यदि $\cos\theta + \sec\theta = 2$ है, तो $(\cos^{117}\theta + \sec^{117}\theta)$ बराबर है–

(A) 234 (B) 2^{117}
(C) 2 (D) 117

71. 20%, 10% और 15% की क्रमिक छूट, किस एकल छूट के समतुल्य है ?

(A) 38·8%
(B) 42·2%
(C) 44·5%
(D) 43·5%

72. यदि $a^3 - b^3 = 210$ और $a - b = 5$ है, तो $(a + b)^2 - ab$ बराबर है–

(A) 52 (B) 42
(C) 38 (D) 32

73. यदि $(x-4)^3 + (x-5)^3 + (x-3)^3 = 3(x-4)(x-5)(x-3)$ है, तो x का मान क्या होगा ?

(A) 7 (B) 4
(C) 15 (D) 6

74. एक व्यक्ति अपने कार्यालय जिस गति से घर वापस आता है, उससे एक-चौथाई गति से वह अपने कार्यालय जाता है. यदि पूरे फेरे (Trip) के दौरान औसत गति 15 किमी/घण्टा है, तो कार्यालय जाने के दौरान उसकी गति क्या रही होगी ?

(A) $\frac{75}{8}$ किमी/घण्टा
(B) 9 किमी/घण्टा
(C) $\frac{17}{3}$ किमी/घण्टा
(D) $\frac{15}{2}$ किमी/घण्टा

75. यदि किसी संख्या के 50% को 75 में जोड़ा जाता है, तो परिणाम वही संख्या होती है. वह संख्या है–

(A) 400 (B) 100
(C) 250 (D) 150

भाग–IV

English Comprehension

76. Select the most appropriate synonym of the given word.

CONVERSE (Verb)

(A) Talk (B) Display
(C) Oppose (D) Agree

77. Given below are four jumbled sentences. Select the option that gives their correct order.

A. The disruptions began to annoy his teachers.
B. They were increasingly baffled by his questions.
C. Swami looked forward to disrupting every class.
D. They began to write notes in his handbook summoning his parents.

(A) CDAB (B) CABD
(C) BDAC (D) DACB

78. Select the most appropriate option to substitute the underlined segment in the given sentence.

If no substitution is required, select no improvement.

The Committee occupied itself <u>with no other important question only this.</u>

(A) with no other important question but this
(B) No improvement
(C) with one other important question either this
(D) with no other important question other this

79. In this sentence identify the segment which contains the grammatical error.

Friction reduce the efficiency of machines so their value also gets reduced.

(A) Friction reduce
(B) also gets reduced
(C) the efficiency of machines
(D) so their value

80. Select the word which means the same as the group of words given.

One who speaks two languages fluently.

(A) Bilingual
(B) Lexicologist

(C) Linguist
(D) Monolingual

81. Select the correct passive form of the given sentence.
Rub the glass table with a soft cloth to make it shine.
(A) The soft cloth should be rubbled with a glass table to make it shine
(B) The glass table must rub with a soft cloth to make it shine
(C) The glass table should be rubbed with a soft cloth to make it shine
(D) The glass table have to be rubbed with a soft cloth to make it shine

82. Select the most appropriate option to fill in the blank.
Scientists have discovered evidence of abundant water-bearing minerals on the ...... of an asteroid Bennu.
(A) earth (B) surface
(C) soil (D) ground

83. Select the most appropriate meaning of the underlined idom in the given sentence.
It is a wonder how some people manage <u>to sit on the fence</u> without committing themselves.
(A) to sit lazily and not do anything
(B) relax when others are working
(C) remain undecided and unsure
(D) build fences and walls for sitting on

84. Select the correctly spelt word.
(A) Cartificate
(B) Sertificate
(C) Certificate
(D) Sartifikate

85. Given below are four jumbled sentences. Select the option that gives their correct order.
A. When you begin to house train your puppy, follow these steps.
B. Also, always take her outside after meals or when she wakes from a nap.
C. Keep the puppy on a regular feeding schedule and take away food between meals.
D. Take your puppy out first thing in the morning and then once every thirty minutes or so.
(A) ADCB (B) ACDB
(C) CDAB (D) DABC

86. In the sentence identify the segment which contains the grammatical error.
I am sure that neither Juhi nor Jaya are responsible for breaking the vase.
(A) neither Juhi nor Jaya
(B) are responsible
(C) for breaking the vase
(D) I am sure that

87. Select the word which means the same as the group of words given.
Easily broken
(A) Fragile (B) Pliable
(C) Malleable (D) Ductile

88. Select the most appropriate option to susbtitute the underlined segment in the given sentence.
If no substitution is required, select. No improvement.
<u>Each of the guests were given</u>, a return gift.
(A) No improvement
(B) Each of the guests was given
(C) Each guests were given
(D) Each and every guest were given

89. Select the most appropriate antonym of the given word.
BRUTAL
(A) Fierce (B) Sane
(C) Savage (D) Humane

90. Select the most appropriate option to fill in the blank.
A colourful cyclothon was organised on the .... of World Sparrow Day to mark the progress of making Ganjam the first sparrow-friendly district of Odisha.
(A) event (B) festivity
(C) occasion (D) project

91. Select the correctly spelt word.
(A) Advertizment
(B) Adversery
(C) Advantegious
(D) Adventurous

92. Select the correct active form of the given sentence.
The results will be known to us by the end of the next month.
(A) We have known the results by the end of the next month
(B) We will know the results by the end of the next month
(C) We are knowing the results by the end of the next month
(D) We know the results by the end of the next month

93. Select the most appropriate meaning of the underlined idiom in the given sentence.
It was quite a shock for Raju to have to <u>foot the bill</u> for all his friends.
(A) prepare everything they wanted
(B) kick away the paper bill
(C) pay for everything
(D) pick up the bill from the floor

94. Select the appropriate antonym of the given word.
STATIONARY
(A) Tired (B) Still
(C) Shifting (D) Motionless

Directions—(Q. 95 to 99) In the following passage some words have been deleted. Fill in the blanks with the help of the alternatives given. Select the most appropriate option for each blank.

Bagheera is the fictional black panther in Rudyard Kipling's The Jungle Book. He was born in (95) ...... in the menagerie of the Raja of Udaipur. (96)...... he ws strong enough. he (97)......the lock of his cage and (98)......into the jungle. He regularly (99)......in the stories of Mowgli.

95. Select the most appropriate option to fill in blank.
(A) captivity (B) park
(C) cave (D) jungle

96. Select the most appropriate option to fill in blank.
(A) Only (B) Unless
(C) Once (D) Although

97. Select the most appropriate option to fill in blank.
(A) opened (B) borke
(C) bent (D) loosened

98. Select the most appropriate option to fill in blank.
(A) escaped (B) jumped
(C) marched (D) climbed

99. Select the most appropriate option to fill in blank.
(A) appears (B) involves
(C) rises (D) invites

100. Select the most appropriate synonym of the given word.
AUSTERE
(A) Careless
(B) Strict
(C) Generous
(D) Unwilling

उत्तर व्याख्या सहित

सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति

1. (C) जिस प्रकार,

P R O P E R T Y
$16 + 18 + 15 + 16 + 5 + 18 + 20 + 25 = 133$

तथा E S T A T E
$5 + 19 + 20 + 1 + 20 + 5 = 70$

उसी प्रकार,

D E V E L O P M E N T
$4 + 5 + 22 + 5 + 12 + 15 + 16 + 13 + 5 + 14 + 20 = 131$

2. (A) जिस प्रकार,

P I C T U R E
+2 –1 +2 –1 +2 –1 +2
R H E S W Q G

उसी प्रकार,

M O U N T A I N
+2 –1 +2 –1 +2 –1 +2 –1
O N W M V Z K M

3. (B)
CDF : GHJ :: KLN : OPR
+4 +4 +4 +4 +4 +4

4. (C) 961 : 992 :: 841 : 870
$(31)^2$ $(31)^2+31$ $(29)^2$ $(29)^2+29$

5. (A)

6. (A)

7. (B) P K L Q O H S C X
विपरीत विपरीत विपरीत विपरीत

8. (A)
LNPQ PRTV SUWY EGIK
+2 +2 +1 +2 +2 +2 +2 +2 +2 +2 +2 +2

9. (D)
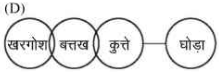

10. (A) चीन : बीजिंग :: इराक : बगदाद
राजधानी राजधानी

11. (B) अभीष्ट थान की संख्या

$= \frac{50}{(11-1)} \times 25$

$= \frac{50}{10} \times 25$

= 125 थान

12. (B)

13. (C)
3 6 11 18 27 38 51 66 83 102
+3 +5 +7 +9 +10 +13 +15 +17 +19

14. (C) शहर, राज्य, देश, महाद्वीप, विश्व.

15. (D) जिस प्रकार, उसी प्रकार,
CINEMA ACTORS
NICAME TCASRO

16. (C)

17. (D)
162 180 198 216 234 252 270 288
+18 +18 +18 +18 +18 +18 +18

18. (C)

19. (C)
100 99 96 91 84 75 64 51
–1 –3 –5 –7 –9 –11 –13

20. (D) 4 : 67 :: 8 : 515
$(4)^3 + 3$ $(8)^3 + 3$

21. (A)
$100 \div 4 = 25$
$60 \div 5 = 12$
$90 \div 5 = 18$
$150 \div 5 = 30$

22. (D) 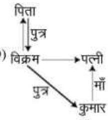

23. (B) 24. (D) 25. (D)

सामान्य ज्ञान

26. (C) 27. (B) 28. (B) 29. (C)
30. (D) 31. (B) 32. (D) 33. (B)
34. (B) 35. (C) 36. (B) 37. (D)
38. (A) 39. (D) 40. (C) 41. (C)
42. (D) 43. (C) 44. (C) 45. (C)
46. (A) 47. (C) 48. (D) 49. (C)
50. (B)

परिमाणात्मक अभिरुचि

51. (B) पुस्तकों की अभीष्ट कुल बिक्री
$= (80 + 105) + (75 + 65) + (75 + 95)$
$= 185 + 140 + 170$
= 495 हजार

52. (C) चतुर्भुज OAPB से,
$\angle AOB = 360° - 90° - 90° - 30°$
$= 150°$

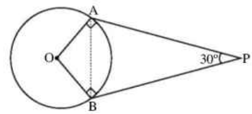

Δ AOB से, $\angle AOB = \angle OBA$
(समान वृत्त की त्रिज्या)
तब, $\angle AOB + \angle OAB + \angle OBA = 180°$
$150° + 2\angle OAB = 180°$
$\angle OAB = \frac{30°}{2}$
$= 15°$

53. (A) अभीष्ट औसत राशि
$= \frac{(83+108+74+88+98)}{5}$
$= \frac{451}{5}$
= ₹ 90·2 लाख

54. (C) प्रश्नानुसार,
$P\left(1+\frac{R}{100}\right)^4 = 3P$
$\left(1+\frac{R}{100}\right)^4 = 3$
तब, $P\left(1+\frac{R}{100}\right)^T = 27P$
$\left(1+\frac{R}{100}\right)^T = 3^3$
$= \left(1+\frac{R}{100}\right)^{4\times3}$
$T = 4 \times 3$
= 12 वर्ष

55. (A) A और B की प्रतिदिन मजदूरी का अनुपात
$= 8 \times 80 : 6 \times 60$
$= 64 : 36$
$= 16 : 9$

56. (A)

$$\left[\frac{\sin^2 25°+\sin^2 65°}{\cos^2 24°+\cos^2 66°}+\sin^2 61° +\cos 61°\sin 29°\right]$$

$$= \frac{\sin^2 25° + \sin^2 (90°-25°)}{\cos^2 (90°-66°)+\cos^2 66°} +\sin^2 61°+ \cos 61° \sin (90° - 61°)$$

$$= \frac{\sin^2 25°+\cos^2 25°}{\sin^2 66° +\cos^2 66°} +\sin^2 61°+\cos^2 61°$$

$(\because \sin^2\theta + \cos^2\theta = 1)$

$= 1 + 1 = 2$

57. (B) $n = 7 + 3 = 10$

अभीष्ट शेषफल $= \frac{6\times 10}{7} = \frac{60}{7}$

$= 4$

58. (B)

59. (D) $\angle ADC + \angle ABC = 180°$

(चक्रीय चतुर्भुज के विपरीत कोण)

$150° + \angle ABC = 180°$

$\angle ABC = 30°$

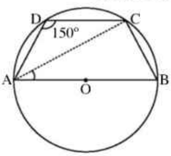

तथा $\angle AOB = 2\angle ACB$

(समान $\widehat{AB}$ चाप पर बने कोण)

$\angle ACB = \frac{180°}{2} = 90°$

तब, $\angle BAC = 180° - 90° - 30°$

$= 60°$

60. (B) $3\cos^2 A + 7\sin^2 A = 3$

$3(1-\sin^2 A) - 7\sin^2 A = 3$

$3 - 3 - 3\sin^2 A + 7\sin^2 A = 0$

$4\sin^2 A = 0$

$\sin A = 0$

$= \sin 0°$

$A = 0°$

61. (C) अभीष्ट औसत =

$$\frac{(135+150+135+120+120+105+97\cdot5)}{7}$$

$$= \frac{862\cdot5}{7} = 123\cdot21$$

62. (B)अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{(25-10)}{25}\times 100$

$= 15 \times 4 = 60\%$

63. (C) $a - \frac{1}{a} = 3$

दोनों तरफ वर्ग करने पर,

$a^2 + \frac{1}{a^2} - 2 = 9$

$a^2 + \frac{1}{a^2} = 11$

दोनों तरफ घन करने पर,

$a^6 + \frac{1}{a^6} + 3\times 11 = 1331$

$a^6 + \frac{1}{a^6} = 1331 - 33$

$= 1298$

64. (C) $9\frac{3}{4}+\left[2\frac{1}{6}\div\left\{4\frac{1}{3}-\left(2\frac{1}{2}+\frac{3}{4}\right)\right\}\right]$

$= \frac{39}{4}+\left[\frac{13}{6}\div\left\{\frac{13}{3}-\left(\frac{5}{2}+\frac{3}{4}\right)\right\}\right]$

$= \frac{39}{4}+\left[\frac{13}{6}\div\left\{\frac{13}{3}-\frac{13}{4}\right\}\right]$

$= \frac{39}{4}+\left[\frac{13}{6}\times\frac{12}{13}\right]$

$= \frac{39}{4}+2 = \frac{47}{4}$

65. (B) दिया है–

$\Delta ABC \sim \Delta QPR$

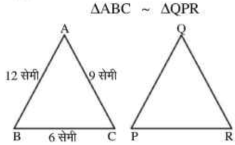

तथा $\frac{ar\,(\Delta ABC)}{ar\,(\Delta PQR)} = \frac{9}{16}$

$\left(\frac{BC}{PR}\right)^2 = \frac{9}{16}$

$\frac{6}{PR} = \frac{3}{4}$

$PR = 2 \times 4$

$= 8$ सेमी

66. (A) $x + \frac{1}{x} = 4$

दोनों तरफ घन करने पर,

$x^3 + \frac{1}{x^3} + 3\times 4 = 64$

$x^3 + \frac{1}{x^3} = 52$

67. (A) दिया है–

2 पुरुष = 1 महिला

तथा 1 पुरुष = 2 लड़के

तब, 1 पुरुष $= \frac{\text{महिला}}{2} = 2$ लड़के

3 पुरुष + 4 महिला + 6 लड़के

$= \frac{3}{2}$ महिला + 4 महिला $+ \frac{3}{2}$ महिला

$= \frac{14}{2}$ महिला = 7 महिला

महिलाओं की अभीष्ट संख्या

$= \frac{7\times 5}{7} = 5$ महिला

68. (A) गोलों की अभीष्ट संख्या

$$= \frac{\frac{4}{3}\times\frac{22}{7}\times 5\times 5\times 5}{\frac{4}{3}\times\frac{22}{7}\times 2\times 2\times 2}$$

$$= \frac{125}{8}$$

$= 15\cdot625 \simeq 15$ पूर्ण गोले

69. (B) कुल छूट

$$= 40{,}000\times\frac{62\cdot5}{100}\times\frac{10}{100}+40{,}000\times\frac{37\cdot5}{100}\times\frac{4}{100}$$

$= 2{,}500 + 600$

$=$ ₹ 3,100

वस्तु पर दी गई समग्र छूट प्रतिशत

$= \frac{3{,}100}{40{,}000}\times 100$

$= 7\cdot75\%$

70. (C) $\cos\theta + \sec\theta = 2$

$\cos\theta + \frac{1}{\cos\theta} = 2$

$\cos^2\theta - 2\cos\theta + 1 = 0$

$(\cos\theta - 1)^2 = 0$

$\cos\theta = 1$

तब, $\sec\theta = 1$

$\cos^{117}\theta + \sec^{117}\theta = 1 + 1 = 2$

71. (A) एकल छूट के समतुल्य छूट

$$= 100 - \frac{(100-20)(100-10)(100-15)}{100\times 100}$$

$$= 100 - \frac{80\times 90\times 85}{100\times 100}$$

$= 100 - 61\cdot2$

$= 38\cdot8\%$

72. (B) दिया है–

$a^3 - b^3 = 210$ तथा $a - b = 5$

$\because (a-b)^3 = a^3 - b^3 - 3ab(a-b)$

$(5)^3 = 210 - 3ab(5)$

$15ab = 210 - 125 = 85$

शेष पृष्ठ 180 पर

छत्तीसगढ़ डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा, 7-6-2019 का हल प्रश्न-पत्र

प्रथम भाग
सामान्य मानसिक योग्यता

1. विलुप्त संख्या को ज्ञात कीजिए.
2, 3, 4, 9, 8, 27, 16, …
(A) 87 (B) 75
(C) 81 (D) 68

2. विलुप्त संख्या को ज्ञात कीजिए.
705, 728, 774, ……, 935, 1050
(A) 844 (B) 845
(C) 846 (D) 843

3. निम्नलिखित में से कौन अन्य तीन से भिन्न है ?
(A) बकरी (B) हिरण
(C) भैंस (D) चीता

4. भिन्न को चुनिए.
(A) भोपाल (B) चण्डीगढ़
(C) जयपुर (D) पटना

5. निम्नलिखित में से कौनसा चित्र गुलाब, गेंदा और फूल के मध्य **सही** सम्बन्ध को दर्शाता है ?
(A) (B)
(C) 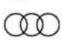 (D)

6. भिन्न को चुनिए.
(A) 3 : 21 (B) 5 : 125
(C) 7 : 343 (D) 10 : 1000

7. निम्नलिखित अक्षर श्रेणी को कौन पूर्ण करेगा ?
$a, z, b, y, c, w, d, \ldots ? \ldots, e, s, f, q$
(A) x
(B) v
(C) u
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. एक रात्रि भोज पार्टी में मछली और माँस दोनों परोसा गया. कुछ ने केवल मछली और कुछ ने माँस लिया. कुछ शाकाहारियों ने कुछ भी स्वीकार नहीं किया. बाकी ने मछली और माँस दोनों को स्वीकार किया. निम्नलिखित में से कौनसा वेन आरेख **सही** ढंग से इस स्थिति को दर्शाता है ?
(A) 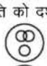 (B)
(C) 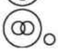 (D) 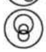

9. विलुप्त संख्या को ज्ञात कीजिए.
2, 3, 5, 8, 12, 17, …
(A) 23 (B) 21
(C) 22 (D) 19

10. निम्नलिखित अक्षर श्रेणी को कौन पूर्ण करेगा ?
$c, g, g, k, m, q, s, \ldots ? \ldots$
(A) n
(B) w
(C) p
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

11. निम्नलिखित अक्षर श्रेणी को कौन पूर्ण करेगा ?
$c, e, \ldots ? \ldots, g, k, m, q, s$
(A) f (B) h
(C) l (D) e

निर्देश–(प्रश्न 12 एवं 13) निम्नलिखित चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए व प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

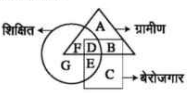

12. कौनसा क्षेत्र शिक्षित बेरोजगार ग्रामीण को दर्शाता है ?
(A) A (B) C
(C) D (D) E

13. कौनसा क्षेत्र शिक्षित ग्रामीण जो बेरोजगार **नहीं** है, को दर्शाता है ?
(A) D (B) E
(C) G (D) F

14. निम्नांकित आकृति को बनाने में न्यूनतम कितनी संख्या में सीधी रेखा की आवश्यकता होगी ?

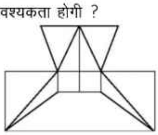

(A) 16 (B) 17
(C) 18 (D) 19

15. खाली स्थान में कौनसा अंक आएगा ?

	13	19
9	17	69
13	11	59

(A) 5 (B) 9
(C) 10 (D) 7

16. विलुप्त पद ज्ञात कीजिए.

JR	14	7	CK
TX	22	17	OS
PV	?	?	KM

(A) 12, 19 (B) 19, 12
(C) 24, 38 (D) 38, 24

17. यदि किसी सांकेतिक भाषा में '312' का मतलब 'study very hard', '514' का मतलब 'hard work pays' और '357' का मतलब 'study and work' है. 'very' के लिए कौनसा कोड है ?
(A) 1 (B) 4
(C) 3 (D) 2

18. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'HOUSE' को 'MTFWI' लिखा जाता है. 'WATER' के लिए उसी कोड में कौनसा शब्द होना चाहिए ?
(A) AGEJW (B) AEGJW
(C) AEJGW (D) EAGJW

19. निम्नांकित आकृति में कितने त्रिभुज हैं?

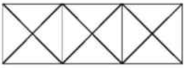

(A) 28 (B) 30
(C) 26 (D) 32

20. दिए गए विकल्पों से वह चित्र चुनिए, जो निम्नांकित चित्रों में दिए गए टुकड़ों से बनाए जा सकते हैं–

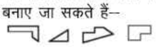

(A) (B)
(C) (D)

21. खाली स्थान में कौनसा अक्षर आएगा ?

E	J	O
A	C	B
F	M	

(A) K (B) R
(C) P (D) Q

22. कौनसा उत्तर चित्र, आकृति मैट्रिक्स को पूरा करता है, ज्ञात कीजिए ?

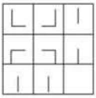

उत्तर चित्र–

(I) (II) (III) (IV)

(A) (I) (B) (II)
(C) (III) (D) (IV)

23. भिन्न को ज्ञात कीजिए–

(I) (II) (III) (IV)

(A) (I) (B) (II)
(C) (III) (D) (IV)

24. विलुप्त पद ज्ञात कीजिए–

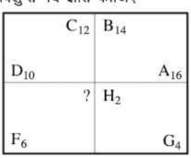

(A) E_8 (B) E_{10}
(C) I_8 (D) I_{10}

25. यदि + का उपयोग × के लिए, – का उपयोग ÷ के लिए, × का उपयोग – के लिए और ÷ का उपयोग + के लिए हो, तो–

$$25 + 79 - 5 \times 4 \div 7$$

का मान ज्ञात कीजिए.

(A) 400 (B) 399
(C) 398 (D) 397

26. किन दो चिह्नों को आपस में बदलने पर निम्नलिखित समीकरण सही होगा, ज्ञात कीजिए.

$$6 + 3 \times 8 - 24 \div 2 = 5$$

(A) + और – (B) + और ×
(C) + और ÷ (D) – और ÷

27. यदि ABCD एक वर्ग है, तब क्या सत्य नहीं है ?

(A) AE = DH
(B) EFGH एक आयात है
(C) वर्ग ABCD का क्षेत्रफल $= 4\ \Delta AEH$
(D) BF ∥ HD

28. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'PRINT' को "GIIEB" लिखा जाता है. तो उसी कोड में 'WATER' को कैसे लिखेंगे?

(A) AEBEI (B) EIAEB
(C) EABEI (D) EAIBE

29. दिए गए चित्र को यदि मोड़कर एक घन बनाया जाए तो 4 बिन्दुओं वाले फलक के सामने कितने बिन्दु दिखायी देंगे ?

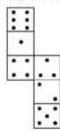

(A) 2 (B) 4
(C) 5 (D) 6

30. दी गई आकृति में वर्गों की संख्या की गणना कीजिए–

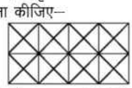

(A) 11 (B) 21
(C) 24 (D) 26

द्वितीय भाग

सामान्य ज्ञान

31. भारत में कौनसी बेरोजगारी गम्भीर समस्या है ?

(A) ग्रामीण बेरोजगारी
(B) छद्म बेरोजगारी
(C) शिक्षित बेरोजगारी
(D) तकनीकी बेरोजगारी

32. जनसंख्या की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौनसा शहर सबसे बड़ा है ?

(A) दिल्ली (B) कोलकाता
(C) मुम्बई (D) चेन्नई

33. लोक सभा के कार्यकाल की गणना की जाती है–

(A) निर्वाचन अधिसूचना की तिथि से
(B) मतदान की तिथि से
(C) परिणाम घोषणा की तिथि से
(D) प्रथम अधिवेशन की तिथि से

34. संविधान के स्रोत के सन्दर्भ में सुमेलित कीजिए–

सूची-I

(a) गणतन्त्र
(b) आपातकाल
(c) संविधानिक संशोधन
(d) समवर्ती सूची

सूची-II

1. वाइमर गणराज्य
2. आस्ट्रेलिया
3. फ्रांस
4. दक्षिण अफ्रीका

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	2	4
(B)	2	4	1	3
(C)	3	1	4	2
(D)	4	3	2	1

35. निम्नलिखित में से कौनसा बुनियादी शिक्षा का सिद्धान्त नहीं है ?

(A) शिल्प केन्द्रित शिक्षा
(B) साक्षरता
(C) श्रम का सम्मान
(D) मातृभाषा में शिक्षण

36. एक देश के सकल राष्ट्रीय आय की गणना उपभोग के आधार पर किसने की है ?

(A) मार्शल
(B) पीगू
(C) फिशर
(D) पॉल सेम्युल्सन

37. निम्नलिखित में से कौनसा कथन रचनात्मक आकलन से सम्बन्धित नहीं है ?

(A) यह एक शैक्षणिक सत्र के अन्त में आयोजित किया जाता है
(B) इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धि का सम्वर्धन करना है
(C) यह सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग है
(D) यह विद्यार्थी और शिक्षक दोनों को निरन्तर प्रतिपुष्टि प्रदान करता है

38. चार्ल्स बैबेज ने निम्नलिखित में से किसकी खोज की है ?

(A) माइक्रोप्रोसेसर
(B) कम्प्यूटर
(C) इंटरनेट
(D) कैमेरा

39. इनमें से कौन हार्डवेयर के उपागम के अन्तर्गत आता है ?
(A) पुस्तकें
(B) मानचित्र
(C) आरेख (ग्राफ)
(D) दूरदर्शन

40. निम्नलिखित में से किसने आर्य समाज की स्थापना की ?
(A) स्वामी विवेकानन्द
(B) स्वामी श्रद्धानन्द
(C) स्वामी दयानन्द
(D) स्वामी ब्रह्मानन्द

41. भारत का पहला जीवमण्डल संरक्षित क्षेत्र कौनसा है ?
(A) नंदादेवी (B) सुंदरवन
(C) नीलगिरि (D) ग्रेट निकोबार

42. भारत के किस राज्य की सीमा तीन देशों को स्पर्श करती है ?
(A) जम्मू-कश्मीर
(B) सिक्किम
(C) हिमाचल प्रदेश
(D) अरुणाचल प्रदेश

43. शिक्षा के विकास के लिए सकल घरेलू उत्पाद का कितना प्रतिशत व्यय किया जाना चाहिए ?
(A) 6% (B) 8%
(C) 10% (D) 12%

44. विश्व बैंक के प्रतिवेदन के अनुसार स्थिर कीमतों पर वर्ष 2018-19 में भारत के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर क्या है ?
(A) 7·5 प्रतिशत
(B) 7·3 प्रतिशत
(C) 7·4 प्रतिशत
(D) 7·2 प्रतिशत

45. चेचक का टीका निम्नलिखित में से किसके द्वारा खोजा गया ?
(A) एडवर्ड जेनर
(B) राबर्ट कोच
(C) लूइस पाश्चर
(D) राबर्ट हूक

46. टिन उत्पादक प्रमुख राज्य है–
(A) झारखण्ड (B) छत्तीसगढ़
(C) मध्य प्रदेश (D) तेलंगाना

47. निम्नलिखित में से किस स्थान पर हुई हिंसक घटना के कारण महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन स्थगित कर दिया था ?
(A) चम्पारण (B) पूर्णिया
(C) खेड़ा (D) चौरी-चौरा

48. निम्नलिखित में से कौनसा जोड़ा सुमेलित नहीं है ?
(A) महात्मा गांधी–वर्धा योजना
(B) महर्षि अरविन्द–द लाइफ डिवाइन
(C) विवेकानन्द–गुरुकुल
(D) रवीन्द्रनाथ टैगोर–शांति निकेतन

49. राज्य सभा के विषय में सही क्या है ?
(a) यह एक स्थायी सदन है
(b) इसे विघटित नहीं किया जा सकता
(c) 1/3 सदस्य प्रति दूसरे वर्ष सेवा-निवृत हो जाते हैं
(d) इसकी अवधि 6 वर्ष है
(A) (a)
(B) (a), (b)
(c) (a), (b), (c)
(d) (a), (b), (c), (d)

50. निम्नलिखित में से किस वर्ष भारत-चीन युद्ध लड़ा गया था ?
(A) 1948 (B) 1950
(C) 1962 (D) 1971

तृतीय भाग

शिक्षण अभिरूचि

51. आप शिक्षण व्यवसाय में रुचि रखते हैं क्योंकि–
(A) इसमें कम जिम्मेदारी होती है
(B) इसमें वित्तीय सुरक्षा है
(C) यह एक समर्पित व्यवसाय है
(D) इसमें छुट्टियों की संख्या अधिक होती है

52. बालक के सर्वांगीण विकास का उत्तर-दायित्व होता है–
(A) शिक्षक पर
(B) स्वयं बालक पर
(C) समाज पर
(D) शिक्षक और माता-पिता दोनों पर

53. एक शिक्षक छात्र के प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थ है. उन्हें चाहिये कि वे–
(A) कहें कि वे परामर्श के उपरान्त उत्तर बताएंगे
(B) कहें कि प्रश्न गलत है
(C) विद्यार्थी को फटकारें
(D) अपने अज्ञान के लिए शर्मिन्दा हों

54. विद्यालय में एक बालक को समस्यात्मक बालक कहा जाएगा जब–
(A) वह दूसरे बच्चों की समस्याओं को हल करने में सक्षम हो
(B) वह कक्षा के लिए उत्तम समस्याओं के सुझाव देने में साधन सम्पन्न हो
(C) ऐसा व्यवहार करें कि उसे समझना शिक्षक के लिए एक समस्या हो
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

55. भारतीय शिक्षा आयोग (1964–66) की सिफारिश द्वारा कक्षा VIII से X तक के निम्न माध्यमिक स्तर के लिए तीन भाषा सूत्र है–
(A) मातृभाषा + क्षेत्रीय भाषा + अंग्रेजी
(B) मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा + हिन्दी + अंग्रेजी
(C) मातृभाषा या हिन्दी + अंग्रेजी + एक क्षेत्रीय भाषा
(D) मातृभाषा + हिन्दी + एक क्षेत्रीय भाषा

56. शिक्षा का उद्देश्य है–
(A) विद्यार्थियों को नौकरी करने के योग्य बनाना
(B) व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना
(C) परीक्षा में विद्यार्थियों को सफल होने में सहायता प्रदान करना
(D) सामाजिक अंतःक्रिया करने की क्षमता का विकास करना

57. विद्यालय में प्रशासन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति है–
(A) प्राचार्य
(B) शिक्षा के निदेशक
(C) शिक्षा अधिकारी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

58. विद्यालय में धार्मिक त्यौहारों को मनाने के पीछे सिद्धान्त है–
(A) विभिन्न धर्मों के प्रति जागरूकता लाना
(B) सांस्कृतिक एकता की भावना का विकास करना
(C) सामाजिक सद्भाव लाना
(D) उपर्युक्त सभी

59. आपके पास एक कक्षा है, जिसमें छात्रों का कद विषम है. आप कैसी बैठक व्यवस्था करेंगे ?
(A) अनिश्चित
(B) छोटे कद के छात्रों को ऐसे बैठाएंगे, जहाँ से वे कक्षा की गति-विधियों को देख सकें
(C) शुद्ध रूप से कद के अनुसार
(D) लम्बे छात्रों को एक तरफ बैठाएंगे

60. "प्रकृति के अनुरूप" शिक्षित करने का अर्थ है–
(A) जीवन के प्राकृतिक तरीकों की ओर लौटना

(B) मानव विकास के प्राकृतिक नियमों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करना

(C) प्राकृतिक नियमों का अध्ययन करना और उनका शैक्षिक प्रक्रिया में प्रयोग करना

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

61. शिक्षक को छात्रों से कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

(A) पिता की तरह

(B) मित्र की तरह

(C) सामान्य

(D) बड़ों की तरह

62. शिक्षक में आत्मविश्वास की आवश्यकता है, जब वह–

(A) जनसमूह से बातचीत करें

(B) रास्ते पर चल रहा हो

(C) अपनी कक्षा में अध्यापन कर रहा हो

(D) अपने माता-पिता से बातचीत करें

63. एक शिक्षक को प्रभावशाली शिक्षक माना जाता है, जब वह–

(A) विशिष्ट विधियों का उपयोग करें

(B) विविध प्रकार के अधिगम अनुभवों का चयन करें

(C) एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रखता हो

(D) परीक्षा में छात्रों का पास-प्रतिशत ऊँचा बनाए रखे

64. आपकी कक्षा में कुछ छात्र विशेष रूप से मंदग्राही हैं. आप करना पसंद करेंगे–

(A) उन्हें अलग से पढ़ाएंगे

(B) उन्हें सामान्य छात्रों के साथ अधिगम की अनुमति देंगे

(C) उन्हें निचली कक्षा में अवनत करेंगे

(D) विशेष अधिगम कार्यक्रम की व्यवस्था करेंगे

65. स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार द्वारा स्थापित किए जाने वाले पहले शिक्षा आयोग के अध्यक्ष थे--

(A) डॉ. राधाकृष्णन

(B) डॉ. जाकिर हुसैन

(C) डॉ. डी. एस. कोठारी

(D) डॉ. मुदालियर

66. एक व्यक्ति की बुद्धिमत्ता की उपयुक्त परिभाषा है--

(A) उसके सीखे गए व्यवहार की गुणवत्ता

(B) जीन की निर्धारित गुणवत्ता

(C) एक प्रकृति प्रदत्त व्यवहार जो व्यक्ति में निहित हो

(D) एक स्थिर और अपरिवर्तनीय व्यवहार की गुणवत्ता

67. क्या राष्ट्रीय मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के सम्बन्ध में नहीं है ?

(A) यह वर्ष 2000-2001 से परिचालित हो रहा है

(B) यह प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लक्ष्यों पर केन्द्रित है

(C) यह सतत् विकास के लिए शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायक है

(D) यह बालकों में कुपोषण की समस्या के हल के सम्बन्ध में है

68. कुछ छात्र ऐसे कोई लक्षण नहीं दिखाते, जिससे ये पता चले कि वे समझ रहे हैं. ऐसे में आप क्या नहीं करेंगे ?

(A) उन पर और वक्त बरबाद करना

(B) उन्हें पढ़ने के लिए और अभिप्रेरित होना

(C) अधीर होना पर तथ्यों को सरलीकृत करना

(D) उन्हें कोसना

69. विद्यार्थियों से सौहार्द स्थापित के लिए आपको करना चाहिए–

(A) उनसे लोकतान्त्रिक तरीके से व्यवहार किया जाए

(B) उन्हें मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए

(C) संप्रेषण की योग्यता होनी चाहिए

(D) उपर्युक्त सभी

70. यदि आप माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए एक पुस्तक लिखने की तैयारी कर रहे हैं, इस दिशा में आपके मुख्य विचार हैं–

(A) इसमें बहुत से रंगीन चित्र होने चाहिए

(B) यह विषय पर नवीनतम सामग्री प्रदान करता है

(C) यह तार्किक रूप से सम्पूर्ण विषय को सम्मिलित करता हो

(D) इसमें चिकने पन्ने और उत्तम जिल्द हो

71. बच्चे सर्वोत्तम सीखते हैं जब–

(A) उन्हें व्याख्यान विधि द्वारा संलग्न रखा जाए

(B) शिक्षक जानकार हो

(C) छात्र अभिप्रेरित और प्रवृत्त हो

(D) शिक्षक अच्छा पढ़ाएँ

72. एक शिक्षक छात्रों का कुशल मार्गदर्शन कर सकता है, क्योंकि–

(A) छात्र शिक्षक की आज्ञा मानते हैं

(B) छात्रों का वह बॉस होता है

(C) छात्र उससे डरते हैं

(D) वह छात्रों का मनोविज्ञान समझता है

73. शाला प्रबन्धन से जुड़े लोगों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि–

(A) सामाजिक माँगों का सामंजस्य छात्रों की आवश्यकता से करें

(B) छात्र का सामंजस्य समाज की माँगों के अनुसार करें

(C) मानव व्यवहार को सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप बदलना

(D) छात्र को समाज में परिवर्तन लाने हेतु तैयार करना

74. इनमें से क्या NCERT का कार्य नहीं है ?

(A) शिक्षक और विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करना और उसका प्रकाशन करना

(B) शिक्षा के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान कार्य का आरम्भ, संगठन और सशक्तिकरण

(C) विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को अनुदान की स्वीकृति प्रदान करना

(D) प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में सुधार करना

75. प्राचीन भारतीय शिक्षक मनोवैज्ञानिक तथ्यों की सहायता से शिक्षण करते थे. उन्होंने किसका महत्व समझाया ?

(A) शिक्षण की कॉनवेंट पद्धति

(B) सीखने, सिखाने में संवेदना और प्रत्यक्षीकरण

(C) गुरुकुल पद्धति

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

76. किसी कार्य को आरम्भ करने, जारी रखने और नियमित बनाने की प्रक्रिया को कहते हैं–

(A) समायोजन (B) प्रेरणा

(C) चिन्तन (D) अभिवृत्ति

77. एक शिक्षक के नाते, इनमें से किस व्यवहार को आप गम्भीर मामला समझेंगे ?

(A) यदि एक छात्र बहुत से प्रश्न करता है

(B) यदि वह अपना गृह कार्य नहीं करता

(C) यदि जब आप पढ़ा रहें हों, वह दूसरे छात्र से बातें करता है

(D) पढ़ाई में सुस्त है

78. शिक्षक का कक्षा में व्यवहार अच्छा होना चाहिए, क्योंकि–

(A) यह छात्रों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करता है

(B) छात्र अधिक ध्यान देंगे

(C) सीखने के लिए उचित वातावरण तैयार होगा

(D) छात्र इसकी प्रशंसा करेंगे

79. समीर एक शर्मीला छात्र है. शिक्षक का उसके प्रति सर्वथा उपर्युक्त व्यवहार क्या होना चाहिए ?

(A) उसे कक्षा कक्ष गतिविधि में किसी एक समूह का प्रतिनिधि बनाता है

(B) उसे व्यक्तिगत रूप से ध्यान में रखता है और अक्सर उससे बातें करता है

(C) किसी विशेष परिस्थिति में उसके व्यवहार से सम्बन्धित प्रश्न पूछता है

(D) उसे नजरअंदाज करता है

80. विद्यालय में एक शिक्षक छात्रों/छात्राओं को स्वच्छता कार्यों में शामिल करता है. यह सूचक है–

(A) मूल्य विकास की गतिविधि

(B) समुदाय आधारित गतिविधि

(C) सामाजिक जागरूकता गतिविधि

(D) पर्यावरण जागरूकता गतिविधि

चतुर्थ भाग

सामान्य हिन्दी

81. "तुलसीदास–हिन्दी के महाकवि–को कौन नहीं जानता", इस कथन में 'तुलसीदास' तथा 'महाकवि' शब्द के बाद किस विराम चिह्न का प्रयोग हुआ है ?

(A) अपूर्ण सूचक चिह्न

(B) लाघव चिह्न

(C) संयोजक चिह्न

(D) निर्देशक चिह्न

82. निम्नलिखित शब्द-युग्मों में कौनसा युग्म पर्यायवाची शब्दों का सही मेल है ?

(A) चाँदी–मोषक

(B) कुंभिल–जातरूप

(C) कृपा–असृत

(D) ऊँट–क्रमेलक

83. निम्नांकित वाक्यों में अशुद्ध वाक्य कौनसा है ?

(A) एक बालक, पाँच पुरुष और सात बालिकाएँ रामायण पढ़ रहे हैं

(B) जुलाहा, कुम्हार, बनिया, सँपेरा और धोबिन गाँव को जा रहे हैं

(C) साधु-संन्यासी, तपस्वी, ब्रह्मचारी, वानप्रस्थी, भीड़ की भीड़ यज्ञमंडप की ओर जा रही थी

(D) उपर्युक्त तीनों वाक्य अशुद्ध हैं

84. नीचे दिए गए वाक्यों में संयुक्त वाक्य कौनसा है ?

(A) पेड़ के जीवन का आधार केवल पानी ही नहीं है, वरन् कई और पदार्थ भी हैं

(B) जो मनुष्य धनवान होता है, उसे सभी चाहते हैं

(C) मैं जिस दुकान में गया था, उसमें पुस्तक नहीं मिली

(D) काम सीखा हुआ नौकर कठिनाई से मिलता है

85. निम्नांकित में किस मुहावरे में अनुपयुक्त शब्द का प्रयोग किया गया है ?

(A) अपनी रोटी अलग पकाना

(B) अंधे का डंडा

(C) जले पर मिर्च छिड़कना

(D) उपर्युक्त तीनों में

86. "(अ) प्रकरणांतर एवं (ब) दुःसमता लेखन कला के दोष हैं." इस कथन में–

(A) (अ) सही (ब) सही है

(B) (अ) सही (ब) गलत है

(C) (अ) गलत (ब) सही है

(D) (अ) गलत (ब) गलत है

87. "मनुष्य आँखों से देखते हैं, कानों से सुनते हैं और बुद्धि से विचार करते हैं." इस वाक्य में प्रयुक्त 'से' विभक्तियाँ क्रमशः किन कारकों का प्रतिनिधित्व करती हैं ?

(A) करण, अपादान, अपादान

(B) अपादान, करण, करण

(C) करण, करण, करण

(D) अपादान, अपादान, अपादान

88. 'कवि', 'चकमक', 'तेंदुआ', 'बच्चा' के लिए शब्द-प्रकार अन्तर्गत निम्नांकित में कौनसा विकल्प उपर्युक्त शब्द क्रमानुसार सही है ?

(A) तत्सम, विदेशी, देशज, तद्भव

(B) तत्सम, देशज, विदेशी, तद्भव

(C) तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी

(D) तत्सम, विदेशी, तद्भव, देशज

89. निम्नांकित में मुहावरा नहीं है–

(A) काँटे बिछाना

(B) गले मढ़ना

(C) आँधी के आम

(D) उपर्युक्त तीनों

90. यदि 'आ' के आगे 'ऋ' रहे तो दोनों के मेल से 'अर' हो जाता है. संधि के अन्तर्गत इस विकार को क्या कहते हैं?

(A) दीर्घ स्वयं संधि

(B) गुण स्वर संधि

(C) वृद्धि स्वर संधि

(D) यण स्वर संधि

पंचम भाग

General English

91. 'You'd rather go……

Choose the correct question tag for the above sentence.

(A) would you ?

(B) wouldn't you ?

(C) hadn't you ?

(D) had you ?

92. Choose the incorrect synonym for 'sure'—

(A) Confident (B) Convinced

(C) Positive (D) Surreal

93. 'Are you supposing I'm going to take you out ?

In the above sentence the underlined words 'supposing' and 'going' are used as—

(A) gerund and continuous tense form

(B) continuous tense form and gerund

(C) both are used as continuous tense form

(D) both are used as gerunds

94. The one word substitution for 'to give somebody the wrong idea or impression and make them believe something that is not true' is—

(i) mislead

(ii) deceive

Choose the most appropriate answer—

(A) Only (i) is correct

(B) Only (ii) is correct

(C) Both (i) and (ii) are correct

(D) None of the above is correct

Directions—(Q. 95–97) Read the following passage and answer the questions.

The four elements of sportsmanship are often shown being good form, the will to win, equity and fairness. All four elements are critical and a balance must be found among all four for true sportsmanship to be illustrated. These elements may also cause

conflict as a person may desire to win more than play in equity and fairness and thus resulting in a clash within the aspects of sportsmanship. This will cause problems as the person believe they are being a good sportsman but they are defeating the purpose of this idea as they are ignoring two key components of being sportsman like. When athletes become too self-centred, the idea of sportsmanship is dismissed.

Today's sporting culture, in particular the base of elite sport, places great importance on the idea of competition and wining and thus sportsmanship takes a back seat as a result. In most, if not all sports, sportsman at the elite level make the standards on sportsmanship and no matter whether they like it or not, they are seen as leaders and role models in society.

95. Is it necessary to strike a balance between all four elements of sportsmanship ?
(Choose the most appropriate answer)
(A) No
(B) Yes
(C) Any two can be balanced
(D) Only one is sufficient

96. When does the spirit of sportsmanship die ?
(Choose the most appropriate answer)
(A) When the sportsman becomes too self centred
(B) When the player loses the will to play
(C) When the sportsman behaves badly
(D) None of the above

97. Why has sportsmanship taken a back seat today ?
(Choose the most appropriate answer)
(A) Due to lack of balance between the elements
(B) Due to drug abuse
(C) Due to the emphasis on winning
(D) None of the above

Directions—(Q. 98–100) In each question there is a passage of six sentences the first and the sixth are given in the beginning. The middle four sentences in each have been jumbled up and labelled PQRS. Find out the proper order for the four sentences.

(Choose the most appropriate logical order).

98. S1 : I usually sleep quite well in train, but this time I slept only a little.
S6 : It was shut all night, as usual.
P : Most people wanted it shut and I wanted it open
Q : As usual, I got angry about the window.
R : The quarrel left me completely upset
S : There were too many people too much huge luggage all around.
Choose the most appropriate answer—
(A) RSQP (B) SQPR
(C) SQRP (D) RSPQ

99. S1 : The heart is pump of life.
S6 : All this was made possible by the invention of heart lung machine.
P : They have even succeeded in heart transplants.
Q : Nowadays surgeon's are able to stop a patient's heart and carryout complicated operations.
R : A few years ago it was impossible to operate on a patient whose heart was not working properly.
S : If heart stops we die in about five minutes.
Choose the most appropriate answer—
(A) SRQP (B) SPRQ
(C) SQPR (D) SRPQ

100. S1 : Once king Shantanu met a young and beautiful fisher girl.
S6 : Devavrata, the king's son, asked him the reason of his sadness.
P : He went to the fisherman and asked him for her hand in marriage.
Q : The king was extremely sad and returned to his palace.
R : He fell in love with fisher girl.
S : The fisherman agreed to it on condition that the son of his daughter should be heir to the throne of Hastinapur
Choose the most appropriate answer—
(A) PQRS (B) PSQR
(C) QSPR (D) RPSQ

उत्तर व्याख्या सहित

सामान्य मानसिक योग्यता

1. (C)

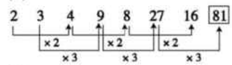

2. (D)

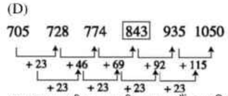

3. (D) अन्य सभी शाकाहारी जानवर हैं, जबकि चीता एक माँसाहारी जानवर है.

4. (B) अन्य सभी शहर किसी एक राज्य की राजधानी हैं, जबकि चण्डीगढ़, दो राज्य पंजाब तथा हरियाणा दोनों की राजधानी है तथा चण्डीगढ़ एक केन्द्रशासित प्रदेश है.

5. (D)

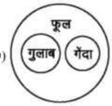

6. (A) $(3)^3 \rightarrow 27 \neq 21$
$(5)^3 \rightarrow 125$
$(7)^3 \rightarrow 343$
$(10)^3 \rightarrow 1000$

7. (*)

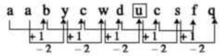

शृंखला में '*z*' के स्थान पर '*a*' आना चाहिए. अतः प्रश्न गलत है.

8. (A)

9. (A) 2 3 5 8 12 17 [23]
+1 +2 +3 +4 +5 +6

10. (B) c g g k m q s [w]
3 7 7 11 13 17 19 23
सभी अक्षरों के संख्यात्मक मान अभाज्य संख्याएँ हैं.

11. (D) c e [e] g k m q s
3 5 5 7 11 13 17 19
सभी अक्षरों के संख्यात्मक मान अभाज्य संख्याएँ हैं.

12. (C) 13. (D) 14. (B)

15. (A) जिस प्रकार,
$9 \times 2 + 17 \times 3 \rightarrow 18 + 51 \rightarrow 69$
तथा
$13 \times 2 + 11 \times 3 \rightarrow 26 + 33 \rightarrow 59$
उसी प्रकार,
$? \times 2 + 13 \times 3 = 49$
$? \times 2 + 39 = 49$
$? \times 2 = 10$
$? = 5$

16. (B) जिस प्रकार,
J R ↓ ↓ $\frac{10+18}{2} = \frac{28}{2} = 14$, C R ↓ ↓ $\frac{3+11}{2} = \frac{14}{2} = 7$
तथा
T X ↓ ↓ $\frac{20+24}{2} = \frac{44}{2} = 22$, O S ↓ ↓ $\frac{15+19}{2} = \frac{34}{2} = 17$
उसी प्रकार
P V ↓ ↓ $\frac{16+22}{2} = \frac{38}{2} = 19$, K M ↓ ↓ $\frac{11+13}{2} = \frac{24}{2} = 12$

17. (D) 312 → study very hard ...(1)
514 → hard work pays ...(2)
357 → study and work ...(3)
समीकरण 1,2 व 3 से
Study → 3, hard → 1
तब, very → 2

18. (B) जिस प्रकार,
H O → (विपरीत, +1) → M T; U → (विपरीत) → F; S E → (विपरीत, +1) → W I
उसी प्रकार,
W A → (विपरीत, +1) → A E; T → (विपरीत) → G; E R → (विपरीत, +1) → J W

19. (A) 20. (B)

21. (D) जिस प्रकार,
E + A = F
5 + 1 = 6
तथा J + C = M
10 + 3 = 13
उसी प्रकार, O + B = [Q]
15 + 2 = 17

22. (C) 23. (B)

24. (A)
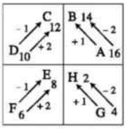

25. (C) 25 + 79 − 5 × 4 ÷ 7
↓ ↓ ↓ ↓
= 25 × 79 ÷ 5 − 4 + 7
= 395 − 4 + 7
= 398

26. (D) 6 + 3 × 8 − 24 ÷ 2 = 5
↓ ↓
6 + 3 × 8 ÷ 24 − 2 = 5
6 + 1 − 2 = 5
5 = 5

27. (C)

28. (C) जिस प्रकार,
P R I N T
↓ ↓ ↓ ↓ ↓
16 18 9 14 20
↓ ↓ ↓ ↓ ↓
7 9 9 5 2
G I I E B
उसी प्रकार,
W A T E R
↓ ↓ ↓ ↓ ↓
23 1 20 5 18
↓ ↓ ↓ ↓ ↓
5 1 2 5 9
E A B E I

29. (D) 1 बिन्दु —विपरीत→ 2 बिन्दु
3 बिन्दु —विपरीत→ 5 बिन्दु
4 बिन्दु —विपरीत→ 6 बिन्दु

30. (C)

सामान्य ज्ञान

31. (D) 32. (C) 33. (D) 34. (C) 35. (B)
36. (C) 37. (A) 38. (B) 39. (D) 40. (C)
41. (C) 42. (*) 43. (A) 44. (B) 45. (A)
46. (B) 47. (D) 48. (C) 49. (C) 50. (C)

शिक्षण अभिरुचि

51. (C) 52. (D) 53. (A) 54. (C) 55. (B)
56. (B) 57. (A) 58. (D) 59. (B) 60. (B)
61. (B) 62. (C) 63. (B) 64. (D) 65. (A)
66. (D) 67. (A) 68. (D) 69. (D) 70. (C)
71. (C) 72. (D) 73. (D) 74. (C) 75. (C)
76. (D) 77. (C) 78. (C) 79. (B) 80. (D)

सामान्य हिन्दी

81. (D) 82. (D) 83. (A) 84. (A) 85. (D)
86. (A) 87. (C) 88. (A) 89. (C) 90. (B)

General English

91. (B) 92. (D) 93. (C) 94. (C) 95. (B)
96. (A) 97. (C) 98. (B) 99. (A) 100. (D)

●●●

शेष पृष्ठ 148 का

33. (B) जिस प्रकार,
D I C T A T E
↓+1 ↓+1 ↓+1 ↓+1 ↓+1 ↓+1 ↓+1
E J D U B U F
उसी प्रकार,
N A T I O N
↓+1 ↓+1 ↓+1 ↓+1 ↓+1 ↓+1
[O B V J P O]

34. (B)

35. (B) A B : Z Y C D : X W
विपरीत विपरीत
E F : U V G H : T S
विपरीत विपरीत
अत: EF : UV असंगत है.

36. (D) E G K M [P] S (Q)
+2 +4 +2 +4 +2
P के स्थान पर Q आएगा.
अत: P असंगत है.

37. (D)

38. (C)
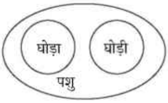

39. (C)
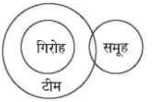

अत: केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

40. (B) अन्य सभी समानार्थी शब्द हैं.

●●●

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लेखा वर्ष 2018-19 के लिए कितनी राशि लाभांश के रूप में सरकार को उपलब्ध कराई जाएगी ?
   (A) ₹ 52637 करोड़
   (B) ₹ 1·23 लाख करोड़
   (C) ₹ 1·76 लाख करोड़
   (D) ₹ 2·16 लाख करोड़

2. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आर्थिक पूँजी (Economic Capital Framework) के निर्धारण के सम्बन्ध में सुझाव देने के लिए निम्नलिखित में से किसकी अध्यक्षता में समिति का गठन रिजर्व बैंक द्वारा किया गया था, जिसने अपनी रिपोर्ट अगस्त 2019 में प्रस्तुत की है ?
   (A) उर्जित पटेल
   (B) उषा थोराट
   (C) बिमल जालान
   (D) एस. एस. मुंद्रा

3. डॉ. सुबीर गोकर्ण, जिनका निधन जुलाई 2019 में हुआ है, निम्नलिखित में से किस संस्था में भारत द्वारा नामित कार्यकारी निदेशक थे ?
   I. विश्व बैंक
   II. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
   सही उत्तर निम्नलिखित में से छाँटिए–
   (A) केवल I
   (B) केवल II
   (C) I व II दोनों
   (D) न तो I और न ही II

4. फ्रांस की क्रिस्टीना लगार्ड निम्नलिखित में से किस संस्था की प्रमुख थीं, जिस पद से उन्होंने त्यागपत्र जुलाई 2019 में दिया है ?
   (A) विश्व बैंक
   (B) यूरोपीय केन्द्रीय बैंक
   (C) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
   (D) विश्व व्यापार संगठन

5. कृषि मंत्रालय द्वारा अगस्त 2019 में जारी किए गए चौथे अग्रिम अनुमानों में 2018-19 में देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन कितना अनुमानित किया गया है ?
   (A) 185 मिलियन टन
   (B) 215 मिलियन टन
   (C) 285 मिलियन टन
   (D) 315 मिलियन टन

6. कृषि मंत्रालय के चौथे अग्रिम अनुमानों में 2018-19 में देश में तिलहनों का कुल उत्पादन कितना अनुमानित है ?
   (A) 12 मिलियन टन
   (B) 22 मिलियन टन
   (C) 32 मिलियन टन
   (D) 42 मिलियन टन

7. कृषि मंत्रालय के चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2018-19 में निम्नलिखित में से किस उपज का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहा है ?
   (A) गेहूँ (B) चावल
   (C) गन्ना (D) ये सभी

8. भारत में निम्नलिखित में से किस उपज का उत्पादन रबी व खरीफ दोनों के तहत् ही प्राप्त किया जाता है.
   (A) चावल (B) ज्वार
   (C) मक्का (D) ये सभी

9. कोसी-मेची लिंक परियोजना निम्नलिखित में से किस राज्य की 'नदी जोड़ों' परियोजना है ?
   (A) बिहार (B) मध्य प्रदेश
   (C) राजस्थान (D) छत्तीसगढ़

10. निम्नलिखित में से कौनसा बैंक पेमेंट्स बैंक के रूप में देश में कार्यरत् है ?
    (A) एयरटेल पेमेंट्स बैंक
    (B) इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक
    (C) पेटीएम पेमेंट्स बैंक
    (D) उपर्युक्त सभी

11. बैंकों में निम्नलिखित में से कौनसा खाता माँग जमाओं (Demand Deposit) की श्रेणी में आता है ?
    1. बचत खाता
    2. आवर्ती जमा खाता
    3. चालू खाता
    4. स्व-सावधि जमा खाता
    निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर छाँटिए–
    (A) केवल 1
    (B) केवल 1 व 2
    (C) केवल 1 व 3
    (D) 1, 2, 3 व 4

12. भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति में कितने सदस्य हैं ?
    (A) 3 (B) 6
    (C) 9 (D) 11

13. भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर डॉ. विरल आचार्य इस बैंक की मौद्रिक नीति के सदस्य थे. डॉ. आचार्य के त्यागपत्र के पश्चात् बैंक के किस डिप्टी गवर्नर ने मौद्रिक नीति समिति में डॉ. विरल आचार्य का स्थान लिया है ?
    (A) एम. के. जैन
    (B) एन. एस. विश्वनाथन
    (C) बी. पी. कानूनगो
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. 2019-20 की तीसरी मौद्रिक नीति, जो अगस्त 2019 में घोषित की गई, में निम्नलिखित में से किस दर में 0·35 प्रतिशत बिन्दु की कटौती आरबीआई द्वारा की गई है ?
    1. रेपो दर
    2. रिवर्स रेपो दर
    3. बैंक दर
    4. सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर
    निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर छाँटिए–
    (A) केवल 1
    (B) केवल 1 व 2
    (C) केवल 1, 2 व 3
    (D) 1, 2, 3 व 4 सभी

15. अगस्त 2019 की मौद्रिक नीति के पश्चात् देश में बैंकों के लिए रेपो दर कितनी हो गई है ?
    (A) 4·40 प्रतिशत
    (B) 4·65 प्रतिशत
    (C) 5·40 प्रतिशत
    (D) 5·65 प्रतिशत

16. केन्द्र सरकार की सौभाग्य योजना का सम्बन्ध किससे है ?
    (A) विधवा पेंशन
    (B) कन्या शिक्षा
    (C) सभी घरों में एलपीजी की आपूर्ति
    (D) सभी घरों में विद्युत् आपूर्ति

17. 66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के तहत् 2018 की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार फिल्म हेल्लारो को दिया गया है. यह फिल्म किस भाषा की है ?
    (A) हिन्दी (B) कन्नड़
    (C) गुजराती (D) सिंधी

18. उपर्युक्त राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के तहत् सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार आदित्य धर को दिया गया है. यह पुरस्कार उन्हें किस फिल्म के उत्कृष्ट निर्देशन के लिए दिया गया है ?

(A) उड़ी : द सर्जिकल स्ट्राइक (हिन्दी)
(B) पानी (मराठी)
(C) बधाई हो (हिन्दी)
(D) महांति (तेलुगु)

19. निम्नलिखित में से किस राज्य ने जनसंख्या रजिस्टर सर्वप्रथम तैयार किया है ?
(A) त्रिपुरा
(B) असम
(C) अरुणाचल प्रदेश
(D) केरल

20. निम्नलिखित देशों को जीडीपी के घटते क्रम में (सबसे अधिक से सबसे कम) चिह्नित कीजिए–
1. अमरीका 2. जापान
3. चीन 4. जर्मनी
निम्नलिखित में से सही उत्तर छाँटिए–
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 3, 2, 4
(C) 1, 3, 4, 2 (D) 3, 1, 4, 2

21. निम्नलिखित में से कौन भारत के नए वित्त सचिव अगस्त 2019 में बनाए गए हैं ?
(A) अजय कुमार अग्रवाल
(B) राजीव कुमार
(C) मुकुंद नरवाने
(D) सुभाष चंद्र गर्ग

22. निम्नलिखित में से किसे संसद की लोक लेखा समिति (Public Accounts Committee –PAC) का चेयरमैन अगस्त 2019 में बनाया गया है ?
(A) मल्लिकार्जुन खड़गे
(B) शरद पवार
(C) अधीर रंजन चौधरी
(D) गीता कोडा

23. निम्नलिखित में से किसे यूरोपीय केन्द्रीय बैंक (ECB) के अध्यक्ष पद हेतु मनोनीत किया गया है ?
(A) क्रिस्टीन लगार्ड
(B) मारियो ड्राघी
(C) जेंस स्टोनटेलबर्ग
(D) जेवियर सोलाना

24. भारतीय पत्रकार रवीश कुमार, जिन्हें वर्ष 2019 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से अगस्त 2019 में सम्मानित किया गया है, निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध हैं ?
(A) आज तक (B) इंडिया टुडे
(C) ईटीवी (D) एनडीटीवी

25. भारत की सातवीं आर्थिक गणना की शुरुआत किस राज्य से की गई है ?
(A) असम
(B) नगालैण्ड
(C) त्रिपुरा
(D) अरुणाचल प्रदेश

26. 2019-20 में देश के जीडीपी में वृद्धि कितने प्रतिशत रहने का रिजर्व बैंक का ताजा (अगस्त 2019 का) पूर्वानुमान है ?
(A) 6·9 प्रतिशत (B) 7·1 प्रतिशत
(C) 7·4 प्रतिशत (D) 7·6 प्रतिशत

27. 'इरडा' (IRDA) निम्नलिखित में से किस क्षेत्र के लिए नियामक निकाय है ?
(A) दूरसंचार (B) बीमा
(C) मोटर वाहन (D) सिनेमा

28. शब्द संक्षेप 'इरडा' (IRDA) में D किसे व्यक्त करता है ?
(A) डिपार्टमेन्ट
(B) डिपॉजिटरी
(C) डेवलपमेंट
(D) डोमेस्टिक

29. 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2019) में डॉलर मूल्य में निम्नलिखित में से किसमें ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई है ?
I. वस्तुगत आयात
II. वस्तुगत निर्यात
निम्नलिखित में से सही उत्तर छाँटिए–
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I व II दोनों
(D) न तो I तथा न ही II

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–
(A) चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 में केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा लक्षित सीमा तक प्राप्त कर लिए जाने की सम्भावना है.
(R) अप्रैल, जून व अगस्त 2019 में रेपो दर में लगातार कटौतियाँ आरबीआई ने की हैं.

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है
(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R) कथन (A) की व्याख्या नहीं है
(C) कथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है
(D) कथन (A) गलत है, परन्तु कारण (R) सही है

उत्तरमाला

1.	(B)	2. (C)	3. (B)	4. (C)	5. (C)
6.	(C)	7. (D)	8. (D)	9. (A)	10. (D)
11.	(C)	12. (B)	13. (C)	14. (D)	15. (C)
16.	(D)	17. (C)	18. (A)	19. (B)	20. (B)
21.	(B)	22. (C)	23. (A)	24. (D)	25. (C)
26.	(A)	27. (B)	28. (C)	29. (C)	30. (B)

●●●

शेष पृष्ठ 19 का

किया गया था. इस सूची में नाम शामिल करने के लिए आवेदन मई-अगस्त 2015 के दौरान स्वीकार किए गए थे.

पाँच अन्य राज्यों में नए राज्यपाल

6 राज्यों के लिए नए राज्यपालों की नियुक्तियों के एक माह पश्चात् ही पाँच अन्य राज्यों के लिए नए राज्यपाल राष्ट्रपति भवन से 1 सितम्बर, 2019 को जारी अधिसूचना के तहत् नियुक्त किए गए हैं. इनमें केरल, महाराष्ट्र, तेलंगाना, राजस्थान व हिमाचल प्रदेश शामिल हैं. इनमें राजस्थान के लिए वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्र का स्थानांतरण शामिल है. उन्होंने जुलाई 2019 में ही हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया था. उन्हें अब राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया है.

कलराज मिश्र : राजस्थान के नए राज्यपाल

डॉ. टी. सुंदरराजन : तेलंगाना की नई राज्यपाल

इसके अतिरिक्त पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान, जो कांग्रेस छोड़कर 2007 में भाजपा में शामिल हुए थे, को केरल का उत्तराखण्ड के पूर्व भाजपाई मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी को महाराष्ट्र का, तमिलनाडु भाजपा की अध्यक्ष डॉ. टी. सुंदर राजन को तेलंगाना तथा आन्ध्र प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रमुख बंडारू दत्तात्रेय को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है. इन सभी पाँच राज्यपालों के नाम एक दृष्टि में निम्नलिखित हैं–

राज्य	राज्यपाल
राजस्थान	कलराज मिश्र
केरल	आरिफ मोहम्मद खान
महाराष्ट्र	भगत सिंह कोश्यारी
तेलंगाना	डॉ. टी. सुंदरराजन
हिमाचल प्रदेश	बंडारू दत्तात्रेय

●●●

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 9 वर्षीय बालिका वैलिन्टिना एलैगंबाम निम्न में से किस कारण से अगस्त 2019 में समाचारों की सुर्खियों में थी ?
(A) उसे मणिपुर के 'मुख्यमंत्री की हरित मणिपुर मिशन योजना' का ब्राण्ड एम्बेसडर नियुक्त किया गया
(B) उसने तैराकी में नए कीर्तिमान स्थापित किए
(C) उसने एक ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित करने में सफलता प्राप्त की, जो पादपों में बीमारियों को खोजने में सहायक है
(D) उसने सफलतापूर्वक वाहन चालक लाइसेंस परीक्षा उत्तीर्ण की

2. 73वें स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त, 2019) पर भारत में राज्यों की संख्या कितनी थी ?
(A) 26 (B) 27
(C) 28 (D) 29

3. निम्न में किस फीचर फिल्म को 9 अगस्त, 2019 को घोषित 66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई ?
(A) अंधाधुन
(B) उड़ी : द सर्जीकल स्ट्राइक
(C) हेल्लारो
(D) पद्मावत

4. आस्ट्रेलिया के ला ट्रोबे विश्वविद्यालय द्वारा निम्न में से किस भारतीय फिल्म अभिनेता के नाम पर 'ला ट्रोबे यूनिवर्सिटी पी-एच.डी. स्कॉलरशिप' दिए जाने की घोषणा की गई ?
(A) शाहरूख खान
(B) आमिर खान
(C) सलमान खान
(D) अक्षय कुमार

5. भारतीय संसद द्वारा पारित तथा राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के प्रावधान किस दिनांक से प्रभावी हैं ?
(A) 9 अगस्त, 2019
(B) 15 अगस्त, 2019
(C) 2 अक्टूबर, 2019
(D) 31 अक्टूबर, 2019

6. महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के समारोहों की शृंखला में भारत सरकार के किस मंत्रालय द्वारा 'इण्डिया फॉर ह्यूमैनिटी' पहल प्रारम्भ की गई है ?
(A) गृह मंत्रालय
(B) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
(C) विदेश मंत्रालय
(D) संस्कृति मंत्रालय

7. विश्व के महासागरों की तलहटी में छुपी सम्पदा की खोज हेतु 'फाइव डीप' नामक मिशन प्रारम्भ किया जा रहा है. यह मिशन निम्न में से किस स्थल की खोज करेगा ?
I. प्रशान्त महासागर में 'चैलेंजर द्वीप'
II. हिन्द महासागर में 'जाना ट्रेंच'
III. आर्कटिक महासागर में 'मोलोय द्वीप'
IV. एटलांटिक महासागर में 'प्यूर्टोरिको ट्रेंच'
V. दक्षिणी महासागर में 'साउथ सैण्डविच ट्रेंच'
इनमें से सही कूट है–
(A) केवल I, II, III एवं IV
(B) केवल II, III, IV एवं V
(C) केवल III, IV एवं V
(D) I, II, III, IV एवं V सभी

8. विश्व की 137 फुट ऊँची प्रतिमा 'चेनरेजिंग' कहाँ स्थापित की गई है ?
(A) सिक्किम (B) तेलंगाना
(C) आंध्र प्रदेश (D) बिहार

9. 2019 में फिर से सत्ता में आई राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार ने विकास के कतिपय लक्ष्य निर्धारित किए हैं–
I. सकल घरेलू-उत्पाद में विनिर्माणी क्षेत्रक का हिस्सा 17% से बढ़ाकर 2022 तक 25% करना.
II. 2022 तक किसानों की आय को बढ़ाकर दोगुना करना.
III. 2025 तक निर्यातों के मूल्य को बढ़ाकर दोगुना करना.
IV. 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ाकर 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर लाना.
इनमें से सही कूट है–
(A) केवल II
(B) केवल I, III एवं IV
(C) I, II, III एवं IV सभी
(D) केवल IV

10. केन्द्र सरकार ने 44 श्रम सन्नियमों को मिलाकर निम्न में से किन संहिताओं में संहिताबद्ध करने का निर्णय किया है ?
I. मजदूरी संहिता
II. औद्योगिक सम्बन्ध संहिता
III. सामाजिक सुरक्षा संहिता
IV. सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं काम करने की दशाएं संहिता
इनमें से सही कूट है–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल III एवं IV
(C) I, II, III एवं IV
(D) केवल I

11. संसद द्वारा पारित 'मजदूरी संहिता (Code on Wages 2019) के साथ ही निम्न में से किस कानून का निरसन किया गया है ?
I. मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936
II. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948
III. बोनस भुगतान अधिनियम, 1965
IV. समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976
इनमें से सही कूट है–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II
(C) I, II, III एवं IV सभी
(D) केवल I, II एवं III

12. 2019 के मध्य में किस देश के बैंकों ने शून्य ब्याज दर बंधक (Zero Interest Rate Mortgage) प्रदान किए जाने की घोषणा की है ?
(A) डेनमार्क (B) जापान
(C) कनाडा (D) स्वीडन

13. वैकल्पिक विवाद समाधान (Alternate Dispute Resolution) को न्यायालयों में बड़ी संख्या में लम्बित वादों की संख्या में कमी लाने का महत्वपूर्ण तरीका माना जा रहा है. इसके लिए निम्न में से किसका प्रयोग किया जाता है ?
I. पंचनिर्णय (Arbitration)
II. मध्यस्थता (Mediation)
III. समझौता (Conciliation)
IV. लोक अदालत (Public Court)
V. सौदेबाजी (Negotiations)
इनमें से सही कूट है–
(A) केवल I, II एवं III
(B) केवल IV
(C) केवल IV एवं V
(D) I, II, III, IV एवं V

14. 'स्मार्ट' (SMART) पुलिस सर्वेक्षण 2019) निम्न में से किसके द्वारा कराया गया ?
(A) गृह मंत्रालय, भारत सरकार

(B) नीति आयोग

(C) भारतीय गुणवत्ता परिषद्

(D) सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

15. 'स्वस्थ राज्य, उन्नत भारत' (Healthy States Progressive India) रिपोर्ट 2019 निम्न में से किसके द्वारा तैयार एवं जारी की गई ?

(A) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(B) नीति आयोग

(C) यूनीसेफ

(D) विश्व स्वास्थ्य संगठन

16. आधुनिक मौद्रिक सिद्धान्त निम्न में से किस नीति को अपनाए जाने का सुझाव देता है कि आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए सरकार को अपनाना चाहिए ?

(A) अतिरिक्त कराधान की बजाय नई करेन्सी छापनी चाहिए

(B) करारोपण के प्रसार की बजाय विदेशों से वाणिज्यिक उधार लेना चाहिए

(C) जमाओं पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बचतों को बढ़ाया जाना चाहिए

(D) स्फीतिकारी दौर में सार्वजनिक क्षेत्र में कोई भी नई परियोजना प्रारम्भ नहीं की जानी चाहिए

17. वैश्विक नवोन्मेष सूचकांक 2019 में भारत 5 स्थानों की छलांग लगाकर 52वें स्थान पर आ गया है. इसके लिए निम्न में से कौनसा कारक उत्तरदायी है ?

I. श्रम उत्पादकता संवृद्धि.

II. राजनीतिक एवं प्रचालनात्मक स्थायित्व.

III. वैश्विक शोध एवं विकास खर्च में बढ़ी हुई हिस्सेदारी.

IV. बौद्धिक सम्पदा की स्थिति में सुधार.

इनमें से सही कूट है—

(A) केवल III एवं IV

(B) केवल IV

(C) I, II, III एवं IV

(D) केवल I, II एवं III

18. भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए 'खुले में शौच मुक्त' (Open Defecation Free) प्लस' कार्यक्रम में निम्न में से कौनसा घटक शामिल नहीं है ?

(A) बायो-डिग्रेडेबुल कचरा प्रबन्धन

(B) प्लास्टिक कचरा प्रबन्धन

(C) प्लास्टिक के उत्पादन एवं बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध

(D) मल कीचड़ प्रबन्धन

19. मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 में किए गए कठोर दण्डात्मक प्रावधान निम्न में से किस दिनांक से प्रभावी हैं ?

(A) 1 अगस्त, 2019

(B) 1 सितम्बर, 2019

(C) 1 अक्टूबर, 2019

(D) 1 नवम्बर, 2019

20. 'उत्कर्ष (UTKARSH) 2022 का सम्बन्ध निम्न में से किस निकाय से है ?

(A) भारतीय रिज़र्व बैंक

(B) नीति आयोग

(C) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

(D) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्

21. आँकड़ों की सीमान्त लागत को कम करने में निम्न में से किसकी भूमिका नहीं है ?

(A) शासन प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर आँकड़ों के संग्रहण, भण्डारण एवं प्रसंस्करण हेतु दक्ष निकाय होना

(B) आँकड़ों संग्रहण में दक्षता

(C) आँकड़ों के रख-रखाव पर अपेक्षाकृत कम खर्च

(D) आँकड़ों के प्रसार का लागत रहित तरीका

22. पूरे वर्ष ग्रामीण परिवारों द्वारा अपनी अर्जित आय को स्थिर रखने तथा उपभोग को सुगम बनाने में निम्नलिखित में से किस कार्यक्रम द्वारा सहायता किए जाने की सराहना "दी स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एण्ड न्यूट्रीशन इन दी वर्ल्ड रिपोर्ट, 2019" में की गई है ?

(A) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम कार्यक्रम

(B) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम कार्यक्रम

(C) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

(D) मध्याह्न भोजन योजना

23. खाद्य सुरक्षा लाभों की संहवरणात्मकता (Portability) की अनुमन्यता देने वाली 'एक राष्ट्र एक राशन कार्ड' योजना सार्वभौमिक रूप से पूरे देश में कब से लागू किए जाने की घोषणा की गई है ?

(A) 2 अक्टूबर, 2019

(B) 1 जनवरी, 2020

(C) 1 अप्रैल, 2020

(D) 1 जुलाई, 2020

24. भारतीय संसद द्वारा पारित मजदूरी संहित 2019 में श्रमिकों को भुगतान की जाने वाली मजदूरी में निम्न में से किसे शामिल नहीं किया गया है ?

(A) मूल वेतन

(B) ओवर टाइम भत्ता

(C) महँगाई भत्ता

(D) मजदूरों को रोके रखे जाने (Retaining) भत्ता

25. निम्नलिखित में से कौनसी 'डिजिटल इण्डिया' कार्यक्रम की सर्वाधिक पुरानी तथा सफल पहल है ?

(A) डिजी लॉकर

(B) उमंग (UMANG)

(C) प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण (DBT)

(D) प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता मिशन

26. निम्न में से किस मीडियाकर्मी (जर्नलिस्ट) को एशिया के सर्वाधिक प्रतिष्ठित रेमन मेगसेसे पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया है ?

(A) राजदीप सरदेसाई

(B) शेखर गुप्ता

(C) रवीश कुमार

(D) बरखा दत्त

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A)

2. (D) यद्यपि संसद द्वारा जम्मू एवं कश्मीर को संविधान में प्रदत्त विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करते हुए जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 पारित करके जम्मू एवं कश्मीर का विघटन करके इसे जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख के नाम से दो केन्द्रशासित क्षेत्रों में विभाजित कर दिया गया है तथापि यह कानून 31 अक्टूबर 2019 से लागू किए जाने की अधिकृत अधिसूचना जारी की गई है. 31 अक्टूबर, 2019 के बाद भारत में राज्यों की संख्या 29 से घटकर 28 रह जाएगी जबकि केन्द्रशासित क्षेत्रों की संख्या 7 से बढ़कर 9 हो जाएगी.

3. (C) 4. (A) 5. (D) 6. (C) 7. (D)
8. (A) 9. (B) 10. (C) 11. (C) 12. (A)
13. (D) 14. (C) 15. (B) 16. (A) 17. (C)
18. (C) 19. (B) 20. (A) 21. (A) 22. (B)
23. (D) 24. (B) 25. (C) 26. (C)

●●●

New Release
UPKAR'S
Data Interpretation & Sufficiency
By : Haripal Rawat
Code No. 3024 ₹ 70/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
Website : www.upkar.in ● E-mail : care@upkar.in

इतिहास

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : तर्क दिया जाता है कि आरम्भिक ऐतिहासिक दक्षिण भारत में कवियों द्वारा किया गया गुणगान राजनीतिक सत्ता का आधार नहीं था.

कारण (R) : उक्त काल के कवि अपनी भौतिक खुशहाली के लिए राजाओं पर निर्भर होते थे.

उपर्युक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है.
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है.
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

2. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची-I (स्थान)
(a) किली गुल मुहम्मद
(b) डम्ब सादथ
(c) कालीबंगा
(d) राना गुंडाई

सूची-II (काल)
1. 3370–2530 BC
2. 4555–3885 BC
3. 2980–1865 BC
4. 4550–3165 BC

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	3	4	2	1
(D)	4	2	3	1

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : गुप्त काल को सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में प्रायः क्लासीकल युग कहा जाता है.

कारण (R) : गुप्त काल के कलात्मक आदर्शों की प्रशंसा करते हुए यह तर्क दिया जाता है कि यह एक ऐसा युग है जिसमें कलात्मक क्रियाकलापों का आश्चर्यजनक विकास देखने को मिला.

उपर्युक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है.
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है.
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

4. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
(a) काव्यदर्श	1. अभिनवगुप्त
(b) अष्टाध्यायी	2. पतंजलि
(c) महाभाष्य	3. पाणिनी
(d) तन्त्रलोक	4. दंडी

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	3	1
(B)	4	3	2	1
(C)	3	2	1	4
(D)	3	1	2	4

5. भरतपुर पुरातात्विक स्थल के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा वक्तव्य सही नहीं है ?

(A) यह पश्चिम बंगाल में स्थित है
(B) यह राजस्थान में स्थित है जहाँ से प्रवासी पक्षियों की हड्डियों के अवशेष मिले थे
(C) कालावधि I में मछली पकड़ने, शिकार करने और कृषि के साक्ष्य मिले हैं
(D) कालावधि II में लोहे और उत्तरी काले चमकदार मृदभांड के प्रयोग के साक्ष्य मिले हैं

6. चट्टानों और मुक्त रूप से खड़े स्तम्भों पर उत्कीर्ण लेखों के लोक प्रदर्शन की विधि भारतीय शासकों द्वारा निम्नलिखित में से किनके द्वारा अपनाई गई सम्बन्धित प्रथा का अनुकरण थी ?

(A) अखेमनी (B) यूनानी
(C) शक (D) पार्थियन

7. निम्नलिखित में से कौनसा छोटे सावधिक बाजारों तथा बड़े व्यापारिक केन्द्रों के बीच के स्थानीय विनिमय केन्द्र को इंगित करता है ?

(A) मंडपिका (B) तेवराम
(C) गण (D) अग्रहार

8. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची–I (लेखक)
(a) इरफान हबीब
(b) बी.बी. लाल
(c) आर.एच. मीडो
(d) मार्सिया ए. फेन्ट्रेस

सूची–II (लेख)
1. परहेप्स दि अर्लिएस्ट प्लाउड फील्ड सो फार एक्सकेवेटिड एनीह्वेयर इन दि वर्ल्ड
2. इमेजिनिंग रिवर सरस्वती–अ डिफेन्स ऑफ कॉमन सेंस
3. रीजनल इंटरेक्शन इन इंडस वैली अर्बेनाइजेशन
4. दि डोमेस्टिकेशन एण्ड एक्स-प्लायटेशन ऑफ प्लांट्स एण्ड एनिमल्स इन दि ग्रेटर इंडस वैली

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	2	4
(B)	4	1	2	3
(C)	2	1	3	4
(D)	2	1	4	3

9. निम्नलिखित में से कौनसा मिल के हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया के सम्बन्ध में सही नहीं है ?

(A) इसने भारत की पारम्परिक संस्थाओं को जड़ और पश्चगामी पाया
(B) मिल द्वारा किया गया विश्लेषण साम्राज्यिक सरकार के अनुकूल था
(C) यह हेलीबरी कॉलेज में भारतीय सिविल सेवा के ब्रिटिश अधिकारियों हेतु भारत के सम्बन्ध में एक पाठ्य-पुस्तक बनी
(D) इस पर ब्रिटिश उपयोगितावादी दर्शन का कोई असर नहीं था

10. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : ऐसा माना जाता है कि अजातशत्रु ने 493 ई. पू. में अपने पिता की हत्या की. उसने कौसल को अपने राज्य में मिला लिया, जबकि वहाँ का शासक उसका मामा था.

कारण (R) : मगध के बिम्बसार का पुत्र अजातशत्रु मगध का शासक बनने के लिए आतुर था और उसने अन्य क्षेत्रों को अपने राज्य में मिलाया.

उपर्युक्त दो वक्तव्यों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

11. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची–I (राज्य)

(a) अवन्ती

(b) गांधार

(c) चेदी

(d) वज्जि

सूची–II (भौगोलिक सीमा)

1. मध्य भारत का मालवा क्षेत्र
2. आधुनिक पेशावर और रावलपिंडी जिले तथा कश्मीर घाटी
3. मध्य भारत में बुंदेलखण्ड का पूर्वी भाग
4. नेपाल की पहाड़ियों तक गंगा का उत्तरी भाग

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	2	1	4
(D)	1	2	4	3

12. निम्नलिखित में से कौनसा गलत है ?

(A) लेखन के दैनंदिन कार्य बन जाने के बहुत दिनों बाद तक मौखिक परम्परा के प्रति मोह बना रहा

(B) भर्तृहरि ने घोषणा की थी कि समझ के पास वाक् रूप होता है. वाक् प्रकटीत जागरूकता सभी प्रकार के ज्ञान की नींव है

(C) इस प्रकार भारतीयों ने 'कंठस्थ' की अपेक्षा 'ग्रंथस्थ' को वरीयता दी

(D) नौवीं शताब्दि के लातिनी वैयाकरणों का विचार आदर्शक भारतीय विचारों से बिलकुल अलग था. इसलिए यूरोप में विद्वान व्यक्ति वह था जो 'लिटरेटस' अर्थात् पढ़ा-लिखा (लेटर्ड मैन) होता था

13. निम्नलिखित में से कौनसा मनुस्मृति में मिश्रित जातियों को दिए जाने वाले विभिन्न दर्जों के सम्बन्ध में सही नहीं है ?

(A) वर्ण व्यवस्था में एक दर्जा कम की पत्नी से जन्में बच्चों को द्विजों के भाग के रूप में स्वीकृति मिलती थी

(B) वर्ण दर्जे के हिसाब से दो या तीन डिग्री नीचे की महिला से जन्में बच्चों से शूद्रों में एक नया समूह निर्मित होता था

(C) यदि महिला का सम्बन्धित दर्जा पुरुष के दर्जे से ऊँचा होता था, तो ऐसे विवाह की संततियों को माता-पिता के दर्जों से नीचे रखा जाता था

(D) अनुलोम विवाह को प्रतिलोम विवाह की अपेक्षा कहीं अधिक, पवित्र कानून का उल्लंघन करने वाला माना जाता था

14. कालीबंगा, जहाँ प्राक्-हड़प्पा संस्कृति के अनेक स्थल पाए गए हैं, निम्नलिखित किस क्षेत्र में स्थित था ?

(A) सिंध

(B) पंजाब

(C) राजस्थान

(D) गुजरात

15. अग्रहारों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे वक्तव्य सही हैं ?

1. यह एक संस्कृत शब्द है जिसका प्रयोग विशेष रूप से प्रथम सहस्राब्दी के मध्य से हुआ था.
2. यह एक ऐसा शब्द था जो ब्राह्मणों को दिए जाने वाले भूमि अनुदान की एक श्रेणी का पदनाम था.
3. सामान्य तौर पर ये अनुदान स्थायी होते थे.
4. दान प्राप्तकर्ता को उत्पादन संघटित करने और भूमि से राजस्व व अन्य संसाधन एकत्र करने का अधिकार दिया जाता था.

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1, 3 और 4

(B) केवल 2 और 4

(C) 1, 2, 3 और 4

(D) केवल 1, 2 और 3

16. राजशेखर के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा वक्तव्य सही है ?

(A) वह चोल वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक (985–1014 सी.ई.) था

(B) वह प्रतिहार शासक महेन्द्रपाल और महिपाल का दरबारी कवि (सी. 9वीं-10 वीं शताब्दी सी.ई.) था

(C) वह पुराणों में उल्लिखित सातवाहन (सी. 230 बी.सी.ई.) का पहला ज्ञात शासक था

(D) उसने संगम संकलन के दस परितोष गीतों में से एक सिरिपांडर्रुप्पतल की रचना की

17. "सम्भवत: शकों द्वारा उनके राजनीतिक प्रभुत्व हेतु अपनाया गया सांस्कृतिक नवाचार ही था कि एक नए युग का नाम उनके नाम पर रख गया." शेल्डन पोलॉक के अनुसार यह 'सांस्कृतिक नवाचार' क्या था ?

(A) भारी बख्तरयुक्त सेना

(B) पार्थियन शॉट

(C) शराब, मांस और सिले हुए वस्त्रों का प्रयोग

(D) राजनीतिक प्रयोजनों हेतु संस्कृत का प्रयोग

18. बागोर साइट के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा सही नहीं है ?

(A) यह राजस्थान में अवस्थित है

(B) इनके विशुद्ध मध्यपाषाण प्राक्-भाण्ड चरण के होने के सम्बन्ध में हमारे पास 5365–3775 ई.पू. की अवधि की कार्बन तिथियाँ हैं

(C) इसके प्रारम्भ से ही कृषि सम्बन्धी चिह्न पाए गए हैं

(D) जबु, बैल, भेड़, बकरी और सुअर का करीब 5000 ई.पू. से ही पालतू पशु के रूप में पालन किया जाता था

19. "यदि हम अहार में निकले लोहा की बात छोड़ दें तो भारत में प्रारम्भिक तौर स्तर हेतु सभी 14 कार्बन (14 C) तिथियाँ करीब 1000 ई.पू. अथवा इससे थोड़ा पहले की आती हैं." यह मत किसका है ?

(A) राकेश तिवारी

(B) बी.एण्ड आर. अल्चिन

(C) इरफान हबीब

(D) बी. शशिकरन

20. बदामी के निकट महाकुटेश्वर स्थित मन्दिरों के समूह से उस मन्दिर को पहचानें जिसके गर्भगृह के एक भाग का कुछ महत्व है–

(A) गलागनाथ (B) संघमेश्वर

(C) हुचिमल्लीगुडी (D) कदासिद्धेश्वर

21. उस स्थल की पहचान कीजिए जहाँ घोड़ा होने के प्रमाण नहीं मिलते हैं ?

(A) गलिगाइ (1895–1965 ई.)

(B) बुर्जहोम (1700 ई.)

(C) पिराक (करीब 1300 ई.)

(D) इनामगाँव (करीब 1400 ई.)

22. निम्नलिखित में से किसमें रेडियोकार्बन काल-निर्धारण तकनीक लागू की जाती है ?

(A) पुरालेख विद्या

(B) पुरातत्व विज्ञान

(C) पाण्डुलिपि

(D) पुरालेख सामग्री

23. निम्नलिखित में से किस महाजनपद से यूनानियों के खिलाफ लड़ने वाली फरसी सेना को पुरुषों और सामग्री की आपूर्ति होती थी ?

(A) गांधार (B) कम्बोज

(C) मगध (D) वत्स

24. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : अब इस सम्बन्ध में काफी कम सन्देह है कि सिन्धु घाटी सभ्यता के कतिपय पहलू द्वितीय और प्रथम सहस्राब्दि की संस्कृतियों में मिलते हैं.

कारण (R) : सिन्धु घाटी सभ्यता और वैदिक संस्कृति के बीच प्रारम्भिक हैती सभ्यता के अस्तित्व को अब नहीं माना जाता है.

उपर्युक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

25. निम्नलिखित में से कौनसा गलत तरीके से सुमेलित है ?

(A) आर.एस. शर्मा : अर्बन डिके इन इंडिया

(B) जोना विलियम्स : द आर्ट ऑफ गुप्ता इंडिया : एम्पायर एण्ड प्रॉविंस

(C) ए.एल. बाशम : द वंडर दैट वाज इंडिया

(D) रोमिला थापर : मिथ एण्ड रियालिटी, स्टडीज इन द फॉर्मेशन ऑफ इंडियन कल्चर

26. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?

(A) नागर शैली : नागर मन्दिरों का आधार वर्गाकार होता है जिसकी प्रत्येक भुजा के मध्य में अनेक प्रक्षेप होते हैं जो उसे क्रॉस-रूप प्रदान करते हैं.

(B) द्रविड़ शैली : इस शैली की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उनके पिरामिडाकार शिखर हैं.

(C) कश्मीरी शैली : यह बाह्य विश्व के किसी भी प्रकार के प्रभाव से रहित विशुद्ध स्थानीय शैली है.

(D) वासर शैली : यह उत्तरी और दक्षिणी शैलियों का मिश्रण है.

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : राष्ट्रवादी इतिहास लेखन ने भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक घटक तथा पश्चिमी संस्कृति के भौतिकवादी आधार को एक आवश्यक और अन्तर्निहित अन्तर के रूप में देखा.

कारण (R) : यह अंशतः उस विचार की प्रतिक्रिया थी जिसकी यह धारणा थी कि धर्म भारत के पारम्परिक समाज में एक ऐसा केन्द्रीय कारक था जिसने प्रगति को अवरुद्ध किया.

उपर्युक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

28. धर्मशास्त्र रचनाओं के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा वक्तव्य सही नहीं है ?

(A) इनमें चार वर्णों और सामाजिक जीवन के मानदण्डों का सन्दर्भ है

(B) इनमें विभिन्न जातियों का सन्दर्भ नहीं है

(C) इनमें देश-धर्म और कुल-धर्म का सन्दर्भ है

(D) इनमें जोर दिया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने वर्ण के धर्म का पालन करें

29. निम्नलिखित में से किसको खगोलीय उपकरणों के सुव्यवस्थित विवरण वाली पहली उपलब्ध भारतीय रचना कहा जाता है ?

(A) आर्यभटिया

(B) सूर्य सिद्धान्त

(C) ब्रह्मस्फुट सिद्धान्त

(D) खंड़ाखड़ाइका

निर्देश–(प्रश्न 30 एवं 31) निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए–

पूर्व मध्यकाल के राजनीतिक इतिहास में राज्यों और भूमि-अनुदानों का विस्तार देखने को मिला. ब्राह्मणों को दिए जाने वाले भूमि-अनुदानों ने राजनीतिक शक्ति के विधिमान्यकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कृषि सम्बन्धों पर उसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा. उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में कृषि का विस्तार हुआ और ग्रामीण समाज अत्यधिक स्तरीकृत बन गया. यह शहरी अवनति का काल नहीं था. यह दक्षिण भारत को देखने से बिल्कुल स्पष्ट है कि यहाँ शिल्पों, शहरों, व्यापार और व्यापार संघों का पर्याप्त विकास हुआ. उपमहाद्वीप चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच व्यापारिक सम्बन्धों में काफी विस्तार हुआ. भक्ति पूजा धार्मिक विचार और व्यवहार की प्रमुख विशेषता थी. मन्दिर न केवल पवित्र स्थल थे, बल्कि शहरी केन्द्रों के मूल और राजनीतिक प्रतीक भी थे. उन्हें पर्याप्त संरक्षण मिला जिसके कारण वे विभिन्न सामाजिक समूहों के क्रियाकलापों और आकांक्षाओं के केन्द्र बिन्दु बन गए. संस्कृत और देशी भाषाओं में अनेक पुस्तकों की रचना सहित सांस्कृतिक क्षेत्र में पर्याप्त विकास हुआ. मन्दिर स्थापत्यकला और मूर्तिकला का विकास और परिष्करण हुआ, विभिन्न क्षेत्रीय शैलियाँ स्पष्ट दिखाई पड़ने लगीं. 600 से 1200 ई. के दौरान राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्तरों पर घटनाक्रम ने विशिष्ट क्षेत्रीय संघटनों और प्रतिमानों में निश्चित रूप धारण किया.

30. यहाँ इंगित 'पूर्व मध्यकाल' का प्रारम्भ लगभग कब हुआ ?

(A) 1206 ई.

(B) 12वीं शताब्दी

(C) 11वीं शताब्दी

(D) 600 ई.

31. ब्राह्मणों को दिए गए भूमि-अनुदानों का क्या परिणाम हुआ ?

1. उन्होंने शासकों की स्थिति को सुदृढ़ किया.
2. इससे कृषि का विकास हुआ, क्योंकि प्रायः अनुदान प्राप्तकर्ता को खेती के तहत् नई भूमि लानी पड़ती थी.
3. भेदभावविहीन ग्रामीण समाज का और स्तरीकरण हुआ.
4. धार्मिक संस्थाओं और व्यक्तियों को भूमि-अनुदान प्रदान करने की प्रथा की शुरूआत 600 ई. से हुई.

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 2, 3

(C) 1, 3, 4 (D) 2, 3, 4

32. मंगोल खाँ तरमशिरीन ने निम्नलिखित में से किस तुगलक शासक के शासनकाल में भारत पर आक्रमण किया था ?

(A) दियासुद्दीन तुगलक

(B) मुहम्मद बिन तुगलक

(C) फिरोज शाह तुगलक

(D) सुल्तान मुहम्मद

33. निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?

1. पूर्व मध्यकालीन भारत में साम्प्रदायिक धार्मिक समूहों का विकास हुआ. इनमें से भक्ति पूजा पर

बल देने वाले सिद्धान्तवादी सम्प्रदाय लोकप्रिय हुए.

2. मन्दिर राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कार्यों के गतिशील स्थल बन गए.
3. पूर्व मध्यकालीन भारत के शहरी केन्द्रों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है–इनमें से एक को प्रशासनिक शहर और दूसरे को वाणिज्यिक शहर कहा जा सकता है.
4. चूँकि मन्दिरों ने विभिन्न सामाजिक समूहों को आकृष्ट किया, इस प्रकार उन्होंने अपवर्जन के पक्षधरों का विरोध किया.

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 2, 4 (B) 2, 3, 4
(C) 1, 2, 3 (D) 1, 2

34. फ्रांसीसी यात्री जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर ने गोलकोंडा के राजधानी नगर को क्या नाम दिया था ?

(A) गोलकोंडा (B) भागनगर
(C) फलकनुमा (D) हैदराबाद

35. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. इब्नबतूता भारत में उत्पादित आम का बढ़ाचढ़ाकर वर्णन करता है.
2. वह गुठली बोकर उसके उत्पादन का उल्लेख करता है.
3. इब्नबतूता उल्लेख करता है कि भारत में आम की कलम बाँधने की प्रथा थी.

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1 (B) केवल 3
(C) 1 और 2 (D) 2 और 3

36. तकावी ऋणों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही नहीं है ?

1. ये कृषि प्रयोजनों हेतु किसानों को दिए जाते थे.
2. ये व्यापारिक प्रयोजनों हेतु व्यापारियों को दिए जाते थे.
3. ये चौधरियों और मुकद्दमों के माध्यम से दिए जाते थे, जो अलग-अलग किसानों को वितरण करते थे.
4. चौधरी और मुकद्दम उनकी अदायगी के लिए गारंटी नहीं देते थे.

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) 1, 2, 3, 4
(D) केवल 2 और 4

37. शाहजहानाबाद में साहिबाबाद बगीचे का निर्माण किसने करवाया था, जिसे धनी व्यापारियों के लिए सराय के रूप में उपयोग किया जाता था ?

(A) नूर जहाँ
(B) रोशन आरा बेगम
(C) जहाँ आरा बेगम
(D) जीनत-उन-निसा

38. "सूफीवाद तब सर्वेश्वरवादी बनना शुरू हुआ जब इब्न अल-अरबी (1240 में मृत्यु) के विचार सबसे पहले जलालुद्दीन रूमी (1207–73) और अब्दुर रहमान जउनी (1414–92) के फारसी काव्य और उसके बाद अशरफ जहाँगीर सिमनोनी (पन्द्रहवी शताब्दी के प्रारम्भ) के भारत के भीतर प्रयासों पर अपना प्रभाव डालने लगे. इसी समय शंकराचार्य की वेदान्त विचारधारा के सर्वेश्वरवाद का प्रभाव ब्राह्मणवादी विचारों के भीतर लगातार बढ़ रहा था."

निम्नलिखित में से वह कौनसा मुगल शासक था जिसने सबसे पहले इस विचार को पहचाना ?

(A) बाबर (B) अकबर
(C) जहाँगीर (D) औरंगजेब

39. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्व अनुदान धार्मिक बुद्धिजीवियों को नहीं दिया जाता था ?

(A) आमलक (B) इदरार
(C) इनाम (D) ओकाफ

40. शाहजहाँ पहला मुगल बादशाह था जिसने माही-मरातिब नामक एक नए ध्वज की शुरूआत की. इसे किसी व्यक्ति को प्रदत्त सर्वोच्च सम्मान माना जाता था. शाहजहाँ से पहले कौनसा भारतीय शासक इसे प्रदान किया करता था ?

(A) सिंध के अरब शासक
(B) दिल्ली के सुल्तान
(C) दिल्ली के सूर
(D) मालवा के सुल्तान

41. ताप्ती नदी के किनारे लगभग 1400 ई. में बुरहानपुर शहर की स्थापना किसने की थी ?

(A) नासिर खाँ फारुकी
(B) मुहम्मद कुली
(C) इब्राहिम आदिल शाह
(D) सुल्तान कुली

42. सिख धर्म के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?

1. 1750 ई. के दशक से सिख दल और मिसाल (समूह) अलग-अलग प्रमुखों (सरदारों) के नेतृत्व में अधिक-से-अधिक शक्तिशाली बन गए जिन्होंने अत्यन्त पेशेवर तरीके से हथियारबन्द सैनिक संगठित किए.
2. चक गुरु (अमृतसर) में वार्षिक 'सरबत खालसा' के आयोजन की प्रथा थी, परन्तु आपसी मतभेद के कारण प्रत्येक सरदार ने अपने लिए अलग क्षेत्र के निर्माण का इरादा बनाया.
3. इस प्रक्रिया पर अन्त में रणजीत सिंह (1780–1839) ने रोक लगाई, उन्होंने खालसा के नाम से पंजाब में एक राज्य की स्थापना की.
4. सभी गुरु खत्री थे, परन्तु सत्रहवीं शताब्दी में उनके सेनापति अर्थात् मसंद अधिकांशतः जाट थे.

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 2 और 4
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) 1, 2, 3, 4
(D) केवल 3 और 4

43. अलाउद्दीन की कृषि व्यवस्था में गियासुद्दीन तुगलक द्वारा अनेक परिवर्तन किए गए. इस सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही नहीं है ?

(A) उसने किसानों का बोझ कम करने के लिए हुक्म-ए-मसाहत (माप) के स्थान पर हुक्म-ए हासिल (फसल बँटाई) को अपनाया

(B) गियासुद्दीन ने ग्राम प्रमुखों को साधारण किसानों के स्तर पर लाने के अलाउद्दीन के सिद्धान्त में विश्वास नहीं किया और उनकी परिलब्धियों का बहाल किया

(C) उसने खेती और चरागाह को कर-निर्धारण से छूट प्रदान की

(D) उसने भू–राजस्व की प्रथा को जारी रखा और उसे प्रोत्साहित किया

44. 18वीं शताब्दी के स्रोत 'तुहफात-उल हिन्द' में निम्नलिखित में से किस बोली में विशाल शब्दावली दी गई है ?

(A) ब्रज (B) अवधी
(C) राजस्थानी (D) गुजराती

45. सिखों द्वारा मुफ्त रसोई (लंगर) की अवधारणा कहाँ से अपनाई गई थी ?

(A) हिन्दू मन्दिरों से
(B) गिरिजाघरों से
(C) सूफी दरगाहों से
(D) शंकराचार्य के मठों से

46. निम्नलिखित में से कौनसे स्रोत सिन्ध के इतिहास से सम्बन्धित हैं ?
1. फतवा-ए जहाँदारी.
2. मिरात-ए सिकन्दरी
3. तारीख-ए ताहिरी
4. मजहर-ए शाहजहानी
नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 3 और 4

47. निम्नलिखित में से कौनसी फारसी पुस्तक में कपास धुनने के चाप का प्रारम्भिक साहित्यिक सन्दर्भ मिलता है ?
(A) मिफ्ताह-उल फुज़ाला
(B) काव्वा'ज लेक्सिकन
(C) सीरत-ए फिरोजशाही
(D) फुतुहात-ए फिरोजशाही

48. भारत में निम्नलिखित में से किस उत्पाद की शुरूआत पुर्तगालियों द्वारा नहीं की गई थी ?
(A) तम्बाकू (B) पान
(C) काजू (D) अनन्नास

49. संगीत के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) शास्त्रीय संगीत से सम्बन्धित कृति लहजात-ए सिकन्दरी की रचना सुल्तान सिकन्दर के संरक्षण में हुई थी
(B) अबुल फजल ने छत्तीस संगीतकारों के नाम बताए हैं, जिन्होंने अकबर के दरबार में स्वर और वाद्य संगीत बजाया था
(C) शाहजहाँ ने अपने दरबार में न तो संगीत को प्रोत्साहित और न संगीतकारों को पुरस्कार प्रदान किए. उसकी रुचि स्थापत्यकला में थी
(D) औरंगजेब ने अपने शासनकाल के प्रारम्भिक दस वर्षों के दौरान सामान्यतः संगीतकारों को पुरस्कार प्रदान किए और ऐसा लगता है कि वह संगीत के प्रति समर्पित था

50. कश्मीर में ऋषि सिलसिला का संस्थापक कौन था ?
(A) सैयद मुहम्मद हमदानी
(B) शेख अब्दुल कादिर
(C) शेख नूरुद्दीन
(D) बाकी बिल्लाह

51. मीर जुमला ने अहोम राज्य पर हमला करके अहोम की राजधानी गढ़गाँव पर कब्जा कर लिया. 1663 ई. में अहोम राज्य और उसके बीच एक सन्धि हुई. अहोमों ने किस वर्ष मुगलों को कुच हाजो को छोड़ने और मानस नदी को सीमा के रूप में स्वीकार करने के लिए बाध्य किया ?
(A) 1667 (B) 1681
(C) 1685 (D) 1689

52. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–
अभिकथन (A) : पूर्व मध्यकाल में सामंतवाद की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ पाई जाती थीं, परन्तु यह यूरोपीय सामंतवाद से काफी भिन्न था.
कारण (R) : दक्षिण भारत में पूर्व मध्यकाल शहरी विकास का काल था जैसा कि शिल्पों, व्यापार, व्यापार संघों और शहरी केन्द्रों के विकास से स्पष्ट है.
उपर्युक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है.
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है.
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

53. निम्नलिखित में से कौनसे कर मुक्त व्यापार सुविधाएँ प्रदान करने और करों में कमी किए जाने की श्रेणी में आते हैं ?
1. साइर-दाम 2. मुकाता
3. मापा 4. राहदारी
नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 2 और 4 (D) 1, 3 और 4

54. भारत और उज्बेकिस्तान के दो बादशाहों के नाम बताइए जो हिन्दू-कोह या हिन्दू कुश को दोनों साम्राज्यों की सीमा तय करने पर सहमत हुए–
(A) अकबर और अब्दुल्ला खाँ उज्बेक
(B) जहाँगीर और अब्दुल्ला खाँ उज्बेक
(C) जहाँगीर और अब्लुल मुमीन उज्बेक
(D) शाहजहाँ और इमाम कुली

55. "उसने सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और यात्रियों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए राजमार्ग पर दो कोस की दूरी पर सरायों का निर्माण कराया. यहाँ यात्री बिस्तर और पका भोजन प्राप्त कर सकते थे. बिना पके भोजन की आपूर्ति की भी व्यवस्था थी. उसने ऐसी लगभग 1700 सरायों का निर्माण कराया." यह शासक कौन है ?
(A) इब्राहिम लोदी (B) शेरशाह
(C) अकबर (D) शाहजहाँ

56. 600 से 1200 ई. के बीच की अवधि के दौरान क्षेत्रीय संघटनों के उदय के लिए निम्नलिखित में से क्या प्रासंगिक नहीं है ?
1. संस्कृत ग्रन्थों का विकास
2. देशी भाषाओं का विकास
3. स्थापत्यकला और कला का परिष्करण
4. कला और स्थापत्यकला की विशिष्ट क्षेत्रीय शैलियों का उदय
नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 2, 4 (B) 3, 4
(C) 1, 3 (D) 1, 2

57. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) बलूतेदारों से यह अपेक्षा की जाती थी कि जरूरत पड़ने पर वे अपनी क्षमता के अनुसार ग्रामीणों की सेवा करें
(B) उनका पारिश्रमिक हमेशा वस्तु के रूप में दिया जाता था
(C) वे गाँव के मन्दिरों के चढ़ावे का एक निश्चित हिस्सा और विशेष अवसरों पर कुछ अन्य परिलब्धियों के पात्र थे
(D) स्थायी बलूतेदारों के सेवा के अधिकार और विभिन्न पारिश्रमिक प्राप्त करने के अधिकार को उसके मिरास या वतन के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी

58. अलाउद्दीन खिलजी की मौत के बाद उसकी मूल्य नियन्त्रण व्यवस्था ध्वस्त हो गई और कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी के शासनकाल में कीमतों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई. निम्नलिखित में से कौनसा इतिहासकार/यात्री मुबारक खिलजी के शासनकाल के दौरान बढ़ती कीमतों के बारे में उल्लेख करता है ?
(A) शेख मुबारक
(B) याहया बिन अहमद सरहिंदी
(C) शैफुद्दीन अली यजदी
(D) मिर्जा हैदर दुगलत

59. गुरु नानक के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) जब नानक सोलह वर्ष के थे, तभी उनके माता-पिता ने उनकी शादी कर दी, बाद में वह एक व्यापारी और किसान बन गए
(B) भाई मरादाना की गुरु नानक से मुलाकात हुई और वे आजीवन मित्र बने रहे
(C) उन्होंने हिन्दू और सूफी धार्मिक स्थलों के दर्शन करते हुए पानीपत से असम की यात्रा की

(D) वह श्रीलंका गए, परन्तु कश्मीर जाने की तीव्र इच्छा के बावजूद वहाँ नहीं जा पाए

60. निम्नलिखित में से कौनसे विद्वानों ने 1579 ई. में महजर का प्रारूप तैयार किया था ?
(A) अबुल फजल और शेख मुबारक
(B) शेख मुबारक और अब्दुन नबी
(C) अब्दुन नबी और बदायूनी
(D) शेख मुबारक और फेजी

61. निम्नलिखित कथन को पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

"समाजशास्त्रियों ने यह बताया है कि जातियाँ भी 'संस्कृतीकरण' के रूपों के अन्तर्गत अपने व्यवसायों के साथ-साथ अपने दर्जे में कैसे परिवर्तन करती हैं."

'संस्कृतीकरण' के सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया था ?
(A) कार्ल मार्क्स
(B) एम.एन. श्रीनिवास
(C) रोमिला थापर
(D) मैक्स वेबर

62. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची–I (स्रोत)	सूची–II (क्षेत्र)
(a) चचनामा	1. गुजरात
(b) रियाज उल सलातिन	2. दक्कन
(c) मिरात-ए- अहमदी	3. बंगाल
(d) नुस्खा-ए दिलकुशा	4. सिंध

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	2	4	3	1
(C)	4	2	3	1
(D)	3	1	4	2

63. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची–I
(a) मलिक सरवर
(b) जफर खाँ
(c) दिलावर खाँ गौरीत
(d) अलाउद्दीन हसन

सूची–II
1. गुजरात सल्तनत
2. बहमनी सल्तनत
3. जौनपुर सल्तनत
4. मालवा सल्तनत

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	3	1	4	2
(D)	4	3	2	1

निर्देश–(प्रश्न 64 से 68 तक) निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और उसके बाद दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए–

जहाँगीर ने दो बार लाहौर से लगभग 29 किमी दूर शिकार महल के रूप में उपयोग किए जाने वाले एक मीनार, तालाब और मण्डप का उल्लेख करता है. आज इस जगह को शेखूपुरा के नाम से जाना जाता है, परन्तु जहाँगीर ने 1606 में इसे जहाँगीरपुरा कहा है और उसके बाद 1620 में इसे जहाँगीराबाद कहता है, इन दोनों का अर्थ है जहाँगीर का शहर, इसमें जहाँगीराबाद अधिक भावात्मक रूप है. यहाँ जहाँगीर के प्रिय लंगड़े हिरण की 1606 में मौत हुई थी. उसे एक कब्र में दफना दिया गया था और उसके ऊपर हिरण की प्रतिमा और कश्मीर के मुल्ला मुहम्मद हुसैन द्वारा लिखी प्रशस्ति लगा दी गई. इस समाधि प्रस्तर के समीप उस क्षेत्र के जागीरदार सिकन्दर मुइन खान की देखरेख में 1606 के लगभग एक मीनार का निर्माण कराया गया था. जहाँगीर के आदेशानुसार सिकन्दर मुइन खान ने एक तालाब और राजमहल का भी निर्माण कराया. जब निर्माण कार्य प्रगति पर था, उसी समय मुइन की मौत हो गई, इसके बावजूद परिसर का निर्माण कार्य 1620 में ठीक प्रकार से पूरा हो गया, बाद के चरणों का निर्माण कार्य इरादत खाँ की देखरेख में पूरा हुआ. इसके निर्माण पर इतना अधिक व्यय हुआ था कि बादशाह ने अपने संस्मरणों में इस राशि का उल्लेख किया है. जहाँगीर ने इस स्थल को एक 'शाही शिकार स्थल' माना था, यद्यपि उसके उत्तराधिकारियों ने इस जगह को अपर्याप्त पाया और 1634 में इसके मंडप के पुनर्निर्माण पर काफी धन व्यय किया.

64. जहाँगीरपुरा और जहाँगीराबाद दोनों नामों का एक ही अर्थ अर्थात् 'जहाँगीर का शहर' है. पुरा शब्द किस भाषा से लिया गया है ?
(A) मराठी (B) उर्दू
(C) फारसी (D) संस्कृत

65. निम्नलिखित में से किस शहर में अकबर के शासनकाल में निर्मित 'नीम सराय मीनार' स्थित है ?
(A) पानीपत (B) मालदा
(C) लाहौर (D) मुल्तान

66. जहाँगीर ने अपनी किस पुस्तक में मीनार, तालाब और मण्डप का दो बार उल्लेख किया है ?
(A) मासिर-ए जहाँगीरी
(B) तुजुक-ए जहाँगीरी
(C) इकबालनामा-ए जहाँगीरी
(D) मजलिस-ए जहाँगीरी

67. शेखूपुरा मीनार की योजना अकबर के शासनकाल में निर्मित हिरण मीनार के समान है. हिरण मीनार निम्नलिखित में से किस शहर में स्थित है ?
(A) फतेहपुर सीकरी
(B) दिल्ली
(C) आगरा
(D) सिकन्दरा

68. इनमें से किसे शेखू बाबा भी कहा जाता था ?
(A) शाहजादा कामरान
(B) बादशाह हुमायूँ
(C) शेख सलीम चिश्ती
(D) बादशाह जहाँगीर

69. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची–I (लेखक)
(a) वेरा एंस्टे
(b) बी.एम. भाटिया
(c) डी.एच. बुचानन
(d) डी.आर. गाडगिल

सूची–II (पुस्तक)
1. इकॉनोमिक डेवलपमेंट ऑफ इंडिया
2. फेमिंस इन इंडिया
3. द डेवलपमेंट ऑफ कैपिटलिस्ट एंटरप्राइज इन इंडिया
4. इंडस्ट्रियल एवोल्यूशन इन इंडिया

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	1	4
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	1	2
(D)	1	2	4	3

70. इस बहस का अभी अन्त नहीं हुआ है कि ब्रिटिश शासन के अधीन भारतीय अर्थव्यवस्था का अभिलक्षण विकास या गतिरोध था या उत्तरोत्तर गरीबी बढ़ी थी. इस बहस के अनिर्णीत चरित्र का क्या प्रमुख कारण है ?
(A) गुणात्मक साक्ष्य की विविध प्रकार से व्याख्या की जाती है
(B) सम्बन्धित गुणात्मक आंकड़े अपर्याप्त हैं

(C) लेखक विशेष की वैचारिक प्राथमिकताएँ

(D) भारतीय अर्थव्यवस्था का औपनिवेशिक चरित्र

71. फ्रेंकॉयस केरान ने भारत में पहली फ्रांसीसी फैक्टरी की स्थापना कब की ?

(A) 1667 ई. (B) 1669 ई.

(C) 1672 ई. (D) 1674 ई.

72. निम्नलिखित में से कौनसा कदम लॉर्ड कर्जन ने नहीं उठाया था ?

(A) द कलकत्ता म्युनिसिपल एमेंडमेंट ऐक्ट

(B) इंडियन यूनिवर्सिटिज ऐक्ट

(C) इंडियन ऑफिशियल्स सीक्रेट्स एमेंडमेंट ऐक्ट

(D) वर्नाकुलर प्रेस ऐक्ट

73. भारत में अंग्रेजों की स्थिति में तब सुधार हुआ जब 1632 ईस्वीं में उन्हें 'गोल्डन फरमान' दिया गया. यह फरमान उन्हें किसने दिया ?

(A) मुगल शहंशाह जहाँगीर

(B) गोलकुण्डा का सुल्तान

(C) अहमदनगर का सुल्तान

(D) बीजापुर का शासक

74. गवर्नर-जनरल को 'द सर्वेंट ऑफ द एम्परर' घोषित करने वाले वाक्यांश का शासकीय मुहर से कब विलोप किया गया ?

(A) गवर्मेन्ट ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1858 के बाद से

(B) 1833 के चार्टर ऐक्ट के बाद से

(C) 1813 के चार्टर ऐक्ट के बाद से

(D) 1784 के पिट्स इंडिया ऐक्ट के बाद से

75. गाँधीजी ने किस वर्ष साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) छोड़ा और स्वराज प्राप्ति के बाद ही लौटने का व्रत लिया ?

(A) 1933 (B) 1922

(C) 1930 (D) 1929

76. प्रथम एंग्लो-बर्मा युद्ध (1824–26) के बाद कौनसी सन्धि हुई ?

(A) अराकान सन्धि

(B) टेनासेरिम सन्धि

(C) रंगून सन्धि

(D) यंदाबू सन्धि

77. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची–I (संघ)

(a) द सत्य महिमा धर्म ऑफ ओडिशा

(b) द स्वामी नारायण सम्प्रदाय ऑफ गुजरात

(c) द परमहंस मंडली

(d) देव समाज (डिवाइन सोसायटी)

सूची–II (संस्थापक)

1. पं. शिव नारायण अग्निहोत्री
2. महिमा गोसाईं
3. सहजानन्द स्वामी
4. दादोबा पांडुरंग

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	1	2
(D)	1	2	3	4

78. निम्नलिखित में से किस आन्दोलन के दौरान सत्याग्रह, बहिष्कार और जनविरोध के कई अन्य कारगर तौर-तरीकों का विकास और प्रयोग हुआ ?

(A) बंग-भंग विरोधी आन्दोलन

(B) चम्पारण आन्दोलन

(C) खेड़ा सत्याग्रह

(D) खिलाफत आन्दोलन

79. ब्रिटेन ने भारत पर शासन करने का अधिकार कैसे हासिल किया ? निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कीजिए और सही कूट चुनिए–

1. 1757 से 1857 के दौरान मुगल साम्राज्य का विघटन और मराठा, सिख और अन्य क्षेत्रीय सम्प्रभुओं द्वारा अर्पण और उनकी विजय.
2. ब्रिटिश संवैधानिक विधि और यूरोप में प्रतिपादित 'लॉ ऑफ नेशन्स' के अधीन भारत में सम्प्रभुता में ब्रिटिश संसद का प्राधिकार और सभी सभ्य राष्ट्रों की मान्यता शामिल थी.
3. चार्टर प्रदान किए जाने से ईस्ट इंडिया कम्पनी को सम्प्रभुता का दर्जा मिला और पेरिस और वर्सेल्स की सन्धियों और कांग्रेस ऑफ वियना ने इस दर्जे की अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता सम्प्रेषित की.
4. 1857 के विद्रोह के दमन के बाद, मुगल शहंशाह ने ब्रिटेन को सम्प्रभुता हस्तान्तरित की.

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1, 2 और 3

(C) 1, 2, 3 और 4

(D) केवल 1 और 4

80. निम्नलिखित में से किन क्षेत्रों में, 19वीं सदी में, व्यवस्थित रूप से राजकीय पहल दिखाई देती है ?

(A) गणित, भौतिक-विज्ञान, रसायन-विज्ञान

(B) मानचित्र और सर्वे, वनस्पति-विज्ञान, भू-विज्ञान, चिकित्सा

(C) धर्मशास्त्र, साहित्य और गणित

(D) कला, भाषा-विज्ञान, नाट्यशास्त्र

81. निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है ?

(A) 1857 के विद्रोह से पहले दिल्ली और लखनऊ में रहने वाले अंग्रेजों और भारतीयों के बीच वैयक्तिक सम्बन्ध काफी हद तक दोस्ताना थे

(B) 1857 से पहले दिल्ली में अधिकतर यूरोपीय लोग पुराने दिल्ली शहर (वॉल्ड सिटी) में भारतीयों के घरों में किराए पर रहते थे

(C) 1857 के बाद भारतीयों को दिल्ली और लखनऊ से बाहर कर दिया गया था

(D) 1857 के बाद ब्रिटिश गैरिसन को शाहजहाँबाद के पुराने शहर (वॉल्ड सिटी) के बाहर ले जाया गया था

82. इनमें से किसने भारत में चलचित्रों की अवधारणा का प्रवेश कराया ?

(A) कोलोरेलो और कॉर्नेग्लिया

(B) हीरालाल सेन

(C) लुईस और ऑगस्ट लुमिएरे

(D) दादा साहब फाल्के

83. मद्रास उच्च न्यायालय में मुधुस्वामी अय्यर की नियुक्ति का निम्नलिखित में से किसने इस आधार पर विरोध किया था कि देशज अधिकारियों को समान परिस्थितियों में कार्यरत् यूरोपीय अधिकारियों के समान वेतन नहीं मिलना चाहिए ?

(A) द हिन्दू

(B) अमृत बाजार पत्रिका

(C) द ट्रिब्यून

(D) मद्रास मेल

84. 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियों वाला भारत का संविधान किस अवधि के दौरान तैयार किया गया ?

(A) दिसम्बर 1946 और दिसम्बर 1949

(B) दिसम्बर 1945 और जनवरी 1950

(C) अगस्त 1947 और जनवरी 1950

(D) दिसम्बर 1946 और जनवरी 1950

85. किस व्यवस्था अथवा बन्दोबस्त के अधीन भारतीय राज्य, विदेश और रक्षा मामलों के अपने अधिकार खो बैठे ?

(A) राज्यलय नीति

(B) सहायक सन्धि प्रणाली

(C) स्थायी बंदोबस्त

(D) द्विशासन प्रणाली

86. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही रूप में सुमेलित नहीं है ?

संघ : सम्बद्ध

(A) भारत स्त्री महामण्डल : सरला देवी चौधरानी
(B) वीमेंस इंडियन एसोसिएशन : तिय्या
(C) द नेशनल काउंसिल ऑफ वूमेन : लेडी मेहरीबाई टाटा
(D) ऑल इंडिया वीमेंस कांफरेंस : मार्ग्रेट कजिंस

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : भारत के क्रमिक उद्योगीकरण ने न सिर्फ पूँजीपतियों को सार्वजनिक जीवन के अग्रभाग में ला खड़ा किया बल्कि एक औद्योगिक मजदूर वर्ग को भी उत्पन्न किया.

कारण (R) : यूरोपीय स्थिति के विपरीत भारत में सर्वहारा बने किसानों के बीच से मजदूरों की कोई कुली भर्ती नहीं हुई. यह भर्ती आमतौर पर बेरोजगारों के बीच से हुई.

उपर्युक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है.
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है.
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

88. निम्नलिखित में से क्या सही रूप में सुमेलित नहीं है ?

(A) द हिन्दू : जी. सुब्रमण्यम अय्यर
(B) अमृत बाजार पत्रिका : मोतीलाल घोष
(C) बंगाली : सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
(D) सुधारक : एन.एन. सेन

89. केनिंग-लॉरेंस स्कूल, मिल स्कूल और मेयो-नॉर्थब्रूक स्कूल किस प्रशासनिक विवाद से सम्बन्धित थे ?

(A) समाज-सुधारों से सम्बन्धित अधिनियमन
(B) स्थायी बंदोबस्त का क्रियान्वयन, जारी रहना और विस्तार
(C) नए क्षेत्रों में महालवाड़ी बंदोबस्त की शुरूआत
(D) 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रति उदार दृष्टिकोण का अपनाया जाना

90. ब्रिटिश भारत के इतिहास में मैसूर को उसके पुराने शासक परिवार को वापस सौंपा जाना एक अद्वितीय घटना थी. इसे किसने अंजाम दिया ?

(A) लॉर्ड केनिंग
(B) मार्कीस ऑफ रिपन
(C) मर्कीस ऑफ लेंसडाउन
(D) डफरिन

91. निम्नलिखित में से किस स्थान से सुभाष चन्द्र बोस ने 'दिल्ली चलो' का अपना प्रसिद्ध आह्वान किया ?

(A) रूस (B) जर्मनी
(C) इटली (D) सिंगापुर

92. सार्वजनिक मंचों पर प्रदर्शनीय कार्यक्रमों पर कड़ा राजकीय नियन्त्रण लगाने वाले द ड्रामेटिक परफॉर्मेंसिस ऐक्ट को किस वर्ष में पारित किया गया था ?

(A) 1888 (B) 1896
(C) 1876 (D) 1898

93. निम्नलिखित में से किसने मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड अधिनियम के प्रावधानों को लागू कराने के लिए अंग्रेजों का साथ दिया और उनके प्रतिनिष्ठा की घोषणा की ? 1930 के दशक के उत्तरार्द्ध में इसका कांग्रेस में विलय हो गया, जिससे राष्ट्रीय आन्दोलन का आधार व्यापक हुआ.

(A) सत्यशोधक समाज
(B) द जस्टिस पार्टी
(C) द्रविड़ कषगम
(D) गैर-ब्राह्मण संघ

94. इनमें से कौन फराइजी आन्दोलन से सम्बद्ध नहीं था ?

(A) हाज़ी शरियतुल्ला
(B) टीटू मियाँ
(C) दुदु मियाँ
(D) नया मियाँ

95. इनमें से किसने यह लिखा कि कांग्रेस का जन्म एक षड्यन्त्र के तहत् हुआ था जिसका उद्देश्य था भारत में एक लोकप्रिय जनउभार को पहले से रोकना और पूँजीवादी नेता इसमें शामिल थे ?

(A) आर.पी. दत्त
(B) आर.सी. दत्त
(C) जे.पी. नारायण
(D) बी.जी. तिलक

96. भारतीय समाज को मूक, बधिर और गतिहीन समाज बताने वाले सबसे पहले विद्वान् कौन थे ?

(A) कार्ल मार्क्स
(B) मार्क ब्लॉक
(C) ए.एल. बाशम
(D) जी.डब्ल्यू.एफ. हीगल

97. यूरोप में सातवर्षीय युद्ध (1756-1763) के फलस्वरूप भारत स्थित फ्रांसीसी और ब्रितानी बस्तियों के बीच भी खुली शत्रुता पैदा हो गई. दक्षिण में डुप्ले और बुसी की प्राप्तियों को 1760-61 में तहस-नहस कर दिया गया. भारत में फ्रांसीसी परिसम्पत्तियों के पुनर्स्थापन का प्रावधान किस सन्धि से हुआ ?

(A) पांडिचेरी की सन्धि
(B) वांडिवाश की सन्धि
(C) पेरिस की सन्धि
(D) लन्दन की सन्धि

98. 1946-47 के दौरान हैदराबाद का निजाम कौन था ?

(A) नज्म-उद-दौला
(B) कासिम रिजवी
(C) मीर उस्मान अली
(D) मीर विलायत अली

99. मुजफ्फर अहमद ने 1925 में काजी नजरूल इस्लाम के साथ मिलकर किस पार्टी की स्थापना की ?

(A) लेबर स्वराज पार्टी
(B) वर्कर्स एण्ड पीजेंट्स पार्टी
(C) स्वराज पार्टी
(D) ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस

100. सरकारी अभिलेखों के सन्दर्भ में 'कंसल्टेशन्स' क्या थे ?

(A) बंगाल में अंग्रेज ईसट इंडिया कम्पनी के तमाम किस्म के कारोबार
(B) अंग्रेज ईस्ट इंडिया कम्पनी के तमाम किस्म के सैन्य अभिलेख
(C) प्रेजीडेंसियों के गवर्नरों को उनके सलाहकारों की रिपोर्ट
(D) शिक्षा और न्यायपालिका से सम्बन्धित अभिलेख

उत्तरमाला

1. (D)	2. (B)	3. (B)	4. (B)	5. (B)
6. (A)	7. (A)	8. (D)	9. (D)	10. (A)
11. (A)	12. (C)	13. (D)	14. (C)	15. (C)
16. (B)	17. (D)	18. (C)	19. (C)	20. (B)
21. (B)	22. (B)	23. (A)	24. (B)	25. (D)
26. (C)	27. (A)	28. (B)	29. (C)	30. (D)
31. (B)	32. (B)	33. (A)	34. (B)	35. (C)
36. (D)	37. (C)	38. (C)	39. (D)	40. (B)
41. (A)	42. (C)	43. (D)	44. (A)	45. (C)
46. (D)	47. (B)	48. (B)	49. (C)	50. (C)
51. (B)	52. (B)	53. (D)	54. (A)	55. (B)
56. (C)	57. (B)	58. (A)	59. (*)	60. (A)
61. (B)	62. (A)	63. (C)	64. (D)	65. (B)
66. (B)	67. (A)	68. (D)	69. (B)	70. (B)
71. (A)	72. (D)	73. (B)	74. (*)	75. (C)
76. (D)	77. (A)	78. (A)	79. (B)	80. (B)
81. (D)	82. (C)	83. (D)	84. (A)	85. (B)
86. (B)	87. (B)	88. (D)	89. (B)	90. (B)
91. (D)	92. (C)	93. (D)	94. (B)	95. (A)
96. (D)	97. (C)	98. (C)	99. (A)	100. (A)

(*) बोनस मार्क्स

समाजशास्त्र

1. भारत में 'सामुदायिक विकास योजना' का प्रारम्भ कब हुआ ?
   (A) 1958 (B) 1952
   (C) 1955 (D) 1953
2. निम्नलिखित में से किसने पूँजीवाद के विकास को 'प्रोटेस्टेन्ट धर्म' की शिक्षाओं से जोड़ा है ?
   (A) कार्ल मार्क्स
   (B) हर्बर्ट स्पेंसर
   (C) मैक्स वेबर
   (D) इमाइल दुर्खीम
3. "संघर्ष, प्रतिस्पर्धा और सहयोग सभी परस्पर आश्रित हैं. ये मानव समाज के सदैव विद्यमान रहने वाले पहलू हैं," यह किसने कहा है ?
   (A) मैकाइवर एवं पेज
   (B) के. डेविस
   (C) ई. बोगार्डस
   (D) एम. जिन्सबर्ग
4. सामाजिक स्तरीकरण के चार स्वरूप 'दास प्रथा', 'जागीरें', 'जातियाँ' और 'सामाजिक वर्ग' किसने वर्गीकृत किए हैं ?
   (A) जान्सन (B) बोटोमोर
   (C) पारसंस (D) समनर
5. समाज के उद्विकास का सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया ?
   (A) मार्क्स (B) कोजर
   (C) स्पेंसर (D) वेबर
6. 'शारदा एक्ट' क्या रोकने के लिए पारित हुआ था ?
   (A) विधवा पुनर्विवाह
   (B) बाल विवाह
   (C) देवदासी प्रथा
   (D) दहेज प्रथा
7. 'रिमांड गृह' एवं 'बोर्स्टल स्कूल' किनके सुधार के लिए बने हैं ?
   (A) बाल अपराधी
   (B) कठोर अपराधी
   (C) वयस्क अपराधी
   (D) आदतन अपराधी
8. निम्नलिखित में जनसंख्या वृद्धि का निश्चायक कौन है ?
   (A) जन्मदर (B) मृत्युदर
   (C) देशान्तर गमन (D) ये सभी
9. "जब वर्ग पूर्णतः वंशानुक्रम पर आधारित होता है, तो उसे हम जाति कहते हैं," किसने परिभाषित किया ?
   (A) सी.एच. कूले
   (B) जे.एच. हट्टन
   (C) एच.एच. रिजले
   (D) एस.वी. केतकर
10. अस्पृश्यता निवारण अधिनियम कब पारित हुआ था ?
    (A) 1952 (B) 1951
    (C) 1955 (D) 1953
11. प्रतिस्पर्धा को 'शान्तिपूर्ण संघर्ष' के रूप में किसने वर्णित किया है ?
    (A) कोजर (B) स्पेंसर
    (C) वेबर (D) दुर्खीम
12. समाजशास्त्र किसका अध्ययन है ?
    (A) सामाजिक-राजनैतिक संस्थाएँ
    (B) राजनैतिक व्यवस्था
    (C) मानव व्यवहार
    (D) समाज
13. निम्नलिखित में से कौन 'महर' का भुगतान करता है ?
    (A) वधू के पिता द्वारा वर के माता-पिता को
    (B) वर के पिता द्वारा वधू के माता-पिता को
    (C) वधू द्वारा वर को
    (D) वर द्वारा वधू को
14. किसने कहा कि "धर्म जनता के लिए अफीम है" ?
    (A) जे. फ्रेजर (B) ई.बी. टायलर
    (C) कार्ल मार्क्स (D) बी. मैलिनोस्की
15. निम्नलिखित में से किस में 'वर्ण-व्यवस्था' का प्रथम उल्लेख मिलता है ?
    (A) ऋग्वेद (B) अथर्ववेद
    (C) यजुर्वेद (D) सामवेद
16. 'भारत छोड़ो' आन्दोलन किससे जुड़ा है ?
    (A) जवाहर लाल नेहरू
    (B) बाल गंगाधर तिलक
    (C) सुभाषचन्द्र बोस
    (D) महात्मा गांधी
17. ग्रामीण क्षेत्रों में शक्ति के विकेन्द्रीय-करण के सन्दर्भ में किसने कहा, "यह स्वीकार्य है कि लोकतन्त्र विकेन्द्रीकरण के बिना सफल नहीं हो सकता" ?
    (A) आर.एन. इनामदार
    (B) के.एल. शर्मा
    (C) बी. मेहता
    (D) बी. सिंह
18. निम्नलिखित में से किसने 'ग्राम-नगर सातत्य' की अवधारणा दी ?
    (A) लुई वर्थ
    (B) रॉबर्ट ई. पार्क
    (C) रॉबर्ट रेडफील्ड
    (D) हैनरी मेन
19. 'व्हाट इज सोशियोलॉजी' नामक पुस्तक किसने लिखी ?
    (A) एलेक्स इंकलेस
    (B) टी.बी. बोटोमोर
    (C) एच.एम. जान्सन
    (D) एम. जिन्सबर्ग
20. जनसंख्या ज्यामितीय अनुपात में बढ़ती है. जीवन के साधन गणितीय अनुपात में बढ़ते हैं. ऐसा किसने कहा है ?
    (A) माल्थस
    (B) फ्रायड
    (C) के. डेविस
    (D) मैकाइवर एवं पेज
21. किस आश्रम को धर्म, अर्थ और काम का संगम कहा गया है ?
    (A) ब्रह्मचर्य (B) गृहस्थ
    (C) वानप्रस्थ (D) संन्यास
22. निम्नलिखित में से कौन 'समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय' का समर्थक है ?
    (A) जार्ज सिमेल
    (B) आगस्ट काम्ट
    (C) इमाइल दुर्खीम
    (D) टी. पारसंस
23. 'मध्यवर्तीय सिद्धान्त' की अवधारणा किसने प्रतिपादित की ?
    (A) सोरोकिन (B) आर.के. मर्टन
    (C) एम. ट्यूमिन (D) टी. पारसंस
24. किसने कहा कि "सामाजिक विघटन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा एक समूह के सदस्यों के बीच सम्बन्ध टूट जाते हैं या समाप्त हो जाते हैं" ?
    (A) ई. एल. फैरिस
    (B) ऑगबर्न एवं निमकॉफ
    (C) थामस एवं नैनिकी
    (D) इलिएट एवं मेरिल
25. निम्नलिखित में से 'आकस्मिक' एवं 'दीर्घकालिक' अपराधी को किसने दो भागों में विभाजित किया ?
    (A) एलेक्जेंडर एवं स्टाव
    (B) हेण्डर्सन

(C) सदरलैंड
(D) के. डेविस

26. नातेदारी शब्दावली को दो भागों वर्णनात्मक एवं वर्गात्मक नातेदारी में किसने विभाजित किया ?
(A) एल.एच. मॉर्गन
(B) जी.पी. मुरडाक
(C) रॉबर्ट लावी
(D) रेडक्लिफ ब्राउन

27. परिहास सम्बन्ध किनके मध्य पाये जाते हैं ?
(A) पिता एवं पुत्र
(B) माता एवं पुत्री
(C) पिता एवं पुत्री
(D) जीजा एवं साली

28. समाज बनता है–
(A) व्यक्तियों से
(B) संस्थाओं से
(C) व्यक्तियों के सम्बन्धों से
(D) समितियों से

29. समाजशास्त्र (Sociology) शब्द की खोज कब हुई ?
(A) 1914 (B) 1919
(C) 1938 (D) 1947

30. सामाजिक स्तरीकरण का 'प्रकार्यात्मक सिद्धान्त' किसने प्रतिपादित किया ?
(A) कूले (B) के. डेविस
(C) कार्ल मार्क्स (D) मैक्स वेबर

31. "सभी सामाजिक परिवर्तन विचारों के माध्यम से घटित होते हैं, किसने कहा ?
(A) के. डेविस
(B) मैकाइवर एवं पेज
(C) एम. जिन्सबर्ग
(D) ऑगबर्न एवं निमकॉफ

32. हिन्दू विवाह के निम्नलिखित प्रकारों में कौनसा प्रकार उत्कृष्ट कोटि का विवाह नहीं कहा गया है ?
(A) ब्राह्म (B) दैव
(C) गांधर्व (D) आर्ष

33. "धर्म निरपेक्षीकरण शब्द का अर्थ है कि जो कुछ पहले धार्मिक माना जाता था, वह अब वैसा नहीं माना जा रहा है", किसने परिभाषित किया ?
(A) ए.आर. देसाई
(B) योगेन्द्र सिंह
(C) एम.एन. श्रीनिवास
(D) एस.सी. दुबे

34. ऐच्छिक सदस्यता सम्बन्धित है–
(A) समुदाय से
(B) समिति से
(C) संस्था से
(D) इनमें से कोई नहीं

35. निम्नलिखित में से कौन 'प्रकार्यवाद' के अध्ययन से जुड़ा है ?
(A) ऑगस्ट कॉम्टे
(B) डब्लू. पैरेटो
(C) आर.के. मर्टन
(D) ई. बोगार्ड्स

36. 'प्रगट प्रकार्य' तथा 'अप्रगट प्रकार्य' का वर्गीकरण किसने किया ?
(A) मैलिनोवस्की (B) मर्टन
(C) स्पेंसर (D) दुर्खीम

37. निम्नलिखित में से कौन 'समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय' से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) जी. सिमेल
(B) एल.टी. हॉबहाउस
(C) एफ. टॉनीज
(D) वॉन विजे

38. निम्नलिखित में से किसने 'जाति को एक बन्द वर्ग' के रूप में वर्णित किया है ?
(A) आर.के. मुकर्जी
(B) डी.पी. मुकर्जी
(C) डी.एन. मजूमदार
(D) ए.आर. देसाई

39. सामाजिक स्तरीकरण का आधार किसे माना जाता है ?
(A) वर्ण
(B) जाति
(C) शक्ति
(D) इनमें से कोई नहीं

40. 'प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष' सहयोग की अवधारणा किसने दी ?
(A) ग्रीन
(B) वेबर
(C) मैकाइवर एवं पेज
(D) जॉन्सन

41. समाजीकरण को सामाजिक प्रगति के निर्धारण में आधारभूत प्रक्रिया किसने प्रदर्शित किया है ?
(A) सिमेल (B) बर्गेस
(C) रॉस (D) वान विजे

42. आधुनिक समाज में अधिकांश सामाजिक प्रस्थितियाँ होती हैं–
(A) मनुष्य निर्मित
(B) ईश्वर द्वारा प्रदत्त
(C) अर्जित
(D) प्रदत्त

43. मॉर्गन ने उद्विकासीय क्रमानुसार परिवार के कितने प्रकारों का उल्लेख किया है ?
(A) चार (B) पाँच
(C) छः (D) सात

44. 'गरीबी की संस्कृति' की अवधारणा किसने विकसित की ?
(A) आर.एच. लावी
(B) आस्कर लेविस
(C) जान रेक्स
(D) गुन्नार मृडाल

45. 'भारतीय कृषक वर्ग' का वर्गीकरण 'मालिक, किसान और मजदूर' के रूप में किसने किया ?
(A) रेडफील्ड
(B) क्रोबर
(C) डैनियल थार्नर
(D) एम.एन. श्रीनिवास

46. कूले द्वारा वर्णित प्राथमिक समूहों में कौनसा सम्मिलित नहीं है ?
(A) परिवार
(B) स्कूल
(C) पड़ोस
(D) बच्चों के खेल समूह

47. 'चेतन तथा अचेतन' प्रकार के सामाजिक नियन्त्रण का उल्लेख किसके द्वारा किया गया है ?
(A) चार्ल्स कूले
(B) गुरविच तथा मूरे
(C) लेपियर
(D) कार्ल मैनहीम

48. "आधुनिकीकरण का औद्योगीकरण के साथ प्रकार्यात्मक साहचर्य", किसने कहा ?
(A) एन.जे. स्मेलसर
(B) ए.टी. जोन्स
(C) एन. जेकब
(D) डब्लू.ई. मूरे

49. जाति का आधार क्या है ?
(A) धर्म (B) जन्म
(C) प्रतिष्ठा (D) अनुष्ठान

50. "समाजशास्त्रीय क्षेत्र में, किसी अन्य लेखक की अपेक्षा, हर्बर्ट स्पेंसर के सामाजिक सिद्धान्तों ने, अधिक विवाद उत्पन्न किया है", यह किसने कहा है ?
(A) ई.एस. बोगार्ड्स
(B) पी.ए. सोरोकिन
(C) आर. बीरस्टीड
(D) एफ.एस. मार्विन

51. "धर्म वास्तविक है, परन्तु ईश्वर धर्म का सार नहीं है", यह किसका कथन है ?
(A) ऑगस्त कॉम्टे
(B) हर्बर्ट स्पेंसर
(C) मैक्स वेबर
(D) इमाइल दुर्खीम

52. देवर विवाह सम्पन्न होता है, जब एक पुरुष विवाह करता है–
(A) अपनी मृत पत्नी की बहन से
(B) उच्च जाति की स्त्री से
(C) निम्न जाति की स्त्री से
(D) अपने मृत भाई की विधवा से

53. "अपराधी जन्मजात होते हैं". इस सिद्धान्त का समर्थक कौन है ?
(A) सी. लोम्ब्रोसो
(B) चार्ल्स गोरिंग
(C) ई.एच. सदरलैण्ड
(D) डब्लू. रेकलेस

54. निम्नलिखित में से किसने आस्ट्रेलिया की 'अरुंटा' जनजाति का अध्ययन किया ?
(A) मैक्स वेबर
(B) बी. मैलिनोवस्की
(C) ई. दुर्खीम
(D) जेम्स फ्रेजर

55. घनिष्टता विहीन अनुभव प्रदान करने वाले समूह को कहा जाता है–
(A) प्राथमिक समूह
(B) द्वैतीयक समूह
(C) सन्दर्भ समूह
(D) अन्तःसमूह

56. 'रेन्टियर वर्ग' की अवधारणा किसने दी ?
(A) मार्क्स (B) वेबलेन
(C) स्पेंसर (D) पैरेटो

57. निम्नांकित में किसने जनजातियों की समस्याओं के समाधान के लिए 'राष्ट्रीय उद्यान' सम्बन्धी व्यवस्था की वकालत की है ?
(A) मजूमदार
(B) एन.के. बोस
(C) वी. एल्विन
(D) घुरिए

58. "संस्कृति इसलिए वह कुंजी है, जो मानव समाजों एवं मानव प्राणियों के विश्लेषण के द्वार खोलती है", किसने कहा है ?
(A) रॉबर्ट बीरस्टीड
(B) इ.ए. होबेल
(C) सी.एच. कूल
(D) इ.टी. हिलर

59. "बेरोजगारी श्रम बाजार की वह दशा है, जिसमें श्रम शक्ति की पूर्ति कार्य करने के स्थानों की संख्या से अधिक होती है", किसने परिभाषित किया ?
(A) इलिएट एवं मेरिल
(B) कार्ल प्रिब्राम
(C) आर.के. मर्टन
(D) आई.सी. ब्राउन

60. मैक्स वेबर ने सामाजिक क्रिया के कितने प्रकारों का उल्लेख किया है ?
(A) 6 (B) 8
(C) 4 (D) 10

61. भारत के जौनसार बावर की खास जनजाति में किस प्रकार के विवाह की पद्धति प्रचलित है ?
(A) एक विवाह
(B) बहु विवाह
(C) बहुपति विवाह
(D) बहुपत्नी विवाह

62. निम्नलिखित में से कौनसा कथन एक संस्था का बोध कराता है ?
(A) किसी स्थान पर लोगों का समूह
(B) एक अनुमोदित कार्यशैली
(C) कार्यप्रणाली के स्थापित नियम व दशाएँ
(D) कार्य-संस्कृति का प्रदर्शन

63. किसने कहा कि "पूँजी स्वयं में कोई बुराई नहीं है, बुराई तो उसका दुरुपयोग है. पूँजी की किसी न किसी रूप में आवश्यकता हमेशा रहेगी" ?
(A) कार्ल मार्क्स
(B) टी. वेबलेन
(C) महात्मा गांधी
(D) इनमें से कोई नहीं

64. बोटोमोर के अनुसार निम्नलिखित कारकों में से कौनसा कारक सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्तरदायी है ?
(A) पाश्चात्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
(B) सामाजिक नियोजन
(C) उपर्युक्त दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

65. निम्नलिखित में से कौनसा 'समुदाय' का तत्व नहीं है ?
(A) भूभाग
(B) हम की भावना
(C) सांस्कृतिक वैविध्य
(D) आत्मनिर्भरता

66. निम्नलिखित में कौन प्राथमिक सम्बन्धी नहीं है ?
(A) माता (B) पिता
(C) चाचा (D) भाई

67. 'श्वेत वसन अपराध' की अवधारणा किसने प्रस्तुत की ?
(A) सी. लोम्ब्रोसो
(B) ई.एच. सदरलैंड
(C) जेम्स शॉर्ट
(D) एच.एम. गोडार्ड

68. 'अधिकारी तन्त्र' से किन मूल्यों का ह्रास होता है ?
(A) आधुनिक मूल्यों का
(B) सामाजिक मूल्यों का
(C) राजनैतिक मूल्यों का
(D) परम्परागत मूल्यों का

69. निम्नलिखित में से कौनसी एक असहयोगी सामाजिक प्रक्रिया है ?
(A) आधुनिकीकरण (B) सहयोग
(C) प्रतिस्पर्द्धा (D) सात्मीकरण

70. जजमानी व्यवस्था अदला-बदली है–
(A) भूमि की
(B) मुद्रा की
(C) प्रलेख की
(D) सेवाओं एवं वस्तुओं की

71. सामाजिक समूहों को निम्नलिखित चार वर्गों में किसने विभाजित किया ?
(i) सांख्यिकीय समूह
(ii) सहयोगी समूह
(iii) सामाजिक समूह
(iv) समिति सम्बन्धी समूह
(A) सी.एच. कूले
(B) पी.ए. सोरोकिन
(C) ई. दुर्खीम
(D) रॉबर्ट बीरस्टीड

72. 'विवाह बीमार आत्माओं के लिए एक अस्पताल है'. ऐसा कथन किसने किया ?
(A) लूथर (B) बीरस्टीड
(C) प्रभु (D) कूले

73. निम्नलिखित में से कौन संघर्ष की विशेषता नहीं है ?
(A) निरन्तरता
(B) प्रत्यक्ष वैयक्तिक सम्पर्क
(C) सामाजिक मूल्यों का हनन
(D) अस्थिरता

74. निम्नलिखित में कौन तृतीयक सम्बन्धी है ?
(A) मामा (B) साले की पत्नी
(C) भाई का पुत्र (D) पिता

75. 2011 की जनगणना के आधार पर वह कौनसा राज्य है, जहाँ जनसंख्या कम हुई है ?
(A) अरुणाचल (B) नगालैण्ड
(C) हिमाचल (D) गोवा

76. 'संस्कृतिकरण' की अवधारणा घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है–
(A) प्राथमिक समूह से
(B) तृतीयक समूह से
(C) नकारात्मक समूह से
(D) सन्दर्भ समूह से

77. समाजशास्त्र में 'सामाजिक तथ्यों' के अध्ययन पर किसने बल दिया ?
(A) ऑगस्ट कॉम्टे
(B) मैक्स वेबर

(C) कार्ल मार्क्स
(D) इमाइल दुर्खीम

78. वेस्टरमार्क के अनुसार परिवार का प्रारम्भिक स्वरूप क्या था ?
(A) मातृसत्तात्मक (B) पितृवंशीय
(C) मातृवंशीय (D) पितृसत्तात्मक

79. 'दि लाइफ डिवाइन' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए–
(A) महात्मा गांधी
(B) जी.एस. घुरिए
(C) श्री अरविन्द
(D) आर.के. मुकर्जी

80. "पर्यावरण के मनुष्यकृत भाग" को हर्षकोविट्स क्या कहते हैं ?
(A) विज्ञान (B) सभ्यता
(C) संस्कृति (D) प्रौद्योगिकी

81. निम्नलिखित में से 'आत्मदर्पण' का सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया ?
(A) मीड (B) फ्रायड
(C) कूले (D) ब्लूमर

82. भारत में 'त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था' की अनुशंसा किसने की थी ?
(A) एल.एम. सिंघवी समिति
(B) जी.के.वी. राव समिति
(C) बलवन्त राय मेहता समिति
(D) अशोक मेहता समिति

83. निम्नांकित में 'पाश्चात्यीयकरण' की अवधारणा किसने दी ?
(A) योगेन्द्र सिंह
(B) टी.के. ओमेन
(C) एम.एन. श्रीनिवास
(D) मैकिम मैरिएट

84. 'एकबंधक' और 'बहुबंधक' समूहों का परिचय समाजशास्त्रीय साहित्य में किसने कराया ?
(A) ई. दुर्खीम
(B) सी.एच. कूले
(C) आर. बीरस्टीड
(D) पी.ए. सोरोकिन

85. "हम समितियों के सदस्य होते हैं, संस्थाओं के नहीं", यह किसने कहा ?
(A) गिलिन और गिलिन
(B) ऑगबर्न और निमकॉफ
(C) मैकाइवर और पेज
(D) के. डेविस

86. 'काका कालेलकर कमीशन' के अनुसार पिछड़े वर्गों के निर्धारण के मापदण्ड क्या है ?
(A) व्यक्ति (B) परिवार
(C) जाति (D) व्यवसाय

87. निम्नलिखित में से किसने 'त्रिस्तरीय नियम' का प्रतिपादन किया ?
(A) ऑगस्ट कॉम्टे
(B) हर्बर्ट स्पेंसर
(C) सेंट साइमन
(D) इनमें से कोई नहीं

88. "समाजशास्त्र का अतीत बहुत लम्बा है, किन्तु इसका इतिहास संक्षिप्त है", यह कथन किसका है ?
(A) के. डेविस
(B) रॉबर्ट बीरस्टीड
(C) ई. दुर्खीम
(D) मैकाइवर एवं पेज

89. निम्नलिखित में कौनसी 'समाजीकरण' की एजेन्सी नहीं है ?
(A) परिवार (B) स्कूल
(C) सम-समूह (D) मीडिया

90. निम्नलिखित में कौन 'विज्ञानों के वर्गीकरण' के लिए विख्यात है ?
(A) दुर्खीम (B) वेबर
(C) स्पेंसर (D) ऑगस्ट कॉम्टे

91. "नागरीकरण एक प्रक्रिया है और नगरवाद एक परिस्थिति है", किसने कहा ?
(A) बर्गेल (B) एण्डरसन
(C) घुरिए (D) राव

92. जाति का प्रजातीय सिद्धान्त किसने दिया ?
(A) जी.एस. घुरिए
(B) डी.एन. मजूमदार
(C) हर्बर्ट रिजले
(D) जे.एच. हट्टन

93. जब कोई निम्न हिन्दू जाति या कोई जनजाति या कोई अन्य समूह किसी उच्च या प्रायः द्विज जाति की दिशा में अपने रीतिरिवाज, कर्मकाण्ड, विचार-धारा और जीवन पद्धति को बदल लेता है, तो इस प्रक्रिया को कहते हैं–
(A) आधुनिकीकरण
(B) सार्वभौमीकरण
(C) पश्चिमीकरण
(D) संस्कृतिकरण

94. निम्नलिखित में से कौनसी एजेन्सी औपचारिक सामाजिक नियन्त्रण के अन्तर्गत नहीं आती ?
(A) कानून (B) जेल
(C) धर्म (D) राज्य

95. निम्नलिखित वर्ण का पुरुष जब उच्च वर्ण की कन्या से विवाह करता है, तो उसे कहते हैं–
(A) अनुलोम विवाह
(B) प्रतिलोम विवाह
(C) एक विवाह
(D) बहुविवाह

96. निम्नलिखित में से किसने 'सामूहिक प्रतिनिधान' को अवधारणा दी ?
(A) वेबर (B) दुर्खीम
(C) ऑगस्ट कॉम्टे (D) स्पेंसर

97. भारत में प्रच्छन्न बेरोजगारी पायी जाती है–
(A) औद्योगिक क्षेत्र में
(B) कृषि क्षेत्र में
(C) व्यापारिक क्षेत्र में
(D) सेवा क्षेत्र में

98. निम्नलिखित में से किसने 'स्थानीय-करण' एवं 'सार्वभौमीकरण' की जुड़वाँ अवधारणाओं का विकास किया ?
(A) एस.सी. दुबे
(B) जी.एस. घुरिए
(C) मैकिम मैरिएट
(D) आन्द्रे बेतेइ

99. भारत में 'जजमानी व्यवस्था' का सर्वप्रथम अध्ययन किसने किया था ?
(A) एस.सी. दुबे
(B) एम.एन. श्रीनिवास
(C) एच.एम. जान्सन
(D) डब्लू.एच. वाइजर

100. धर्मनिरपेक्षीकरण का अर्थ है–
(A) सभी धर्मों को समान सम्मान देना
(B) किसी धर्म में विश्वास न करना
(C) प्रत्येक धर्म के प्रति नफरत
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

101. अनुसूचित जनजातियों को किसने 'पिछड़े हिन्दू' शब्द से सम्बोधित किया ?
(A) बी.एस. गुहा
(B) जी.एस. घुरिए
(C) काका कालेलकर
(D) बी.आर. अम्बेडकर

102. निम्नलिखित में से कौन प्रघटनाशास्त्र का प्रणेता माना जाता है ?
(A) लारी स्पर्लिंग (B) अल्बर्ट हसर्ल
(C) पीटर बर्गर (D) टी. लुकमान

103. निम्नलिखित में से कौनसा 'श्वेत वसन अपराध' है ?
(A) उठाई गीरी (B) द्यूत क्रीड़ा
(C) चोरी (D) घूसखोरी

104. किसने परिभाषित किया है, "सामाजिक परिवर्तन से केवल उन्हीं परिवर्तनों को समझा जाता है, जो सामाजिक संगठन अर्थात् समाज के ढाँचे और प्रकार्यों में घटित होते हैं" ?
(A) जिन्सबर्ग
(B) डेविस
(C) गिलिन और गिलिन
(D) मैकाइवर और पेज

13857927

105. एक वयस्क अपराधी और बाल अपराधी में भेद करने का मुख्य आधार क्या है ?
(A) गम्भीर अपराध
(B) दुराचरण
(C) आयु
(D) गिरफ्तारी परवाना

106. निम्नलिखित में किसने समाज के 'सावयवी सिद्धान्त' को प्रतिपादित किया ?
(A) स्पेंसर (B) दुर्खीम
(C) वेबर (D) ऑगस्ट कॉम्टे

107. 'गोल गधेड़ो' किस जनजाति से सम्बन्धित है ?
(A) भील (B) नायर
(C) टोडा (D) खरिया

108. जे.एस. मिल ने कॉम्टे के नवीन विज्ञान (समाजशास्त्र) के लिए क्या नाम प्रस्तावित किया था ?
(A) सोशल फिजिक्स
(B) इकोलॉजी
(C) इथालॉजी
(D) सोशल फिलोसफी

109. 'कृषक समाज आधा समाज' है, ऐसा किसने कहा है ?
(A) जार्ज फास्टर
(B) रॉबर्ट रेडफील्ड
(C) एम.एन. श्रीनिवास
(D) आस्कर लेविस

110. जब हम परिवार को व्यक्तियों के एक गठित समूह के रूप में देखते हैं, तब इसे कहा जाता है–
(A) समिति (B) संस्था
(C) समुदाय (D) बाह्य समूह

111. भारत में सरकारी सेवा में 'अन्य पिछड़े वर्गों' के लिए आरक्षण का प्रतिशत क्या है ?
(A) 21 (B) 27
(C) 22 (D) 28

112. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों में से किसने संरचनाकरण की अवधारणा दी ?
(A) ए. गिडेन्स
(B) लेवी स्ट्रास
(C) टी. पारसंस
(D) सासुरे

113. समाजशास्त्र की पद्धतिशास्त्र में 'आदर्श प्ररूप' की अवधारणा को किसने विकसित किया ?
(A) ऑगस्ट कॉम्टे
(B) दुर्खीम
(C) वेबर
(D) स्पेंसर

114. किसने कहा कि "मद्यपान अनियन्त्रित पीना है" ?
(A) डब्लू.सी. रेकलेस
(B) डब्लू. रोचर
(C) ई.एच. जानसन
(D) ई.एच. बोगार्ड्स

115. परम्परात्मक हिन्दू समाज में विवाह के उद्देश्यों का सही क्रम क्या है ?
(A) प्रजा, रति एवं धर्म
(B) प्रजा, धर्म एवं रति
(C) धर्म, प्रजा एवं रति
(D) धर्म, रति एवं प्रजा

116. "व्यवसाय और केवल व्यवसाय ही जातिप्रथा की उत्पत्ति के लिए उत्तरदायी है". यह किसका मत है ?
(A) आर. नेस्फील्ड
(B) जी.एस. घुरिए
(C) एम.एन. श्रीनिवास
(D) जे.एच. हट्टन

117. प्रभुत्व जाति की अवधारणा किसने दी ?
(A) के.एम. कपाडिया
(B) एम.एन. श्रीनिवास
(C) जी.एस. घुरिए
(D) ए.आर. देसाई

118. 'अभौतिक संस्कृति' की अवधारणा किसने दी ?
(A) सोरोकिन (B) मैक्स वेबर
(C) पैरेटो (D) ऑगबर्न

119. भारत में प्रथम नियमित जनगणना किस वर्ष की गयी ?
(A) 1911 (B) 1931
(C) 1881 (D) 1880

120. श्रीनिवास ने 'संस्कृतीकरण' की अवधारणा का प्रयोग अपनी निम्नलिखित में से किस पुस्तक में किया ?
(A) इण्डियाज विलेज
(B) रिलीजन एण्ड सोसाइटी एमंग दि कूर्ग्स आफ साउथ इण्डिया
(C) सोशल चेंज इन मॉडर्न इण्डिया
(D) दि कोहेसिव रोल आफ संस्कृताइजेशन

121. 'वास्तविक' तथा 'सामान्य' सामाजिक संरचना के मध्य अन्तर किसने स्थापित किया ?
(A) नाडेल
(B) दुर्खीम
(C) मर्टन
(D) रेडक्लिफ ब्राउन

122. 'सोशियोलॉजी' दो शब्दों 'सोशियस' एवं 'लोगोस' के मेल से बना है. 'लोगोस' किस भाषा का है ?
(A) लैटिन (B) जर्मन
(C) यूनानी (D) फ्रांसीसी

123. जब किसी समुदाय में बड़ी संख्या में लोग अवैध साधनों द्वारा अपने लक्ष्यों को पाने का प्रयत्न करने लगते हैं, तब इस दशा को कहा जाता है–
(A) सामाजिक विघटन
(B) वैयक्तिक विघटन
(C) पारिवारिक विघटन
(D) सांस्कृतिक विघटन

124. "समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों के विषय में है". यह कथन किसका है ?
(A) मैकाइवर एवं पेज
(B) गिलिन एवं गिलिन
(C) गिडिंग्स
(D) दुर्खीम

125. मुस्लिम विवाह क्या है ?
(A) एक पवित्र संस्कार
(B) एक समझौता
(C) (A) और (B) दोनों
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) कई पंचायतों को मिलाकर एक विकास खण्ड होता है. इसका मुख्यालय सामुदायिक विकास केन्द्र कहलाता है. एक जिले में कई सामुदायिक केन्द्र होते हैं. सामुदायिक विकास योजना का प्रारम्भ 1952 में किया गया.
2. (C) मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे. उन्होंने पूँजीवाद के विकास को प्रोटेस्टेन्ट धर्म की शिक्षाओं से जोड़ा था.
3. (B) 4. (B)
5. (C) हरबर्ट स्पेंसर विक्टोरियाई काल के एक अंग्रेज दार्शनिक, समाजशास्त्री और प्रसिद्ध पारम्परिक उदारवादी राजनीतिक सिद्धान्तकार थे. समाज के उद्विकास का सिद्धान्त उन्होंने ही प्रतिपादित किया.
6. (B) बालविवाह प्रतिबंध अधिनियम 1929 को इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ऑफ इण्डिया में पारित हुआ. लड़कियों की शादी की उम्र 14 वर्ष और लड़कों की शादी की उम्र 18 वर्ष तय की गई. जिसे बाद में क्रमशः 18 और 21 कर दिया गया. इसके प्रायोजक हरविलास सारदा के बाद इसे शारदा अधिनियम के नाम से जाना जाता है.
7. (A) 8. (D) 9. (A) 10. (C)
11. (A) कोजर जर्मन अमरीकी समाजशास्त्री थे. इन्होंने प्रतिस्पर्धा को 'शान्तिपूर्ण संघर्ष' के रूप में वर्णन किया है.
12. (D) 13. (D) 14. (C)
15. (A) वर्ण व्यवस्था हिन्दू धर्म में सामाजिक कार्योन्नति का एक आधार है. हिन्दू धर्म ग्रन्थों के अनुसार समाज को चार वर्णों के कार्यों से समाज का स्थायित्व दिया गया

है. सर्वप्रथम ऋग्वेद में इसका उल्लेख किया गया है.

16. (D) 17. (C) 18. (C) 19. (A)
20. (A)
21. (B) प्राचीन काल में सामाजिक व्यवस्था के दो स्तम्भ थे–वर्ण और आश्रम. व्यक्तिगत संस्कार के लिए उसके जीवन का विभाजन चार आश्रमों में किया गया था. ये चार आश्रम थे–ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास.
22. (A) 23. (B) 24. (D) 25. (A)
26. (A) 27. (D) 28. (C) 29. (C)
30. (B) सामाजिक स्तरीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्तियों के समूहों को उनकी प्रतिष्ठा, सम्पत्ति और शक्ति की मात्रा के सापेक्ष पदानुक्रम में विभिन्न श्रेणियों में उच्च से निम्न रूप में स्तरीकृत किया जाता है.
31. (D)
32. (C) प्राचीन भारतीय स्मृतिकारों ने विवाह के जो आठ प्रकार मान्य किए थे, गंधर्व विवाह उनमें से एक है. इस विवाह में वर-वधू को अपने अभिभावकों की अनुमति लेने की जरूरत नहीं पड़ती थी. इसे आधुनिक प्रेम विवाह का प्राचीन रूप भी कह सकते हैं.
33. (C) मैसूर नरसिंहाचार श्रीनिवास भारत के सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री थे. उन्होंने दक्षिण भारत में जाति तथा जातिप्रथा, सामाजिक स्तरीकरण, सांस्कृतीकरण तथा पश्चिमीकरण पर कार्य किया. उन्होंने प्रबल जाति की अवधारणा प्रस्तुत की.
34. (B) 35. (C) 36. (B) 37. (B)
38. (C) 39. (D) 40. (C) 41. (B)
42. (C) 43. (B)
44. (B) आस्कर लेविस अमरीकन मानवशास्त्री थे. उन्होंने गरीबी की संस्कृति की अवधारणा का विश्लेषण किया था.
45. (C) डैनियल थार्नर अमरीका के अर्थशास्त्री थे. वे 1950 के दशक में भारतीय योजना आयोग से जुड़े थे.
46. (B) 47. (A) 48. (D) 49. (B)
50. (A) 51. (D) 52. (D)
53. (A) शेजोर लोम्ब्रोजो इटली के अपराधशास्त्री एवं चिकित्सक थे. उन्होंने इटली के सकारात्मक अपराध विज्ञान विद्यालय की स्थापना की. उन्हें प्रायः अपराध-शास्त्र का जनक माना जाता है.
54. (C) इमाईल दुर्खीम फ्रांस के महान् समाजशास्त्री थे.
55. (B) 56. (D) 57. (C) 58. (A)
59. (B) 60. (C)
61. (C) बहुपतित्व उस सामाजिक स्थिति को कहते हैं जिसमें स्त्रियाँ एक साथ एक से अधिक पति रखती हों.
62. (C) 63. (C) 64. (C) 65. (C)
66. (C)
67. (B) सफेद कॉलर अपराध (White Collar Crime) आर्थिक रूप से प्रेरित अहिंसक व्यापार और सरकार के पेशेवरों द्वारा प्रतिबद्ध अपराध को दर्शाता है. अपराध के भीतर यह पहली बार 1939 में समाजशास्त्री एडविन सदरलैंड द्वारा परिभाषित किया गया था.
68. (D) 69. (C) 70. (D) 71. (D)
72. (A) 73. (A) 74. (B) 75. (B)
76. (D) संस्कृतिकरण भारत में देखा जाने वाला विशेष तरह का सामाजिक परिवर्तन है. इसका मतलब है कि वह प्रक्रिया जिसमें जाति व्यवस्था में निचले पायदान पर स्थित जातियाँ ऊँचा उठने का प्रयास करती है. ऐसा करने के लिए वे उच्च या प्रभावी जातियों के रीति-रिवाज या प्रचलनों को अपनाती हैं.
77. (D) 78. (D) 79. (C) 80. (C)
81. (C) आत्म दर्पण का सिद्धान्त एच. सी. कूले द्वारा 1902 में प्रतिपादित किया गया था. इस सिद्धान्त के अन्तर्गत कूले कहते हैं कि समाज एक दर्पण के समान होता है. व्यक्ति अपने आपको वैसे ही बनाता है जैसे समाज में वह जाता है.
82. (C) बलवंतराय मेहता एक भारतीय राजनीतिज्ञ और गुजरात के दूसरे मुख्यमंत्री थे. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की दिशा में उनके योगदान के लिए उन्हें पंचायती राज का वास्तुकार माना जाता है.
83. (C) 84. (D) 85. (C) 86. (C)
87. (A) 88. (B) 89. (D) 90. (D)
91. (A)
92. (C) हर्बर्ट होप रिजले एक अंग्रेजी नृवंश विज्ञानी और औपनिवेशिक प्रशासक थे. वह 1901 की जनगणना में ब्रिटिश भारत के सारे हिन्दू आबादी को जाति व्यवस्था का औपचारिक आवेदन देने के लिए प्रसिद्ध हैं.
93. (D) 94. (C)
95. (B) प्रतिलोम विवाह उस विवाह को कहते हैं जिसमें उच्च कुल की स्त्री निम्न कुल के पुरुष से विवाह करती है.
96. (B) 97. (B) 98. (C)
99. (D) डब्लू. एच. वाइजर अमरीकन मानवशास्त्री थे. उन्होंने उत्तर प्रदेश में रहकर सर्वप्रथम जजमानी व्यवस्था पर अन्वेषण का कार्य किया.
100. (A) धर्मनिरपेक्षीकरण समाज का, धार्मिक मूल्यों व संस्थानों के साथ करीबी तादात्म्य से, गैर-धार्मिक मूल्यों व धर्म-निरपेक्ष संस्थानों की ओर प्रतिवर्तन है.
101. (B) गोविन्द सदाशिव घुरिए भारत के एक समाज-विज्ञानी थे.
102. (B) 103. (D) 104. (B) 105. (C)
106. (A) 107. (A) 108. (C) 109. (A)
110. (A) 111. (B) 112. (A)
113. (C) मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे. इन्हें आधुनिक समाजशास्त्र के जन्मदाताओं में से एक माना जाता है.
114. (A) डब्ल्यू. सी. रेकलेस अमरीका के अपराधशास्त्र विज्ञानी थे.
115. (C) 116. (A) 117. (B) 118. (D)
119. (C) 120. (B) 121. (D) 122. (C)
123. (A) 124. (A) 125. (B)

●●●

शेष पृष्ठ 155 का

$$ab = \frac{85}{15} = \frac{17}{3}$$

तब, $(a-b) = 5$

दोनों तरफ वर्ग करने पर,

$$a^2+b^2-2\times\frac{17}{3} = 25$$

$$a^2+b^2 = 25+\frac{34}{3}=\frac{109}{3}$$

$$\because \quad (a+b)^2 = a^2+b^2+2ab$$

$$= \frac{109}{3}+\frac{34}{3}=\frac{143}{3}$$

$$\text{तब}, (a+b)^2-ab = \frac{143}{3}-\frac{17}{3}$$

$$= \frac{126}{3} = 42$$

73. (B) विकल्प (B) से x का मान रखने पर,

$$(4-4)^3+(4-5)^3+(4-3)^3$$
$$= 3(4-4)(4-5)(4-3)$$
$$0+(-1)+1$$
$$= 3\times 0\times(-1)(1)$$
$$0 = 0$$

74. (A) माना कार्यालय जाने के दौरान व्यक्ति की गति

$$= x \text{ किमी/घण्टा}$$

प्रश्नानुसार,

$$\frac{2\times x\times 4x}{(x+4x)} = 15$$

$$8x^2 = 75x$$

$$x = \frac{75}{8} \text{ किमी/घण्टा}$$

75. (D) माना संख्या $= x$

प्रश्नानुसार, $x\times\frac{50}{100}+75 = x$

$$\frac{50x}{100} = 75$$

$$x = 150$$

English Comprehension

76. (A) 77. (B) 78. (A) 79. (A)
80. (A) 81. (C) 82. (B) 83. (C)
84. (C) 85. (A) 86. (B) 87. (A)
88. (B) 89. (D) 90. (C) 91. (D)
92. (B) 93. (C) 94. (C) 95. (A)
96. (C) 97. (B) 98. (A) 99. (A)
100. (B)

●●●

वाणिज्य

1. खाते के दोनों पक्षों का योग करने और अन्तर को ज्ञात करना कहलाता है–
(A) योग करना
(B) परीक्षण करना
(C) सन्तुलित करना
(D) वर्गीकृत करना

2. लेखांकन की वह अवधारणा जिसका आधार पर लाभ और हानि खाता तैयार किया जाता है, कहलाती है–
(A) लागत (B) वसूली
(C) मिलान (D) प्रकटन

3. निम्नांकित में से कौनसा मुद्रा का कार्य नहीं है ?
(A) विनिमय का माध्यम
(B) मूल्य का संग्रहण
(C) कीमतों का स्थिरीकरण
(D) मापन की इकाई

4. व्यक्तिगत विक्रय में सम्मिलित है–
(A) मौखिक सम्प्रेषण
(B) आमने-सामने की बातचीत
(C) ग्राहकों से बातचीत
(D) उपर्युक्त सभी

5. एक जर्नल प्रविष्टि, जिसमें दो या दो से अधिक खाते डेबिट/क्रेडिट किए जाते हों, कहलाती है–
(A) दोहरी प्रविष्टि
(B) बहु प्रविष्टि
(C) अतिरिक्त प्रविष्टि
(D) संयुक्त प्रविष्टि

6. "प्रबन्धन एक ऐसा अंग है जिसे केवल कार्यों के माध्यम से परिभाषित किया जा सकता है." यह परिभाषा दी गयी है–
(A) एडम स्मिथ द्वारा
(B) जॉर्ज टेरी द्वारा
(C) पीटर एफ. ड्रकर द्वारा
(D) हेनरी फेयोल द्वारा

7. प्रतिस्पर्धा को प्रतिबन्धित करना है एक–
(A) अनुचित व्यापार व्यवहार
(B) एकाधिकार व्यापार व्यवहार
(C) प्रतिबन्धित व्यापार व्यवहार
(D) ये सभी

8. एक लिपिक रमेश को भुगतान किए गए वेतन को क्रेडिट किया जाना चाहिए–
(A) रमेश के खाते में
(B) वेतन खाते में
(C) रोकड़ खाते में
(D) लाभ-हानि खाते में

9. सिस्टम दृष्टिकोण इनके द्वारा प्रचारित नहीं है–
(A) डब्ल्यू. जी. स्कॉट
(B) रॉबर्ट
(C) पीटर ड्रकर
(D) जे.डी. थॉमसन

10. पुस्तपालन का मुख्य कार्य है–
(A) लेनदेनों के अभिलेखन की प्रणाली तैयार करना
(B) लेखांकक को जिम्मेदारी सौंपना
(C) वित्तीय समंकों का अभिलेखन करना
(D) अभिलेखित समंकों का वर्गीकरण करना

11. कम्पनी अधिनियम की धारा 2(36) किससे सम्बन्धित है ?
(A) सीमा नियम (B) प्रविवरण
(C) अंतर्नियम (D) समामेलन

12. निम्नलिखित में से कौनसा औसत बिन्दुरेखीय प्रदर्शन द्वारा ज्ञात नहीं किया जा सकता है ?
(A) समान्तर माध्य
(B) चतुर्थक
(C) माध्यिका
(D) बहुलक

13. ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न होता है जब ध्वनि तरंगें बढ़ जाती हैं–
(A) 20-30 डेसीबल से
(B) 30-40 डेसीबल से
(C) 40-50 डेसीबल से
(D) इनमें से कोई नहीं

14. इनमें से कौनसा संगठित मुद्रा बाजार का अंग नहीं है ?
(A) केन्द्रीय बैंक
(B) व्यावसायिक बैंक
(C) देशी बैंकर
(D) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

15. एक देनदार को दी गयी नकद छूट, क्रेडिट की जानी चाहिए–
(A) छूट खाते में
(B) ग्राहक के खाते में
(C) विक्रय खाते में
(D) क्रय खाते में

16. किराया क्रय पद्धति में सम्पत्ति खाता डेबिट किया जाता है–
(A) किराया क्रय मूल्य से
(B) नकद मूल्य से
(C) विक्रेता के लागत मूल्य से
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. एक सीधी माँग रेखा के मध्य बिन्दु पर माँग की लोच होती है–
(A) शून्य
(B) इकाई के बराबर
(C) इकाई से अधिक
(D) इकाई से कम

18. अंशों के समर्पण का प्रभाव वही होता है, जो होता है अंशों के–
(A) निर्गमन का
(B) हरण का
(C) पुनर्निर्गमन का
(D) इनमें से कोई नहीं

19. साधारण तौर पर धन के परम्परागत दृष्टिकोण के अनुसार इसमें यह शामिल है–
(A) मुद्रा
(B) मुद्रा एवं माँग जमाराशि
(C) मुद्रा एवं बैंक जमाराशि
(D) समस्त तरल परिसम्पत्तियाँ

20. एक नया साझेदार अपने भाग की ख्याति के रूप में नकदी लाता है. यह राशि पुराने साझेदारों में बाँटी जाएगी–
(A) पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में
(B) बराबर अनुपात में
(C) पूँजी के अनुपात में
(D) त्याग के अनुपात में

21. कार्यालय कार्य निष्पादन हेतु सामान्य नियमों एवं विनियमों का उल्लेख किया जाता है–
(A) संगठन की नियमावली में
(B) कार्यालय नियमावली में
(C) संगठन की रूपरेखा में
(D) प्रबन्धकीय दिशा-निर्देश में

22. निम्नलिखित में से कौनसा उत्पादन फलन का एक गुण नहीं है ?
(A) प्रवाह संकल्पना
(B) प्रौद्योगिकी की अवस्था
(C) आगतों की मात्रा
(D) आगतों की अवस्था

23. किसी ग्राहक द्वारा वापस किए गए माल को डेबिट किया जाता है–
(A) विक्रय वापसी खाते में
(B) ग्राहक के खाते में
(C) क्रय खाते में
(D) स्टॉक खाते में

24. किस्त भुगतान पद्धति की दशा में विक्रेता को कुल प्राप्य ब्याज जमा किया जाता है–
(A) ब्याज उचन्त खाते में
(B) ब्याज खाते में
(C) विक्रय खाते में
(D) इनमें से कोई नहीं

25. चार्टर पार्टी का प्रयोग किया जाता है–
(A) निर्यात व्यापार में
(B) आयात व्यापार में
(C) आन्तरिक व्यापार में
(D) इनमें कोई नहीं

26. बैंकों के मृत स्टॉक के सन्दर्भ में निम्नांकित में कौनसा कथन असत्य है ?
(A) इनसे बैंक को लाभ प्राप्त नहीं होता है
(B) इसमें फर्नीचर तथा भवन शामिल है
(C) इन्हें प्रतिष्ठा बढ़ाने हेतु उपयोग किया जाता है
(D) ये गैर-निष्पादन सम्पत्तियाँ हैं

27. भारत के विदेशी व्यापार की समस्याओं में से एक है–
(A) आयात का रुपयों में भुगतान
(B) निर्यात की मात्रा में होने वाली वृद्धि
(C) व्यापार की प्रतिकूल शर्तें
(D) इनमें से कोई नहीं

28. भारतीय अर्थव्यवस्था में 1991 के संकट की उत्पत्ति हुई थी–
(A) घरेलू क्षेत्र से
(B) बाह्य क्षेत्र से
(C) (A) और (B) दोनों से
(D) इनमें से कोई नहीं

29. निम्नांकित में कौनसा हॉथोर्न परीक्षण का अंग नहीं है ?
(A) रोशनी
(B) जन साक्षात्कार
(C) बैंक वायरिंग अवलोकन कक्ष
(D) जनसभाकक्ष

30. निम्नलिखित में से कौनसा एक अपकिरण का सापेक्ष माप है ?
(A) माध्य विचलन
(B) प्रमाप विचलन
(C) विचरण गुणांक
(D) प्रसरण

31. तोरण वक्र की सहायता से हम अनुमान लगा सकते हैं–
(A) समान्तर माध्य (B) बहुलक
(C) माध्यिका (D) ये सभी

32. प्रवर्तक द्वारा अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए आहरित नकद को डेबिट किया जाता है–
(A) बिक्री खाते में
(B) पूँजी खाते में
(C) आहरण खाते में
(D) (B) और (C) दोनों में

33. निकट धन की निकटता इस पर आधारित है–
(A) वैधता (B) लाभदायकता
(C) मान्यता (D) तरलता

34. तीन खानों वाली रोकड़ पुस्तक में प्राप्त हुई नकद छूट की प्रविष्टि की जाती है–
(A) डेबिट पक्ष में
(B) क्रेडिट पक्ष में
(C) कोई प्रविष्टि नहीं की जाती
(D) एक नोट के रूप में लिखी जाती है

35. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारों के मध्य लाभ एवं हानि का वितरण समान अनुपात में होता है
(B) अवयस्क साझेदार लाभ में अपना हिस्सा प्राप्त कर सकता है
(C) साझेदारों के मध्य सम्बन्ध संलेख द्वारा उत्पन्न होता है
(D) साझेदारी का पंजीकरण अनिवार्य है

36. निम्नलिखित में से एक पूर्ण बाजार संरचना की विशेषता है–
(A) प्रविष्टि बाधाएँ
(B) अन्तरनिर्भरता
(C) बिक्री लागतों की अनुपस्थिति
(D) गैर-मूल्य प्रतिस्पर्धा

37. मेक ग्रेगर ने प्रतिपादित किया–
(A) 'एक्स' सिद्धान्त
(B) 'वाई' सिद्धान्त
(C) 'एक्स' सिद्धान्त और 'वाई' सिद्धान्त दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

38. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) पुस्तपालन का कार्य विश्लेषणात्मक प्रकृति का है
(B) व्यापारिक लेनदेनों का अभिलेखन करने हेतु पुस्तपालन कला व विज्ञान दोनों है
(C) लेनदेन निश्चित पुस्तकों के समूह में अभिलेखित किए जाते हैं
(D) पुस्तपालन लेखा पुस्तकों में अभिलेखन करने की विधि है

39. फर्नीचर के लिए माँग है–
(A) उपभोक्ता माँग
(B) स्थायी माँग
(C) उत्पादक की माँग
(D) (A) और (B) दोनों

40. अपहृत अंशों के पुनर्निगमन के पश्चात् अंश अपहरण खाते का शेष हस्तांतरित किया जाता है–
(A) सामान्य संचय खाता
(B) लाभ-हानि खाता
(C) प्रतिभूति प्रीमियम खाता
(D) पूँजी संचय खाता

41. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) तलपट का उद्देश्य पुस्तकों की शुद्धता की जाँच करना है
(B) तलपट अन्तिम खाते तैयार करने के लिए आधार प्रदान करता है
(C) सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ तलपट के तालमेल को प्रभावित नहीं करती हैं
(D) क्षतिपूरक अशुद्धियाँ समकारी अशुद्धियों के नाम से भी जानी जाती हैं

42. श्रीमान 'एक्स' टी.सी.एस. के विपणन प्रबन्धक हैं. वे हैं–
(A) प्रथम स्तर के प्रबन्धक
(B) मध्य स्तर के प्रबन्धक
(C) शीर्ष स्तर के प्रबन्धक
(D) इनमें से कोई नहीं

43. मैसर्स स्टेशनरी मार्ट द्वारा क्रय की गई स्टेशनरी को डेबिट किया जाएगा–
(A) सामान्य व्यय खाते में
(B) क्रय खाते में
(C) स्टेशनरी खाते में
(D) इनमें में से कोई नहीं

44. पुस्तपालन का मुख्य उद्देश्य है–
(A) लाभ अथवा हानि ज्ञान करना
(B) व्यवसायिक लेनदेनों के सही एवं पूर्ण अभिलेखन रखना
(C) सम्पत्तियों एवं दायित्वों की सही स्थिति दर्शाना
(D) व्यवसायिक लेनदेनों की शुद्धता का परीक्षण करना

45. सामान्यतः उत्पादों के विक्रय से हुई आय उस अवधि की आय के रूप में दिखाई जाती है जिसमें–
(A) बिक्री हुई है
(B) रोकड़ की प्राप्ति हुई है
(C) आदेश की प्राप्ति हुई है
(D) चेक की प्राप्ति हुई है

46. निम्नलिखित में से कौनसा एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा का एक लक्षण है ?
(A) भारी विज्ञापन
(B) गैर-मूल्य प्रतिस्पर्धा
(C) अंतनिर्भर फर्म
(D) मूल्य प्रतिस्पर्धा

47. समच्छेद विश्लेषण को ऐसा भी माना जाता है–
(A) लागत मात्रा लाभ विश्लेषण

(B) लागत लाभ विश्लेषण
(C) वृद्धिशील विश्लेषण
(D) इनमें से कोई नहीं

48. निम्नलिखित में से कौनसी अशुद्धि तलपट को प्रभावित करती है ?
(A) P से प्राप्त ₹ 1,200 का प्राप्य विपत्र को प्रविष्टि देय विपत्र दैनिक पुस्तक में ₹ 2,100 से की गई
(B) एक दिवालिया देनदार की सम्पत्ति से प्राप्त ₹ 300 उसके खाते में क्रेडिट कर दिया गया, जबकि गत वर्ष में ही इसे अपलिखित किया जा चुका था
(C) एक देनदार को देय ₹ 800 देनदारों की सूची में शामिल करने से छूट गया
(D) पुरानी मशीन ₹ 700 में उधार बेची गई जिसकी प्रविष्टि विक्रय पुस्तक के माध्यम से की गई

49. यदि बैंक खाते का डेबिट पक्ष से क्रेडिट पक्ष अधिक है, तो यह इंगित करता है–
(A) बैंक अधिविकर्ष
(B) बैंक में नकद
(C) बैंक में शेष
(D) चालू सम्पत्ति

50. फर्नीचर व्यापारी द्वारा की गई फर्नीचर की नकद बिक्री को डेबिट किया जाता है–
(A) रोकड़ खाते में
(B) बिक्री खाते में
(C) फर्नीचर खाते में
(D) इनमें से कोई नहीं

51. मुद्रा के मूल्य से तात्पर्य है–
(A) मुद्रा के माध्यम से खरीदे गये स्वर्ण से
(B) मुद्रा की सामान्य क्रयशक्ति से
(C) मुद्रा के लिए माँग से
(D) मुद्रा में अंतर्निहित मूल्य से

52. अर्थव्यवस्था का जनक किसे कहते हैं ?
(A) मैक्समुलर (B) कार्ल मार्क्स
(C) एडम स्मिथ (D) सैमुअलसन

53. लघुकार्य का आशय है–
(A) अधिकार शुल्क पर न्यूनतम किराये का आधिक्य
(B) न्यूनतम किराये पर अधिकार शुल्क का आधिक्य
(C) अधिकार शुल्क का आधिक्य
(D) न्यूनतम किराये पर वास्तविक शुल्क का आधिक्य

54. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान–
(A) बढ़ रहा है
(B) घट रहा है
(C) स्थिर है
(D) इनमें में से कोई नहीं

55. विक्रय बही एक अभिलेख है–
(A) केवल वस्तुओं की नकद बिक्री का
(B) केवल सम्पत्तियों की बिक्री का
(C) केवल वस्तुओं की उधार बिक्री का
(D) सभी विक्रयों का

56. निम्नांकित प्रलेखों में कौनसे प्रलेख नकद बिक्री प्रमाणन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं ?
(A) दैनिक नकद बिक्री संक्षेप
(B) ग्राहकों को भेजा गया मासिक विवरण
(C) विक्रयकर्ता द्वारा दिया गया विवरण
(D) बैंक विवरण

57. किसी व्यवसाय की आय क्षमता का बढ़ाने के लिए व्यय की गई राशि है–
(A) पूँजी हानि
(B) आस्थगित राजस्व व्यय
(C) राजस्व व्यय
(D) पूँजीगत व्यय

58. "धन एक ऐसा केन्द्र बिंदु है जिसके चारों तरफ आर्थिक विज्ञान घिरा होता है." यह कथन व्यक्त किया गया था–
(A) एडम स्मिथ द्वारा
(B) अल्फ्रेड मार्शल द्वारा
(C) जे.एम. कीन्स द्वारा
(D) कौटिल्य द्वारा

59. किस बाजार संरचना में माँग पूर्णतः लोचशील है ?
(A) द्विअधिकार
(B) पूर्ण प्रतियोगिता
(C) एकाधिकार
(D) अल्पाधिकार

60. "बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है." इस नियम के प्रतिपादक थे–
(A) जे.एम. कीन्स (B) थॉमस ग्रेशम
(C) सैमुअलसन (D) क्राउथर

61. वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से प्राप्त उपयोगिता कहलाती है–
(A) कुल उपयोगिता
(B) सीमान्त उपयोगिता
(C) अतिरिक्त उपयोगिता
(D) व्युत्पन्न उपयोगिता

62. प्रमाणन का सम्बन्ध है–
(A) लेनदेनों की अधिकारिकता एवं प्रामाणिकता से
(B) प्रलेखीय साक्ष्यों की वैधता से
(C) पुस्तकों में अभिलेखित प्रविष्टियों एवं खतौनियों की शुद्धता से
(D) ये सभी से

63. निम्नांकित में से कौनसी प्राथमिक आँकड़े संग्रह करने की विधि नहीं है ?
(A) प्रत्यक्ष साक्षात्कार
(B) परोक्ष साक्षात्कार
(C) राष्ट्रीय प्रकाशन
(D) प्रश्नावली पद्धति

64. निम्नलिखित में से कौनसी एक लिपिकीय त्रुटि नहीं है ?
(A) चूक की त्रुटि
(B) करण त्रुटि
(C) सिद्धांत की त्रुटि
(D) क्षतिपूरक त्रुटि

65. पूँजी का वह हिस्सा, जिसे कम्पनी के समापन के समय माँगा जा सकता है, कहलाता है–
(A) आरक्षित पूँजी (B) अयाचित पूँजी
(C) निर्गत पूँजी (D) अधिकृत पूँजी

66. लेटिन शब्द 'अडियर' का अर्थ है–
(A) सुधारने के लिए
(B) हिम्मत करने के लिए
(C) सुनने के लिए
(D) यहाँ तक

67. अंकेक्षण का उद्देश्य क्या नहीं है ?
(A) मूल प्रविष्टियों का अभिलेखन करना
(B) वित्तीय विवरणों का सत्यापन करना
(C) त्रुटियों का पता लगाना
(D) धोखाधड़ी का पता लगाना

68. किसी कम्पनी में आन्तरिक अंकेक्षक की नियुक्ति की जाती है–
(A) संचालक मंडल द्वारा
(B) अंशधारियों द्वारा
(C) सरकार द्वारा
(D) लेनदारों द्वारा

69. अधिकार शुल्क खातों के अन्तर्गत, यदि कुछ अवधि के लिए हड़ताल होती है, तो–
(A) अधिकार शुल्क आनुपातिक रूप से कम कर दिया जाता है
(B) लघुकार्य आनुपातिक रूप से कम कर दी जाती है
(C) न्यूनतम किराया आनुपातिक रूप से कम कर दिया जाता है
(D) ये सभी

70. जब सहायक बहियाँ रखी जाती हैं, तब ग्राहकों को विशेष छूट की प्रविष्टि की जाती है–
(A) जर्नल में
(B) विक्रय बही में
(C) नकद बही में
(D) इनमें से कोई नहीं

71. अंकेक्षक द्वारा किए जाने वाले कार्य की योजना कहलाती है–
(A) अंकेक्षक प्रणाली
(B) अंकेक्षण सर्वेक्षण
(C) अंकेक्षण कार्यक्रम
(D) अंकेक्षण दिशा-निर्देश

72. नियत क्रमबद्ध संख्याओं का मध्य मूल्य है–
(A) बहुलक (B) माध्य
(C) माध्यिका (D) चतुर्थक

73. आय एवं व्यय खाते द्वारा प्रकट होने वाले आधिक्य अथवा कमी को अंतरित किया जाता है–
(A) प्राप्ति एवं भुगतान खाते में
(B) लाभ एवं हानि खाते में
(C) पूँजी खाते में
(D) पूँजी निधि में

74. "प्रबन्धन हर जगह अधिशासी नेतृत्व का कार्य है." यह परिभाषा दी गई है–
(A) पी. कोटलर द्वारा
(B) एच. कून्ज द्वारा
(C) आर.सी. डेविस द्वारा
(D) ओ'डोनेल द्वारा

75. निम्नलिखित में से कौनसी त्रुटि तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करती ?
(A) निक्षेपण एवं खतौनी सम्बन्धी त्रुटियाँ
(B) तलपट से चूकी हुई राशि
(C) सम्पत्ति का व्यय के रूप में अभिलेखन
(D) बही खाते में किसी प्रविष्टि को करने में चूक

76. अंकेक्षक रिपोर्ट देता है–
(A) खातों की सत्यता पर
(B) खातों की निष्पक्षता पर
(C) खातों की वैधता पर
(D) उपर्युक्त सभी

77. निरक्षर उपभोक्ताओं के लिए कौनसा माध्यम उपयोगी है ?
(A) प्रकाशन माध्यम
(B) प्रसारण माध्यम
(C) पोस्टर/होर्डिंग
(D) पारगमन साधन

78. प्रश्नावली में सीधे विकल्पीय प्रश्नों के उत्तर कितने होने चाहिए ?
(A) तीन (B) दो
(C) कुछ नहीं (D) अनके (कई)

79. उत्पादक सेवाओं के आगतों की दर और निर्गत की दर के बीच सम्बन्ध कहलाता है–
(A) उत्पादन फलन
(B) उपयोगिता फलन
(C) आपूर्ति फलन
(D) इनमें से कोई नहीं

80. कम्पनी के पार्षद सीमा नियम पर हस्ताक्षर करने वालों को कहते हैं–
(A) अंशधारी
(B) निदेशक
(C) पार्षद सीमा नियम के लिए अभिदाता
(D) प्रवर्तक

81. माँग का नियम कहता है कि–
(A) कीमत तथा माँग के मध्य सदैव सीधा सम्बन्ध होता है
(B) कीमत तथा माँग के मध्य सदैव विपरीत सम्बन्ध होता है
(C) माँग तथा इच्छा के मध्य सदैव सीधा सम्बन्ध होता है
(D) माँग तथा कीमत के मध्य कोई सम्बन्ध नहीं होता

82. "मुद्रा वह है जो मुद्रा का कार्य करे." यह किसने कहा ?
(A) वॉकर (B) रॉबर्टसन
(C) क्राउथर (D) पॉल इनजिंग

83. बहीखाते का उद्देश्य है–
(A) लेनदेनों का वर्गीकरण
(B) लेनदेनों का समूहीकरण
(C) प्रत्येक खाते में शेष ज्ञात करना
(D) उपर्युक्त सभी

84. लाभ-हानि खाते के प्रतिकूल शेष को–
(A) दायित्वों में जोड़ना चाहिए
(B) सम्पत्तियों को घटाना चाहिए
(C) पूँजी से घटाना चाहिए
(D) इनमें से कोई नहीं

85. घटती सीमांत उपयोगिता के नियम का प्रसार किया गया था–
(A) एच.एच. गोसेन द्वारा
(B) अल्फ्रेड मार्शल द्वारा
(C) गोसेन और मार्शल द्वारा
(D) इनमें से कोई नहीं

86. फर्म के विघटन पर अशोध्य ऋण संचय खाते का शेष हस्तान्तरित किया जाता है–
(A) सामान्य संचय खाते में
(B) देनदार खाते में
(C) वसूली खाते में
(D) साझेदारों के पूँजी खाते में

87. निम्नांकित में कौनसा अंकेक्षण का उद्देश्य नहीं है ?
(A) त्रुटियों का पता लगाना
(B) खातों का सत्यापन
(C) धोखाधड़ी के लिए सजा
(D) धोखाधड़ी की रोकथाम

88. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(A) जब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है, सीमान्त उपयोगिता शून्य होती है
(B) जब कुल उपयोगिता घटती है, सीमान्त उपयोगिता स्थिर रहती है
(C) कुल उपयोगिता तथा सीमान्त उपयोगिता परस्पर सम्बन्धित नहीं होती है
(D) उपर्युक्त सभी

89. निम्नलिखित में कौनसा आधुनिक कार्यालय का कार्य है ?
(A) सूचना प्राप्त करना
(B) सूचना प्रदान करना
(C) जनसम्पर्क
(D) ये सभी

90. एक वस्तु की बिक्री बढ़ाने का सर्वोत्तम माध्यम है–
(A) प्रदर्शनी
(B) मेला
(C) विज्ञापन
(D) इनमें से कोई नहीं

91. उद्देश्यों के द्वारा प्रबंधन सिद्धान्त की अवधारणा को प्रसारित किया गया था–
(A) हेराल्ड कून्ज द्वारा
(B) राल्फ डेविस द्वारा
(C) एच.एल. गैन्ट द्वारा
(D) पीटर एफ. ड्रकर द्वारा

92. एक अंकेक्षक मुख्यतः निम्नलिखित प्रकार की धोखाधड़ी का पता लगाने का प्रयास करता है–
(A) नकदी का दुरुपयोग
(B) सामग्री का दुरुपयोग
(C) लेखा पुस्तकों में धोखाधड़ी
(D) उपर्युक्त सभी

93. निम्नांकित में से कौनसी मुद्रा की सामाजिक बुराई नहीं है ?
(A) व्यापार चक्र (B) कपट
(C) हत्या करना (D) भ्रष्टाचार

94. निम्नलिखित में से कौनसा अपकिरण की एक माप नहीं है ?
(A) विषमता
(B) मानक विचलन
(C) माध्य विचलन
(D) विस्तार

95. भारत में 'अन्तिम ऋणदाता' को कहा जाता है–
(A) भारतीय रिजर्व बैंक को
(B) भारत सरकार को
(C) नाबार्ड को
(D) भारतीय स्टेट बैंक को

96. भारत के योजना आयोग को प्रतिस्थापित किया गया है–
(A) वित्त आयोग द्वारा
(B) भारतीय योजना परिषद द्वारा
(C) नीति आयोग द्वारा
(D) नीति पैनल द्वारा

97. आँकड़ों का वर्गीकरण हो सकता है–
(A) भौगोलिक (B) गुणात्मक
(C) मात्रात्मक (D) ये सभी

98. निम्नलिखित में से कौनसा तलपट तैयार करने के लिए आधार होता है ?
(A) रोजनामचा
(B) खाता बही
(C) रोकड़ बही
(D) आर्थिक चिट्ठा

99. सर्वोत्तम विकल्प का चयन महत्वपूर्ण चरण है–
(A) नियोजन में (B) निर्णयन में
(C) पूर्वानुमान में (D) कार्यान्वयन में

100. हॉथोर्न परीक्षण इनके द्वारा किये गये–
(A) जॉर्ज एल्टन मेयो
(B) जॉर्ज एलिजाबेथ मेयो
(C) जॉर्ज ईजेन मेयो
(D) जॉर्ज मेयो

101. प्रमाणन के अन्तर्गत जाँच की जाती है–
(A) प्रारम्भिक लेखा पुस्तकों की
(B) अन्तिम लेखा पुस्तकों की
(C) आर्थिक चिट्ठे की
(D) उपर्युक्त सभी

102. सी.आई.एफ. का पूर्ण प्रारूप है–
(A) कॉस्ट, इंशुरन्स एण्ड फ्रेट
(B) कॉस्ट, इंशुरन्स एण्ड फ्लाइट
(C) कम्पनी, इंशुरन्स एण्ड फ्रेट
(D) कम्पनी, इन्वेस्टमेंट एण्ड फ्रेट

103. समन्वय में शामिल है–
(A) पूर्वानुमान
(B) उद्देश्य की एकता
(C) स्टाफ का चयन
(D) ये सभी

104. प्रत्येक कम्पनी को रजिस्ट्रार के पास निम्नलिखित की एक प्रति दाखिल करनी होती है–
(A) पार्षद अन्तर्नियम
(B) प्रविवरण
(C) पार्षद सीमा नियम
(D) इनमें से कोई नहीं

105. अदत्त व्यय खाता है–
(A) आय एवं व्यय खाता
(B) नाममात्र खाता
(C) व्यक्तिगत खाता
(D) वास्तविक खाता

106. भारतीय कृषि के सम्बन्ध में निम्नांकित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(A) कृषि में श्रम की उत्पादकता कम है
(B) जोतों का आकार बड़ा है
(C) समस्त कृषि उपज का संग्रहण सरकार करती है
(D) उपर्युक्त सभी

107. विज्ञापन के उद्देश्यों में सम्मिलित नहीं है–
(A) ग्राहकों को सूचना देना
(B) दृष्टिकोण में परिवर्तन करना
(C) मनोरंजन करना
(D) जागरूकता बढ़ाना

108. जर्नल एक पुस्तक है–
(A) पहली प्रविष्टि की
(B) मूल प्रविष्टि की
(C) तिथिवार प्रविष्टि की
(D) इनमें सभी की

109. आय, उत्पादन, भार आदि पर आधारित वर्गीकरण को कहते हैं–
(A) भौगोलिक वर्गीकरण
(B) मात्रात्मक वर्गीकरण
(C) सतत् वर्गीकरण
(D) गुणात्मक वर्गीकरण

110. एक पंजीकृत फर्म के साझेदार वाद प्रस्तुत कर सकते हैं–
(A) फर्म के विरुद्ध
(B) अन्य साझेदारों के विरुद्ध
(C) तृतीय पक्ष के विरुद्ध
(D) ये सभी

111. नए साझेदार के प्रवेश पर किसी सम्पत्ति के मूल्य में हुई वृद्धि को क्रेडिट किया जाता है–
(A) लाभ-हानि खाते में
(B) सम्पत्ति खाते में
(C) पुराने साझेदारों के पूँजी खाते में
(D) पुनर्मूल्यांकन खाते में

112. जनसंख्या घनत्व से तात्पर्य होता है व्यक्तियों की संख्या प्रति–
(A) वर्गफुट (B) वर्ग मीटर
(C) वर्ग इंच (D) वर्ग किमी

113. किन लागत मतभेदों के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नहीं किया जाता है ?
(A) एकसमान (B) तुलनात्मक
(C) पूर्णरूप से (D) ये सभी

114. वित्तीय लेखांकन में, खाता खतौनी की प्रक्रिया है–
(A) संक्षेपीकरण की
(B) वर्गीकरण की
(C) अभिलेखन करने की
(D) निर्वचन करने की

115. रोजनामचे में खातों में स्थानान्तरण को सामान्यतः कहा जाता है–
(A) अभिलेखन (B) अन्तरण
(C) खतौनी (D) प्रविष्टि

116. किस बाजार संरचना के अन्तर्गत विज्ञापन करना जीवन और मृत्यु का मामला बन जाता है ?
(A) द्विअधिकार (B) पूर्ण बाजार
(C) अल्पाधिकार (D) एकाधिकार

117. प्रमाणन का उद्देश्य है–
(A) व्यापारिक लेनदेनों की जानकारी प्राप्त करना
(B) गैर-व्यापारिक लेनदेनों की जानकारी प्राप्त करना
(C) (A) और (B) दोनों
(D) इनमें में से कोई नहीं

118. माँग के नियम का अपवाद है–
(A) घटती हुई सीमांत उपयोगिता
(B) गिफेन का विरोधाभास
(C) उत्पादों के विभिन्न प्रयोग
(D) स्थानापन्न वस्तुओं का मूल्य

119. वह प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत किसी संगठन के कर्मचारियों के मध्य कार्य का विभाजन उचित एवं विवेकपूर्ण ढंग से किया जाता है, कहलाती है–
(A) आन्तरिक अंकेक्षण
(B) आन्तरिक रोकथाम
(C) आन्तरिक मूल्यांकन
(D) आन्तरिक प्रबन्धन

120. जब साझेदारी फर्म का विघटन किया जाता है, तब फर्म की पुस्तकों में निम्नलिखित खाता खोला जाता है–
(A) पुनर्मूल्यांकन खाता
(B) लाभ एवं हानि समायोजन खाता
(C) वसूली खाता
(D) लाभ और हानि विनियोजन खाता

121. टेली शीट्स का प्रयोग निर्धारित करने के लिए किया जाता है–
(A) वर्ग सीमा
(B) प्रति वर्ग की आवृत्ति
(C) वर्गों की संख्या
(D) निरन्तर शृंखला

122. व्यक्तिगत विक्रय लक्षित नहीं होता है–
(A) अधिसंख्य श्रोताओं पर
(B) व्यक्तिगत सम्पर्क पर
(C) दोतरफा सम्प्रेषण पर
(D) तुरन्त प्रतिपुष्टि पर

123. लेखांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं है–
(A) अभिलेखन करना
(B) वर्गीकरण करना
(C) सरलीकृत करना
(D) सारांशीकरण करना

124. मुद्रा के मूल्य और सामान्य मूल्य स्तर के मध्य सम्बन्ध होता है–
(A) प्रत्यक्ष (B) प्रतिकूल
(C) अप्रत्यक्ष (D) आनुपातिक

125. निम्नांकित में से कौन वाणिज्यिक बैंकों की क्रेडिट निर्माण शक्ति को सीमित करता है ?
(A) राजकोषीय नीति
(B) बैंकिंग कानून
(C) रेपो दरें
(D) व्यवसायिक निराशावाद

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) 2. (C)

3 (C) मानव सभ्यता के विकास के प्रारम्भ में मुद्रा के कार्य सीमित थे, किन्तु आधुनिक अर्थशास्त्री मुद्रा के चार प्रमुख कार्यों की व्याख्या करते हैं–

(अ) प्राथमिक कार्य–
1. विनिमय का माध्यम
2. मूल्य का मापक

(ब) गौण सहायक कार्य–
1. विलम्बित (Deferred) भुगतानों का मानक
2. क्रयशक्ति का संचय
3. मूल्य का हस्तान्तरण

(स) प्रावैगिक (Dynamic) कार्य–
1. साधनों का अधिकतम उपयोग
2. सामाजिक आय का वितरण
3. साख का आधार
4. पूँजी की तरलता एवं उत्पादकता

(द) अन्य कार्य–
1. शोधन क्षमता बनाए रखने में सहायक
2. आर्थिक विकास का आधार
3. हीनार्थ प्रबन्धन में सहायक

4. (D) 5. (D) 6. (C) 7. (C) 8. (C)
9. (C) 10. (C) 11. (C) 12. (A) 13. (B)

14. (C) **संगठित मुद्रा बाजार के अंग–** (i) केन्द्रीय बैंक, (ii) भारतीय स्टेट बैंक, (iii) सभी व्यापारिक बैंक, (iv) सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, (v) नाबार्ड, (vi) विदेशी विनिमय बैंक, (vii) सभी सहकारी बैंक, (viii) म्यूचुअल फण्ड्स आदि.

15. (B) 16. (B) 17. (B)

18. (D) **अंशों के समर्पण** का प्रभाव अंशों के निर्गमन, हरण एवं पुनःनिर्गमन सभी से भिन्न होता है. दायित्वों से मुक्ति पाने के लिए अंशधारी स्वेच्छा से अंशों का समर्पण करता है. संचालक मण्डल केवल अपूर्ण दत्त अंशों के समर्पण को संकल्प पारित करके स्वीकार कर सकता है.

19. (B) 20. (D) 21. (B) 22. (C) 23. (A)
24. (A) 25. (A) 26. (D) 27. (C) 28. (C)
29. (D)

30. (C) **विचरण गुणांक** (Coefficient of Variation)–**कार्ल पियर्सन** द्वारा प्रतिपादित यह सापेक्ष माप 'प्रमाप विचलन गुणांक' का प्रतिशत रूप ही है, जैसे–
Coefficient of Variation (CV)

$$= \frac{\sigma}{\bar{X}} \times 100$$

31. (C) 32. (C) 33. (D) 34. (B) 35. (D)
36. (C) 37. (C) 38. (A) 39. (D) 40. (D)
41. (A) 42. (B) 43. (A) 44. (B) 45. (A)
46. (B) 47. (A)

48. (C) **तलपट को प्रभावित करने वाली अशुद्धियाँ–**
(i) सहायक पुस्तकों के योग में अशुद्धियाँ
(ii) सहायक पुस्तक का योग एक पृष्ठ से दूसरे पृष्ठ पर ले जाने में अशुद्धियाँ
(iii) सहायक पुस्तकों से खाताबही में खतौनी (Posting) में अशुद्धि
(iv) खाते के शेष निकालने में अशुद्धि
(v) देनदारों एवं लेनदारों की अनुसूची बनाने में अशुद्धि
(vi) तलपट में खाते का शेष ले जाते समय अशुद्धि.

49. (A) 50. (A) 51. (B) 52. (C) 53. (A)
54. (B) 55. (C) 56. (B) 57. (D) 58. (B)
59. (B) 60. (B) 61. (B) 62. (D) 63. (C)
64. (C) 65. (A) 66. (C) 67. (A) 68. (A)
69. (C) 70. (A) 71. (C) 72. (C) 73. (D)
74. (C)

75. (C) **सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ–**दोहरा लेखा प्रणाली के प्रमुख सिद्धान्तों की अवहेलना करते हुए लेखांकन अशुद्धि को सैद्धान्तिक अशुद्धि (Error of Principles) कहा जाता है, जैसे–कम्प्यूटर की खरीद को कार्यालय व्यय मानकर लेखा करना.

76. (B) 77. (B) 78. (B) 79. (A) 80. (C)
81. (B) 82. (A) 83. (D) 84. (C) 85. (A)
86. (C) 87. (C) 88. (A) 89. (C) 90. (C)
91. (D) 92. (D)

93. (A) **व्यापार चक्र** (Trade Cycles)–व्यापार चक्र भी मुद्रा का एक अवगुण है, किन्तु यह मुद्रा का आर्थिक अवगुण है न कि सामाजिक/अन्य आर्थिक अवगुण/खतरे या बुराइयाँ निम्नानुसार हैं–
1. ऋणग्रस्तता में वृद्धि
2. आर्थिक असमानता को बढ़ावा
3. अति पूँजीकरण
4. अति उत्पादन
5. पूँजीवाद को प्रोत्साहन
6. आर्थिक शोषण को बढ़ावा आदि.

94. (A) 95. (A)

96. (C) **नीति आयोग**–1 जनवरी, 2015 को 'योजना आयोग' के स्थान पर स्थापित इस नीति आयोग का अध्यक्ष देश का प्रधानमंत्री होता है. यह आयोग सरकार का आर्थिक टैंक होता है तथा उसे नीतिगत गतिशीलता एवं निर्देश प्रदान करता है.

97. (D) 98. (B) 99. (B) 100. (A)
101. (A) 102. (A) 103. (B) 104. (C)
105. (C) 106. (A) 107. (C) 108. (D)
109. (B) 110. (D) 111. (D) 112. (D)
113. (A) 114. (B) 115. (C) 116. (C)
117. (C) 118. (B) 119. (B) 120. (C)
121. (B) 122. (A) 123. (C) 124. (B)
125. (A)

●●●

शेष पृष्ठ 127 का

कुल पशुओं में मुर्गियों का प्रतिशत

$$= \frac{45}{81} \times 100$$

$$= \frac{500}{9} = 55\frac{5}{9}\%$$

89. (B)
$$A + B = 20 \times 2 = 40 \text{ वर्ष}$$
$$B + C = 19 \times 2 = 38 \text{ वर्ष}$$
$$A + C = 21 \times 2 = 42 \text{ वर्ष}$$

तब,
$$2(A + B + C) = 40 + 38 + 42$$
$$A + B + C = \frac{120}{2} = 60 \text{ वर्ष}$$
$$C \text{ की आयु} = 60 - 40 = 20 \text{ वर्ष}$$
$$B \text{ की आयु} = 60 - 42 = 18 \text{ वर्ष}$$
$$C \text{ की आयु} = 60 - 38 = 22 \text{ वर्ष}$$

90. (A) माना तीन संख्याएँ A, B व C हैं

दिया है, $A = 2B$
$$B = \frac{A}{2}$$
तथा $A = \frac{C}{2}$
$$C = 2A$$
तब, $\frac{A + B + C}{3} = 56$
$$A + \frac{A}{2} + 2A = 168$$
$$A = 48$$
$$B = \frac{48}{2} = 24$$
तथा $C = 2 \times 48 = 96$

91. (B) 92. (A) 93. (D) 94. (C) 95. (D)
96. (C) 97. (B) 98. (D) 99. (A) 100. (B)

●●●

A Book for All Candidates
UPKAR
EVER LATEST
GENERAL KNOWLEDGE
(Including Objective Type Questions)
By : Khanna & Verma Price : ₹ 170/-
UPKAR PRAKASHAN
Swadeshi Bima Nagar, AGRA–2

तर्कशक्ति परीक्षा

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश–(प्रश्न 1 से 4 तक) दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक मेज़ पर छः रस्सियाँ P, Q, R, S, T और U रखी हैं. हर रस्सी की अलग लम्बाई और रंग हैं; जो हैं–पर्पल, लाल, गोल्डन, सफेद, भूरा, और सिल्वर.

Q सिर्फ लाल रस्सी से लम्बी है. P, Q से लम्बी है, पर R से छोटी है. सफेद रस्सी, सिर्फ भूरी रस्सी से छोटी है. R का रंग भूरा नहीं है. U, S से छोटी है, पर R से लम्बी है. गोल्डन रस्सी, Q से लम्बी है, पर पर्पल रस्सी से छोटी है.

1. कौनसी तीसरी बड़ी रस्सी है ?
   (A) U
   (B) R
   (C) P
   (D) सफेद रंग की रस्सी
   (E) सिल्वर रंग की रस्सी

2. रस्सी P का रंग क्या है ?
   (A) पर्पल (B) सफेद
   (C) गोल्डन (D) सिल्वर
   (E) लाल

3. अगर रस्सी U की लम्बाई 296 सेमी है, तो भूरे रंग की रस्सी की लम्बाई क्या होगी ?
   (A) 280 सेमी (B) 293 सेमी
   (C) 260 सेमी (D) 299 सेमी
   (E) 275 सेमी

4. दी गई व्यवस्था के आधार पर इनमें से क्या सत्य है ?
   1. T सबसे छोटी रस्सी है.
   2. S का रंग भूरा है.
   3. गोल्डन रस्सी, लाल रस्सी से छोटी है.
   (A) सिर्फ C
   (B) सभी A, B और C
   (C) सिर्फ A और B
   (D) सिर्फ B और C
   (E) सिर्फ A

5. सावधानीपूर्वक दी गई सूचना को पढ़िए और दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–
   कथन : सरकार के आदेश के अनुसार, देश Y के सभी राष्ट्रीय बैंकों ने इलेक्ट्रॉनिक चेक बुक जारी करने की शुरूआत की है. माना जा रहा है कि इस कदम से मैनुअली काम कम हो जाएँगे और बैंक द्वारा अन्य कामों में लिया गया समय घटकर कम-से-कम 3-4 दिन हो जाएगा. 15 जनवरी, 2019 के बाद कोई भी मैनुअल चेक स्वीकार नहीं किए जाएंगे.
   निम्नलिखित सूचनाओं से इनमें से क्या माना जा सकता है ?
   (A) देश Y के नागरिकों के बहुत कम संख्या में अन्तर्राष्ट्रीय बैंकों में, परिचालन खाते हैं
   (B) इलेक्ट्रॉनिक चेक बुक की शुरूआत से पहले, चेक के मैनुअल प्रोसेसिंग ने बैंकरों के काम का एक बड़ा हिस्सा ले लिया था
   (C) अब चेक से होने वाले ट्रान्जेक्शन की संख्या IMPS या RTGS से होने वाली ट्रॉन्जेक्शन से ज्यादा होगी
   (D) बैंकों के ज्यादातर काम और अन्य प्रक्रियाएँ पहले से ही डिजिटल हैं
   (E) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं

6. दी गई सूचना को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दीजिए
   कथन : देश X के केन्द्रीय बैंक ने सभी पेमेंट कम्पनीज़ (वॉलेट, क्रेडिट/डेबिट कार्ड) को, उनके द्वारा तीन महीनों के अन्दर (देश के अन्दर) प्रसंस्कृत किए गए सभी पेमेंट के सन्दर्भ में डाटा स्टोर करने के लिए कहा. अधिकांश लोकल पेमेंट कम्पनीज (जिनके हैड ऑफिस देश X में ही बने हैं) आदेश के साथ संकलित हो गईं पर ज्यादातर ग्लोबल पेमेंट कम्पनीज़, (जिनके हैड ऑफिस देश X के अलावा अन्य देशों में हैं) ऐसा नहीं कर सकीं.
   दी गई सूचना से इनमें से क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं ?
   1. कुछ ग्लोबल पेमेंट कम्पनियाँ केन्द्रीय बैंक के नोटिस से पहले ही देश X के अन्दर पेमेंट डाटा स्टोर कर रही हैं.
   2. देश X से, दूसरे देशों में, पेमेंट डाटा को स्टोर करने की कीमत कम है.
   3. दुनिया की सबसे बड़ी पेमेंट कम्पनी, आदेश के साथ संकलित हो गई.
   (A) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता
   (B) सिर्फ 1
   (C) दोनों 2 और 3
   (D) दोनों 1 और 2
   (E) सिर्फ 2

निर्देश–(प्रश्न 7 से 9 तक) इन प्रश्नों में एक प्रश्न और दो कथन दिए गए हैं. आपको यह निश्चय करना है कि दिए गए कथनों में से कौनसा कथन दिए गए प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है, और उत्तर दीजिए–

(A) अकेले कथन I की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है

(B) दोनों कथनों की सूचना मिलकर प्रश्न का उत्तर देने के लिए ज़रूरी है

(C) अकेले कथन II की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है

(D) या तो अकेले कथन I की सूचना या अकेले कथन II की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है

(E) दोनों कथनों की सूचना मिलकर भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है

7. चार डिब्बे D, E, F और G, एक-दूसरे के ऊपर रखे हैं (पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में). इनमें से कौनसा डिब्बा नीचे रखा है ?
   I. F के नीचे सिर्फ एक ही डिब्बा रखा है. F और D के बीच एक भी डिब्बा नहीं रखा है. E, D के ऊपर किसी एक स्थान पर रखा है.
   II. D और G के बीच सिर्फ एक डिब्बा रखा है, G, E के नीचे किसी एक स्थान पर रखा है. E और F के बीच सिर्फ एक डिब्बा रखा है.

8. पाँच अलग परीक्षाएँ Q, R, S, T और U एक ही साल के जनवरी, अप्रैल, जुलाई, सितम्बर और दिसम्बर में (पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में) रखी गईं. कौनसे महीने में परीक्षा T रखी गई ?
   I. परीक्षा R, सिर्फ 30 दिन वाले महीने में होती है. R और U के बीच सिर्फ एक परीक्षा रखी गई है. T, U से पहले किसी एक महीने में रखी गई है.
   II. S परीक्षा सिर्फ 31 दिन वाले महीने में रखी गई है पर जनवरी में नहीं. R परीक्षा, S से ठीक पहले रखी गई है. S और T के बीच सिर्फ एक परीक्षा रखी गई है.

9. आठ लोग, दो समान्तर रेखाओं में, जिसमें हर एक रेखा में 4 लोग इस तरह बैठे हैं, कि उनके बीच की दूरी बराबर हो. रेखा-1 में J, K, L और M

बैठे हैं, और सभी का मुख दक्षिण की ओर है. रेखा-2 में A, B, C और D बैठे हैं, और सभी का मुख उत्तर की ओर है. इसीलिए बैठने की व्यवस्था में, हर रेखा में बैठे हुए सदस्य का मुख, दूसरी रेखा में बैठे हुए सदस्य के सामने है. D के सन्दर्भ में, A का स्थान क्या है ?

I. L, रेखा के अन्तिम छोर पर बैठा है, D और जिसका मुख J की ओर है, के बीच सिर्फ दो लोग बैठे हैं. A, B के बाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है.

II. C, D के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. J, C की ओर मुख करने वाले के ठीक बाएँ बैठा है. A का मुख, J की ओर नहीं है.

निर्देश–(प्रश्न 10 से 12 तक) इस प्रश्न में, एक कथन है, जिसके दो निष्कर्ष I और II दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि इसमें से कौनसा निष्कर्ष, दिए गए कथनों का अनुसरण करता/ते है/हैं, और उत्तर दीजिए–

(A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
(D) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
(E) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं

10. **कथन :** सभी टॉनिक, सॉलिड हैं. सभी बिस्कुट, टॉनिक हैं. सभी आलमंड, बिस्कुट हैं.

निष्कर्ष :

I. कम-से-कम, कुछ सॉलिड, बिस्कुट हैं.

II. सभी आलमंड, टॉनिक हैं.

11. **कथन :** कोई भी कॉइल, पैन नहीं है. कुछ हैट, पैन हैं. कोई भी क्विल्ट, कॉइल नहीं है.

निष्कर्ष :

I. सभी कॉइलों के हैट होने की सम्भावना है.

II. कोई भी पैन, क्विल्ट नहीं है.

12. **कथन :** कुछ लैम्प, शॉफ्ट हैं. सभी रोज़, लैम्प हैं. कुछ शॉफ्ट, कॉइन हैं.

निष्कर्ष :

I. कम से कम, कुछ लैम्प, कॉइन हैं.

II. सभी रोज़ के शॉफ्ट, होने की सम्भावना है.

13. निम्नलिखित एक्सप्रेशन में क्रमशः '@' और '#' की जगह क्या आएगा जिससे कि '$S \leq W$' और '$P > J$' निश्चय ही सत्य होंगे ?

$P \geq Q > R \geq S; J @ R \leq T \# W$

(A) $<, \geq$ (B) $<, \leq$
(C) $=, \geq$ (D) $>, =$
(E) $\geq, \leq$

निर्देश–(प्रश्न 14 से 18 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सात लोग–D, E, F, G, X, Y और Z, एक गोल मेज़ के चारों ओर, केन्द्र की ओर मुख करके बैठे हैं. इनमें से हर एक, किसी तरह एक-दूसरे से सम्बन्धित है.

F, G के भाई, के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. G की माँ, F की निकटतम पड़ोसी है. G, अपनी माँ के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. G, Y के ठीक बाएँ बैठा है. G का पुत्र, Y के दाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है. G के पुत्र और G के ससुर के बीच कोई नहीं बैठा है. X, D की पत्नी है. X, E के ठीक दाएँ बैठा है. Y, D की इकलौती पुत्री है. E का सिर्फ एक ही बच्चा विवाहित है. G की पत्नी के कोई भाई-बहन नहीं है.

14. दी गई व्यवस्था के आधार पर, F, D के ठीक बाएँ बैठने वाले का ········ है ?

(A) पुत्री (B) पुत्र
(C) पति (D) भतीजी
(E) भतीजा

15. X, Y से कैसे सम्बन्धित है ?

(A) मौसी/चाची/बुआ
(B) दादी
(C) बताया नहीं जा सकता
(D) माँ
(E) सास

16. इस पैसेज के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?

(A) E, Y के दाएँ से चौथे स्थान पर बैठा है
(B) Z, E का पुत्र है
(C) दिए गए सभी कथन सत्य हैं
(D) G का भाई, Y के पिता के ठीक बाएँ बैठा है
(E) G, D के बाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है

17. जब F के बाएँ से गिना जाए, तो G की पत्नी और F के बीच कितने लोग बैठे हैं ?

(A) दो
(B) तीन
(C) तीन से अधिक
(D) एक
(E) कोई नहीं

18. Z के दाएँ से दूसरे स्थान पर कौन बैठा है ?

(A) D (B) G
(C) Y (D) G की पत्नी
(E) E का पौत्र

निर्देश–(प्रश्न 19 एवं 20) इन प्रश्नों में, एक कथन के दो निष्कर्ष दिए गए हैं. आपको बताना है कि कौनसा निष्कर्ष सत्य है और उत्तर दीजिए–

(A) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
(B) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
(C) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है
(D) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
(E) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य हैं

19. **कथन :** $M = P < V \leq C \geq K$; $T \geq C = L$

निष्कर्ष : I. $M < L$

II. $T \geq K$

20. **कथन :** $F > Y \geq N = E \geq H$; $N \leq W$

निष्कर्ष : I. $F > W$

II. $H \leq Y$

निर्देश–(प्रश्न 21 से 24 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

बिन्दु A, बिन्दु B के 20 मीटर उत्तर की ओर है. बिन्दु B, बिन्दु C के 30 मीटर पूर्व में है. बिन्दु D, बिन्दु C के 30 मीटर उत्तर की ओर है. बिन्दु E, बिन्दु D के 40 मीटर पूर्व की ओर है. बिन्दु F, बिन्दु A के 40 मीटर पश्चिम की ओर है. बिन्दु G, बिन्दु F के 10 मीटर दक्षिण की ओर है. बिन्दु H, बिन्दु C के 10 मीटर दक्षिण की ओर है.

21. बिन्दु E के सन्दर्भ में, बिन्दु G किस दिशा में है ?

(A) उत्तर-पश्चिम
(B) दक्षिण-पश्चिम
(C) पूर्व
(D) दक्षिण-पूर्व
(E) उत्तर-पूर्व

22. इनमें से कौन सीधी रेखा दर्शाता है ?

(A) G–C–B (B) H–C–D
(C) E–C–H (D) E–D–F
(E) F–A–E

23. B के सन्दर्भ में, D किस दिशा में है ?

(A) दक्षिण (B) दक्षिण-पूर्व
(C) उत्तर-पूर्व (D) उत्तर-पश्चिम
(E) पश्चिम

24. अगर बिन्दु K, बिन्दु E के 40 मीटर दक्षिण में है, तब बिन्दु H और बिन्दु K के बीच दूरी क्या है ?

(A) 30 मीटर (B) 40 मीटर
(C) 20 मीटर (D) 10 मीटर
(E) 50 मीटर

निर्देश–(प्रश्न 25 से 28 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

किसी कोड भाषा में,

'payment bank got license' का कोड 'ak sm dj ap' है.

'license applied to authorities' का कोड 'li tc sm zh' है.

'yet to receive payment' का कोड 'dj ge vb tc' है.

'bank receive new status' का कोड 'ge nr ak fo' है.

(सभी कोड दो अक्षर के कोड हैं)

25. अगर दी गई कोड भाषा में, 'payment status deleted' का कोड 'nr kw dj' और 'bank account' का कोड 'gx ak' है, तो 'deleted new account' का कोड क्या होगा ?

(A) fo yx kw (B) kw li fo
(C) li vb yx (D) yx ge fo
(E) vb kw tc

26. दी गई कोड भाषा के आधार पर, कोड 'tc ap' किसके लिए दर्शाता है ?

(A) to bark
(B) authorities got
(C) got to
(D) bank receive
(E) to payment

27. दी गई कोड भाषा के आधार पर, तो 'License renewed' का कोड क्या होगा ?

(A) fu ak (B) sm zh
(C) ak oq (D) zh fu
(E) oq sm

28. दी गई कोड भाषा में, 'applied' का कोड क्या होगा ?

(A) या 'zh' या 'li'
(B) या 'nr' या 'tc'
(C) sm
(D) ge
(E) tc

निर्देश–(प्रश्न 29 से 33 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सात लोग–H, I, J, K, L, M और O, एक सात मंजिला इमारत में, सात अलग मंजिलों में रहते हैं. जिसमें ग्राउंड फ्लोर को नं. 1, उसके ऊपर की मंजिल को नं. 2 और ऐसे ही सबसे ऊपरी मंजिल को नं. 7 दिया गया है. उनमें से हर एक को अलग धातु पसन्द है, जो हैं–गोल्ड, आयरन, प्लेटिनम, सिल्वर, कॉपर, एल्युमिनियम और रोडियम.

L और O के बीच सिर्फ चार लोग रहते हैं. L, O के ऊपर किसी एक मन्जिल पर रहता है. O और प्लेटिनम पसन्द करने वाले के बीच सिर्फ दो लोग रहते हैं. H प्लेटिनम पसन्द करने वाले के नीचे, एक सम संख्या वाली मंजिल पर रहता है. H के नीचे जितने लोग रहते हैं, उतने ही रोडियम पसन्द करने वाले के ऊपर रहते हैं. K, रोडियम पसन्द करने वाले के ठीक नीचे रहता है. K और गोल्ड पसन्द करने वाले के बीच सिर्फ तीन लोग रहते हैं. L को गोल्ड पसन्द नहीं है. गोल्ड पसन्द करने वाले और कॉपर पसन्द करने वाले के बीच सिर्फ एक व्यक्ति रहता है. M, एल्युमिनियम पसन्द करने वाले के ठीक ऊपर रहता है. I और आयरन पसन्द करने वाले के बीच सिर्फ एक व्यक्ति रहता है.

29. M और गोल्ड पसन्द करने वाले के बीच कितने लोग रहते हैं ?

(A) दो
(B) तीन
(C) तीन से अधिक
(D) कोई नहीं
(E) एक

30. दी गई सूचना के सन्दर्भ में इनमें से कौनसे कथन सत्य हैं ?

(A) L को रोडियम पसन्द है
(B) O और M के बीच सिर्फ एक व्यक्ति रहता है
(C) J एक सम संख्या वाली मन्जिल पर रहता है
(D) सिल्वर पसन्द करने वाले के ऊपर कोई नहीं रहता है
(E) दिए गए सभी कथन सत्य हैं

31. J के ठीक ऊपर इनमें से कौन रहता है ?

(A) O
(B) प्लेटिनम पसन्द करने वाला
(C) L
(D) आयरन पसन्द करने वाला
(E) I

32. दी गई व्यवस्था के आधार पर, किसी तरह I, रेडियम पसन्द करने वाले से सम्बन्धित है और H, गोल्ड पसन्द करने वाले से सम्बन्धित है. इसी पैटर्न से, L सम्बन्धित है, जिसे पसन्द है ....

(A) एल्युमिनियम
(B) सिल्वर
(C) कॉपर
(D) आयरन
(E) गोल्ड

33. इनमें से किसे सिल्वर पसन्द है ?

(A) J (B) M
(C) H (D) K
(E) I

34. शब्द 'FACEBOOK' में अक्षरों के ऐसे कितने युग्म हैं जिनके बीच उतने ही अक्षर आते हैं (आगे तथा पीछे दोनों दिशाओं में) जितने की अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों के बीच आते हैं ?

(A) एक (B) दो
(C) चार (D) तीन
(E) कोई नहीं

35. 35 छात्रों की एक कक्षा में, मेसी बाएं से 20वाँ है तथा रोनाल्डो दाएं से 20वाँ है. मेसी तथा रोनाल्डो के बीच कितने छात्र हैं ?

(A) 5 (B) 2
(C) 3 (D) 4
(E) 7

निर्देश–(प्रश्न 36 से 40 तक) दी गई सूचनाओं को सावधानीपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

दस लोग एक सीधी रेखा में, एक-दूसरे से बराबर दूरी पर बैठे हैं. इनमें से कुछ का मुख उत्तर की ओर है और कुछ का दक्षिण की ओर. Q, रेखा के किसी एक छोर से चौथे स्थान पर बैठा है. V, Q के बाएँ से पाँचवें स्थान पर बैठा है. R, V के बाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. R और V का मुख एक ही दिशा में है. R के निकटतम पड़ोसियों का मुख, R की विपरीत दिशा में है. R और S के बीच चार से अधिक लोग बैठे हैं. M, S के दाएँ से चौथे स्थान पर बैठा है. T, M के दाएँ से पाँचवें स्थान पर बैठा है. जो लोग रेखा के अन्तिम छोरों पर बैठे हैं, उनके मुख विपरीत दिशाओं में हैं. W के मुख की दिशा, T के मुख की दिशा के विपरीत है. N, W के ठीक बाएँ बैठा है और उसका मुख उत्तर की ओर है. P, N के बाएँ से चौथे स्थान पर बैठा है. Y, P के बाएँ किसी एक स्थान पर बैठा है.

36. T और Y के बीच कितने लोग बैठे हैं ?

(A) पाँच (B) दो
(C) छः (D) एक
(E) चार

37. दी गई व्यवस्था के आधार पर, इनमें से क्या सत्य है ?
(A) Q का मुख दक्षिण की ओर है
(B) M, P के ठीक दाएँ बैठा है
(C) N, V के बाएँ से चौथे स्थान पर बैठा है
(D) M और W के बीच दो से ज्यादा लोग बैठे हैं
(E) R, Q का निकटतम पड़ोसी है

38. दी गई व्यवस्था के आधार पर किसी तरह, निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं, और एक समूह बनाते हैं. निम्नलिखित में से वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) V (B) M
(C) W (D) R
(E) P

39. P के ठीक बाएँ, इनमें से कौन बैठा है ?
(A) Y (B) R
(C) T (D) M
(E) W

40. रेखा के अन्तिम छोरों पर बैठने वाले लोगों के निकटतम पड़ोसियों को इनमें से कौनसा जोड़ा दर्शाता है ?
(A) N, Y (B) V, P
(C) V, N (D) Y, P
(E) Q, P

उत्तर व्याख्या सहित

प्रश्न 1 से 4 तक के लिए :

S > U > R > P > Q > T
भूरा सफेद पर्पल गोल्डन सिल्वर लाल

1. (B) 2. (C) 3. (D) 4. (C) 5. (B)
6. (B)
7. (E) कथन (I) से :

G	E	E
E	G	D
F	F	F
D	D	G

(तीनों व्यवस्थाओं के बीच "या")

कथन (II) से :

F	E	E	D
D	G	D	E
E	F	F	G
G	D	G	F

(व्यवस्थाओं के बीच "या")

कथन (I) व (II) से :

E	E
G	D
F	F
D	G

(दोनों व्यवस्थाओं के बीच "या")

8. (B) कथन (I) से :

माह	परीक्षा		
जनवरी (31)	S/Q	T	T
अप्रैल (30)	R	U	R
जुलाई (31)	T	S/Q	S/Q
सितम्बर (30)	U	R	U
दिसम्बर (31)	S/Q	S/Q	S/Q

कथन (II) से :

माह	परीक्षा		
जनवरी (31)	T	Q/U	Q/U
अप्रैल (30)	R	Q/U	R
जुलाई (31)	S	T	S
सितम्बर (30)	Q/U	R	Q/U
दिसम्बर (31)	Q/U	S	T

कथन (I) व (II) से :

माह	परीक्षा
जनवरी (31)	T
अप्रैल (30)	R
जुलाई (31)	S
सितम्बर (30)	U
दिसम्बर (31)	Q

अतः परीक्षा T जनवरी में रखी गई.

9. (C) कथन (I) से :

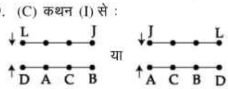

कथन II से :

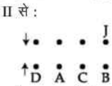

∴ A, D के ठीक दाएँ बैठा है.

10. (E)

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

11. (A)

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

12. (B)

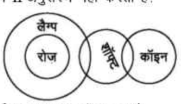

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

13. (B)

प्रश्न 14 से 18 तक के लिए :

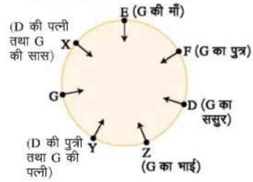

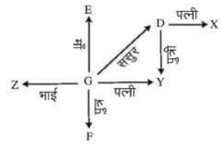

14. (E) 15. (D) 16. (C) 17. (A) 18. (E)
19. (D) **कथन :**

T
VI
$M = P < V \leq C \geq K$
II
L

निष्कर्ष I (M < L) अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II (T ≥ K) अनुसरण करता है.

20. (B) **कथन :** $F > Y \geq N = E \geq H$
Λ|
W

निष्कर्ष I (F > W) अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II (H ≤ Y) अनुसरण करता है.

प्रश्न 21 से 24 तक के लिए :

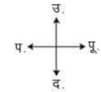

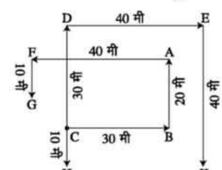

21. (B) 22. (B) 23. (D) 24. (B)

प्रश्न 25 से 28 तक के लिए :

payment bank got license
dj ak ap sm
license applied to authorities
sm li/zh tc li/zh
yet to receive payment
vb tc ge dj
bank receive new status
ak ge nr/fo nr/fo

शेष पृष्ठ 200 पर

तर्कशक्ति

1. अगर शब्द SCALE के पहले और चौथे अक्षर और शब्द AFTER के पहले और तीसरे अक्षरों का प्रयोग करके, चार अक्षरों का कोई अर्थपूर्ण अंग्रेजी शब्द बनता है, तो नए शब्द के बाएँ से दूसरा अक्षर कौनसा होगा ?
   (A) A
   (B) एक से ज्यादा ऐसे शब्द बनेंगे
   (C) S
   (D) L
   (E) कोई भी ऐसा शब्द नहीं बनेगा

निर्देश–(प्रश्न 2 से 6 तक) दी गई सूचनाओं को सावधानीपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

नौ लोग : A, B, C, D, E, P, Q, R और S, एक सीधी रेखा में बैठे हैं (जरूरी नहीं, इसी क्रम में). इनमें से कुछ का मुख उत्तर की ओर है, और कुछ का दक्षिण की ओर.

A, रेखा के किसी एक छोर से तीसरे स्थान पर बैठा है. A और B के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. C, B के दाएँ से चौथे स्थान पर बैठा है. D, C के ठीक बाएँ बैठा है. D और E के बीच सिर्फ दो लोग बैठे हैं. P, E के बाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है. P का मुख, E के मुख के विपरीत है. Q का मुख उत्तर की ओर है और वह रेखा के अंतिम छोर पर बैठा है. Q के दाएँ कोई भी नहीं बैठा है. R का मुख, B के मुख की दिशा में है, S, R के बाएँ किसी एक स्थान पर बैठा है. R और S का मुख विपरीत दिशाओं में है. D का मुख, S के मुख की दिशा में है. A का मुख, D के मुख की विपरीत दिशा में है.

2. दी गई व्यवस्था के आधार पर, R के सन्दर्भ में, E का स्थान क्या है ?
   (A) बाएँ से पाँचवाँ
   (B) दाएँ से तीसरा
   (C) ठीक दाएँ
   (D) बाएँ से दूसरा
   (E) दाएँ से चौथा

3. दी गई व्यवस्था के आधार पर, निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
   (A) E और Q एक दूसरे के निकटतम पड़ोसी हैं.
   (B) A, Q के बाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है.
   (C) P का मुख दक्षिण की ओर है.
   (D) Q और S का मुख एक ही दिशा में है.
   (E) दिए गए कथनों में से कोई भी सत्य नहीं है.

4. दी गई व्यवस्था के आधार पर, निम्न पाँच में से चार किसी तरह, एक से हैं, और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
   (A) C (B) R
   (C) A (D) B
   (E) E

5. दी गई व्यवस्था के आधार पर, C और P के बीच कितने लोग बैठे हैं ?
   (A) एक
   (B) पाँच
   (C) पाँच से अधिक
   (D) चार
   (E) तीन

6. दी गई व्यवस्था के आधार पर, इनमें से कौन B के ठीक बाएँ बैठा है ?
   (A) Q (B) S
   (C) P (D) D
   (E) R

निर्देश–(प्रश्न 7 से 10 तक) इस प्रश्न में, कथनों में विभिन्न तत्वों के बीच सम्बन्ध दिखाया गया है. कथनों के निष्कर्ष भी दिए गए हैं. दिए गए कथनों के आधार पर निष्कर्षों को पढ़िए और सही विकल्प को चुनिए.

(A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(D) न ही निष्कर्ष I और न ही II अनुसरण करता है
(E) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है

7. **कथन** : $D < I \geq W > S; M \geq L \geq I < A$
   निष्कर्ष I : $A > D$
   निष्कर्ष II : $L > S$

8. **कथन** : $E \geq S > N \leq C; W \geq H > E \geq Y$
   निष्कर्ष I : $S > W$
   निष्कर्ष II : $N < Y$

9. **कथन** : $E \geq S > N \leq C; W \geq H > E \geq Y$
   निष्कर्ष I : $W > Y$
   निष्कर्ष II : $W = Y$

10. **कथन** : $D < I \geq W > S; M \geq L \geq I < A$
    निष्कर्ष I : $M > D$
    निष्कर्ष II : $W > A$

निर्देश–(प्रश्न 11 से 13 तक) सावधानीपूर्वक दी गई निम्न सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

किसी कोड भाषा में,

'wrote some letters' का कोड 'pr kh lu' है.

'letters and numbers' का कोड 'df ao pr' है.

'some complaints received' का कोड 'lu el hy' है.

'they wrote complaints' का कोड 'hy kh os' है.

11. दी गई कोड भाषा में, 'letters of complaints' के लिए वास्तविक कोड क्या होगा ?
    (A) hy pr os (B) os el pr
    (C) lu kh ts (D) pr hy kh
    (E) re pr hy

12. दी गई कोड भाषा में 'el lu os' कोड इनमें से किसके लिए खड़ा है ?
    (A) letters and complaints
    (B) wrote some numbers
    (C) they received some
    (D) they wrote numbers
    (E) some letters and

13. दी गई कोड भाषा में 'numbers' के लिए क्या कोड है ?
    (A) या 'hy' या 'pr
    (B) hy
    (C) pr
    (D) या 'df' या 'ao'
    (E) el

14. K की शादी J से हुई है. J और G, H के एकमात्र बच्चे हैं. L, H का इकलौता दामाद है. K, H से कैसे सम्बन्धित है ?
    (A) पौत्र (B) बहू
    (C) पौत्री (D) दामाद
    (E) बताया नहीं जा सकता

निर्देश–(प्रश्न 15 से 18 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

दस लोग–A, B, C, D, E, P, Q, R, S और T, एक ही साल के, दिए गए किसी एक महीने में, जो हैं–जनवरी, मार्च, जून,

सितम्बर और दिसम्बर में पैदा हुए हैं. हर एक महीने में, वह या तो महीने की 10 या 25 तारीख को पैदा हुए हैं. दिए गए लोगों में से, दो से ज्यादा लोग किसी भी महीने में पैदा नहीं हुए हैं. दिए गए लोगों में से सिर्फ एक व्यक्ति एक तारीख में पैदा हुआ है. माना गया है कि सिर्फ दिए गए व्यक्ति ही, दिए गए साल में पैदा हुए हैं.

A, जून में पैदा हुआ है. A और B के बीच सिर्फ चार लोग पैदा हुए हैं. B से पहले जितने लोग पैदा हुए हैं, उतने ही E के बाद. E और P के बीच कोई भी पैदा नहीं हुआ है. P और Q के बीच सिर्फ तीन व्यक्ति पैदा हुए हैं. C, Q के ठीक बाद पैदा हुआ है. C और D के बीच सिर्फ दो व्यक्ति पैदा हुए हैं. R, T के ठीक बाद पैदा हुआ है.

15. निम्नलिखित में से कौन सितम्बर में पैदा हुआ है ?
   (A) C, T
   (B) T, R
   (C) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं
   (D) Q, C
   (E) S, C

16. A और S के बीच कितने लोग बैठे हैं ?
   (A) तीन से अधिक
   (B) तीन
   (C) दो
   (D) कोई नहीं
   (E) एक

17. दी गई सूचना के सन्दर्भ में, निम्न में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
   (A) दिए गए सभी कथन सत्य हैं.
   (B) D और R के बीच सिर्फ चार लोग पैदा हुए हैं.
   (C) Q, A से ठीक पहले पैदा हुआ है.
   (D) P, 25 जनवरी को पैदा हुआ है.
   (E) T, सितम्बर में पैदा हुआ था.

18. D, इनमें से कौनसी तारीख में पैदा हुआ था ?
   (A) 25 जून (B) 10 जून
   (C) 10 दिसम्बर (D) 10 जनवरी
   (E) 25 मार्च

निर्देश–(प्रश्न 19 से 21 तक) दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

रितु, बिन्दु Y से दक्षिण की ओर चलती है. वह 18 मी की दूरी चलती है और बिन्दु X पर पहुँचती है. बिन्दु X से वह दाएँ मुड़ती है और 27 मी की दूरी चलती है और बिन्दु Z पर पहुँचती है. बिन्दु Z से वह दाएँ मुड़ती है और 9 मी चलती है और बिन्दु W पर पहुँचती है. बिन्दु W से, वह फिर दाएँ मुड़ती है, 12 मी की दूरी चलती है और बिन्दु V पर पहुँचती है. बिन्दु V से, वह दाएँ मुड़ती है, 22 मी की दूरी चलती है और बिन्दु U पर पहुँचकर रुक जाती है. बिन्दु P, सीधी रेखा YX का मध्य-बिन्दु है.

19. बिन्दु P और बिन्दु V के बीच दूरी क्या है ?
   (A) 22 मी (B) 15 मी
   (C) 27 मी (D) 12 मी
   (E) 18 मी

20. इनमें से कौनसे दिए गए बिन्दु एक सीधी लेटी हुई रेखा में स्थित हैं ?
   (A) UX (B) WP
   (C) WU (D) YZ
   (E) PZ

21. बिन्दु U के सन्दर्भ में, बिन्दु Y किस दिशा में है ?
   (A) उत्तर-पश्चिम (B) पश्चिम
   (C) उत्तर-पूर्व (D) दक्षिण-पूर्व
   (E) दक्षिण

निर्देश–(प्रश्न 22 से 26 तक) दी गई सूचनाओं को सावधानीपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ लोग–A, B, C, D, E, F, G और H, एक वर्गाकार मेज़ के चारों ओर इस तरह बैठे हैं कि उनमें से चार वर्ग के चार कोनों और अन्य चार, चारों भुजाओं के मध्य में बैठे हैं. जो भुजाओं के मध्य में बैठे हैं, उनका मुख केन्द्र की ओर है और जो कोनों में बैठे हैं, उनका मुख बाहर की ओर है (अर्थात् केन्द्र के विपरीत).

G, B के बाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है. G और E के बीच सिर्फ तीन व्यक्ति बैठे हैं. D, E के बाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. D और F के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं (या तो बाएँ से या दाएँ से). H, F का निकटतम पड़ोसी है. A, H के बाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है. A का मुख केन्द्र की ओर है.

22. दी गई व्यवस्था में, उनके स्थानों के आधार पर, किसी तरह निम्न पाँच में से चार एक से हैं, और एक समूह बनाते हैं. इनमें से वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
   (A) E (B) B
   (C) D (D) G
   (E) H

23. कौन C के दाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है ?
   (A) G (B) F
   (C) D (D) E
   (E) H

24. दी गई व्यवस्था के आधार पर इनमें से कौनसा कथन सत्य है ?
   (A) D, E का निकटतम पड़ोसी है.
   (B) B, A के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है.
   (C) दिए गए कोई भी विकल्प सही नहीं है
   (D) A और F का मुख केन्द्र की ओर है.
   (E) F और B के बीच सिर्फ तीन व्यक्ति बैठे हैं.

25. A के सन्दर्भ में, E का स्थान क्या है ?
   (A) ठीक बाएँ (B) बाएँ से दूसरा
   (C) ठीक दाएँ (D) बाएँ से तीसरा
   (E) दाएँ से दूसरा

26. जब B के बाएँ से गिना जाए, तो B और H के बीच कितने लोग बैठे हैं ?
   (A) तीन से अधिक
   (B) दो
   (C) एक
   (D) तीन
   (E) कोई नहीं

27. छह लोग एक सीधी रेखा में, उत्तर की ओर मुख करके बैठे हैं. G, P के दाएँ से पाँचवें स्थान पर बैठा है. G और T के बीच एक से ज्यादा लोग बैठे हैं. S, T के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है. S, G का निकटतम पड़ोसी नहीं है. S के बाएँ से कितने लोग बैठे हैं ?
   (A) बताया नहीं जा सकता
   (B) दो
   (C) तीन
   (D) चार
   (E) एक

निर्देश–(प्रश्न 28 से 32 तक) दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सात लोग, एक ही हफ्ते के सात अलग दिनों, जो सोमवार से शुरू होकर रविवार को खत्म होता है, में सात अलग शहरों में जाते हैं. जो उदयपुर जाता है, वह गुरुवार के बाद किसी एक दिन जाता है. K, उदयपुर जाने वाले के ठीक बाद वाले दिन में, शहर जाता है. K के बाद जितने लोग शहर घूमने जाते हैं, उतने ही लोग G से पहले जाते हैं. G और बेंगलूरू जाने वाले के बीच, सिर्फ एक व्यक्ति शहर घूमने जाता है. H, B से ठीक पहले वाले दिन में शहर घूमने जाता है. न ही H और न ही B, न तो बेंगलूरू और न ही उदयपुर घूमने जाते हैं. B और जो पटियाला घूमने जाता है, के बीच सिर्फ दो व्यक्ति, शहर घूमने जाते हैं. जो पटियाला घूमने जाता है और जो हैदराबाद घूमने जाता है, के बीच दो से अधिक व्यक्ति शहर घूमने जाते हैं. A और जो हैदराबाद घूमने जाता है के बीच तीन से अधिक व्यक्ति शहर घूमने जाते हैं. C,

E से पहले किसी एक दिन शहर घूमने जाता है. ग्वालियर घूमने जाने वाले के ठीक बाद वाले दिन नागपुर वाला घूमने जाता है. आगरा घूमने वाला, ग्वालियर घूमने वाले से पहले किसी एक दिन घूमने जाता है.

28. दी गई व्यवस्था के आधार पर, किसी तरह निम्न पाँच में से चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. निम्न में से वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता?
   (A) बेंगलूरू–नागपुर
   (B) G–C
   (C) E–मंगलवार
   (D) आगरा–बुधवार
   (E) A–ग्वालियर

29. दी गई व्यवस्था के आधार पर, इनमें से क्या सत्य नहीं है ?
   (A) B, नागपुर, शुक्रवार को जाता है
   (B) C और E के बीच सिर्फ दो लोग शहर जाते हैं
   (C) जो हैदराबाद घूमने जाता है, वह उदयपुर जाने वाले के ठीक पहले वाले दिन में, घूमने जाता है.
   (D) दिए गए सभी कथन सत्य हैं.
   (E) G, A से ठीक पहले वाले दिन घूमने जाता है.

30. इनमें से कौन गुरुवार को शहर घूमने जाता है ?
   (A) B
   (B) A
   (C) जो पटियाला जाता है
   (D) C
   (E) जो ग्वालियर जाता है

31. इनमें से कौन हैदराबाद जाता है ?
   (A) E
   (B) H
   (C) जो रविवार को शहर घूमता है
   (D) जो शुक्रवार को शहर घूमता है
   (E) B

32. जो बेंगलूरू जाता है, से पहले कितने लोग शहर घूमने जाते हैं ?
   (A) दो (B) कोई नहीं
   (C) एक (D) चार
   (E) तीन

निर्देश–(प्रश्न 33 से 35 तक) इन प्रश्नों में तीन कथन हैं, जिसके दो निष्कर्ष I और II दिए गए हैं. आपको इन कथनों को सत्य मानना है और निश्चय करना है कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा निष्कर्ष, दिए गए कथनों का अनुसरण करता है. और उत्तर दें.
   (A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
   (C) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
   (D) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
   (E) I और II दोनों निष्कर्ष अनुसरण करते हैं

33. **कथन :** कुछ काउंट, संख्या हैं.
कुछ संख्या, स्कोर हैं.
सभी स्कोर मार्क्स हैं.
निष्कर्ष I : सभी संख्याएँ, मार्क्स हैं.
निष्कर्ष II : कुछ स्कोर, निश्चय ही काउंट नहीं हैं.

34. **कथन :** सभी पुस्तक, कॉपी हैं.
कोई भी कॉपी, नॉवेल नहीं है.
सभी फिल्म नॉवेल हैं.
निष्कर्ष I : कम से कम, कुछ फिल्म, कॉपी हैं.
निष्कर्ष II : कोई भी फिल्म कॉपी नहीं है.

35. **कथन :** सभी पुस्तक, कॉपी हैं.
कोई भी कॉपी, नॉवेल नहीं है.
सभी फिल्म, नॉवेल हैं.
निष्कर्ष I : कोई भी पुस्तक, नोवेल नहीं है.
निष्कर्ष II : कम से कम, कुछ कॉपी, पुस्तक हैं.

उत्तर हल सहित

1. (B) S L A T → प्रश्नानुसार
LAST, SALT, SLAT → शब्द बनेंगे.

प्रश्न 2 से 6 तक के लिए–

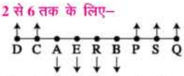

2. (C) 3. (D) 4. (A) 5. (D) 6. (C)

7. (C) **कथन :**

M
≥
L

D < I ≥ W > S
∧
A

निष्कर्ष I (A > D) अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II (L > S) अनुसरण करता है.

8. (D) **कथन :**

W ≥ H > E ≥ S > N ≤ C
≥
Y

निष्कर्ष I (S > W) अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II (N < Y) अनुसरण नहीं करता है.

9. (A) **कथन :**

W ≥ H > E ≥ S > N ≤ C
≥
Y

निष्कर्ष I (W > Y) अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II (W = Y) अनुसरण नहीं करता है.

10. (A) **कथन :**

M
≥
L
≥
D < I ≥ W > S
∧
A

निष्कर्ष I (M > D) अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II (W > A) अनुसरण नहीं करता है.

प्रश्न 11 से 13 तक के लिए–

wrote	some	letters	
kh	lu	pr	∅ कोड
letters	and	numbers	
pr	df/ao	df/ao	→ कोड
some	complaints	received	
lu	hy	el	→ कोड
they	wrote	complaints	
os	kh	hy	→ कोड

11. (E) 12. (C) 13. (D)

14. (B)

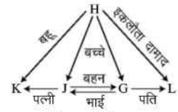

∴ K, H की बहू होगी.

प्रश्न 15 से 18 तक के लिए–

	जन.	मार्च	जून	सित.	दिस.
10	E	S	A	C	R
25	P	D	Q	T	B

15. (A) 16. (E) 17. (C) 18. (E)

प्रश्न 19 से 21 तक के लिए–

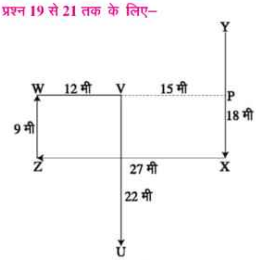

19. (B) 20. (B) 21. (C)

प्रश्न 22 से 26 तक के लिए–

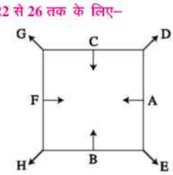

शेष पृष्ठ 200 पर

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

1. यहाँ दो वेसल A और B हैं. वेसल A में 40 लि. शुद्ध दूध है और वेसल B में 22 लि. शुद्ध पानी है. वेसल A से 8 लि. दूध निकाल लिया गया और उसे वेसल B में डाल दिया गया, फिर वेसल B से (दूध और पानी) के 6 लि. मिश्रण को निकाल लिया गया और वेसल A में डाल दिया गया. वेसल A में शुद्ध दूध और वेसल B में शुद्ध पानी की मात्रा के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 14 : 9 (B) 21 : 11
(C) 24 : 13 (D) 14 : 5
(E) 5 : 11

निर्देश–(प्रश्न 2 से 6 तक) साल 2013 में शहर A, B और C की जनसंख्या में अनुपात क्रमशः 16 : 15 : 14 है. साल 2014 में, शहर A, B और C की जनसंख्या में क्रमशः 10%, 12% और 15% की वृद्धि हुई है. 2014 में शहर A के लिए पुरुष और महिला का योग 88000 है. साल 2013 में शहर B के लिए पुरुष और महिला का अनुपात 2:1 है और इसी साल शहर C के लिए पुरुष और महिला का अनुपात 1 : 1 है. 2013 में, शहर A से 60% पुरुष हैं. साल 2015 में शहर A, B और C की जनसंख्या में पिछले साल से क्रमशः 5%, 10% और 20% की वृद्धि हुई है.

2. साल 2013 से 2015 तक शहर A की औसत जनसंख्या क्या है ?
(A) 96455
(B) 92600
(C) 86800
(D) 84250
(E) 82465

3. 2014 में शहर B की जनसंख्या 2015 में शहर C की जनसंख्या से लगभग कितने प्रतिशत कम है ?
(A) 13% (B) 18%
(C) 25% (D) 32%
(E) 36%

4. 2013 में शहर B और शहर C की महिलाओं के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 2 : 3 (B) 4 : 3
(C) 3 : 4 (D) 7 : 5
(E) 5 : 7

5. 2015 में, अगर शहर A में 45% महिलाएं हैं, इसी साल में, शहर A में पुरुषों की संख्या क्या है ?
(A) 45670 (B) 46500
(C) 48955 (D) 50820
(E) 53600

6. 2013 में, शहर A और शहर B में, अगर पुरुषों में 20% की वृद्धि हो और महिलाओं में 15% की वृद्धि हो, तो इसी साल में शहर A और शहर B की नई जनसंख्या क्या है ?
(A) 183150 (B) 198655
(C) 200500 (D) 235600
(E) 256000

7. A किसी काम को 24 दिन में खत्म करता है. B, A से 20% ज्यादा महत्वाकांक्षी है. C, B से 25% ज्यादा महत्वाकांक्षी है. B और C उसी काम को कितने दिन में खत्म करेंगे ?
(A) $8\frac{8}{9}$ (B) $9\frac{1}{3}$
(C) $8\frac{5}{8}$ (D) $10\frac{2}{9}$
(E) $9\frac{1}{6}$

8. A, B और C ने व्यापार ने 4 महीने, 6 महीने और 12 महीने में अलग-अलग राशि निवेश की. B का निवेश, A के निवेश का दोगुना था और C का निवेश, A के निवेश का 2·5 गुना था. अगर साल के अन्त में, उसे ₹ 5819 की राशि लाभ के रूप में मिली, लाभ में B का हिस्सा क्या था ?
(A) ₹ 1404 (B) ₹ 1428
(C) ₹ 1518 (D) ₹ 1536
(E) ₹ 1644

9. x का $\frac{2}{11}$, y के बराबर है और $(x + 16)$ और y के बीच अनुपात क्रमशः 37 : 6 है. x का मान क्या है ?
(A) 121 (B) 132
(C) 110 (D) 108
(E) 143

10. एक गोलाकार पिज्जा के 14 इंच के व्यास की एक स्लाइस इस तरह से काटी गई, कि वह स्लाइस 45° कोण का एक सेक्टर बनाती है. पिज्जा के कटे हुए स्लाइस के क्षेत्रफल का मान क्या है ? (वर्ग इंच में)
(A) 17·5 (B) 18·25
(C) 19·25 (D) 19·75
(E) 17·75

11. दो संख्याओं में अन्तर 18 है और उनके HCF और LCM क्रमशः 6 और 168 हैं. दो संख्याओं के वर्गों का योग क्या है ?
(A) 2280 (B) 2260
(C) 2420 (D) 2340
(E) 2380

निर्देश–(प्रश्न 12 से 16 तक) दिए गए प्रश्नों में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

12. 8 9 17 26 90 ?
(A) 121 (B) 109
(C) 115 (D) 125
(E) 111

13. 96 48 72 180 ? 2835
(A) 570 (B) 630
(C) 575 (D) 612
(E) 484

14. 13 14 30 93 ? 1885
(A) 364 (B) 388
(C) 382 (D) 356
(E) 376

15. 1252 250 62 20 ? 7
(A) 13 (B) 7
(C) 11 (D) 12
(E) 9

16. 15 21 32 48 69 ?
(A) 85 (B) 103
(C) 100 (D) 89
(E) 95

निर्देश–(प्रश्न 17 से 21 तक) इस प्रश्न में, दो क्वांटिटी दी गई हैं. उनके बीच सम्बन्ध बताएं–
(A) मात्रा I > मात्रा II
(B) मात्रा I < मात्रा II
(C) मात्रा I ≤ मात्रा II
(D) मात्रा I ≥ मात्रा II
(E) मात्रा I = मात्रा II या सम्बन्ध बताया नहीं जा सकता

17. **मात्रा I**–मोरटार में सीमेंट का प्रतिशत. मोरटार के 900 किग्रा में 45% बालू, 144 किग्रा लाइम और शेष सीमेण्ट.
मात्रा II–वेंडर द्वारा फेंके गए सेबों का प्रतिशत. एक वेंडर ने अपने पास पड़े सेबों में से 60% सेबों को बेचा और शेष का 15% फेंके. अगले दिन उसने शेष के 50% बेचे और शेष फेंके.

18. मात्रा I–वस्तु का क्रय मू. अगर वस्तु को 8% हानि की जगह, 8% लाभ पर बेचा जाए, तो वह ₹ 12 ज्यादा में खरीदा जाएगा.

मात्रा II–पुस्तक का क्रय मू. एक आदमी पुस्तक को 20% लाभ पर बेचता है. अगर उसे 20% हानि पर खरीदा जाए और उसे ₹ 18 कम पर बेचा जाए तो उसे 25% का लाभ होगा.

19. दो कारों द्वारा 350 किमी की दूरी तय करने में लिए गए समय के बीच अन्तर 2 घण्टे 20 मिनट है. उनकी चालों के बीच अन्तर 5 किमी/घण्टे है.

मात्रा I–तेज कार की चाल.

मात्रा II–धीमी कार की चाल.

20. मात्रा I–पिता की वर्तमान आयु/ पिता की आयु उसके पुत्र की आयु की 4 गुनी है. 5 साल पहले, वह 7 गुनी थी.

मात्रा II–आदमी की वर्तमान आयु/15 साल बाद, आदमी, 15 साल पहले की अपने पुत्र की आयु का 4 गुना होगा.

21. जॉब के लिए 14 उम्मीदवारों में से, यहाँ 6 औरतें और 8 आदमी हैं. जॉब के लिए 2 व्यक्तियों को चुनना है.

मात्रा I–कोई भी औरत न चुनने की प्रायिकता.

मात्रा II–कम से कम एक औरत को चुनने की प्रायिकता.

22. जब दो अंकों की संख्या में से 9 को घटाया जाए, तो जो संख्या बनेगी, वह वास्तविक संख्या की विपरीत होगी और वास्तविक संख्या के अंकों का औसत 7·5 है. वास्तविक संख्या क्या है ?

(A) 87 (B) 92
(C) 90 (D) 69
(E) 96

23. A, B और C के पास कुछ धनराशि है. C के पास, A के पास जो है, उसका $\frac{3}{4}$ है और B के पास, C से ₹ 50 कम हैं. अगर A, B और C के पास मिलाकर ₹ 250 हैं, तो A के पास अकेले कितने रुपए हैं ?

(A) 75 (B) 160
(C) 80 (D) 120
(E) 140

24. एक नाव ने नदी की दिशा में कुछ दूरी तय करने में 6 घण्टे लिए और धारा के विरुद्ध दूरी तय करने में 5 घण्टे लिए. धारा के विरुद्ध तय की गई दूरी, धारा की दिशा में तय की गई दूरी की आधी है. अगर धारा की चाल 4 किमी/घण्टे है, तो शान्त जल में नाव की चाल क्या है ? (किमी/घण्टे में)

(A) 16 (B) 20
(C) 24 (D) 10
(E) 18

25. एक वर्गाकार लॉन में सिंथेटिक घास को उगाने के लिए ₹ 3159 लगते हैं, जिसका $\frac{1}{4}$ चबूतरा है (जिसमें घास की जरूरत नहीं है). अगर लॉन की हर एक भुजा का नाप 18 मी. है, तो सिंथेटिक घास को उगाने के लिए माली ने किस दर से मजदूरी ली ? (₹ /मी² में)

(A) 18 (B) 11
(C) 16 (D) 15
(E) 13

निर्देश–(प्रश्न 26 से 30 तक) इस प्रश्न में, एक प्रश्न है, जिसके दो कथन दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है और उत्तर देना है–

(a) कथन I की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.
(b) कथन II की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.
(c) दोनों कथनों की सूचना मिलकर प्रश्न का उत्तर देने के लिए जरूरी है.
(d) दोनों कथनों की सूचनाएं मिलकर भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है.
(e) या तो कथन I की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या कथन II की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.

26. ब्याज की दर क्या है ?

I. ₹ 25,000 की राशि से 2 साल में कमाया गया साधारण ब्याज इसी समय के लिए कमाए गए चक्रवृद्धि ब्याज से ₹ 250 कम है.

II. 10 साल में कमाया गया साधारण ब्याज, मूलधन के बराबर है.

27. सुबोध के इतिहास में कुल अंक क्या होंगे ?

I. इतिहास, भूगोल और रसायन में सुबोध के औसत अंक 75 हैं.

II. इतिहास, भूगोल और भौतिकी में उसके औसत अंक 78 हैं.

28. धारा की चाल क्या है ?

I. एक आदमी, 9 किमी की दूरी को धारा की दिशा में $1\frac{1}{2}$ घण्टे में तैरता है.

II. जबकि धारा के विरुद्ध जाने में, इसी दूरी को तय करने में 3 घण्टे का समय लेता है.

29. एक परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत क्या है ?

I. रमन ने परीक्षा में 25% अंक प्राप्त किए हैं और सुनील ने 288 अंक प्राप्त किए हैं जोकि रमन से 128 ज्यादा हैं.

II. रमन ने न्यूनतम उत्तीर्ण अंक से 64 अंक कम प्राप्त किए हैं.

30. $x^2 + y + z$ का मान क्या है ?

I. $4x + 3y + 5z = 60$ और $2x = y$, $2y = z$.

II. $3x + 3y + 2z = 34$ और $2x + 5y + 6z = 72$.

31. $[(15\cdot5 \times 28) \div 16 - 1230 \div 240] = ? \times 5$

(A) 4·4 (B) 4
(C) 5 (D) 4·2
(E) 2·4

32. $\frac{(5)^2 \times 14 + 1450}{5} = 1998 \div ?$

(A) 5·55 (B) 55·5
(C) 50·5 (D) 5·05
(E) 50·05

33. $\sqrt{(625)} \times 12 - 864 \div 24 = ? + 71$

(A) 193 (B) 183
(C) 181 (D) 190
(E) 187

34. $104 - 21 \times 448 \div 16 + 1013 = ?^2$

(A) 17 (B) 21
(C) 33 (D) 23
(E) 19

35. $1246 + \sqrt[4]{(256)} = \left(?^2 + 19\frac{1}{3}\right) \times 15$

(A) 16 (B) 24
(C) 32 (D) 8
(E) 64

निर्देश–(प्रश्न 36 से 40 तक) ग्राफ को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

ग्राफ 3 विषयों में, 5 छात्रों द्वारा, स्कोर किए गए अंक को दर्शाता है–

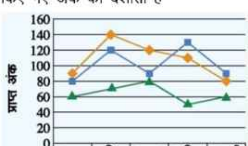

	आकाश	कविता	राघव	अमित	आरती
विज्ञान	80	120	90	130	90
गणित	90	140	120	110	80
अंग्रेजी	60	70	80	50	60

36. कविता द्वारा दिए गए 3 विषयों में मिलाकर प्राप्त किए गए प्रतिशत अंक और राघव द्वारा दिए गए 3 विषयों में मिलाकर प्राप्त किए गए प्रतिशत अंकों के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 12% (B) 16%
(C) 18% (D) 10%
(E) 15%

37. गणित में 5 छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए औसत अंकों और सभी 5 छात्रों द्वारा विज्ञान में प्राप्त किए गए औसत अंकों के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 8 (B) 9
(C) 6 (D) 12
(E) 15

38. अमित द्वारा सभी 3 विषयों में मिलकर प्राप्त किए गए प्रतिशत अंकों और आरती द्वारा सभी 3 विषयों में मिलकर प्राप्त किए गए प्रतिशत अंकों का औसत क्या है ?
(A) 56%
(B) 65%
(C) 70%
(D) 68%
(E) ऊपर में से कोई नहीं

39. गणित में जिन्होंने सबसे ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं, के टॉप 4 छात्रों के अंकों के योग और विज्ञान में सबसे ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले टॉप 4 छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों के योग के बीच अनुपात क्या है ?
(A) $\frac{42}{43}$ (B) $\frac{43}{45}$
(C) $\frac{43}{46}$ (D) $\frac{46}{43}$
(E) दिए गए विकल्पों से अन्य कोई और

40. विज्ञान में सबसे ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले टॉप 2 छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों का योग, अंग्रेजी में सबसे ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले, टॉप 2 छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों के योग का कितना प्रतिशत है ?
(A) $166\frac{2}{3}$ (B) $160\frac{2}{3}$
(C) $133\frac{2}{3}$ (D) $169\frac{1}{3}$
(E) ऊपर से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 41 से 45 तक) पाई-चार्ट को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

दो महीनों में, पाँच दोस्तों की बचत को निम्न पाई-चार्ट दर्शाता है–

अक्टूबर में बचत = ₹ 17,500

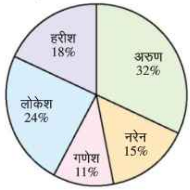

नवम्बर में बचत = ₹ 19,000

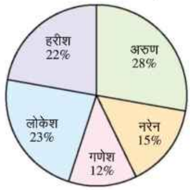

41. नवम्बर में हरीश की बचत, अक्टूबर में गणेश की बचत से लगभग कितने प्रतिशत ज्यादा है ?
(A) 150% (B) 117%
(C) 120% (D) 100%
(E) 110%

42. अगर गणेश ने, अक्टूबर में अपनी बचत का 26%, अपनी माँ को दिया और अपनी बचत का 10% चैरिटी में दिया और लोकेश ने नवम्बर में अपनी बचत का 25% अपने भाई को दिया और अपनी बचत का 15% चैरिटी में दिया, तो अक्टूबर में गणेश की बची हुई बचत और नवम्बर में लोकेश की बची हुई बचत के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 616 : 1311
(B) 342 : 1155
(C) 248 : 759
(D) 156 : 567

43. नरेन और लोकेश की नवम्बर में बचत और अक्टूबर में अरुण, हरीश और गणेश की बचत का औसत क्या है ?
(A) 3321 (B) 3740
(C) 3236 (D) 3652
(E) 3579

44. अक्टूबर में लोकेश की बचत के केन्द्रीय कोण और इसी महीने में नरेन के बचत के केन्द्रीय कोण के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 32·4° (B) 36·5°
(C) 30·2° (D) 28·6°
(E) इनमें से कोई नहीं

45. दोनों महीनों में नरेन और हरीश की मिलकर बचत की कुल राशि क्या है ?
(A) ₹ 11,500 (B) ₹ 12,805
(C) ₹ 14,650 (D) ₹ 12,675
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 46 से 50 तक) ग्राफ को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जो निम्न हैं–

2 साल के समय में बहुत-सी टेलिफोन कम्पनियों के आय और व्यय में प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता ग्राफ–

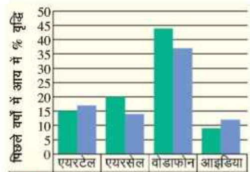

	एयरटेल	एयरसेल	वोडाफोन	आइडिया
2015-16	15	20	44	9
2016-17	17	14	37	12

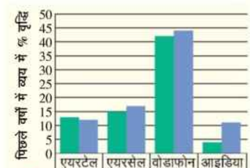

	एयरटेल	एयरसेल	वोडाफोन	आइडिया
2015-16	13	15	42	4
2016-17	12	17	44	11

46. अगर 2014-15 में आइडिया का व्यय, उस साल की उनकी आय के बराबर है और ₹ 30,000 करोड़ के बराबर है. 2016-17 में, आइडिया के लिए आय और व्यय के बीच अन्तर क्या है ? (लगभग)
(A) ₹ 1500 करोड़
(B) ₹ 4500 करोड़
(C) ₹ 3600 करोड़
(D) ₹ 1000 करोड़
(E) ₹ 2000 करोड़

47. माना 2015-16 में वोडाफोन की आय ₹ 4000 करोड़ है. अगर 2015-16 में वोडाफोन का व्यय, उनकी आय के समान है तो 2015-16 और 2016-17 में वोडाफोन की आय के बीच अन्तर, 2015-16 और 2016-17 में वोडाफोन के व्यय के बीच अन्तर का कितना प्रतिशत होगा ?
(A) 96% (B) 80%
(C) 84% (D) 90%
(E) 100%

48. 2015-16 में, अगर आइडिया की आय, उसके व्यय का 4 गुना है, तो 2016-17 में आइडिया की आय और व्यय के बीच अनुपात क्या होगा ? (लगभग)
(A) 111 : 448 (B) 448 : 111
(C) 382 : 111 (D) 111 : 382
(E) 382 : 97

49. माना, 2014-15 में एयरटेल की आय, ₹ 500000 करोड़ के बराबर है. अगर 2016-17 में एयरटेल का व्यय, 2014-15 में एयरटेल की आय के बराबर है, तो 2016-17 में एयरटेल की आय, 2015-16 में, इन्हीं कम्पनियों के व्यय से कितने प्रतिशत ज्यादा होगी ? (लगभग)
(A) 52% (B) 74%
(C) 66% (D) 64%
(E) 60%

50. 2015-16 में, अगर एयरटेल की आय, आइडिया के व्यय की दोगुनी है तो 2016-17 में एयरटेल की आय और आइडिया के व्यय के बीच अनुपात क्या होगा ?
(A) 234 : 111 (B) 101 : 234
(C) 198 : 173 (D) 234 : 101
(E) 230 : 179

उत्तर हल सहित

1. (B) 8 लि दूध को वेसल B में डालने के बाद, बेसल B में मिश्रण की मात्रा
$= 22 + 8 = 30$ लि
वेसल A में दूध की मात्रा
$= 40 - 8 = 32$ लि
वेसल B के 6 लि मिश्रण में, दूध की मात्रा
$= 6 \times \frac{8}{30}$
$= \frac{8}{5}$ लि
पानी की मात्रा $= 6 \times \frac{22}{30} = \frac{22}{5}$ लि
A में शुद्ध दूध $= 32 + \frac{8}{5} = \frac{168}{5}$ लि
B में शुद्ध पानी $= 22 - \frac{22}{5} = \frac{88}{5}$ लि
अनुपात $= 168 : 88 = 21 : 11$

प्रश्न 2 से 6 के लिए–

	शहर A	शहर B	शहर C
2013	80000	75000	70000
2014	88000	84000	80500
2015	92400	92400	96600

वर्ष 2013 में,

	शहर A	शहर B	शहर C
पुरुष	48000	50000	35000
महिला	32000	25000	35000

2. (C) शहर A की औसत जनसंख्या
$= \frac{80000 + 88000 + 92400}{3}$
$= \frac{260400}{3} = 86800$

3. (A)% कमी $= \frac{96600 - 84000}{96600} \times 100$
$= \frac{12600}{966} \approx 13\%$

4. (E) 2013 में शहर B की महिलाएँ
$= 25000$
2013 में शहर C की महिलाएँ
$= 35000$
अनुपात $= \frac{25000}{35000} = \frac{5}{7}$

5. (D) 2015 $= \frac{45}{100} \times 92400$
$= 41580$ शहर A की महिलाएँ
पुरुषों की संख्या $= 92400 - 41580$
$= 50820$

6. (A) 2013 में शहर A की जनसंख्या
$= 80000$
पुरुष $= 48000 + 48000 \times \frac{20}{100}$
$= 57600$
महिलाएँ $= 32000 + 32000 \times \frac{15}{100}$
$= 36800$
नई जनसंख्या $= 94400$
शहर B की जनसंख्या $= 75000$
पुरुष $= 50000 + \ = 50000 \times \frac{20}{100}$
$= 60000$
महिलाएँ $= 25000 + 25000 \times \frac{15}{100}$
$= 28750$
नई जनसंख्या $= 88750$
शहर A और B की नई जनसंख्या
$= 183150$

7. (A) A 24 दिन लेता है. ...(1)
B लेता है– $24 = \frac{120}{100}$ B
$\Rightarrow$ B = 20 दिन ...(2)
C लेता है– $20 = \frac{125}{100}$ C
$\Rightarrow$ C = 16 दिन ...(3)
(B + C) का 1 दिन का काम
$= \frac{1}{20} + \frac{1}{16} = \frac{9}{80}$
B और C $8\frac{8}{9}$ दिन में काम खत्म करता है.

8. (C) A, B और C के निवेशों में अनुपात
$= 1 \times 4 : 2 \times 6 : 2 \cdot 5 \times 12$
$= 4 : 12 : 30$
$= 2 : 6 : 15$
B का हिस्सा $= \frac{6}{23} \times 5819$
$=$ ₹ 1518

9. (B) $\frac{2x}{11} = y,$
$\frac{x+16}{y} = \frac{37}{6}$
$\Rightarrow 6x + 96 = 37y$
$\Rightarrow 6x + 96 = 37 \times \frac{2x}{11}$
$\Rightarrow 66x + 1056 = 74x$
$74x - 66x = 1056$
$\Rightarrow x = \frac{1056}{8} = 132$

10. (C) सेक्टर का क्षेत्रफल
$= \frac{\theta}{360} \times \pi r^2$

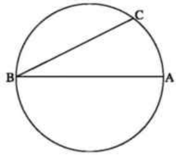

$= \frac{45°}{360°} \times \frac{22}{7} \times 7 \times 7$
$= 19 \cdot 25$ वर्ग इंच

11. (D) माना अभीष्ट संख्याएं x तथा y हैं.
$x - y = 18$ ...(1)
$xy = 6 \times 168 = 1008$ ...(2)
$(x-y)^2 = x^2 + y^2 - 2xy$
$\Rightarrow (18)^2 + 2(1008) = x^2 + y^2$
$\Rightarrow x^2 + y^2 = 2340$

12. (C) 8 9 17 26 90 [115]
+1 +8 +9 +64 +25
$(1)^2$ $(2)^3$ $(3)^2$ $(4)^3$ $(5)^2$

13. (B) 96 48 72 180 [630] 2835
$\times\frac{1}{2}$ $\times\frac{3}{2}$ $\times\frac{5}{2}$ $\times\frac{7}{2}$ $\times\frac{9}{2}$

14. (E) 13 14 30 93 [376] 1885
×1 + 1 ×2 + 2 ×3 + 3 ×4 + 4 ×5 + 5

15. (B) 1252 250 62 20 [9] 7
$-2 \div 5$ $-2 \div 4$ $-2 \div 3$ $-2 \div 2$ $-2 \div 1$

16. (E) 15 21 32 48 69 [95]
+6 +11 +16 +21 +26
+5 +5 +5 +5

17. (A) (I) बालू $= 900 \times \frac{45}{100}$
$= 405$ किग्रा
लाइम $= 144$ किग्रा
शेष सीमेंट $= 900 - (405 + 144)$
$= 900 - 549 = 351$ किग्रा
$= \frac{351}{900} \times 100 = 39\%$
(II) माना, उसके पास 100 सेब थे.
पहले दिन, बेचे $= 60$ सेब,
शेष $= 100 - 60 = 40$ सेब

$$\text{फेंके} = 40 \times \frac{15}{100} = 6 \text{ सेब}$$
$$\text{शेष} = 40 - 6 = 34 \text{ सेब}$$
$$\text{अगले दिन, बेचे} = 34 \times \frac{50}{100} = 17 \text{ सेब}$$
$$\text{फेंके} = 34 - 17 = 17 \text{ सेब}$$
$$\% = \frac{17}{100} \times 100 = 17\%$$

Qty I > Qty II

18. (B) (I) माना, पुस्तक का C.P. ₹ 'x' है.
दिया है—$1{\cdot}08x - 0{\cdot}92x = 12$
$$\Rightarrow x = \frac{12}{16} = ₹ 75$$
(II) माना, C.P. = ₹ 100,
S.P. = 100 + 20 = ₹ 120
दूसरा C.P. = 100 − 20 = ₹ 80
लाभ = 25%
$$\therefore \text{दूसरा S.P.} = 80 \times \frac{125}{100} = ₹ 100$$
दोनों S.P. के बीच अन्तर = ₹ 20
अगर अन्तर ₹ 20 है,
तो C.P. = ₹ 100
अगर अन्तर ₹ 18 है,
$$\text{तो C.P.} = \frac{100}{20} \times 18 = ₹ 90$$
Qty II > Qty I

19. (A) माना, तेज कार द्वारा लिया गया समय = t
धीमी कार द्वारा लिया गया समय
$$= t + \left(2 + \frac{20}{60}\right) = t + \frac{7}{3}$$
चाल में अन्तर = 5
$$\frac{350}{t} - \frac{350}{t + \frac{7}{3}} = 5$$
$$\Rightarrow 5(3t^2 + 7t) = 350$$
$$\Rightarrow 3t^2 + 7t - 490 = 0$$
$$\Rightarrow 3t^2 + 42t - 35t - 490 = 0$$
हल करने पर, $t = -14$ या $\frac{35}{3}$
$$\text{Qty I : तेज कार की चाल} = \frac{350}{35} \times 3 = 30 \text{ किमी/घण्टा}$$
$$\text{Qty II : धीमी कार की चाल} = \frac{350}{\frac{35}{3} + \frac{7}{3}} = \frac{350 \infty 3}{42} = 25 \text{ किमी/घण्टा}$$
Qty I > Qty II

20. (A) Qty I : $f = 4s$ ...(1)
$$(f - 5) = 7(s - 5)$$
$$\Rightarrow f - 5 = 7s - 35$$
$$\Rightarrow f - 5 = 7\left(\frac{f}{4}\right) - 35$$
$$\Rightarrow 4f - 20 = 7f - 140$$
$$\Rightarrow f = 40 \text{ साल}$$
Qty II : (M + 15) = 4(M − 15)
$$\Rightarrow M + 15 = 4M - 60$$
$$\Rightarrow 3M = 75$$
$$\Rightarrow M = 25 \text{ साल}$$
Qty I > Qty II

21. (B) कुल तरीके = $^{14}C_2$
$$\text{Qty (I) कोई भी औरत न होने की प्रायिकता} = \frac{28}{91}$$
$$\text{Qty (II) कम से कम 1 औरत होने की प्रायिकता} = 1 - \frac{28}{91} = \frac{63}{91}$$
Qty I < Qty II

22. (A) माना अभीष्ट संख्या = $10x + y$
∴ प्रश्नानुसार, $10x + y - 9 = 10y + x$
$$10x + y - 10y - x = 9$$
$$9x - 9y = 9$$
$$x - y = 1 \quad ...(i)$$
$$\frac{x + y}{2} = 7{\cdot}5$$
$$x + y = 15 \quad ...(ii)$$
समीकरण (i) तथा (ii) से,
$$x - y = 1$$
$$x + y = 15$$
$$2x = 16$$
$$x = 8$$
$$\therefore x + y = 15$$
$$y = 15 - x = 15 - 8 = 7$$
∴ अभीष्ट संख्या = 87

23. (D) माना A के पास ₹ x हैं.

A	B	C
x	$\frac{3}{4}x - 50$	$\frac{3}{4}x$ (प्रश्नानुसार)

$$\Rightarrow x + \frac{3}{4}x - 50 + \frac{3}{4}x = 250$$
$$\Rightarrow 4x + 3x - 200 + 3x = 1000$$
$$\Rightarrow 10x = 1200$$
$$\Rightarrow x = 120$$

24. (A) t_d = 6 घण्टे,
t_u = 5 घण्टे
$$d_u = \frac{1}{2} d_d$$
[यहाँ a = शान्त जल में नाव की चाल
b = धारा की चाल]
$$s_u = a - b$$
$$\Rightarrow \frac{\frac{1}{2}d_d}{5} = a - 4$$
$$\Rightarrow \frac{1}{2}d_d = 5a - 20$$
$$\Rightarrow d_d = 10a - 40$$
$$s_d = \frac{10a - 40}{6} = a + 4$$
$$\Rightarrow 10a - 40 = 6a + 24$$
$$\Rightarrow 4a = 64$$
$$\Rightarrow a = 16 \text{ किमी/घण्टे}$$

25. (E) लॉन का क्षेत्रफल = 18 × 18 = 324 वर्ग मी.
$$\text{चबूतरा का क्षेत्रफल} = 324 \times \frac{1}{4} = 81 \text{ मी.}$$
घास उगाने हेतु क्षेत्रफल
$$324 - 81 = 243 \text{ मी}^2$$
$$\text{मूल्य} = \frac{3159}{243} = ₹ 13/\text{मी}^2$$

26. (E) कथन I से, C.I. − S.I. = 250
$$\Rightarrow 25000\left[\left(1 + \frac{R}{100}\right)^2 - 1\right] - \frac{25000 \times R \times 2}{100} = 250$$
$$\Rightarrow 5[(100 + R)^2 - 10000] - 1000R = 500$$
$$\Rightarrow 5[10000 + R^2 - 200R - 10000] - 1000R = 500$$
$$\Rightarrow R^2 = 100$$
$$\Rightarrow R = 10\%$$
कथन II से, P = x, S.I. = x,
$$x = \frac{x \times R \times 10}{100}$$
$$\Rightarrow R = 10\%$$

27. (D) कथन I से,
$$\frac{H + G + C}{3} = 75$$
$$\Rightarrow H + G + C = 225 \quad ...(1)$$
कथन II से,
$$\frac{H + G + P}{3} = 78$$
$$\Rightarrow H + G + P = 234 \quad ...(2)$$

28. (C) कथन I तथा II से,
$$s_d = \frac{9}{3} \times 2 = 6 \text{ किमी/घण्टे}$$
$$s_u = \frac{9}{3} = 3 \text{ किमी/घण्टे}$$
माना, a = शान्त जल में नाव की चाल
b = धारा की चाल
दिया है, $a + b = 6$,
$a + b = 3$
हल करने पर, a = 4·5 किमी/घण्टे,
b = 1·5 किमी/घण्टे

29. (C) कथन I तथा II से,
रमन के प्राप्तांक = 288 − 128 = 160
$$\text{परीक्षा के अधिकतम अंक} = \frac{160 \times 100}{25} = 640$$
∴ न्यूनतम उत्तीर्ण अंक = 160 + 64 = 224
$$\therefore \text{न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत} = \frac{224 \times 100}{640} = 35\%$$

30. (A) (I) $4x + 3y + 5z = 60, 2x = y, 2y = z$

$\Rightarrow 4\left(\frac{y}{2}\right) + 3y + 5(2y) = 60$

$\Rightarrow \quad 15y = 60$

$\Rightarrow y = 4, x = 2, z = 8$

$x^2 + y + z = (2)^2 + 4 + 8 = 16$

(II) $3x + 3y + 2z = 34 \quad ...(1)$

$2x + 5y + 6z = 72$

पर यह x, y, z का मान नहीं बताता है.

31. (B) $[(15{\cdot}5 \times 28) \div 16 - 1230 \div 240] = x \times 5$

$\Rightarrow \frac{15{\cdot}5 \times 28}{16} - \frac{1230}{240} = 5x$

$\Rightarrow \quad 5x = 20$

$\Rightarrow \quad x = 4$

32. (A) $\frac{(5)^2 \times 14 + 1450}{5} = \frac{1998}{x}$

$\Rightarrow \quad \frac{1800}{5} = \frac{1998}{x}$

$\Rightarrow \quad x = \frac{1998 \times 5}{1800}$

$= 5{\cdot}55$

33. (A) $\sqrt{625} \times 12 - \frac{864}{24} = x + 71$

$\Rightarrow \quad 300 - 36 = x + 71$

$\Rightarrow \quad x = 264 - 71$

$= 193$

34. (D) $104 - 21 \times \frac{448}{16} + 1013 = (x)^2$

$\Rightarrow \quad 104 - 588 + 1013 = x^2$

$\Rightarrow \quad -484 + 1013 = x^2$

$\Rightarrow \quad x^2 = 529$

$\Rightarrow \quad x = 23$

35. (D)

$1246 + \sqrt[4]{256} = \left(x^2 + 19\frac{1}{3}\right) \times 15$

$1246 + 4 = \left(x^2 + \frac{58}{3}\right) \times 15$

$1250 = 15x^2 + 290$

$15x^2 = 1250 - 290$

$15x^2 = 960$

$x^2 = \frac{960}{15} = 64$

$\therefore \quad x = 8$

36. (*) कविता द्वारा प्राप्त किए गए प्रतिशत अंक $= \frac{330}{450} \times 100$

$= 73{\cdot}33$

राघव द्वारा प्राप्त किए गए प्रतिशत अंक

$= \frac{290}{450} \times 100$

$= 64{\cdot}44$

अन्तर $= 73{\cdot}33 - 64{\cdot}44$

$= 8{\cdot}89 \approx 9\%$

37. (C) 5 छात्रों द्वारा गणित में प्राप्त अंकों का औसत

$= \frac{90 + 140 + 120 + 110 + 180}{5}$

$= \frac{540}{5} = 108$

और, सभी 5 छात्रों द्वारा विज्ञान में प्राप्त अंकों का औसत

$= \frac{80 + 120 + 90 + 130 + 90}{5}$

$= \frac{510}{5} = 102$

अन्तर $= 108 - 102 = 6$

38. (E) अमित द्वारा प्राप्त किए गए प्रतिशत अंक $= \frac{290}{450} \times 100 = 64{\cdot}44$

आरती द्वारा प्राप्त किए गए प्रतिशत अंक

$= \frac{230}{450} \times 100 = 51{\cdot}11$

औसत $= \frac{64{\cdot}44 + 51{\cdot}11}{2}$

$= 57{\cdot}77\%$

39. (D) गणित में टॉप 4 छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों का योग

$= 140 + 120 + 110 + 90$

$= 460$

विज्ञान में टॉप 4 छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों का योग

$= 130 + 120 + 90 + 90$

$= 430$

अनुपात $= \frac{460}{430} = \frac{46}{43}$

40. (A) $\% = \frac{250}{150} \times 100$

$= 166\frac{2}{3}$

41. (B) प्रतिशत अधिकता

$= \frac{4180 - 1925}{1925} \times 100$

$= 117\%$

42. (A) अक्टूबर में गणेश की बचत

$= \frac{11}{100} \times 17500$

$= 1925$

माँ को दिया $= 1925 \times \frac{26}{100} = 500{\cdot}5$

चैरिटी में दिया $= 1925 \times \frac{10}{100} = 192{\cdot}5$

शेष बचत $= 1925 - (500{\cdot}5 + 192{\cdot}5)$

$= 1232$

नवम्बर में लोकेश की बचत

$= \frac{23}{100} \times 19000$

$= 4370$

$= 4370 \times \frac{25}{100} = 1092{\cdot}5$ भाई को दिया

$= 4370 \times \frac{15}{100} = 655{\cdot}5$ चैरिटी में दिया

शेष बचत $= 4370 - (1092{\cdot}5 + 655{\cdot}5)$

$= 2622$

अनुपात $= \frac{1232}{2622} = \frac{616}{1311}$

43. (E) नवम्बर में नरेन और लोकेश की कुल बचत $= \frac{15}{100} \times 19000 + \frac{23}{100} \times 19000$

$= 7220$

अक्टूबर में अरुण, हरीश और गणेश की कुल बचत $= \frac{32}{100} \times 17500 + \frac{18}{100} \times 17500 + \frac{11}{100} \times 17500$

$= 10675$

औसत बचत $= \frac{7220 + 10675}{5}$

$= 3579$

44. (A)

45. (B) अक्टूबर और नवम्बर में नरेन और हरीश की कुल बचत

$= \frac{15}{100} \times 17500 + \frac{18}{100} \times 17500 + \frac{15}{100} \times 19000 + \frac{22}{100} \times 19000$

$= 2625 + 3150 + 2850 + 4180$

$=$ ₹ 12805

46. (E) 2016-17 में आय

$= 30000 \times \frac{109}{100} \times \frac{112}{100}$

$= 3 \times 109 \times 112$

$=$ ₹ 36624 करोड़

2016-17 में व्यय

$= 30000 \times \frac{104}{100} \times \frac{111}{100}$

$= 3 \times 104 \times 111$

$=$ ₹ 34632 करोड़

अन्तर $= 36{,}624 - 34{,}632$

$=$ ₹ 1992 करोड़

$\simeq$ ₹ 2000 करोड़ (लगभग)

47. (C) अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{37}{44} \times 100$

$= \frac{3700}{44} = 84{\cdot}09\%$

$\simeq 84\%$

48. (B) माना 2015-16 में आइडिया का व्यय $= x$

$\therefore$ 2015-16 में आइडिया की आय $= 4x$

$\therefore$ 2016-17 में आइडिया की आय

$= 4x \times \frac{112}{100} = \frac{448x}{100}$

2016-17 में आइडिया का व्यय $= \frac{111x}{100}$

अभीष्ट अनुपात $= \frac{448x}{100} : \frac{111x}{100}$

$= 448 : 111$

49. (A) 2014-15 में एयरटेल की आय

$= ₹\ 500000$ करोड़

2016-17 में एयरटेल की आय

$= 500000 \times \frac{115}{100} \times \frac{117}{100}$

$= 50 \times 115 \times 117$

$= ₹\ 672750$

2016-17 में एयरटेल का व्यय

$= ₹\ 500000$ करोड़

2015-16 में एयरटेल का व्यय

$= 500000 \times \frac{100}{112}$

$= ₹\ 446428{\cdot}57$

अभीष्ट प्रतिशत

$= \frac{(672750 - 446428{\cdot}57)}{446428{\cdot}57} \times 100$

$= \frac{226321{\cdot}43 \times 100}{446428{\cdot}57}$

$= 50{\cdot}7\% \simeq 52\%$ (लगभग)

50. (A) माना 2015-16 में आइडिया का व्यय

$= ₹\ x$

2015-16 में एयरटेल की आय $= ₹\ 2x$

$\therefore$ 2016-17 में एयरटेल की आय

$= 2x \times \frac{117}{100} = ₹\ \frac{234x}{100}$

2016-17 में आइडिया का व्यय

$= ₹\ \frac{111x}{100}$

अभीष्ट अनुपात $= \frac{234x}{100} : \frac{111x}{100}$

$= 234 : 111$

●●●

शेष पृष्ठ 190 का

25. (A) 26. (C) 27. (E) 28. (A)

प्रश्न 29 से 33 तक के लिए :

सिल्वर	I	7
रोडियम	L	6
आयरन	K	5
प्लेटिनम	J	4
कॉपर	M	3
एल्युमिनियम	H	2
गोल्ड	O	1

29. (E) 30. (E) 31. (D) 32. (D) 33. (E)

34. (A) F A C E B O O K

35. (C) रोनाल्डो का बाएं से स्थान

$= 35 - 20 + 1$

$=$ 16वाँ

मेसी तथा रोनाल्डो के बीच छात्रों की संख्या $= 20 - 16 - 1$

$= 3$

प्रश्न 36 से 40 तक के लिए :

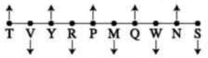

36. (D) 37. (B) 38. (E) 39. (B) 40. (C)

●●●

शेष पृष्ठ 193 का

22. (B) 23. (E) 24. (D) 25. (A) 26. (E)

27. (C)

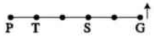

प्रश्न 28 से 32 तक के लिए–

सोम	मंगल	बुध	गुरु
G	A	C	H
आगरा	पटियाला	बेंगलूरू	ग्वालियर

शुक्र	शनि	रवि
B	E	K
नागपुर	उदयपुर	हैदराबाद

28. (C) 29. (C) 30. (E) 31. (C) 32. (A)

33. (D)

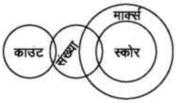

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

34. (B)

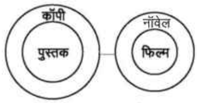

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

35. (E)

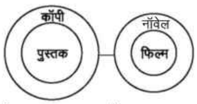

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

●●●

Press Release

The following is the schedule of Examinations to be conducted by the National Testing Agency (NTA) during December 2019 to June 2020. The examinations will be conducted in different cities at All India level.

Examination	Date of Registration	Date of Examination
Indian Institute of Foreign Trade (IIFT) MBA Admission Test-2020	9th September to 25th October, 2019	1st December, 2019
UGC-National Eligibility Test (UGC-NET)-December 2019	9th September to 9th October, 2019	2nd to 6th December, 2019
UGC-National Eligibility Test (UGC-NET)-June 2020	16th March to 16th April, 2020	15th to 20th June, 2020
CSIR-UGC NET Examination (CSIR-UGC NET)-December 2019	9th September to 9th October, 2019	15th December, 2019
CSIR-UGC NET Examination (CSIR-UGC NET)-June 2020	16th March to 15th April, 2020	21st June, 2020
Joint Entrance Examination (Main) January-2020	2nd to 30th September, 2019	6th to 11th January, 2020
Joint Entrance Examination (Main) April-2020	7th February to 7th March, 2020	3rd to 9th April, 2020
Common Management Admission Test (CMAT)-2020	1st to 30th November, 2019	24th January, 2020
Graduate Pharmacy Aptitude Test (GPAT)-2020	1st to 30th November, 2019	24th January, 2020
All India AYUSH Post Graduate Entrance Test (AIAPGET)-2020	1st to 31st January, 2020	29th April, 2020
National Council for Hotel Management (NCHM) JEE Admission Test-2020	1st January to 29th February, 2020	25th April, 2020
Indira Gandhi National Open University (IGNOU) MBA and B.Ed. Admission Test-2020	31st January to 29th February, 2020	29th April, 2020
Indian Council of Agricultural Research (ICAR) AIEEE-2020	1st to 31st March, 2020	1st June, 2020
Jawaharlal Nehru University Entrance Test (JNUET)-2020	2nd to 31st March, 2020	11th to 14th May, 2020
Delhi University Entrance Test (DUET)-2020	2nd to 31st March, 2020	2nd to 9th June, 2020
National Eligibility cum Entrance Test (NEET) UG-2020	2nd to 31st December, 2019	3rd May, 2020

कि बेसाल्ट (Basalt) क्या है ?

☛ यह सूक्ष्म कणों वाली बाह्य आग्नेय शैल है. इसका निर्माण भूसतह पर प्राप्त तरल लावा के शीघ्रता से शीतल तथा ठोस होने के परिणामस्वरूप होता है. कुछ बेसाल्ट में कण नहीं पाए जाते हैं. इसे ग्लासी बेसाल्ट कहते हैं. बेसाल्ट में लोहांश अधिक होता है. इस कारण इसका रंग अधिक गहरा या काला होता है. बेसाल्ट शैल में सबसे अधिक मात्रा फेल्सपार (46%) की होती है. इसके अतिरिक्त इसमें अजाइट (Augite), ओलिविन (Olivine), खनिज लोहा तथा अन्य खनिज भी पाए जाते हैं. बेसाल्ट की रासायनिक संरचना में सिलिका की मात्रा 45 से 65 प्रतिशत तक पाई जाती है. यह एक भारी शैल है जिसका आपेक्षिक घनत्व 2·9 से 3·1 है.

कि ब्रुकनर चक्र (Bruckner Cycle) क्या है ?

☛ यह विभिन्न जलवायविक तथा अन्य प्राकृतिक घटनाओं का चक्र है. इस चक्र की आवृत्ति एक निश्चित अवधि के पश्चात् पुनः होती है. सबसे पहले (1890) ब्रुकनर के अल्पाइन हिमनदों के आगे बढ़ने तथा पीछे हटने की दर, गर्म शुष्क वर्षों तथा शीतल आदि वर्षों के क्रमिक आगमन, कैस्पियन सागर के जल-तल तथा इससे प्रभावित होने वाली नदियों तथा अनेक अन्य मौसम सम्बन्धी आँकड़ों आदि के आधार पर एक जलवायविक चक्र की अवधि 35 वर्ष निकाली है. अतः इसे ब्रुकनर चक्र कहते हैं, पृथक्-पृथक् जलवायु चक्रों की अवधि 25 वर्ष से लेकर 50 वर्ष तक होती है.

कि अभिनति या भूसन्नति (Geosyncline) क्या है ?

☛ भूपर्पटी में दीर्घकालीन संचलन द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पन्न नतबलन (Down fold) हैं. भूसन्नतियाँ, प्रायः लम्बे, संकीर्ण तथा उथले जलीय क्षेत्र होते हैं जिनमें अवसादों का निक्षेप होता रहता है और उनकी तली क्रमशः नीचे धँसती रहती है, जिससे निक्षेपित पदार्थों की मोटाई बढ़ती जाती है, किन्तु जल की गहराई में विशेष कमी नहीं आती है. कालांतर में भूसन्नति में निक्षेपित मलवों (अवसादों) में मोड़ पड़ने और उत्थान के परिणामस्वरूप वलित पर्वतों की उत्पत्ति होती है. उदाहरणस्वरूप हिमालय पर्वत की उत्पत्ति टेथिस भूसन्नति के मलवा में मोड़ पड़ने से हुई है.

कि क्या जायफल में औषधीय गुण भी हैं ?

☛ अनेक शारीरिक समस्याओं में जायफल प्रभावी सिद्ध हुआ है. आयुर्वेद के अनुसार जायफल एण्टी-ऑक्सीडेन्ट और एण्टी-बैक्टीरियल गुणों के कारण प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है.

गैस बनने या पेट फूलने जैसी समस्याओं के इलाज के लिए दो चम्मच जायफल पॉउडर और एक-चौथाई चम्मच अदरक के पॉउडर का मिश्रण बनाएं. भोजन करने से कुछ समय पहले इसका 1/8 चम्मच पॉउडर हल्के गर्म पानी के साथ लें. 3-4 छोटी इलायची, सौंठ पॉउडर और एक चुटकी जायफल डालकर हर्बल चाय पीना फायदेमंद है. दस्त के इलाज में एक चम्मच खसखस, दो बड़े चम्मच चीनी, आधा चम्मच इलायची और जायफल मिलाकर पीस लें. हर दो घण्टे में एक चम्मच तैयार पॉउडर का सेवन करें. मितली और अपच की स्थिति में एक चम्मच शहद के साथ 3-4 बूँदें जायफल का तेल मिलाकर सेवन करने से आराम मिलता है.

सर्दी के इलाज के लिए यह पुराना उपाय है. एक कप गर्म पानी में 1/4 चम्मच जायफल मिलाकर पीना या चाय बना कर पीना काफी फायदेमंद साबित होता है.

गर्म प्रकृति का होने के कारण सीमित मात्रा में (रोजाना 3-5 ग्राम) जायफल का सेवन करना ही बेहतर है. इसका अतिरिक्त सेवन एकाग्रता और स्फूर्ति की कमी जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है. इससे पेट दर्द, जी मिचलाना या घबराहट हो सकती है. इसके अधिक सेवन से एलर्जी, जैसी गम्भीर समस्या हो सकती है.

कि लोकोपयोगी सेवाएं क्या होती हैं ?

☛ लोकोपयोगी सेवाएं (Public Utilities) वह होती हैं, जो सभी लोगों को बिना किसी भेदभाव के प्रदान की जाती हैं. ये सेवाएं किसी विशेष वर्ग या व्यक्ति के लिए नहीं होती हैं. उदाहरण के लिए बिजली, रेल एवं सड़क परिवहन, दूरसंचार आदि. सरकार का उत्तरदायित्व इन सेवाओं को सुचारु रूप से जनसाधारण को उपलब्ध कराना होता है. इसमें सरकार को लाभ हो या हानि का प्रश्न महत्वपूर्ण नहीं होता.

कि 'डीएपी' (डाई अमोनियम फॉस्फेट) मिलावटी उर्वरक की पहचान विधि क्या है ?

☛ सख्त, दानेदार, भूरा, काला, बादामी रंग नाखूनों से आसानी से नहीं छूटता; तवे पर धीमी आँच में गर्म करने पर दाने फूल जाते हैं; **'डीएपी'** के कुछ दानों को लेकर तम्बाकू की तरह उसमें चूना मिलाकर मलने पर तीक्ष्ण गंध निकलती है, जिसे सूँघना असह्य हो जाता है. इन तीनों विधियों से नकली एवं मिलावटी **'डीएपी** की पहचान की जा सकती है. **'डीएपी'** में 18% नत्रजन (नाइट्रोजन) व 46% फॉस्फोरस तत्व पाए जाते हैं.

कि मिलावटी एवं नकली यूरिया की पहचान कैसे करें ? इसे जानिए.

☛ सफेद चमकदार, लगभग समान आकार के गोल दाने; पानी में पूर्णतया घुल जाना तथा घोल छूने में शीतल अनुभूति तथा गर्म तवे पर रखने से पिघल जाता है और आँच तेज करने पर कोई अवशेष नहीं बचता, ये तीनों विधियाँ सही यूरिया पहचान की हैं. यूरिया (46% N) एक ऑर्गेनिक केमिकल है, जिसका सूत्र $CO(NH_2)_2$ है.

कि देश में वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के क्या उपाय हैं ? इसे जानिए.

☛ किसानों की आय वर्ष 2022 तक **दोगुनी** करने हेतु तीन बिन्दुओं पर रणनीति केन्द्रित है जैसे–फसल उत्पादन बढ़ाना; खेती की लागत कम करना तथा मूल्य संवर्धन एवं लाभकारी विपणन. फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु **फसल चक्र एवं इसके सिद्धान्त अपनाना,** जैसे–फसल चक्र में दलहनी फसलों का लेना; उत्पादन वृद्धि के उपाय; समय प्रबन्धन एवं निवेश प्रबन्धन. **जल प्रबन्धन–**फुब्बारी (स्प्रिंकलिंग) पद्धति/टपक बूँद (ड्रिप इरीगेशन) से 50% जल की बचत एवं 20% लागत में भी बचत; समेकित कृषि प्रणाली को अपनाना, जिसमें मिश्रित फसल उगाना; साथ ही अन्य उद्यम, जैसे–बागवानी, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, बकरी/सूकरपालन, आदि को एक साथ अपनाया जाए. इन सभी को अपनाकर किसान की आय वर्ष 2022 तक **दोगुनी** करने में अवश्य ही मदद मिलेगी.

कि भूजिह्वा (Spil) क्या है ?

☛ सागरतटीय भाग में रेत, बजरी एवं कंकड़-पत्थर के जमाव से निर्मित जिह्वा सदृश्य सँकरी एवं निचली भूआकृति जिसका एक छोर तटीय भूमि के किसी शीर्ष स्थल या अन्तरीप से संलग्न रहता है, और दूसरा छोर सागर की ओर निकला रहता है. इसका निर्माण अपतटीय प्रवाह द्वारा पदार्थों के जमाव से होता है, जो अधिक विकसित होने पर अपतट रोधिका का रूप धारण कर लेती हैं. जब भूजिह्वा का अग्र भाग तट की ओर मुड़ जाता है, तो इस मुड़ी हुई भूजिह्वा को हुक (Hook) कहते हैं.

●●●

प्रश्न–लोकोन्मुखता या लोकप्रियतावाद क्या है ?

उत्तर–लोकोन्मुखता (Populism) का तात्पर्य शासन को उन लोगों तक ले जाने का कार्य है, जो साधारण जीवन जीते हैं. साधारणतः निर्वाचन के सन्दर्भ में इसका तात्पर्य ऐसी नीतियों, कार्यक्रमों, घोषणाओं एवं युक्ति से होता है, जिनसे जन साधारण को तुरन्त लाभान्वित करके तत्काल उनका राजनीतिक समर्थन प्राप्त किया जाता है. इसमें उक्त प्रयासों के दूरगामी परिणामों के सम्बन्ध में विचार नहीं किया जाता.

प्रश्न–'हाइड्रोपॉनिक्स' (Hydroponics) अर्थात् 'जल कृषि' क्या है ? इसे जानिए.

उत्तर– **'हाइड्रोपॉनिक्स'** अर्थात् **'जल कृषि'** (Water Agriculture)–बिना मिट्टी के खेती करना, जिसमें खनिज तत्वों वाले जलीय विलयन में पौधे उगाना, एक नई विकसित तकनीक है, जिसके **'जनक'**–कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय (यूएसए) के डॉ विलियम एफ. गैरिक को कहा जाता है. **'हाइड्रोपॉनिक्स'**–एक **'ग्रीक'** शब्द है अर्थात् जल द्वारा कार्य करना, जो परम्परागत खेती से हटकर एक नया क्रान्तिकारी कदम है. भारत में **पहला** हाइड्रोपॉनिक्स-वर्ष 1946 में पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग (Kalimpong) नामक स्थान पर **'डगलस'** नामक व्यक्ति ने लगाया, जिसमें छोटे-छोटे कंकड़ से **मोरंग** के पौधे लगाकर **'बंगाल पद्धति'** के नाम से प्रसिद्ध हुई. **'हाइड्रोपॉनिक्स'** तकनीक की **तीन** विधियाँ हैं–(i) पौधे की जड़ें पानी में लटकती रहती हैं, (ii) बालू में पौधे का उगाना तथा (iii) पौधे कंकड़ संवर्धन (बजरी) में उगाना.

प्रश्न–बढ़ते वायु प्रदूषण से निजात पाने हेतु ऐसे कौनसे पौधे हैं, जो आपकी सांसों में फूँकेंगे जान ? इसे जानिए.

उत्तर–देश के बड़े शहरों में जैसे–दिल्ली, आगरा, कानपुर, गाजियाबाद आदि में सड़कों पर चलने के समय वायु प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ने लगा है, साथ-ही-साथ घर-ऑफिस की विषाक्त हवा भी आपको बीमार करने में काफी है. ऐसे में इन जगहों पर प्रदूषण को सोखने वाले कुछ पौधे लगाकर खुद को स्वस्थ रखा जा सकता है. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) के वनस्पति शास्त्र के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र यादव ने कई अहम् अनुसंधान करके अच्छी सफलता हासिल की है, जिनमें कुछ पौधे लाभदायक हैं, जिस हेतु अरेका पॉम; लेडी पॉम; रबर प्लांट, बोन्साई, बैम्बू पॉम; फिलोडेनड्रोन्स आदि सबसे उपयुक्त पौधे हैं. **लेडी** पॉम पौधे सूरज की रोशनी में 16°C तापमान–इनके लिए अनुकूल है. यह पौधा घर और ऑफिस के वातावरण को शुद्ध करता है. इसे बालकनी में रख सकते हैं. **रबर प्लांट** द्वारा घर के अन्दर की वायु से फॉर्मेल्डिहाइड को खत्म कर वायु को शुद्ध करता है, जिसे 16°C से 20°C तापमान की जरूरत होती है.

प्रश्न–महादेश रचना (Epeirogeny) क्या है ?

उत्तर–पृथ्वी की आन्तरिक शक्ति के कारण बड़े पैमाने पर होने वाला भूपटलीय संचालन जिसके द्वारा महाद्वीपीय भाग में उत्थान अथवा धँसाव होता है, इसे महादेशीय संचलन कहते हैं. महादेशीय संचलन दो प्रकार का होता है, उपरिमुखी संचलन और अधोमुखी संचलन, उपरिमुखी संचलन से सम्पूर्ण महाद्वीप या उसका कोई भाग ऊपर उठ जाता है और महाद्वीप के किनारे की जलमग्न भूमि सागरीय जल से बहार निकल आती है तथा स्थल का विस्तार होता है, अधोमुखी संचलन के कारण सम्पूर्ण महाद्वीप या उसका कुछ भाग नीचे धँस जाता है. इससे महाद्वीप के आन्तरिक भाग में आन्तरिक सागर, झीलें, गर्त आदि निर्मित हो जाते हैं और सागर के तटवर्ती भाग जलमग्न हो जाते हैं तथा खाड़ियाँ, महाद्वीपीय मग्नतटों, एस्चुअरी आदि की रचना होती है, काला सागर और भूमध्य सागर की उत्पत्ति अधोमुखी महादेशीय संचलन के द्वारा हुई है.

प्रश्न–माकिस, माकिया या माकी (Maquis or Machia) क्या है ?

उत्तर–भूमध्य सागरीय प्रदेशों के कुछ भागों में विशेष रूप से अम्ल प्रधान मिट्टी में उगने वाली झाड़ी या छोटी-छोटी वनस्पति जो शुष्क ग्रीष्म ऋतु में भी सुरक्षित रहती है. इसमें छोटे-छोटे वृक्ष तथा सघन एवं सदाबहार जंगली झाड़ियाँ सम्मिलित होती हैं जिन्हें कृषि के उद्देश्य से साफ करना बहुत कठिन होता है. इसे फ्रांसीसी भाषा में माकिस और इतालवी भाषा में माकिया कहते हैं.

प्रश्न–मृदासर्पण (Solifluction) क्या है ?

उत्तर–परिहिमानी क्षेत्रों में स्थायी तुषार भूमि (Permafrost) पर संतृप्त मिट्टियों का ढाल के सहारे ऊपर से नीचे की ओर खिसकना, मृदासर्पण कहलाता है. वसंत ऋतु में गर्मी के बढ़ने पर स्थायी तुषार भूमि की ऊपरी परत पिघले हुए जल से मिलकर संतृप्त हो जाती है. भार में वृद्धि तथा असंगठित होने के कारण संतृप्त मिट्टी ढाल के सहारे नीचे की ओर सरकने लगती है और जहाँ ढाल में कमी हो जाती है, मिट्टी निक्षेपित होने लगती है. यहाँ से पुनः मिट्टी का सामूहिक स्थानान्तरण नीचे की ओर होता है, जिससे नदी घाटियों में मृदासर्पण सोपानों का निर्माण होता है.

प्रश्न–जन-पूँजीवाद क्या है ?

उत्तर–जन-पूँजीवाद (People's Capitalism) का तात्पर्य ऐसे पूँजीवाद से है जिसमें बड़े-बड़े उद्योग-धन्धों में शेयर आदि के माध्यम से जनता का पैसा लगा होता है अर्थात् उद्योग में लगने वाली पूँजी (Capital) पूरी तरह से उद्योगपति या किसी एक व्यक्ति की नहीं होती. उद्योग की लाभ-हानि का सीधा प्रभाव शेयरधारक पर पड़ता है, जोकि जन साधारण से ही होता है.

प्रश्न–अंटार्कटिक अभिसरण (Antartic Convergence) क्या है ?

उत्तर–अंटार्कटिका महाद्वीप के चारों स्थित महासागरों में एक सुनिश्चित सीमा जहाँ दक्षिण से आने वाला शीतल भारी जल वहाँ उपस्थित अपेक्षाकृत गर्म हल्के जल के नीचे बैठता है. यह सीमा ऋतु के अनुसार कुछ स्थानान्तरित होती रहती है, किन्तु सर्वाधिक गर्म महीने में यह सीमा 10° से 150° फ्रे.) की समताप रेखा के लगभग समानान्तर पाई जाती है. शीतल जल के अभिसरण से वायु एवं सागर के तापमान में परिवर्तन होता है, जिसका प्रभाव जीवों एवं वनस्पति पर पड़ता है.

प्रश्न–अन्तरा-उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (Inter tropical Convergence Zone) क्या है ?

उत्तर–यह भूमध्यरेखा और उसके समीपवर्ती क्षेत्रों में पाई जाने वाली निम्न वायुदाब की पेटी है, जहाँ उत्तरी-पूर्वी तथा दक्षिणी-पूर्वी व्यापारिक पवनें परस्पर मिलती हैं और अभिसरित होती हैं (नीचे बैठती हैं). यहाँ पवन प्रवाह अत्यन्त मंद होता है. अथवा वायु शान्त रहती है इस भूमध्यरेखीय प्रशान्त क्षेत्र को अन्तरा उष्ण कटिबंधीय वाताग्र भी कहा जाता है.

प्रश्न–अधिकेन्द्र (Epicentre) क्या है?

उत्तर–यह भूतल पर स्थित वह बिन्दु है, जो भूकम्प उत्पत्ति केन्द्र या भूकम्प मूल के ठीक ऊपर स्थित होता है. भूकम्पीय लहरों का सर्वप्रथम प्रभाव इसी स्थान पर होता है. भूकम्पीय लहरें अधिकेन्द्र पर पहुँचकर वहाँ से चारों ओर प्रसारित होती हैं. भूकम्पीय लहरों की तीव्रता अधिकेन्द्र पर सर्वाधिक होने के कारण यह अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होता है. ●●●

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

क्षमा वीरस्य भूषणम

✍ संजय प्रसाद

क्षमा धर्म है, क्षमा यज्ञ है, क्षमा वेद है और शास्त्र है, जो इस प्रकार जानता है वह सब कुछ क्षमा करने योग्य हो जाता है.

—वेदव्यास

क्षमा दो अक्षरों से बना मात्र शब्द है, लेकिन इसकी शक्ति अनंत है. बहुत ही विचारणीय बात यह है कि–

नरस्याभरणं रूपं, रूपस्याभरणं गुणः।
गुणास्याभरणं ज्ञानं, ज्ञानस्याभरणं क्षमा॥

अर्थात् "मानव का आभूषण रूप है, रूप का आभूषण गुण है, गुण का आभूषण ज्ञान है और ज्ञान का आभूषण क्षमा है."

सच में किसी की गलती के लिए उसे क्षमा करना आसान बात भी है और कठिन भी. आसान इस मायने में कही जा सकती है, क्योंकि क्षमादान से मनुष्यों के बीच तमाम द्वेष-द्वंद मिट जाते हैं, जबकि यह कार्य कठिन इसलिए है, क्योंकि हर किसी मनुष्य में क्षमा करने का गुण विद्यमान नहीं होते हैं. क्षमा याचना और क्षमादान से व्यक्ति कमजोर या दुर्बल नहीं होते हैं, बल्कि ऐसा करने से दोनों ही पक्ष अहंकार रूपी अग्नि में जलने से पूरी तरह बच जाते हैं. फलतः दोनों पक्षों के बीच आत्मीयता के भाव पहले के अपेक्षा और ही अधिक प्रबल होनी शुरू हो जाते हैं. सभ्य समाज हेतु क्षमा याचना और क्षमा दान का विशेष महत्व होता है. क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति निहित होती है. क्षमा मनुष्य की मनुष्य के प्रति कृतज्ञता होती है, इसलिए तो 'क्षमा दान को वीरों का आभूषण कहा गया है.' ठीक इसी तरह क्षमा याचना से मनुष्य का समस्त अहंकार मिट जाता है. क्षमा याचना हेतु मनुष्यों में अपनी गलती, असफलता व कमजोरी आदि को स्वीकार करने की क्षमता होनी जरूरी है. उदाहरणस्वरूप यदि मनुष्य के मुंह से कोई अपशब्द निकल जाए तो उसे वापस नहीं ले सकता है. चूँकि मनुष्य के मुंह से निकला अपशब्द धनुष से निकले तीर के समान होते हैं, जो सामने वाले के शरीर में घाव करके ही रहता है. इसलिए जाने-अनजाने में भी अपशब्द बोलने के उपरान्त अगर मनुष्य अपने किए पर शर्मिंदा होता है, तो उसके लिए उसके पास क्षमा याचना के अलावा और कोई दूसरा विकल्प नहीं शेष बचता है.

वास्तव में प्रत्येक मनुष्य अपने बारे में एक धारणा और विचारधारा बनाए होता है और वह उसी के अनुसार व्यवहार भी पेश करता है. ऐसे मनुष्य मन-ही-मन में तय कर लेता है कि लोग हमें किस रूप में देखे, क्या सोचे और क्या कहें ? जब कोई व्यक्ति उस मनुष्य के स्व-धारणा को ठेस पहुँचाता है तो उसे काफी अप्रिय लगता है. वह यह मानने लगता है कि उसकी स्व-धारणा को आहत करने वाले को हमसे क्षमा मांगनी चाहिए. ऐसी स्थिति में यदि सामने वाला क्षमा माँग लेता है तो पुनः उसकी स्व-अवधारणा स्थापित हो जाती है, वरना वह उस घटना रूपी घाव को एक लम्बे समय तक भूला नहीं पाता है. ऐसे ही परिस्थिति से निकलने का सटीक सुझाव देते हुए गुरु गोविन्द सिंह जी का कथन अनुकरणीय है कि–"यदि कोई दुर्बल मनुष्य अपमान करें तो उसे क्षमा कर दो, क्योंकि क्षमा करना तो वीरों का काम है, लेकिन अपमान करने वाला बलवान हो, तो उसको अवश्य दंड दो."

सच ही में मनुष्य की विशेषता होती है कि–स्वयं जीकर दूसरे को भी चैन से जीने दो. प्राणी मात्र में आत्मभावना, दया, क्षमा, सरलता आदि रखना हीं धर्म है. मानव धर्म के सामान्यतः दस लक्षण बताए गए हैं– धृति, क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इंद्रिय निरोध, धी (बुद्धि), विद्या, सत्य व अक्रोध. इन तमाम लक्षणों का जो सही रूपेण पालन करता है वह पूर्णतया मानव बना जाता है. ठीक इसके विपरीत चलने वाला मनुष्य दानव की श्रेणी में आता है. धर्म-परायण मानव के आगे तो अष्ट सिद्धियाँ भी तुच्छ होती हैं. ऐस लोगों के साथ किसी भी प्रकार की दुश्मनी नहीं चल सकती है. मानव के साथ धर्म का वही सम्बन्ध है, जो शरीर के साथ प्राण का है. धर्म ही सबसे प्रेम कराना-करना, दया करना, क्षमा करना, आत्म संतोष करना आदि अच्छे गुणों को अपनाने हेतु प्रेरित करता है. **धर्म वह वस्तु है जिसे सभी जन व समाज, सर्वोत्कृष्ट मानते हैं.**

कवि श्री रामधारी सिंह **'दिनकर'** ने अपने कविता से बिलकुल ही स्पष्ट किया है कि–

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो,
उसको क्या, जो दंतहीन
विषहीन, विनीत, सरल हो।
सहनशीलता, क्षमा, दया को
तभी पूजता जग है,
बल का दर्प चमकता उसके
पीछे जब जगमग हो।

क्षमा, दया, करुणा, सहनशीलता, परोपकार, सहयोग, सहानुभूति, अहिंसा, संवेदना, प्रेम या मानवता के प्रति सच्चा प्रेम आदि सभी ईश्वरीय या दैवीय गुणों को खरा उतारने से ही सच्चा मानव, महान पुरुष कहा जा सकता है. तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा का मानना है कि महात्मा बुद्ध को तभी सच्चा ज्ञान मिल पाया था, जब उनमें दया, क्षमा, करुणा, अहिंसा जैसे भाव चरम पर आए थे. हालाँकि ये सभी भाव एकाएक, एक दिन अथवा एक रात में ही नहीं जगाए जा सकते. इसके लिए निरंतर रूप से प्रयास करते रहने से, राक्षसी वृतियों को धीरे-धीरे त्यागने से एवं मानव विरोधी प्रवृत्तियाँ दूर हटाने आदि से ही पूर्णतः सम्भव होता है. इन सारे सद्गुणों का प्रारम्भ व्यक्ति/मानव के स्वयं के भीतर से उपजना चाहिए. खुद अपने त्रुटियों का मूल्यांकन करना एवं स्वयं भूल सुधार को क्षमा करने से खुद संतापादि से मुक्त होकर हम दूसरों को क्षमा करने का भाव स्वयंमेव ही उत्पन्न कर सकते हैं. साथ-ही, प्रतिहिंसा, क्रोध, प्रतिशोध, आक्रोश, घृणा, आत्मपीड़ा आदि अवगुणों को भी तिलांजलि देकर सरलता से दूर हटा सकते हैं. हमें प्रतिदिन थोड़ा-सा वक्त निकाल **'निर्मला पुतुल'** जी के कविता में निहित बूढ़ी पृथ्वी का दुःख को जरूर स्मरण करके सहनशीलता व क्षमा का भाव बढ़ाना चाहिए.

थोड़ा सा वक्त चुराकर बतियाया है कभी
कभी शिकायत न करने वाली
गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी से उसका दुःख ?
अगर नहीं, तो क्षमा करना !
मुझे तुम्हारे आदमी होने पर सन्देह है !

—निर्मला पुतुल

ऋग्वेद के मंत्र भी हमें खूब बताता है कि–**'मनुर्भव'** यानि हमें मानव बनने की ओर प्रेरित करता है. हमें प्रेरणा मिलती है कि तमाम ईश्वरीय गुणों (क्षमा, दया, सहनशीलता, परोपकार आदि जैसे) को मानव होने के नाते जरूर आत्मसात् करना ही चाहिए. ये सभी गुणों से ही नर, वीर हुए हैं. क्षमा करना तो वीरों का काम है.

"क्षमाशस्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं करिष्यति
अतृणे पतितो वह्नि स्वयंमेवोपशाम्यति।"

"अर्थात् जिस मनुष्य के हाथ में क्षमा रूपी शस्त्र है उसे दुष्ट मानव क्या बिगाड़ेगा ? जैसे बिना तिनकों वाली भूमि पर गिरी हुई अग्नि स्वयं ही बुझ जाती है."

समाज में ऐसे ही व्यक्ति को मूर्धन्यता प्रदान करती है, व्यक्ति को मान-सम्मान व पद-प्रतिष्ठा मिलती है, जो स्वयं स्वर्ण की

भाँति अग्नि परीक्षा के बाद भी मुस्कुरा रहे होते हैं, विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी जिसकी भौहों में तनिक भी सिकुड़न न पड़ती हों, गालियाँ खाने, तमाचा खाने व पिटे जाने के बाद भी जिनके हृदय में तिलभर भी प्रतिशोध व प्रतिहिंसा की भावना जाग्रत नहीं होती हो ऐसे व्यक्ति सचमुच इस जगत में महान वीर पुरुषों में गिने जाते हैं. ऐसे लोग स्वयं कितनों ही कष्टों को हँसते-हँसते सहन कर लेते हैं, भूल जाते हैं व क्षमा कर देते हैं, परन्तु कष्ट देने वालों अथवा राक्षसी प्रवृतियों वालों के साथ थोड़ा-सा भी उल्टे व्यवहार नहीं करते हैं. ऐसे महान वीर पुरुषों को इनके जीवनकाल से आज तक भी मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा ज्यों-की-त्यों बनी है. ऐसे महान आत्मा आज भी हर समाज में श्रद्धा और आदर के साथ पूज्य बने हुए हैं व जय-जयकार करते हैं. इन सभी ने विराट हृदय से समस्त मानव-जीवों के प्रति असीम प्रेम, दया क्षमा रखें, किसी के साथ कोई अपेक्षा न रखे, दुराव हटा लगाव बढ़ाए, सबको समभाव व सद्भावमय से गले लगाए सहयोगी बने. ऐसे वीर सपूत जो क्षमा रूपी जहर भी खुद के शरीर में वरण किए. शत्-शत् नमन है, जिन्होंने 'क्षमा' रूपी मर्ज की दवा को स्वयं ही आजमाएं और पूरी दुनिया में सुख की अनोखी, खुशबूदार, शीतल, जनकल्याणी व दुःख हरनी बयार चहुँ ओर प्रवाहित किया हो.

सर्वविदित है कि ईसा मसीह को शूली चढ़ाया गया, सुकरात को अपनी प्यारी जान गंवानी पड़ी, पीर अली को फाँसी के फंदे गले लगाने पड़े महावीर, बुद्ध, गुरुनानक ऐसे लोगों को दर-दर की ठोकरें खाए, ढेला खाए, नाना प्रकार के दुष्ट प्रवृति वालों ने सजा दिए, फिर भी सभी की बातें भूलकर, क्षमा कर, बैर भूलकर सभी को कल्याण की राह बताकर आज भी श्रद्धेय बने हुए हैं. हिन्दु, मुसलमान, सिख, पारसी, देश-विदेश के तमाम लोगों ने इनके क्षमा व बलिदान पर आंसू बहाए. ऐसे वीरों को क्षमा जैसी गुणों की मोती आभूषण बनकर चमाचम-चमचम सुशोभित कर रहा है. अतः सच में श्री क्षेमेंद्र जी का कथन सत्य हीं है कि– **''ज्ञान का भूषण क्षमा है.''**

क्षमा ही प्रेम की सबसे शक्तिशाली सम्प्रेषक है, क्षमा ही प्रेम का सत्य प्रतिनिधित्व करती है, तथा क्षमा ही प्रेम का प्रतीक भी है. वीर इसी गुण को धारण कर निरन्तर प्रेम प्रवाह की सीमा को और भी विस्तारित करता चलते-चलते सहजभाव से पूर्णता प्राप्त करता है.

क्षमा तो वैसा शीतल जीवन फुआर की भाँति है, जो बड़े-बड़े दुश्मन के दिलों दिमाग व आत्मा तक को भी शीतलता प्रदान कर पूर्णतः शीतल कर देती है इस नन्हें शब्द में अजूबा मानवीय भावनाओं में अद्भुत सिहरन उत्पन्न करने की बेजोड़ क्षमता होती है. जाने जब नेल्सन मंडेला जेल में गए थे, तब वहाँ मौजूद तीन श्वेत वार्डन उन्हें काफी यंत्रणा दिया करते थे. संयोगवश एक लोकतांत्रिक समारोह में मंडेला महोदय ने तीनों श्वेत वार्डनों को विशिष्ट अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया था. मंडेला महोदय जी ने बड़े सहजभाव से कहा था–**''मैंने इन्हें इसलिए आमंत्रित किया है, ताकि आज की सारी खुशियाँ मैं इनके साथ ही बाँटना चाहता हूँ.''** मंडेला सारी की सारी ज्यादतियों को भूलकर क्षमाशील बन गए. क्षमा खुद का तो कल्मष नष्ट करती ही है बल्कि दूसरों के भी हृदय को कल्मष मुक्त बना देती है. क्षमा करने वाले स्वर्ण धातु की तरह बहुमूल्य समझे जाते हैं. ऐसे इन्सान भगवान कहे जाने लगते हैं. किसी के शत्रु नहीं बल्कि अजातशत्रु हो जाते हैं. इसलिए किसी ने बहुत ठीक ही लिखा है कि–

''नीच बन जाता है इन्सान सजाएं देकर।
जीतना ठीक है दुश्मन को दुआएँ देकर॥''

कवि रहीम ने एक पौराणिक कथा के बारे में बहुत ही एक सुन्दर रचना में लिखा है–

''छिमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात
का रहीम हरिको घट्यो, जो भृगु मारी लात''

निःसंदेह ब्रह्मा-विष्णु-महेश इन तीनों में विष्णु ही महान कहलाए हैं, क्योंकि उनके अन्तसः भाव में सर्वश्रेष्ठ क्षमा की भावना समाहित होती है. इसी ही भावना से ओतप्रोत प्रवाहित होकर भगवान विष्णु जी क्षुद्र अथवा अपने से छोटे जनों के उत्पात (गलती) को अत्यन्त ही सहज भाव से क्षमा करने की क्षमता से विद्यमान होते हैं. अतः हमें मानव होने के नाते भी हमेशा इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि क्षमा भाव जरूर रखें, इसे कभी भी न भूलें/भले ही दूसरे की गलती को जरूर भूल जाओ/अपने भीतर की घृणा और बदले रूपी आग को बुझा दें. हमारा अंतःकरण बिलकुल स्वच्छ हो ताकि स्वच्छ अंतःकरण से 'क्षमा' रूपी पुष्प खिल सकें. ध्यातव्य हो कि मलिन अंतःकरण में तो जूही जैसे फूल के हार भी जलते-लहलहाते अंगारें की भाँति धू-धू करके जलाती रहती हैं. अतः वीरों के जीवन हेतु 'क्षमा' को आत्मसात् करना ही श्रेष्ठकर एवं यही सच्चा आभूषण होगा. भगवान महावीर का मंत्र ख्याल से जपते रहें–

''तुम सोने से पहले सबको क्षमा कर दो, तुम्हारे जागने से पहले मैं तुम्हें क्षमा कर दूँगा।''

अंततः वीर भाव में क्षमा रूपी गहना जरूर शोभायमान होगा.

●●●

प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण व सक्सेस मिरर-हिन्दी
तथा प्रतियोगिता दर्पण-अंग्रेजी
के
1·69 करोड़ से भी अधिक कुल पाठकों (TR) को
धन्यवाद

प्रतियोगिता दर्पण समूह ने **सामान्य ज्ञान** की हिन्दी भाषा की अपनी अग्रणी पत्रिकाओं–**प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण** व **सक्सेस मिरर** तथा **प्रतियोगिता दर्पण-अंग्रेजी** के जरिए प्रतियोगी परीक्षाओं के **लाखों प्रतिभागियों** को अपने लक्ष्य तक पहुँचाया है. बहुआयामी पत्रिकाओं के **1·69 करोड़** से अधिक पाठकों ने इन पत्रिकाओं को देश में उच्चतम शिखर पर पहुँचाकर इन्हें सुशोभित किया है. **70·00 लाख** पाठक संख्या के साथ **सामान्य ज्ञान दर्पण, 60·76 लाख** पाठक संख्या के साथ **प्रतियोगिता दर्पण, 19.86 लाख** पाठक संख्या के साथ **सक्सेस मिरर** तथा **18.77 लाख** पाठकों के साथ **प्रतियोगिता दर्पण-अंग्रेजी** ने इस श्रेणी की सभी भाषाओं की अन्य पत्रिकाओं को काफी पीछे छोड़ दिया है.

इंडियन रीडरशिप सर्वे (IRS-2019-Q2) के अनुसार हिन्दी भाषी पत्रिकाओं में समूह की **तीनों हिन्दी पत्रिकाएँ** देश में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली पत्रिकाओं में शामिल हैं तथा प्रतियोगिता दर्पण-अंग्रेजी, भारत में पढ़ी जाने वाली सभी अंग्रेजी भाषा की पत्रिकाओं में पाँचवें स्थान पर सुशोभित है।

ऐसा प्रतियोगिता दर्पण समूह के प्रति आपके सतत् और स्थायी विश्वास के चलते ही सम्भव हो सका है.

प्रतियोगिता दर्पण समूह सभी चारों पत्रिकाओं की औसत इश्यू पाठक संख्या (AIR)–1·06 करोड़

आपका विश्वास कायम रहे,
इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत् रहेंगे।

सम्पादक

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–483 का परिणाम

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

विषय : क्षमा वीरस्य भूषणम

प्रथम संजय प्रसाद
श्री जगदेव प्रसाद, ग्राम-रिसोंद,
पो.-शालेपुर, फतेहपुर चांकद
थाना-बेलागंज, जिला-गया
पिन–804404

द्वितीय विभव सक्सेना
श्री रघुवंश चन्द्र सक्सेना
बल्लभ नगर कॉलोनी, पीलीभीत
(उत्तर प्रदेश), पिन–262001

तृतीय संध्या श्रीवास्तव
सरयू नहर खण्ड-I, गोरखपुर
पिन–273008

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. जितेन्द्र कुमार रावत
धरमकांटा, अनाजमंडी
सुन्हेरा रोड़ु, सबलगढ़
जिला–मुरैना
2. शिवांगी सिंह
ममफोर्ड गंज
प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
पिन–211002
3. कैलाश वर्मा
फ्रिंटियर-मुख्यालय
सीमा सुरक्षा बल
गुजरात-पोस्ट वी.एस.एफ. कैम्पस
गाँधीनगर (गुजरात)
पिन–382045
4. अनिल कुमार सिंह
फ्लैट नं. 32, एम.आई.जी
कॉलोनी, स्टैनलीरोड,
कमला नगर,
प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
पिन–211002
5. अंकिता झा
जिला–मधेपुरा (बिहार)
पिन–852101

➡ उपर्युक्त पुरस्कृत निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 200 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 200 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–192 का सर्वशुद्ध हल एवं पुरस्कार विजेता

प्रतियोगिता के नियमानुसार प्रवेश प्रारूप-पत्र पर प्राप्त हलों के परीक्षण के उपरान्त निम्नलिखित प्रतियोगी पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुए हैं. 'प्रतियोगिता दर्पण' उनकी सफलता पर शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है तथा उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति के प्रति आभार व्यक्त करती है.

पुरस्कृत विजेता

प्रथम पुरस्कार रीनी मिश्रा
D-19/3, डीआरडीओ टाउनशिप
कंचनबाग
हैदराबाद (तेलंगाना) पिन–500 058

द्वितीय पुरस्कार शिवानी यादव
C/o विकास सक्सेना
रवीन्द्र नगर, बदायूँ रोड
बरेली (उ. प्र.) पिन–243 001

तृतीय पुरस्कार सुमन कुमार
S/o श्री महेश्वर ठाकुर
ग्राम–शाहजादापुर, पोस्ट–रामचंद्रपुर
जिला–समस्तीपुर (बिहार) पिन–848 127

सर्वशुद्ध हल

1. (B)	2. (A)	3. (B)	4. (D)	5. (C)	6. (B)	7. (B)
8. (C)	9. (A)	10. (B)	11. (A)	12. (B)	13. (C)	14. (A)
15. (B)	16. (A)	17. (A)	18. (C)	19. (B)	20. (C)	21. (C)
22. (B)	23. (D)	24. (D)	25. (B)	26. (D)	27. (B)	28. (D)

उपकार
नवीन संस्करण
लघु सिंचाई विभाग
सहायक
बोरिंग टेक्नीशियन
(सामान्य चयन) भर्ती परीक्षा
लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन कोड 1166 ₹ 230/-

विशेषताएँ
✿ पिछला प्रश्न-पत्र हल सहित
✿ हिन्दी परिज्ञान एवं लेखन योग्यता
✿ सामान्य बुद्धि परीक्षण
✿ प्रारम्भिक गणित
✿ ट्रेड सम्बन्धित प्रश्न

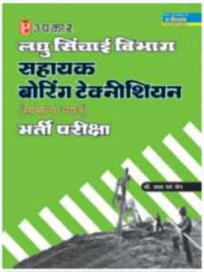

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

1. करत करत अभ्यास के,
   जड़मति होत सुजान ।
   रसरी आवत जात से,
   सिल पर होत निशान ।।
   उपर्युक्त पंक्तियों के कवि हैं–
   (A) मलूकदास
   (B) वृन्द
   (C) गिरिधर कविराय
   (D) विद्यापति
2. दक्षिण में विष्णु भक्तों को कहते हैं–
   (A) भक्त (B) आयर
   (C) आलंवार (D) नायर
3. भागवत धर्म में कितने प्रकार की भक्ति को माना गया है ?
   (A) 3 (B) 6
   (C) 9 (D) 12
4. मुहम्मद तुगलक को किस इतिहासकार ने 'पागल' कहा ?
   (A) स्मिथ
   (B) आर.पी. त्रिपाठी
   (C) एलफिन्सटन
   (D) वेनपूल
5. "There are the times that try men's souls."
   यह पंक्ति निम्नलिखित विद्वान् की है–
   (A) थॉमस पेन
   (B) जॉर्ज हरबर्ट
   (C) मैथ्यू
   (D) अलेक्जेण्डर पोप
6. तेल की एक बूँद का घनत्व $0·95 \times 10^3$ किग्रा/मी^{3} तथा त्रिज्या 10^{-4} सेमी है. यह 1·3 किग्रा/मी^{3} घनत्व तथा 18×10^{-6} किग्रा/(मीटर-सेकण्ड) श्यानता गुणांक की वायु में गिर रही है. बूँद का सीमान्त वेग होगा ?
   (A) 0·0115 सेमी/से.
   (B) 2·3 मी/से.
   (C) 0·13 मी/से.
   (D) 0·0037 सेमी/से.
7. खेल प्रबन्धन शृंखला की अन्तिम कड़ी है–
   (A) नियन्त्रण एवं मूल्यांकन
   (B) वित्त एवं बजट
   (C) जनसम्पर्क
   (D) समग्र नियन्त्रण
8. यान्त्रिकी दबाव, ध्वनि इत्यादि भौतिक ऊर्जा (Physical Energy) के सन्दर्भ में उद्दीपन को किस मनोवैज्ञानिक ने परिभाषित किया ?
   (A) थॉर्नडाइक (B) स्कीनर
   (C) कोहलर (D) हल
9. निम्नलिखित में से यह कथन किसका था, "मुद्रास्फीति प्रत्येक स्थान पर और सदैव एक मौद्रिक घटना है ?"
   (A) मिल्टन फ्रीडमैन
   (B) जेम्स टोबिन
   (C) टी.डब्ल्यू. स्वान
   (D) ए.डब्ल्यू. फिलिप्स
10. आपूर्ति में जितना अधिक लोच होगा, उतना ही अधिक होगा–
    (A) क्रेता पर करापात
    (B) विक्रेता पर करापात
    (C) विक्रेता पर कराघात
    (D) क्रेता पर कराघात
11. निम्नलिखित में से कौन कृषि पर डब्ल्यूटीओ करार (एओए) का हिस्सा नहीं है ?
    (A) 'इनपुट' सब्सिडी
    (B) निर्यात सब्सिडी
    (C) घरेलू समर्थन
    (D) बाजार अभिगम्यता
12. उपभोक्ता के बचत विचार के प्रतिपादक थे–
    (A) ड्यूपिट (B) मार्शल
    (C) हिक्स (D) एलन
13. आभास लगान कब उत्पन्न होता है ?
    (A) अति अल्पकाल में
    (B) अल्पकाल में
    (C) दीर्घकाल में
    (D) अति दीर्घकाल में
14. 20°C पर 0·1 N फॉर्मिक अम्ल विलयन 4·5% वियोजित है. अम्ल का वियोजन नियतांक होगा–
    (A) $2·7 \times 10^{-7}$
    (B) $1·3 \times 10^{-4}$
    (C) $3·7 \times 10^{-11}$
    (D) $2·1 \times 10^{-4}$
15. डीएनए में क्षारक-युग्म इनके द्वारा सम्बद्ध रहते हैं–
    (A) आयनिक बन्ध
    (B) फॉस्फेट समूह
    (C) हाइड्रोजन बन्ध
    (D) डिऑक्सीराइबोस समूह
16. सपना तन्त्र (Dream Mechanism) निम्नलिखित में से कौनसा प्रकार है ?
    (A) प्रतीकीकरण
    (B) उदात्तीकरण
    (C) तार्किकीकरण
    (D) दमन (Repression)
17. नि:शक्त व्यक्ति के अधिकार अधिनियम, 2016 में कितनी दिव्यांगताएँ हैं ?
    (A) 7 (B) 14
    (C) 21 (D) 28
18. नियमों के अनुपालन नहीं करने को कहा जाता है–
    (A) अपराध
    (B) आदत
    (C) विचलन
    (D) बाल अपराध
19. महिलाओं का अश्लील प्रतिनिधित्व (प्रतिषेध) अधिनियम कब पारित किया गया था ?
    (A) 1983 (B) 1984
    (C) 1996 (D) 1986
20. कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा ...... में 'कारखाना' शब्द को परिभाषित किया गया है.
    (A) 2(S) (B) 2(P)
    (C) 2(V) (D) 2(M)
21. एक प्रकाश-स्रोत, एक पर्दे के सामने कुछ दूरी पर रखा है. यदि स्रोत की तीव्रता चार गुनी हो जाए तथा पर्दे से उसकी दूरी दोगुनी हो जाए, तो पर्दे पर प्रदीपन की तीव्रता पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?
    (A) कोई प्रभाव नहीं होगा
    (B) तीव्रता घट जाएगी
    (C) तीव्रता बढ़ जाएगी
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
22. दाब तथा घनत्व की समान दशाओं में द्विपरमाणुक गैस में ध्वनि की चाल होगी–
    (A) एकपरमाणुक गैस से अधिक
    (B) त्रिपरमाणुक गैस से अधिक
    (C) एकपरमाणुक गैस के बराबर
    (D) त्रिपरमाणुक गैस से कम
23. दूरसंचार प्रोसेसर है ?
    (A) मोडेम मल्टीप्लेयर
    (B) फ्रन्ट एण्ड प्रोसेसर
    (C) उपर्युक्त दोनों
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. "उच्च न्यायालय का न्यायाधीश सरकारी सेवक नहीं है." यह बात कही गई थी–
(A) स्टेट ऑफ बॉम्बे *बनाम* बलसारा में
(B) यूनियन ऑफ इण्डिया *बनाम* अजमेर में
(C) विजय कॉटन मिल्स *बनाम* अजमेर में
(D) चिरंजीत लाल चौधरी *बनाम* भारत संघ में

25. कौनसा सिद्धान्त संघ और राज्यों के मध्य विधायी शक्तियों के विभाजन से सम्बन्धित है ?
(A) अधित्याग का सिद्धान्त
(B) पृथकरणीयता का सिद्धान्त
(C) सार तथा तत्व का सिद्धान्त
(D) आच्छादन का सिद्धान्त

26. निम्नलिखित में से कौनसा नियम अधिगम (Learning) का गौण नियम है ?
(A) तत्परता नियम (B) आसन्नकाल नियम
(C) अभ्यास नियम (D) प्रभाव नियम

27. संलग्न चित्र को पहचानिए–

(A) गोविन्दा
(B) बिल क्लिन्टन
(C) बोरिस जॉनसन
(D) टोनी ग्रेग

28. पार्श्व में दिए गए चित्र को पहचानिए–

(A) शिवराज सिंह चौहान
(B) एस. जयशंकर
(C) आमिर खान
(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

1. इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्याशी भाग ले सकेंगे.
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है. प्रविष्टियाँ सामान्य डाक से ही भेजी जाएं तथा लिफाफे पर बाईं ओर '**सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता**' अवश्य लिखें.
3. प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रपत्र पर ही मान्य होंगे.
4. प्रश्न के क्रमांक के आगे चार खाने बने हैं. प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझें उस कॉलम में केवल गुणा (×) का चिह्न लगाएं. एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न निरस्त कर दिया जाएगा.
5. प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें.
6. अशुद्ध उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे.
7. सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कारस्वरूप ₹ 700 दिए जाएंगे. उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः ₹ 500 व ₹ 300 का होगा. यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी.
8. पुरस्कार के विषय में सम्पादक का निर्णय सर्वमान्य होगा. किसी भी दशा में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा.

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–193 का हल भेजने की अन्तिम तिथि 10 अक्टूबर, 2019

नाम श्री/कु./श्रीमती ____________________

पूरा पता ____________________

____

____

राज्य .... **पिन कोड नं.** ☐☐☐☐☐☐

मो. नं. ____________________

आयु .... **शैक्षणिक योग्यता** ....

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं ____________________

____

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता** के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूँ।

....

(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या ____________________

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या ____________________

अशुद्ध हल प्रश्नों की संख्या ____________________

अर्जित अंक ____________________

उत्तर-पत्र

प्रश्न संख्या	A	B	C	D	प्रश्न संख्या	A	B	C	D
1.	☐	☐	☐	☐	15.	☐	☐	☐	☐
2.	☐	☐	☐	☐	16.	☐	☐	☐	☐
3.	☐	☐	☐	☐	17.	☐	☐	☐	☐
4.	☐	☐	☐	☐	18.	☐	☐	☐	☐
5.	☐	☐	☐	☐	19.	☐	☐	☐	☐
6.	☐	☐	☐	☐	20.	☐	☐	☐	☐
7.	☐	☐	☐	☐	21.	☐	☐	☐	☐
8.	☐	☐	☐	☐	22.	☐	☐	☐	☐
9.	☐	☐	☐	☐	23.	☐	☐	☐	☐
10.	☐	☐	☐	☐	24.	☐	☐	☐	☐
11.	☐	☐	☐	☐	25.	☐	☐	☐	☐
12.	☐	☐	☐	☐	26.	☐	☐	☐	☐
13.	☐	☐	☐	☐	27.	☐	☐	☐	☐
14.	☐	☐	☐	☐	28.	☐	☐	☐	☐

Join @Edu_Books

राज्य समाचार

उत्तर प्रदेश

मंत्रिपरिषद् का पहला विस्तार

मार्च 2017 में शपथ ग्रहण करने के 28 माह के पश्चात् उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी मंत्रिपरिषद् का पहला विस्तार 21 अगस्त, 2019 को किया. इसके तहत् 23 मंत्रियों को शपथ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दिलाई. इनमें 18 नए चेहरे हैं, जबकि पहले के 5 राज्य मंत्रियों को प्रोन्नत किया गया है. (इनमें से 4 को कैबिनेट मंत्री व एक को स्वतंत्र प्रभार का राज्य मंत्री बनाया गया है.)

- *इस विस्तार के पश्चात् उत्तर प्रदेश मंत्रि-परिषद् में मंत्रियों की कुल संख्या 56 (मुख्यमंत्री सहित) हो गई है. इनमें 25 कैबिनेट मंत्री (मुख्यमंत्री सहित), 9 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री तथा 22 राज्य मंत्री शामिल हैं.*
- *मार्च 2017 में योगी सरकार के गठन के समय मंत्रिपरिषद् में सदस्यों की संख्या 47 थी. इनमें से 3 ने लोक सभा का सदस्य चुने जाने के पश्चात् त्यागपत्र दे दिया था, एक मंत्री को बर्खास्त किया गया था, जबकि कुछ मंत्रियों के त्यागपत्र मंत्रिपरिषद् विस्तार से पूर्व ले लिए गए थे.*

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के 10 वर्षों के पुरस्कार एक साथ घोषित

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी (लखनऊ) ने संगीत, नृत्य, नाट्य व कलाओं के क्षेत्रों के वर्ष 2009 से 2018 तक के 10 वर्षों के अपने पुरस्कारों की घोषणा 29 अगस्त, 2019 को एक साथ की. 5 कलाकारों को अकादमी की रत्न सदस्यता तथा 106 कलाकारों को अलग-अलग वर्षों के लिए अकादमी पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है. प्रत्येक पुरस्कार के तहत् ₹ 10-10 हजार की राशि ताम्रपत्र के साथ प्रदान की जाएगी. रत्न सदस्यता के लिए कोई पुरस्कार राशि नहीं दी जाती. पुरस्कारों का वितरण अक्टूबर 2019 में सम्भावित है.

सरकारी कर्मचारियों के 6 भत्ते समाप्त

उत्तर प्रदेश शासन के कर्मचारियों को मिल रहे 6 तरह के भत्ते प्रदेश सरकार ने अगस्त 2019 में समाप्त कर दिए हैं. इनमें द्विभाषी प्रोत्साहन भत्ता (Two language encouragement allowance), कम्प्यूटर संचालन व प्रोत्साहन भत्ता (Encouragement allowance for computer operations), स्नातकोत्तर भत्ता (Postgraduate allowance), कैश हैंडलिंग भत्ता, परियोजना भत्ता (सिंचाई विभाग) तथा स्वैच्छिक परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत अतिरिक्त प्रोत्साहन भत्ता शामिल हैं. इससे प्रदेश सरकार के 15 लाख कर्मचारियों में से लगभग 8 लाख कर्मचारी प्रभावित होंगे.

इन भत्तों को समाप्त करने सम्बन्धी शासनादेश 22 अगस्त, 2019 को जारी किया गया.

बिहार

कोसी-मेची लिंक परियोजना को केन्द्र की मंजूरी

बिहार में कोसी व मेची नदियों को जोड़ने की ₹ 4900 करोड़ की महत्वाकांक्षी परियोजना को केन्द्र सरकार ने मंजूरी अगस्त 2019 में प्रदान कर दी है. इससे सीमांचल के अररिया, किशनगंज, पूर्णिया व कटिहार जिलों की 2·14 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा तथा साथ ही बाढ़ का खतरा भी कम हो सकेगा. **इस परियोजना के तहत् पहले से निर्मित कोसी मुख्य नहर की रिमॉडलिंग करते हुए इसका विस्तार मेची नदी तक किया जाएगा.**

कोसी मेची लिंक परियोजना देश में दूसरी केन्द्र प्रायोजित नदी जोड़ो परियोजना है. इसी तरह की एक अन्य केन-बेतवा परि-योजना मध्य प्रदेश में स्वीकृत है.

राजस्थान

लिंचिंग से संरक्षण विधेयक (2019)

राजस्थान में मॉब लिंचिंग के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए एक संरक्षण विधेयक राज्य विधान सभा में 5 अगस्त, 2019 को पारित किया गया है. राजस्थान लिंचिंग से संरक्षण विधेयक-2019 (Rajasthan Protection from Lynching Bill-2019) को सदन ने ध्वनि मत से ही पारित किया है. राज्य के संसदीय कार्यमंत्री द्वारा यह विधेयक 30 जुलाई को ही विधान सभा में प्रस्तुत किया गया था. मॉब लिंचिंग को गैर जमानती विशेष अपराध मानते हुए इसके लिए आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान विधेयक में किया गया है. **राजस्थान ऐसा कानून बनाने वाला मणिपुर के बाद देश का दूसरा राज्य है. मणिपुर में इस आशय का विधेयक दिसम्बर 2018 में पारित किया गया था, किन्तु वहाँ अभी तक इसे लागू नहीं किया गया है.**

राजस्थान में पारित किए गए विधेयक में दो या दो से अधिक के समूह को मॉब लिंचिंग के दायरे में लाया गया है.

मंत्री पद से हटने के दो माह तक सरकारी आवास न खाली करने पर ₹ 10 हजार प्रतिदिन जुर्माना : संशोधन विधेयक पारित

राजस्थान में मंत्रियों के अपने पद से हटने के पश्चात् दो माह की नियत अवधि में सरकारी आवास न छोड़ने पर ₹ 10 हजार प्रतिदिन जुर्माना अदा करना होगा. इसके लिए एक संशोधन विधेयक-**राजस्थान मंत्री वेतन (संशोधन) विधेयक 2019 [Rajasthan Ministers Salaries (Amendment) Bill-2019]** को राज्य विधान सभा ने 2 अगस्त, 2019 को पारित किया है.

मंत्री पद से हटने के पश्चात् दो माह में सरकारी आवास खाली न करने पर ₹ 5 हजार मासिक जुर्माने का ही प्रावधान इससे पूर्व था. मौजूदा गहलोत सरकार ने उपर्युक्त विधेयक पारित कराकर जुर्माना राशि को बढ़ाकर ₹ 10 हजार प्रतिदिन किया है. इस मामले में सरकार का मानना है कि पूर्व मंत्रियों के आवास खाली न किए जाने के कारण नए मंत्रियों को आवास नहीं मिल पाते. इस समस्या के समाधान हेतु ही नया विधेयक पारित किया गया है.

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जातियों व अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण में वृद्धि

छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जातियों व अन्य पिछड़ा वर्गों (OBCs) के लिए आरक्षण में

वृद्धि की घोषणा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर में झंडारोहण के समय की है. राज्य में अनुसूचित जातियों के लिए 12 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए 14 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था वर्तमान में है. इन्हें बढ़ाकर क्रमशः 13 प्रतिशत व 27 प्रतिशत करने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की है. आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ में अनु. जनजातियों के लिए आरक्षण 32 प्रतिशत है. नई घोषणाओं के कार्यान्वयन से राज्य में कुल आरक्षण 72 प्रतिशत हो जाएगा.

हाथियों के लिए लेमरू एलीफेंट रिजर्व

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के अनुसार राज्य में हाथियों की आवाजाही से जान-माल की बड़ी हानि होती है. इसका एक बड़ा एक कारण हाथियों को उनके पंसदीदा स्थान पर रहने की सुविधा न होना है. इस दिशा में गम्भीरता से विचार के पश्चात् हाथियों के लिए लेमरू एलीफेंट रिजर्व (Lemru Elephant Reserve) बनाने का निर्णय राज्य सरकार ने किया है. इस आशय की घोषणा मुख्यमंत्री ने 15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रायपुर में की. मुख्यमंत्री के अनुसार कोरबा जिले में बनने वाला यह रिजर्व विश्व में अपनी तरह का पहला 'एलीफेंट रिजर्व' होगा, जहाँ हाथियों के लिए स्थायी ठिकाना होगा.

'गौरेला पेंड्रा मरवाही' छत्तीसगढ़ में 28वाँ जिला होगा

15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रायपुर में ध्वजारोहण के अवसर पर प्रदेश में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही नाम एक नए जिले के गठन की घोषणा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने की. इससे छत्तीसगढ़ में जिलों की कुल संख्या अब 28 हो जाएगी. इसके साथ ही प्रदेश में 25 नई तहसीलों के गठन की घोषणा भी मुख्यमंत्री ने 15 अगस्त, 2019 को ही की.

हरियाणा

महाराष्ट्र के 'मकोका' की तर्ज पर हरियाणा में भी 'हकोका' का प्रावधान

संगठित अपराधों की रोकथाम व ऐसे अपराधों से निपटने के लिए महाराष्ट्र के

'मकोका' (MCOCA) की तर्ज पर 'हकोका' (HCOCA — Haryana Control of Organised Crime) अधिनियम हरियाणा में अगस्त 2019 में पारित किया गया है. इसके लिए चार वर्ष से अधर में लटके हकोका विधेयक को विधान सभा ने मानसून सत्र के अन्तिम दिन 6 अगस्त, 2019 को पारित किया है. संगठित अपराध के तहत् किसी की मृत्यु के मामलों में आरोपी को आजीवन कारावास से लेकर फाँसी तथा न्यूनतम ₹ 1 लाख तक के दण्ड का प्रावधान इस कानून में है. आरोपियों के लिए जमानत का प्रावधान इस कानून में नहीं है. इस तरह का कड़ा कानून अभी तक महाराष्ट्र के अतिरिक्त दिल्ली में ही लागू है.

●●●

शेष पृष्ठ 34 का

- *इलाहाबाद बैंक का विलय इंडियन बैंक में किया जाएगा. इस विलय के पश्चात् बैंक की कुल परिसम्पत्तियाँ ₹5·3 लाख करोड़ होंगी जबकि इसकी शाखाओं की संख्या 6,104 हो जाएगी.*

उपर्युक्त विलय के चलते सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंक 4 बैंकों में रूपान्तरित हो जाएंगे. सार्वजनिक क्षेत्र के 8 अन्य बैंकों–बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इण्डिया, सेण्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन ओवरसीज बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र तथा पंजाब एण्ड सिंध बैंक की स्थिति यथावत् बनी रहेगी, जिससे सार्वजनिक बैंकों की कुल संख्या 18 से घट कर 12 रह जाएगी. विलय की प्रस्तावित प्रक्रिया कब पूर्ण होगी, इसके बारे में निर्णय बैंकों के निदेशक मण्डलों द्वारा ही लिया जाएगा.

2018-19 में रिकॉर्ड ₹ 1·76 लाख करोड़ सरकार को हस्तांतरित करने का रिजर्व बैंक का फैसला

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लाभांश एवं अतिरिक्त प्रावधान के रूप में कुल मिलाकर ₹ 1,76,051 करोड़ की रिकॉर्ड राशि का हस्तांतरण सरकार को इस वर्ष किया जाएगा. बिमल जालान समिति की संस्तुति के आधार पर आरबीआई के सेंट्रल बोर्ड द्वारा इस आशय का निर्णय 26 अगस्त, 2019 की बैठक में लिया गया. **हस्तांतरित की जाने वाली ₹ 1,76,051 करोड़ की राशि में ₹ 1,23,414 करोड़ 2018-19 के लिए लाभांश के रूप में है जबकि ₹ 52637 करोड़ इकोनॉमिक कैपिटल फ्रेमवर्क (ECF) के तहत् अतिरिक्त प्रावधान (Excess provisions) के रूप में निर्धारित किए गए हैं.**

- *2018-19 के लिए सरकार को दिया जाने वाला ₹ 1,23,414 करोड़ का सरप्लस (लाभांश) पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है. पिछले वर्ष 2017-18 के लिए ₹ 50 हजार करोड़ तथा उससे पूर्व 2016-17 के लिए ₹ 30,659 करोड़ का डिविडेंड आरबीआई द्वारा सरकार को दिया गया था.*

भारतीय रिजर्व बैंक के सरप्लस फंड के सरकार को बढ़े हुए हस्तांतरण से

- ***सरकार को अपना राजकोषीय घाटा सीमित रखने में मदद मिलेगी.***
- ***विकास की बड़ी परियोजनाओं हेतु पूँजीगत व्यय की व्यवस्था करने में सरकार को मदद मिलेगी.***
- ***लोककल्याणकारी योजनाओं के वित्तीयन में सरकार को मदद मिलेगी.***
- ***सरकार द्वारा इस राशि के व्यय किए जाने से अर्थव्यवस्था में तरलता के प्रवाह में वृद्धि होगी तथा मंदी के दौर से अर्थव्यवस्था को बाहर निकालने में यह सहायक होगा.***

आरबीआई बोर्ड द्वारा ₹ 1·76 लाख करोड़ सरकार को उपलब्ध कराने का निर्णय पूर्व गवर्नर डॉ. बिमल जालान की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति की संस्तुति के आधार पर किया गया है. रिजर्व बैंक के कामकाज के लिए आर्थिक पूँजी/बफर पूँजी के उपयुक्त स्तर के निर्धारण तथा आवश्यकता से अधिक पड़ी पूँजी सरकार को हस्तांतरित करने के बारे में सिफारिशें देने के लिए आरबीआई द्वारा इस समिति का गठन दिसम्बर 2018 में सरकार की सलाह पर ही किया गया था.

- *इस मामले में वित्त मंत्रालय का मानना था कि **इकोनॉमिक कैपिटल फ्रेमवर्क** के मामले में अन्य देशों में अपनाए जा रहे सर्वश्रेष्ठ तौर-तरीकों को ही आरबीआई भी अपनाए तथा अपने रिजर्व में से अपेक्षाकृत अधिक राशि का ट्रांसफर सरकार को करे.*
- *इसी सिलसिले में 1997 में वी. सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में 2004 में उषा थोराट की अध्यक्षता में तथा 2013 में वाई. एच. मालेगाम की अध्यक्षता में समितियाँ गठित की गई थीं.*
- *बिमल जालान की अध्यक्षता वाली समिति की अन्य विभिन्न सिफारिशें भी आरबीआई बोर्ड द्वारा स्वीकार की गई हैं.*

हाल ही के वर्षों में आरबीआई द्वारा सरकार को प्रदत्त लाभांश

वर्ष	लाभांश (₹ करोड़ में)
2013-14	52,679
2014-15	65,896
2015-16	65,876
2016-17	30,659
2017-18	50,000
2018-19	1,23,414

●●●

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11 A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से प्रकाशित

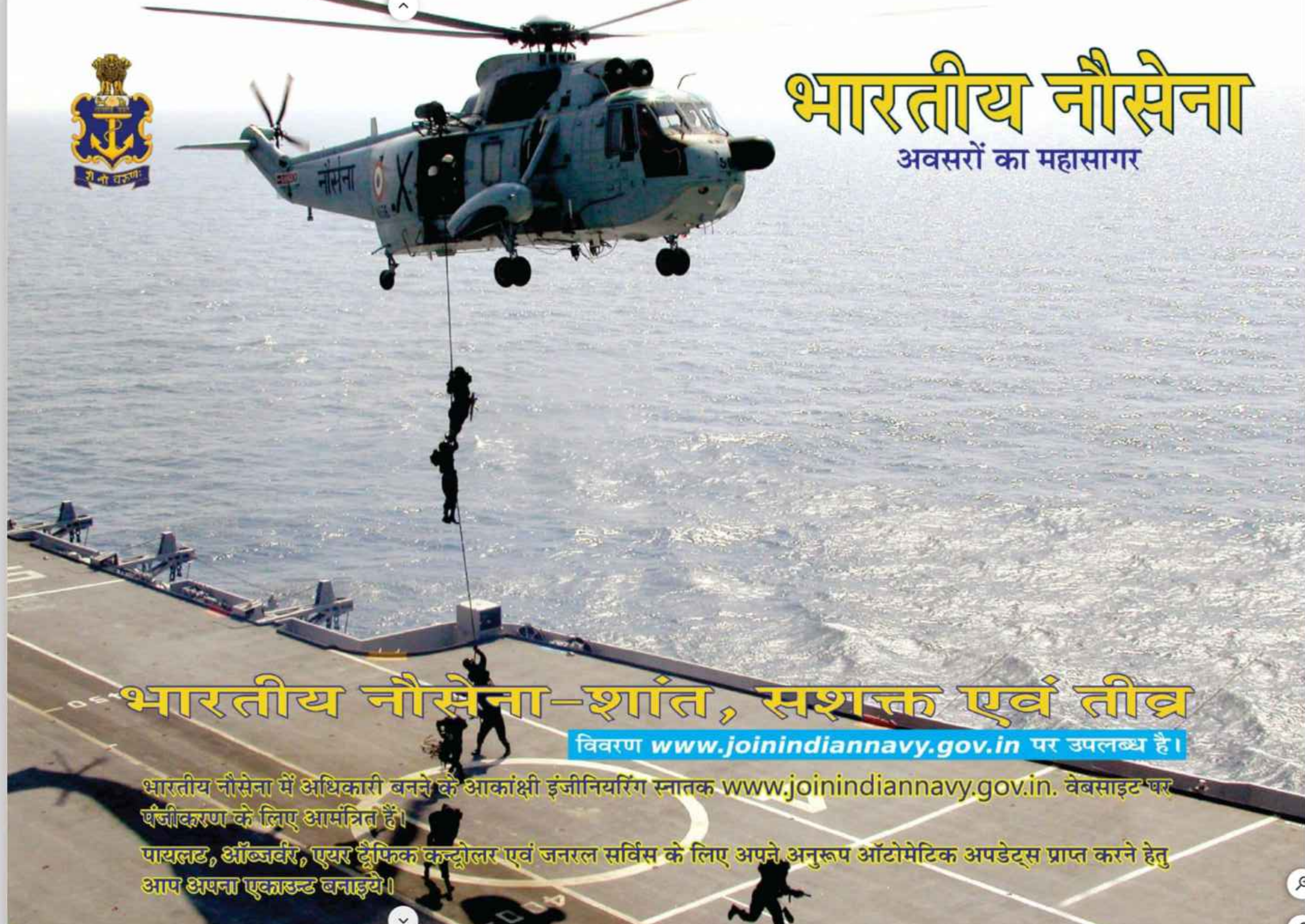

भारतीय नौसेना
अवसरों का महासागर
शं नो वरुणः
नौसेना
भारतीय नौसेना–शांत, सशक्त एवं तीव्र
विवरण www.joinindiannavy.gov.in पर उपलब्ध है।
भारतीय नौसेना में अधिकारी बनने के आकांक्षी इंजीनियरिंग स्नातक www.joinindiannavy.gov.in. वेबसाइट पर पंजीकरण के लिए आमंत्रित हैं।
पायलट, ऑब्जर्वर, एयर ट्रैफिक कन्ट्रोलर एवं जनरल सर्विस के लिए अपने अनुरूप ऑटोमेटिक अपडेट्स प्राप्त करने हेतु आप अपना एकाउन्ट बनाइये।

Posting Date : 6, 7 & 9 Sept., 2019 (Agra-2)
Publishing Date : 5 Sept., 2019 Postal Regd. No. AGRA-47/2018-20
RNI No. 38696/7

ALTERNATIVE LEARNING SYSTEMS LTD.

IAS/PCS हेतु देश का सबसे प्रामाणिक तथा विश्वसनीय प्रशिक्षण संस्थान

ALS Alternative Learning Systems

DIRECT CLASSROOM PROGRAMME (Face-to-Face)

Only at DELHI, Dr. Mukherjee Nagar & Shalimar Place

परीक्षा मात्र अभ्यर्थियों को ही नहीं, बल्कि संस्थान को भी परखती है। यकीनन हमलोग गर्व से कहते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हिन्दी माध्यम के

1

5 सर्वोच्च रैंकर्स (1st RANKERS)

मनोज कुमार सिंह | Managing Director: Alternative Learning Systems (ALS)

के मार्गदर्शन में कक्षा कार्यक्रम से सफल हुए...

2005 से अब तक केवल हिन्दी माध्यम में **300 से अधिक चयन**

पिछले 18 वर्षों में, ALS ने 4 आई.ए.एस. टॉपर्स, हिन्दी माध्यम के 5 सर्वोच्च रैंकर्स, टॉप 10 में 29 रैंकर्स, टॉप 20 में 64 रैंकर्स, टॉप 50 में 176 रैंकर्स तथा कुल 2837+ सफल अभ्यर्थियों के कैरियरग्राफ को प्रदर्शित किया है।

सामान्य अध्ययन

EXTENSIVE **FOUNDATION** IAS 2020–2021

Main Paper-I, II, III, IV + ESSAY + PRELIMS + CSAT

सामान्य अध्ययन के लिए सबसे अनुभवी टीम

विश्व इतिहास, भारतीय इतिहास एवं भारतीय अर्थव्यवस्था
Hemant Jha

आंतरिक सुरक्षा एवं गवर्नेंस
R.C. Sinha

भारतीय राजव्यवस्था
Manish Gautam एवं Sharad Tripathi

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं समसामयिकी
Sharad Tripathi

भूगोल एवं पर्यावरण- **Sachin Arora**

नीतिशास्त्र- **KM Pathi**

भारतीय अर्थव्यवस्था (प्रारंभिक परीक्षा विशेष)
RAMESH SINGH
(Renowned subject expert & writer of McGraw Hill BEST SELLERS)

Prelim first

प्रारंभिक परीक्षा रणनीति, आधुनिक भारत एवं भारतीय राजव्यवस्था (विशेष प्रारंभिक परीक्षा कक्षाएं)
MANOJ KUMAR SINGH

कार्यशाला के साथ बैच प्रारंभ

SEP 15 > 11:30AM
SEP 24 > 11:30AM
OCT 08 > 11:30AM

Admission Open
Limited Seats

IAS GS हिन्दी माध्यम सफलता मिशन

पहली बार पूर्व में प्रारंभिक परीक्षा दे चुके अभ्यर्थियों के लिए सिर्फ रु. 3000 में कोर्स उपलब्ध

ALS, मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में तीन प्रकार के प्रारंभिक परीक्षा कोर्स आरंभ कर रहा है - प्रारंभिक परीक्षा 90 दिवसीय कोर्स, 30 दिवसीय कोर्स एवं 15 दिवसीय कोर्स। 15 दिवसीय एवं 30 दिवसीय कोर्स उन अभ्यर्थियों के लिए है जो पूर्व में प्रारंभिक परीक्षा दे चुके हैं या एक बार उनकी तैयारी हो गई है।

बैच प्रारंभ SEP 20 | 03:00PM

प्रारंभिक परीक्षा 2020 — 90 DAYS, 300 HOURS, 03:00 - 06:00PM	प्रारंभिक परीक्षा Prelim first — 30 DAYS, 100 HOURS, 03:00 - 06:00PM	प्रारंभिक परीक्षा Revision Course for Old Students — 15 DAYS, 50 HOURS, 03:00 - 06:00PM

वैकल्पिक विषय
प्रवेश प्रारंभ । सीमित सीटें

इतिहास, हिन्दी साहित्य, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, लोक प्रशासन, भूगोल, संस्कृत

सामान्य अध्ययन कक्षा कार्यक्रम (Face-to-Face) सिर्फ दिल्ली में उपलब्ध

ALS Alternative Learning Systems

ALTERNATIVE LEARNING SYSTEMS LTD.
ALS, B-19, ALS House, Commercial Complex, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09.
9999343999, 9910602288, 011-27651110
Online registration also available, visit us at www.alsias.net

ISGS
INDIAN SCHOOL OF GENERAL STUDIES